

भजन माला

रचनाकार : स्वामी कृष्ण जुव राजदान



तरतीब व पेशकश:-

स्व. पं. के. एन. फोतेदार

डॉ. आर. एल. फोतेदार

भजन माला

रचनाकार : स्वामी कृष्ण जुव रज़दान

<http://ikashmir.net/krishnajoorazdan/index.html>

First Edition, *July 2006*

Copyright © 2006 by **Kashmir News Network** (KNN) (<http://iKashmir.net>)

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced in whole or in part, or stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without written permission of Kashmir News Network. For permission regarding publication, send an e-mail to sunilfotedar@kplink.com

Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

Transcription of
Swami Krishna Joo Razdan's Kashmiri Bhajans & Leelas
into standard (approved) Devnagri script.



Original Compiled by (with Explanatory notes):

Late Pt. Kailash Nath Fotedar

Sathoo Bar Bar Shah

Srinagar

Kashmir, India

<http://fotedar.org/KailashNath>



Transcription, Editing & Compilation by:

Dr. R. L. Fotedar

'Shehjar' House

Dugal Khola Top

Almora

Uttaranchal, India

<http://fotedar.org/Rattan>



The original manuscript has been typed by:

M. K. Raina

101-A, Pushp Vihar, Shastri Nagar,

Vasai Road (W), Dist. Thane 401 202,

Maharashtra, India

<http://mkraina.com>

With an Introduction by:

Dr. Shashi Shekhar Toshkhani

<http://ikashmir.net/sstoshkhani>

Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

Table of Contents

कुञ्ज	i
पौर्यज्ञान	ii
Introduction	iv

क्रम		ब. नं.	स. नं.
	अ / अँ		
1.	अरे किस राजा की राजकुमारी	51	60
2.	असान असान दपान ओसुख सदा शिव	121	136
3.	अनिगट्ट चँज फोज संगरमालो	177	200
4.	अज तान्य दोप मे लाल यिख हल	185	209
5.	अमर पानो ब्रम समसार छुय	186	211
6.	अंतकालचि जालु छम	213	247
7.	असि क्याजि गछि छलु छंगरि मन	246	293
8.	अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है	284	343
9.	अज सॉन्य व्यनती सत् ग्वरु सादय	293	359
	आ / आँ		
10.	आव हय नन्दु लाल बिन्द्राबन	87	100
11.	आदि प्रबातस बूल कोस्तूरी	174	196
12.	आदि प्रबातस अँछ मुचरजे	175	197
13.	आश्चर्यवत छ्य याला चाला	215	250
14.	आदि दिगम्बरु श्री अमृतीश्वर	260	313
15.	आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेर न वनुनुय	298	366
	इ		
16.	इशारा अख कोरुथ खँत्य स्वनुकिय कोह	123	138
17.	इसतादु अख जंगि व्यठ गुह्य र्यूंजा	322	404
	ऐ		
18.	ऐसे ऐसे रंग से सुनाया हल	59	68
	ओ		
19.	ओमकारु रूपु छुख सर्वु आदिकारो	1	1
20.	ओम कर श्रूख पर श्री गणेशाये	105	118
21.	ओम सत् च्यत आनन्दुगनु टोठ	136	153
22.	ओमुय छुय आत्मु दीवुय	182	206
23.	ओम सत् च्यत आनन्दु गनु पूरुनु	239	283

Table of Contents

24.	ओम सत् च्यत आनन्दु कन्दु गोविन्दु	289	350
25.	ओमकारु रुपस शसनय आये	344	437
	उ		
26.	उमा रुद्रस त्रुबवन सास्स	5	5
	क		
27.	कानों में तडकी हाथ में त्रिशूला	12	14
28.	कस्नावतारु नावु निशि युसनु जांह डलि	18	21
29.	कुस कस जेवे कुस कस मरे	25	29
30.	क्यों न करियो दया दयासागरु हरु	30	35
31.	कोफूर्य अंगु सफेद रंगु	38	44
32.	कर्मवान हीमाल ओस बोड दयावान	44	51
33.	करुन्य बक्ती तोता च्रेय परमु शक्ती	65	74
34.	कलन छुस ज्यव डलन छम छुय सतुय सत्	71	80
35.	कम वस्त्र च्रे नॉल्य क्याह वनु लो लो	90	103
36.	करनि लॅग्य नेरनुच साँरी तयाँरी	132	148
37.	कर मै पदमु पॅत्रन न्यॅत्रन मंज वास	137	154
38.	कॅस्थि सतुराथ साँरी हर्शागन आँस्य	152	172
39.	क्रपा करतम हॅरी हर्य	160	180
40.	कृष्णस छरान अँस्य गॅयि मचय	165	185
41.	कृष्ण छुख मंज हनि हनि लो लो	166	186
42.	कृष्ण चॉनिस होशस लगय	187	212
43.	कथु कैर्य कैर्य गोम ल्वकृचार	200	230
44.	कोकृनूसन सोज चानि मायि वोन	209	243
45.	कस वॅनिथ ह्यकृ आलुच्युक हल शोम्भू	234	272
46.	काशी से कश्मीर मण्डल में आइए	242	287
47.	कमल रूपी चरन चॉन्य स्टेय शसन च्रे आय	248	295
48.	कुल जगत युस जानि फॉनी सुय ग्याँनी छुय	249	296
49.	क्या कहें अकूरजी ने कैसा किया यह काम	273	331
50.	कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन	275	333
51.	कृष्ण तुम को मैं यह बिनती करता हूँ बारम्बार	276	335
52.	काल के डंडे से हमको बचाओ	285	345
53.	कर्ता चु छुख आश्चर्यवत	296	362
54.	कर्ता चु छुख अन्यथा कर्ता	297	364
55.	कृष्ण जुव यियि गरुड्स क्यथ दान दासन छस	307	376
56.	कामदीनु रखनि द्राख ब्रज गामु	319	400

Table of Contents

	ख		
57.	खव खसु पोशि पूज करु ज़ालाये	7	8
	ग		
58.	गट पछ चँद्व चूडन म्वख होवुय	4	4
59.	गन्दर्व लूक आव वायनि बाजे	102	115
60.	गनन गनन प्रेयम येलि तमि युथ वोन	103	116
61.	ग्यवुन गिन्दुन नचुन तति साखिय ह्योत	107	120
62.	गोकुलानन्दु गोविन्दु गोपालय	125	141
63.	गोशि व्यठ पोशनूल छुख चु बोलन	126	142
64.	गछि कुठि बेहनोव रछुवुन लछुनोव	207	239
65.	गदा द्रास बेख्याये	247	294
66.	गेविम अनजॉन्य पॉठ्य यिम चॉन्य नावुय	272	330
	च / च		
67.	चरनन हुन्दि द्यान स्वसनय	16	18
68.	च्यथ सुफारचि चाफ ऑलु सुफॉरी	55	64
69.	चे विन किथु ह्यक दोह गुजरॉविथ	159	179
70.	चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रारय बो	214	248
71.	चोन अनुग्रेह छु अन्न दनु माल शोम्भू	270	328
72.	च्यत गोम शांत चोन प्रेयमु अमर्यत चोम	313	385
73.	चु छुहॉम जमनायि बँठ्य बँठ्य फेरन	329	415
	छ		
74.	छुय बांडु जेशना चानि मायायि हुंद कास्खानय	237	276
75.	छु क्याह प्रावुन यमि समसारय	240	285
76.	छख मह्य वेद्या जगत माता	253	302
77.	छेडें परहेज संजीवन का दवा कर मुझको	287	347
78.	छुख मूख्य दाता पानु चुय	290	353
79.	छस बो राधा कृष्ण नावस कलु वन्दुनुय यियि ना	309	380
80.	छ्य रातकलस मंज्र जानुवारन बबय रातस छुय बेदार	325	407
81.	छुय जगत चानि द्रेश्टी	339	429
	ज / ज		
82.	जब उनकी लीला शिवजी ने समझा	31	36
83.	जॉन्य गाश मूह ने रॉच गॅटरोवुम	34	39
84.	जग येलि म्वकल्याव वाउ तु कारय	40	47
85.	जगननाथ जग से किनारे गयो रे	41	48
86.	जय कर जय कर ही म्रैत्यंजय	172	194

Table of Contents

87.	जगत माता दीवी चु छख वाँतिथ हनि हने	257	309
88.	जागो जागो श्याम सुन्दर योग निद्रा से	283	342
89.	जमनायि चँदुभागायि वँन्य दिमुयो	331	417
90.	जाफुर्य पोशस छु लँक्ष्मी अंग तय ट	334	420
91.	टेवन चुय छुख बक्ति बावस	70	79
92.	ठठि म्याने मूह न्यँद्रे अँछ मुचरिजे	223	258
93.	ठठि म्याने रामु रामु रामु रामु कर ढ	314	386
94.	ढूँढ ढूँढ घर से निकाला त / त्र	46	53
95.	तप साधके कर निर्मल मन	53	62
96.	तोता बूजिथ स्यवह ख्वश गव केशव	128	144
97.	तारि छुस गोमुत तार दिम बवुसरु	238	280
98.	त्रुजगतपालु सानि कपालु लेख पननि प्रेयमुक्य ग्वन	264	319
99.	तोतायि चानि गेव्यम छम दया चॉन्य	265	320
100.	त्वलसी तु ग्वलाब आरुवल हीय फ्वजि थरि थरे द	327	410
101.	दखि प्रजापतनिस यँगन्यस	6	6
102.	दमु दमु शमु नमु प्यमु पायस तय	33	38
103.	दँमी ड्यूठुम शबनम प्यवान	35	40
104.	दया कर मे दयावानु	47	54
105.	दोपुस सादन मे प्यठ नाहकय गँयख तंग	54	63
106.	दयन दयायि सुत्य ह्योत दयि बतु ख्योन	113	128
107.	दर्मुक दैर कोर खँत्य हँस्वनसुय	140	158
108.	द्वर्गथ छि चलन व्वन्य छि गलन असि रूग साँरी	225	261
109.	दँमी ड्यूठुम नब न्यथु नोनुय	228	265
110.	दीवु द्रेश्ट असि प्यठ कोनु छुख त्रावन	235	273
111.	दयायि हुँघ ग्वन चॉन्य बडि खोतय बँडिय	243	288
112.	दीवी चरन चॉनी बक्त स्वसन छि	250	299
113.	दया कर ही दीवी बक्त आमृत्य शसन च्चे छिय	252	301
114.	देह पोशु थँर म्याँन्य हर्दु वावु सुत्य हरि ध	299	367
115.	धासना में तुम्हार ध्यान दारें	15	17
116.	ध्यान से दयावान भगवान पाइए	24	28

Table of Contents

न			
117.	न्यथ चॉन्य पूजा शिव शंकरु करु	23	27
118.	नॉल्य छ्य कपालय मालु शोम्भू	29	33
119.	निशि अंतु रस्ति आगरु शोम्भू	36	41
120.	न च्छुख साद तय न च्छु संन्यास	57	66
121.	नन्दलाल आव गिन्दने रास	81	93
122.	न्यथ पोशुवुनि थरि फल फूल हय	104	117
123.	नन्दन बागस मंजु न्यखंदन	131	147
124.	नारायणो नारायणो	139	156
125.	न्यखानु परमुपद दर्मु सबाये	149	169
126.	न्यरंजन वॉतिथ प्यव ला-मकानस	156	176
127.	नूरु बॅर्यथुय सूरु मॅती असुनाह कोर गाश आव	176	198
128.	नेशकामु न्यस्मलु नेशकलु शोम्भू	192	219
129.	नमामि शंकर त्वम परमेश्वर	245	292
130.	नालु कड छुम मूह जाल नॉल्य	268	325
प / प्र			
131.	परम ब्रह्म परमु शिवु शिव शंकरे	19	22
132.	परम आत्मा पानु छुख मन तय प्रान	22	26
133.	प्रेयम ओसुय शिवु सुंद ज्यनु कालय	64	73
134.	परमु शक्ती वरुवुन परमेश्वर हय	73	84
135.	पॉर्य पॉर्य लॅगितोस स्थु सवारे	83	95
136.	पालवुनि यमि हलु वथ लॅज बालु बालु	118	133
137.	पांच दोह यावनुन्य श्रावनुन्य सूरी	164	184
138.	प्रबात हो आव अॅछ मुच्चराव	178	201
139.	पथकुन अमर्यत छु प्योमुत यारे	199	229
140.	पम्पोशि पादन श्री रानु ब्रॉरी	258	310
141.	परामत्मा पानय छु कायायि मंजु	271	329
142.	पानस अंदर ब्रह्म ओसुम	295	361
143.	पोशि लंजि छ्य बॅर्य बॅरिये हीय थॅरिये चे	308	378
144.	पूजि लागय ग्वलाब ब्यल तु मादल तु हीय	315	388
145.	पिंचु-कानि अलु ड्लु चोन पानस तय	320	401
146.	परम-आत्मु परमानन्दु परमेश्वरु	326	408
147.	प्रबात फोलुम म्खवा छेलुम द्वखा चोलुम स्वखा आम	342	432
फ			
148.	फवकुडूना गव जलु मंजु खरय	183	207

Table of Contents

149.	फंस गए मोह जाल में हम तुझे आए शरन	277	336
150.	फरख रोस्तुय मे वॅनिमय चॉन्य लीला	302	370
	ब / ब्र		
151.	ब्यल तय मादल व्यनु ग्वलाब	14	16
152.	ब्रेशबासन न्यरग्वनु ग्वन च़े सॉरी	20	23
153.	बन्द कोरनस बो बाशे ज़गतुचि वाल वाशे	26	30
154.	बक्ती बावनायि किन्य छुस दस्त बस्तय	37	43
155.	बाल नेरि चानि वेरि शोम्भू	89	102
156.	बावु यावुन छु होशि पोशि थरि शोम्भू	93	106
157.	बनोवुन दासु बावस दास कैलास	99	112
158.	बावु पम्पोश फोल्य प्रेयमय सरसुय	108	121
159.	ब्रेशबस युस छु खसुवुनये	110	124
160.	बक्तु वत्सल मोनुख म्यॉन्य मनुनुय	112	126
161.	बो क्याह वनु लूकुनुय तति हल क्युथ गव	124	140
162.	बालक अवस्थायि लगयो बो	134	150
163.	बाल छुय लाल त्रटि कनि वासुक हटि	153	173
164.	बालु छंड्य हस्वखु बालु शोम्भू	167	187
165.	बयु रोस्त थावतम ज़यि सानो	181	205
166.	बालु कृष्णस छस बो प्रारान	189	214
167.	बूलु बालु बालकन सुत्य खेलनावतम	196	226
168.	बालु पान आलवय बालव बालव	201	231
169.	बेख्यायि अँस्य द्राय आय च़ेय निशि दयावानय	236	274
170.	ब्यल पूजा करु नेशकल कलमालादरसुय	244	289
171.	ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय	263	317
172.	बक्तु वत्सलु सर्वु शक्तीमानो	269	327
173.	ब्रौठ प्योम तुलमुल मंजु मंजुगोम	291	354
174.	बीदु द्रेश्टी सॉन्य हार	300	368
175.	ब्रम गोम डीशिथ स्वस्मस तु साज़स	312	384
176.	बुँ बुँ करान बोम्बूर वुछ प्यठ हीये मे	330	416
	भ / भ्र		
177.	भवॉनी आयि अज़ जंगल बखानु	63	72
178.	भ्रम मस पीके मस्त गए हम	282	341
179.	भीलनी का झूव मेवा रामजी ने खाया	286	346
	म		
180.	में तेरे मन में तू मेरे मन में	21	25

Table of Contents

181.	मे गम कोसुथ दिगम्बरय	77	89
182.	मुस्ली शब्दा गव आसि कनन	86	98
183.	मन म्योन निद्राबन तु लो लो	92	105
184.	महारजस सुत्य सालर आये	95	108
185.	म्यवु कनि म्वखतु वोथ चंदन बागस	96	109
186.	महादीव येलि महाराजा बँनिथ आव	97	110
187.	म्वखतु कनि ताख छिस तापुदानस	106	119
188.	महमायायि प्रेत्यख होव दर्शुन	115	130
189.	मदुकैट्ख मारुवुनि खदुवेश दारुवुनि	135	152
190.	मूह गटु चँज सत्संगुके गाशे	179	203
191.	मंज नीलि माजय ताजु थोवथस यिछि राजु चाले	224	260
192.	म्वकलाव मंजु काँदखानय	233	271
193.	मंगल रूपी दीवी महा मंगल दितम चु मे	251	300
194.	मे संतन ह्लिश न छम शाँती न शम दम	266	321
195.	मथुरा से बिन्द्राबन में आया	279	338
196.	म्वखतु हासस थोद करुम म्वल प्वखतु खँरीदार मे	292	355
197.	मूह निशि डालतम सर्वु शक्तिमानय	301	369
198.	मे कुकिलि ड्यूठुम बस्मु मँलिथ वासुक हटे	304	372
199.	मंजु बागन प्यठ सब्जु-ज़ारन	311	383
200.	म्यँचा मलन नूला चलन	324	406
201.	मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो	337	425
	य		
202.	यिमय पतु दिमयो नाद	45	52
203.	यिथय पॉठ्य शिवु लीला लँज वनुने	48	56
204.	यि बूज़िथ वेष्णुजी ख्वश स्यवह गव	69	78
205.	यिथय पॉठ्य पार्वतीयि शिव लीला	74	86
206.	यि लीला बूज़िथ ख्वश गव महेश्वर	76	88
207.	यि बूज़िथ त्रेयलूकचि त्रियि आये	82	94
208.	युस छु सर्वु स्रेश्टी हुन्द बब तय मोजी	94	107
209.	यि कँछ ओस लॉज़िम करनि लँग्य ती	109	123
210.	यिथुय रंग वूछ्थि मीनावँती वनन आँस	111	125
211.	येछि चानि दानि दानि वचि स्वनु शीनु मानि	122	137
212.	यिम दिम बवु सरु तार	154	174
213.	यस छु हर म्वखु प्यठ वसुवुन पोन्य	169	191
214.	यस छु हटि वासुक तस छु जेटि पोन्य	171	193

Table of Contents

215.	यूग बल सहस्र दल डल द्युत मे दम हरे	191	218
216.	यितु मे निशि दर्शुन दितु शोम्भू	241	286
217.	युथ युन गछुन त्युथ ज्योन मरुन गछिय नु मे र	340	430
218.	राजन वैन्य येलि लीला स्वन्दर	39	46
219.	र्येशा अख ओस ओसुस शिव सुन्द बाव	67	76
220.	रंग बुलबुल छुय जटदारी	91	104
221.	राजु हमसा गरु चामय	100	113
222.	रातस द्यन गव बँसतियि वन गव	142	161
223.	रूपु रस्ति कुस ज्ञानि कमि सना नयि गोख	157	177
224.	रामजुव श्यामु रूप हवे	184	208
225.	रछ आपदायव निशि गरि गरे	231	268
226.	राजीशोरी राजन हुन्ज छख बँड सरकार	255	306
227.	राधे श्याम हरे कृष्ण अरे प्रभु गोपाल ल	278	337
228.	लजायि रस्ति प्रजाये	75	87
229.	लथ लॉयिथ समसास्स	143	162
230.	लगयो परम् गँचुय	188	213
231.	लाल यितु सालु प्यालु हो बरयो	220	255
232.	लाल यियम छलु मासन द्यान बो दासन छस व	310	382
233.	वीरु बँद्रन दिवताह छ्यपु दॉविन	11	13
234.	वेलु वोट मेलनुक दर्शुन मे हव	49	57
235.	वुछुन जूगिस बन्योमुत ब्याख रंगा	60	69
236.	वनवुनि अछु रछ वछु स्वर्गुदारय	98	111
237.	वननि लँज प्रेश्वी किथु कँन्य दरय बो	117	132
238.	वुछिथ स्वनु शीन गँयि हॉरान सॉरी	119	134
239.	व्यमानस क्यथ पकान ह्यथ ऑस्य भवॉनी	145	164
240.	व्वथु न्यँद्रे बालु गूपालो	180	204
241.	वारु वनतम मारु मते	202	232
242.	व्यनथ बोजुम चु राधा कृष्ण	221	256
243.	वाँसा मे गँयम ललुनावान यथ कायाये	222	257
244.	वावस मंजु छम पकुवन्य नावा	229	266
245.	वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु त्रैख्यस ओलये	259	311
246.	वैशय बूगन हुन्जुय छ्य सारिनिय प्रय	267	324

Table of Contents

247.	वनय दीवीयि छ्य काँशुर ज्यवुय वँठ	288	349
248.	व्रत दौर यँड चोल बूग बार	317	397
249.	वुछ्म छि साँरिय मंज्र गामु चंदन कूलिस	335	421
250.	वुछ श्यामु स्वन्दर न्यँत्रन अंदर	338	427
श / श्र			
251.	शिवनाथ आनन्द अमर्यत चावतम	2	2
252.	शिव नावस प्यठ सपजुख सँतिये	8	9
253.	शिवजी ओस प्यठ कैलासस	10	12
254.	श्री न्याराकारय त्रुबवनसारय	17	20
255.	शिव शिव करियो जीता मरियो	27	31
256.	श्वबु लख्यन साँरिय छियो	28	32
257.	शरन डीशिथ फिरुन जूगी वरन प्योस	58	67
258.	शब्दस कन थव वन हँरिये	78	90
259.	श्रोग ज़ोन शिव रूप द्रोग ज़ोन स्वन	120	135
260.	शंख चूड मारुवुनि मोर मुकटु दारुवुनि	138	155
261.	श्यामु स्वन्दर बेह स्वन्दर जाये	141	159
162.	शखुच रोस्त शक्त प्रावु	147	167
263.	श्यामु छुय क्वछि सूमु सिरियि रूपु प्रभात	150	170
264.	शिव रँच हुन्दि दोह बीठ्य नेशकाम	151	171
265.	शामु शामय श्यामु रूप गोरुम	170	192
266.	श्यामु वरनु कमलु चरनु पदमु नयनदौरी	203	233
267.	श्यामु स्वन्दर बसंत जामु पुस्थि	208	242
268.	शामु वेलय जामु छेतिये	211	245
269.	शामु कालु गूर्य बालकन सुत्य कमि हलु	216	251
270.	शंकरु लगुयो पंकजु पादन	226	262
271.	श्यामु स्वन्दर सुबह ह्यथ यियि	232	270
272.	श्री राजु राजीशोरी आमृत्य शरन छिय	254	304
273.	शोडशिकला छख चु चँद्वकलावँती	256	308
274.	श्वबु शब्द बोजन छि कन तय	336	423
स			
275.	सावदान मन छुम परमानन्द	3	3
276.	सर्वु व्यापक छख रँजा भवौनी	9	10
277.	स्वयं हृदय म्योन	32	37
278.	सेतारु स्वर गोय कनुनुय कनुनुय	42	49
279.	सदा शिव साँमियो छुख जगि पालन	43	50

Table of Contents

280.	सदा शिव जूग्य लॉगिथ आस लारान	50	59
281.	सदा शिवन दोपनस अज़ हद कोरुथ तप	62	71
282.	सदा शिव सॉमियी छुस बक्तु ह्यूनय	72	81
283.	स्यवह येलि सॉपनुस मन सावदानुय	79	91
284.	सॉमिवे विगिन्यव हैयतव वनुवनये	80	92
285.	सर्वु आकारु रूपु वेष्णु भगवानस	84	96
286.	स्वनु शीनु बुतरत बसनय आये	114	129
287.	सॉमिवो लूकव शीन ज़न वालव	116	131
288.	सॉथ आव बामुन द्राव ह्वछिमुचि हरि	127	143
289.	सत् प्वर्शन हुन्दि सत्ज़नय	129	145
290.	सत्ज़न बन मन कर कैलासुय	130	146
291.	सुमरनि चानि सॉरी पाप हॉरी	146	165
292.	सनम्वख यितु द्यानु सुत्य नितु म्योन मन	161	181
293.	सतुचिय वति पख सत् बूमिकायि ज़ान	162	182
294.	सुलि व्वथ बोज़ राजु ह्मसुन्य बूल्य	163	183
295.	सरे शामय गरे द्रायस	169	191
296.	सॉमिवी कॅखि अथुवास	190	216
297.	सॉरी समव तु पायस प्यमव	193	220
298.	सोरुय अमि यमि सानय	194	222
299.	सरु कोर समसार नदरुय द्राव	195	223
300.	सॉरी ह्यथ निम सर्वु व्वपकॉरी	197	227
301.	सदा शिव सॉमियो कर म्योन चारय	198	228
302.	सनम्वख यिम तु मो दिम डलु	205	236
303.	सिरियि वुज़नोवुम चॅद्रमु सोवुम	219	254
304.	संतु अज़ बसंतु जोरा गोख हॉविथ यी पज़्या	230	267
305.	सबों को ले गया तन मन	280	339
306.	संकट कट अथु रठ दयालय	294	360
307.	स्यदु सादु समसारु सारु मूख्य द्वार दिम	303	371
308.	सुय ओस मोठ्मुत येम्य पॉदु कोरुमुत छु यूत समसार	316	391
309.	सतुचिय थ्यथ थवतु म्यॉनिस नेशकाम बक्ती बावुसुय	318	399
310.	सर्वु आकारु रूपु येम्य म्वख होवुय	321	403
311.	सिरियि खोत शाहर गाम वोट दोह गुज़रोव	328	413
312.	सिरियि छुख चॅद्रमु ह्यथ खसुनुय	332	418
313.	संकट गटु चॅज अज़ बटुवारे	341	431
314.	सॉमिवू म्यंत्रव लोलचि कायायि	343	434

Table of Contents

ह			
315.	ही परात पर वेशीश्वर शिव शंकरु हर	13	15
316.	हतो सादो मतो वनतम चु यिछ कथ	52	61
317.	हतो सादो कपट सोरुय वनन छुख	56	65
318.	ही शिवु शंकरु परमेश्वरु हर	61	70
319.	हीमालु परखतने गरि ज्ञायख	66	75
320.	हरे नारायणस लोग बावने हल	68	77
321.	ही अगूरु नील कंठु छुख चु हन हन तय	85	97
322.	हमसु पखु ह्यथ च्यथ फम्बु सीर शोम्भू	88	101
323.	होशि पोशनूलु वन वनहारे	101	114
324.	होशि पोशनूलु थव कन	133	149
325.	हैरि हर द्राव ह्यथ महाराजु महारेन्य	144	163
326.	ह्यथ प्रबातस क्वछि क्यथ आव	148	168
327.	होश दिम तु लगयो पम्पोशि पादन	155	175
328.	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये	158	178
329.	ह्यथ प्रबातस मंघनु कालय	173	195
330.	ही दीनु दयालु ही त्रुजगतपालु	204	234
331.	ही न्यरामय बडि दयि म्रेत्यंजयि	206	237
332.	ही सदा शिवु चै किचु अनि मे पोशे जले	210	244
333.	ही दया वानु मे ह्युव चोर चै कोताह प्रारे	212	246
334.	ही प्रबू अग्यान कौसिथ यूग दिम ग्यान दिम	217	252
335.	ही न्यर्मलु नेशकलु नेशकामो	218	253
336.	हमसु पखु छ्य ब्रह्म-आकारो	227	264
337.	ही म्रेत्यंजयु यमु बयु निशि र्छ मे आसय चै शरन	261	314
338.	ही दिगम्बरु चु मे गम हर कर दया आसय शरन	262	316
339.	हमसे मोहननाथ ने कैसा किया है काम	274	332
340.	हम हैं सुदामा कृष्ण मुरारी	281	340
341.	हुकमु चाने सुत्य प्यठ शिन्यस	305	373
342.	ही गंगंधरु मलिन प्रकरत छलुन्य गछिय मे	306	374
343.	हमसायि सत्तुता बुमुसिनन खेनि	323	405
344.	हवाह चैनि द्राय बागस मंजु चाय	333	419

Table of Contents

कुञ्ज

देवनागरी मंज्र काँशुर वस्तावनु खॉतरु छ स्वय अछ्माल वस्तावनु यिवान ख्वसु हिंदी लेखनु खॉतरु छ इस्तिमाल सपदान मासिवाय महाप्राण तु कें ह संयुक्त अछर - ऋ, औ, घ, झ, ढ, ण, ध, भ, क्ष, ज्ञ, ज। मगर यिम छि खास जायन तु शखसन हुंघन नावन मंज्र इस्तिमाल यिवान करनु। अमि अलावु छि काँशिस्सि मंज्र बेयि ति अलग अछर वस्तावनु यिवान यिम देवनागरी लिपि (हिन्दी) मंज्र छिनु मूजूद। यिहन्ज्र ज्ञान छ यिथु पाँठ्यन :-

अछर	मात्रा	मिसाल
(स्वर)		
अँ	ँ	अँर, अँड, लँर, नँर
आँ	ाँ	आँर, लाँर, काँर
अु	ु	अुन्ह, तु, जु
अु	ु	तु
ऐ	ै	मै, चै
ओ	ौ	ओर, दोर, ह्योर
अ्व	-व	स्वफ
अ्य	-य	र्यय
(व्यंजन)		
च	-	चठ, चुन्य, चुन
छ	-	छठ, छ्योट
ज	-	ज्ञान, ज्युन

पूर जाँन्य बापथ वुछि “वैलिव काँशुर हेछ्व हिंसु - 1 प्राइमर, हिंसु - 2 रीडर”, रूपकृष्ण भट्ट, Central Institute of Indian Languages, Mysore and Samprati, Jammu.

पॉयजान

स्वामी कृष्ण जुव रजदान छि केंशीरि हुन्द अख थदि पायिक्य सूफी संत शॉयिर ऑस्यमुत्य यिंहदि म्वखार ब्यंदु मंजु द्रायि तिमु वॉनियि यिम आम खलकस रुचि तु पजि वति लगनस बापथ स्यउहुय म्वलुल्य छि। स्वामी जियन छि 344 म्वख्तु लीलायि तु बजन आम कॉशिरि बोल चालि मंजु तु संहल अलफाजान मंजु बयान कस्मिचु। तिमव छ शिव लीला, कृष्ण लीला, कर्म यूग, बक्ती यूग तु व्वपदीश यिथिस अंदाजस मंजु वनिमचु जि परन वाल्यन छु अम्युक न मिटनवोल अक्स जेहनस मंजु जाय करान। रजदान साँबन छि केंह वचन गॉर कॉशिरि तु रलु मिलु जुबॉन्य मंजु ति बाँव्यमुत्य।

रजदान साँबन ह्योत केंशीरि हुन्दिस वनपोह गामस मंजु बाँदुर्यप्यत शोक्लु पछ चोस्म विक्रमी सन् 1907 (= अगस्त 1850 ईसवी), बोमवीर दोह जन्म। दपान त्वकु चारु प्यठ्य ऑस तिमन शिवस तु कीशवस कुन लय। स्वामी जियन ह्योत स्वामी मुकुन्द जुव तिककू साँबुन ग्वरम्वख तु पननि श्रदायि ऑस्य तिमन 'मूख्य दायक' नावु यजत बखशान। रजदान साँबन ह्योत खलकन यॉरी केंस्थि मँजहोर शोक्लु पछ ऑठ्म सन् 1882 विक्रमी (= 23 नवम्बर सन् 1925 ईसवी) दोह यमि फॉनी समसारु र्वखसत।

रजदान साँबुन्य प्रदान शेश्य ऑस्य श्री कण्ठ कौल शराबी यिम म्यॉनिस पिता श्री स्व. कैलास नाथ फोतेदार सुन्द्य ऑस्य गुरु तु तिमन ऑस्य 'बब' वनाम। तिंहदि ऑग्यन्यायि ह्योक पिता जीयन रजदान साँबन्यन बजनन हुन्द्य वारियाह नकुल तॉरित तु बाँगरॉविख पनन्यन ग्वरु बायन तु बाकी लुकन तु अख नकुल म्यूल मेति। तिमव ऑस्य यिम नकुल ज्यादुतर उर्दू (persio-arabic) लिपि तु केंह देवनागरी लिपि मंजु तॉर्यमुत्य मगर यिमु आसनु approved लिपियि।

वारियाह काल ब्रॉह आव कॉशुर लेखनु बापथ persio-arabic script स्यकु तु मंजूर कसु मगर यि रूदनु सानि बरादँरी हुन्द्यन माजन बेन्यन मंजु मकबूल यमि किन्य तिमु रोजु रजदान साँबन्यन वचनन निशि महरूम, नय ह्योक रजदान साँबुन यि म्वलुल द्युत गॉर कॉशिर्यन ताम वॉतिथ। हल हलुय आयि कॉशुर लेखनु बापथ देवनागरी लिपि तयार कसु यथ भारत सरकार तरफु मान्यता ति मीज्य। युथ रजदान साँबुन यि म्वलुल द्युत सास्त्रिय खासकर सान्यन माजन बेन्यन ताम हेकि वॉतिथ मे तुल यि देवनागरी लिपि मंजु पेश करनुक दस।

योदवय ऑस्य वारु वुछ्व गॉर कॉशिरिस (हिन्दि, संस्कृत, फारसी) तु कॉशिरिस तलफुजस मंजु छु वारियाह ब्यन यम्युक अक्स लेखनस मंजु ति छु यिवान। देवनागरी मंजु हिन्दि लेखनु बापथ य्वसु अछ्माल वस्तावनु यिवान छ लगबग छि तिम सॉरिय कॉशुर लेखनस मंजु ति इस्तिमाल सपदान मगर केंह अछ्ख खासकर महाप्राण (घ, ध, ढ) तु संयुक्त व्यंजन (क्ष, ज्ञ, ज...) छि इस्तिमाल सपदान मगर तोति छि यिम खास नावन तु जायन हुन्द्य नाव लेखनस मंजु वस्तावनु यिवान। अमि अलावु छि कॉशिरिस मंजु तिथ्य केंह स्वर (अँ, ऑ, अु, अु, ऐ, ओ) तु व्यंजन (च, छ, ज) यिम हिन्दियस मंजु छि इस्तिमाल सपदान। अवु किन्य छ मे खास नाव तु जायन हुन्द्य नाव तिथ्य पॉठ्य लेखनुच कूशिश केंरुमुच यिथु पॉठ्य तिम हिन्दीयस मंजु लेखनु छि यिवान। मगर केंह नाव छि मे तिथ्य पॉठ्य वस्ताव्यमुत यिथु पॉठ्य तिम कॉशिरि जबाँन्य मंजु ज्यादु मक बूल छि मसलन विष्णु=वैष्णु, लक्ष्मी=लक्ष्मी, मैनावती=मीनावती बेतरी।

यि बजन माला छ मे सोहूल्यतु बापथ गणेश तु गुरु अस्तुती पतु त्रन खंडन मंजु बाँगरॉवमुच। खंड 1: दखि प्रजापतुन कुसु; खंड 2: (क) हीमाल पखतुन इतिहास तु प्रेम लीला; (ख) शिव पार्वती

हुन्दि खांदरुच कथ-बाथ तु बरात दॅलील; (ग) द्वार पूजा, लॅग्न, पोशि पूजा तु मनन माल; (घ) बरात वापसी; खंड 3: प्रार्थना, कर्म यूग, ग्यान यूग, वॉराग तु व्वपदीश ।

हलांकि राजदान सॉबुन फरमोवमुत छु आम शखसस फिकरी तरुवुन, तोति छु कें चन बजनन मंज स्यवह गूड तु सोन फलसफ्र द्रेंठ गछन । अमि बापथ छ म्यांन्य पिताजीयन तिमन हुन्द मायने, व्याख्या तु references दिचमचु, यिमु मे तिमन बजनन हुन्दिस अंदस व्यठ छ पेश कस्मिचु । बु ह्यक नु वॅनिथ जि यि पेशकश किछ छ, यि ह्यकन परन वॉल्य स्यकु कॅस्थि जि बु कोताह कामयाब छुस अथ मंज रूदमुत । व्वमेद छम जि परन वॉल्य जॉन्यकार क रनावन मे गलतियन हुन्द एहसास यमि किन्य बु त्युहुन्द स्यवह मशकूर रोजु ।

बरादॅरी हुंद रुत कांछनवोल,

र. ल. फ.

vvv

Introduction

by Dr. Shashishekhar Toshkhani

Kashmiri Bhakti poetry of the 19th century, or Lila poetry as it is more commonly called, touches its highest watermark in the spirituality-soaked lyrics of Krishna joo Razdan. What makes him stand apart from other Kashmiri Bhakti poets of the age, or poets belonging to other literary traditions for that matter, is his highly developed sense of music and his unusual concern for acoustic values. In no other Kashmiri poet's work do we find poetry and music so intimately blended and used with such tremendous effect. Having a deeply sensitive ear for the resonance of words, Krishna joo Razdan excels in weaving delightful symphonies around subtle emotions and delicate feelings. It is in this process that he has translated his spiritual anguish into some of the sweetest songs of the Kashmiri language. Not that he makes any effort for it. Musical expression comes naturally and spontaneously to him, giving his compositions an appeal that penetrates into the innermost recesses of our soul. No wonder, therefore, that some of the best Kashmiri musicians have set them to tune, making them an essential part of their repertoire of songs.

But it is not just the magic of verbal music, the "melodious lucidity" of his poems, so to say, that makes Krishna joo Razdan the great saint-poet that he is. It is in the way the saint and the poet in him fuse with each other and find expression in his lyrical outpourings –sweet, lucid, musical--that the secret of his greatness lies. Soaring high in the realm of mystic experience, Krishna joo shares his insights with us, making them accessible to us through sonic presentations. And even as we sway to the racy rhythms and lilting cadences of his verses, their intense devotional content moves us to spiritual ecstasy. Thus we find Krishna joo Razdan's "soulful lyricism" powered by his devotional ardour as well as creative intuition.

Krishna joo Razdan and his great predecessors Paramanand and Prakashram Kurigami gave Kashmiri Bhakti poetry new dimensions, making it reflective of the true genius of the Kashmiri language. The significance of the quintessential Kashmiriness of these poets can hardly be missed, for in their times the influence of Persian on Kashmiri language and literature had become so pervasive that Kashmir's own literary tradition seemed to have lost its importance and relevance. Persian literary forms like the Ghazal and Masnavi, poetic conventions, metres, metaphors, imagery, symbolism and even Persian legends and lore were grafted upon Kashmiri sensibility, shutting out almost everything that

was originally, truly and creatively Kashmiri. There was nothing much surprising in this domination of Persian on Kashmiri literary culture, keeping in view the fact that Persian had been the court language for nearly five hundred years continuously and by the 19th century had become the language of the mental make-up of the Maktab- educated Kashmiri elite. This elite had developed a particular craving for romantic tales from the far-off Persia and it was to this section of the population that the Masnavi writers were trying to cater. Every poet who could flaunt a little Persian thought it profitable to try his hand at Masnavi writing even though it would be a translated, abridged or straightaway plagiarized version of some Persian original. No one seemed to mind the spurious, stale, superficial stuff churned in the name of narrative poetry, reeking of the flavour of decadence. Heavily laden with Persian and Arabic vocabulary, the language of these Masnavis was artificial and wooden with hardly anything Kashmiri about it except a vocable or two here and there. You could as well call it linguistic subversion. Krishna joo Razdan could not completely put a halt to it, but he did succeed in bringing back some of the original glow and colloquial charm of the Kashmiri language by choosing the Bhakti experience rooted in the tradition of Kashmiri spirituality as the theme of his poetry.

In fact, it was through this choice that he made his greatest statement. By this single act of his he revived the long lost contacts between Kashmiri poetry and the perennial mainstream of Indian literary tradition. But it is not as though the Bhakti wave rolled over and reached Kashmir for the first time in Krishna joo Razdan's age. He emerged as a foremost representative of what can be called the second phase of the Bhakti upsurge in Kashmiri poetry, but the tradition started five hundred years before him with the celebrated Shaiva poetess Lalleshwari. Lalleshwari's arrival on the scene in the 14th century has been hailed as the greatest event in the cultural and spiritual life of Kashmir in the medieval times. Known more popularly as Lal Ded, she made the essence of Kashmir Shaivism available to the common man in colloquial Kashmiri, influencing the Kashmiri psyche as no other poet has ever done. To put it in the words of Paul E. Murphy, she is "the chief exponent of devotional or emotion-oriented Triadism". She advocates in her *vaaks* or verse- sayings the path of love as the highest path to reach Shiva even as she harmonizes love with gnosticism and upholds the Shaiva philosophy of absolute non-dualism between Man and God. The roots of her mysticism, however, can be traced to Bhatta Narayana and Utpaladeva, Sanskrit poets of the 9th and 10th century respectively, and not to the so-called Sufi influence which is sought to be foisted on her. There are remarkable similarities between these two Sanskrit poets and Lal Ded, all the three being the most prominent representatives of the first phase of the Bhakti upsurge in Kashmir. Like the Virshaiva *vachana* poetry of Kannada, this phase was exclusively devoted to Shiva. Unlike the Virshaiva poets, however, the early monistic Shaiva poet's God in Kashmir is *nirguna* or attributeless and, therefore, impersonal.

“The Triadic or Kashmir Shaiva system does not adhere to a personal God”, explains Murphy, “ that is to a God whose subsistent individuality is explained over and above His conscious or intelligential nature”. The name Shiva that it gives to Him connotes a non-personal entity.

Devotion to Vishnu as a personal God also formed an equally important Bhakti experience for Kashmir in the early medieval period, but it does not seem to have found its expression in Kashmiri poetry of the time. At least, no examples of such poetry are extant. On the other hand, there is a considerable corpus of Sanskrit works existing in Kashmir in which we find the exploits of Vishnu described, particularly in his incarnations as Rama and Krishna, with devotion and love directed towards them. Kshemendra, the great Kashmiri polyglot of the 11th century, wrote, apart from his ‘Ramayana Manjari’ and ‘Mahabharata Manjari’, a beautiful poetic work known as ‘Dashavatara Charit’ a whole century ahead of Jayadeva’s well known Dashavatara hymn of the ‘Gita Govinda’. In this work by Kshemendra there is a beautiful lyric in which he has poignantly described Gopis’ feelings on Krishna’s departure for Mathura. According to Dr. Hazari Prasad Dwivedi, well-known Hindi scholar, the tradition of singing devotional verses celebrating Krishna’s exploits was prevalent in “distant Kashmir” in the 9th –10th century itself, as it was in other parts of the country like Bengal and Orissa. Kshemendra, Dwivedi presumes, had heard such songs in his neighbourhood.

What is more interesting is that Kshemendra has mentioned the name of Radha in his ‘Dashavatara Charit’. Anandavardhana, the great aesthete who lived in the 10th century Kashmir, has also mentioned her name. This is quite significant for it shows not only that Radha’s name was familiar to Sanskrit poets of Kashmir in the 9th-10th century itself but also that the devotional lyrics they composed could well have paved the way for the upsurge of Bhakti in the whole of north India. It is equally probable that some sort of a tradition of composing Bhakti songs existed in the regional dialect of Kashmiri as well in that age. However, this tradition seems to have blossomed into a full-fledged and distinct trend towards the 18th-19th century only particularly with the arrival of poets like Paramanand, Prakashram Kurigami and Krishna joo Razdan.

Coming to Krishna joo Razdan again, it must be noted that the *saguna* and *nirguna* as well as the Shaiva and Vaishnava currents of the Bhakti movement converge in him, free from all sectarian bias as he was. We find him directing his devotion and love towards both Shiva and Krishna in his verses like the great Maithili poet Vidyapati, both being his chosen deities. And even while doing so, he identifies them with the Highest Reality, the *nirguna brahma*. He sees no incompatibility between his belief in a personal and determinate God and an impersonal view of reality.

We shall take up Krishna joo Razdan's concept of Bhakti later, but suffice it to point out here that he interpreted everything eventually in terms of the philosophical doctrines of Kashmir Shaivism. Yet his poetry is universal in its appeal, humanitarian ideals and high spiritual values being central to his concerns as a poet. Saying so it must not be forgotten that Krishna joo was equally a product of the political and cultural climate that prevailed in his times. He lived and wrote in an age when Kashmir had just passed into the hands of Dogra rulers after a brief interregnum of Sikh rule preceded by the nightmarish rule of the brutal and bigoted Afghan governors at whose hands Kashmiri Hindu masses had suffered worst religious persecution. Although the Dogra rule did provide some respite, the scars of the wounds inflicted by the barbarous Afghans had not yet healed up, the horrors and holocausts of their reign continuing to haunt the racial memory of the hapless Kashmiri Hindus. It was in such circumstances that Krishna joo Razdan addressed his sweet and soothing devotional songs to a kind and benevolent God, who is the ultimate refuge of the pious, protector of the cosmic order and destroyer of the evil-doers. This was a kind of a social role that Krishna joo assigned to Lila poetry and it gave the Kashmiris the succor and solace they badly needed at that time. The concepts of *ishtadeva* or a personal God, *avatara* or incarnation and *lila* or God's divine play, that are integral to Bhakti philosophy, provided poets like Krishna joo with a great scope to present God in the human context. It is a God with whom it is easier to relate and who can be personally approached for deliverance from sorrow and suffering. Another concept taken from the same symbology was that of *asura* or the demon -- an embodiment of evil in all its dimensions whose description tended to evoke in the Hindu mind the image of the tyrannical and savage rulers from whose clutches they had just been saved. It also reinforced the images of incarnate Rama and Krishna as the deliverers of mankind. It would also be relevant to point out here that under the Dogra rulers, temple- building activities had started again in Kashmir after an interregnum of about 500 years of Muslim rule and this gave further impetus to faith in the two incarnations of Vishnu, particularly Rama who was their tutelary deity. To the harassed and terrorized Hindu masses, the idea of some superhuman power coming to their rescue and providing them with shelter after centuries of oppression was quite comfortable and reassuring. The Lila poetry of Krishna joo Razdan and other Bhakti poets seemed to provide them with just this assurance at the higher transcendental level if not the mundane.

In this sense, Krishna joo Razdan was not just a poet lost in spiritual reveries, unaware of or indifferent to the social and political, or even economic, conditions of his times. We can call him a great interpreter of the spiritual and cultural crisis of the Kashmir of his times just like Lal Ded -- a cultural icon of the Kashmiris. And yet how ironical it is that although so near to our own times we

know very little about the actual facts of Krishna joo Razdan's life. No authentic and well-researched biography of the great saint-poet has been written so far in any language though attempts to stitch together some random pieces of biographical information about him have been made here and there. For this, the indifference (and should we say ineptitude?) of Kashmiri scholars is as much to blame as lack of interest on the part of the present descendants of Krishna joo. What is even more saddening is that the little information we have is more of the nature of hagiography than biography. Though this is not something unusual in case of saints and spiritual persons, this leaves us greatly handicapped to understand as to how his personality developed both as a saint and a poet. George Grierson, whose edition of the poet's magnum opus 'Shiva Parinay' was published with a Sanskrit translation by Pandit Mukundram Shastri by the Royal Asiatic Society of Bengal in six volumes from 1913 to 1924, says hardly anything about his life. Somnath Veer does make a bold attempt in his edition of Krishna joo Razdan's complete works, published by the J&K Academy of Art, Culture and Languages, to come out with some more details, and so does Arjan Dev Majboor in his monograph written for the Sahitya Akademi. But they too do not seem to have gone much beyond description of miraculous anecdotes, allowing hagiography to prevail upon biographical facts. Then we have a three-volume edition of Krishna joo Razdan's complete works brought out by his grandson Pandit Shyam Lal Razdan in the Devanagari script, but it does not shed any significant light on the actual facts of his life. This only leaves us groping for facts about the key events that shaped his life and personality. Nothing meaningful seems to have been actually done in this direction so far. Even the exact dates of his birth and death have not been finally settled. It is generally believed that Krishna joo was born in the year 1907 of the Vikram Era corresponding to 1850 CE and left his mortal coil in 1982 Vikrami corresponding to 1926 of the Christian Era. But scholars differ considerably about the exact day and date on which he was born. Thus, Somnath Veer gives his date of birth as August 19, 1850 and of death as November 23, 1925, while according to Arjan Dev Majboor, who claims to have worked hard on it, the correct dates are birth: August 24, 1850, and death: December 4, 1926 respectively. According to Shyamlal Razdan, he was born on August 19, 1850 and passed away on December 13, 1926. The problem is that the dates have been recorded by his descendants as well as disciples according to the lunar calendar and this is what has created a lot of confusion for it is difficult to convert these into their exact corresponding dates in accordance with the solar Christian calendar. But what both of them have not taken into account is that the day on which he was actually born was Tuesday, Bhadrapada Shukla Chaturthi or the fourth day of the bright fortnight of the Hindu month of Bhadrapada. And Tuesday does not fall on either August 19 or August 24, or for that matter on August 10 as some others have calculated, but on August 2, 1848, that is two years earlier than is generally believed. This is what the compilers of this book have pointed out after some

valuable bit of research in this connection recently. The death, according to them, occurred on Margashirsha Shukla Ashtami, 1982 Vikrami, that is November 23, 1925. This means that Krishna joo Razdan lived for 77 years and not 75 years as is generally believed.

Some broad facts of his life can, however, be scooped from the little information we have available. Krishnadas – the honorific ‘joo’ being added later in his life to his name when he acquired maturity and became known as a poet and a saint – was born to Ganesh Raina, a rich landlord of Vanpuh, an idyllic little village hugging the town of Qazi Gund on the Srinagar-Jammu highway. Ganesh Raina was son of Lacchman Raina and owned large areas of agricultural land granted to him by the Dogra Maharaja Ranbirsingh for his services. His fields came to be known as ‘Khirman-e-Ganesh’ or the fields of Ganesh and constitute the present village of Ganeshpura. He used to visit Lahore frequently in connection with his official work and had acquired quite a prestige and clout in the society. In keeping with his social position, Ganesh Raina ardently desired his son to get the best education that was possible in those days and so he engaged quite efficient tutors who imparted to him knowledge of Sanskrit, Persian, astrology, mathematics and other subjects in vogue at that time. But Krishna had a voracious appetite for knowledge and to satisfy it he depended on his own learning which he acquired from personal study of various subjects including Shastric lore.

Ganesh Raina sought the company of holy men and itinerant Sadhus and would often visit them taking the young Krishna along. He listened keenly to their discourses and participated enthusiastically in the singing of *bhajans* and *kirtans*. Krishna enjoyed such visits thoroughly and cherished listening to the *bhajans* and the talk of God. It was in this manner that the seeds of deep devotion and dedication for God sprouted in Krishna’s mind in the impressionable years of early childhood.

There is a popular anecdote indicating that Krishna had started having mystical experiences from the time he was a small child. It is said that once his parents went to take part in the annual festival of Jyeshtha Ashtami held at Manzgam at the shrine of the Goddess Rajnya (pronounced ‘Ragnya’ in Kashmiri), the tutelary deity of the family. Since the entire distance of 8 kilometres had to be traversed on foot, there being no transport available to the place those days, they did not take little Krishna and his sister along, leaving them at home in the charge of a servant. But the moment Krishna got a whiff of it, he felt miserable and started crying bitterly. The servant took him to the riverside to divert his attention but the boy remained inconsolable and refused to eat or drink. He went on crying till he fell asleep and in his sleep he saw a dream in which a divine figure -- Goddess

Ragnya herself attired in all her finery-- approached him and taking him into her arms wiped his tears and offered him a bowl of very tasty *khir*. When his father returned from the pilgrimage, Krishna told him about his dream but the amazed father asked him not to reveal it to anyone. It is said that at that moment he uttered a few devotional verses in praise of the Goddess and that was the beginning of his career as a poet.

By the time Krishna Razdan was 21, he started writing poetry regularly and soon became popular as a writer of devotional lyrics. As his popularity increased, some of his co-disciples (he had taken a Guru by then) became very jealous of him and spread the canard that Krishna Razdan plagiarized poems written by other poets. When the Guru came to know to about it he decided to find out the truth for himself. And once when he was making a trip across the Dal Lake on board of a houseboat together with his disciples, he suddenly asked Krishna joo to recite a poem extempore describing the lake and its beautiful environs. To everyone's surprise and to the Guru's great delight Krishna joo rose and started reciting verse after verse of what was later regarded as one of his most profound poems, words gushing from his mouth like the flowing waters of a mountain stream of his native village. It was a long poem in which through juxtaposition of a series of wonderful and most apt metaphors he captured the charm of the lake and its natural scenery, each metaphor indicating at the same time deeper spiritual meanings:

Sar ko^r yi samsaar naduru`y draav
Dal ma hoshu` tsyet kiy pamposh chhaav
[I've discovered the secret of the world
It's very much like the lotus stalk –
Ephemeral!
But lose not your inner poise
Enjoy the beauty of the lotuses that bloom inside you.]

With their mouths gaping, his detractors heard this spontaneous outpouring of most wonderful poetry and they were effectively silenced.

Krishna joo Razdan was a saint but he had not renounced the world, nor did he give up his duties towards his family. He was a householder saint, which is not exactly an oxymoron for there is a long tradition of such saints in Kashmir. He looked at life and the world with the eyes of a detached person, his ideal in this respect being, in his own words, "*ba`sti manz vanvaa`si roz*"(Live in this

world as the forest dweller lives in the forest). The transient pleasures of the world, its glitter and glamour held no attraction for him, his aim in life being to seek the Ultimate Reality through devotion. But though detachment was his mantra, he was not indifferent to the human condition, his deep awareness of it finding expression in many of his poems. Krishna joo was also fully conscious of the miseries that an exploitative social and economic system brought upon the common people of his native land. He had direct knowledge of it for he did a stint as the headman of his village for a brief period, only to realize soon that the responsibility thrust upon him was too intrusive on his spiritual pursuits. Turning his back on mundane affairs, he now remained absorbed in God-consciousness all the time, composing lyrics suffused with intense Bhakti and love directed towards Shiva and Krishna and the Mother Goddess in her various local manifestations. Wearing his trade-mark *pheran* and turban, and with a saffron and sandalwood-paste *tilak* on his forehead, he looked every inch the saint that he was and attained a spiritual dignity that drew people to him from every quarter. Singing his Lilas in chorus and dancing in ecstasy, they gathered round him overwhelmed by religious fervour and sought spiritual and moral guidance from him.

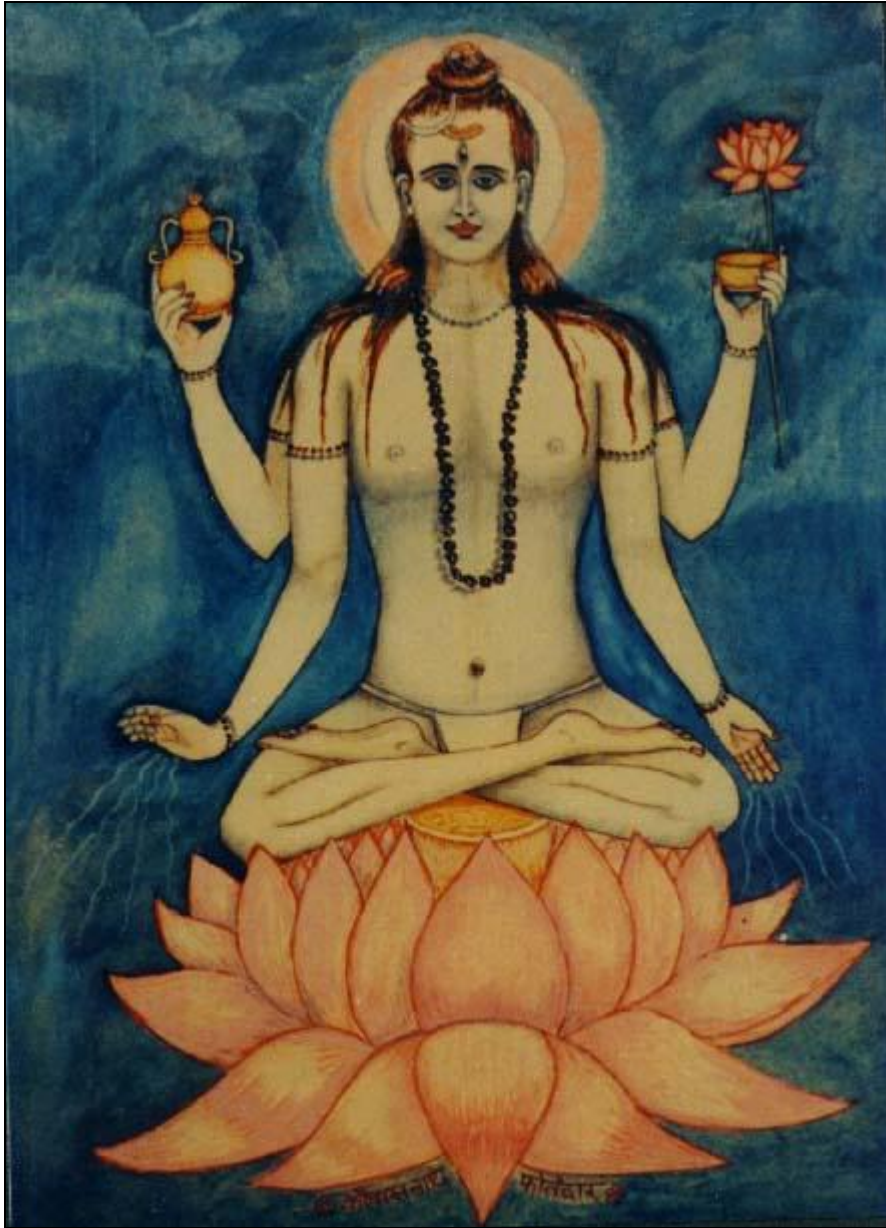
Among those who became ardent admirers of Krishna joo Razdan was Pratap Singh, the Maharaja of Kashmir. Greatly impressed by his versatility as a saint, a scholar, a poet and an astrologer, Pratap Singh expressed the desire to meet him and sent a formal invitation to him. Krishna joo Razdan accepted the invitation and came to meet him at Tulmul, the holy shrine of Ragnya Bhagwati, Kashmiri Pandits' most popular deity. It is said that the saint showed to Pratap Singh the water of the holy pond of the shrine actually change its colour and this further reinforced the Maharaja's reverence for him. Thereafter Pratap Singh made it a point to visit him at Vanpuh whenever he moved to Jammu from Srinagar or from Srinagar to Jammu with his court. He also kept a well-furnished boat at the disposal of Krishna joo Razdan so that it would be convenient for him to visit Srinagar whenever he so wanted.

And the trips that the saint-poet made to Srinagar were frequent enough, for he felt very happy to be in the company of his close disciples there, foremost among whom was Pandit Kanth joo Sharabi of Shala Kadal. Other prominent disciples of his were Raghunath Mattoo, Jankinath Misri and Harihar Kaul. Pandit Kanth joo Sharabi had a very melodious voice and he loved to sing his master's songs at the musical soirees organized quite frequently by Krishna joo's group of disciples which would often last till the wee hours. Krishna joo would come himself all the way from Vanpuh to participate in some of these enchanting evenings on several occasions to the joy of his followers and then they would become unforgettable events. As Kanth joo sang hearts would melt and the listeners would go

into raptures, forgetting the sense of time and their own selves, experiencing pure spiritual bliss. Kanth joo continued such singing sessions long after Krishna joo gave up his mortal frame, enthraling his own group of disciples with the master's sonorous and intensely devotional lyrics and often transporting them into an indescribable state of God-consciousness. A regular presence at such spiritually intoxicating choral singing assemblies was that of Pandit Kailash Nath Fotedar of Sathu Barbarshah, Srinagar, who was one of the foremost disciples of Pandit Kanth joo Sharabi. I find it relevant to quote here the words of Dilip Chitre, well known Marathi writer and intellectual, regarding Bhajan singing in the time of the great Marathi Bhakti poet Tukaram. Chitre writes: "Bhajan was the new form of singing poetry together and emphasizing its key elements by turning chosen lines into refrains. These comprise a new kind of democratic literary transactions in which even illiterates are drawn to the core of a literary text in a collective realization of some poet's work." ('Says Tuka', Introduction, p. xix.)

There is some confusion about who was Krishna joo Razdan's real Guru. According to some he was the disciple of the well-known saint Mehtab Kak. But Pandit Shyamlal Razdan, his surviving grandson, makes it clear that his actual Guru was Pandit Mukundram Shastri, a relatively unknown saint, who resided in the Ali Kadal locality of Srinagar and lived for 49 years only from 1844-1993. They further reveal that Krishna joo Razdan was initiated into the worship of Amriteshwara Shiva by him. Amriteshwara was, therefore, his actual deity - a fact not known to many. It is said that Mukundram had a vision of Amriteshwara at Lar en route one of his pilgrimages to the holy cave of Amarnath. He told about it to one of his disciples, Vasudev Ghariyali, who was a painter. Ghariyali painted a likeness of Amriteshwara as described to him by Mukundram, but it took him full seven years to complete the painting. When at last Mukundram saw the painting he felt Amriteshwara Himself coming out of the picture frame fully embodied in all His resplendence and at once went into a trance. The picture is at present lying with the descendants of his adopted son who worship it on every Shivaratri from midnight to five o'clock in the morning and then put it back into the closet. Pandit Kailash Nath Fotedar managed to prepare a copy of this rare painting, which has now become a family heirloom.

Amriteshwara Shiva is a deity contemplated on by the believers in Kashmir Shaivism, and the fact that Krishna joo worshipped Him reveals his faith in the system. The image of Amriteshwara is to be contemplated according to His *dhyana mantra*, which depicts Him as a three-eyed deity of pure white complexion. Seated on a white lotus, He holds a pot of nectar in one of His upper hands and a lotus in another; His other two hands are respectively in the boon-granting and protection-giving postures.



Amriteshwar Bhairav painted by Late Pandit Kailash Nath Fotedar

Obviously, the iconography is symbolical, though the worship is done strictly according to the prescribed rituals.

Mukundram Tikkoo was not just a spiritual preceptor to Krishna joo Razdan, he guided him in many other ways too. It was from him that Krishna joo imbibed the spirit of itinerancy. Hardly anyone knows that it was Mukundram Tikkoo who as a sort of wandering ascetic first discovered the short

route to the Amarnath cave via Baltal. Following him, Krishna joo Razdan not only made regular trips to Srinagar to meet his disciples and friends, but wandered all over Kashmir visiting sacred sites, pilgrimage places, shrines and holy springs and traversing what can be called “a sacred geography” of the Valley, to borrow a phrase from A.K.Ramanujan. He may not have made it to Manzanag in his childhood, but later he visited holy destinations in the entire Valley. These included Anantnag, Amarnath, Lar, Devsar, Tulmul, Kapateshwara, Kaunsarnag, Kapalamochana Tirtha, Trisandhya, Kola Sar, Verinag, Bhadrakali, Kotitirtha, Ramaradan, Harmukh, Brahmasar, the Jwalamukhi temple at Khrew and a host of other places. In Srinagar, Hari Parbat and the Dal Lake were among his favourite haunts, but the place he invariably visited was Tulmul. He would also go to Mattan, a famous place of pilgrimage where Kashmiri Hindus go to perform *shraddhas* of their departed ones. It was here that he met the poet-saint Paramanand, who was his senior contemporary. The meeting took place at the holy spring of Mattan where Krishna joo is said to have asked for Paramanand's blessings, which he got in ample measure. No date has been recorded but at that time Krishna joo is said to have been very young and had just begun to receive attention as a poet. No other details of the meeting are known. We cannot say how far Paramanand influenced Krishna joo Razdan, but there is not much evidence of such an influence in his works. Paramanand has his own style and idiom and Krishna joo his own, though both of them draw from the same pan-Indian reservoir of Bhakti. Paramanand is unmatched as a narrative poet and Krishna joo excels as a lyricist.

This is about all we know of Krishna joo Razdan's life story. There are many gaps and very few details – hardly the material for an authorised biography of one of the greatest Bhakti poets who enriched Kashmiri cultural life with his soulful songs. Unfortunately his works do not provide many biographical cues. Scholars and researchers shall have to do a lot of hard work to explore further the facts of his life instead of remaining contented with a handful of miraculous anecdotes. This will be essential for understanding various dimensions of his personality both as a poet and a saint. Ironically, in spite of the fact that not much is being done in this direction, Krishna joo Razdan's popularity as a religious poet has kept on soaring even though nearly 80 years have passed since he gave up his mortal frame. In the recent years, the exiled and scattered community of Kashmiri Pandits has discovered in his numerous Bhajans and Lilas a new source of spiritual succor and solace that can sustain them in their present state of distress. Like Lal Ded he has become a cultural icon for them and a medium of their connectivity with the past.

As a poet Krishna joo Razdan's output is prolific, the range of his creative imagination amazing, his imagery profuse, revealing his great love of nature. His Lilas or devotional lyrics alone run into

hundreds, besides which he also composed psalms, litanies, hymns, prayers, poems describing nature in its various aspects, allegorical poems, didactic poems, Raasa songs, marriage songs, philosophical poems, dramatic monologues and also a long narrative poem titled 'Shiva Lagna' -- his magnum opus. Apart from poems written in the lyrical mode, he has written long poems also like the one on the Dal Lake mentioned above. In another long poem, which is actually in the form of a monologue, he has depicted the world as a theatre of the absurd in which he asks for himself the role of a jester. There is also a longish poem on Abhinavagupta. In yet another poem he blends his *bhakti* for the Divine with *deshabhakti* or devotion for the country – and that is when the contours of the freedom movement in the country were still not clear and Mahatama Gandhi had yet to make his mark on the national scene.

Krishna joo Razdan's poetry reflects his entire world-view, his vision of God and Man and the relationship between them, his own spiritual anguish and his concern for the human condition, his disturbing awareness of the vanity of worldly pleasures, his quest for beauty and truth and his stress on higher human values. It also shows him fully conscious of the socio-economic and political realities of his time much ahead of Mahjoor and Azad. His poetry in fact presents a whole world of sensitivity and imagination, creativity and contemplation, symbol and allusion, thought and emotion, belief and speculation, insight and intuition. At the centre of this fascinating world is Krishna joo Razdan's concept of Bhakti, his notion of the universe as God's creative play. As we journey through this amazingly vast and beautiful landscape of poetic creativity, we cover the entire gamut of Kashmir's spiritual culture. We also encounter a verbal artist of great sensitivity and unusual depth.

It is this experience that we have when we go through his magnum opus 'Shiva Lagna' or 'Shiva Parinay'. A long narrative poem, 'Shiva Lagna' has for its theme the mystic union of Shiva and Shakti, the two fundamental aspects of the absolute, all-inclusive, Ultimate Reality, one transcendental and the other immanent, which are basically one. The beatific vision of their communion is projected through the all too familiar story of Sati's self-immolation and her penance as Parvati to obtain Shiva as her husband, which has been taken from the 'Shiva Purana'. The narrative structure of the work is rather weak and loose and altogether collapses towards the end where the poet bursts into lyrical expression with full abandon. Krishna joo as we know is by nature a lyricist and it is but natural that his lyricism should have gushed forth like the swift waters of a mountain stream through the outer narrative crust of the work.

The Puranic story of Shiva and Parvati's marriage, however, takes an interesting dimension in 'Shiva Lagna' with Krishna joo allowing his innovative imagination to have a free play. In one such innovative episode Shiva in his disguise as a mendicant tests the firmness of Parvati's love for him and finds it strong and unshakable. At another place we see Vishnu (Krishna) making the wedding arrangements on behalf of Shiva. But the poet is at his innovative best in the episode of the 'golden snow'. Here he shows Mainavati, the shocked mother of Parvati who cannot stand the sight of an ascetic bridegroom coming to wed her darling daughter, asking Shiva to bring some golden ornaments to bedeck the bride. Shiva smiles and displays his *aishwarya* (divine majesty) by making flakes of golden snow and pearls fall from the heavens. The snow falls heavily and incessantly and accumulates in heaps in people's courtyards, lawns, streets and alleys. Suddenly there is a mad rush for the gold with people coming out with their shovels and baskets to gather as much as they can till their store rooms and barns are full and there is no place left in their houses where they can store it. In a moment everyone becomes richer than the richest in the world. But the golden snow continues to fall and pile up, menacingly reaching up to the windows of the uppermost stories of their houses, and they fear lest their roofs should cave in. The Earth begins to reel under the heavy mass and she prays to Indra for having the impending disaster averted. It is only when Indra pleads on behalf of all the supplicating people of the land that Shiva eventually relents and waving the clouds away he piles the remaining snow in the shape of the Sumeru mountain. The wedding then takes place amidst tremendous rejoicing and the poet cannot but invest the whole story with deeper allegorical meanings. The description of Parvati's nuptial union with Shiva becomes the communion between the Supreme Being and His Cosmic Energy who manifests Herself as the phenomenal world, and this, says the poet, is what the real meaning of Shivaratri is. It is the Absolute Consciousness that reveals itself as the self-luminous reality pervading the whole universe, he explains, using the Shaiva metaphors of *prakasha* and *vimarsha*.

But the great appeal that Krishna joo Razdan's 'Shiva Lagna' has lies in the shades of a folk epic that it has acquired. There is a profusion of folk colour in the work that finds its expression in its imagery and metaphors, its description of the various events as well as the setting in which they take place. The whole atmosphere bristles with elements of Kashmiri folk life. Although Shiva is shown as coming from 'Kashipur' with his strange marriage procession, the setting is unmistakably Kashmiri. It is the Kashmiri birds that warble, the Kashmiri flowers that bloom. Ladies in their colourful costumes sing tuneful Kashmiri songs to the racy beats of the *tumbaknaari* to welcome the divine bridegroom, addressing the bride as *haa`r* (the starling) and the bridegroom as *poshinool* (the golden oriole). The poet seems to revel in describing each ceremony of the wedding in its minutest details, showing it

taking place strictly according to Kashmiri Pandit rituals and customs. It culminates in the '*poshi puzaa*' or the floral worship of the bride and the bridegroom in the typical Kashmiri Pandit fashion, with the ladies singing one of the best marriage songs composed by the poet himself that has become extremely popular these days. It is a cosmic image showing Ishan's (Shiva's) balcony in the sky bedecked with glittering stars for gems:

*Mokhtu` kani taarakh chhiy taabadaanas
Az chhi Ishaanas poshi poozaa*

The marriage is shown as a grand gala event, a star-studded extravaganza, in which both humans and gods participate amidst great rejoicing – all the gods and goddesses of the local pantheon eagerly playing their respective roles along with the trans-local ones. In the end all the gods, demi-gods and humans sing the praises of Shiva and Keshava and both of them sing praises of each other. In a surfeit of hymns and litanies, Krishna joo Razdan stresses that there is no duality between Shiva and Krishna and equates both with *nirguna brahma*.

The non-duality between Shiva and Krishna is brought out in another interesting manner. Embedded in his narrative of Shiva-Parvati marriage are sweet and mellifluous songs of Krishna's love sport with Radha and the cowherd maidens and His ecstatic Raasalila with them. In these songs, which are among the best Raasa songs written in any language, Krishna joo Razdan displays a subtle aesthetic sense reminiscent of poets like Jayadeva and Vidyapati. But stressing the spiritual rather than the sensuous, he presents Raasa as a dance of spiritual ecstasy -- an eternal event that takes place in the mind's Vrindavana, transcending the limits of time and space:

*man myon bindraaban tu` lo lo
aatma roop naarayan tu` lo lo!*
[My own mind is Vrindavana
And Narayana my own soul!]

What is significant from the point of view we are trying to present is that these rapturous songs of Raasa and Krishna and Radha's divine love occur side by side of Krishna Razdan's equally enchanting and deeply devotional songs addressed to Shiva. It is evident that Krishna joo Razdan does not take any sectarian or doctrinaire position in respect of Bhakti. This takes us to the concept of Bhakti prevailing in his works to which we have referred earlier. Krishna joo places Bhakti above everything

else in life as to him it is instrumental in grasping the Ultimate Reality. Bhakti for him is a *bhava* or a feeling, a state of mind, an emotional rather than intellectual response to the problems of existence. It is a prized possession as valuable as a string of pearls for it satisfies the human craving for a supreme personality who can be adored and to whom prayer can be addressed. Someone unto whom one can surrender and whom one can love and depend upon for deliverance from sin and the miseries of life. He emphasizes the importance of complete surrender to God's will as a pre-requisite for Bhakti in his Raasa and other devotional songs and also points out to the raptures of union with Him.

Krishna joo Razdan does not believe in intellectualizing devotion; his concept of Bhakti is centered in emotion and feeling. He understands it as cultivation of an emotional relationship with God. But even as he lays stress on *bhava* or feeling, he views *jnana* or knowledge in conjunction with it. He does not find *bhakti* and *jnana* as irreconcilables, he thinks they go hand in hand. Steering clear of controversial theorizations, he adopts an attitude that is based on the Bhagvad Gita, which says that knowledge is essential for *bhakti*. It can be noted with interest that he has devoted one whole poem to describe the traits of a *jnani bhakta*.

We find an intimate relationship between *bhakti*, *jnana* and *mukti* emerge in Krishna joo Razdan's thought. In this context we see him making frequent references to *shaktipata*, a key concept of Kashmir Shaivism. According to Shaiva thinkers, *shaktipata* or divine grace is essential for obtaining *moksha*, which Krishna joo considers as the highest goal and greatest attainment of life. He also calls it *anugraha* and says that it is "the root of the tree of self-realization". And to receive *anugraha*, he joins the Vaishnava Acharyas in emphasizing that one has to dissolve ego and surrender before God completely as that alone gives one the capacity to love Him. The Acharyas call love the *ahladini shakti* or the "joy-giving power" of Krishna Himself, and say that it can be obtained only after breaking the ego and merging the self with the Supreme Consciousness. In the Kashmir Shaiva view also Shakti becomes Bhakti for the purpose of liberation. Unfortunately, the Shaiva concepts of Bhakti and Shiva Bhakti itself have been ignored or marginalized by the Vaishnava Acharyas in their theorization of Bhakti. This is not the case with Kashmir where Shiva Bhakti is no doubt the dominant strain, but Vaishnava traditions have also flourished. According to the great Shaivite thinker Abhinavagupta, it is the "attainment of definite knowledge" of the complete identity of ones soul with the Absolute that is the highest form of Bhakti. Krishna joo Razdan too seems to uphold the view in his 'Shiva Lagna' and other works that immediate experience of absolute non-dualism itself is the highest devotion.

There is hardly any bibliography available of this last great poet of Kashmiri Bhakti tradition and this speaks volumes about the state of scholarship in Kashmir. His poetry, in fact, has not been evaluated or analyzed in a proper perspective so far. Those who claim to be literary critics in the language have generally tended to ignore it or dismiss it as of peripheral importance, labeling it as religious poetry. For the first time in my history of Kashmiri literature in Hindi I made an attempt to explore various dimensions of his poetic genius and personality in some depth. I pointed to the high acoustic values of his poetry whose beauty travels from our ears to our hearts touching their deepest cords and at the same time takes us to the heights of mystic ecstasy. My idea was to challenge the general perception that just because of the religious tag attached to them, works of Krishna Razdan and other Kashmiri Bhakti poets should be dismissed as of practically little or no literary value and relegated to the margins. They must be analyzed seriously for their poetic values and creative idiom, I contended. As early as 1926, my late father and Kashmiri scholar Prof. S.K.Toshakhani had published some of his select lyrics in a series of booklets under the title 'Shrikrishna Vani' and my fascination with the saint-poet began when I happened to read these in my early childhood days. In 1991, well known Kashmiri poet and writer Arjandev Majboor wrote a monograph in Hindi for the Sahitya Akademi, highlighting some of the salient features of Krishna joo Razdan's poetic attainments and throwing light on some aspects of his life. Earlier, Somnath Veer attempted to bring out a critical edition of his complete works, claiming to have collated relevant manuscripts for the purpose. The book was published by the Jammu and Kashmir Academy of Art, Culture and Languages and included a long introduction by him to the saint-poet's life and works. According to Veer's own confession, there were some defects in the book which were later rectified in the second edition (Krishna joo Razdan: 150th Birth Anniversary Souvenir, Ed. Dr. S.S. Toshkhani, J&K Vichar Manch, New Delhi, pp. 34-35). Veer's critical edition of Krishna joo Razdan's complete works has none-the-less several merits and can be described as the first systematic attempt towards producing an authentic version. His assessment of the poet's creative genius, however, lacks depth and proper perspective. Many years before Veer, as early as in 1913, Ali Mohammed & Sons, well known booksellers of Srinagar, had published Krishna Razdan's 'Shiva Lagna' in the Persian script under the title 'Harihar Kalyan', Harihar Kaul being the name of Krishna joo's nephew who had compiled it. About the same time George Grierson got a version of the work, which included many of the poet's devotional lyrics and hymns, published by the Royal Asiatic Society of Bengal under the title 'Shiva Parinay' with a Sanskrit translation by Pandit Mukundram Shastri. The work was brought out serially in six volumes from the year 1913 to 1924, three years after Mukundram Shastri's death. Grierson, however, does not say much about the work or the poet in his brief introduction. According to

Somnath Veer, there is much textual variation in 'Shiva Parinay', besides which it does not include Krishna joo Razdan's all poems. Recently, the saint-poet's grandson, Pandit Shyamlal Razdan published his complete works in the Devanagari script in three volumes titled 'Shiva Lagna', 'Krishna Darshun' and 'Krishna Vani', compiled obviously from a manuscript preserved as a family heirloom. The first volume carries a brief introduction by the editor, but it hardly gives any new information. We do not know the basis of the chronological ordering of the poems compiled in these three volumes but it appears to be random, This is the case with Somnath Veer's version also in which he has arranged the poems under titles that do not seem to be particularly relevant.

Let me be clear and candid about it. Versions in the Persian script are likely to serve little purpose, for a vast majority of those interested in reading Krishna joo Razdan today are not versant with it, except of course a handful belonging to the older generation. The script is absolutely incapable of rendering Sanskrit sounds, which abound in Bhakti terminology. His verses also continue to be transmitted orally, though in a different manner. Recently there has been a spurt in the number of people listening to the cassettes of his mellifluous songs, which has sent their sales soaring. But for those intending to the study the poet seriously, the Devanagari script is definitely the best option. This compilation in the newly standardized Devanagari-Kashmiri script by Dr. Rattan Lal Fotedar, son of Pandit Kailash Nath Fotedar, and M.K.Raina is, therefore, to be particularly welcomed as it brings complete Krishna joo Razdan to us. It will, I am sure, prove equally useful to the casual reader as well as the serious student and researcher. It will help to introduce them to poetry incandescent with the light of spiritual illumination and at the same time ecstatic with the joyful celebration of life, poetry that brings out enchantingly the inner music of Kashmiri words using brilliant devices of internal rhyme and assonance taken from an "oral poetics" and yet vibrating with deeper resonances of meaning. Linguistically, this poetry has the flavour and natural sweetness of colloquial Kashmiri speech for them to enjoy, laced here and there with Sanskrit and Persian words which are in common use. The native beauty of the metre of the '*vatsun*' lyric will thrill them with its peculiar folk appeal. But more than anything else, this compilation of Krishna joo Razdan's poems will take them in one sweep across a vast canvas of cultural imprints which can be traced to centuries of tradition and civilizational memory.

Dr. R. L. Fotedar and M.K. Raina, the two editors of the collection, are acutely aware of the significance of the culture-specific aspects of Krishna joo Razdan's poetry. M.K. Raina is dynamically involved in activities concerning preservation and projection of Kashmir's literary and cultural heritage. He has painstakingly produced the text in standardized Devanagari-Kashmiri script, and

what is more published a collection of his six beautiful short stories on Kashmiri social life in the script displaying much promise. The two have been working in tandem to edit and publish this version of Razdan's poems, which can very well be treated as an authorized version, compiled as it is from a copy of the manuscript prepared by Krishna joo Razdan's chief disciple Pandit Kanth joo Sharabi. The copy was made by Pandit Kailash Nath Fotedar, himself a close disciple of Pandit Kanth joo Sharabi, for his personal use. It must be remembered that all the four main disciples of the saint-poet had prepared their own respective manuscripts of the master's poetic utterances, with Kanth joo penning them down immediately after he would hear them coming from his mouth.

I very much hope that by bringing out this edition the editors will make Krishna joo Razdan accessible to the entire Kashmiri diaspora which has now spread to every part of the globe. His voice is a unique voice of Kashmiri Bhakti tradition, passionately spiritual and yet intensely human. It could also inspire someone to translate some his select verses for non-Kashmiri readers who are hardly familiar with his name. It is indeed sad that no attempt to translate them has been made so far.

New Delhi,

Dr. Shashi Shekhar Toshkhani

July 19, 2004

[Dr. S.S. Toshkhani, the editor, is a renowned scholar of India and belongs to a great intellectual family of Kashmir. His father late Prof. S.K. Toshkhani was a legendary scholar of Kashmir's literature, language and culture. Dr. Toshkhani is a poet, linguist, writer and thinker. He has contributed substantially to Kashmiri heritage and carried out modern research in various fields of Kashmiri literature, history, religion, art and social science in general. He is a member of the research committee of Kashmiri Education, Culture and Science Society. He is conducting research on Bhakti tradition in Kashmiri Poetry as a Senior Fellow (on a fellowship from the Ministry of Culture) and on rituals and visual arts of Kashmir at the Indira Gandhi National Centre for the Arts. He has been associated in many leading seminars conducted by Kashmir Education, Culture and Science Society. Dr. Toshkhani, therefore, represents a great tradition of scholarship of Kashmir and Kashmiri Pandits.]



अस्तुती

1 श्री गणेश

ओमकारु रूपु छुख सर्वु आदिकारो	मूलादारु घान दारयो ।
सेदि दाता छुख व्यंगु हस्तारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
सास्त्रिय ब्रौठ छ्य ग्वडु अनुवारो	जपु यॅगनि स्वाहाकारयो ।
व्यॅकटु रूपु छुख वीदु ओमकारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
नॉल्य छ्य लालु मालु नागेंद्रहारो	बलु दातु गॅणिशि बलु प्रारयो ।
रुद्रय गनुनुय हुंदि सरदारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
आदि शक्ति हुंदे आदिकारो	ईकु दंतु वीदु व्यस्तारयो ।
शिवजी सुंदि ठठि व्यंगु निवारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
पस्मु शक्ति हुंदे सीवाकारो	यछु पौत्रु व्यवहारयो ।
बालु चेंदु ख्यूब कासुवुनि शूबिदारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
सर्वु शक्तिमाननि आंग्यन्याकारो	प्रकस्मु यमि समसारयो ।
प्रथ तीर्थु ब्रौठ चुय पतु कोमारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
ही लम्बोदरु छुख सर्वु व्वपकारो	म्वकलाव यमि समसारयो ।
लम्बोदरय कोरुथ आहारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
यॅद्राजस येलि ख्रौत अंदुकारो	जोरुन ति गोस लूरु पारयो ।
म्वकलोवथन छुख बखशनहारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
वैष्णन कोरुनयनु नमस्कारो	सॅदस्स कोरुथ वथु वारयो ।
गजु म्वखु बोयनय जयजयकारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
वैष्णु भगवानस बूजुथ जारो पारो	कृष्णु पिंगलु अदु ओय आरयो ।
वकरु त्वंडु बलु छुय महा व्यचारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
वस्तरु नॉल्य छ्य रंगि गुलनारो	चौतुर ब्वजु बडि सरकारयो ।
चानि दरबारय लबु दरबारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
मंत्र नायकु ब्रह्म अवतारो	पूजुहोथ गणपतु यारयो ।
सर्वु स्यद दिनुकुय छुख म्वखतारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
व्वलभा सुत्य छ्य स्व सौरुप दारो	अथन क्यथ चोर हॅथियारयो ।
बूतन तु राखिसन करान सम्हारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
अवेद्यायि साने दंतु सुत्य मारो	मकि सुत्य पाप गाल वारयो ।
पदमु सुमरनि सुत्य कू द द्वख हारो	महा गणपतु घान दारयो ।।
सेहमु ख्वगु वाहनु जोरवारो	दुमरु वस्नु समसारु सारयो ।
यमि बवुसरु दितु कृष्णस तारो	महा गणपतु घान दारयो ।।

2 श्री सत्गुरु

शिवनाथ आनंद अमर्यत चावतम ।

सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।

येत्य छुख तु छंञ्च कथ मकानस गोमुत छुस अग्न्यानस मंज ।
ओन छुस तु जॉन्य हुंज वथ वुछ्नावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
वोलनस समसारचि मायाये म्वकलय चाने व्वपाये सुत्य ।
दयायि हुंजुय नजराह त्रावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
छुय काम, कूद, लूब, मूह, अंदुकारुय ममतायि सुत्य व्यस्तारुय म्योन ।
समतायि सुत्य यमि मंजु म्वकलावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
संतोश, व्यचार, सत्संग, शमय खटनय आम यिम क्वकर्मय सुत्य ।
अनयछ पस्मयगथ प्रावुनावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
सत्जन प्वर्श यिम ऑस्य प्रकरतु पर चरि जीव प्रोवुख ईश्वरु थान ।
तिमुनुय मंजबाग आसन मे दावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
अंदरिय युस छुम आनंदु मंदुरुय तथ मंज करुयो यूग पूजा ।
उपनिशदन हुंघ सिर मेति बावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
शब्द प्रकाश वैरु वासना हारतम ह्योरुकुन खारतम पजि रजि सुत्य ।
युथ ओसुस त्युथ बेयि बनावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
त्वकचार अँघ गोम गरुके ख्यूबय जवान छुस तु र्खतम लूबय निश ।
बुजर छु नँजदीक मतु मंदुछवतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
व्वदीशु सुत्यन वुछ्थिय त्रावतम सुत्य मा आस्यम कुनिकुय लीश ।
ब्रह्मानंदुसुय प्यठ वातुनावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
द्यानुच नँदिया न्यर्मल कँस्थिय यूग पानि सुत्यन बँस्थिय छ्य ।
बो तन नावय च्य मन नावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
इंद्रेय यिम ऑस्य द्रायि तिम फँस्थिय ह्यस ह्यथ रँस्थिय खँस्थिय पॉठ्य ।
सॉर्य शोमरावतम कुनुय बनावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
ग्यानुक न्यँत्रुय वारु मुचरावतम पम्पोश ज़न फवलरावतम मन ।
अद्वेतु बावुकिन्य पानस छवतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
मूलतल ओसुस न्यर्मल पोनिय व्यवहारु प्रकरँच कोसनस यख ।
न्यसनय गरमी सुत्य व्यँगलावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।
नाव छुम कृष्ण छम चॉन्य आशिय हवतम सत् च्यत् आकाशिय ।
समसास्स मंज पुशु मतु पावतम सत्ग्वरु हवतम गटि मंज गाश ।।

vvv

खंड 1: दखि (दक्ष) प्रजापतुन कुसु । शोम्भू जियस सुत्य उमाजी हंदि खांदरुच दॅलील ।

3 शिव तु आयि हंदि खांदरुच शेछ बंदन बांदवन प्रजापतनि तरफ्

सावदान मन छुम परमानंद ।

शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।

शरु ज़न फोलमुत छुस पम्पोश	ल्वकुचास्स छुम आमुत बोश ।
तौशन तौशन छुस प्रसंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।
अँम्य गंगाधारन ग्वसॉन्य	स्वयंवर वॅसनय कन्या म्याँन्य ।
आपस्स प्रेम सुत्य द्दु बत कंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।
तसुंजि मायायि ब्वद वातिनु सॉन्य	नय स्वय ब्रह्मा वैष्णन जॉन्य ।
नय छुस ग्वड तय नय छुस अंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।
अथ करपूर गौरम तने	शखुच्च कीरतना कुस वने ।
यिवान केन्ख छस स्वगंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।
सुय ब्रह्मा वैष्णय मानुन	जगतुक ईश्वर सुय ज़ानुन ।
सुय परमात्मा सुय स्वछ्यंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।
सुय छुय शास्त्र वीदु सागर	सुय छुय आसुवुन वैद्याधर ।
सुय छुय सार ओमकारुक ब्यंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।
अँबीदु बख्त छ्य तसुंजुय ज़ान	सुय छुय मन तय सुय छुय प्रान ।
सुय नेरि अवशद शास्त्र मंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।
लछि बदि लोलय प्रेयमय सुत्य	जपु तपु दर्मय कर्मय सुत्य ।
पोशु पूज़ कँस्थिय जुव तस वंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।
कृष्ण फिस्म काँरुय कर मु तॉरिय	तिथु पाँठ्य पूजायि दैरुय कर ।
यिथु पुष्पुदंतन लॉगिनस दंद	शिवनाथ सपनुम बांदव तु बंद । ।

4 आ जी ह्यथ शिव जी सुंद कैलासस प्यठ गछुन

गट पछ चँद्व चूडन म्वख होवुय अछ पोश गव लछ नोवुय ह्यथ ।
राज़न खांदर येलि म्वकलोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।
पम्पोशिक्य पॉठ्य फोल समसारुय जगतस नोव बहारुय आव ।
अँसिने पोशस ह्यथ गव निववुय¹ परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।
होह्वुर्य गरि सुय वारु तु कारुय परमाछ्यनु व्यवहारुय सान ।
हशि हेहरस र्वखसत ह्यथ द्रोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।
ग्वलाबस तय आरुवलि म्युल गव दिल गव मीलिथ रूदुख नु ब्यन ।
यँबुरज़लि हुंद रंग सोंबलन प्रोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।
आधरु छुख न्यथ असि बासुवुन नेशकल मन कर आसन दार ।
हृदयुक पम्पोश असि वथुरोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।
तस निशि क्याह छिय वस्त्र तु जामय वैस्खत छुय नेशकामय सुत्य ।
निदानु अबदन हुंद स्वनु सोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।
तस निशि क्याह छुय गंडुन तु छवुन यस निशि द्रायि भगवत माया ।
त्रेयलूक येम्य ईश्वरुन व्वपदोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।
तस निशि क्याह लवि लँक्ष्मी तु द्यारुय युस आसि मूह अंदुकारुय रोस ।
ब्रह्मा वैष्णय येम्य बनोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।
यूगु गछि डबि छ्य लछि बजु हेरुय कृष्णस फेरुय निशि म्वकलाव ।
ह्योर खारुन छुस ग्वडुन्युक पोवुय परम् शक्ति गव लछ नोवुय ह्यथ । ।

1. अकि पोशुक नाव ।

5 दिवताह सबायि मंज प्रजापतुन कू द करुन

आ रुद्रस त्रुबवन सास्स ।
मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
कैलासस प्यठ ख्यमा करुवुन आ दीवी ह्यथ येलि गव ।
वयक्वठ साँपुन तथ कोहसास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
दोहु अकि आँस्य त्रेशवय कारन वीद व्यसतारन दिवताह ह्यथ ।
समेमुत्य आँस्य मंज स्वर्गु दास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
दखि प्रजापत मनि कामनाये वोत तथ दर्मु सबाये मंज ।
साँरिय वँथ्य तस जयजयकास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
गोमुत ओस मंज मूह अंदुकास्स शिवनाथन तोरु केँरनस नु कथ ।
वुठ मुच्चरोवनखनु नमस्कास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
करुन ओस पानय श्री न्यरकास्स अदु छुनुन तस माया जाल ।
ब्वडुनोवुन मंज मूह अंदुकास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
व्वजलुय बुथ गोस युथ आसि नास्स जिन्थ अंबास्स ह्यँचनस रेह ।
कू दु म्वख गोस युथ कालु समह्वस्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
वननि लोग पानस सुत्य ओस श्वदुय मदय वोदनस दीवन मंज ।
येति योर लगु व्वन्य अभिकिस चास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
वारु पाँठ्य यँग्यन्या व्वन्य बनावय यछयि प्रेयमय बावय सान ।
पथ कुन नावाह थवु समसास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
ब्रह्मा वेष्णस ह्यथ दीव साँरी सनि दानुय करु आवाहन ।
फकथ करयनु गंगाधास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
येति योर पथकुन यिम व्वन्य आसन तिम ति तस बासन नु यँग्यन्यस मंज ।
अनुनस नु जाँह जपुकिस व्यवह्वस्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
बुति मंदुछेवनस सुति मंदुछवन ठु पाँठ्य कथ पावनावन याद ।
अदु गछि पनुनिस कास्स बास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
यी गँजराँविथ जग¹ बनोवुन सारिनिय वनुनोवुन सालस ।
दोपनख दँपिज्यवुनु भस्माधास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।
कृष्णु येति तति गरि गरि शिव शिव कर अनबवु² बावु किन्थ द्यवु वेठिय ।
शरनय गछ चँदुकलाधास्स मनु किन्थ दारुनायि दास्स घान । ।

1. येग्य, ह्वन; 2. अनुभव ।

6 दखि प्रजापतुन दिवताहन आवाहन करुन तु यॅग्न्य करुन

दखि प्रजापतनिस यॅग्न्यस तय ।

दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।

आवाहन गव ब्रह्म लूकस तय ब्रह्मा वैष्णु भगवान ह्यथ आव ।
सतु रेश्य तति आँस्य वीद परनस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
अँद्य अँद्य तिम येलि बीठ्य यॅग्न्यस तय दखि प्रजापतुनुय वोननख ।
आवाहन कँ रिज्यवनु शिवस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
शिवजी ओस प्यठ कैलासस तय माजि भवानि कुन लोग वनुने ।
दपनि कोनु असि आव कांह सालस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
माजि भवानि फीस्थि दोपनस तय आसिहेख व्यवहारुच गांगल ।
पनुन्य छुख पतु निन, आस्यखनु ह्यस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
दीवीयि यमि रंगु येलि वोननस तय छ्वपु कँर ईश्वरन गव यँच काल ।
तोरु कांह दपनि आख नु आस्य तिम मस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
अदु दोप दीवीयि शिवनाथस तय ग्वरु गरु , माल्युन दपनु रोस्तुय ।
गछ्नुय त्वहि वोनवु मंज वीदस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
बो ति गछ् आँब क्याह छुम गछ्नुस तय पनुनुय गरु लोलु माल्युन छुम ।
वँनिथुय गँयि र्वखसथ ह्योतनस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
मायायि हुँदिस जाँपानस तय खँच सुत्य ओसुस नन्दकीश्वर ।
कह्रख कनि शक्ती आँसुस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
स्वखु सान वाँच येलि प्यठ थानस तय ब्रौठ कांह द्रास नु बोजनु आस ।
क्याह गोसु छुख सोन मंज व्वंदस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
स्योदुय गँयि खँच प्यठ हुमस तय वननि लँज प्रजापतुसुय कुन ।
चानि सालु रोस्तुय पानु आयस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
हयहय क्याजि गोख मंज मूहस तय मँशरोवथन चै जगत ईश्वर ।
आवाहन येति कोनु कोखोस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
प्रजापतुनुय तोरु दोपनस तय कस सूरु मँत्यसुय सँन्यासस ।
न्यथु नँनिसुय कलु मालु नॉल्य छस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
सालस अनुहँन रजु रंगस तय मंदुछविहेम येति सास्नुय मंज ।
शरमंदु करिहेम मंज मारकस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
सरफु ग्वसॉनिस कालु कंठस तय बिहिन्य जाय छस शमशानन प्यठ ।
ठंखाया चथ छु आसन मस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
दीवीयि दोपनस वनान छुख कस तय सुय छुय आसुवुन त्रुबवन सार ।
यमि कथि नाश व्वन्य पजिय बननस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
यी बूजिथ गँयि मंज कू दस तय अशुद पदु सुत्य ह्यँचनस रेह ।
जय बोयनस जालायि म्वखस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।
जालायि रूपस पूज करु हँस तय कृष्ण वनि लीला बोज्यस स्वय ।
ख्रुवु छ्य आसान र्वन जगतस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।

शर्वायस द्वख शमनायस तय शक्ती रूप दौस्थि सुत्य सुत्य चैय ।
शस्नी यमि नमु प्यमु पायस तय दिवताह आयि पोशि दस्तय ह्यथ ।।

7 माहमायायि हुंद ज़ाला रूप प्रकट करुनुच अस्तुती

खुव खसु पोशि पूज़ करु ज़ालाये ।

महमायाये जयजयकार । ।

मह वेद्याये ज़गत माताये	मह लैक्ष्मी शिवु प्रेयाये ।
वैष्णु मायाये सर्वु स्यदाये	महमायाये जयजयकार । ।
सिरियि हिव्य कनुनुय छिस कनु वॉली	व्वज़ली जामु छिस नॉलिये ।
इंद्राँखी रूपु चँदु कलाये	महमायाये जयजयकार । ।
समया अख ओस छ्रंडनि द्राये	ज़ालायि रूपस वैष्णु ब्रह्मा ।
अंत कुनि लोबहोसनु फीरिथि आये	महमायाये जयजयकार । ।
बक्ती बापथ ज़गत व्वपदोवुन	सास्निुय होवुन ज़ाला रूप ।
त्रुबवन, त्रेकारन तस निशि द्राये	महमायाये जयजयकार । ।
शिव-शक्ति रूपु छ्य च्वतुर व्वज़ दौरिथि	साँन्य पालना व्यसताँरिथि ब्रौठ ।
प्रारब्द व्वपदोव असुंजि यछये	महमायाये जयजयकार । ।
प्रज़ापतसुय येलि गव कू दुय	तसुंजि सुमरनि निशि रूदुय दूर ।
वीरु बँद्रन मोर येग्यनिचि जाये	महमायाये जयजयकार । ।
हृदयस मंज़ छ्य ज्योति रूप आसुवुन्य	अज़पा आसुवुन्य यिवान नु द्रेंठ ।
गटु कास वँल्यमुत्य छि लूबुचि छये	महमायाये जयजयकार । ।
शैलायि ¹ चँक्रस स्वप्रकाशु रूपुय	आलुवस दूप तय रँतन दीपुय ।
खास्स बूज़न मनु कामनाये	महमायाये जयजयकार । ।
सत्ज़न प्वरशव प्रसन करुनौवुख	तमि सुत्यु प्रौवुख परमय गथ ।
आनंदुगन कैर्य तसुंजि सीवाये	महमायाये जयजयकार । ।
दयायि रूपु दितु बक्त्यन म्वखती	परमु शक्ती साँन्य बक्ती बोज़ ।
नमनि आय प्रेयमु तु माये	महमायाये जयजयकार । ।
द्यन तु रथ चॉनिय कीरतना कैर्यथुय	चानि श्रवनु सुत्यु सौरिथुय द्यान ।
मूख्य बंग चॉनी मनु साजु वाये	महमायाये जयजयकार । ।
पानु छख वॉनी मॉज भवॉनी	ब्रह्म ग्यॉनी वीदु सागर ।
सत् ग्वर छख वथ हव वेद्याये	महमायाये जयजयकार । ।
पापन ख्यय कर मॉज भगवँतिये	छुय पारवँतिये सँतिये रूप ।
दर्शनु बापथ लारन आये	महमायाये जयजयकार । ।
कृष्णजी वोलमुत छुय ममताये	म्वकलिय चानि व्वपाये सुत्यु ।
व्वन्य वोट नँज़दीक द्यन संपदाये	महमायाये जयजयकार । ।

1. शिला चक्र ।

8 महामायायि हुंद यॅग्न्यस मंज्र व्वठ दिथ सॅती सपदुन

शिव नावस प्यठ सपजुख सॅतिये ।

श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।

पूजायि पोश लागय लवु हॅतिये	अँकिन्य गामु आसुवुन्य छख शिवा ।
स्तु बीज मॉरिथि छख पानु तँतिये	श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।
पोश सोम्बरॉविम व्वजुल्य, नील्य, छेतिये	पूजा करुहॉय येष्टु दीवी ।
जारु पारु वारु बोज़ छिथ आरुँतिये	श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।
अमर नाथु कैलासु किय सूरु मँतिये	वँसुख तु कँसुख अर्दु शैरीर ।
न्यथ छख आसुवुन्य तस सुत्य सुतिये	श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।

अष्टु स्यँज सुत्य छ्य ब्रॉठ तय पँतिये	शिव शक्ती रूप छख सर्वु व्यापक ।
कृष्णस टोठ छख बोजान येतिये	श्री पार्वॅतिये बोयनय जय ।।

9 रँग्यन्या (रँझना) भवॉनी हुंज अस्तुती

सर्वु व्यपक छ्ख रँग्यन्या भवॉनी ।

परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।

तुलमुलि नागस लछि बँद्य लूखुय प्रेयमु सुत्य परुवन्य छि श्रूखये ।
अनपर छुस बु पर तिंहजि मान मॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
त्रुकूटी दिवताह चॉनी बक्ती करुवन्य ही महा शक्तिये ।
पांचन कासन छि दासना चॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
च्वशवय खग गँयि च़ेय निशि बूदये त्रे गँल्य तु अख छुय मूजूदये ।
कलर खगुच¹ महा रजु रँनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
लछि बदि रंग छुय रूप चोनुय जयजयकार छुय सोनुये ।
समसार म्वक्त कोर अँम्य नाग वॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
सुमरनि चानि कोर पापन नाशिय सासु सिरियुक छुय प्रकाशये ।
तापु तीजु चानि गँज पापु शीनु मॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
दूप दीपु पूजा करुवन्य छि सॉरी गंदर्व दीव ब्रह्मचॉरिये ।
साद संत बैरँग्य जूग्य ग्वसॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
थाल छिय खिर खंडु कंदु बँर्य बँरिये जगत ईश्वरिये कर च़ु आहार ।
अवेद्यायि वासनायि गँज दॉन्य दॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
सूख्यमु थलु ज़डु च़यतन छ्ख बासुवन्य शिव शक्ती रूपु छ्ख आसुवन्य च़ुय ।
सर्वु त्याग कँस्थि बक्ती चॉन्य मॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
ॐ शब्द गायत्री छ्ख परमु शक्ती सिंहसन कर म्वखती सॉन्य ।
बॉय बंद बब मॉज च़ु छ्ख सॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
त्रेशवय ग्वन ह्यथ अवस्थायि च़ोरुय पानु छ्ख च़वपूर्य महामाया ।
च़े रोस यि कँछ्र मानि छ्य वँनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
पादन चान्यन मीठ्य दिनि द्राय लारन आयि येति अँन्य छल ।
अमरनाथु गंगायि हस्वखु वॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
दर्शुन हव अँस्य छि आरुकँतिये श्री भगवँतिये लीन कर मन ।
वीद पँर्यनु असि अग्यानु म्यँच़ छँनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
संकल्पु बुतराथ छ्म खारु खसुचिय दान्द वायि ह्यसुकिय व्वु कर्म ब्योल ।
अव्यचारु मूलस लायि दर्मु खॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
त्याग बटु फ़ुर कूड दतु फ़ुटरावय संतोशि ज़ेनि सुत्य थावय सुम ।
द्यानु फालस छुनु यूग अलबॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
अद्वेतु सगु सुत्य कर्म ब्योल वँविथुय यमु न्यंदु दिमुहँस सॉरी ह्यथ ।
वॉरगु द्राति लोनु वसि हरशु छँनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
स्वय छँन्य जॉन्य हुंदि कंजु मुनु वारय न्यसनयि देगि स्नु बतु म्वक्त ।
परमु शक्तु द्यान दारु करु चॉनी जॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।
मनु किन्य प्रथ जायि च़ेय छुस छरुवुन कृष्ण छुस दारुनायि दारुवुन द्यान ।
वर दया कर दया पालना च़ु सॉनी परमु पदवी छ चॉन्य जॉनिये । ।

1. कलियुग; 2. गासु, कछ।

10 नंदकीश्वर शिवजियस सोरुय हाल बावान

शिवजी ओस प्यठ कैलासस ।

नंदकीश्वर गव वनने तस । ।

योरु तोरु दीवी हुंद सम्वाद	दज़नुक यि कें छ ओसुस याद ।
म्वखसर सोरुय कुसु वोननस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
कू दस मंज गव कालु सम्हार	त्युथ युथ त्रन बवुनन हेयि नार ।
वीरु बँद्र साँपुन त्युथ कू पस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
वननि लोग वीरु बँद्रस शिवजी	बुति आसय छ्य चै म्यॉन्य द्रुय ।
ती केंरिजि यी कख कल्पांतस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
आसन यिम दिवताह कारन	अंद हेज्यख मारन मारन ।
वथुवार केंर्यज्यख ज़पु येंग्न्यस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
ब्रॉठ आव वीरु बँद्र पतु शिवजी	करनि लॅग्य यी तॅम्य दप्यानस ती ।
ही ख्यमा करुवुनि बस कर बस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।
कू दु म्वखु निशि रूछ कालु सम्हार	ह्यतकारु पुछि छ्यत कर नर्कु नार ।
वेह मंजु शेहजार दियि कृष्णस	नंदकीश्वर गव वनने तस । ।

11 दिवताहन वीरु बँदुन्य ह्यदायथ

वीरु बँदुन दिवताह छ्यपु दौविन ।

सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।

ग्वडनी दखि प्रजापत रँट्थिय	कलु चँट्थिय छुनुनस अँगनस ।
छँग्य लटि कँड्य कँड्य दीव मँदुछँविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
कँह कँह गौलिन कँह कँह ज़ौलिन	कँह कँह वौलिन अँदुकारु निशि ।
कलु चँट्य चँट्य प्रेथ्वी प्यठ त्रौविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
ब्रह्मा रुद्र मंत्र पनुनोवुन	चानुनोवुन गुह्य बनि सुय मंज ।
सिरियि दिवताहस दन्द फुट्यँविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
सफेद बुथिसुय चँद्रमु दीवस	कौड मँडुल कोरुनस थँवनसनु दौर ।
हतबि सुत्य तस कलु होखरँविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
वेषु भगवान लोग हरु हरु कस्ने	अनुग्रेह अनुग्रेह लोग पस्ने ।
साँरी दीव शिव शिव करुनाँविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
यिम तति आँस्य त्रुकूटी दिवताह	डंगव सुत्यन ह्यौतनख जान ।
त्राहि माम पाहि माम बाख दौविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
चारु कँह ज़ोनुखनु गँयि आवारय	भस्माधारय यियनय आर ।
कमु कमु लीलायि तिम वनुनाँविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
भृगु र्योश वँस्य प्यव रूदुस नु दैरुय	साँरुय दौर येलि खुंजनस ।
छँलुस्थि बँड्य बँड्य बलुवीर पाँविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
ग्वडनी वेषुन वँनिनस लीला	तमि पतु ब्रह्मा अदु दिवताह ।
शिवनाथजी व्वन्य असि म्वकलौविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।
बावनायि पोश फँल्य मनु चे वारे	कृष्णजी दारुनायि दारे द्यान ।
यिम पोश फँल्य तिम ईश्वरुस छँविन	सास्त्रिय हँविन पनुनी ज़ोर । ।

12 वेष्णु भगवान शोम्भू जियिन्य अस्तुती करान

कानूं में तड्की हथ में त्रिशूला ।
कंठे में वासुक पायो रे ।।

पांवूं को पदमों का गहना बिछया,	ब्रह्म का आसन बनायो रे ।	कंठे में .. ।।
कर्पूर गौस्म निर्मल तन को,	गेरूं का लैरा बनायो रे	
तेरे आगे कुशों का गेरा,	अरे जोगी आयो रे ।	कंठे में .. ।।
तेरे मुंह को जोत ही का सूस्त,	दान्तों की मूरत तारा है	
बक्तों के घर में समसारु सारा,	सारा बूजन खायो रे ।	कंठे में .. ।।
पूजा तेरी करुंगा सवेरे,	प्रेम के फूले चडवूंगा	
गन्टें का मुस्ली का बाजे का बजना,	शंखों का शब्द सुनायो रे ।	कंठे में .. ।।
मन में चिंता करके उठूंगा,	शिव चरणों का खूंगा घान	
फूलों से अरगों से माथे पर तेरे,	चन्दन का तिलक लगायो रे ।	कंठे में .. ।।
सोने का बिछैना मन में बिछया,	उस पर तेरा सोना है	
गौरी शंकरु हरु गंगाधरु,	आवाहन से जगायो रे ।	कंठे में .. ।।
कंवल के कलेजे में तेरा ठिकाना,	बद तुम्हारा पहचानना है	
अवस्था तीनों से तुरी में जमाना,	मुझे अपने पास अब बुलायो रे ।	कंठे में .. ।।
बिना पाने दर्शन के जलना जिगर का,	कभी तेरी सुमरन न हो जावे भूल	
खड है मेरा पाप कांटें का जाला,	दया के अग्न से जलायो रे ।	कंठे में .. ।।
न हूं साद गांजा का नशा बनावूं,	फंसा हूं ग्रहस्त के जंजाल में	
अब पीने की ठंडई और दिया न गांजा,	बहुत चैन से आ पिलायो रे ।	कंठे में .. ।।
दिन रात तेरी चाहत है मुझको,	राहत है इस कर्म भूमी में	
कृष्णजी पढेगा बनसरी में लीला,	मीठी जुबान से सुनायो रे ।	कंठे में .. ।।

13 ब्रह्मा जीनि तरफु अस्तुती

ही परातपरु वेशीश्वरु शिव शंकरु हर ।
ही चरचरु गंगाधरु परमेश्वरु ईश्वरु । ।
वीदु ओंकारु त्रिशूलधरु न्यराकारु शिवु ।
वेद्याधरु दयासागरु कस्ताकरु जगत ईश्वरु । ।
आनन्दगनु ब्रेश्बासनु कैलासुवासु सनातनु ।
परामत्मा प्वरुशु महादीवु अमरनाथु ही अमरु । ।
ही अविनाशु च्यत् आकाशु अगूरु गूरु शिवनाथु ।
श्री अकालु भैरवनाथु महाकल्पांतु थ्यरा थ्यरु । ।
भस्माधरु नागेंद्रहारु कलाधारु ही कीवलु ।
न्यरंजनु त्रुलोचनु सनातनु महेश्वरु । ।
त्रैयलूकीनाथु त्रुबवनसारु महीशानु मकुंदु ।
कस्तायोगु ब्रह्मा वैष्णु अकांडु ब्रह्मांडु मनवंतरु । ।
ही बूलुबालु महाकालु महा संतु स्वशिवु ।
ही नीलकंठु शोम्भुनाथु ही अमरीश्वरु सत्ग्वरु । ।
परमानंदु परम ब्रह्म ही परमु शिवु शिवनाथु ।
सनम्बखु यितु म्रैत्यंजयु न्यसनय नयु कर अवतरु । ।
कालु संहारु नागेंद्रहारु यमि समसारु म्वकलाव ।
महारुद्रु करु/×नावतारु कर व्वन्य चारु छुम आसरु । ।
ही सदा शिवु कालागनु रुद्रु जटधरु त्रुनेत्रु ।
ही वैष्णाथु दिगम्बरु सौरुपु चोन छु आश्चरु । ।
सोरुय मेति उमापति ग्यानु वति प्यठ्य अन ।
कृष्ण युथ करि शिवुशिवु ज़पि मंत्र शड्डअख्यरु । ।

14 गंदर्वन हुंदि तरफ् अस्तुती

ब्यल तय मादल व्यनु ग्वलाब पम्पोशि दस्तय ।

पूजायि लागव परम् शिवस शिवनाथस तय । ।

जव मुकट् प्यठ गंगा वसान छस तय
बक्ती बावुक जयजयकार आँसिन तस तय
पम्पोशु पादव सुत्य यितम असतय असतय
यिनु चानि सुत्यन पोन्थ वुज्यम नागरदस तय
दया सागर लोलु वुजियायि केँरिन मस तय
असार समसार छँलुशवान सोर रोजि कस तय
पॉर्य पॉर्य लगुना शिव शंकरु शिव नावस तय
टेवतम सदा शिवु जगत ईश्वरु छुस बेकस तय
अमरनाथस नीलकंठस शरवायस तय
कृष्ण जुव अर्पन गछि शिव नावस तय

दीवी तु दिवताह वेष्णु ब्रह्मा छिस दस्त बस्तय ।
पूजायि लागव परम् शिवस शिवनाथस तय । ।
चरनन बो वंदय जुव जान ह्यथ वॉलिज वसतय ।
पूजायि लागव परम् शिवस शिवनाथस तय । ।
हा पोशुमते होशु डॅल्यमुत्य छि थव दान ह्यस तय ।
पूजायि लागव परम् शिवस शिवनाथस तय । ।
दर्शनु चान्युक छुम यॅच लोल सुत्य हवस तय ।
पूजायि लागव परम् शिवस शिवनाथस तय । ।
व्यचारु सुत्यन बखत्यन प्यठ आर यियनस तय ।
पूजायि लागव परम् शिवस शिवनाथस तय । ।

15 इन्द्राजुनि तरफु अस्तुती

धारना में तुम्हारा ध्यान दारुं में प्यारा	ॐ गंगंधारा जय समसारु सारा ।
जयजय समसारु सारा	ॐ हरु हरु शोम्भू । ।
तुम है थावरु जन्गम तुम से साधूं का संगम	शिव तुम से साधूं का संगम प्रेयमों से बनता ।
खूं ऐसी चिंता जैसे पुष्प दंता	ॐ हरु हरु शोम्भू । ।
महा लक्ष्मी का ताजा अरे त्रुबवन राजा	तेरे सिर पर ऐसा शिव तेरे सिर पर ऐसा ।
लाख सूरज का रूप होवे जैसा	ॐ हरु हरु शोम्भू । ।
परमानंद आत्मा है तुम सब के तन में	शिवजी तुम है सब के तन में ।
तेरी सुमरन मन में खूं रात और दिन में	ॐ हरु हरु शोम्भू । ।
तेरी माया बुद्ध में कब आवे	शिव जी बुद्ध में कब आवे ।
विष्णु ब्रह्मा दिवताह और सावित्री भी न पावे	ॐ हरु हरु शोम्भू । ।
चरणों की तेरे सुमरन चाहते हैं हम प्यारे	शिव जी चाहते हैं हम प्यारे ।
परमु शक्ति लेके तुम है बिंद पर ओमकार के	ॐ हरु हरु शोम्भू । ।
एक दिन यह भ्रमपुरी छोड कर चलते हैं हम	शिव जी छोड कर चलते हैं हम ।
आप के अपकार से मुझ पर न पावे हाथ जम	ॐ हरु हरु शोम्भू । ।
कृष्ण जी के मन में अपने चरणों का खना दान	शिव जी चरणों का खना दान ।
सुमरन जपे जब तक है उसके गट में प्राण	ॐ हरु हरु शोम्भू । ।

16 धर्म रजुनि तरफु अस्तुती

चरनन हंदि द्यान स्वरनय यमि बवु सागरु तरु बो ।
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
सर्वुव्यापक समसारु सारु दारुनायि दारु चोन द्यान
परमानंदु श्वबु चरनन चान्यन बो वंदु पान ।
नमु च्चेयकुन दमुदमु शमु रिंदु पॉठ्य जिंदु मरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
ही अविनाशु च्यत् आकाशु सानि शुरुय बाशि वारु बोज
गाशु रँस्यत्यन अनिगटि किन्य सिरियि प्रकाश सुबह सोज ।
परमीश्वरु कर च्चु पूर्यर कति दूर्यर ज़रु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
वासनाये कायाये मायाये मंज गोस
देह गालुवुन जानावारु कालु ज़ालस मंजु प्योस ।
ही दयावानु बडि भगवानु ज़गतस क्याह करु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
वेषु ब्रह्मा छुख च्चु पानय छुख दयालू दय
त्रन बवुनन हंदि सॉमियो सोन बोयनय जयजय ।
वारु नेश्चय लबु तेलि शिव शास्त्र पुरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
परमत्मा नीलकंठ नॉल्य हटि वासुक छुय
अर्पन गछु चरनन व्वन्य सुत्य बॉजी ह्यथ बुय ।
यथ जाये पाद थावख स्वनु कनि अँछि ज़रु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
हमसासन गरुडसन ब्रेशबासन वनु क्याह
हनिहनि मंजु छुख च्चु पानय फेरुवुनि मनु वनु क्याह ।
यी अरमानु छुम राथ द्यन च्चेय सुत्यन बरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
नर्कु मंजुय म्वकलावतम गथ पनुनिय ह्यवतम
कटु संकटु भस्माधरु हरुहरु वनुनावतम ।
हृदयस मंजु ही कीवलु द्यान चोनुय दरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
श्री नारायण छुख च्चु पानय सारुनिय जीवन मंजु
परमत्मा श्वद न्यर्मल सारुनिय दीवन मंजु ।
सरु कोरुमख ज़गत ईश्वरु चॉन्य सुमरुन फिरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
प्रथ प्रबातन सुलि व्वथुहॉ चॉन्य पूजु करुहॉ
कन दॉस्थि मन लॉगिथ चॉन्य लीला परुहॉ ।

नाँल्य छनुहँय लाल मालय बेयि म्वखतु लरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु सोम्भू । ।
त्युथ स्वरुहँथ युथ मेलिहेम मन तय प्रान च़ेय सुत्य
नतु यथ समसास्स मंज आयि काँत्याह गँयि कुत्य ।
मन मेल्यम तु बेह्यस गछ नाफँहमन¹ खरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
दर्शनुके शबनमु सुत्य फवलुहँ ज़न पम्पोश
दर्शनु चानि अमर्यतुके वरुशनु यियि असि बोश ।
फल रँस्तिस अहंकारुकिस कुलिसुय वालु अरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
अँछ्य मुचरुनु चानि दोह तय अँछ्य वटुनुय चॉन्य रथ
आर यियनय कास होला छुख चु बोलानाथ ।
साफ तन नय चॉन्य ड़ेशय हिय ज़न गछ बरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
लछि सिरिये खोतु तीज़ छुय सुह च़म छ्य नाँली
चँद्रमु छुय ड़्यकु पेट्य किन्य गट पछु निशि खॉली ।
लोलु चाने शोलु दिवुवुन्य ज़ून ज़न लगु दरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
गछि चाने दयायि सुत्यन सारुनुय पापन नाश
दर्मुचि सेनायि सुत्यन ज़ेनि शहस्य अविनाश ।
सन्तोशि सुत्य कू द गॉलिथ मूह रज़स फरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
ही महाकालु कालने ज़ालु चानि नावु सुत्य चलनम
वासनायन संकल्पन हुंदिय मूलय गलनम ।
द्यान स्वरुनाव नतु काँल्य गछ थरि पोश ज़न बरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।
ही सदा शिवु मे कृष्णस च़ेतनायि कुन बासतम
पराक ज़नमुक्य खोट्य कर्मुय कासतम तु ख्वश आसतम ।
समसारा छु द्रखु बोस्मुत येति किथु पॉठ्य दरु बो
ही चरचरु गंगाधरु शिव शंकरु शोम्भू । ।

1. कम अकलन ।

17 वरुण दीवनि तरफु अस्तुती

श्री न्यराकारस्य त्रुबवनसारस्य प्रास्यो पनुने यास्यबल
बस्मादास्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमुयो पादन तल । ।
लमुयो जामन स्तुयो दामन शिवनाथु छम चॉन्य मनि कामन
त्रुजगत पालय यितु सानि सालय चावतम प्यालय अमर्यतु ज़ल
बस्मादास्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमुयो पादन तल । ।
त्रुबवनसारो हनि हनि मंज छुख मायायि सुत्य छुखनु यिवान द्रेंठ
सत् च्यत् आनंदु गोव्यंदु कीवलु जाय चॉन्य हृदयुक पम्पोशि डल
बस्मादास्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमुयो पादन तल । ।
मनुकिस बागस फुलुया द्राये रछुनि लछिनावु अछि पोश छव
शोकु चानि प्रैयमुक बुलबुल छु नालान बोलान लोलुने दँदरि तु जल¹
बस्मादास्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमुयो पादन तल । ।
ही कृष्ण वासना श्वद थव स्वद थव ब्वद थव सतसुय कुन सनि दान
सतसुय कन थव सतसुय मन थव सतु किस कुलिस वसि आनंदु फल
बस्मादास्य छम चॉन्य लादन सादन प्यमुयो पादन तल । ।

1. दँदर तु जल - जानावासन हुंघ नाव ।

18 सतु र्येशन हुंदि तरफु अस्तुती

करुनावतारु नावु निशि युसनु जांह डलि ।

कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।

लबि कनि रुजिथ लूक् सबि मंज रलि	महाराजु जामु वलि सादु प्रकरँच ।
ब्रह्म मानि समसार ब्रह्म जानि थ्यलु थ्यलु ¹	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
कायायि मायायि हुंदि रूगु निशि बलि	बस्मु मलि समतायि हुंजि सुमरँच ।
ममता तस गलि पोन्थ ज़न बस्मु गलि	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
देह प्रेयि निशि न्यर्नय नयि मंज चलि	लेंबि मंज फवलि पम्पोशाह ह्युव ।
फेरि थ्यलु थ्यलु यीरु डून ज़न मंज क्वलि ²	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
वाँरागु मकि सुत्य युस रागु वीर थलि	नेश्कामु कर्मु तथ करि पयवन्द ।
हरदु नेरि फल तथ सौंतु पानय सु फवलि	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
पुनिम हुंदि साँमियो चाने अटकलि ³	चँद्रमु ज़न गलि परिपूरुन ।
चँद्रु चूड आशि चाने स्वप्रकाशु जामु वलि	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।
कृष्णस आनंदु अमर्यत गलि गलि	नेश्कलु पनुने कलि ⁴ सुत्य चाव ।
न्यमलु बोज प्रकरँच हुंद मल छलि	कति फटि मुह क्वलि ही केशव । ।

1. प्रथ जायि; 2. क्वलि मंज प्रथ जायि यीरु वसुन; 3. खयाल; 4. द्यान ।

19 रहू दिवताह सुंदि तरफू अस्तुती

परम ब्रह्म परम शिव शिव शंकरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।
सतुचिय वथ हव मे न्यथ सत्ग्वरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।।
हर हर हर हर गंगाधरो	चानि व्वपकारु सुत्य दरयो दान ।
महा रुद्र महादीवो परमेश्वरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।।
सदा शिव शिवनाथु दया करो	छुख चु श्री भगवान दयावान ।
परामत्मु नीलकंठु जटधरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।।
हर कासतम सौरी अरुसरो	हनि हनि बु च्चे वंदुयो पान ।
वेषु रूपु कृष्णस मे भस्माधरो	जगत ईश्वरो बोयनय जय ।।

20 सिरियि दिवताह सुंदि तरफ अस्तुती

ब्रेश्बासनु न्यरग्वनु ग्वन च्चे सॉरी ।

लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।

ही चंद्र चूड लाल माल अनुहॉ ग्वनि ग्वनि प्रेयमु सुत्य छनुहॉय नॉलिये ।
श्री भगवानु छुख सर्वु व्वपकॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
कैलासुवासी छरान ऑसिय आनंदु अमर्यत खॉसी चाव ।
सुमरनि चानि सॉरी पाप हॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
आ दीवी करुवुन्य व्वपाया त्रन बवनन हुंज महामाया ।
चेय सुत्य आसुवुन्य कासुवुन्य मे खॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
शेर चोन आसुवुन स्वर्गापुरी गौरी शंकरु कुल्य रंगु छ्य ।
मस चोन प्रथ गासु ही जटधॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
सिरियि चंद्रमु अंग्ण छि अछ्य चाने ह्य ग्वसाने चोन दान दॉस्थि ।
तारा मंडलस छ शब बेदॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
ऑस छुय अंग्ण तय तरफ देह कन छिय मन छुय सावदान बख्खन प्यठ ।
द्वखु निशि म्वकलाव वाल पापु बॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
आकाश नाफ तय प्रेथ्वी ख्वर छिय वॉनी चॉन्य वीद चोर छिय ।
यड छ्य समंदर छुख न्यराहॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
बंद तान चॉनी छि कोह तय बालुय ही बूलु बालय कर रखिपाल ।
सास्नुय जीवन कर चु व्वन्य यॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
आसुवुन चुय छुख वयक्वठ नायक न्यथ मछु चानि इंद्राजु दिवताह ह्यथ ।
पानु छुख त्योंगी तय व्यवहॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
अविनाशु न्यथ छुय लसुनुय बसुनुय जगत्तुक कल्यान असुनुय चोन ।
ही महा स्वखु म्वखु चान्युक वनु क्याह लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
छुख चुय प्रलय ही कालसमहॉरी सासु बँद्य सिरियि ज़न छि यकजा ।
देवन चुय छुख सेद्यन तु सादन लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
गंगा माता कलु प्यठ च्चे जॉरी पम्पोशु पादन वंदुयो पान ।
छरुवुन्य तु गारुवुन्य च्चेय छिय सॉरी लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
जूग्य सँन्यॉस्य ग्वसॉन्य ब्रह्मचॉरी जंगलन कोहन तु काफन मंज ।
लोलु सुत्य खिरु खंडु थाला बरुयो लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
प्रेयमुचि बरुने मुच्चराव तॉरी अरपन करुयो स्वरुयो दान ।
पुनिम तु मावसि आरती करुयो लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
म्वक्त करुवुनि ही गंगाधॉरी पास्थी पूजा करुयो बो ।
महा दीवु सर्वु बूजन स्नुयो लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
आर यियनय छुख महा व्यचॉरी अनुयो च्चेय निशि करतु आहार ।
कूफ कोरुथ प्रजापतुनि गरे लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
वुनि छ्य दीवन स्वय ब्यमॉरी हरेनाथो कू दु निशि रछ ।
लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।

ब्रह्मा चोन सोरूप लोग स्वरुने	करपूर, गौरम लोग पुरने ।
लबन दिवताह गॅयि लॉर्य लॉरी	लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
गंगा तु जमना गॅजगाह छिय करान	ब्रह्मा वैष्ण चोन द्यान स्वरान ।
इंद्राजु दर्मुराजु दीव ह्यथ सॉरी	लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
नन्दुराजु ब्रौठ ब्रौठ छॅतर ह्यथ छु रोजान	तसुंघन ज़ोस्न वातिनु कांह ।
तसुंदी नावु सुत्य पापु राख्यस मे मारी	लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
पूरन सर्वु व्यापक छुख आसुवुन	सारिनिय बासुवुन हृदयस मंज ।
संत्वष्ट असि आस कास लाचॉरी	लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।
कृष्ण छुय रात दान करुवुन चै जॉरी	कासतम ग्यानुच नादॉरी ।
सदा शिवु सॉमियो लगय पॉर्य पॉरी	लोलु पोश लागय चार्य चारिये ।।

1. कलु ।

21 चंद्रम दिवताह सुंदि तरफ़ अस्तुती

में तेरे मन में तू मेरे मन में ही केवल ही केवल ही केवल जी ।
घर में बाहर में बस्ती में बन में ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
कमरी¹ में ज़ाग² में लाले में दाग में बाग में राग में अशजार में ।
सुम्बुल में सुमन में बुलबुल और चमन में ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
आत्मा में आकाश में और प्रकाश में अरे प्राण अनंतवान तेरा है नाम ।
जल में जोत में धरती में पवन में ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
शोम्भू में ब्रह्मा में और बिशन में नारद में इंद्र में और प्रजापत ।
सूरज में चांद में अग्न में पवन में ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
गोविन्द आप हैं व आनन्द आप हैं बीनंदु³ आप शनवंदु⁴ हैं आप ।
वेद्या से कास्साज़ आप ही हैं सब में ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
जोगी में आप सन्यासी में आप हैं समसारी में आप ब्रह्मचारी में आप ।
एक ही एक ही चारों वरण में ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।
कृष्ण जी को एक कांख्या है मन में हर दम सखो उसको द्यान अपना याद ।
शाम में प्रभात में रात में दिन में ही केवल ही केवल ही केवल जी ।।

1. कुकिल; 2. काव; 3. वुछ्नवोल; 4. बोज़नवोल ।

22 ब्दु दिवताह सुंदि तरफ़ अस्तुती

परमत्मा पानु छुख मन तय प्रान	चेतनायि होशि बोज़ वासनायि सान ।
त्रेयि ग्वनु सुत्य छुख श्री भगवान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
स्वखु म्बखु कासतम पापुच हान	श्वबु दर्शनकुय छुम अरमान ।
पदमु पादु संतु सादु छुख दयावान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
प्रेयमुच नँदिया छ पकुवुन्य जान	श्वद वासनायि सुत्य करुस व्वलुवान ।
तमि मंजु द्यानु पानि सुत्य करु श्रान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
सोद्य वोन्थ पँडिताह बेहान ओस वान	बालकव केँउहँस च़ेय सुत्य ज्ञान ।
तिथु पाँठ्य मेति हवतु द्यानु मंजु पान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
शिव कर्मी छुय कृष्ण रजदान	शिवजी दारनायि दारु चोन द्यान ।
श्वबु लख्यनु प्रथ जायि चोन थान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।
समसास्स मंजु छुस नादान	मनु किन्थ छुसनु चोन द्यान स्वरान ।
जेवि किन्थ छुस चाँन्य सीवा करान	सदा शिवु साँमियो वंदुयो पान ।।

23 इकवटु सॉरी मुन्नीश्वर करान अस्तुती

न्यथ चॉन्य पूजा शिव शंकरु करु ।

भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।

चानि अनुग्रैह रोस्त कति व्वदरु दरु	व्वछि त्रेशना छम पतु ख्यथ चथ ।
सतुच चॉन्य रात दोह भागम्बरु बरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
सैकि शाठ छुम दया सागरु गरु	जल छुम बासान फल आस ज्यत ।
त्रेशि होत यिनु नागु नाथु अमरु मरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
चानि नावु सुत्य पाप हँरी हरु हरु	पानु छुख पालना समहारु थ्यत ।
बक्ती बावु चानि मन वेशम्बरु बरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
कासतम अमरु अजरु जरु जरु	बासतम प्रेत्यख्य सिरियि ह्युव न्यथ ।
जॉन्य गाश करतम क्वलु शेखरु खरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
प्रेयमु ओश छुम वसान चानि बजरु जरु	जन छम न्यत्रन मंजबाग व्यथ ।
बक्ती श्रूख चॉन्य ही परातपरु परु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।
पूरि पछ्मु दखिनु व्वतरु तरु	मूह सेंदि व्यचारुचि नावि क्यथ ।
कृष्णस गछु तु केशवु बवुसरु सरु	भस्माधरु दरु चोनुय व्रत । ।

24 चित्र गुप्त सुंदि तरफ़ अस्तुती

ध्यान से दयावान भगवान पाइए ।

आइए सदा शिव आइए जी । ।

शिव का ध्यान अपने मन में बनाइए जी	बिशन का ब्रह्मा का शोम्भू है सार ।
उस शोम्भू को रगों में गाइए	आइए सदा शिव आइए जी । ।
पूजा के वासते धर्म कर्म चाहिए	शिवनाथ के लिए उक्के प्रभात को ।
आनंद के फूल फूले लाइए	आइए सदा शिव आइए जी । ।
ही कृष्णजी छेड अहंकारुय	गंगाधारुय है सर्व व्यापक ।
प्राण एक आत्मा समझ लै लगाइए	आइए सदा शिव आइए जी । ।

25 बृहस्पति जीनि तरफ् अस्तुती

कुस कस जेवे कुस कस मरे
कुस कस दीवस पूजा करे
समसार छु केँ मिस येमिस तु हुमिस
यथ ब्रमु दीशस मंज कुस दरे
कुस सादु संगुक समवाद बूजिथ
असार सरस अपोर तरे
आकाशि पाताल पूख पछ्मु
सुय परमु शिव छंडन गरि गरे
सुय शिव शंकर सत्ग्वर आसुवुन
तसुंदि रोस्त कुस शिव शास्त्र परे
सुय मुचरवुवुन ग्यानु द्वरुय
तसुंदि रोस्त कुस अचि म्वक्तुचि लरे
ही कृष्ण सत्संग हिशां¹ चु करुन
सत् अय बोजख कुस कस स्वरे

छा छु थ्यरा हरे नाथ ।
छा छु थ्यरा हरे नाथ । ।
अमिच्य गान्गल छ अवेद्या ।
छा छु थ्यरा हरे नाथ । ।
बिह्थि सतचि शिकारि प्यठ ।
छा छु थ्यरा हरे नाथ । ।
दखिनु व्वतरु नँजदीक दूर ।
छा छु थ्यरा हरे नाथ । ।
दयायि सुत्य बासुवुन हृदयस मंज ।
छा छु थ्यरा हरे नाथ ।
सुय करुनावुवुन रजय यूग ।
छा छु थ्यरा हरे नाथ । ।
प्रकाश रूपुक स्वरुन द्यान ।
छा छु थ्यरा हरे नाथ । ।

1. करनि लग चु ।

26 शुक्र दिवताह सुंदि तरफ अस्तुती

बंद कोसनस बु बाशे, जगतुचि वालु वाशे । म्वकलय चानि आशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
बावु सुत्यन यिमुयो, हखु वॅन्य दिमुयो । मुह गटि हुंदि गाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
कैलासु कोहु छरथ, दासनायि द्यानु दास्त । सत् च्यत् आकाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
जपु शबनमु दारे, पपि ब्योल तपु वारे । कांह फोल गछ्छिनु हशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
शोम्भू नाथु सादय, आवाहनु नादय । सानि बोज शुर्ग बाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
तार दिम मूह वावस, मायायि देरियावस । कड द्वखु नावि पाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
समसारकि सरय बो, हरु नावु सुत्य तरय बो । कास संकट च्यत् आकाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।
कृष्णस आंप चॉनी, बख्खुस शाप प्रॉनी । पापन कर चु नाशे, शिवनाथु अविनाशे ।।

27 शनश्चर दिवताह सुंदि तरफु अस्तुती

शिव शिव करियो जीता मरियो	मन में फिरियो शिव सुमरन ।
शिव शिव करके दिन तु रात बरियो	मन में फिरियो शिव सुमरन ।।
मन के शिव शिवालय में जाइयो	उसमें पाइयो शिव केशव ।
उस शिवजी को देदो प्रेदिख्यन	मन में फिरियो शिव सुमरन ।।
जय शिव ओमकार बोलो	मन से खोलो दुख के बंद ।
चित बुद्ध मन प्राण करियो अर्पण	मन में फिरियो शिव सुमरन ।।
समसार जूव इस से जाओ	कब पाओगे ब्रह्मन जन्म ।
अब मत भूलो जाता है दिन दिन	मन में फिरियो शिव सुमरन ।।
माया की नींद से जागो जागो	भागो भागो काया से दूर ।
वखरा रखियो ध्यान से प्राण तन	मन में फिरियो शिव सुमरन ।।
त्यागी होकर निकलो घर से	वैरागी हो हर से मिल ।
सँन्यास आस पास ढूँडे बन बन	मन में फिरियो शिव सुमरन ।।
सब के ऊपर शोम्भू है सार	न रहे दुख सुख न समसार ।
न रहे काया माया न धन	मन में फिरियो शिव सुमरन ।।
परामत्मा है अपने पासुय	ही कृष्णजी अभ्यासुय कर ।
उसका नाम है पूख पूरन	मन में फिरियो शिव सुमरन ।।

28 सरस्वती तु लक्ष्मी हुंदि तरफु अस्तुती

श्वबु लख्यन सौरिय छियो ।

शिवु जियो बोयनय जय । ।

न्यर्मल रूप छिय छरौनी	साफ तनि चानि हुंद वनु क्याह ।
मंदुछैवुथ फवलवुन्य हियो	शिवु जियो बोयनय जय । ।
स्वप्रकाशे परमानंदय	वंदुयो जुव तय जान ।
वंदुहौय यी दपुहौम तीयो	शिवु जियो बोयनय जय । ।
जन्म जन्मय दास्नायि दोरुम	शिव चरनन हुंद श्वबु द्यान ।
द्यान दारुन रुत फल मे दियियो	शिवु जियो बोयनय जय । ।
मायाये वोलनस जालय	अर्पन करु बालय पान ।
म्वकुलौविथ नाव चोन नियो	शिवु जियो बोयनय जय । ।
अरे साधू गेरा बनावो	सब गावो शिव लीला ।
सत्संग सुत्य शिवनाथ यियियो	शिवु जियो बोयनय जय । ।
समतायि रोस्त मैं हूं बांधी	ममता की आंधी मैं ।
छेड करके लियियो लियियो	शिवु जियो बोयनय जय । ।
सर्वु बूजन बूगा खावो	हंस हंस के आवो जी ।
प्रेयमु ठंड पानक पियियो	शिवु जियो बोयनय जय । ।
कृष्णजी है दास का दासुय	सन्यासी निश्कल कर ।
चौन्य बक्ती छस बँड जियो	शिवु जियो बोयनय जय । ।

29 नारद जीनि तरफ अस्तुती

नॉल्य छ्य कपालय मालु शोम्भू ।

सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।

प्रेयमय जंगलस तपुकिय कु ल्य आसनु शबनमु नियमु पोश फोल्य ।
द्यानु हसनस दिमु छलु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
अवेद्यायि मेगस येलि गछि नाश दास्नायि वावु नेरि नोन आकाश ।
च्यत् वुजुमलु मूह जालि शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
संतोशि पोशिवारि करुयो क्राव शमु दमु यमि नियमु सुत्यन छव ।
काम कूद लूब मूह गालि शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
चरुनु द्यान दौस्थि करुयो त्याग अमरनाथु मनु किन्च ह्यमुयो ज़ाग ।
बालु छंञ्च बालु बालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
सूरु मति संतु सादु सँन्यासय हृदया वासय कैलासय ।
भोलानाथु बूलु बालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
परुमु शिवु पानु छुख प्रथ शाये अंतरद्यान सुत्य मायाये ।
चोन दूरयर किथु चालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
परमानंदु छुख पानय सत् च्यत् चॉनिय ऑस्यनम न्यथ सुमस्थ ।
नखु छुख मो दिम डलु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
न्यगर्वनु नेशकलु नेशकामय दास्नायि दास्थ सुबह शामय ।
रुथो लोलु सुत्य नालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
द्यानु दास्नायि निशि गोसय दूर ल्वकचार सूस्थि चोलुम जन चूर ।
कोत वातय यमि हलु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
द्वखु समसारा अपज्युक फन्द ज़लुर्य सुंघ पॉठ्य गोसय बंद ।
म्वकलावुम अमि ज़ालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
संकल्प लूहरन छिम द्यानस पोशान छुसनु पनुनिस पानस ।
कस सुत्य करु जंजालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
सतग्वरु च़ेय रोस्त वनुयो कस मेति चावनावतम अमर्यतु रस ।
अथसुय क्यथ येछि प्यालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
मनुकिस ऑनस कासतम खय पानु छुख सैकल¹ करुवुन दय ।
च़े रोस कति संबालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
नर्दु पचि² समसार बीद मानुन गोरमुत च़रेंगा³ देह मानुन ।
मार शिव शक्ती दुखालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
च्यतुमो ठंडई⁴ यितमो यूर्य दितुमो दर्शुन नितमो तूर्य ।
ख्यतुमो खिरु खन्डु थालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
साम वीद ग्यवुयो प्रेयमु साजय रोजतम तु बोजतम आवाजय ।
मास्थ लोलने तालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
समुद्रेशिट सुत्यन स्वख तय द्वख आसुन न आसुन ज़ानय अख ।
बुरुजु जामु ज़ानु जोरु शालु शोम्भू सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।

अंतहकरु किन्त्य करतम ज्ञान
सौरिय व्रत चोनी पालु शोम्भू
ब्यलु पंतख सुत्य पूज करुह्यै
बयु कास कालुकि कालु शोम्भू
सत् च्यत् आनंदु दौस्थि दान
जंगलन हुंद्य पोश वालु शोम्भू
जगतस सौरिसुय करख समहार
कालु समहारु अकालु शोम्भू
शिवनाथु कृष्णुन्य पालना कर
चलुनस कालुने जालु शोम्भू

जाँहिर पाँठ्य श्रुचरावय पान ।
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
आशितोषि चोनुय दान स्वरुह्यै ।
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
पूजायि बापथ मनु सावदान ।
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
रोजख पानय श्री न्यराकार ।
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।
मेति विजि द्यवु फोरिहिस हरु हरु ।
सालु व्वलु त्रुजगतपालु शोम्भू । ।

1. ऑनस कलाय; 2. चौसर पॅट ; 3. dice; 4. बंगि शखत ।

30 सारिनुय दिवताहन हुंदि तरफु झुकवटु मीलिथ अस्तुती

क्यों न करियो दया दयासागरु हरु
क्यों न करियो क्षमा महेश्वरु ईश्वरु
सब बनावट तुमने बनाया
उस माया ने हमको फंसाया
तुमने हमें व्यवहार में पाया
कुछ नहीं आता मुझको लजाया
ईश्वर का भेस तुमने सजाया
किस पर मुख को क्रू द चढया
तुम ही मन प्राण तुम ही चेतना
जूठ मूठ नाम है हमको देता
तेरे वासते कीना गमंड
कालुकंठ हुन हो ठंड ठंड
सबके मन में तेरा बसना
पहले क्रू द और फिर हंसना
आप दया और कृपा पर आओ
इतना इतना मत झुंझलाओ
जो कुछ माझ आया हमसे
हमें छुड दो दुख और गम से
समसारु मुख से जीता बचादो
जल्दी शिवलूक में पहुंचादो

गंगाधरु देवता हैं उदास ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।
समसार का और माया का ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।
वोह माया क्या खुश आया ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।
तुमने ही हमको बक्ती बनाया ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।
तुम ही ईश्वर और आत्मा ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।
हमने यूं पाया दंड ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।
तद ज्यों त्यों हमको दसना ।
शिव शंकरु हम हैं उदास ।
आनंद से दिखलाओ मुंह ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।
ख्यमा का आसरा है तुमसे ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।
कृष्णजी को बख्शा दो धैर ।
शिव शंकरु हम हैं उदास । ।

31 शिवजी सुंद दिवताहन प्यठ ख्वश सपदुन

जब उनकी लीला शिवजी ने समझा ।

हंस हंस के बोला आओ पास । ।

न धन की चाहत मुझको	है लोड मुझको भक्ती का भाव ।
दिन दिन इस तरह लीला सुनाओ	हंस हंस के बोला आओ पास । ।
इछ न खाने की पीने की मुझको	न यग्यन्यों पर आनेका जानेका शौक ।
चाहता हूं भक्ती, भक्ती बनाओ	हंस हंस के बोला आओ पास । ।
मेरे मन में रंजिश कहां है	लेकिन वहां है जहां है न भाव ।
अब भावना है आनंद में जाओ	हंस हंस के बोला आओ पास । ।
कृष्णजी तुम शिवजी की लीला गावो	ईश्वर करेगा तुमको दया ।
मन से अलख अलख सजावो	हंस हंस के बोला आओ पास । ।

32 राजदान साँबुनि तरफ़ अस्तुती

स्वयम हृदय म्योन, तँथ्य मंज़ चू दून्य ज़ालानु ।

तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।

वेश्णारु अँगु अन्न छुख चू श्रोपरानु	प्राणु समानु सुत्यु बाँगरानो ।
प्रथ कुनि साँखी तु परामत्मा पानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
येछि चानि सतज़न च़ेय पतु लारानु	अकि शब्दु सुत्यु सूर मलानो ।
ओमकारु धान वारु दारनायि दारानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
लीलायव सुत्यु मन गोय सावदान	आशितोषु जल्द छुख कुमलानो ।
युस यी मंगिय तस ती छुख दिवानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
दीवन दोपुथ कें ह कोनु छिवु मंगानु	बक्ती बावु छुस बु देवनो ।
कोरुवोस प्रसन सौरुवोस येछि पछि सानो	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
अदु दोपुहोय तोरु सनम्बख सनिदानु	शिवनाथु यी छिय मंगानो ।
प्रज़ापत जिंदु गछि तप ज़प करि पानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
नतु पँतिमी यी आसन वनानु	यँगुन्य करनस छु नाश बनानो ।
पथ कुन ज़प कांह ति आसिय नु करानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
अदु दोपुथक तोरु क्याज़ि छिवु तम्बलानु	ती बनि यी छिवु वनानो ।
प्रज़ापत जिंदु गछि धान दरि मनु प्राणु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
यमि वॉनियि येलि कोस्थक बंदानु	प्रज़ापत छवुल्य कलु सानो ।
येगन्यस प्यठ गव शिव शिव करानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।
कृष्णस ज़ालायि रूपु छुख बासानु	हृदयस मंज़ दीप प्रज़लानो ।
मुह गटि मंज़ ज़ॉन्य गाश छुख चू हावानु	तीजूवानु ज्योति रूपु ग्वसान्यो । ।

33 प्रजापतुनि तरफ छवुल्य जेवि अस्तुती

दमु दमु शमु नमु प्यमु पायस तय ।
छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
शरनय गच्छुहँ शरवायस तय सुय छुय आसुवुन त्रुबवनसार ।
वदुहँस जुव जान वॉलिंज्य वसतय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
दीवव दोप येलि शिवनाथस तय प्रजापत गछि जिंदु साँपनुन तय ।
बख्ख्यन हुंद वाति बोजुन तस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
सूर ओस गोमुत मंज रँगन्यस तय दखि प्रजापतुनिस शेरैरस ।
करुनुय ओसुस ती करताहस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
छवुला अख ओस तथ समयस तय कल चोट्टहोस ओस ती कांछन ।
नमस्कार बोयनस तस बागिवानस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
बोड करमिष्ट ओस परक ज़नमस तय त्रुबवनसारन कल चोटनस ।
म्वक्त गव परमु पदवी दिचनस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
सुय कल दखि प्रजापतियस तय लोगनस तु द्युतनस जीवादान ।
थोद वैथित पकनि लोग प्यठ रँगन्यस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
फीर्य फीर्य अँद्य अँद्य परमु शिवस तय प्रेदिख्यन दी दी लोग वनुने ।
बखशुम गोसय मंज मूहस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
हयहय मूह मायायि वोलनस तय हयहय क्याह गोम कौरुम युथ कार ।
रख्यस बोज़ शरमंदु कोरनस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
आकाशि डुलुविथ ब्वन वोलनस तय प्रेथ्वी प्यठ द्युतनस दौरिथ तय ।
कौरुम कर्मन तय तखसीर छु कस तय छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।

34 प्रजापतुन्य शर्मंदगी हुंद बयान

ज्ञान्य गाश मूह ने रँच गँटरोवुम ।
सिरियि परजुनोवुम नु रोवुम दोह । ।
प्रेत्यख्य ऑसिथ कति परजुनोवुम मंदिन्यन होवुम रातु ऋत्य पान ।
स्वर पखि ह्मसा कति वुफुनोवुम सिरियि परजुनोवुम नु रोवुम दोह । ।
च्यतुकुय बालुक कति वुजुनोवुम सोवुम आदि प्रबातस मंज ।
मूर्ख बोज मनु मंजलुय अँलरोवुम सरियि परजुनोवुम नु रोवुम दोह । ।
सूर मेच्चि मिलविथ र्युंजा त्रोवुम पेच्चि काना¹ त्युथ थोवुम सुत्य ।
गँजरोवुम मद होसताह पोवुम सिरियि परजुनोवुम नु रोवुम दोह । ।

1. पेच्चि गासुक तीर ।

35 दखि प्रजापतुन वॉरग वनुन

दँमी ड्यूठुम शबनम प्यवान	दँमी ड्यूठुम प्यवान सूर ।।
दँमी ड्यूठुम अनिगटि रतस	दँमी ड्यूठुम दोहस नूर ।।
दँमी ओसुस ल्वकुटुय नेचुवा	दँमी सपनुस जवाना पूर ।।
दँमी ओसुस फेरान थोरान	दँमी सपनुम दँजिथ सूर ।।
नय रोज़ि वन्दु तय नय र्यतकोलुय	नय बोलि श्रावनु पतु कोस्तूर ।।
नय रोज़ि खुशी नय रोज़ि मातम	नय वजि दफ साज़-ने-सौंतूर ।।
ओसुस कुनुय सपनुस स्यवह	नँजदीक ऑसिथ गोसय दूर ।।
जाँहिर बाँतिन कुनुय ड्यूठुम	गँयम ख्यथ चथ चुवंजाह चूर ।।
समसारस मंज़ कु सतान्य रोज़िय	रोज़िय परमु शिव शिव अगूर ।।
त्वले मंज़बाग बो ललनावन	जिगसस मंज़ कसस गूर, गूर ।।

36 दखि प्रज्ञपतुनि तरफ़ वॉरगु बँस्थि अस्तुती

निशि अंतु रस्ति आगरु शोम्भू
नोन गोस मंज बवुसरु शोम्भू
पानस मंज ओस नोन आकाश
मूह वुनरि खोट मे ज़रु ज़रु शोम्भू
मूह गटकारु सुत्य बोज़नु आम
मंदिन्यन दोह लोग मे दरु शोम्भू
कूठ्य वन्दुके द्वंद सुत्य अन्दु वन्दु
पम्पोश ज़न गोस बरु शोम्भू
छुस शिशर गाँठ ज़न मनु किन्य सख्त
स्वर रोस्त मा व्यसरु शोम्भू
चंच्यल सपनुम च्यत् चंद्रम
बुजरुक सूर प्योम जरु शोम्भू
दुय हंजि तुरि मे आत्म सिरियि खोट
कूड कठकेश्य कौरुस खरु शोम्भू
समसारु छनन कोर मे दोर कार
तुल कतर्युक लोदुम गरु शोम्भू
कोसुनम कलि कालुक्य शिशरुन
वुस्थि पान म्वक्तुचि लरि¹ शोम्भू
ममतायि त्रियि कोसुनस खानुदार
गरु अछ लूबकि बरु शोम्भू
इंद्रेय शुर्य छिय ताबेदार
वुछ हवा कर हवस खरु शोम्भू
त्रेशना थँवमय खँदमतगार
लूत्थि पनुन व्वपरु शोम्भू
ज्योन मरुन मँशरव स्वखुसान बेह
युथ गरु छुय आश्चरु शोम्भू
बूज्जिथ यिथिस गरुसुय मंज गोस
तुरि हंजु छम थरु थरु शोम्भू
न्यर्मलु नेशकलु नेशकामय
पद्मनाभु पीताम्बरु शोम्भू
अमर्यतु वर्शनु सुत्य चाने
बामुन श्यामु स्वंदरु शोम्भू
नोन नेरि आत्म सिरियुक प्रकाश²
आकाश वुछ ज़रु ज़रु शोम्भू
ज़ालायि रूपु ज्योती सौरुपु यिम
चानि तापु तीजु कति दरु शोम्भू

न्यर्मल ज़लु गोस खरु शोम्भू ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
व्यचारु न्यँत्रन ज़ॉन्य हुंद गाश ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
रातस दोह प्रबातस शाम ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
म्वख आम खटनु गोस यख ज़न बन्द ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
जीवु दयायि रँस्तिस छुमनु बखुत ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
त्वकटिस मे प्यवनु शबनम ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
ओन बन्यास तोन ओँसिथ गोस मोट ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
दारु कनि लोगुम देहुक अंदुकार ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
दैरु छेयि वैरु वुथ्यचिय नशरुन ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
वेशय बूगन दोपनम लार ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
दार्यव कनि छिय वँथ्य नवदार ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
छिवु दिथ रात दोह गरुकुन सार ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
शिशरुस मंजु यख त्रेशा चे ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
यँच कौल्य होशस प्योस कौप्योस ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
छिय बसंतु रंगु वँलिमुत्य जामय ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
यियि दँजिमुच्चि हीय थरि म्याने ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
मूहकिस कठु कँश्यसुय करि नाश ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
सिरियि ह्युव प्रेत्यख्य दर्शुन दिम ।
स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।

नय रोज़ि कठकोश नय सरदी बेयि साँपनि यी ओस ती ।
न्यर्मल ज़ल बवु सरु शोम्भू स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।
कृष्णस सिरियि रूप हावि ग्वसोन्य शिनि मंजु वुछिहे नेरान पोन्य ।
सरु गव कॅर्य कॅर्य सरु शोम्भू स्वनु पान मोठ मे क्याह करु शोम्भू । ।

1. मे बनोव पान म्वक्ती दास्स मंजु रोजुन लायक तथ थोवुम दैर्य रूपी पश मगर कलियुग रूपी शिशास्स मंजु गॅयि अथ गॅद्य पतु समसास्स (ग्रेहस्तस) मंजु रुज़िथ क्याह गव, पॅरिव ब्रॉठ कुन; 2. ग्यान प्राप्ती पतुच हालत ब्रॉठ कुन बयान ।

37 प्रजापतुन्य अस्तुती बूजिथ शिवजी सुंद ख्वश गछुन

बक्ती बावनायि किन्य छुस दस्त बस्तय	ज्यव छमनु परहँ चॉन्य लीला ।
छवुल्य ज्यव छम मंदछन छुसतय	छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
छवुल्य बोलि येलि यी वोननस तय	प्रसन गव असनि लोग शिव शंकर ।
बूज्य बूज्य वननि लोग ब्रह्माहस तय	छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
ही ब्रह्मा जी ख्वश गछुस तय	यिहँय बूल्य पूजायि प्यठ कांछ ।
युस परि जलजल प्रसन गछुस तय	छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
अदलमुदरी ¹ नाव थोवहस तय	यिहँय बूल्य युथ परि प्रथ कांछ ।
शिवजी पानु बोजनि यियस तय	छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।
प्रजापतुनुय नीलु कंठस तय	छवुल्य बोलि वँन्य यी लीला ।
प्रसन गोस गँछ्यतन त्युथ कृष्णस तय	छुस बेकस तय कर रखिपाल । ।

1. अदलमुद्री भाषा (छवुल्य आवाज) ।

38 प्रजापतिनि तरफु लोलु बैरिथि अस्तुती

कोफूर्य अन्गु सफेद रंगु ।
लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
छुनमुत छुय चै वासुक हटि रछुन मटि छुय सोनुय ।
आश छम गाश अन मंज गटि लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
परम ब्रह्म ही कीवल छवुल्य कलु लोगुथ मे ।
चाने सुत्य व्वन्य बैयि बलु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
ही परमु शिवु परमानंद बो चै वंदु पनुनुय पान ।
मे ज़ोनुखनु छुस शरुमंदु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
न्यराकारु न्यरंजनु त्रेयलोचनु छुख सोरुय ।
आनंदगनु ब्रेशबासन लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
दयावानु शंकरुशनु सावदान मनु दास्य दान ।
युथ ओसुस त्युथ बैयि बनु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
प्रथ बालु बालु प्रथ वनु वनु सनातनु छरुथ बो ।
चुय छुख द्वार चु छुख दनु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
पीताम्बरु आत्मु दीवु महदीवु ग्वसान्यो ।
घन राथ चॉन्य करुयो सीवु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
यछु कुलि त्रेयि ग्वनु म्यवु च्यत् आकाशु शबनमु सुत्य ।
तथ मंजु ब्यॉल्य फोल छुख शिवु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
सुयु ब्यॉल्य फोल छु सुखिम दानु कुल ह्यथ लन्गु लन्जव सान ।
येति तति वॉतिथ छुख चु पानु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
बोजनु आख चु जॉन्य ग्यानु अमि यमि सान सोरुय ह्यथ ।
दारुनायि वारु दॉरिथि दानु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
सेदे सादु सूरुय मति उमापति छुख नैजदीख ।
चराचरु छंङ्थ कति लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
दोह लोगु दरु से-मंजु स्वथि अश्वद वासनायि सुत्य ।
प्रारानु छुस बो यिम निम वति लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
भैरुवनाथु महाकालु सुमरनि चानि निशि गोस दूर ।
तवयु छुस बो यमी हलु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
आसतम ख्वश कासतम जालु ही बूलु बालु दया कर ।
करुयो लोलु पोशन मालु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
मारुथ लोलु स्वर तय तालु यितम सालु यंगन्यस प्यठ ।
ख्यतम खिर खन्डु थालु थालु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
अंगु म्वखु जवधरु अंगु वतुर अंगुस मंजु ।
हुमय चै ख्यम शिवु शंकरु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
जालय काँठुगनुचे म्वछि रतन दीप दूपय सान ।
प्रेयमु सुत्य ह्यतम क्वछि लगयो गंगु जर्वेनुय ॥

दितम ज्यव तु लीला पुर पशि बावनायि निशि रक्षतम ।
येतियोर व्वन्य करु हरु हरु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
ओसुस वारु खोतुम क्रूद येतियोर रूद च्यतस मे ।
क्रूदु निशि द्रामनो केँह सूद लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
दयावानु ही बडि दयि भ्रैत्यंजयि दया कर ।
बोजनु आख मंज न्यर्नय नयि लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
यितम गरु महेश्वरु मनस दारु चोनुय दान ।
प्रेयमय चानि पूजा करु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
चरुन चॉन्य दिगम्बरु रुदुहॉ हरु मनस मंज ।
लबु हॉ तार यमि बवु सरु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
सादन हुंदि हा सत्संगु सतुच मेति करतम लय ।
समसारुन बो औनुस टनुगु लगयो गंगु जर्वेनुय ॥
कृष्णस चाव दानुच बन्यु सुमरनि सुत्य करुन मस्त ।
त्युथुय युथ गछि दबन्गु¹ लगयो गंगु जर्वेनुय ॥

1. मस्त ।

39 ख्वश गँछिथ शिवजी प्रजापतस बेयि येग्य करनु खाँतरु वनान

रज़न वँन्य येलि लीला स्वन्दर ।
प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।
यँगन्यस प्यठ गँयि सँमिथ साँरी नँमिथ कँरिहँस ज़ॉरिये ।
शिव द्यान दोरुख हृदयस अन्दर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।
लाखों सुगंधी अग्न में पाया सावदान कखाया जगतनाथ ।
त्रेयलूकनाथ ईश्वर परमेश्वर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।
होम कखाया दक्षिन का राजा गंत शंख और बाजे के नाल ।
त्रफ्त गए देवता ख्वश गव ईश्वर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।
कूफ हटके सिद गई मन की चिन्ता अग्न से जग पुरुष¹ निकला ।
शिवजी के पास आया नन्दकीश्वर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।
अर्ज करता हूं त्रुभवनसारा जाने का वेला है नज़दीक अब ।
सबको रुखसत करना है बेहतर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।
महादेव ने तब यह फरमाया सब के सब जाओ आनंद नाल ।
जाते हैं हम भी कैलास ऊपर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।
दुख छेडके रख आनंद नालय कृष्णजी को रखिपालय कर ।
दिखलाओ उसको रूप अपना दिगम्बर प्रसन साँपुन शिवशंकर । ।

1. येग्य देवता ।

40 येग्य अन्द वातनस प्यठ नारदजीयुन युन

जग¹ येलि म्वकल्याव वारु तु कारय ।

नारुद वोत सेतारय ह्यथ ।।

दोपनस अर्ज छुम ही न्यराकारय	गँछिव स्वखुसान कै लासस ।
वनु हँ बोज़तम श्रूखुहँनु तारय	नारुद वोत सेतारय ह्यथ ।।
शिवनाथ साँपुन ब्रेशबु सवारुय	फीस्थि वननि लोग नारदस कुन ।
सामु वीदुक्य वन श्रूख वारुवारय	नारुद वोत सेतारय ह्यथ ।।
यिछ वँनिज़ि वॉनी बो कन दारय	बक्ती बावनायि प्रैयमय सान ।
दोपनस बोजुम त्रुबवनसारय	नारुद वोत सेतारय ह्यथ ।।
यथ वॉनी मंज़ बोज़ ज़ारु पारय	भस्माधारय कृष्णस चुय ।
रूप हावुस मुच्चस्थि नव दारय	नारुद वोत सेतारय ह्यथ ।।

1. येग्य ।

41 नारद जीयुन ग्यवुन

जगतनाथ जग से किनारे गयो रे किनारे गयो रे कोहसार गयो रे ।।
माया छेड के उजार गयो रे उजार गयो रे पहाड गयो रे ।।
ब्रेशब के ऊपर सवार गयो रे सवार गयो रे सर्वसार गयो रे ।।
देखने बाग और बहार गयो रे अमरनाथ के गार में गयो रे ।।
कशमीर के शालमार को गयो रे कौन कौन कारोबार कस्ने गयो रे ।।
वखरा किस के नाल गयो रे च्यत् आकाश और पाताल गयो रे ।।
महवि नगमा और ताल गयो रे आस पास हस्वखु वास गयो रे ।।
अरे जोगी सन्यास गयो रे रखिपाल कस्ने हीमाल को गयो रे ।।
म्वक्त कस्ने कृष्णदास को गयो रे दर्शुन उसको देने गयो रे ।।

42 नारद जीयुन बेयि ग्यवुन

सेतारु स्वर गोय कनुनुय कनुनुय ।

वनुनुय छुसय विलुजारो लोलो । ।

नीस्थि गोख मंज जंगलन तु वननुय ब्रेशबस सपनुख सवारो लोलो ।
दर्शनु चान्युक छुस तलबगारो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।
दोह खोत दोह छुम लोल चोन गनुनुय त्रॉवथम कोत रफतारो लोलो ।
खोत्थम पान तय रोत्थम गारो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।
बक्ति बाग पनुनुय रुत छुम ननुनुय डेशथ बेयि दुबारो लोलो ।
हीमालु सुंदि गरि छुय व्यवाह कारो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।
कम कम बूजन च़ेय कित्य रनुनुय सालु यितु गंगाधारो लोलो ।
वैस्थिय निहॉन तति रजु कोमारो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।
तथ खान्दस्स मेति छँड्धि अनुनुय डेशथ त्रुबवनसारो लोलो ।
तति बोज़नावथ बेयि सेतारो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।
मनुचे वाजे नाव चोन खनुनुय वीनायि सुत्य ह्य नामदारो लोलो ।
मोहर चानि मानन छु सोर समसारो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।
शाफ छिम तनुनुय पाप छिम छनुनुय आन्य छम व्वन्य कूत प्रारो लोलो ।
तार दिम बवुसरु करुनावतारो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।
गरि गरि दर्शुन चोन छुम बननुय हृदयस मंज कोत लारो लोलो ।
यितु व्वन्य सनम्बख साख्यातकारो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।
कृष्ण लागि पॉर्य पॉर्य चान्यन ग्वनुनुय छ्यतु करतस नरकु नारो लोलो ।
येति योर यियनय तसुंदुय आरो वननुय छुसय विलुजारो लोलो । ।

∨ समाप्त दखि प्रजापतुन कसु ∨

नमामि सतगुरु शांतम प्रत्यक्षं शिव रूपनम

शिस्सा योग पठ्यतम धर्म कामार्थ सिद्धर्थ

ॐ शांति शांति शांति

∨∨∨ ∨∨∨ ∨∨∨

खंड 2: (क) हीमाल परबतुक इतिहास तु प्रेम लीला

43 राजदान साँबनि तरफ़ अस्तुती

सदा शिव साँमियो छुख ज़गि पालन ।

सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।

सदा शिव साँमियो छुख स्वर्ग दावन	सदा शिव साँमियो छुख म्वकलावन ।
अपुज़ पौज़ सोन छुख सौरुय च़ु च़ालन	सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।
करान छुख च़ारु लाचारन तु खारन	वेषु संदि रूपु कम अवतार दासन ।
स्यवहन अंदुकारय प्यठ वालन	सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।
स्यवहन नाव्वमेदन आश थावन	स्यवहन गटि मंज़य गाश ह़ावन ।
अँगुन म्वख़ सुत्य पापन छुख च़ु ज़ालन	सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।
च़ु छुख मायायि रूज़िथ अंदु कने	तमाशा छुख वुछन अथ क्याह बने ।
तवय छुख छेह दिवान कोहन तु बालन	सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।
अगर कांह वुमरि मंज़ करि अंतु रँस्य पाप	अकी शिव नावु सुती तस गछन माफ ।
क्वकर्म नँहविथ ड्यकस छुख अथु डलन	सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।
तिछ्य ब्वद दितु युथ असि गम च़लिय दूर	गुहुन कासख वुछ्थ ज़न चँद्रमु पूर ।
वँलिन समसारुके मायाज़ालन	सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।
छि कर्मच असि पथकुन कर्महानुय	पँत्युम पथ त्राव नँव नँवराव ज़ानुय ।
नँविस रछ व्वन्य म वुछ पँतिम्यन मलालन	सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।
सँती मातायि हुंदुय छुय प्रेयम जान	अकी कथि च़ानि बापथ ज़ोल तमि पान ।
स्वकर्मय ओस कोस्मुत हीमालन	सदा शिव साँमियो छुख पाप गालन । ।

44 आगाज़ दास्तान

कर्मवान हीमाल ओस बोड दयावान ।
मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
बोडुय राजा जहानुक ओस अफसर स्यवह ऑसिस खज़ानु लाल व गवहर ।
सेद्यन सादन दिवान ओस न्यथ दर्मु दान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
करान ओस ईश्वरस कुन ज़ारु पारय दपान ओसुस चु करतु म्योन चारय ।
मनस छुम द्दख स्यवह केंह छुमनु सनतान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
स्यवह छुम माल-दवलत गंज व गवहर स्यवह असबाब स्वन र्वफ जर तु ज़ेवर ।
शुराह छुमनु यिहोय छुम सख्त अस्मान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
सँती माता गँयस ख्वश बानु ओसुस यिथिस राजस निशे युन पानु ओसुस ।
ज़नुम ह्योतुन तँमिस निशि गव स्यवह जान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
तिछ्य कूराह तँमिस निशि येलि ज़ाये स्यदुलँक्ष्मी स्योदुय तस गरु चाये ।
यिथिस बागिवानस सुत्य कुस करि मान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
त्रुकूटी दिवताह छि आसुवन्य यिम स्यवह ऑसुख श्रदा तँम्यसुंद गर्य तिम ।
तसुंदि दर्शनु बापथ ऑस्य लारान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
कलन छम ज़यव तसुंदि तीजुक वनय क्याह करान ऑस्य दिवताह गंदर्व वाहवाह ।
सिरियि चँद्रमु खोतु ऑसिय स्व शूबान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
वुछ्थि परमु शक्ति हुंदुय दान दौस्थि तिमव गौरी थोवुख नाव तस चँस्थि ।
स्वंदरमालाह स्यवह क्याह ऑस ज़ोतान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
वनय कोताह द्वदय नाबदु सुतिय रखन तस ऑस्य खँदमतगार कृतिय ।
बबस तय माजि ऑसुय दँठ ज़न प्रान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
रखन आसय स्यवह तस च्वंजु दाये रछु आय सतन मंज यान्य चाये ।
सदा शिव याद प्योस ऑसुस पँतिम ज़ान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
सुती ऑस मँशरवन मॉज तय मोल गन्यामुत ओस तस शिवनाथ सुंद लोल ।
प्रेयमु सुत्य ड्यक लॉनिस द्रायि छरान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।
शिव सुंद दान दौस्थि स्वय मनस मंज ह्यवान पय वँन्य दिवान द्रायि वनस मंज ।
तिथय पॉय शिवलीला ऑस वनान मनस मंज ओस दारान शिव सुंद दान । ।

45 वनस मंजु पार्वती हंजु प्रार्थना

यिमय पतु दिमयो नाद ।

किथो याद मे प्योहम ।।

चुय छुख जपु यॅगन्युक जप	चुय छुख तपु वनुक तप ।
चुय छुख सादन हुंद साद	किथो याद मे प्योहम ।।
चुय छुख यूगियन हुंद यूग	चुय छुख प्रॉनियन हुंद प्रान ।
चुय छुख सतकुय समवाद	किथो याद मे प्योहम ।।
चुय छुख ङ्खु चु छुख नखु	चुय छुख दूर चुय नॅजदीक ।
चुय छुख सास्निय हुंद आद ¹	किथो याद मे प्योहम ।।
चुय छुख द्दख चुय छुख स्वख	चुय छुख पस्म आनंदुस्वख ।
चुय छुख कम चुय छुख ज़्याद ²	किथो याद मे प्योहम ।।
चुय छुख सादन हुंद संग	चाने तनि सफेद रंग ।
पम्पोश हिव्य छिय चॉन्य पाद	किथो याद मे प्योहम ।।
वीदन मंजु छुख सामवीद	दीवन मंजु इंद्र राजा ।
दुतन मंजु छुख प्रह्लाद	किथो याद मे प्योहम ।।
रजोग्वनु छुख ब्रह्मा	सतोग्वनु वेष्णु भगवान ।
तमोग्वनु गालान व्याद	किथो याद मे प्योहम ।।
दर्मुचि लरि कर्मुकि बरु	चाने सुत्य अचुन छुम ।
चुय छुख कुन तु चुय बुनियाद	किथो याद मे प्योहम ।।
येम युस ज़ोन सुय तॅम्य मोन	चुय छुख म्योन कर्मयलोन ।
वनय च़ेय बो लानिन्य वाद	किथो याद मे प्योहम ।।
लोलुन साजु प्रेयमुक बंगु	वायय बोजु दमा रोजु ।
यितम यूर्य दितम दाद	किथो याद मे प्योहम ।।
कृष्ण दास्नावुन द्यान	सुय द्यान युथ वनि ब्रह्म ज्ञान ।
ह्यथ शिवराग दिथ समाद	किथो याद मे प्योहम ।।
संकल्प त्रावि रटि मन प्रान	वासना गालि दियि समाद ।
चानि दयायि प्रावि ब्यन्द नाद	किथो याद मे प्योहम ।।

1. आदि, आगुर, ग्वड ; 2. ज़्यादु ।

46 पार्वती हंज ब्याख प्रार्थना

ढूढ ढूढ घर से निकाला ।
डला डला जंगल में मुझको । ।
जिसके तनको चिटा रंग नंगे सिर से बहती है गंगा ।
जो है ब्रेश्व को चढने वाला डला डला जंगल में मुझको । ।
जिसने रूप अपना साधू बनाया साधू बनके भस्मा चढया ।
जिसके कंठे में नागों का माला डला डला जंगल में मुझको । ।
जिसने माथे पे चंद्रमा लगाया हथों त्रिशूल और पद्मा पाया ।
बांधा कंधे पे मृग छला डला डला जंगल में मुझको । ।
जैन सा¹ मुंह को भबूत मलता जोगी बनके बन बन चलता ।
जो है माया से अलग निराला डला डला जंगल में मुझको । ।
जिनकी जट है कका² सारा दांतों हंसते हैं नब की तारा ।
आंखें काला थोड सा लाला डला डला जंगल में मुझको । ।
कानों मुन्दरा सूरत ऐसा आवे कहने में ऐसा न जैसा ।
कस्नेवाला जगत रखिपाला डला डला जंगल में मुझको । ।
जौन से¹ मुंहसे मीव बोलता मीव बोलके शकर घोलता ।
जिसका कहना है अमृत का प्याला डला डला जंगल में मुझको । ।
ऐसा मगन और हुशियार होता होता होता कभी न सोता ।
स्यदा सादा भोला भाला डला डला जंगल में मुझको । ।
जिसका सम³ है देना न देना एक ही कीमत मिटी और सोना ।
भोज पत्र और जोड दुशाला डला डला जंगल में मुझको । ।
जिसका नाम है परमेश्वर हर जिसका नाम है शंकर ईश्वर ।
महादेव और महाकाला डला डला जंगल में मुझको । ।
जिसका हृदय में बसना लसना सुंदर मुख से हंसना हंसना ।
जिसके ध्यान ने पापों से ढला डला डला जंगल में मुझको । ।
कृष्णजी को दर्शन देवे दर्शन देके शिवलोक में लेवे ।
उसका प्रेम है सबसे दुबाला डला डला जंगल में मुझको । ।

1. जिस से, जैसे, जैसा; 2. सफेद ; 3. बराबर ।

47 पार्वती पनुन्य सिपथ वनान तु प्रार्थना करान

दया कर मे दयावानु ।
बो छस पानु दयालू ।।
चु छुख ड्यकु प्यठुक टिकु बो छस बुथि प्यठुक तीज ।
ड्यकस टिकु छुय मेलानु बो छस पानु दयालू ।।
चु आकाश बो बुतरात चु छुख दोह बो छस रात ।
बो छस पानु दयालू ।।
चु छुख दौन बो छस दानु बो छस आरुवल शूबान ।
अकिय रंगु छिय आसानु बो छस पानु दयालू ।।
बो छस कारतिकुन्य जून स्यवह ख्वश तय मोजून ।
वह्यकुकि सिरियि छुख ज़ोतानु बो छस पानु दयालू ।।
बो छस स्यँज त चु छुख सादु अकी नादु सुत्यन यिम ।
मोसूम छस बो क्याह ज़ानु बो छस पानु दयालू ।।
चुय छुख त्रैयलूकु क राजि बो छस राजिरेन्य चै सुत्य ।
चै ह्युव कुस छु बो सुय ज़ानु बो छस पानु दयालू ।।
चुय छुख आत्म बो छस प्रान अँकिस जायि सुत्य मेलान ।
चुय अमर्यत बो छस बानु बो छस पानु दयालू ।।
चु छुख ज़पुमालि हुँद्य फँल्य बो छस पन तँथ्य तँल्य तँल्य ।
पनु सुत्य माल छिय ज़पानु बो छस पानु दयालू ।।
चु छुख त्रेशि मंज चँद्रमु स्यवह ख्वश तु कुन्युकनु गम ।
रोहन छस बो क्याह शूबानु बो छस पानु दयालू ।।
मेशे हुँदि सिरियि भगवानु ख्वश आसानु छुख तँथ्य मंज ।
मेशि मंज छुय क्याह यारानु बो छस पानु दयालू ।।
मकरे हुँदि ह्य भूम दीव चॉनी सीव करुहँय न्यथ ।
युथ रुत छुनु कांह मकानु बो छस पानु दयालू ।।
क्वम्बे हुँदि प्रैयमुकि ब्वधु रच्छ्य द्वदु नाबदु सुत्य ।
जल यिम लूख छिम गेलानु बो छस पानु दयालू ।।
करकटे हुँदि ब्रहस्पतु छस बोति येति चुय छरान ।
ज्योतिश रुत छिय गँज़रानु बो छस पानु दयालू ।।
मीनि हुँदि शोक्रु मन सावदानु प्रसन पानु करतु मे ।
मनुक सिर छसय बावानु बो छस पानु दयालू ।।
तोले हुँदि शनश्चरु उश्चक¹ गरु पनुन छुय ।
छंञ्च्य वारु दौरिथ दानु बो छस पानु दयालू ।।
म्यथनि मंज ख्वश छुख राह बडि पादशाह स्वखु फोजु सुत्य ।
संकट दशा छुख कासानु बो छस पानु दयालू ।।
सेहमे हुँदि हस्थुकि कीतु यमु बयु निशि म्वकलावतम ।
छसय स्वख तु द्वख पुशरानु बो छस पानु दयालू ।।

सावित्री हंदि ब्रह्मा जीयि	चोनुय रूप मे दियि स्वख ।
दर्शुन हाव छसय छरान	बो छस पानु दयालू ।।
लक्ष्मी हंदि नारायण	गँयस मनु शरन चे ।
चुय छुख बावु सुत्यन टेवन	बो छस पानु दयालू ।।
पार्वती हंदि परमेश्वर	यितम गर पनुन छुय ।
हृदयस मंज्र छु चोनुय थानु	बो छस पानु दयालू ।।
ईश्वर कोनु छुख यिवानु	दर्शुन कोनु छुख दिवान ।
संगदिल छुखनु छुख लागानु	बो छस पानु दयालू ।।
पालना म्याँन्य छुख चु करानु	बो छस चॉन्य सीवाकार ।
कृष्णस टेठ बडि भगवानु	बो छस पानु दयालू ।।
ग्रेहघन मंज्र छुख सनिदान ²	गृहघबल चु तँमिस कास ।
लूकन मंज्र छुय मंदछनु	बो छस पानु दयालू ।।

1. थदि पायुक तु ख्वश; 2. ब्रॉठ कनि ।

48 दीवी तु जंगलक्य हल बयान

यिथय पॉठ्य शिवु लीला लॅज वनुने
तिष्ठय गॅयि मस्त रूदुस नु कुन्युक होश
शिवी सॉपुन द्युतुन शिवनाथसुय दिल
वनस मंज छिद्व दिवान ऑस रूसकॅट ज़न
वनय क्याह तथ वनस ऑस्य दनु बागुय
सु जंगल ओस कोताह कर्मवानुय
वनय क्याह तमि बुतरॅच्च परमुगत प्राँव
वनय क्याह ऑस्य यिम कुल्य इस्तादु
तिमन कुल्यन यिमन ऑस्य फोल्थमुत्य पोश
वसाँवुनि¹ आसु पानिचि नॅहरु क्याह ख्वश
सबजु युस वथरावुन पादनुय द्धन
ह्वा कोस्तूर ज़न नाफ़ मुश्कदार
सॅमिथ जानवर करान ऑस्य बोलबाशे
ग्यवान आसु बागुनुय मंज कुकिल कूकू
सॅमिथ कमरी² प्रेयमु सुत्य वनान ऑस
ह्वा सुत्यन वनान ओस पन कुल्यन हुंद
वनान ओस पोन्थ ज्वयन हुंद शिवुय शिव
सॅमिथ सॉरी वनान आस्य ही भवॉनी
करनि आयि दीव दीवी हुंद दर्शुन
नज़र त्राँवुन वुछुन अख नागुरादा
पॅरुन लीला स्यवह ख्वश शाद सॉपुन्य
वनान वनान सदा शिव लॅज वनुने ।।
फोल्थ तथ लोल सरसुय प्रेयमु पम्पोश ।।
पननि पानुच खबर रूजुसनु बिलकुल ।।
शरन गॅयि ईश्वरस पुशस्थि तन व मन ।।
येते माता भवॉनियि बक्त लॉजिय ।।
येते होव भगवत मायायि पानुय ।।
येमिस प्यठ माजि भवाने कदम त्रोव ।।
लोबुख पारिजात¹ खोतु कदुर ज़्यादु ।।
सपुन्य त्वलसी तिमन डीशिथ ति बेहोश ।।
वुच्छि मोदर्येर तिहुंद गव नाबदस गश ।।
सपुन मखमल प्रज़लवुन ऑयीनु ज़न ।।
स्योदुय आकाशु प्यठ वॅछ अमर्यतुच दार ।।
वनान ऑस्य शिव शंकर अविनाशे ।।
मॅलिथ बस्मा वनान आसु शिव शोम्भू ।।
चे छुय वासुक हटे असि लोलुन्य फॉस्य ।।
करान छुस नालुमोत छुम लोल तॅम्यसुंद ।।
स्टन शिवजी तवय छम त्राँवमुच दव ।।
चु छव शिव-शक्ति रूप अँस्य बक्त चॉनी ।।
कोरुख आकाशु प्यठ तस पोशि वर्शुन ।।
वॅसिथ तथ मंज दिचुन लोल समादा ।।
प्रेयमु सुत्य शिवनाथस याद सॉपुन्य ।।

1. पारिजात कुल, कल्प व्रैख्य ; 2. वसुवन्य; 3. कुकिल ।

49 शोम्भूजीनि दर्शन बापथ पार्वती हँदि तरफ अस्तुती

वेल वोट मेलनुक दर्शन मे हव ।

प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।

अद्वैत रूप छुख कुनुय आसवुन कुनुय छुख तवय छुय कीवल नाव द्वयि लख्यनु छुख शिव-शक्ति रूप द्वयि हँदि दय छुय रुत स्वभाव त्रेयलुकनाथ छुख त्रुबवनसार त्रे न्यत्र दारुवुनि नजरह त्राव चोतुर ब्वजु वॉतिथ छुख च्ववापोर च्वन वीदन मंज चोन बक्ति बाव पांचु म्वखु आसवुन छुख शिवजी यमि पंचतरनि तारान दर्मु नाव शयि शयि ² छरथ छुम चोन लोल शड अख्यर नाव चोन अवशद द्राव सत्संग सादनुय हुंद सत् रूप सत् सदाशिव सतुचिय वथ मे हव अशट् स्यंज सुत्य छ्य कर व्पाय इष्ट वैष्णु छुख मूखी दाव नँव्युम गुरु दर्मुक छु चोनुय थान नव निदान बँर्य बँर्य छिय त्राव त्राव दशु ब्वजु नाव चोन भुजगेंद्रहार दँहन इंद्रियनुय मेति शोमराव ईकादशु रुद्र चॉन्य बक्तुय छिय अदु कति रावि असि काहन गाव बाहन बुरज्जन ⁷ मंज चोन व्यवहार बाहन सिरियन चोन तीज नोन द्राव हेरुच त्रुवुश हुंद छुख रुत फल त्रेयोदशु सिरियि आत्मु तीरथ मन नाव च्वदाह रत्न द्राख चुय ओस बक्ती बाव पुनिम हुंज जून छस मे म मंदुछव पुनिम तु मावसि व्रत दॉर्य दॉर्य लोलुक्यन पोशन करतम क्राव ⁸ कृष्णस प्रेयम चोन यनु प्यठ जाव कॉल्य मेलि वावस सुत्य वाव	अकि ज्योति रूप सुत्य न्यथ बासवुन । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । दुय त्रॉविथ छुख प्रजलान दीप । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । त्रेयग्वनु सुत्यन करान व्यवहार । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । च्वन तरफन ह्यथ अवस्थायि ¹ चोर । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । पांचन प्रानन प्रेरक चुय । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । शे म्वखस कुमार जियिनुय छुख मोल । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । सतिवॉदी छुख प्रजलान दीप । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । अशट् दलु ³ हृदयस मंज चॉन्य जाय । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । नवदार त्रोपरिथ स्ट मन तु प्रान । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । दँहन दिशायन ⁴ हुंद छुख चु सार । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । त्युथुय कर युथ परजुनावोथ चुय । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । बाहन यँग्यन मंज चोन व्यसतार । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । रात द्यन मे ऑसिन चॉनी कल । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । च्वदुश हुंदि सॉमियो मेति म्वक्लाव । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । न्यथ करुहँय पोशु पूज चॉर्य चॉर्य । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । । चॉन्य सीव करुने जनमस आव । प्रेयमय सरुकिय पम्पोश छव । ।
--	---

1. जागरत, स्वप्न, सुशक्ति, तुरीय; 2. जायि जायि; 3. पम्पोश यथ प्यठ विष्णु भगवान बेहन ; 4. पुर्व - अग्नि कोण, दक्षिन - नेत्रकृति कोण, पश्चिम - वायु कोण, उत्तर - ईशान कोण, आकाश - ऊपर, पाताल - नीचे; 5.

बाह राशि: 6. लुतुफ तुलुन ।

50 शोम्भूजीयुन जूग्य लॉगिथ युन तु पार्वती छल करुन

सदा शिव जूग्य लॉगिथ आस लारान
हसन मुसलाह वॅलिथ बस्मा मॅलिथ आस
महामायायि दपान ओस ब्रमरावन
कनुन छुस बावु वानस लोलुकुय स्वन
गछ्यस लोलच नॅदी जॉरी कॅमिस कुन
करव समवाद कन थव राजु कूरी
कुनिय जॅन्य यथ वनस मंज्र क्याजि आयख
सतन मंज्र युन पज्या यिछनुय वतन मंज्र
दोपुस दीवीयि छम शिवनाथ सुंज्र माय
गरा आसान छु शीतल जन सु कोफूर
पकवुन छुय नु वीदुचि वति किन्य सुय
शकर वुठुय म कर शिवनाथ शिवनाथ
करुन अय तप तु जप श्री राम सुंद नाव
जपन छुस रात द्यन श्री राम राम
मे छुमनु लूब आसन छुस ब परदेस
अथस क्यथ छुय फकथ मे अख कमंडल
बनिय सरतलि स्वन कन थव चु मे कुन

वनय क्याह हलु कमि ओस छलु मारान ।।
बॅनिथ वनुवाँस्य लॉगिथ जूग्य सॅन्यास ।।
प्रेयम छुस म्योन कोताह आजमावन ।।
मनुच कॅहवट¹ बो लागस छ स्व कुं दन ।।
यि गॅजराँविथ दितुन आलव तॅमिस कुन ।।
चै क्याह छुय पुशु प्योमुत कर्मस ति पूरी ।।
कसुंद छुय लोल कस छंडनि द्रायख ।।
गॅडिथ क्यमखाब डुलुगॅन्य दिन्य दतन² मंज्र ।।
दोपुस तॅम्य छु सु बेपखाय हय हय ।।
गरा आसान स्यवह कू दी स्यवह कूर ।।
यमिच्य यछ गछन छस ती करन छुय ।।
सुनाता हूं तुझे अब धर्म की बात ।।
बहुत लक्ष्मी तुझे देवे रखो भाव ।।
मुझे कुछ है नहीं इसके सिवा काम ।।
मुझे कहते हैं सब जोगी जी आ देस ।।
अभी जाता हूं मैं मंडल ब मंडल ।।
अरे राजकुमारी गल मेरा सुन ।।

1. कसौटी ; 2. मेछि टुल्य ।

51 जूग्य लॉगिथ शिवजी सुंद दीवीयि फरेब आमेज़ दॅलील वनुन्य

अरे किस राजा की राजकुमारी ।
किस पह लगा है तेरा दिल ।।
जिसकी चाहत है तेरे मन में उसका बन में रहना है ।
उस पास साधूका संतूका गेरा किस पह लगा है तेरा दिल ।।
नंगे सिर और नंगे पांवूं निश्काम निश्कल सुनाऊं मैं क्या ।
न पले पैसा न आटे का सेरा किस पह लगा है तेरा दिल ।।
पी पी के गांजा जो अखियां फिरता डरता उससे यम और काल ।
घर अपने जाओ तू समझो मेरा किस पह लगा है तेरा दिल ।।
बिजली सा तू है चमकता धमकता बादल का खती है मन में हवस ।
यह है प्रलय और यह है अंधेरा किस पह लगा है तेरा दिल ।।
पत्थर से जिसतरह मिलता है सोना उसी तरह होना तेरा उसके साथ ।
समझन में आता है कर्मों का फेरा किस पह लगा है तेरा दिल ।।
राम राम करके आसन बिछ दो श्याम रूप का मन में लगाओ ध्यान ।
उसपास लक्ष्मी का माया का ढेरा किस पह लगा है तेरा दिल ।।
कृष्णजी तू मत मांग धन और माया उसी शिवजी ने बनाया यह रूप ।
उसी का भजन कर सांझ और सवेरा किस पह लगा है तेरा दिल ।।

52 दीवी हुंद जूगिस ह्यदायत

हतो सादो मतो वनतम च्चु यिछ कथ सतुच कथ त्रॉवमुच छ्य रॉवमुच वथ ।
बो बाबाजी वनय च्चे अख जवाबा अलख बोलख फ़वलख ज़न चुय ग्वलाबा ।
अगर म्यॉन्य ऑग्यन्या थावख मनस मंज़ गॅछ्थि सादख च्चु तप तपोवनस मंज़ ।
दुय त्रावख कपट थावखनु अख जव¹ कहूंगी मैं तुझे क्या है सदाशिव ।
च्चे छुय मन ऑयीनु योद कासुहॉस खय बताऊंगी तुझे शिवनाथ क्या है ।
ननन छुख जीव ज़न योदवय बनख दीव सुनाऊंगी तुझे क्या है महादीव ।।

1. (बरबर) वुशक् दानु ।

53 पार्वती जूगिस शिवजी सुंघ सिपथ बोज़नावान

तप साधके कर निर्मल मन ।
जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
वोही शिवजी है एकही एक एक को दो जानना नहीं है ठीक ।
जूठ बोलके मत कपटी बन जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
वोही है आत्मा वोही है प्राण वोही ब्रह्मा वोही भगवान ।।
वोही है लक्ष्मी नारायण जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
वोही है सब चीज़ों का सार वही है समसार का व्यवहार ।
वही है माया वोही है धन जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
वोही है नेडे वोही आस पास वोही है जोगी वोही सन्यास ।
वोही है साध और वोही सत्जन जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
वोही है सूरज वोही है चांद उसी के पास देवता हथ बांद ।
वोही है गुणवान वोही निर्गुण जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
वोही है परमशिव परमानन्द वोही है सार ओंकार का बिंद ।
वोही है त्रेयलोक वोही त्रिभवन जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
वोही है सर्वव्यापक हर जा पर उसी का नाम है शिव शंकर ।
वोही है चार वीद पांच कारण जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
ब्रह्मा बनके हम्सासन वेष्णजी बनके गरुडसन ।
वोही ब्रेश्वासन त्रिलोचन जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
वोही है गुल और वोही है खार वोही है बुलबुल वोही गुलज़ार ।
वोही है बाग और वोही गुलशन जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।
कृष्णजी उस केवल का रूप हृदय में जानो जैसा है दीप ।
एक दिन दिखावे श्वब दर्शन जाओ जाओ साधू डण्डक वन ।।

54 शिवजी सुंद बेयि फरेब अमेज़ जवाब

दोपुस सादन मे प्यठ नाहकय गँयख तंग
कपट त्रॉविथ मे वोनमय मन थँविथ साफ
मे छुम फेरान चु छख ना क्याह स्वंदरमाल
मे छुम फेरान चु छख ना सिरियि न्यर्मल
मे छुम फेरान चु छख ना तीजू वुज़मल
मे छुम फेरान च़े त्रोवुथ फर्श मखमल
चु छख कमि प्रेयमु बागुच यिछ यँम्बरज़ल

करन छख जंग यिथु पॉठ्य गव नु सत्संग ।
गरज़ क्याह छुम मे ति वनतम करतु इनसाफ ।
वनय क्याह छुय च़े गोमुत हाल बे हाल ।
कँमी कोसनय च़े युथ छल रोदुथ जंगल ।
गछख ना व्वन्य चु नाहकय मीगुसुय तल ।
किथय पॉठ्य गरि द्रायख कँम्य कँडुय कल ।
मे छुम फेरान बोम्बरन कँम्य कँडुय कल ।।

55 शिवजी सुन्द ब्रह्मा, वेष्णु तु सिरियि दिवताह सुंघ ग्वन वनुन्य युथ दीवी तिमन शसन गछि

च्यथ सुफारचि¹ चाफ ऑलु सुफॉरी ।

गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।

सतु वैरिशिय छख ख्यतु चतु वारय	मारय मतु करतु पनुनुय पान ।
सु कवय ज्ञानिय करुन्य खानुदॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
तस सूरु मँतिसुय कति दनु दवलत	मस्तु छुय आनन्दु अमर्यत चथ ।
नय छुय ग्रेहस्ती नय छुय व्यवहॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
हयहय येम्यसंज प्रय छ्य गनुनुय	त्रॉविथ च्लिय च्चे वनुनुय मंज ।
बूजमुत छुय ना साद कस द्रायि सॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
वुछ्य वुछ्य च्चेय कुन ताब छुसनु अनुनुय	वनुनुय छुसय व्वन्य ह्यतुकारु पुछि ।
मन थव प्रसन बोज कन दॉर्य दॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
वनुखय तीजु स्वस्तु सिरियि भगवानुय	अवय छुय बडि बोड दीवन मंज ।
खसुन्य छस शूबिदार स्थु सवॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
शूबिय वेष्णुजुव लॅक्ष्मीवानुय	छुय शूबि सानुय श्यामु स्वंदर ।
तॅमी यथ जगतस अवतार दॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
दपुखय ब्रह्मा ति छुय ग्वनुवानुय	वीद वखनानुय ततुसतु रूप ।
समसार छु व्वपदावान च्वपॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
यिम त्रॉविथ छख कस पतु लॅजमुच्च	संकल्पु कलि ज्ञन गॅजमुच्च जून ।
कॅहदि बापथ छ्य यिछ लाचॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
गमु रोस्तु वुछन छुस मंजु व्यवहारस	अम दम फीर्य फीर्य समसारस ।
कमकम राजु कमकम समसॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।
त्यागु वॉरगु स्वस्तु रोजु व्यवहॉरी	व्यवहारु मंजु व्वपकॉरी आस ।
कृष्ण कर रागु द्वेशि ² रोस्तु खानुदॉरी	गरु गछी राजु कोमॉरिये । ।

1. विकास; 2. माय तु हसद ।

56 पार्वती हुंद जूगिस बेयि जवाब

हतो सादो कपट सोरुय वनन छुख । न चुय जूगी न सत्जन ननन छुख ।।
ह्युवुय फम्बु ड्यून्ग कॅन्य हायुक अनन छुख । बो कॅ ह बोजय नु चु नाहकय छ्यनन छुख ।।
अबस मागस अन्दर शीनाह कनन छुख । गॅछिथ व्वलस्स चु नाबद फोल छनन छुख ।।
अबस ख्वनुवट् ख्वड खनन छुख । वनन खारा तु फलहारा स्नन छुख ।।

57 पार्वती जूगिस दमकी दिवान तु दर्म वनान

न च छुख साद तय न च सँन्यास ।
बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
अलगडुर सुत्य छुय कोस्मय माफ पाप मा खस्यम नतु दिमुहँय शाप ।
युथ पजिहिय त्युथ करुहँय त्रास बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कपटह वोनुथ कें ह छुनु शिवजी मूर्ख बोज़ हुंद ह्युव समवाद छुय ।
महाकालन कोस्मुत छुय ग्रास बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कलिकालन मा पान होवुय सोदमुत कर्म सोरुय रोवुय ।
चँद्रायुन चाफ¹ कर व्वपुवास बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कन दौरिथ रोज़ बोज़ समवाद च्यत् थव तस कुन कथ थव याद ।
अदु छुख साद तय अदु सँन्यास बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
पम्पोश हिव्य छिय तसुंदी पाद सुय आदि छुय सादन हुंद साद ।
सुय राजु यूग तय प्रानु अब्यास बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कनस कर थफ अदु वनस मंज़ फेर दर्मुचि लरि छ्य कर्मुच हेर ।
येति योर शिवु शिवु करुवुन आस बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।
कृष्ण चोन मोल मॉज छुय ईश्वर लोल छुय बोल शां शिव शंकर ।
जनम जनम आसख तसुंदुय दास बस्म मलनुक व्वन्य ऑसिनय पास । ।

1. प्रायाश्चित ।

58 शिवजी सुंद दीवीयि असुल सोरूप हवुन

शरन डीशिथ फिरुन जूगी वरन प्योस	सदा शिव त्युथुय सॉपुन युथुय ओस ।
सतुक समवाद छुय क्वदरथ करान नॅन्य	सतकि समवाद सुत्य छ्य कॅन्य गछन थॅन्य ।
सतुक समवाद छुय न्यॅत्रन अनान गाश	सतुक समवाद छुय पापन करान नाश ।
सतुक समवाद बूज़िथ शाद व ख्वश गव	सतुक समवाद गव सुय सत् सदा शिव ।
सतुक समवाद बूज़िथ मन च्चु ख्वश थव	शरन डीशिथ बन्यव जूगिस सदा शिव ।
शरन गछुन दिवान छुय ऑर्यतन वर	शरन गछुन करान जीवस छु ईश्वर ।
शरन गछुन छु लूका लूक हवुन	शरन गछुन ख्यनस मंज़ मूख्य दावन ।
शरन गछुन करान छुय आत्मच ज्ञान	शरन गछुन सुत्य हविय शिवुय पान । ।

59 असली शिव सोरूपकि जलालुक नज़ार

ऐसे ऐसे रंग से सुनाया हल ।

कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।

गोर गोर तन को जोर जोर साफ थोर थोर पाया पाया आया आया आप ।
धरनी धरनी आसन हरनी हरनी चाल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
मलके मलके भस्मा जलकती थी तन जैसे जैसे होवेगा काली का मन ।
नन्गे नन्गे सिर को चंगे चंगे बाल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
जिनके जिनके देखने से बुद होवे धंग नीचे नीचे कंठे में ऐसे ख्वश रंग ।
लालूँ कपालूँ का नागूँ का माल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
बनके बनके साधू बनके बनके वेश सजके सजके आया आया जोगी का भेस ।
हाथ में गेरूँ का धरकर रुमाल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
माथे पे चंदन तिलक पे चाँद देवता कारन सब हाथ बाँद ।
काला काला आँखें नशा से लाल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
जटा मुकट का अच्छे अच्छे तौर गेरू डुपट्ट का और ही रूप और ।
नन्दके श्वर को चढकर संभाल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
नन्दके श्वर भैरव साथ साथ आगे आगे सुनावता था मीठी मीठी बात ।
बहती सिर से गंगा जमुना के नाल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
सेकड़ों पत्ते पत्ते कमल के फूल जिनके जिनके देखने से बुद होवे भूल ।
हाथ में त्रिशूल नाल नाल डल डल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
ऐसे ऐसे रंग से वह शम्भू नाथ आया आया आँखें थीं पदम के पात ।
गौरी के सामने जगत रखिपाल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।
दर्शन देके देके दिखलावे रूप अमृत वर्षान ज्योति स्वरूप ।
कृष्णजी को दुख से छेड पापों से टल कैसे कैसे डंग से बनाया चाल । ।

60 गौरी करन जूग्य वरन तबदील गछनुक नज़ाउ बयान

वुछुन जूगिस बन्योमुत ब्याख रंगा खँसिथ ब्रेशबस वसान कलु प्यठ गंगा ।।
सफेद व साफ न्यर्मल ज़न छु कोफूर करोरन आफताबन हुंद तँमिस नूर ।।
अथन क्यथ ह्यथ सु पम्पोशा त्रिशूला पँरुन अदु दासु बावुच खासु लीला ।।

61 शिव दर्शुन प्रॉविथ दीवी करान अस्तुती

ही शिवु शंकरु परमेश्वरु हरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
अमरनाथुकि अकालु अमरु बो मरु च़ेय पथ ह्यथ सॉरी ।
सुय ज़िन्दु मरुन छु दीवन ति अश्चरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
सतुच वथ हवुवुन छुख च़ु सतुग्वरु च़ुय छुख महा व्यचॉरी । ।
च़ुय छुख प्रेशन च़ुय छुख व्वतरु¹ भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
च़ुय छुख माता पिता च़रच़रु च़ुय छुख बंद बांदव सॉरी ।
च़ुय छुख पनुन च़ुय व्वपरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
च़ुय छुख वेशुणु रूपु महेश्वरु समसास्स आख अवतॉरी ।
राख्यस गॉलिथ बक्ती कॅरुथ खरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
वीदुच शूबा छुख वेद्यादरु च़ु छुख वॉतिथ च़्वपॉरी ।
क्रपा करतम छुम चोन आसरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
गंगायि गॅयायि प्रेयागु पोष्करु दर्मुक फल पापु न्यवॉरी ।
च़ुय छुख दिवुवुन महेश्वरु ईश्वरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
न्यथ सुलि व्वथुहॉ पॅतिमि पॅहरु च़रनन लगुहॉय बो पॉरी ।
दया करतम दया सागरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
महाराजु बॅनिथ यितम जटधरु सुत्य सुत्य ह्यथ खासु सवॉरी । ।
दया करतम वरतम स्वयम वरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
शिवनाथन तोरु दोपनस बो ती करु यी दपुहॉम राजु कोमॉरी ।
ख्वश रोज़ स्वखुसान गछ पनुन गरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
शेछ्य ह्यथ वातिय नारद मुनीश्वरु करुनावि खांदरुच तयॉरी ।
यिमय तु निमथ हलुय गछ्य सरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।
कृष्णस प्रेयम चोनुय दिगम्बरु बक्ती चॉन्य छस सरदॉरी ।
अवशद मंत्र ज़पि शडअख्यरु भस्माधरु कालु समहॉरी । ।

1. जवाब ।

62 शिवजी सुंद ख्वश गॅछिथ पार्वती सुत्य खांदरुक मशवरु करुन

सदा शिवन दोपुस अज़ हद कोरुथ तप
यछ अय छ्य त पख मे सुत्य वुन्यक्यन
दोपुस तमि छम यछ हीमाल सुंद यिख
दोपनस चोन सोरुय छु मे मंजूर
यि फरमावख बो तथ कुन न्यथ थवय च्यत्
बु सोज़ख सत रेश्य अरुनदेती ह्यथ
तिमन पतु अदु नारदजी बो सोज़न
चु गछ व्वन्य माजि मॉलिस माजरा वन
बो छुस च़े सुत्य चुय मे सुत्य छख न्यथ
चु छख गौरी बु छुस शंकर छु क्याह ब्यन
मे तु च़े केंह तफावत छु कन थाव
यिहोय नाव ज़पुवनिस स्वर्ग दाविय
यिहोय नाव युस ज़पि तस कासु संकट
बन्यामुच़ छख चु बोय बोय साँपनुस चुय
बो छुस शिव-शक्ति रूपु वॉतिथ च्वपोरुय
वॅनिथ ती गव सदा शिव कोहि कैलास
बनुन्य कृष्णस यिछ्य बक्ती यिथुय लोल

बो कोस्थस ख्वश स्यवह दफ क्याह गछिय दफ ।
पकख नय अदु करुन क्याह गछि ती वन ।
त्रिकूटी दिवताह ह्यथ मे वॅस्थि निख ।
बो छुस च़े सुत्य सुतिय छुसनु केंह दूर ।
सआवत¹ छुम सआवत छुम सआवत ।
मुकरर तिम करन तति खांदरुच कथ ।
लदख शेछ्य तिम तसुंजु वॉनियि बोज़न ।
यि बूज़िथ तिम लदन युथ हनि प्यठ हन ।
यिहोय छुय सत यिहोय छुय सत यिहोय सत ।
छु कोरुमुत कर्मुलॉन्य असि पयवंद ।
छु गौरी-शंकरुय मे आसुवन नाव ।
यिहोय नाव ज़पि युस मूख्य प्राविय ।
दया करुवन दोहय आसय तॅमिस प्यठ ।
च़े तु मे फरक केंह छु छम पनुन्य द्यय ।
येमिस मे द्युत तॅमिस च़े द्युतुथ सोरुय ।
यमिय प्रेयमय यमिय लोलय दोहय आस ।
चु गौरी-शंकरुय छुख मॉज तय मोल ।।

1. मंजूर ।

63 भवॉनी हुंद ख्वश गॅछि गरु वापस युन

भवॉनी आयि अज़ जंगल बखानु महमाया स्व ऑसुय पननि पानु शिवस शक्तियि अज़लय म्युल गोमुत ओस बन्यव तस तपु सुत्यन तीज़ कोताह पकुन यामत ह्योतुय तमि गरु कुनुय कोरुय सादन हुंदिय सादन च़े प्रसाद वुछि मीनावॅती गॅयि वारियाह ख्वश प्रज़लवुन ओस तस कर्मुक स्वप्रकाश च़े ल्वक़चारु प्यव्य ऑसुय सतुच लय	वनय क्याह तप करुन ओसुस बहानु । छि त्रेशवय लूक तॅम्यसुंद अख निशानु । यिथय जॉहिर ज़ादु ¹ तप करुन प्योस । वनय कोताह कस्य व्वन्य क़सु कोताह । वुछि लूकव तॅमिस वोन ड़ेशुवुनुय । च़े गौरी रज़ुकूरी आफरीन बाद । स्यवह हीमाल लोग तस करनि शाबश । कोरुख तस मरहबा शाबाश शाबाश । च़े बोयनय जय सदा शिवुन्य दया छ्य ।।
--	---

1. लूकन हवनु खॉतरु ।

64 मीनावॅती तु हीमालुन्य गौरी हुंज अस्तुती

प्रेयम ओसुय शिवु सुंद ज्यनु कालय ।

कस्य बो लोलु पोशन पोशु मालय । ।

दिचथ हरनि छलय लोलु डलय	सदा शिव पानु छेंडुथ बालु बालय ।
चे बालय पानु टैठ्योय बूलुबालय	कस्य बो लोलु पोशन पोशु मालय । ।
दखिन दीशुक चोलुय जलदुय मलालय	वरनि यियिय सदा शिव कमि हललय ।
चे ल्यूखुथ पानु रुत पनुने कपालय	कस्य बो लोलु पोशन पोशु मालय । ।
गनन छम प्रय वनन हुंघ पोश वालय	चे लागय पोश मिलविथ अरगु चालय ।
छ कृ षुन्य पालना चाने हवालय	कस्य बो लोलु पोशन पोशु मालय । ।

65 बक्ती करुन्य

करुन्य बक्ती तोता च्छेय पस्म शक्ती छ बक्ती चॉन्य बखत्यन नेक बक्ती
छ बक्ती चॉन्य कासन सॉन्य सख्ती छ बक्ती चॉन्य बखशन येति म्वक्ती ।।

66 व्यसु करन गौरी हुंज अस्तुती

हीमालु परबतुने गरि ज्ञायख ।

आयख करुने जगि रखिपाल । ।

परमशक्त परम शिव छंडनि द्रायख	कर्म सुत्य सपजुख शिव-शक्ति रूप ।
भगवत माया बोजनु आयख	आयख करुने जगि रखिपाल । ।
परम आत्म सिरियि मंजु ज्यूत्याह द्रायख	प्रजलुनि आयख समसास्स ।
यमि मंजु द्रायख तैथ्य मंजु चायख	आयख करुने जगि रखिपाल । ।
जगतुच माया छख फलु दायक	यस चुय दिख तस दियि शिवजी ।
सुय चैय लायक चुय तस दायक ¹	आयख करुने जगि रखिपाल । ।
वरने यियिय ह्यथ वयक्वठ नायक	वीगिस खसुनस छुय छयक ² ।
मानुरेन्थ ³ पतिव्रता सीता द्रायख	आयख करुने जगि रखिपाल । ।
कृष्ण लोलु तारु सेतारु वायख	वाँनी भवाँनी चैय गछिय स्यद ।
स्वय करि नादु ब्यन्द बोजनस लायक	आयख करुने जगि रखिपाल । ।

1. दाय तदबीर दिनु वाजेन्थ; 2. छेक, मुबारक; 3. यजतदार (माननीय) ।

vvv vvv

खंड 2: (ख) शिव पार्वती हंदि खांदरुच कथ बाथ तु बरँच हंदि बयान

67 शिवजी सुंद खांदरु बापथ पानु काँशी युन

रेश्या अख ओस ओसुस शिव सुंद बाव
स्खेश्वर बोड तँपीश्वर कर्म वानुय
यिथय पाँठ्यन दिवान छुय वीद साँखी
बनारस नाव काँशी हंदि छु मशहूर
बसान युस आसि तति मूखी बनिय तस
तिथुय वाँतिथ सतु रेश्य मंगुनाँविन
अरुनदँती¹ बमय नारद मुनीश्वर
छु तारक² नाम दुताह अख बजोरुय
छि तस निशि दिवताह लाचार आमुत्य
तिमन वोनमुत छु ब्रह्मा जियिनुय यी
कँस्वि तप शिवनाथस बनि सनतान
सु तारुक दर्मु कर्म निशि पेयि योत ताम
बहाना जाँहिरुक युथ ह्युव वनुन प्यव
गँछिह हिमालसुय निशि तस वँनिव यी
छु फरमावन यिथय पाँठ्य शिवशंकर
यि बूजिथ सतु रेश्य अरुनदँती ह्यथ
बोयिन जयजय च्चे हिविस बागिवानस
चु छुख बोड कर्मवानुय बागिवानुय
छु वीदुक आदि युस ओमकारुसुय मंज
न्यरंजन न्यर्मल व न्यर्ग्वन न्यराकार
महामायायि हंदि छुय कर्मलोनय
तिथय मीनावँती येलि बोजनाँवुख
दोपुख हिमालनुय मंजूर मंजूर
यिहँय कथ च्यत् थँविथ माँनिव दीवगत
ह्योतुख स्वखसत तिमन निशि आयि काँशी
यि कँछ्र आसि असि आँग्यन्या चाँन्य
यि बूजिथ वारियाह ख्वश गव महेश्वर
महदीवन दोपुस शेछ्य बोज थव कन
वुछिथ वेला सँमिथ तिम हाँजरी दिन
यि बूजिथ द्राव नारदजी तुजिन दव

तँमिस छिय सूत पुराणिक वनन नाव ।
मनस आँसिस खँनिथ अरुदाह पुरानुय ।
तपोवनु प्यठ आव शिवजी काँशी ।
महा दीवस छु तमि दीशुक प्रेयम पूर ।
सदा शिव पानु शिव लूकस अनिय तस ।
तिमन साँरिय मनुक्य सिर बाँविन ।
सपुन्य हाँजिर तिमन वनुनि लोग ईश्वर ।
तँमी न्युमुत छु दीवन राज सोरुय ।
ब हर अतराफ³ छि तप करनि द्रामुत्य ।
छु राँजी तारकस प्यठ पानु शिवजी ।
लँबिव राज अदु सुय हेयि तारकस जान ।
शिवस सनतान गछि व्वतपत तोत ताम ।
नतय नेशकाम न्यर्मल छुय सदा शिव ।
अनन गौरी वनन यिथु पाँठ्य शिवजी ।
कँस्वि गौरी शिवस सुत्यन स्वयंवर ।
पकन गँयि वँनिख हिमालस हँकीकत ।
सदा शिव पानु यियिय कनि दानस ।
यियिय शिवनाथ हेयिय कनिदानुय ।
यियिय सनम्वख सु चाँनिस दारुसुय मंज ।
न्यराकूद व न्यरालूब व न्यराहार ।
दियिय दर्शुन यियिय सुय गुरु चोनय ।
स्यवह साँपुन प्रसन इकरार दाँवुख ।
पुनिम चँद्रमु खोत मे पूर्य किन्य पूर ।
मे द्युतमवु वाख तोह्य माँनिव सतुय सत् ।
महादीवस दोपुख ही अविनाँशी ।
अकुरय कथ बूजिथय पानय तिमव माँन्य ।
तिथुय हाँजिर सपुन नारद मुनीश्वर ।
गँछिथ वेष्णस तु ब्रह्माहस यि कथ वन ।
त्रुकूटी दिवताह ह्यथ असि निश यिन ।
पकन गव वेष्ण लूकस वाँतिथय प्यव ।।

1. अरुणदती ; 2. राखिसु सुंद नाव; 3. प्रथ तरफ ।

68 नारद जी विषणु भगवानस शिवजी संज्ञ खबर वनान

हरे नारायणस लोग बावने हल ।

महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।

चु रामय रूपु किन्य सीतायि देठ्योख । चु कृष्णय रूपु किन्य राधायि देठ्योख ।
च्चे तुलुथ किसि प्यठ गोवर्दनुक बाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
च्चे लोलुच थॅन्य खेयथ जसुदायि निशे । चु रुदुख बावु सुत्य क्वबजायि निशे ।
स्वदामनि अथु खेयथ सिरिची चाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
बनोवथन अकि सिर्य म्वछि सुत्य दॅनी । दोयमि म्वछि अथु रेटनय रुखमॅणी ।
व्यनथ कॅसनय दिहॅस कोताह ज़रोमाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
विभीषणस द्युतुथ लंकायि हुंद राज । कलस प्यठ च्चे थोवुथ सुग्रीवसुय ताज ।
च्चे बखशुथ बलिदानवस ति पाताल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
वछ्यन तय बालकन ह्यथ गव च्चे ब्रह्मा । बनाविथ तिम तिथिय तस कॅरुथ ख्यमा ।
चु देठ्योख गूपियन छुय नाव गोपाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
मॅरिथ ऑस्य गॉमुत्य दिवकीयि शे सनतान । अॅनिथ दितिथस दिलुक कोड्यस च्चे अस्मान ।
तिमन गंदर्ब साँपुन्य ही जगतपाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
पॅरिथ वेद्या ग्वरन दखिना मॅजिय जान । गछ्यम द्युन मूदमुत अॅनिथ मे सनतान ।
समंदरस फोटुम वॅद्य वॅद्य गॅलिम लाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
मनस येलि राग सनतानुक स्यवह गोस । अॅनिथ तमि रूपु द्युतथस युथ तॅमिस ओस ।
कोरुन असत्वत च्चे कुन चुय छुख फिरन काल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
करनि लॅग्य पांच पांडव चाँन्य पूजा । स्यवह गव रॅशुक राजन क्याह यि शूब्या ।
स्वदर्शन च्चेरु सुत्य मोरुथ शिशुपाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
शंखास्वर दुथ मोरुथ शंख तस द्राव । छु यथ शंखस च्चे थोवमुत पञ्च जन्य नाव ।
तवय बापथ दिचुथ पाँनिस अंदर छल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
छु कस ताकत वॅनिथ हेकि चाँन्य चर्यत¹ । शुरह सास ऑठ अख हथ² त्रयि³ वर्यथ ।
वॅरिथ छुख बालुकाह च्चेठ्थि मूहन जाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
बनाविथ रूपु ब्योन ब्योन प्रथ अॅकिस सुत्य । कुनुय ऑसिथ चु देह करान ओसुख कुत्य ।
स्यवह शरमंदु गोसय युथ वुछ्थि हल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
च्चे खॉरिथ म्वखतु मालय म्वखतु कुलिय । मॅजिम्य यॉर्य राधिकायि हुंद कुत्य तुलिय ।
तिथय पाँठ्य वालि शिवजी रुदु कनि लाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
वॅरुथ यिथु पाँठ्य लॅक्ष्मी ऑस तस प्रय । तिथय पाँठ्य शंकरस गौरी वरुन्य छ्य ।
करुन छुय वारियाह ख्वश तस ति हीमाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।
कुनुय छुख आसुवुन छिय लछु बॅद्य नाव । सदा शिव रूपु कृष्णस दर्शुनाह हव ।
अबीदु बक्त बखशिथ तस दुय गाल । महाराजा महादीवुन च्चे छुय साल । ।

1. चस्त्रि ; 2. 16000+8+100=16801; 3. ज्ञानु ।

69 बरौंच हंदि इतिजामु बापथ विषणु तु ब्रह्माजियुन त्रुकूटी दिवताह ह्यथ शिवजियस निशि युन

यि बूजिथ वेषु जी ख्वश स्यवह गव वननि लोग सोन साँमी छुय सदा शिव ।
अँछव किन्थ अँस्य पकव हस्शस थँविथ मन चु गछ ब्रह्माजियस वन सुत्य तस अन ।
गँड्धि गुल्य द्राव नारदजी यिहँय कथ वँनिन ब्रह्माजियस आव सुत्य सुय ह्यथ ।
खबर नारदजियन कँर जायि जाये त्रुकूटी दिवताह बूजिथ ति आये ।
खँसिथ गरुड्स मुराँरी कँर तयाँरी शिवस निशि ह्यथ आव आदि दीव साँरी ।
गँड्धि गुल्य कोरुख शिवनाथस नमस्कार छ क्याह असि आँग्यन्या साँरी छि तयार ।
महादीवन दोपुख नारद मुनीश्वर ग्वडन्य शेछ्य ह्यथ गँछिन तोत ती छु बेहतर ।
गँछिथ वोन नारदन हीमालसुय यी त्रिकूटी दिवताह ह्यथ आव शिवजी ।
पकन छ्य मे पतय तसुंजुय सवाँरी तयाँरी कर तयाँरी कर तयाँरी ।
यि शेछ्य बूजिथ बजोवुन शाँदियानु वजान ओस जाबजा नकार खानु ।
मुवाँफिक आव मे दौरि जमानु बँनिथ महाराजु यियि शिवनाथ पानु ।
सदा शिवस निशे नारद मुनीश्वर सपुन हाँजिर दोपुन तस ही महेश्वर ।
पँकिव हीमाल सुंद कँह छु कांह तौर वुछुम तस वारियाह ह्यमथ स्यवह दार ।
खबर बूजिथ सपुन्य तयार साँरी सवाँरी आँस दीवन हुंज च्वपाँरी ।
वुछ्थि लँगना गृह्द्य बीठ्य प्यठ कँदस्स स्यदथ आयि यूगनी ह्यथ मीठ्य दिथ तस ।
सदा शिव द्राव ह्यथ त्रेयलूक सोरुय लछन हुंघ लछ करोस्न हुंघ करोरुय ।
खँसिथ गरुड्स चोतुर्बुज श्री नारायण पकन अमर्यत छकन और शंख वायन ।
करान आँसिस तोता गंधर्व साँरी हरे गोपालु गोवर्धनु दाँरी । ।

1. धैर्य ।

70 दिवताह, यँजमन विष्णु संज अस्तुती करान

तेवन चय छुख बक्ति बावस श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस ।
रामु रामु रामु रामु रामु नावस श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । ।
सासुम्वखु गीत छुय ग्यवान शीशनाग रात घन मे ऑस्यतन चोनुय राग ।
जनक राजु चै करुनोवथन त्याग राजु भरतहरियस द्यतुथ वौराग । ।
यूगु किन्य टेठ्योख बसंतु कावस श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।
ही शिवु केशवु छुस बु चोन दास शिवु रूपु बसुवुन छुख कैलास ।
रामु रूपु लंकायि करुवुन डस कृष्णु रूपु किन्य छुख खेलान रास । । ।
तार दिम मूहनिस देरियावस श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।
कति थँव्य समयन कैमिस ज़ोर रुद कति रावनस त्युथ दौरि दौर¹ ।
कति रुद्य लंकायि बाह शथ पोर अज तान्य समसार कस द्राव सोर । ।
कैम्य दीप प्रजुलोव मंज वावस श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।
शंखु मंजु शब्द त्रावनस लगुयो बोजुवन्यन मूख्य दावनस लगुयो ।
नाशु रँस्तिस यावनस लगुयो असुवुन म्वख हावनस लगुयो । ।
लगुयो सतुकिस स्वबावस श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।
सर्वु व्यपक छुख मंज मनस कृष्णु रूपु दौस्थि मंज वनस ।
कलु ह्यथ वामनु जीव मनस आश्चर चै होवुथ अरजनस । ।
चानि बक्ती हुंद छुम हावस श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।
रामु चँदु शीतल छुय स्वबाव चँदु चूडु सिरियि ह्युव दर्शुन हाव ।
पुनिम दोह शिव आरती करुनाव कृष्णस शिवु लोल त्युथ गँनिराव । ।
युथ पार्थी करि दरि मावस श्यामु रूपु लगुयो रामु नावस । । ।

1. दुनियावी शान शौकत ।

71 रज़दान साँबनि तरफ़

कलन छुस ज़्यव डलन छम छुय सतय सत्
समेमुत्य आँस्य सालर वनय क्याह कृत्य
महाप्वर्शुन महादीवुन महातम
असंज लीला कठिन गॉमुच छ दीवन
वनय क्याह मूर्ख बावा युथ वनुन छुय
अँनिस ख्वनुवट सुत्यन ख्वड खनुन छुय
यिथिस कुलिसुय छु कति त्युहुर तु कति मूल
कलन छम ज़्यव डलन छम ब्वद वनय क्याह
कृष्ण ह्यथ सुत्य ग्यववुन तँम्यसुंदी गीत
मनस मंज जाय करु तँम्यसंजि माये
कृष्ण म्वखु वनिमुचय लीलायि बूजिव
सोखि तिम यिम न्यराकारन कँसिन कार
सँमिव साँरिय यिहोय मंडुल बनाँविव

छु कस ताकत सु करि यिथि खांदरुच कथ ।
सदा शिव ओस क्युथ कम आँसिस सुत्य ।
वनुन दर्लब मे ब्वद किथु पॉठ्य वात्यम ।
वनुन्य पज़्या स्व अदु मूर्खन तु ज़ीवन ।
फकत शिवनाथ सुंद नावा वनुन छुय ।
यिथिस रूपस अंदर वावा वनुन छुय ।
करान छुस म्वखतसर युथ छुम गछन तूल ।
परय लीला करय व्वन्य कसु कोताह ।
छु मायातीत सुंद खांदर वनुन हीत ।
पँसिव लीलायि तय तँम्यसंजु तोताये ।
बँसिव शुर्य-बाँच ह्यथ स्वखुसान रुजिव ।
स्यवह ख्वश गछि दियि बवुसागरस तार ।
दर्मार्थ काम मुख्य स्वखुसान प्राँविव ।।

72 मीनावती हुंद बरात वुछि नाराज गछुन (राजदान साँबुन पनुन इजहार)

सदा शिवु साँमियो छुस बक्तु ह्युनुय
 दया दर्मस कुन केँ ह ति छुम नु माँलय
 अहंकारन बनोवमुत ग्वनु रोस्तुय
 मलिन वस्त्र गँडिथि छिम छुसनु श्रुचुय
 पश्यन हुंद पॉठ्य ख्वश ख्यथ च्यथ श्वंगन बो
 शमन छुसनु लमन छुस लूबसुय कुन
 स्यवह छुम मद तु छमनु वासना श्वद
 न ज्ञानय पारथी पूजा न तोता
 न ज्ञानय जप करुन स्वरुन नु नावुय
 न पर्यमुत्य शास्त्र न छिम प्वरानुय
 थँविथ व्रत छम मनस आसान ख्यनुच कल
 म वुछ मे कुन उमापँती ख्यमा कर
 खबर चै छ्य ब छुस अन्तखह¹ क्युथ
 म्वट्योमुत छुस स्यवह छुस मूर्ख नादान
 खबर केँ ह छमनु यि मामस बन्योव कथ
 अँदुर्य किन्य छलु मारान छुस च्वपॉरी
 न्यँबुर्य तन्यर अँदुर्य सौरुय म्वचर छुम
 तिछ्य कामुच मे छ्य न्यँत्रन अंदर जाय
 असत वाँनी वनान छुस छुम ड्लान मन
 च्चु ज्ञानन वारु छुख मन म्योन क्युथ छुय
 गर वनन छुसय न्यरग्वन न्यराकार
 गर वनन छुसय छुय नु चै कांह रंग
 गर वनन छुसय न्यलूब नेश्क्रय
 गर वनन छुसय खँटिथ रँटिथ वन
 गर वनन छुसय ओमकारकुय ब्यन्द
 गर वनन छुसय छुख आत्मा प्रान
 गर वनन छुसय अगूर स्वछ्यन्द
 गर वनन छुसय बँड छ्य चै दया
 गर छ्य वैष्ण रूपय किन्य मुकटा
 बो छुस द्वन त्रन अन्दर गोमुत व्वदाँसी
 चै कुस जानिय च्चु छुख क्युथ ह्युव न्यराकार
 वनय क्याह वाँत्य येलि नँजदीक यकबार
 तिथय अदु पंचजन्य³ नवम शंख वोयुन
 शब्द बूजिथ स्यवह ख्वश गँयि साँरी
 तिथय मीनावती गँयि वारियाह ख्वश
 खँसिथ तथ प्यठ दोपुन नजर पिल्यम दूर

बन्योमुत पापु शिला जड तु च्युनुय
 क्वचॉली छुस क्वचॉली छुस क्वचॉली
 मोह आँसिथ मूहन कोरमुत बु होस्तुय
 फकत इंद्रेय स्वखुच छम वारु रुची
 मशन छुम सत् देहुक स्वख छुस मंगन बो
 छनन त्रेशना तवय छम ख्युबसुय कुन
 गछि किथु पॉठ्य स्यद मे छमनु तिछ ब्वद
 न ज्ञानय आरती न श्रान संद्या
 न ज्ञानय तप न ज्ञानय बक्ति बावुय
 वुछि लूकन कुनुय छुस व्रत दरानुय
 खसन छुम कूद छम आसन पतय लल
 च्चु वुछ पनुने दयायि कुन दया कर
 च्चु छुख युथ त्युथ नमस्कार आँस्यनय त्युथ
 तवय ज्ञानन बु छुस छुम मामसुक पान
 खबर केँ ह छमनु छम किथुपॉठ्य व्वतपत
 न्यँबुर्य किन्य छुस दपान प्रारब्द सौरुय
 म्वचर छुम तय ख्वचर छुम तय ख्वचर छुम
 नजर यामथ दिवान छुस छम गछन राय
 अपुज पोज बूज्य बूजी छुस थवान कन
 च्चु छुख युथ त्युथ नमस्कार चै त्युथ छुय
 गर वनन छुसय शोम्भू जटधार
 गर वनन छुसय कोफूर छ्यि अन्ग
 गर वनन छुसय छ्य बावुचिय प्रय
 गर वनन छुसय पानय च्चु हन हन
 गर वनन छुसय नय ग्वड नय अन्द
 गर वनन छुसय यूग तय ज्ञान
 गर वनन छुसय बे मिसल व मानन्द²
 गर वनन छुसय केँ ह छुयनु परवा
 गर छ्य शिवु रूपय किन्य चै जट
 कुनुय छुख आसुवुन कैलास वाँसी
 च्चु छुख युथ त्युथ त्युथुय बोयनय नमस्कार
 हरे नारायणस बोयनय नमस्कार
 शिव शोम्भू वँनिथ श्वबु शब्द लोयुन
 वननि लँग्य वाँच शिवनाथुन्य सर्वाँरी
 लर्यव खोतु थोद वुछुन बन्गालुकुय⁴ पश
 वुछन क्युथ आसि शिवजी छुम प्रेयम पूर

यियम महाराजु क्युथ राजु कोमारे
 लगस अथ म्खतु जँपानस लगस बो
 लगस क्यमख्वाबु क्यन जामन लगस बो
 यिथय पॉठ्यन गनन ओसुस प्रेयम बाव
 गँडिथ गुल्य तस वननि लँज ही मुनीश्वर
 वनतम श्यामु रूपय कुस छु ज़ोतन
 खँसिथ गरुडस छनिथ छस लालु मालय
 न्यँत्र पम्पोश छिस छुय तीजुवानुय
 यिहोय महाराजा मा छुम वारु वनतम
 दोपुस नारदजुवन लँक्ष्मी नारायण
 सतोग्वन छुस स्यवह कासन छु संकट
 यिहोय छुय प्रथ खगु अवतार दारन
 अँमिस यूगी ग्यॉनी द्यान दारन
 छु बखशन परमुगत संकट छु हारन
 यिहोय शिवनाथु संज सुमरन फिरन छुय
 दोपनस बेयि ही नारद मुनीश्वर
 यि वनतम कुस छु ह्यथ गंदर्व लूखुय
 खँसिथ हम्सस गँडिथ व्वजुल्य वरन छुय
 दोपुस नारदजुवन शेछ्य बोज कन दार
 अँमी व्वपदोवमुत समसार सोरुय
 दोपनस बेयि छुम शिवनाथु सुंद लोल
 यि वनतम छ्य कसंज रथु सर्वाँरी
 स्यवह छुय तीजु स्वसतुय तीजुवानुय
 यि महाराजु अस्यम ख्वश कर्यम मन
 यि कर्मुक गाश छुय दर्मुक निदानुय
 अँमिस छि सिरिथि भगवानुय वनानुय
 यिथय पॉठ्य हँव्यनस वँन्य दिथ च्वपॉरी
 दोपनस बेयि वनतम छम यछ यी
 छु सादा अख यिमन मंज कमि हालय
 असुंद म्ख कासुवुन द्वख गालुवुन व्याद
 ग्वसोन्या नॉल्य छनिथ कमि हालय
 यि तन ज़ोतन स्यवह छस छुय मँलिथ सूर
 अंगन बसमा अमखूता मँलिथ छुस
 खँसिथ ब्रेशबस असाँवुन न्यथ लसुवुन
 कँस्थि वनुवासुचिय सँन्यासु चाला
 छु मसताना कुन्युक छुसनु खयाला
 यि मारन आसि छल्य बालु बालय
 दोपनस तँम्य चै छिय दनबाग्य कन थव
 ख्वने त्रॉविथ लगस रथु सवारे
 लगस महाराजु सामानस लगस बो
 लगस अँतलासु पॉजामन लगस बो
 तिथय नारद मुनीश्वर तस निशे आव
 यिमन मंज कुस छु हावतम शिव शंकर
 मुकट दिथ हटे छुस कौस्तबु मन
 वँलिथ छुसना पीताम्बरुक दुशालय
 मे अँम्यसुंद म्ख वुछिथ छुय द्वख च़लानुय
 गँनिथ छम यछ स्यवह वँनिथ पछ मे अनतम
 यिहोय छुय पंचजन्थ नवम शंख वायन
 ब्रगुन्य लथ छस ब्रगुलता वछस प्यठ
 रछन बक्त्यन द्वाचारन छु मारन
 छु जयजयकार असुंदन श्वबुकारन
 दिवन म्वक्ती कठ्णि बवुसरु छु तारन
 शरन गँडिथ स्वसन तसुंदी च़रन छुय
 म कर जलदी मे सुत्यन अख गँराह बर
 म्खव च़ोरव परन छुय वीदु श्रूखुय
 अथन च़वन ह्यथ च़ोतुखीदा परन छुय
 यि छुय ब्रह्मा जी बोयनस नमस्कार
 असुंजि वॉनी निशे द्रायि वीद च़ोरुय
 मे सोरुय हावतम व्वन्य युथ च़ल्यम होल
 यिवान छुय सुत्य ह्यथ बालक च़वपॉरी
 मे अँम्यसुंद दर्शुनुय छुय ख्वश यिवानुय
 दोपुस नारदजुवन वनय च़ु थव कन
 यि प्रेत्यख्य दिवताह छुय तीजुवानुय
 यिहोय छुय परमु शिवुन रथुबानुय
 दर्मु राजु बमय इंद्राजु साँरी
 अँछव वुछिहॉन छु क्युथ महाराजु शिवजी
 हँटिस प्रथ तरफु गँडिथ सरफु मालय
 यिहोय गव साद छिस पम्पोश हिव्य पाद
 यिथिस न्यर्मल रूपस कलु मालय
 सफेद व साफ न्यर्मल ज़न सु कोफूर
 गजु च़रमा तु सुह मुसलाह वँलिथ छुस
 ननन छुम मंज वनन आसिय बसुवुन
 छु सूस्स सासुय तल खासु लाला
 स्यदा सादा विस्तु बूलुबाला
 यि वनतम किथु पॉठ्य आमुत छु सालय
 पयस वॉचुख यिहोय क्याह गव सदा शिव

यिहोय शिवनाथ छुय महाराजु चोनुय
 यिहोय सँन्यास आसान कोहि कैलास
 यि बूजिथ प्योस मातम गोस हला
 दोपुस तमि तोरु नारदजुवु यि क्याह गोम
 यि कँम्य योछनम यिथुय महाराजु यियिनय
 योछुम कँम्य बखुच सुत्यन व्यचार रुजिन
 योछुम कँम्य संद्यायि सुत्यन श्रान रुजिन
 योछुम कँम्य श्रदायि सुत्यन ग्यान रुजिन
 योछुम कँम्य कायायि सुत्यन प्रान रुजिन
 दिचुन अदु बाख लँजिस लूक् पामन
 दमन मंज वुछ बनन क्याह व्यवहारस
 सँमिथ पोह्यरेनि¹ यिमु आसु वनुनावान
 सपुन्य हँरान सॉरी युथ वुछ्छि हल
 म वद कर ब्वद गँयख चुय कथ खयालस
 यछ गँयस कोरुन यिहोय लिबासुय
 यिथिस लछ नावुसुय छिय लछ्छँद रंग
 यि शोम्भू छुय स्वयंभू छुस शिवुय रूप
 सिरियि अँम्यसुंदि तीजुक अख जुचा छुय
 यिथय पॉठ्य येलि हीमालन दोपुन तस
 छु फरमावुन तुहुंद सोरुय सतुय सत
 महाराजस पज्या दारुन वरुन युथ
 यि गँर छ्य सारिनय शूबायि सानुय
 दँपिव योदवय तोमुल दान्यस छु नेरुन
 यि गम येलि बोजुनोवुन ज्यूठ तय कूठ
 यिथय पॉठ्य साखियु ब्योन ब्योन वौनुख तस
 खबर दीवीयि गँयि रूदुस नु कँह होश
 पकन गँयि माजि निशि तस वननि लँज्य यी
 जगत कुनि ओसनु तथ ब्रॉठ यिहोय ओस
 छु कस ताकत महातम वनि अँम्यसुंद
 यिथिस आकाशसुय वीदस ति गव ज्यूठ
 यिहोय बेरंग छुय प्रथ रंगसुय मंज

छु चानि कोरि हुंदुय कर्मलोनुय
 छि सॉरी अँम्यसुंदन दासन हुंद दस
 वनन क्याह छुख चु युथ वनुन बु चाला
 ग्वसोन्या ह्युव यि क्युथ महाराजु यिथ प्योम
 ग्वसोन्या राजु क्वमारे चै नियिनय
 योछुम कँम्य रेह सुत्यन नार रुजिन
 योछुम कँम्य दयायि सुत्यन दान रुजिन
 योछुम कँम्य वेद्यायि सुत्यन मान रुजिन
 योछुम कँम्य दासनायि सुत्यन दान रुजिन
 मलनि लँज्य खाक वॉलिन चाक जामन
 सपुन मातम सरया राजु दास
 वुठ्न ब्रेड्य कँड्य कँड्य गँयि अथु हावान
 लौगुस अदु बोजुनावनि कूत हीमाल
 जगत ईश्वर छु आमृत पानु सालस
 मौलुन अथ नूर रूपस सूर सासुय
 चै अकुय रंग ड्युठुत यँच गँयख तंग
 यिहोय छुय प्रजुलावान सतुवय दीप
 समंदर सथ असुंज अख क्वलकूचा छुय
 दोपुस तमि तोरु ही सॉमी कँखि बस
 मे छुम फेरान यि छ्य ना खांदरुच कथ
 ग्रेहसत्यन लूबु स्वसत्यन छुय खरन युथ
 तवय लूकन वुछ्छि छस मंदुछनुय
 मे वुन्यक्यन पछ यियमनु छुम यि फेरुन
 वँथिथ हीमाल गव अदु लबि कनि ब्यूठ
 कँमी गँयसनु कँह कूदस तु ख्यूबस
 महादीवन्य प्रेयमन तस द्युतुय जोश
 चु क्याह ज्ञानख कँमिस प्यव नाव शिवजी
 त्रुग्वनु रूपा करुन यछयि पुछि प्योस
 कठ्यन ब्रह्माजियस गोमुत छु अँम्यसुंद
 खँसिथ ह्योर सुति अँकिस बेरि प्यठ ब्यूठ
 यिहोय सादन हुंदिस सत् संगसुय मंज

1. अंदर -न्यबर ; 2. पूर्ण आनंद; 3. विषणु सुंदि शंखुक नाव; 4. बंगाल = मकानु; 5. वनवन वाजिनि ।

73 पार्वती छ मीनावँती शिवजी सुँद्य सिपथ बाँविथ समजावान

परम शक्ती वरुन परमेश्वर हय ।
यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
ब्रह्मा रूप आसुवुन वीद सागर हय वैष्णु रूप दासुवुन जगि अवतार ।
शिव रूप राखिसन दिवुवुन वर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
यिहोय चूरि निवुनावुवुन सीतायि हय यिहोय लंकायि हय करुवुन डस ।
यिहोय राम लक्ष्मण श्याम स्वंदर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
पांचन पांडवन हुंद ईश्वर हय यिहोय अरदाह अख्यूहिनी गालुवुन ।
यिहोय कृष्णजुव मुस्ली लनोहर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
करता अकरता अन्यथा करता बाँवी असुंजुय छ्य यछ ।
अगम्य अपार दिगम्बर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
प्रह्लाद बक्तिस यिहोय पालुवुन मदु निशि वालुवुन हसन कशपस ।
नरसिंह जी यिहोय नरमदीश्वर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
पाताल वराह रूप प्रैथवी खारुवुन हसनाख्य दुतस यिहोय मारुवुन ।
गज्यन्द्रस म्बकलावुवुन हँरी हर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
म्बक्त करुवुन यिहोय मुक्तीश्वर हय यिहोय द्रुव राजुन गूपीनाथ ।
अटल पदवी बख्शुवुन विश्वेश्वर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
मछि अवतारु छुय ग्यान व्वपुदावुवुन राजु प्रैयि भरतस प्रलय हवुवुन ।
कलपांत अँम्यसुंद ख्यनुमात्र हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
कृमु रूप समंदर छुय मंदुनावुवुन च्वदाह रत्न दावुवुन बाँगराँविथ ।
अथि ह्यथ अवशद दानवंतर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
वामनजी यिहोय गंगाधर हय राजुबलसुय³ दातु कडुवुन नाव ।
यिहोय पानु आसुवुन सुर तु असुर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
अँम्यसुय सादन हुंद प्रनाम हय भार्गव राम हय यिहोय आसुवुन ।
ख्यँतस्य गालुवुन ह्यथ तबुर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
ब्वदु रूप दौस्थि न्यँदुर छुय त्रावुवुन जगि निशि थावुवुन राखिसन पथ ।
यिहोय दनु दिवुवुन दामोधर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
गार्गी अवतार यिहोय दासुवुन हय अदमी मारुवुन तथ कालस ।
दर्म बँडुरावुवुन वेद्याधर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
यिहोय वैष्णु भगवानुन सतुग्वर हय पोशि कनि लोगनस त्रेयुम न्यँत्रुय ।
राम सुंद पूजनीय रामेश्वर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
कालस जालुवुन भस्माधर हय तवय नाव दौपहोस कालु समहार ।
यमु राजस अम्यसुंज थरु थरु हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
यूगन जेनुवुन यूगीश्वर हय च्यत ब्वद मन प्रान यिहोय आत्मा ।
यिहोय अन्दर हय यिहोय न्यबर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
अमरनाथुक यिहोय अमर हय अयोध्या द्वारिका यिहोय पुष्कर ।
यिहोय नैपाल काँशी काश्मर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।

पुष्पदंत रूप छुय मूखी दावुन यिहोय वनुनावुन महिम्नापार ।
यिहोय आनंदगन नन्दकेश्वर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।
हनि हनि मंज्र यिहोय चरचर हय कृष्णस वनुनावुन लीला ।
थापना अँम्यसंज हृदयुक मंदर हय यिहोय शंकर हय छु त्रुबवनसार । ।

1. मत्स्य रूप; 2. कूर्म रूप; 3. राजा बली ।

74 मीनावॅती हुंद पार्वती प्यठ नारज़ गछुन तु नारद जियिन्य शोम्भू जियस प्रार्थना करुन्य

यिथय पॉठ्य पार्वतीयि शिव लीला
वोन कोताह महातम तस वनय क्याह
मन्दछ छ्य नय वनान छख ओर तय योर
अँछ्व वुछनय छख वनान बँड दँलीला
चपाथा तस दिचुन छ्य वारिया शर्म
सपुन शर्मन्दु गौरी युथ वुछिथ हल
महदीवुन महातम बोज़ि सुय पूर
व्वलँगित रोज़ि सुय मायायि ज़ालय
सफेदस प्यठ लगान छ्यि वारिया रंग
शेरीस्स छुय पतवलाकँन्य बनान सूर
तिथय नारद जुवन येलि वुछ यिहोय रंग
सदा शिवस निशे दवन दवन आव
छ ख्वसु त्वहि आसुवन्य मीनावॅती ह्श
यछन आँस जान महारज़ा यियम ना
कुनिय छिवु तोह्य तुहुंज माया प्रज़ा
मंदछ येम्य त्रॉव तँम्य गथ प्रॉव बेशक

कनन मातायि कँसनय बँड दँलीला
दोपुस तमि यी पज़्या वनुन च़े वाह वाह ।
चु छख गछु कूर मे निशि दूर गछ दूर
असंज़ ब्रॉठ्य बनेमुच़ छख वँकीला ।
यिवान कँह छुयनु अँछ तँल्य छख स्यवह नर्म
यि क्याह बोज़्यम अँमिस वौलमुत मूहन ज़ाल ।
अहंकास्स बन्योमुत आसि यस सूर
प्रेयन यस परम् शिवनि सरफ़ मालय ।
सफेदी मानि सुय युस ज़ानि सत्संग
बस्मु तस प्रैयि युस रोज़ि देह निशि दूर ।
वँथिथ गव पकनि लोग साँपुन स्यवह तंग
व्यनथ कँसनस प्रबू अर्ज़स चु कन थाव ।
वुछिथ स्व मूर्खु बोज़ किन्य गँयि नाख्वश
वँस्थि सुय रज़ु कोमारे नियम ना ।
दुय तस बासि यस आसि लूक लज़ा
चु कँमिस मंदुछख छुख सर्वु व्यपक ।।

75 महाराज रूपस मंज यिन खॉतरु नारद जियिन्य शोम्भू जियस कुन प्रार्थना

लजायि रस्ति प्रजाये ।

अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।

कुस छुय दौयुम कस मंदछ्ख	न्यर्मल मनु किन्य छुयनु शक ।
ग्वन चॉन्य नु गंजस्नु आये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
बालक अवस्था छ्य चै न्यथ	छुय बूलु बालु नाव सत ।
जयजय छु यिछि दयाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
न्यरलूबु मूह छुय गोलमुतुय	आश्चर चै काम छुय ज़ोलमुतुय ।
आँसिथ युथ तीज उमाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
व्यस्त ¹ वस्त्र छिय नॉल्य	फेरान चुय छुख बाँल्य बाँल्य ।
कुस ज्ञानि छुख कथ शाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
न्यथु ननि अमरनाथ छुख	वस्त्र त्रॉव्य तँम्य येम्य लोबुख ।
नालुमँल्य करि पृतमाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
पस्म शक्ति स्वस्तु बूलुबालय	नॉल्य छुन्यथ कलुमालय ।
मसतानु बे पस्वाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
नव निदानु छुय दनु पूर	आश्चर ति त्रॉविथ मोलुथ सूर ।
वोलनख नु मूह मायाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
ब्रेशबस खँसिथ बस्मा मोलुथ	गजु चम त सुह मुसला वोलुथ ।
ख्वश गोय यी यछये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
मुकट कनि छ्य जव	नाव प्योय संकट कव ।
जव मुकट गंगाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
महाराजु आयोख बँनिथुय	कस फोरि कुस हेकि वँनिथुय ।
मीना चै वुछिने द्राये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
डीशिथ चै गँयि ख्यूबस अन्दर	हावतस त्युथुय रूपा स्वंदर ।
युथ लगिहिय पोत छये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
हम्सु नादु प्यठ सहाये	रोज त्राव हम्सुन साये ।
हमसा ² मे छम हमसाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।
कृष्णस त्युथुय दितु दर्शुनुय	युथ बासिहेस त्रुबवन कुनुय ।
त्राविहे लूक् लजाये	अनुग्रेह छु चोन जायि जाये ।।

1. विस्त; 2. ख्वाहिश ।

76 शिवजी सुंद महाराजु रूपस मंज युन

यि लीला बूजिथ ख्वश गव महेश्वर
छु सोरुय वनुनुय चोनुय मे मंजूर
समु द्रेश्टी वनय क्याह छ मे किछ हिश
वनन वनन नज़र नारद जुवन त्रॉव
स्व माया यथ दपन वेशु¹ रूपु दर्शुन
करोरय सिरियिकुय तीज़ा बनोवुन
परमु शिवन पनुन प्रचन्द्र त्रोवुन
थँविव तोह्य बोजुवन्यव वारु दानुय
कुनुय सिरियि वुछुन छुनु बनानुय
करोर येति आसि क्युथ तति आसि प्रकाश
बो क्याह वनु अदु सु महाराजा बन्योव क्युथ
डलान छम ब्वद वनय क्याह मॉज़ि बदल
वुछिथ नारद जुवन कोसनस नमस्कार
कुनुय ओसुख मनस येलि गोय चै यकबार
अँकिस ख्यनु मात्रस मंज सोर समसार
बनॉविथ पांच कासन शकलि ओमकार
दयालू दय चू छुख छ्य बावुचिय प्रय
व्यनथ छ्य बैयि चै यी ही म्रेत्यनज़य
असन असन पकनि अदु लोग सदा शिव
वुछिथ मीनावँती साँपुन खबरदार
बन्योमुत रजु पोत्राह तीजुवाना
सु महाराजा सु साजा रजु चाला
सु ज़ाँपाना सु सामाना व्यमाना
महाराजस वुछिथ युथ तीजुकुय म्वख
वनुनि लँज्य क्याह मनुक मे द्रावु तमना
वनन वनन यिथय पॉठ्य गँयि हश्शस
चै युथ हँशीश्वरो हश्शस बो कँस्थस
असन असन दोपुन तस ही मुनीश्वर।
बराबर छुय मे निशि नूर तय सूर।
यिहोय छुय बुरजु तय क्यमखाब मे निश।
महादीवन महामाया पनुन्य हँव।
सु दर्शुन यथ दपन अमर्यतु वर्शुन।
परम ब्रह्मन पनुन प्रकाश होवुन।
करोरुक तीज़ यकजा मिलुनोवुन।
कँखि ब्वद च्यत थँविथ सत् छुस वनानुय।
न्यत्र यथ दर्शनस छिनु दरानुय।
वुछिथ कुस हेकि यथ कस आसि त्युथ गाश।
यिथिस परिवारसुय युथ शूबिहे त्युथ।
शफक² आव ब्यूठ तस तति पादन तल।
चु करता सारिकुय छुख ही न्यराकार।
स्यवह बनहँ त दिमुहँ ज्यूठ व्यसतार।
कोरुथ व्वतपत यि क्याह तौजुब छु युथ कार।
चु छुख परामत्मा मंजबाग म्वखतार।
चै बोनय जय चै बोयनय जय चै बोयनय।
वुछन वाल्यन तिछ्य अँछि दितु वुछिनय।
वनय कोताह प्रचंड परखतस प्यव।
नज़र त्रॉवुन वुछुन शोम्भू जवधार।
बँस्थि तसुँदि तीजु सुत्य आमुत जहाना।
छु कस ताकत तम्युक करि अख खयाला।
छु कस ताकत तम्युक वनि अख निशाना।
चौलुस द्वख तस बन्यव परम आत्मुक स्वख।
यि छ पोज़ किनु वुछुम मायायि सौपना।
गृहुद्य सॉरी केंद्र बीठिम मे वश्शस।
चै आनन्दीश्वरो आनन्दु बँस्थस।।

1. विश्व रूप; 2. लोसवुनि सिरियुक व्वज़जार।

77 मीनावँती शोम्भू जीयिन्य तोता करन

मे गम कोसुथ दिगम्बरय ।

पम्पोशि पूजा करँयो ।।

प्रेयमय चाने द्रायस गरे कउहँ हँशीश्वरुक दर्शुन ।
श्राना कोरुम कुरुक्षेत्र के सरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
प्रेयमुचि प्रेथवी परातपरय ज्यवनु¹ ज्यवन छु बावुक ब्योल ।
जुवरि² ज़नमु पाप ज़ॉलिथ हरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
जुवसिनागु ज़लु ज़गत ईश्वरय अथ बावु ब्यॉलिस बन्यव सग ।
परमार्थ रस प्योस परमेश्वरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
गोलुम ख्यूब अकि ख्यनु मात्रय चोलुम ख्वनुमूह वॉतिथ मूह ।
भुवनेश्वरय तँरुस बवु सरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
अनन्तु अकालु ही अमरय यमु हेरि खसान बन्योम शम दम ।
यमु क्यंकर गॉलिथम शंकरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
कामकि कूदकि भस्मास्वरय अस्वरु प्रकरँच कौसनय सूर ।
हरशस बो कँस्थस हँशीश्वरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
ही शिवु केशवु ग्वफि अंदरय द्वयि आकारु छुख अद्वेतु रूप ।
रामेश्वरय श्यामु स्वंदरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
संकटु कटु चु जटधरय नाव प्योय मे कोसुथ सोर संकट ।
वर लोब मे चै निशि हँरी हरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
ही अमरय ही अज़रय वुछित चै ज़रय रूदुम नु होश ।
चरचरय छुख आश्चरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
तिछ अँछ्य दितम विश्वेश्वरय वुछहँ करोरु सिरियुक तीज़ ।
नतु यथ तीज़स निशि कति दरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
तीज़ युथ बनोवुत भस्माधरय बोयनय चै दयस नमस्कार ।
वाँचुस पयस गँयस व्यस्मरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।
कृष्णस दि बक्ती मुक्तीश्वरय गदाधरय सदा बोज़ ।
आनन्द दिस आनंदीश्वरय पम्पोशि पूजा करँयो ।।

78 मीनावती हुंद ख्वश गछुन

शब्दस कन थव वन हॉरिये ।

वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।

गाह प्यव रूपुक च्वपॉरिये	वाह क्याह शाह आव यपॉरिये ।
चरनन लगस बो पॉरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
शरन आमृत्य छिय सॉरिये	हॅरी हसन द्वख हॉरिये ।
पापन प्वन्य यॉर्य मुरॉरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
शूबा छि छंडन समसॉरिये	स्योद गॅयि दुनियादाँरिये ।
स्वखु म्वखु नखु वॅथ्य बॉरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
वुच्छि हश्शस गॅयि सॉरिये	द्वर्गथ चॅज गॅज नादाँरिये ।
वनि आव न्यसनय नॉरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
वतु छिस शेरान दरबॉरिये	राजु छु सोम्बरन बेगाँरिये ।
प्रथ कुनि चीजुच छ तयाँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
लर्यन कॅस्मुच छ गुलकाँरिये	गछ कोर नाना प्रकाँरिये ।
प्रेयमु बरन्यन छि वॅथ्य ताँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
इन्द्राजु बन्योव पूजाँरिये	अनु राजु बन्योव बंडॅरिये ।
वरण राजु थोक पोन्थ सॉर्य सॉरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
सॅमिथ आमृत्य छि लूख सॉरिये	पोश छिस छकन च्वपॉरिये ।
लोग पोशु वर्शुन बाजाँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।
व्यचारुक ओश गव जाँरिये	द्वख हर कृष्णस कर यॉरिये ।
परबत राजुन्य कोमाँरिये	वुछ शिवनाथुन्य सवॉरिये । ।

79 मीनावॅती हुंद ज़नानन आलव द्युन

स्यवह येलि सॉपनुस मन सावदानुय वननि लॅज छम कोमारी बागिवानुय ।
नमस्कार ऑसिनस छुस कर्म लोनुय स्यवह रुपीठ स्वन्दर नुन्दुबोनये ।
ज़नानन कुन दोपुन दय ह्य सपुन नोन स्वन्दर वॉनियि हैयितोस वनुनावुन ।।

80 मीनावॅती ज्ञानान वनान

सॅमिवे विगिन्यव हेयतव वनुवुनये ।

महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।

वुन्य ओस बोड तय वुन्य सपुन बालय	सानि सालय कमि हालय आव ।
नव्यन हुंद नोव तय प्रान्यन हुंद प्रोन हय	महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।
स्यवह तीजुवान हय शूबायि सान हय	गरु सोन पानु भगवान हय आव ।
ज्ञोन हय ज्ञोन हय मोन हय मोन हय	महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।
संकटु गटि मंज अनुवुन गाश हय	थवुवुन आश हय आशि रस्त्यन ।
सानि कोमारि हुंद कर्मलोन हय	महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।
ज्ञोतन तनि सुत्य मन निवुवुन हय	स्वख दिवुवुन हय म्वख हॉविथ ।
कृष्णस हृदयस मंज बासुवुन हय	महाराजु सोन हय त्रुबवनसार । ।

81 ज्ञानानु यज्ञमन नारायण सुंज तोता करन

नन्दुलाल आव गिंदुने रास ।

आरु कँरिवे आरुय ।।

आरुवल दँज लोलु नारुय आरु रँस्तुय कँरुय वनवास ।
आरु कँ च फीर आरु आरुय आरु कँरिवे आरुय ।।
देह द्वारिकायि मंज वारुय वुछ्तोन खेलवुन रास ।
वारु मुचरिथि नव द्वारुय आरु कँरिवे आरुय ।।
बँनिवे येत्य गुपुकारुय¹ शहरु मंजुय वनवास ।
गेविवे शंक रचारुय² आरु कँरिवे आरुय ।।
हसुम्वखु³ तय हर्दवारुय⁴ वनि कँडुयतोन सँनुयँसुय ।
सुत्य ग्यानु व्यचारुय आरु कँरिवे आरुय ।।
हारि परखतु⁵ दरुवारुय लछि बँद्य सासु बँद्य सास ।
नियिवे दयु दनु द्वारुय आरु कँरिवे आरुय ।।
कँरिवे सुवंदर नारुय रोव करुनुक अबुयास ।
श्यामु सुवंदर बोज्जि वारुय आरु कँरिवे आरुय ।।
लारि क्याह यमि समसारुय सासन करुवय सास ।
अख दयु नाव तारि तारुय आरु कँरिवे आरुय ।।
कृष्णजुव चाव सानि दारुय सुत्य ह्यथ हसुम्वखु वास ।
सिरियि चँद्रमु प्रकारुय आरु कँरिवे आरुय ।।
कृष्णस सुत्य ल्वकुचारुय कृष्ण जुव करि अथुवास ।
गिंदुनुक्य छिस दोह तारुय आरु कँरिवे आरुय ।।

1. अकि मँहलुक नाव; 2. शंकरचार्य पहाडस प्यठ अख मंदर ; 3. हसुमुख बाल; 4. हरिद्वार तीर्थ; 5. हारी परखत ।

82 ज्ञानानु छ महाराजस वुछन

यि बूजिथ त्रेयलूकचि त्रियि आये	महाराजस वुछिनि कमि लोलु द्राये ।
न्यबर दार्यव बख किन्थ पान त्रॉविख	सदा शिवुन्थ सवॉरी परजुनॉवुख ।।
न्यत्र दितिनख तिथिय युथ बोजनु आख	स्वंदर वॉनियि पॅरिहॉस वनुवुन्थ वाख ।।
ह्योतुख वयक्वठ मंडुल ज़न बनानुन	सॅमिथ त्रियि बावु ह्योतहोस वनुनानुन ।।

83 वनवुन

पार्य पार्य लॅगितोस स्थ सवारे ।

महाराजु राजु कोमारे आव । ।

बयु चोल भ्रैत्यनज्रयिने जयु सुत्य दयि सुंजि नयि मंजु तोता द्राव ।
हीमालु परखतुने वन हारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
सॉनिस पोशु बागस ओस गोशा गोशस प्यठ पम्पोशा ब्यूठ ।
रोशु चाव पोशुनूल मंजु पोशु वारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
पम्पोशु पादु वुछ सादु शाहजादा बागस मंजु नागुरदा द्राव ।
आकाशु अमर्यत प्यव दारि दारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
पम्पोशु फर्शाह कोर बंगालस¹ त्रुजगत पालस दोप सालस ।
बालु ब्यूठ बालादरि प्यठ दारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
वनुचे विगिने वनुवुनि द्राये आकाशु प्यठ वछ अछु रछु ब्वन ।
लूख छिस वनुनावन कन दारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
व्यमानन क्यथ छि पौत महाराजय सिंगासनस क्यथ छि राजय रेश्य ।
वॅस्य पेयि अॅस्य वुछि हॅस्य अंबारय महाराजु राजु कोमारे आव । ।
सालुख डलु दिचु प्यठ डलानस दिवताह दीवान खानस बीठ्य ।
अॅड्य अपारे अॅड्य यपारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
शिव सत्संग नवम अन कर्मु जाये बाँगरोव दर्मु सबाये मंजु ।
परमार्थ रस फ्युर प्रेयमुचि नारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
ख्यावनस चावनस छिख सीवाये कम कम राजु रेश्य खॅदमतगार ।
मॉलु छिख ख्यावान ऑलु सुफारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
दास्स सॉनिस बन्यव स्वर्गु दारा कानेन्य² सॉन्य हरदुवारा³ हिशि ।
सालुख कमि हलु तति छलु मारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
युथ महाराजाह यिछि बजि थजि कारे जलजल वॉल्यतोन राजु कोमॉर ।
वीगिस प्यठ व्वन्य कोताह प्रारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
बंदन त्रॉविथ कलु छिस वंदन वंदन छ्यफ दिचु लंदन वोट ।
चन्दनुक ज्युन वोल ज़ोल बुखारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।
कृष्ण अर्दुनॉरीश्वर सुंजु द्वय छ्य त्रियि बंगु मरदु पानु दरदु⁴ वनुनाव ।
शिव-शक्ति रूप द्यवु कॅछ यारे महाराजु राजु कोमारे आव । ।

1. मकानु; 2. कॉनी, मकानुक हेर्युम पोर ; 3. हरिद्वार ; 4. दर्द वॉनी, मोदुर वॉनी ।

84 यँजमनस आवाहन

सर्वु आकारु रूपु वेष्णु भगवानस ।
सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
वन दीवियि बेछि प्यठ डलानस सति नारानस¹ छु वनुनावुन² ।
प्राँविथ कथ त्राँविथ अबिमानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
हेरि वछु अछु रछु वायन तु गायन बेछि गूपियन तु गूर्य बायन सुत्य ।
हीमाल परखतुनिस दीवान खानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
विगिनि आयि दीवु कन्यायि ह्यथ लारन बक्तिबावनायि किन्य म्वखतु हारन ।
वननि लजि ग्वन न्यगर्वनु ग्वनुवानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
योगिनी नागिनी आकाश माँत्रुकायि वनुवुनि आयि बजि श्रदायि सान ।
कांह त्रुया रूजु नु मंजु पँस्सितानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
असुनस तु गिन्दुनस मंजु मशिथ पान गोख च्यत् ब्वद प्रान गोख तस कुन लीन ।
समाँजु स्वख आख मंजु व्यथानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
सरस्वती गोमती गंगा जमना स्यंद³ ह्यथ चँद्रभागा⁴ वितस्ता ।
सर्वु तीर्थ ह्यथ छि सत जनि कनि श्रानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
स्वप्रकाशु क्वंडुसुय सूमु⁵ सिरियि साम छियि शाम छुय सुबुह ह्यथ तन नावन ।
रात दोह छिवु दिथ तल सायबानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
अथ दयुगँच लगुहोय पॉर्य पॉरी अति आँस्य सॉरी वनान यी ।
ब्वद छु वातन यिथिस कास्खानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।
कृष्ण श्रेह बर शिवनुय केशवनुय सावदान मनु बेह तु ग्यवुनुय हे ।
श्रवनुय कर गछु शिव न्यर्वानस सर्वु शक्तिमानस छु आवाहन । ।

1. सत्य नारायण; 2. वनुवुन; 3. सिंधु नदी; 4. चंद्रभागा नदी; 5. चंद्रमु ।

85 शोम्भू जीयिन्य अस्तुती

ही अगूर नील कंठ छुख चु हन हन तय
चैद्व चूड चान्यन पदम पादन तय
ब्रह्म रूप समसार संबालन तय
समहार रूप छुख थ्यत गालन तय
भैखनाथ कर ख्यय पापन तय
स्वखु म्वखु सुत्य छुख द्वख गालन तय
गजु चरमा चुय छुख वलन तय
त्रन बवनन हुंद छुख कारन तय
मह कलपांत येलि छुय बनन तय
माया चै कुन शांत गछन तय
जीवन तु दीवन छुख न्यन्गलन तय
चोन द्यान दौस्थि सौर्य सत्जन तय
पस्म शिव हृदयस मंज बख्यन तय
सत् च्यत् रूप छुख आनन्दुगन तय
पस्म शक्ति स्वस्तु चॉन्य द्यानु सुमरन तय
शिव शिव गछन छु पांछ्वलन तय
हर हर बोलान कुल्यन हुंद पन तय
वासनायि किन्य अंस्य छि देह मानन तय
अंस्य बेखबर छिनु कै ह ज्ञानन तय
म्वक्तीश्वर कर जनमन छ्यन तय
तल पातालन पाद चॉन्य ब्वन तय
बडि आकार स्वस्तु छुख शूबन तय
सुत्य सुत्य आसुवन्य छिय रात द्यन तय
च्यत् छुम चलन तय ज्यव छम कलन तय
शरनय आसय छुख शंकशन तय
नेशकल लीन कर म्योनुय मन तय
गंगाधर हर हर थव कन तय
ही अगूर नील कंठ छुख हन हन तय ।।

1. नवसादर, सुहृगा ; 2. साधना ।

86 यँजमन नारायण सुंज अस्तुती

मुस्ली शब्दा गव असि कनन ।
वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।

जसुदा छ नन्दु गूरिस कुन वनन जगत यस ज़ाव सुय असि ज़ाव ।
ऑस मुचरोवहोस तु आश्चर छु ननन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यिम ग्वन खँट्यमुत्य ऑस्य न्यग्वनन तिम ह्यथ अँन्दर न्यबर द्राव ।
प्रकट कैर्य श्री कृष्णन्य ज्यनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
उधवजीयस छ गूपीयि वनन चुय श्वशक्¹ ग्यान वनुन त्राव ।
बक्ती सुत्यन छ म्वक्ती बनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
छुखय चु आत्म ईक्य वनन सुय गोख चुय अख य्वक्ता² हव ।
नतु छुख अशक्त जीवा ननन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
गोवर्धन तुल न्यरंजनन प्यठ किसि यिथु पनु बँरगस वाव ।
तिथुय नाव छि अँस्य मनु वाजि खनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
बक्ती तँम्यसुंज कैर अरंजनन सुभद्रा निथ ति बोजवान द्राव ।
यस वरि तस पापन प्वन्य छि बनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
द्रौपदीयि क्याह कोर दँर्योधनन च्यतस यान्य प्योस अख श्री कृष्ण ।
अनम्बर अम्बर गँयस वरदनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
दोयुम कांह छुनु तस ह्युव ननन कस आसि तँमिसुंद ह्युव स्वबाव ।
वयक्वन्ठ गथ प्राँव बिन्द्राबनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
न्यथु नँन्य अँस्य द्रायि मंज आन्गनन मुस्ली शब्द यान्य कनन चाव ।
न्यँद्रे हचन व्वठ कैड मनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यि असि बन्यव ती कस छु बनन सुय ज़ानि यस युथ बँनिथ आव ।
न्यथु ननि नेख तु फेख वनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
गूर्य बाव प्रावुनॉव्य आनन्दु गनन व्यद गँयि स्यद असि द्वद यान्य ज़ाव ।
सौरुय हेछिऑव्य तँम्यसुंद्य चनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
बोजुन श्रवुन तु करुन मनन निद् दयासन छुय अख बक्तिबाव ।
साख्यातकार वुछ तु यूगी छि छनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यिछ्न रँचन तु यिथ्यन दोहन रास आसि खेलान ती याद पाव ।
ती याद पाँविथ असि छ हनहन छ्यनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
प्रेयम तसुंद छु गनन गनन अँस्य सुय छि बनन मो नँशराव ।
बनुन द्वर्लब छु युथ सत् ज़नन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यि कोर असि अक्रूरुन्य³ निनन गछ श्री कृष्णस योत वातुनाव ।
नतु यिख ह्यनु मंज सान्यन र्यनन⁴ वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
बूज़िथ छु उधव श्री कृष्णस वनन यिछ गूपिया मेति बनुनाव ।
बक्ती यिहंज छ्म जिगस्स सनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
ग्यान द्वद वीदु कामदीनि थनन ह्यथ चै ज़ोनुथ मे दामा चव ।
व्वद म्यॉन्य द्वद ज़न छ तनन तु गनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।

बोम्बस्स कुन छ गूपीयि वनन तैथ्य प्यव बोम्बूरु गीता नाव ।
बूजिथ ति बख्त्यन छ म्बख्ती बनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
यँम्बुजलन छु अम्बरँ छनन मो रोश बोम्बुर अम्बरँ छव ।
अँछन कुन वुछ्तु तन लाग तनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
महाराजु ज्ञाननोव युथ यँजमनन सिरियि चँद्रमु ज्ञन गरु च्चाव ।
शामस तु प्रबातसँ म्युल छु बनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।
कृष्णुन अथु अँस्य छि चै कुन अनन अथस सुत्यन अथु मिलनाव ।
यिथि रासु अथुवास जांह छु छ्यनन वनन छि राधा कृष्ण हय आव । ।

1. ख्वशुक; 2. ख्वखुच, युक्ति; 3. अकूर जी ; 4. करजु, ऋण; 5. स्वगंद, ख्वशबू; 6. शाम = श्याम = नारायण, प्रबात = प्रभात = शंकर ।

87 यँजमनु संज अस्तुती

आव ह्य नन्दलाल बिन्द्राबन ।

सुत्य गूपियन गिंदने ।।

तँठ राधा छस क्रे शन तस छु आमुत वुछ्ने ।
मथुरायि त्रॉविथ रुखमने सुत्य गूपियन गिंदने ।।
सबज़ाराह छु बिन्द्राबनन कामदीनु लजि खसुने ।
पतु पतु छुख मनमोहन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
श्यामु रूपु छस जोतन तन कामदीनु आव रछिने ।
ब्रज गामु द्राव कामदीव ज़न सुत्य गूपियन गिंदने ।।
किसि प्यठ छुस गोवर्धन इन्द्राजु आस शरने ।
अदु ख्वश गोस मधुसूदन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
पूतनायि दोप द्वद बो चावन ज़हर लँज बब बरने ।
अकि दामु गँयि अथु हवन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
कॉली नाग ओस ज़ाहर हारन तस प्यठ लोग नचुने ।
बालु कृष्णा छु छलु मारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
शंखचूड दुत आव लारन गूपियन लोग खटने ।
अकि चंजि गव प्रान हारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
गूर्य बायि द्रायि पुर्य त्रावन जमनायि तन नावने ।
जामु निथ छुखनु पामु थावन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
राधिकायि हुंद आव ब्राह्मुन म्वख्तु मालि म्वल करुने ।
म्वख्तु कु ल्य वुछ्यवुछ्य छुय मंदछन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
कैलासु आव शंकशन रासु मंडुल वुछिने ।
कृष्ण ड्यूठुन ख्वश गोस मन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
न्यर्ग्वनु सुंद वुछ सतोग्वन जगतस आव रछिने ।
सत्य दीव सत्य नारायण सुत्य गूपियन गिंदने ।।
परामत्मा छु परिपूरन कृष्ण लँग्य यस वनुने ।
वेग्यनानवान यूगी ज़न सुत्य गूपियन गिंदने ।।
कषु नावस छि कुत्याह ग्वन जीवुबाव लोग हरने ।
पॉन्य पानस छु परजुनावन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
छस दया छुनु कॉसि मारन यिम तस आयि शरने ।
पॉपियन कें छु छु यारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
ऑल्यमुत्य ऑस्य व्यवहारन असि लोग ह्यसु फिरुने ।
ऑबदारन सुय छु तारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
श्वब कार कॅर्य शूबिदारन बक्ति बाव लोग गनुने ।
वेषु रूपु कृष्ण अवतारन सुत्य गूपियन गिंदने ।।
कृष्ण कृष्णय कोर कृष्णन कृष्ण नाव लोग स्वरुने ।
कृष्ण टोव्योस कृष्णार्पन सुत्य गूपियन गिंदने ।।

88 राजदान साँबुनि तरफ़ शोम्भू जीयिन्य अस्तुती

हमसु पखु ह्यथ च्यथ फम्बु सीरि शोम्भू ।
वनि यितु मे हस्वखु नीरि¹ शोम्भू । ।
शांत शाहरुक दिम वेग्यन्यानु राजिय बक्ती व्वडि शक्तिपातुक ताजिय ।
म्वख्तु पानय मेलि ब्रगु तीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
कल्पु त्रैखि बक्तु रखि छुख द्दख कासन नेशकामु कर्मव कर न्यर्वासन ।
शेहजार फिर मे प्रकरं च वीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
न्यर्वानु यँदस्स छुय वर वेग्यन्यानु पखचव² कनि इंद्रेय योनि³ कनि प्रान ।
नावु रूपु पन कोत वाह सीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
प्राख्दस प्यठ रोज़ थव म शूर्य बाव यिछि बाज़ि मंज़ व्वद्युगु डूना त्राव ।
डुलु गँछ्यतन फचि⁴ या मीरि⁵ शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
देह द्रष्टु रोस्त युस रोज़ि देहसुय मंज़ आत्मस करि विवेक पूजायि संज़ ।
सालिग्राम ह्युव शूबि प्यठ पीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
शांत विज़िया चॉविथ त्रॉविथ गम दमु दमु खॉस्थि वालिथ दम ।
स्वरु दमु शमु दमु जेजीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
अंतहकसन मंज़ चोन प्राकार कार करुवन्य चानि सुत्य इंद्रेय द्वार ।
हौल जोद कर स्योद नल चीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
परसु हमसु ज़ानुनावतम सूहम पद तथ पदसुय यथ म्वच्चि सत्ग्वन श्वद ।
थूलु द्रेशटी रंगु छम गेरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
बावु छवु येलि अन ज़न फवलवनु आख प्रेयम तँम्यसुंद छुय स्वयं पाक ।
मॉल गछि कॉल्य यिछि शॉल्य टीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
वेषि रूपु ज़ान न्यरलीफ वेशम्बर वैस्वति⁶ बावु किन्य रोज़ दिगम्बर ।
आशि थफ त्राव अगन्यानु चीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
सुय छलि न्यर्मल ज़लु नेशकामय मूह मलु त्रैतियि⁷ बँर्यमुत्य जामय ।
युस दैर दरु ग्वरु वरु चीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।
मूह आवलुनि मंज़ु कृष्णस बोठ खार गटु द्रेशटु फटुनस छु तार व्यचार ।
ग्वलु रोस्त डून क्वलि मंज़ु यीरि शोम्भू वनि यितु मे हस्वखु नीरि शोम्भू । ।

1. नय, नार ; 2. यँदरुचि पखु; 3. पन; 4. पथ (पीछे); 5. ब्रॉठ (आगे); 6. विस्त; 7. वृति ।

89 ब्याख अस्तुती

बाल नेरि चानि वेरि शोम्भू ।

न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।

रंगु रंगु फोल बेरंगु कुल सत् संगकुय रंग बुलबुल ।
लोल ओला यीरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
फिरुनावतम दिथ ग्यानु बल सूख्यमु थ्यलु थ्यलु समु द्रैष्टि जल ।
परमु शिवु कर्मु क्रेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
खसु वसि तोलु वारे आत्मु देह ल्वति ग्वबि बारय ।
प्रानु अपानु जेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
गोशि गोशि होशि पोशि वारे घानु यूगु अमर्यतु दारे ।
कर्मु डेरि दर्मु बेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
काँफिलु आसु वायान डेल ब्रॉठ आसि शॉगमुत होशिवोल ।
पोत वाति ब्रॉठ छेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
कर कथ रग कर कथ त्याग बक्तु बखशिथ प्रेयमु पोश लाग ।
अमरीश्वरु शेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
द्यन तु रॉच्च हुंद जग तु प्रोन चार सिरियि अँगु जोशि सूमु होशि फ्यार ।
सुत्य व्यचारु थेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
शहरु मंजु कर हस्वखु ज्ञान न वनस मंजु मँशरिथ पान ।
महालिशि हुन्दि तीरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
पांचि त्वतु शमु दमु रठ दार ज्योति रूपु श्रेह रेह काँदि खार ।
प्वख्तु बक्ति बावु सेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
मूख्य दायक छु चोनुय नाव सिरियि न्यँत्रुच नजरह त्राव ।
मंजु मूह अंदेरु शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
चँदु चूडु चोन चरनारु ब्यन्द मनु बोम्बूरुस तँत्य करि बन्द ।
फीरिथि कोत नेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।
म्वख्तु लरि प्यठ छु चोन दरबार बक्तु वत्सलु कृष्णस खार ।
शक्ति पातचि हेरि शोम्भू न्यर्नय नयि फेरि शोम्भू । ।

90 ज्ञानानव दस्य शोम्भू जीयिन्य अस्तुती

कम वस्त्र चै नॉल्य क्याह वनु लोलो
मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।

शिव नाथने श्वबु दर्शन लोलो च्यतुके अमर्यत वर्षनु लोलो ।
वनि यितु मे बक्ती ननि लोलो मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।
हर सुंजि वेरि लगु दनु पनु लोलो¹ हसदु वीर जन छेनि पनु पनु लोलो ।
सुय छनुय छुख यावन लोलो मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।
जव दारुनि ब्रेशबासन लोलो संकट गट छुख कासन लोलो ।
हटि वासुक छुय आसन लोलो मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।
क्वसु पूजा करय कमि ग्वनु लोलो कम बक्तिस बक्ती छु लोलो ।
न्यर्दनु सुंद स्वनु पोश व्यनु लोलो मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।
प्रथ मावसि पुनिम हुन्दि दनु लोलो श्रुच बूजन चैय क्युत स्नु लोलो ।
म्वक्त बन चानि ख्यनु² अकि ख्यनु³ लोलो मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।
मनु वाजे नाव चोन खनु लोलो राजु यूगुक राजाह बन लोलो ।
चैतनु टेठ च्यत् चेतनु लोलो मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।
चानि डेशन छि व्यचनु लोलो ख्वश साँपन रोह्य वचनु⁴ लोलो ।
असि त्रयनुर्य⁵ त्रैयलोचनु लोलो मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।
सत् प्वरशन हुन्दि सत्जन लोलो ही सत् च्यत् आनन्दु गनु लोलो ।
कृष्णस टेठ श्वबु लख्यनु लोलो मनु छंङ्थ वस्त्र वनु लोलो । ।

1. भगवानस प्रथ केह अर्पन कस्नु खॉतर तयार ; 2. ख्योन ; 3. च्युह ; 4. रोफ बाँतुक्य वचन; 5. ज्ञानान ।

91 महाराजुं सुंज अस्तुती

रंगु बुलबुल छुय जटु दौरी ।

हौरी कर पौरी ज्ञान ।।

गीर्य रंगु छिस् वस्त्र सौरी	नोन होवुन ब्रह्मचौरी पान ।
त्यागु मंजय छुय व्यवहौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
रागु द्वेशु छुय त्वति बारय	पोशि लंजिनयु प्यठ शूबान ।
संतोशि व्रंच प्रानु संदौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
ब्रम मौनिथ करान खानुदौरी	गासु किचुनुय ओल यीरान ।
गछि आसुन युथुय समसौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
परपदु ¹ स्वस्त थदि प्रकौरी	कर्म आश्रन परमु शिव थान ।
ईक दौयस्न अनीक प्रकौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
ब्रह्म आंग्यन्यायि किन्य व्यवहौरी	बालबचुनुय आपु आपरान ।
जीवु दयायि पर व्वपकौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।
थजस्स वोन दिथ च्वपौरी	अविनाशु बाशि छुय बोलान
कृष्णस वुफि तारि हमसुदौरी	हौरी कर पौरी ज्ञान ।।

1. परम पदवी ।

92 मीनावँती करान यँजमनस अस्तुती

मन म्योन बिन्दरबन तु लोलो ।
आत्म रूपु नारायण तु लोलो । ।
सुत्य सुत्य व्रँच गूपियन तु लोलो तथ मंज्र छु रस खेलन तु लोलो
अन्दुकारु कालु सरफन तु लोलो बूतात्मु वोल हनहन तु लोलो
इन्द्रेय गूर्य बालकन तु लोलो वेह¹ दिथ छु होशि डलन तु लोलो
ग्यानु रूपु कृष्णन तु लोलो मुह गोल दिथ सतग्वन तु लोलो
आत्म रूपु नारायण तु लोलो । ।
प्रकरँच जल हनहन तु लोलो श्वद कोर अमर्यत जन तु लोलो
बावनायि जमनायि तन तु लोलो व्रँच गूपियि नावन तु लोलो
न्यथुननि पान हावन तु लोलो लूक् लजायि त्रावन तु लोलो
बखुच त्वलसी छवन तु लोलो श्री कृष्णस प्रावन तु लोलो
आत्म रूपु नारायण तु लोलो । ।
कृष्ण नाव छु अनन्दुगन तु लोलो कृष्ण नाव छु मुख्य दावन तु लोलो
कृष्ण नाव छु प्रान प्रॉनियन तु लोलो कृष्ण नाव छु प्रानन अन्न तु लोलो
कृष्ण नाव छु सँजीवन तु लोलो कृष्ण नाव छु आर्यतन दन तु लोलो
कृष्ण नाव छु गूपियन ग्वन तु लोलो कृष्ण नाव छु अबिज्यत जन तु लोलो
कृष्ण कृष्ण कोर कृष्णन तु लोलो सस्तलि सपनुस स्वन तु लोलो
आत्म रूपु नारायण तु लोलो । ।

1. जहर ।

93 रजदान साँबनि तरफ़

बावु यावुन छु होशि पोशि थरि शोम्भू ।
हरु द्रेशटि गछि वरि कति¹ शोम्भू । ।

रौच वन खोत वन कुस वन छु गॅम्बीर तथ मंज तप साद अदु मानोथ वीर ।
गाल अग्यानु अस्खोल² हरु शोम्भू हरु द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू । ।
स्वप्रकाश रूप सनम्वख वुछ्तु छुनु दूर अन्दुकारु छय ज़ाल मल वेग्यन्यानु सूर ।
हाह छुय मंज आँस वरि शोम्भू हरु द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू । ।
हमसु पखवुय सुत्य वुफ़नावुन पान जीव-आत्मु हलव होशु माँदान ।
लूब तौति मंजु चोल मूह चरि शोम्भू हरु द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू । ।
सुय वांगुजवारि धन बरि शोम्भू युस परजुनावि खानुदार गरि शोम्भू ।
नरि लोसु बाँडशन लूक लरि शोम्भू हरु द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू । ।
मूख्य दायक प्रावुनावि साख्यातकार ख्यनु मात्रस मंज गालि मूह अँदुकार ।
सिरियस निश गटु कति दरि शोम्भू हरु द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू । ।
राजु यूग राजु यस पकि चै ह्युव सुत्य दयु दनु वॉल्य तस वति मेलन कुत्य ।
इन्द्रेय चूसन कति डरि शोम्भू हरु द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू । ।
थदि सिरियुक छुसनु प्योमुत रसगाह तनिस्स गनिस्स वुछज़ि अनिस्स क्याह ।
ननिस्स प्यठ बालादरि शोम्भू हरु द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू । ।
वेष्णार्पन कृष्णस सु सौरूप हाव च्यत आनन्दु अमर्यत न्यथ चावुनाव ।
नँमीशु व्वनमीशु गरि गरि शोम्भू हरु द्रेशटि गछि वरि कति शोम्भू । ।

1. लय गछुन; 2. अकि कसमुच लँकर खसु दजुन्य स्यवह मुशकिल छ ।

94 बरात आमदन

युस छु सखु सेशटी हुंद बब तय मोजी ।

सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।

रायि रोस्त ख्यनु चनुचे अपेख्यायि रोस्त	लूब यछयि रोस्त सानि जायि मंज ।
खेनि आव हेनि पननि मायायि मोजी	सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।
यूगु राजु शाह गँयस ज़न गतु मास्न	वरण राजु सबि क्युत पोन्थ सारन ।
यस निशि दीवलूक शूबि नु पोजी	सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।
अनु राजु स्वछ राजु ह्यथ दीवगन	वाजु ज़न श्रूच अन्न बाँगरवान ।
सारिनुय बूज़नन दिवुनु छु उजी	सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।
अनुग्रेह करवुन खेनि चेनि आमुत	कृष्णस त्रसी दिनि आमुत ।
सुबहस शाम करि शामस कोजी	सुय ह्यथ परमु हमसु फोजी आव ।।

95 सालुक बयान

महाराजस सुत्य सालर आये ।
कर्मवान दर्मु सबाये बीट्य । ।
येछिसान रुचिसान बीट्य श्रुचि जाये यछ बूजन छुख तयार ।
ख्वश गव यी ईश्वर यछये कर्मवान दर्मु सबाये बीट्य । ।
ताजु ताजु बूजन रननय आये माँजरँच¹ हुंद केँ हति छुखनु हाजथ ।
राजु बीट्य सबि वाजु बाँगरुनि द्राये कर्मवान दर्मु सबाये बीट्य । ।
बूजन ख्यथ तिम आंगन चाये त्रप्त गँथि तिंहजि सीवाये सुत्य ।
तनु मनु वारु लँग्य द्वर पूजाये कर्मवान दर्मु सबाये बीट्य । ।

1. माँजरँच कस्तुक (पूछनुक) ।

96 बरँच हंघ तॉरीफ

म्यवु कनि म्वख्तु वोथ चन्दन बागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार ।
हमसु दरबार परमु हमसु दरबार नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।
जलु कनि अमर्यत नोन द्राव नागस बागस मंज्र चाव संतु अट्टहार ।
संतु अट्टहार परमु संतु अट्टहार नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।
ब्वद क्याह वाति यथ रागस तु त्यागस वरनि आव शक्तियि त्रुबवनसार । ।
तस रोस्त क्याह छु ती पूजायि लागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।
त्युथ दशुहार कर तिथिसुय प्रेयागस यथ देह इन्द्रेय छि देह अवतार ।
कँहिम तु द्वदशांतस पूजि लागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।
नामु रूप कलपित ज़ोन ह्यथ रागस अस्ति¹, बाति², प्रेयि³, रूप पथ द्राव सार ।
शरमंदुगी चँज मंदु वॉरागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।
प्रेयमु कर्मु फलनुय यमु नेमु द्रागस प्रावनाव अनुग्रेहकिय अम्बार ।
त्रसियि पम्पोश फोल्य ललि त्रागस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।
होशु पोश फोल व्वदूगु बागस दासु बावु किन्ध आस खँदमतगार ।
कृष्णु सीवा कर आत्मु रूपु आगस नागस प्यठ लोग हमसु दरबार । ।

1. अस्ति; 2. भाति; 3. प्रिय ।

97 बतु ख्यनु पतु वीगिस प्यठ युन तु द्वाउ पूजायि कुन गछुन

महादीव येलि महाराजा बैनिथ आव तिहुंद बावा वुछ्थि बागस अन्दर चाव ।
कँस्थि ओस थोवमुत फर्शाह तिमव ज्यूठ यछ बूजन खेने ह्यथ दिवताह ब्यूठ ।
यछ बूजन वनय क्याह कथ दपन छि येमिस यमिच्य यछ गँयि तस बनन ती ।
प्रेयन यस ओस यी तस ती दयन लोद वयन यस ओस तस ती म्प्रेत्यंजयन लोद ।
यछ बूजन खेने आन्गन अन्दर चाय व्वतम वयक्वठ खोतु साँपुन्य तिहुंज जाय ।
पदम पादव कदम तँम्य यान्य त्रोवुन सु आन्गुन परम् पदवी प्रावनोवुन ।
खँसिथ प्यठ वीगिसुय येलि तँम्य थोव पाद कोरुख तथ सर्वु तीस्थव वारु प्रसाद ।
महारेन्य वीगिसुय प्यठ वातुनाँवुख महाराजस स्व खोह्वुरि कनि थाँवुख ।
महाराजु ओस कुस क्वसु आँस महारेन्य महादीवस महामाया खोह्वुर्य किन्य ।
स्यदथ आयख जंगे कोरुनख नमस्कार छेकिख लँक्ष्मीयि कलु पेट्य मोहुर तय द्वार ।
अथस क्यथ दीप आँस दीप माला रँतन चाँग्य आलुवन आँस पानु जाला ।
महावेद्या तिमन आँस आपरावन तिथी नाबद फँल्य यिम मूख्य दावन ।
बँसिथ ओस शीशनाग मंजु किसि वाजे बनेमुच्च सरस्वती आँस द्दु माँजी ।
गंगा सागर अन्दर आँस पानु गंगा गंगा जल ह्यथ गंगा दास्य चमना ।
पकान गँयि वीगि प्यठ येलि वारु वारय करनि लँग्य द्वाउपूजा वारु कारय ।
छ क्याह कथ तति ब्रांदन प्राँव किछ गथ येमिस प्यठ सत् च्यत् आनन्दन थँव लथ ।
वँनिथ कुस हेकि यिथिस व्यवहास्स नजर त्रँवुन बन्योव हरद्वार¹ दास्स ।।

1. हरिद्वार तीर्थ ।

vvv vvv

खंड 2: (ग) द्वार पूजा तु लँगन

98 द्वार पूजा, लँगन, पोशि पूजा तु मनन माल

वनवुनि अछ रछ वछ स्वर्गु द्वारय ।

वारय कस्यो द्वारय पूज । ।

चानि सत्संगु सुत्य गंगाधारय	द्वारस कर्मु कूल वारय खोर ।
रंगु रंगु ब्रंगु द्राव गंगु आरय	वारय कस्यो द्वारय पूज । ।
हरु द्रेशटि द्वारस कोर हरुदवारय	दासु बावु दासस ¹ बन्याव कैलास ।
कूल खोर लबु गॅयि नबुचे तारय	वारय कस्यो द्वारय पूज । ।
बीदु रस्ति शिवु वीदकि ओमकारय	शुकदीव व्यास छि वीद वखनान ।
ग्वनुवानु योन्यस छ्य स्वनु तारय	वारय कस्यो द्वारय पूज । ।
नव द्वार मुचस्थि दासनायि दारय	जटुधारु संकट कटु चोन दान ।
पादन तल बो इन्द्रेय मारय	वारय कस्यो द्वारय पूज । ।
असि दरकारय कति छ्य हारय	मोहरु तु द्यारय ठेलि बॅर्य बॅर्य ।
कलु पेट्य छकोय लूबु रस्ति शूबि दारय	वारय कस्यो द्वारय पूज । ।
वुजु सोन वयक्वठ बन्याव वारुकारय	कुठ्यन मंजु ब्यूठ कूटी तीस्थ ।
चन्दनुक स्वबाव द्राव दीवदारय	वारय कस्यो द्वारय पूज । ।
लँगनस वेलु वोत व्यँगु न्यवारय	अँगनस प्यठ छिय प्रारान दीव ।
ग्वनुवानु स्वनु हेरि खस वारु वारय	वारय कस्यो द्वारय पूज । ।
कृष्णस परामत्मु न्यराकारय	प्रानु रूपु नॉडियन छुख फेरान ।
वेशय दारुवुन छुय नव दारय	वारय कस्यो द्वारय पूज । ।

1. दखाजुच बेर ।

99 महाराजु सुंद अंदर अचुन

बनोवुन दासु बावस दास कैलास	हॅरिहर श्यामु स्वन्दर येलि अंदर च़ास ।
बिह्थि तति ओस ब्रह्मा ह्यथ ब्राह्मन	महाराजु वोत तोत ह्यथ श्री नारायण ।
बिह्थि रूद पदमु आसन शकलि ओमकार	दितुख अँगनुक तु लँगनुक जान व्यसतार ।
सपुन मीनावॅती ख्वश युथ वुच्छि रंग	परनि लॅज त्रुयि वॉनियि बावुकी बंग ।
नच़न नच़न वोनुन तमना मे ह्य द्राम	जगत ईश्वर हॅरिहर गुरु ह्य च़ाम । ।

100 मीनावॅती हुंद हर्ष

राजु हम्सा गरु चामय ।

अज मे द्रामय तमना । ।

बालु बालु पानु वनि आमय	लालु मालु छस नॉली ।
कमि हलु छिस सालु जामय	अज मे द्रामय तमना । ।
हनि हनि युस छंजामय	शाहरु गामय आलमस ।
मनु मंजबाग वनि आमय	अज मे द्रामय तमना । ।
श्यामु रूप ह्यथ डेछमय	पेट्य बामय शिवजी ।
करु शिव शिव रामु रामय	अज मे द्रामय तमना । ।
मनु नागस बावु सामय	गॅड्य मे दैरकि चिल सुत्य ।
प्रेयमु जल चोम दामु दामय	अज मे द्रामय तमना । ।
शिवु रागुक वव्यामय	कर्मु बुतरॅच बावु ब्योल ।
सत् च्यत् जलु सुत्य जामय	अज मे द्रामय तमना । ।
ह्यथ अव्यचारचि हामय	नियमु न्यंदु दिथ कजिमस ।
प्रेयमु रसु बसुननु ¹ आमय	अज मे द्रामय तमना । ।
अनुग्रेह शरु निशि खामय	प्वखतु गॅयि बक्ति म्वख्तु हल ।
गजि मे फिकरु तु चजि मे पामय	अज मे द्रामय तमना । ।
कृष्ण नेशकल नेशकामय	शिवु नावय स्वख बर ।
सुबह हाविय मंज शामय	अज मे द्रामय तमना । ।

1. बडनि लजि ।

101 शिव कीशव सुंद युन

होशु पोशनूलु वन वनहारे ।

दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।

रॉत्य रातस असि ह्योत ग्यवनुय	ती बूज़ शिवनुय तु कीशवनुय ।
अमर्यत प्यव च्यव दारि दारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
गटु चॅज सिरियन होव दर्शुन	दर्शुन ओस अमर्यतु वर्शुन ।
तमि वर्शनु पोश फॉल्य वारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
मॉज़ि क्वन्डुसुय वुछ ज़रकॉरी	तथ अँद्य अँद्य बीठ्य लूख सॉरी ।
रंगु दिवथुय सारिनुय लारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
जेशनु नगमय जायि जायि लॉगी	स्यदथुय ह्यथ आयि रुत्य बाँगी ।
दोह गॅज़रॉव्य वारे वारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
ज्योती रूपन रूप होवुय	लायि बोय गंगु व्यस मंगुनोवुय ।
दिवथुय प्रथ चीज़स सारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
आयि बरकथ ह्यथ अतूलुय	खरचॉविथ पथ कूत डूलुय ।
स्यदथुय चायि बीठ प्यठ दारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
सानि वॉनियि हंज़ि कोमॉरी	शारदायि निशि शीर्य अंग सॉरी ।
स्यदु लॅक्ष्मीयि तस वॉकु पारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।
वनि कृष्णन दयि सुंज़ि माये	कम कम मेछि मेछि लीलाये ।
पानु दयुगथ अथ कन दारे	दयु ग्वन ग्यव प्यठ तुम्बकनारे । ।

102 महाराज तु महारेनि हुंघ तौंशेफ

गंदर्वलूक आव वायिनि बाजे ।

त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।

शक्ति पातु द्रेशट वरि करि प्रसादा	सादु शाहजादा आन्नन चाव ।
जोनून तु मोनून जगतुचि माजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
ओरु कनि जव योरु मुकटा	ओरु वासुक तु योरु चन्दनहार ।
ओरु कनि तुस्के योरु कनि वाजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
सर्वु मंगल बनि चानि वरुनय	नतु क्याह बनि सानि करुनय सुत्य ।
त्रन बवनन बरुनय आव दनु दाजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
शामु प्रबात रूप द्यान दोर च्वपोर	हास्महोर वुछ सोर समसार ।
मूह मोर स्वन ज़न कोर मनु थाजे ¹	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
सिरियि भगवान आव तीजू सुत्य बरुनय	इन्द्राज़स मुकटु जरुनय आव ।
रुचु रुचु जुचु द्रायि मंजु तीजू ताजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।
चन्दुन क्वन्ग गव क्वन्गुचे काजे	ओमकारु रूपस छ द्वरु पूजा ।
कृष्ण वैष्णु नाव खन मनुचे वाजे	त्रन बवनन हुंद राजे आव । ।

1. Crucible.

103 लॅग्नुक बयान

गनन गनन प्रेयम येलि तमि युथ वोन
परान ओस साम वीदुक्य श्रूख ब्रह्मा
परान ऑस्य साम वीदुक्य बक्ति श्रूखय
तुलान ओस पानु नारायण च्वतुर बोज़
लॅग्न वुछ ब्रह्मनव ह्योत वीद वखनुन
त्रग्वनु प्वर्शा अँगु मंजु गव नोमूदार
जट्व मंजु अँगु रूपु द्राव वीरु बँद्वय
प्रेयम बावुक स्वयम छुय तस मकानय
सु छुय च्यतुकुय व्यमरशिय¹ दीप्तिमानुय²
सु ज्योती रूपु शिवजी ओस पानय
सु ज्योती रूपु छुय हृदयुक स्वप्रकाश
सु ज्योती रूपु छुय न्यत्रन अन्दर गाश
सु ज्योती रूपु सिरियन अंदर गाश
सु ज्योती रूपु छुय सिरियस अन्दर तीज
सु ज्योती रूपु पानय शिव तु कीशव
महामायायि मन हर्शस स्यवह गव
जनानव वोन दयन कॅर पानु दया
परम ब्रह्मस पनुन त्रियि बाव बोवुख
कनन यस गव सु तँती म्वक्त सौंपुन ।
आ छ्य सुत्य सुती कर चु ख्यमा ।
यि ब्रह्मा जी ह्यथ गंदर्व लूक्य ।
शिवु शास्त्र नामु पॅर्य पॅर्य गज्ज ।
व्यँग्न चोल ज्योति रूपु गव अँगु मंजु नोन ।
बिह्थि सनम्वख कोरुन प्रथ चीज्ज आहार ।
दोपुन तस नाव छुय कालागु रुद्वय ।
छु अन्न श्रपनुक अँगु तसुन्दुय निशानय ।
तवय हृदयस अन्दर तसुन्दुय छु थानुय ।
अँगु मंजु नोन गछुन ओसुस बहानय ।
सु ज्योती रूपु छुय तत् सत् च्यत् आकाश ।
सु ज्योती रूपु छुय लॅग्नन अन्दर राश ।
सु ज्योती रूपु छुय पापन कसन नाश ।
सु ज्योती रूपु छुय प्रथ चीजुकुय बीज्ज ।
प्रसन गव अँगु मंजु तस नोन गछुन प्यव ।
कोरुन अनुग्रेह वोरुन शोम्भू सदा शिव ।
दयाये दोप दयन वॅर पानु दया ।
स्वन्दर वॉनी भवॉनी वनुनोवुख ।।

1. व्यचार ; 2. प्रकट गछुन ।

104 यँजमनस तु महाराजस कुन

न्यथ पोशुवुनि थरि फल फूल हय ।

हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।

श्याम स्वन्दर ह्यथ सर्वु सामानु साजु	राजु यूगु राजु आव मोज वुछने ।
स्वप्रकाशु बोजु हंजि वति ज़ोल जूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
तत् पदु बंगि लंगु लंगु फोल कुल हय	सत् संगु रंगु बुलबुल हय आव ।
कु किलव बस्मु मोल शिवु शिवु बूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
सत् संगुसुय कुन गँयि मशगूल हय	सत् श्रवनु सुत्यु बन्याव शुक्रदीव ।
करतान्य प्योमुत पथर गान्दु ठूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
आत्मबूदु कुलिसुय ग्यानु द्यल गूल हय	बक्त छस लंजि फल ब्रह्मानन्द ।
म्वख्तु छुस त्युहरुय शांती मूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
पजि बावु सुत्यु अनुग्रेह पूरुनायि सुत्यु	सर्वु शक्तिमाननि रायि त्रायि सुत्यु ।
बक्ति बावु तारचि ¹ प्वख्तु म्वख्तु तूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
गूपियव राधाकृष्ण कृष्ण बूल हय	पथ ब्रोंठ प्रेयमुच थॉवख कथ ।
सत् बाशायि हुन्द अमर्यत खूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
समसारु संतापु मंजु महसूल हय	प्वख्तु गछि सबज़ा सबजुय गव ।
ह्वछिमचि दाँ पचि ² वोत पाँ छूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।
ईश्वर अनुग्रेहु रूद अनुकूल हय	हनुवनु ³ दयि अन्न दनु प्रोव हय ।
कृष्णस प्रथ चीज पथ ब्रोंठ डूल हय	हँरी होशि पोशनूल हय आव ।।

1. स्वन म्वख्तु तोलनुच त्रकर ; 2. दानि; 3. सॉलिम, पूरु ।

105 पोशि पूजायि हुंज तयाँरी

ॐ कर श्रूख पर श्री गणेशाये ।

पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।

कर्म पम्पोश सोन लेम्बि खोत सरु	हर सोन गरु सानि बरु येलि चाव ।
स्वर्गुचि अछु रछु वनुवुनि आये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
जोनून तु मोनुन जगतुचि माजे	तवय द्रास त्रबवन रजे नाव ।
लगस ना पोत छयि तु ब्रोंह ग्राये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
ईकस अनीकस शरनय आये	शिव शक्ति रूपस सुत्य सुती ।
ब्योन ब्योन रूप होव माजि उमाये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
सुलि वुलि तुलमुलि ग्वरु आँग्यन्याये	पूजा कंरुम बावनाये सुत्य ।
भूतीश्वर वोर माजि रँग्यन्याये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
सतु सुत्य परबतु प्रेयमुतु माये	तिछि बजि जाये दिमु प्रेदिख्यन ।
जय कोर वामु दीव वोर शारिकाये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
खुवु कोर ज्योति रूपन सोन पाये	सानि पालनाये प्यठ छ दीवी ।
श्री महदीव वोर माजि जालाये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
अँकिन्य गामु ¹ कँर असि मनु कामनाये	तोता त्रजगत माताये ।
ज्वम्बुके श्वर वोर माजि शिवाये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
दर्मुक सोथ द्युत कर्म लीखाये	शक्ति वोर शिव शिवन वँर शक्त ।
श्री महा रुद्र वोर माजि उमाये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
शक्ति वोर शिव दय वोर दयाये	पारवँतीये वोर परमेश्वर ।
ईश्वर वोर ईश्वर यछ्रये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
मनुकिय तमना साँरिय द्राये	कौसल्याये माये सुत्य ।
श्यामु रूप रामु जुव वोर सीताये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
बागिवानुय किछ अँस जसुदाये	यिछि यँजमनबाये पादि प्रनाम ।
वेषुण रूप कृष्ण जुव वोर राधाये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
श्री महागणपत वोर वल्लभाये	सावित्रिये वोर ब्रह्मा जी ।
ग्वनुवान भगवान वोर सम्पदाये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
कश्मीर नगरुचि व्वतम जाये	शारदा पीठ छुस प्योमुत नाव ।
कॉमीश्वर वोर माजि त्रिपुराये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।
प्रान वोर बोज द्यान दासनाये	बक्ति बावनायि वोर सतु स्वबाव ।
स्वक्त कोर कृष्ण वोर शिव लीलाये	पोशि पूजायै वेलु ह्य वोट ।।

1. अकि गामुक नाव ।

106 पोशि पूजा

म्वख्तु कनि तारख छिस तापुदानस ।

बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।

आकाश पोशि वर्शुन हनि हनि छुस रथु बानु कनि छुस सिरियि भगवान ।
सायिबान बनोवमुत छुस आसमानन बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
अथस कयथ चँद्रमु ह्यथ रुमाल छुस वावुलूकपाल छुस करान गँजगाह ।
ब्रह्मा वैष्ण छुस सुत्य जॉपानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
चित्र गुप्त ताह छुस करान सामानस इन्द्राजु छुस मुख्लु बरदार ।
धर्म राजु थोवमुत प्यठ दर्मु दानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
सतु र्येश सतु जल ह्यथ मंज्र बानस कोफूर मिलविथ छिस छकान ।
सतुवय गृहुद्य छिस ह्यथ व्यमानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
गंगासागर ह्यथ छस गंगा वुदु जालान छस चँद्रभागा ।
लँक्ष्मी मीठ्य छस दिवान दामानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
नाबद आपरान महा वैद्या छस करान जमना छस वावजि वाव ।
द्वदु मॉज सरस्वती सुत्य छस पानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
जंगि थाल अनुवुन्य छस पानु स्यदा व्युग लेखान छस कर्मलीखा ।
आत्म रूप बसुवुन छु मनुकिस थानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
वासुक तु शीशनाग छँतरु बरदार छिस रँत्नन हुन्द म्वख्तुहार छुस नॉल्य ।
गटु चँज तु गाश आव सॉरिस जहानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
कुवीरजी वरुणजी खरचु बरदारुय सोर स्वर्गु द्वरुय सुत्य सुत्य ह्यथ ।
रथु छिख गँडिमृत्य मंज्र मॉदानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
इयकस प्यठ चन्दन ट्योक तीजुवानस बुथिस छुस करोरु सिरियुक तीज ।
छ्य दया गुल्य गँडिथ तस दयावानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।
अर्ग कर मनस तय पोश कर प्रानस कृष्ण पूजायि सनि दानस लग ।
जालिय पाप गालिय अग्न्यानस बँडिस भगवानस छ पोशि पूजा । ।

107 पोशि पूजा

ग्यवुन गिन्दुन नचुन तति साखिय ह्योत
वज्ञान ओस जाबजा सेतार सोंतूर
ग्यवन ओस सामवीदुक प्रथ अखा राग
तिथय पाँठ्य ह्योत त्रयव त्रयि बाव बावुन
कुनुय जॉनिथ ग्यवान आसु रँत्य रतस

यि बूजिथ मंज स्वखस त्रेयलूक गोमुत ।
दज्ञान ओस जाबजा अम्बर तु कोफूर ।
गछन ओस मंज कनन दनबाग्य दनबाग ।
स्वन्दर वॉनी अन्दर ह्योत वनुनावुन ।
शिवस तय केशवस श्यामस प्रभातस । ।

108 पोशि पूजा

बावु पम्पोश फोल्थ प्रेयमय सरसुय ।

शिव शंकरसुय छ पोशि पूजा । ।

शिव द्यान दासन वीद व्यस्तारन अमर्यत छि हारन कारन तु दीव ।
वयक्वन्ठ साँपुन साँनिस गरसुय रामेश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।
अमरनाथुकि स निशि अमरसुय तीर्थ यात्रायि द्राये ह्यथ प्वनि फल ।
सर्व तीर्थन हुंद फल छु काश्मीरसुय म्वक्तीश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।
ग्वडु आदि दीवस छु जय जयकारुय गोड दिस छस अनवॉरी ब्रॉठ ।
गँण्यशिबल जल हल मूसल दरसुय लम्बोदरसुय छ पोशि पूजा । ।
नव दल कल वन्दु अमरीश्वरसुय थँजवारि करु शंकरसुय पूज ।
वेजिब्रारि प्रेदिख्यन दिमु चँक्रधरसुय विजियेश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।
बाल प्यठ तोतलायि तोता करसुय अनन्तनागु करु नागु नागय श्रान ।
शाप चोल इन्द्रस गव आश्चरसुय वेशम्बरसुय छ पोशि पूजा । ।
अरगु पोशि बैरगुशाखायि पूज करसुय मटन वॉतिथ हटन अपराद ।
मूख्य प्यतरन मन्ज ख्यनु मातरसुय श्री भास्करसु छ पोशि पूजा । ।
शिव रागु कारकुट नागु पाठ परसुय पापहरन नागु हरतम पाप ।
भीमसैनून्य पाँठ्य सुत्य हलधरसुय हँरिहरसुय छ पोशि पूजा । ।
प्रेयमु पोशि मालु ह्यथ बालु प्यठ तरसुय सोनूशायि¹ आयि करु पोशि पूज । ।
ख्यमा करि मे द्याना स्वरसुय आधरसुय छ पोशि पूजा । ।
कूट्हेरि अँघ अँघ फेरु तथ सरसुय कूटी तीर्थुक छुस महिमा ।
आश थवु शंकरशानुनिस वरसुय कूटीश्वरसुय छ पोशि पूजा । ।
खसु र्वखसत ह्यथ नन्दकीश्वरसुय शिवस तु शिवायि करु पोशि पूज ।
परमीशोरिये तु परमीश्वरसुय जुम्बुके श्वरसुय छ पोशि पूजा । ।
त्रेशवय संज कँस्थि न्यथ व्रत दरसुय त्रनुवन्य बोयनख पादि प्रनाम ।
सेन्दिब्रारि वन्दु पान श्यामु स्वन्दरसुय पीताम्बरसुय छ पोशि पूजा । ।
खिरु खन्डु कन्दु सुत्य थाला बरसुय प्रेयमु सुत्य आपस्थि वन्दुहँस पान ।
नीलनागु नीलकन्ठस दिगम्बरसुय नीलाम्बरसुय छ पोशि पूजा । ।
दीवस्थली छ दीवी सरसुय सास्त्रिनय दीवन पादि प्रनाम ।
वासकनागु श्रानु शमु प्यमु स्वरसुय स्वयं कौसरसुय छ पोशि पूजा । ।
कपाल मूचनु बक्ति बाव करसुय पाप ख्यय गँछिथ पर शाप मूचन ।
पालवुनिस कपाल मालाधरसुय बाघम्बरसुय छ पोशि पूजा । ।
न्यत सुत्य ह्यथ पनुनिस तु व्वपरसुय शिवरागु प्रेयागु मंजु करु श्रान ।
कूटी तीर्थु पोश लागु ईश्वरसुय त्रुपुष्करसुय छ पोशि पूजा । ।
गंगुजट्टनय गँछिथ वर मंगु हरसुय चावनाव्यम अमर्यतुचिय दार ।
प्रारान छुस तसुंदिस आसरसुय जवधरसुय छ पोशि पूजा । ।
स्वयं गँछिथ प्रेयम बरसुय कालागु रुद्रस तु भँद्र कौली ।
पूजु नेशकल कल मालाधरसुय कलाशेखरसुय छ पोशि पूजा । ।

तुलमुलि परजुनॉविथ सत्ग्वरुसुय
दूप दीप आलवस ह्यथ चामरुसुय
रामु रदनु तनु मनु पूजु हरुसुय
भर्तु बालु खसु वातु प्यठ ब्रह्म सरुसुय
हम्सु दारु तरु वातु प्यठ क्वलु सरुसुय
वैष्णु रूपु जॉनिथ विशेश्वरुसुय
अरजुन दीवन ह्यथ युधिष्ठरुसुय
मनुकिस मन्दरुसु मंजु श्रीधरुसुय
परबतु शारिकायि पूजा कुरुसुय
गाल्यम संकटुकिस अस्वरुसुय
रंगु रंगु क्वन्गु पोशु फॅल्यु पॉपरुसुय
श्री महदीवस तु भस्माधरुसुय
नागु नागु फेरु कोतु यथु बवु सरुसुय
पूजु करु अन्दरु शिवु मन्दरुसुय
कृष्णसु चावि शिवु प्रेयमुकु चरुसुय
रूपु ह्यव्यसु मंजु ख्यनु मातरुसुय
राजि रेनि रॉजायि करु पोशि पूजा ।
भूतीश्वरुसुय छ पोशि पूजा । ।
प्रास्सु हरुस्वखु बरुसुय तल ।
जगतु ईश्वरुसुय छ पोशि पूजा । ।
शिवु लोलु गंगायि मंजु करु श्रानु ।
गंगाधरुसुय छ पोशि पूजा । ।
नारानु नागु कैरु द्यानु पूजा ।
दामोधरुसुय छ पोशि पूजा । ।
वामु दीव रछि मे परुसुय तल ।
चॅक्रीश्वरुसु छ पोशि पूजा । ।
जालायि बालिकायि पूजायि लागु ।
हॅरुशीश्वरुसुय छ पोशि पूजा । ।
लागु नागुनाथसु कुनु मन तयु प्रानु ।
आत्मु रूपु हरुसुय छ पोशि पूजा । ।
तीर्थु फलु दाव्यसु गरुसुय मंजु ।
षडुअख्यरुसुय छ पोशि पूजा । ।

1. दीवी; 2. पांपोर गाम ।

109 पोशि पूजा

यि केँ छ ओस लॉजिम करनि लॅग्य ती प्रसन साँपुन तिमन प्यठ पानु शिवजी ।
केँ सिख प्रथ रंगु रंगु पोशिकी डेर कोरुख शिव शक्ती रूपस अँद्य अँद्य गेर ।
अँनिख वोन दिथ च्वपॉर्य पोश साँरी करनि लॅग्य पोशि पूजा चॉर्य चॉरी ।
परान ओस सामवीदुक्य श्रूख ब्रह्मा उमा छ्य सुत्य सुती कर चु ख्यमा ।
तँमिस बास्योव अँदुर्य न्यँबुर्य शिवुय शिव चँलिस नीस्थि शिव सुन्द्य लोलु आलव ।।

110 ब्रह्मा करान शिवस पोशि पूजा

ब्रेशबस युस छु खसुवुनये	हृदयस मंज छु बसुवुनये ।
यियि ना दियि दर्शुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
पानस छु बस्म मलवुनये	इयकस छुस चंद्रमु नोनये ।
दोयुम कांह छुसनु छुय कुनुये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
प्रथ जायि छु सु आसुवुनये	संकट तु द्वख कासुवुनये ।
त्वलि मंज ह्यमोन ललवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
मायायि सँदरह छु सोनये	मुशकिल छु तथ तरुनये ।
तमि मंज सुय छु तासुवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
स्वप्रकाश रूप छुस नोनये	गाशि रस्त्यन छुनु वोनये ।
गाशि निशि रात म्वगुल ओनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
गछिना पालनायि कुनये	जाँन्य गाश हेयि बखशुनये ।
अँस्य ह्यमोन परजुनावुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
च्यथ थाव ज्यथ छुनु ज्यवुनये	सुय सत् रोजि पथ कुनुये ।
यिहँय कथ न्यथ मानवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
ग्वनु सुत्य मनसुय सोनुये	वनसुय ह्यमोन छरुनये ।
दासनायि दान दारुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
स्वनु पोश व्यनु जानोनये	शरुनय गछ तसकुनये ।
लूब छुसनु छुय न्यथुनोनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
हर नाव वॉलिजि खनुनये	शिव लूक ह्यथ प्रावुनये ।
तति छुनु ज्योन तु मरुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
स्थूल किन्य सुय छु शूबुवुनये	सूखिम रूप देह निशि ब्योनये ।
मायायि अँद्य रोजवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
असि मंज बोड छु कुन जोनये	शखुच सुत्य बखुच टेठुवुनये ।
पोशि पूजायि खोत व्वनुये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
अँग्नन ह्योत प्रजलुनये	अँहवँद्य सुत्य बल न्युनये ।
ब्रह्मा सुंद तु वैष्णुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
समसार सर छु कठ्युनये	व्वन्दुकुय चन्दु छुनु छेनये ।
हर नाव छु तार तासुवुनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
खिरु खन्डु थाला ओनये	कन्दु नाबद सुत्य गोनये ।
दय हेयि दयुबतु ख्योनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।
कृष्णन बक्ति बाव वोनये	रंगु रंगु बन्गु ब्योन ब्योनये ।
दियि तस लोलु मस चोनये	करुसय पोशि वर्शुनये ।।

111 मनन माल

यिथुय रंगा वुच्छि मीना वनन आँस
ग्वनन चान्यन मनन माला बनाँवुम
चौलुम शर आश्चरु चाले लगय बो
बँडिस नावस तु ल्वकचास्स लगय बो
रंगा रंगु पोशि क्यन छँतस्न लगय बो
लगय पुशपक व्यमानस सायिबानस
ग्वलाबाह छुय च्चे म्वख म्यूव दिमयना
रुत्य दामन व्वतम जामन लमयना
शमयना चानि प्रेयमुक मस चमयना
लगय जीगस¹ ड्यकस तय म्वख्तु हास्स
ट्योका छुय ज़न स्वनु दीफा लगय बो
छ चॉनी तन स्यवह ज़ोतन लगय बो
वुच्छि च्चे ह्योतमुत पोत लूबन लगय बो
नज़र त्रॉविथ च्चे न्यूथम मन लगय बो
शक्ति नाथो च्चे यिछि शक्तियि लगय बो
यशय पुछि ख्वश बु कँस्थस छुम ह्शे नाव
दौपुन तस ही ज़गतपाला दयाला

कनन यस गव तु तस मूखी बनान आँस ।
मुकट्स प्यठ गँडिथि चाला बनाँवुम ।
मे गव स्यद तप तु ज़प माले लगय बो ।
जँरी त्वस्स तु दस्तास्स लगय बो ।
स्वन्दर न्यँत्रन पदमु पँत्रन लगय बो ।
क्वलस म्वलस तु शॉही खानुदानस ।
यिमयना ब्रॉठकुन मुशकाह ह्यमयना ।
शस्न गँडिथि पस्न पादन प्यमयना ।
नमयना छस शस्न आमुच़ बो मीना ।
वन्दय सोरुय च्चे हिविस शूबिदास्स ।
प्रज़लवुन छुय स्वन्दर रूपा लगय बो ।
यि गॉडमुत छुय च्चे छुय शूबन लगय बो ।
जँरी च्वगस कमर बन्दस लगय बो ।
मे छम चॉन्य बावना बक्ती लगय बो ।
दिनस हर्शस तु आनन्दस लगय बो ।
अशे सुत्य गौड दिमय कासुम पशेबाव ।
मनन माला गन्ड्य छ्य राजु चाला ।।

1. दसतार ।

112 मनन माल गंडुन्य

बक्तु वत्सलु मोनुख म्याँन्य मननुय । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।	निद्दयासनु ग्यानु दीप ज़ाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । मंज छिय अन्द ह्यथ मायाजाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । सुय ज़ानि यस बनि युथ ह्युव हल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । तीबरु वॉरगुक सूरु वाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । तिमुनुय आयि मंगु कॉल्य यँच काल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । चान्यन गछि ना तर छिम लाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । शाह पूर वरताव अथि ह्यथ माल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । कुनिरुकि खलु फलु वुछ म्वख्तु हल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । समु द्रेशटु ज़लु फिर माला माल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । छंडनस लौगमुत छुस पाताल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । यूगीश्वरु छुय मूर्खु सुंद साल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । बानु रोस्तु कर्मु ह्यून छुस कंगाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । वर दिम इन्दु चँदु छुख दयाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । स्यँज साजु गँर सूज़िथ संबाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । बक्तु कर मीना बाव हीमाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । तप गव स्यद अथि मँठु ज़पु माल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । । चँक्रीश्वरु छुय त्रुजगतपाल । शक्ति नाथु गंडुयो मननुय माल । ।
--	--

Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

कृष्णस हस्वखु म्बख हाव पनुनुय थपि खास्तन प्यठ सूहम बाल ।
फीर्य फीर्य नीर्य नीर्य न्यस्नयि वननुय शक्ति नाथु गंडयो मननुय माल । ।

1. पोहस मंज कुल्यन हुंद हाल; 2. बयानक रूप; 3. बाँसुक कुल; 4. नियम तु संयम रूप डूर्य; 5. वर्य, बिना; 6. लय करुन; 7. सिन्गारुक छु; 8. अथस मंज मँशिथ ।

113 लंकस्न (गँहनु ज़ेवर) हुंद इन्तिज़ाम

दयन दयायि सुत्य ह्योत दयि बतु ख्योन शक्त यियि व्वलसनस समसार दारे यिहँय कथ गँयि शिवनाथस कनन मंज़ दोपुख तँम्य लन्कस्न क्याह गँयि वँनितोम व्यनथ कँरुहँस महाराज़ा चु थव कन दोपुख तँम्य गँहनु तय स्वन कथ छि वनन सु छ अन्न ह्युव ज़ि सन्दारि प्रानन व्वपुद येलि कम तु अमदम युथ म्वलुल गव तिथुय बुतरँच प्यठ व्वतपत बनन स्वन यि वँनिथ गँयि बेपस्वायिसुय राय ह्योतुन स्वनु शीन वालुन दारि दारे	ज़नानव वनुवुनि वॉनी अंदर वोन । गछि आसुन लन्कस्न रजु कोमारे । सु छुना सास्नुय वॉतिथ मनन मंज़ । स्व क्वसु अवशद छ वँनिथ पछ मे अँनितोम । महारेनि लन्कस्न गँयि गँहनु तय स्वन । कनन कँरितोम छुना कौंसि बनन । छु क्याह तथ ग्वन बो युथ स्वन छुसनु ज्ञानन । ह्युवुय शाह व गदा असि व्वन्य करुन प्यव । हिविय सॉरी बनन अद लूष निशि प्यन । कँरुन गगराय गँहनस किच कँखि जाय । गँहनु वोत वॉरिव्युक रजु कोमारे । ।
---	---

114 महारेनि गँहनु बापथ स्वनु शीनुक बयान

स्वनु शीनु बुतरात बसनय आये ।

जयजय भगवत मायाये । ।

सास्त्रिनय गँहनुकिय तमना द्राये शंकस्न यि कें छ्र लन्कस्न त्रॉव ।
झय गज्ज स्वनुकिय खँत्य बूमिकाये जयजय भगवत मायाये । ।
शस्नय आय च्चे बे परवाये बडि दयि यितु पननि दयाये प्यठ ।
दरि नय जल प्यन लरि तय जाये जयजय भगवत मायाये । ।
समु द्रेशटि सुत्य ह्योत पोत त्रेशनाये राजन छ वाजन सुत्य क्वसु कोम¹ ।
राजुबायि हिशि द्रायि च्चवन्जु तय दाये जयजय भगवत मायाये । ।
स्वनुकुय अवतार दोर स्वनुशाये² खँत्य प्रथ शाये स्वनु किय डेर ।
ख्वश गव यी ईश्वर यछ्रये जयजय भगवत मायाये । ।
सास्त्रिनय स्यद गँयि मनु कामनाये लूब च्चोल कुस कस रूद मोहताज ।
सोरुय समसार गव कुनिय त्राये जयजय भगवत मायाये । ।
दयि दनु असि व्वन्य छुनु बावनाये सुय दनु गछि यमि निशि गँयि सीर ।
अदु मोन्ग ती सारी प्रजाये जयजय भगवत मायाये । ।
कर्म फल व्वपुदोव दर्मु श्रदाये लूब येलि गोल मूह पानय च्चोल ।
पर तु पान यकसान बोजनु आये जयजय भगवत मायाये । ।
लूब कास कृष्णस कर व्वपाये च्यथ शखुच हन्जि शूबाये सुत्य ।
हवुस दर्शुन प्रथ जायि जाये जयजय भगवत मायाये । ।

1. कॉम; 2. सोनूशाय ।

115 महामाया लक्ष्मी हुंद दर्शुन

महामायायि प्रेत्यख होव दर्शुन रूदकि बदल प्यवान ओस लाल वर्शुन ।
करान आँस्य पानुवँन्य सम्वाद साँरी कँखि बा व्वन्य लर्यन खसुनुच तयाँरी ।
खँसिव बा प्यठ लर्यन ज़न शीन वॉलिव मँखि बा व्वन्य कँखि क्याह कूत चॉलिव । ।

116 लालन तु गवहस्र वुच्छि शोरि आलम

सँमिवो लूकव शीन ज़न वालव ।

पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।

आन्गनन टेंग खँत्य पोत ह्योत बालव	कुठ्य पोस्र खेत तालवन सुत्य ।
द्वर्गत त्रॉव गत प्रॉव जदालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।
शिवनाथ सॉमियो व्वन्य कूत च़ालव	क्याह बनि सान्यव ज़ालव सुत्य ।
वथ हेयि लगुन्य व्वन्य पेठ्य बंगालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।
कम छुनु प्योमुत कुच्छि ¹ संबालव	क्याह बनि फ़वतर्यव तु थालव सुत्य ।
वानु वॉल्य वानन गँयि दिथ फालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।
इन्द्राज़न तोरु कोस्रख आलव	क्याह बनि तुंहद्यव नालव सुत्य ।
बूज़िन शिवजी ओबस्स डालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।
लोलुक ओश त्रोव च़ालव च़ालव	म्वक्तु त्रोव न्यँत्रुक्यव लालव सुत्य ।
कृष्णो ज़प कर मालव मालव	पश आयि बँर्य बँर्य लालव सुत्य । ।

1. गुदाम ।

117 प्रेथ्वी मातायि हुंद फँरियाद

वननि लँज प्रेथ्वी किथुकँन्य दर्य बो यिथय पाँठ्य वालि योदवय क्याह कर्य बो ।
वननि लँज यी जगत रखिपालसुय कुन पज्या यमि हलु त्रावुन लालु वर्शुन । ।

118 प्रेथ्वी मातायि हृदि तरफु तोता

पालवुनि यमि हलु वथ लँज बाल बाल ।

बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।

चानि पालनायि सुत्य बाल त्रुजगत पाल	चालवन्य छस बो जगतुक बार ।
हसनाख्य ¹ मॉस्थि खॉस्थस पाताल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
बयु कास दयु म्रैत्यंजयु अकाल	जय शिवु ओमकारु छम चॉन्य सथ ।
कम करतु स्वनु शीनस दम बो संबाल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
खंडु खंडु कश्मीरु कौशी नयपाल	बक्त चॉन्य थवुवन्य छि मे प्यठ पाद ।
तिन्हदि पासु कैलासु वासु कासतम जाल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
दशिब्वजु त्रावु कौचाह अशिने चाल	नशि मा समसार पशि कोताह ।
पालवुनि यित सालु शूबा बु यमि हलु	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
शौक्लु रंगु गंगुजटु दारुवुनि बूलबाल	न्यथुननि ननुगु नालमति स्टुहँथ ।
मंगु क्याह चै टंगु आयसु बोजतम नाल	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
स्थावस्नु मंजु बडि बलु स्वस्तु हीमाल	स्वनु शीनु सुत्यन कावस्नु ² छस
न्यँत्रुक्यव लालव कोताह बु म्वक्तु वालु	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।
नेशकलु कलुमालु दारुवुनि कलुवालु	प्रेयमु मसुकिय प्यालु कृष्णस चाव ।
मँसती अनतस अदु बनि मतवालु	बाल यूत चाल कूत लाल वर्शुन ।।

1. हिर्नाक्ष नावुक दुत; 2. श्वकुन, सुकड्ना ।

119 स्वनु शीन वुच्छि हॉरॅनी हुंद बयान

वुच्छि स्वनु शीन गॅयि हॉरान सॉशि
शक्तिनाथो बख्त दिनस लगयो
ग्वसान्यो जूग्य सॅन्यासो लगयो
अँबीदु बक्तके बावो लगयो
अनाहदु शब्दु¹ के नादो² लगयो
च्यतुकि चेतन्य सतकि संगो लगयो
शॅमिथ समसारु वॉरगो लगयो
शिव प्रेयमुकि अनन्दो लगयो
कमलु चरनो मनकि स्वरनो लगयो
ग्यानुकि यूगुके होशो लगयो
असत त्रॉविथ सतकि वीरो लगयो
दया दर्मुकि व्यचारो लगयो
अविनाशो च्यत् आकाशो लगयो
कुनुय ऑसिथ बहूस्यामो लगयो
यछ्र गनुनस प्रकट बननस लगयो
देहचि सूरॅच करनि लगनस लगयो
चे सॉखी रोजनस प्वरशो लगयो
कुमारु सुंदि गॅण्यशि सुंदि माल्यो लगयो
लगयो जुव पनुन अरपन करुयो
खबर कति ऑस युथ आसख चु शिवजी
खबर कति ऑस छुख हने हने मंज
महत्मु चानि निशि अँस्य डॅल्यमुत्य अँस्य
स्वनुक चोल लूब दनुक द्राव असि तमना
पस्म ब्रह्मो लगयो पॉर्य पॉरी ।
शखुच सुत्य व्वलसनस यिनस लगयो ।
ज्यत इंद्रेय यूगु अब्यासो लगयो ।
प्रेयवुनि रामु सुन्दि नावो लगयो ।
पदम पादो स्यदो सादो लगयो ।
रंगन हुन्दि रंगु बेरंगो लगयो ।
देहकि त्यागो सतकि रागो लगयो ।
अमस्नाथकि स्वच्छयंदो लगयो ।
अन्दर हृदयिकि स्वन्दर वरनो लगयो ।
फोलिथ हृदयिकि पम्पोशो लगयो ।
सतोग्वन रूपु बोजवीरो लगयो ।
न्यराकारो न्यराहारो लगयो ।
मनकि गाशो स्वप्रकाशो लगयो ।
मनकि आरामु श्री रामो लगयो ।
सु बेयि पानस कुनुय अनुनस लगयो ।
देहन मंज्र मूह गॅच्छि लगनस लगयो ।
सौरूपय द्रेशटि हुंदि हरशो लगयो ।
जगत व्वतपत कसन वाल्यो लगयो ।
कँस्थि अरपन जुवस ज़िन्दय मरुयो ।
पननि पानय मंज्रय बासख चु शिवजी ।
कुनुय ऑसिथ चु आसख प्रथ कुने मंज्र ।
चे कोसुथ लूब लूबन वॅल्यमुत्य आस्य ।
सपुन मोलूम सौरुय कर चु ख्यमा ।।

1. अनाहत्; 2 शब्द ।

120 हीमाल तु मीनावँती बेयि बाकुरय ज़नानन हुंद इज़हार

श्रोग ज़ोन शिव रूप द्रोग ज़ोन स्वन ।

राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।

असि ओस राजुसी हुंद अंदकार	पांछि मोहरि कडुहोन राजु कोमॉर ।
स्वनु र्वपु दिमुहोस सुत्य अख जु मन	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।
शिवनाथ ख्वश साँपुन छि काँपन	दस्निय जल लरि लरि फेरन ।
ब्रन पेयि बोनि पेयि बरनु आयि वन	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।
वाँनी वँनिमुच्च आँस वीदन	श्रूच्च गव स्वन पानय छु श्रोच्चन ।
सूरु बठिनिय प्यठ अज़ छु डोलन	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।
बयि कास दयि असि द्राव अरमान	यि वुछ्छि लँक्ष्मी गँयि हँरान ।
यिछ्छि मायायि निशि स्व छ मंदछ्छन	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।
नावु किन्य बूज़िमुत्य आँस्य असि लाल	राज़स साँनिस आँस अख माल ।
तोदु तोदु आन्गनन मंज़ छि वुन्यक्यन	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।
खोतमुत अंदकार वोथ राजन	वेच्चि कुस मेच्चि खोतु श्रोग गव स्वन ।
राजु कोमार्यन कुस च्वम्बि कन	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।
आपदा छ तापु सुत्य किथु गलि स्वन	वाति कति बुतरँच्च कुल्य छि फेरन ।
प्राण किथु पाँठ्य नवि बवि नय अन्न	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।
सूरु मति पम्पोश हिव्य छिय पाद	असि छ खबर यमि शखँच्च आसि साद ।
नूर आसि सूर तय सूर आसि स्वन	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।
न्यथ ही सत् च्यत् आनन्दुगन	कृष्णस नादन कुन थाव कन ।
कुन्दन स्वन छस स्वय सुमरन	राय कति आँस डय गज़ प्यन । ।

121 सास्त्रिय हुंज प्रार्थना बूज़िथ शिवजीयुन स्वन शीन तुलनुक इन्तिज़ाम

असान असान दपान ओसुख सदा शिव
स्यवह ख्वश साँपनुस तुन्हज़न बु लँहस
गँडिथ गुल्य वोनुख तस ही महेश्वर
छि काँपन तापु सुत्य गलि नु स्वन
हिविय साँरिय बनन अदु मानि कुस कस
कँखि ज़ीवन हुन्दे बचनुक व्वपाया
व्यनथ बूज़िथ अमरनाथन असुन ह्योत
दोपुन वावुलूकपालस दानि दाने
वँट्थि सोरुय कँखि थावुन चु यकजा
दितुन वावस तिथुय अदु बल तु ज़ोरुय
अँकिस सातस अन्दर बुतरात गँयि नँन्य
सेदिस सादस यि वोनहोस ती करुन प्योस
कृष्ण लीला परिय बोजुस ग्वसाने
मनस अन वारु पछ समसारु वने

मँगिव तोह्य वारियाह स्वन वुनि क्याह प्यव ।
स्योदुय वँनितोम व्वन्य छि क्य़ाज़ि त्रँहस ।
हँरी हर कर दया बुतरँच वँछ थर ।
न्यबर बुतरँच फल किथ पाँठ्य नेस ।
स्यवह पेमुत्य छि पायस बस कँखि बस ।
ज़गत रछनुच कँड्वि नँन्य वैष्णु माया ।
तिथय आकाशि प्यठ ओबरन वसुन ह्योत ।
वटनि हे स्वन शीनस शीनु माने ।
बन्यस सँमीर परबत क्याह छु परवा ।
अँकिस ख्यनु मात्रस मंज़ वोटुन सोरुय ।
फरागथ ज़ीवु ज़ाँचन वारु साँपुन्य ।
ज़गत सोरुय त्युथुय साँपुन यिथुय ओस ।
सँमीस्स द्युत बजर चाने यछये ।
ग्यानुक स्वन दि बोज़ सरतलि म्याने ।।

122 रजदान साँबनि तरफ़ तोता

येछि चानि दानि दानि वचि स्वनु शीनु मानि ।

हा ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।

नन्गु छुस लोगमुत मंज़ प्यवुनि शानि जंगु छमनु किथु पाँठ्य पक् मैज़िलस ।
अन्गु हीनिस श्रान करनाव गंगु वानि हा ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
नेशब्द कोरनस मायायि हुंजि ठनि फवक् फोट¹ गँज़रुम ट्वक् रुदस्स² ।
स्वख्तु छुम बासान जंगतुचि साँलानि हा ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
संकल्पु चूर मंज़ मच्चि न्यँद्री म्यानि अँन्य वासना ह्यथ छु सँन्य जागन ।
गंडु थव च्यत् दनु मंज़ मनु हमियानि³ हा ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
बावुक्य पोश आँस्य पछि हुंजि पोशानि रागु द्वेशि रानि वति लूटु नियिनस ।
राजु यूगु राजु आय अदालँच चानि हा ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
त्रेशना तु ममता मीलित्थ माँन्य मानि माजि कोरि मेजम खानुदास्स ।
संतोशुक स्वन न्यूहोम मे दानि दानि हा ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
गंडु छु सँमीर सुत्य जाँन्य मालायि सानि सँमीर छुख चुय तु मालि फँल्य छि दीव ।
यिछि सुमरनि फिस्निय सीवु चानि मानि हा ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।
कृष्णस श्रान शिवु-शखुच हन्दि गंगु वानि माजि भवानि हन्दि पासु करुनाव ।
तमि पानि पपि तस परम आनन्दु दानि हा ग्वसानि सानि सरतलि करतु स्वन । ।

1. नकली (imitation); 2. पोज़ जवाँहिर (real jewel); 3. locker ।

123 रजदान साँबनि तरफ (शिव रात्री हुंद मतलब)

झारा अख कोरुथ खँत्य स्वनुकिय कोह
 मन्गन छिस दीव छुस शिव रात्री नाव
 यि कें छ आँस्य नु ज्ञानन गव ति व्वतपत
 सदा शिवुन बजर अमी दोह नोन गव
 स्यवह बोड तीज ज़ाला लिंगानुय कोर
 ब्रह्मा तय वेष्ण जी आव प्रेदिख्यन दिथ
 सु छुय पूसन मंदछ तस छु मन्जूर
 परा शक्तियि छु ख्वश आमुत यिहोय दोह
 कोमाँरी रूप तस मानन छि साँरी
 लदन छख बाग बागन² तोर फीस्थि
 करान छख सारिनिय गॉबुच³ स्व बरकत
 वटुक भैख यिवान छुय सारिनिय सान
 छु हस्नागस अमी दोह पोन्थ नेस्न
 अमी दोह बानु स्सत्यन बानु मेलन
 अनन साँरी अमी दोह क़ालु बानय
 डुल्यन डुल्यजन अन्दर भैख छि साँरी
 अमी दोह छ्य यिवान योत स्यन्दु ब्राँरुय
 छि साँरी ताँयफ हवन पनुन कार
 बनान अलमास पारुद संगि फारस
 लगन अमि रँच गैबुय⁹ कास्खानय
 दपान स्यन्दमान राजु रूद हुशियार
 शबे कदर व शबे मेराज मानन
 फकथ हुशियार रोजुन बँड गथुय छ्य
 ह्यकखनय केंह वटक व्यसतारुसुय गिन्द
 बसाविय प्यत्रलूकस मूख्य दाविय
 अम्युक सादक छु अभिनव गुप्त आचॉरी
 मुनीश्वर बोड रँखीश्वर बोड तँपीश्वर
 शिकॉस्सि ह्य अमी दोह पाप गँयि माफ
 छि अँस्य अनज्ञान कति ज्ञानव अमिच वथ
 छि यिछनुय रँचनुय मंज अख सतुच राथ
 यिछी शिवरँच जयजयकार सोनुय
 यिहँय शिव रात सोनुय गुर यियतन
 करुन्थ ईकस अँनीकस छ्य यि पूजा
 तवय ईकस अँनीकस छुय चै द्युन नाद
 दपान पथ कालि शिवस रूठ शक्ती
 मनस मंज ओस तस मॉनय मलाला
 छु बासन फागनस मंज माघ तय पोह ।
 अमी दोह कामुदीव बैयि नोव ज़ाव ।
 व्रतुक व्रत छुय च्यतुक च्यत छुय सतुक सत् ।
 यि ज़ाला लिंगकुय¹ हला वनुन प्यव ।
 सुदर्शन चँक्र बखशिथ येम्य वेष्ण वोर ।
 सु युथ जोनुख तु त्युथ तिम गँयि फल निथ ।
 ततिय प्यठ अरदु प्रकस्म शिव सुन्द पूर ।
 यिवान लारान दिवान बक्त्यन गस्न छेह ।
 छि हेरुच बूग तस सोज़न च्वपाँरी ।
 स्वखुक्य सामानु सोज़न छख स्व शीस्थि ।
 यिहँय बरकत शक्तिपातुच छ हस्कत ।
 स्यदँच हुंद सारिनिय बखशन छु सामान ।
 छि पानिक्य बानु पानय चस्खु फेरन ।
 छि कासन दिवताह अथ रँच खेलन ।
 यिमन खान्दर तिमन मेलन छि पानय ।
 यिहुन्ज सीवा दिवथ लागन च्वपाँरी ।
 छ य्वसु कामा बनन छस शूब साँरुय ।
 समन दरती⁴ पवन⁵ नब⁶ पोन्थ⁷ तय नार⁸ ।
 यि दोह पालुन छु रुत प्रथ कुनि दास्स ।
 ननन छि बाँतिनिस जॉहिर निशानय ।
 स्यदथ ह्यथ गव तु लोदुन शंकराचार ।
 तिमय यथ रँच यिमय क्वदरत छि ज्ञानन ।
 स्वरुन अय केंह करुन अय क्याह कथुय छ्य ।
 वुन्थँदुर कर शुर्यन सुत्य ज़ारुसुय गिन्द ।
 बनाविय बक्त लूका लूक हाविय ।
 तँमी समसार सरस सासु बँद्य ताँरी ।
 लिवन डुवन ग्यवन छिय तस ह्यवन वर ।
 क्वकर्मन शीन ज़न त्रोवुन प्यव्य ताफ ।
 अमी बडि दोह असि कासिय सु द्वर्गथ ।
 यिहँय शिव रात शिवनाथुन्थ सतरात ।
 यिहोय कर्म मानुवुन्थ साँरिय छि प्रोनुय ।
 यिहँय हेरत विभूती असि दियतन ।
 अँमिस निशि पापुक प्वन्युक छुन परवा ।
 करिय प्रसाद ज़नमन हुन्ज च़लिय व्याद ।
 तिमन निशि गँयि यिमन आँस बक्ती ।
 खयाला गोस प्योस ह्यवुन जलाला ।

प्रपंचुक फुटनि लोग अदु व्यवहारुय कॅमिस रूज़ शक्त करिहे कारोबारुय ।
कॅमिस रूज़ शक्त घाना स्वरिहे कांह फरगॅच्च सान साथा बरिहे कांह ।
सॅमिथ गॅयि पांछ कारन मनुनॉवुख परा शक्तियि पनुन्य शक्त हॉवुख ।
न्यराकारस त्युथुय कारा करुन प्यव शिवुय गव शक्त शक्ति गॅयि सदा शिव ।
यि सॉरुय शक्तिनाथुन्य छुस वनन गीत सु मायातीत खान्दर छुम वनुन हीत ।
अरूपन शिव रूपय रूप होवुम ल्वले मंज़ लोल सुत्य अदु ललनोवुम ।
न्यरन्ज़न शिव सुन्ज़ शकला कॅरिथ आम दोहस रातस ग्यवुन ह्यमु सुबह ता शाम । ।

1. ज्योर्तिलिन्ग; 2. तकदीर ; 3. unexpected; 4-8. पांछ महाभूत; 9. unknown ।

124 सारिनय हुंद ख्वश गछुन

बो क्याह वनु लूकनुय तति हल क्युथ गव
बो क्याह वनु लूकनुय तति क्युथ सपुन मन
स्यवह हीमाल येलि ख्वशहल साँपुन
कोरुम चाने दयायि सुत्य मे युथ कार

बँनिथ येति ओस महाराजा सदा शिव ।
बन्योमुत ओस येति भगवान यँजमन ।
करनि लोग आरती नारायणस कुन ।
पस्य लीला कस्य बावुक नमस्कार ।।

125 हीमालनि तरफु यँजमन नारायणुन्य तोता

गोकुलानन्दु गोविन्दु गोपालय ।

नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।

मधुकीट्ठ माखुनि ह्य द्द चूस्य मनु मंजलिस मंज कस्य गूरु गूस्य ।
गोपीनाथु बालु त्रुजगतपालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
यादव क्वलुके माधव रामय ही न्यर्मलु नेशकलु नेशकामय ।
गूर्य बालकन सुत्यु माखुनि छलय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
राधाकृष्णु त्रेय नादा लायय श्रीधरु प्रेयमु स्वरु मुरली वायय ।
रोजु रामु बोजु सामवीदचि तालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
हृदयस मंजु बसुवुनि न्यथ लसुवुनि असुवुनि आसुवुनि गरुडस खसुवुनि ।
नालुमति स्टुहँथ मो दिम डलय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
हनि हनि मंजु आसुवुनि वासुदेवय रासु मन्दुल खेलुवुनि कृष्णु जुवय ।
न्यथ बासुवुनि सत् यमि कलिकालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
पंकजु तनि विजियंती माला तरजु¹ अकि नॉल्य तय मोज दोबाला² ।
संतु छुय वॅलिथ बसंतु दुशालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
केशवु शिवु रूपु नारायणय वोन दिथ नोन गोख बिन्दराबनय ।
च्योन ह्योत चोन प्रेयमु मस प्यालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
विदुर जिथिनुय गरु येलि चाखुय बावनायि सुत्यु ख्योथ स्युवमुत हाखुय ।
कति गोख तति कोखन हुन्द सालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
द्रौपदीयि अकि कृष्णु नावु सुत्यु श्यामय पाँदु गँयि तस कृत्य वस्त्र तु जामय ।
यैत्यु कँडिस दुर्योधनुनय नालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
चानि मायायि सुत्यु मंजु द्वारिकाये मथुरायि हुन्जु हिशि लरि तय जाये ।
पाँदु गँयि अकि ख्यनु मंजु कमि हलय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
अजामिल द्राव बोड बागिवानुय नेचिविस तस नाव ओस नाराणय ।
मेति विजि फूर तस ती अकालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
श्री भगवानु छुख पानु प्रथ जाये कुस वोट कुस वाति चानि मायाये ।
म्वकुलाव असि यमि मूह ने जालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।
कृष्णस शिवु रूपु दर्शुन दितु च्यय सुय च्यय सुय केवलु छुखनु जुय ।
श्यामु प्रभवात रूपु हावतस कालय नादु ब्यन्दु परस्मानंदु नंदुलालय ।।

1. तँसिकु; 2. दोगुन्य शूबा ।

126 ज़नानव दैस्य शोम्भू जीयिन्य तोता

गोशि प्यठ होशि पोशनूल छुख च्चु बोलन ।

बोज़न छस्य ताक् दारे प्यठ । ।

सत् संग् रंग् बुलबुल छुख च्चु शूबन	नेर फेर होशि पोशि बागन न्यथ ।
म्वखत् तुलि युस चानि बोलि कन दारे	बोज़न छस्य ताक् दारे प्यठ । ।
आशितोशि कथु चानि अमर्यत छि हसन	तिमनुय कथुनुय थोवमुत छु च्यत् ।
ऑस छुम दोरमुत अमर्यत दारे	बोज़न छस्य ताक् दारे प्यठ । ।
त्रुबवन राजे अमि थज़ि कारे	सॉस्स नेर च्चाक्वारे क्यथ ।
शालुमॉर बनोवुम मनु चे वारे	बोज़न छस्य ताक् दारे प्यठ । ।
महाराजु सुत्य सुत्य राजु कोमारे	तोतु ज़न द्राख वन हारे ह्यथ ।
कन थवु कथि चानि मन गोम तारे	बोज़न छस्य ताक् दारे प्यठ । ।
अतगतु पानु च्चे पतुपतु लारे	कृष्ण समसास्स लॉयिथ लथ ।
सथ छस चॉन्य न्यथ सत् व्यचारे	बोज़न छस्य ताक् दारे प्यठ । ।

127 यँजमन नारयणस कुन हीमालुन्य तोता

सोंथ आव बामुन द्राव ह्वछिभुचि हरि¹ ।

बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द ।।

बक्ति बावु पखु जरि ² सत्संगु रंगु चरि	सानि लरि प्यठ ब्यूठ रजु हमसा ।
संकट हरि असि पानस ह्युव करि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द ।।
अमर्यतुकुय सग द्युत त्वलसी थरि	स्वय त्वलसी लॉज भगवानस ।
युस युस पोश फोल सुय सुय गव वरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द ।।
शखुचु कोतर द्रायि बखुचु कोतर मरि	खुचु ³ पान वुफुनावि आकाशस ।
छेह ⁴ दिथ रत दोह हमसस सुत्य बरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द ।।
तसुन्धन चरनु कमलन असि अँछि जरि	व्वन्य कति दरि असि ग्रेह पीड ।
द्वख हरि परमु शाँती सुत्य मन बरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द ।।
दूप दीप कोफुर ह्यथ आलवस नरि	शोमकारु रूपस छ द्वरु पूजा ।
वैकुन्धाथ आव नोन द्राव सानि गरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द ।।
तस रोस्त यि कें छ बासि सोरुय ति खरि	कृष्णस क्याह करि व्यवहार ब्वद ।
शिव तु केशव स्वरि यमि बवुसरु तरि	बालादरि ब्यूठ बाला मकुन्द ।।

1. लंजि; 2. लाजि; 3 युक्ति; 4. थफ ।

128 शिवजी सुंद प्रसन सपदुन

तोता बूज़िथ स्यवह ख्वश गव सु केशव	सु दामोदर सु वेशम्बर सु माधव ।
सपनि स्यद सास्निय मनु कामनाये	दपान ऑसिस यि कोर चाने दयाये ।
तिथय नारदजुवन सेतार वीयुन	तिथय अद नाद ब्यन्दस नाद लीयुन ।
पदम पदस स्यदस सादस द्युतुन नाद	करुम प्रसाद छुख सादन हुन्दुय साद । ।

129 नारद जियुन ग्यवुन

सत् प्वर्शन हृन्दि सत् ज्ञनय ।

ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।

न्यर्ग्वनय न्यरंज्ञनय	अथ रूपस बो क्याह वनय ।
छुख च्चु सॉखी च्यत् च्चैननय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।
यनु प्यठ गोस च्चे निशि छ्नय	जीवतस मंज्ञ आसय ह्यनय ।
चंच्च्यल गोस मरनु ज्ञनय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।
टोव्हॉमय अकिय ख्यनय	वासनायन मंज्ञ कति छ्नय ।
युथ ओसुस त्युथ बेयि बनय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।
सॉन्य सादन छ व्यनय तु प्रनय	चैनवुन्य छि च्चेय मंज्ञ मनय ।
सुत्य व्यचारु सतोग्वनय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।
शिवु रूपस लगयो पॉरी	मूल तलु छुख न्यरकॉरी ।
वॅन्य यिवान छुख मंज्ञ मनय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।
मोच्चरावतम पथकुन सत् च्यत्	चावनावतम आनन्दु अमर्यत ।
तमि चनय च्चेय ह्युव बनय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।
त्रियि वॉनियि त्रेयलोचनय	वनवुनुय बूजुथ कनय ।
अदु बुतरात बॅरुथ स्वनय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।
च्यत् व्यमर्शय छुख ज्योतिरूपय	हृदयस मंज्ञ प्रज्ञलान दीफुय ।
सिरियि प्रज्ञल्याव अमि प्रज्ञलनय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।
शखुच्च सुतिय आख व्वलसनय	हनुवनय ¹ न्यरंज्ञनय ।
लद कृष्णस सुय दयि दनय	ही सत् च्यत् आनन्दुगनय । ।

1. सम्पूर्ण ।

130 शिवजी सुंद नारदजियस जवाब

सतुक स्वर बूज़िथय ख्वश गोस सत्ग्वर । प्रशन बूज़िथ व्वतर कोरनस बराबर । ।

सत्जन बन मन कर कैलासुय ।

बैसती मंज वनवासुय रोज । ।

च्यत किन्ध बस्म मल वल अँतलासुय	सादु प्रकरँच सँन्यासुय रोज ।
ॐ शिव शोम्भू कर अब्यासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
वेशय त्यागकुय दर माघु मासुय	सत् संगकुय व्वपवासुय कर ।
आत्म तीर्थ मन नाव मूह मस कासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
पान परजुनॉविथ पानय म आसुय	सर्व संकल्पन ग्रासुय कर ।
तलु प्यठ त्रॉविथ त्राव तलवासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
श्री कृष्ण महाराजन ख्यूल रासुय	गूपियि शुराह सासुय ह्यथ ।
बालु ब्रह्मचॉरी तोति नाव द्रासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
महामाया ह्यथ र्छुन दासुय	शिवनाथु हृदया वासुय छुय ।
तोति तस नाव द्राव सादू सँन्यासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।
कृष्ण अँदरिमि त्याग मल सूरु सासुय	न्यँबरिमि रागु व्वलासुय कर ।
शुकदीवस गव यी वँनिथ व्यासुय	बैसती मंज वनवासुय रोज । ।

131 ज्ञानानन हृदि तरफु

नन्दन बागस मंज न्यर्बन्दन ।
संत बीठ्य चन्दन कुलिनय तल । ।
च्यत् सिरियि नोन द्राव मूह गट कति ऑस वति ऑस मंज आकाशस जांड ।
छया छ वन्दन माया छ अन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनय तल । ।
चरनार्ब्यन्दन कलु छिस वन्दन जसुदा नन्दन परमुगत हॉव ।
नेशकामु कर्मु दानि दर्मु द्वद छि मन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनय तल । ।
दीवलूक ह्यथ तत्पद सत् श्रवनुय परमु शिवुन केशवनुय कोर ।
मूह गोल चोल प्रथ कुनिकुय बन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनय तल । ।
समोज व्यथानस¹ कुनुय म्ख गव अनन्तु स्वख गव सर्वु व्यवहार ।
द्वख चोल म्ख होव ब्रह्मानन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनय तल । ।
अबीदु बखुच हुन्द श्रवनुय छु ग्यवनुय विवेक् ज्यवनुय ह्यवनुय छि मोज ।
सेष्टी हुन्ज बीदु द्रैष्टी छ वन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनय तल । ।
शिवु प्रेयमु आनन्दु र्सुनुय मस कॅर्य दॅह्वय इन्द्रिय बेह्यस कॅर्य ।
सत्संगु बंगु चनुकिय स्वगन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनय तल । ।
समसारु मायि मंज न्यरमाया कर कृष्णस मूह हर ही हरिहर ।
चानि रायि कुस वाति मायायि फन्दन संत बीठ्य चन्दन कुलिनय तल । ।

1. जागरत अवस्था ।

vvv vvv

खंड 2: (घ) बरत वापसी

132 बरत वापसी हुन्ज तयोरी

करनि लॅग्य नेस्नुच सॉरी तयोरी सम्बालनि लॅग्य पनुन्य पनुन्य सवॉरी ।
वेष्णजी वोथ कोछे क्यथ ह्यथ सदा शिव सु बूद¹ कति अनु वनय तति हल क्युथ गव ।
प्रभाता² श्यामु रूप ह्यथ कोछि क्यथ द्राव ज़नानव वोन गटे मंज़ गाश ह्य आव ।
थिछ्य मीनावॅती वॉनी वनान आँस कनन अन्दर गॅछ्थि मूखी बनान आँस । ।

1. ब्वद, अकुल; 2. शंकर ।

133 यँजमनस कुन

होशि पोशनूलु थव कन ।

वाँनी वन हारि लोलो । ।

राधा कृष्ण कृष्ण वन लोलनि अँश्य दारि लोलो ।
रंगु किन्थ तस ह्युव बन वाँनी वन हारि लोलो । ।
ग्वडु कर मन बिन्दराबन अदु नेर बँर्य तु दारि लोलो ।
श्यामु रूप वुछ हन हन वाँनी वन हारि लोलो । ।
चाव वीदु कामदीनि थन बखुच्च हुन्दि चँड्य वारि लोलो ।
चथ बन आनन्दुगन वाँनी वन हारि लोलो । ।
पति त्रेतियि गूपियन कोस्मुत छु मन तारि लोलो ।
व्यापक वासुदीवन वाँनी वन हारि लोलो । ।
प्रेयमु सुत्य कर मन रुखमन नाद लायुस प्यारि लोलो ।
बक्ति बावु ईक बनि द्वन वाँनी वन हारि लोलो । ।
बोज़ जसुदा छ ललवन मूह पूतनायि मारि लोलो ।
यिछि बबि द्वद चन सत्जन वाँनी वन हारि लोलो । ।
बक्ती मंज बन अरजन रथु बानु सु लारि लोलो ।
किसि प्यठ छुस गोवर्धन वाँनी वन हारि लोलो । ।
मनु वाजे कृष्ण नाव खन दैरु अलमास तारि लोलो ।
माजि यिम राजि तस हिव्य ज्यन वाँनी वन हारि लोलो । ।
हिंसायि कमसस मासुन सूख्यमु दारि तलवारि लोलो ।
च्यत वुजमलु गटु कासन वाँनी वन हारि लोलो । ।
खँट्य खँट्य छु नोन बासन अँन्दरिमि छेपि छरि लोलो ।
गलि पानय कूडु दुर्योधन वाँनी वन हारि लोलो । ।
वृन्दावनुकुय वन मन म्योन व्वश्चारि लोलो ।
सबजु जन लागि चरनन वाँनी वन हारि लोलो । ।
दास येति रास खेलन व्यास नारुद ति लारि लोलो ।
बोलुनावन शुकदीव जन वाँनी वन हारि लोलो । ।
यूगियव बूगिथ बूगन दोपहस ब्रह्मचारु लोलो
न्यर्मलु नेशकलु न्यर्गवन वाँनी वन हारि लोलो । ।
कृष्णस टेठ वेष्णार्पन नतु येति क्याह लारि लोलो ।
जाँन्य मंज तस ति सूहम अन वाँनी वन हारि लोलो । ।

134 विष्णु भगवानस कुन तोता

बालक अवस्थायि लगयो बो ।

मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।

बाल कृष्ण छल मारन यितमो गोपाल नन्दलाल सुत्य नितमो ।
श्यामु प्रेयमु द्वद दामु दामु चतमो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
त्रुजगत पालु नालु मति स्थो पूतना गालुवुनि कोछि ह्यमुथो ।
द्वद थनि चूर गूर गूर करयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
जसुदानन्दु पतुपतु यिमयो गोपीनाथ आलव दिमयो ।
रग छुम चोनय तु जाग ह्यमयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
बज गोविन्द गोविन्द करयो असुवुनि गिन्दुवुनि जिन्दु मरयो ।
बडि दयि चानि बाल खेल स्वरयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
दयु अवतार ह्यनुसुय लगयो दीवकी निशि ज्यनुसुय लगयो ।
श्री कृष्ण नाव प्यनुसुय लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
वसुदीवनिस निनुसुय लगयो गोकुल ह्यथ यिनुसुय लगयो ।
जसुदायि द्वद चनुसुय लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
श्यामु स्वन्दर वरनस लगयो जमनायि मँज्य तरनस लगयो ।
नाशि रँस्ति बाशि करनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
पूतनायि दाम दिनुसुय लगयो दाम दिथ प्रान ह्यनुसुय लगयो ।
प्रेयमुच थँन्य ख्यनुसुय लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
जसुदा पतु लारनस लगयो थँक रँविथ प्रारनस लगयो ।
गन्डुनस कलु दारनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
आन्गनुक्य कुल्य त्रावनस लगयो दिवताह बनावनस लगयो ।
आकाँश्य वुफुनावनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
श्यामु रंगु जामु पॉसनस लगयो कामदीनु रछनि नेसनस लगयो ।
गूर्य शूर्य ह्यथ फेसनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
बंसरी शद्ध त्रावनस लगयो गूपियन बोजनावनस लगयो ।
दयु लोल गँजरावनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
गूर्य गरि मन मेलनस लगयो ठु कसनस तु गेलनस लगयो ।
रासु मंडुल खेलनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
इन्द्रस कूद वालनस लगयो अन्तु रौस्त रूद वालनस लगयो ।
गोकलुक्य लूख पालनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
गोवर्धन दारनस लगयो कोह किसि प्यठ खासनस लगयो ।
राख्यस तु दुत मारनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
अक्रूर ग्वतु दावनस लगयो पानि मंजु तन हावनस लगयो ।
आश्चर्य वुछिनावनस लगयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।
कमसान्तक कूदु निशि शमयो पम्पोशि पादन मीठ्य दिमयो ।
न्यत चोन चर्नामरत चमयो मनु मंजलिस मंज करय होहो । ।

कृष्ण आँस मुञ्जरावनस लगयो	वैष्णु विश्वरूप हवनस लगयो ।
जसुदा मँजरावनस लगयो	मनु मंजलिस मंज कस्य होहो । ।
शूर्य खँट्ठि थावनस लगयो	वैष्णु चूरि निवुनावनस लगयो ।
बेयि तिथ्य बनुनावनस लगयो	मनु मंजलिस मंज कस्य होहो । ।
ब्रह्मा मन्दुखवनस लगयो	गुल्य गँड्ठि वदुनावनस लगयो ।
कृष्ण गीत ग्यवुनावनस लगयो	मनु मंजलिस मंज कस्य होहो । ।

135 हँरिह्र सुन्ज तोता

मधुकैट्ब माखुनि, खदु वेश दाखुनि ।
श्वद शांत द्दु चूर, गूर गूर कस्यो ॥
शाहर शहर गाम गाम राम राम परयो ।
दख्यनु व्वतर पछु पूर गूर गूर कस्यो ॥
छिय बसंत रंग जाम यिनु चानि फ्वजमु श्यामु ।
लंजि लंजि मूरि मूरि गूर गूर कस्यो ॥
कर ह्षीकेशु रागु द्वेशिकिस शीशस ।
खंजि खंजि चूर चूर गूर गूर कस्यो ॥
बोम्बूर गीता छ गूपियि गावन ।
स्वर्गु मन्डलुचि हूर गूर गूर कस्यो ॥
सिरियि दर्शुन दित मूह गटि मंजु नित ।
यित नूरकि नूर गूर गूर कस्यो ॥
होशि अँलशि पोशिकिस गोशस प्यठ बेह ।
श्यामु रंगु बोम्बूर गूर गूर कस्यो ॥
त्वलसी छवय हीयि तन बो नावय ।
फँल्यलु मुश्कु कोफूरु गूर गूर कस्यो ॥
मननुकि¹ तेलनु निद्दयासन² टैठ ।
श्रवनुकि³ कनु दूर गूर गूर कस्यो ॥
राजु यूगु राजु बोजु साँन्य ताजु ताजु स्वर ।
प्रेयमु साजु सौन्तूरु गूर गूर कस्यो ॥
देह अबिमानुक कुल हेयि छनुनुय ।
तीबरु वॉरागु सूरु गूर गूर कस्यो ॥
ही हँरि ह्र पाप हर कृष्णस कर ।
अनुग्रेह पूर पूर गूर गूर कस्यो ॥

1. मनन, व्यचार, व्यमर्श कँस्थि; 2. निद्दयासन, द्यान, समाद यिमन हुन्ज अवस्था; 3. सत् श्रवनुकि ।

136 यँजमन सत्य नारायण सुन्ज तोता

ॐ सत् च्यत् आनन्दुगनु टेठ ।

सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।

शमु दमु टेठ दमु दमु ओम टेठ	सत् संगुके समागमु टेठ ।
सत् प्वरुशन हुन्दि सत्जनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
ईक अनीक म्वखु ख्यनु ख्यनु टेठ	शिव शक्ति रूपु द्वयि लख्यनु टेठ ।
त्रैग्वन स्वस्तु त्रैयलोचनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
न्यरग्वनु टेठ न्यरंजनु टेठ	चेतन्य च्यतुके च्चैननु टेठ ।
अकि पोशुवुनि चुय मंज मनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
केशव केशव केशवु टेठ	ही शिवु ही शिवु ही शिवु टेठ ।
गरुडसनु ब्रेशबासनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
न्यथ चोन व्रत दरु श्रीधरु टेठ	श्यामु स्वन्दरु बस्माधरु टेठ ।
सुदर्शनु शंकरुशनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
कौशी नाथु मंज तपुवनु टेठ	द्वारिकानाथु मंज बिन्दराबनु टेठ ।
अजोद्या नाथु रामु रादनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
अमरुनाथु श्वबु दर्शनु टेठ	शिवनाथु अमरुयतु वर्शनु टेठ ।
वैषनाथु ¹ कपालु मूचनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
अनुग्रैह सुत्यन हनुवनु टेठ	पालवुनि नयपालके बनु टेठ ।
वस्त्र रस्ति वस्त्रवनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
गरि गरि ख्यनु ख्यनु घनु घनु टेठ	आकाशु पातालु हैरि ब्वनु टेठ ।
पूरि पछ्मु व्वतरु दखिनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।
श्यामु रूपु टेठ प्रबातु रूपु टेठ	स्वप्रकाशि रूपु ज्योति रूपु टेठ ।
कृष्णस शिव रौँच हुँदि घनु टेठ	सत्य दीवु सत्य नारायणु टेठ । ।

1. विश्वनाथ ।

137 शिव तु विष्णु सृज्ज अस्तुती

कर मे पदमु पॅत्रन न्यत्रन मंज वास ।
रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।

सिरियि रूपु माया छ चॉनी छया उस माया का भेद किसीने न पाया ।
पानु छुख मायायि मंज न्यस्माया देखने देवलोक वह माया आया ।।
ब्रह्मा वैष्ण रुद्र इन्द्र शुक्रदेव व्यास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।
रधा कृष्णा रामा श्यामा अरे नन्दलाला अरे निश्कामा ।
ख्यख ना के ह चख ना अख दामा गँजरावख ना मे ति सुदामा ।।
व्ददास छुस बो दास संकट मे कास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।
त्रुजगत पाला बालु गोपाला देवकी नन्दना दीनु दयाला ।
हटि छुय कोसतब¹ मन बेयि वनु माला अरे नन्दलाला बंसरी वाला ।।
सासु बजु त्रियि छ्य पतु मॅल्य मॅल्य सास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।
जसुदा बॅन्य बॅन्य कलु च़ेय वन्दुना कर्मु कृयि द्यानु दानि दर्मु द्वद मन्दुना ।
हल च़ेय ग्वन्दु² ना च़ेय सुत्य गिन्दुना त्रॉविथ बवु बन्दना देवकी नन्दना ।।
आसरु चानि आस ब्रजिबॉसियि पास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।
अच्युतु च़्यतसुय म्यॉनिस मंज गन सत् कर सत्यभामा मन रुखमण ।
रधा प्रान म्यॉन्य पानस कुन अन व्रॅच गूपियन तन हाव सनम्वख नन ।।
ख्यनु ख्यनु छ्यनु³ मे आस श्वास-उश्वास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।
सुखियन स्वख दिथ दुखियन द्वख कास तनु स्वख मनु स्वख दिथ सनम्वख आस ।
शुराह कलायि स्वस्त चोन आबास शुराह सिंगारु पुरिथ व्वलास ।।
शुराह⁴ छुख च ह्यथ त्रियि शुराह सास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।
गोपीनाथु च़ेय पतुपतु लारु ना मुस्ली शब्दु न्यूथ मन कन दारु ना ।
गच्छुखय छ्यनु अकि ख्यनु पान मारु ना शामस तान्य च़ेय श्यामु रूपु प्रारु ना ।।
कामुदीनु ह्यथ यिख नतु बन वनुवास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।
पोशनूलु संद्य पॉठ्य लोल ओल यीरु ना वॅन्य वॅन्य कृष्णु गीत वनुवुनि फेरु ना ।
पीताम्बरुकिय वस्त्र पॉरु ना वृन्दावनुके वनु किन्य नेरु ना ।।
हीमाल छुस बु दास ह्यथ कैलास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।
अकि नरि रुखमण बेयि नरि रधा अथुवास केरिथ छ्य कर मे प्रसादा ।
बंसरी वायिवुनि लायोय नादा हॉविथ पदमु पादा गाल व्वपादा ।।
कृष्णस प्रेत्यख्य बास आसपास आसपास रस खेलवुनि अथु रठ चठ मु अथुवास ।।।

1. कौस्तुभ; 2. बावुन (कहना); 3. चिन, च्युह; 4. बचि, बालुक ।

138 नारायण सुन्ज तोता

शंखचूड मारुवनि मोर मुकट दारुवनि पाताल प्रेथ्वी खारुवनि लगयो ।
संकट हारुवनि बवु सरु तारुवनि खगु खगु अवतार दारुवनि लगयो ।
शुकदेव सॉमियस बीदु द्रेश्ट गालुवनि व्यासु म्वखु वीद व्यस्तारुवनि लगयो ।
वशिष्ठ सुन्दि म्वखु द्वख न्यवारुवनि मूख्य व्वपाय व्वदारुवनि लगयो ।
नारद मुनियस बक्त रथि खारुवनि साम वीदस कन दारुवनि लगयो ।
वाल्मीकी सुन्जि जैवि अमर्यत हारुवनि रामु कथा उश्चारुवनि लगयो ।
म्रेति विजि द्यानु सॉन्य प्रान संदारुवनि कृष्णस दयि नाव यारुवनि लगयो ।।

139 यँजमन सुंज तोता

नारायणो नारायणो ।
परमेश्वर पूरुख पूरुनो । ।
अंतह कसनन हुन्दि आबासो चेतन ब्रह्मो च्यत् आकाशो ।
साँखी प्वरुशो च्यत् चैननो नारायणो नारायणो । ।
जगतनाथो ज़नार्दनो ही न्यर्मलु नेशकलु न्यर्ग्वनो ।
न्यराकारो न्यरन्जिनो नारायणो नारायणो । ।
वीदान्तन गेविमुति गोविन्दो पान चैय वन्दुयो माधव मुकुन्दो ।
मूह मद गालुवुनि मधुसूदनो नारायणो नारायणो । ।
बखुच हुन्ज सीता बोज हुन्दि वनो छन्डन सुत्य ह्यथ सतोग्वनो ।
राम आत्मा ज्ञान मन लक्ष्मणो नारायणो नारायणो । ।
अनतु अजोद्यायि मंज रत द्यनो बावुक भरुत¹ छुय पूजनो ।
सुत्य ह्यथ श्रदायि शत्रुघ्नो नारायणो नारायणो । ।
श्वद वासनायि हुन्द विभीषणो करुवुन पान चैय पथ अरपनो ।
राघव रघुनाथ रघुनन्दनो नारायणो नारायणो । ।
द्यानुक हनुमान तनु मनो नाव चोन हृदयस छुय लेखनो ।
तमि सुत्य मूह लंकायि ज़ालनो नारायणो नारायणो । ।
गोपीनाथु जसुदा नन्दनो बक्त्यन हॉविथ चरुनारु ब्यन्दो ।
वोन दिथ नोन गोख बिन्दराबनो नारायणो नारायणो । ।
परम ब्रह्मो परमानन्दो गोर्यन सुत्य बूगुथ आनन्दो ।
ज्योन मरुन छ्योन चाने ज्यनो नारायणो नारायणो । ।
देह अन्दुकारकि मूह दासनो राख्यस प्रकरँच हुन्दि मारुनो ।
स्वय मूखी छ्य कमसु² रावनो³ नारायणो नारायणो । ।
ग्यानुकि वेग्यानु द्यानुकि द्यानो यूगकि यूगो प्रानुकि प्रानो ।
मायायि हुन्द अन्त चानि ज्ञाननो नारायणो नारायणो । ।
न्यरागर्गल⁴ न्यरान्तर मनो आनन्दु अमर्यत चाव च्यत्गनो ।
अजपा जप येग्यनि जप जपनो नारायणो नारायणो । ।
नॅमीशु-व्वनमीशु प्रथ ख्यनुख्यनो सनम्वख रोज़तम सनातनो ।
न्यवरँच हुंजि वँच प्रवरँच बनो नारायणो नारायणो । ।
त्रन कालन हुंदि ह्यसु फेरुनो तमि फेरु छुनु कुन नेरुनो ।
शिव रूपु द्रुस⁵ चोन ओड प्रेदिख्यनो नारायणो नारायणो । ।
मायायि म्युल कसुकि तेलनो तेलन तेलन चानि मेलनो ।
दासन हुंदे रास खेलनो नारायणो नारायणो । ।
दीवन त्रप्पी चाने ख्यनो पॅत्रन यिथु सग मूलस दिनो ।
प्यत्रन आप्या चानि तरपनो नारायणो नारायणो । ।
थावरु जंगम⁶ छुख हनि हनो देह द्रेशटी कर व्यसरज्जनो⁷ ।
कृष्णस रूप हाव वेष्णार्पनो नारायणो नारायणो । ।

Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

1. भरत जी; 2 क मसासुर ; 3. रवण; 4. निरर्गल, आज़ाद, बेरोक; 5. दुरुस्त, सँही ; 6. स्थावर जंगम, सृष्टि ; 7. विसर्जन ।

140 शिव रूपु नारायणस कुन तोता

दर्मुक दैर कोर खँत्य हॉस्वनुसुय रंगु रंगु पोशन कोर अंबार ।
मादलि त्वलसी आस्वलि व्यनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
गरि द्रायि बावनायि सुत्य दर्शनसुय चाय परबत रजुनुय दरबार ।
आय चँक्रीश्वरुसुय प्रेदिख्यनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
सँमीर परबत कोह खोत स्वनुसुय स्यदुपीठ साखिय प्रोव आदिकार ।
नाश गव दारेद्रस अँकिस ख्यनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु गोकुलस त बिन्दरबनुसुय जयजय छु नोन द्राव कृष्ण अवतार ।
जयजय छु गूपियन त गोवर्धनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु वसुदीवनिस च्यड ह्यनुसुय जयजय छु दीवकियि यमि चोल बार ।
जयजय छु द्वख अंद बंद रोजनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु बलबँद्रस त अरजनुसुय बक्ती मंज्र यिम द्रायि सरदार ।
जयजय छु तथ विश्व रूपु दर्शनसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु दशरथ रजुनिस ग्वनुसुय माजि कौसल्यायि बारम बार ।
जयजय छु अजोध्यायि रामु जुव ज्यनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु रामुचँद्रस त लँक्षमणसुय सीता मातायि जयजयकार ।
जयजय छु भरतस त शत्रुघ्नसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
जयजय छु वावलूकपाल नन्दनुसुय येम्य गौन्ड लचि सुत्य लंकायि नार ।
जयजय छु सुग्रीवस विभीषणसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
मन म्योन पतु लारि मधुसूदनसुय कामु कू दु कमसस दिवनावि मार ।
होश कति हारि मारि मूह रावणसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
कोह आव ब्रॉठ दोह वोत प्यठ ख्यनुसुय तार दियि करि पंचालस¹ पार ।
सतुचिय थ्यथ थवि श्वद च्यत् मनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
वनुवन सोन गव मंज्र त्रुबवनुसुय थवुनुय तस प्यव ग्यवुनुय सार ।
मानुवन छु बक्त रजस त न्यर्दनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
हीतु अकि मायातीतु न्यर्ग्वनुसुय माहामाययि सुत्य व्यवाहकार ।
शीतु पीतु वरु² स्वरु टैठ रात द्यनुसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
वनुवन यि कें छ्र ओस प्रथ वनुसुय ती वातुनोव गूपियव गुपकार ।
वारु आव शंकराचार वलसनसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।
अनुग्रेह चोन मंज्र अन्नसुय त दनुसुय वॉसि तान्य पोशिनावि होशि व्यवहार ।
कृष्णस तोशि मंज्र पोशि वर्शनसुय नारायणसुय छु जयजयकार । ।

1. पीर पंचाल बाल - मतलब छु सखती हुंद पहाड ; 2. सफ़ेद त ल्योदुर वरु (श्वेताम्बर त पीताम्बर) ।

141 शिव केशव कुनुय जॉनिथ मीनावँती करन तोता

श्यामु स्वन्दर बेह स्वन्दर जाये ।

वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।

प्राण पवन सुत्यन मुचरु आये नव द्वार देह द्वारिकाये लोलो ।
व्रँच गूपियि चैय वुछ्ने द्राये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
बालु रठ नालमति सुत्य पालनाये सानि बखुच हन्जि क्वबजाये लोलो ।
नेशकामु स्यद कर मनु कामनाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
तेठ्योख गजेंद्रस कथ वेद्याये आयिस्सि¹ कथ श्रदाये लोलो ।
कमि श्रोचि ख्वश सपनुख शिवराये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
केवल बखुच हुन्द कर मे वपाये सुत्य पननि प्रेयमु तु माये लोलो ।
वासुदेव वास कर मंज वासनाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
राजु दास्स चाँनिस बेख्याये आँदीन कर्मु हीन आये लोलो ।
चारु कर मे आरुकचि सुशीलाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
सुदाम जॉनिथ कर मे वपाये वोलमुत छुस जिशवये लोलो ।
छ्वचरुय म्योन पूर सुत्य पूरनाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
बानु रोस्त द्रामुत छुस बेख्याये वून्छमुत² दैवु सम्पदाये लोलो ।
बेखिकस मे त्राव राजु हमसुन साये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
फल दायक् चानि खलु किन्य आये अनुग्रैह मे तोल पूरु त्राये लोलो ।
वोवमुत केँहति छुमनु कर्मु बूमिकाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
शोजराव संकटु ग्रैह दशाये वुल्ट समयस प्यठ जाये लोलो ।
फिरुथुर कर चु सानि कर्मुलीखाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
बावु मचिकुन्द³ म्योन पननि यछये सोव मंज मूह न्यँद्राये लोलो ।
वुजुनाव मंज सुमरँच ग्वफाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
पानस पतु दोरनाव म्यानि राये सिरियि रूपु अन पोत छये लोलो ।
जाल मद्रु कालु यवनस कायाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
मार्कन्डी⁴ ज़न चानि आशाये आयस⁵ मंगुने चै आये लोलो ।
कालस मे ग्रास करतु बास जायि जाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
आत्मा रामु निवरँच हन्जि राये सुत्य पख मे शांत सीताये लोलो ।
उन्ड कर प्रवरँच श्रुपनखाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
गाल मूह रावणस तु क्रूदु सेनाये जाल लूबुच लंकाये लोलो ।
विवेक् मनु लँक्षमणने बाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
सतग्वनु प्रकरँच कौसल्याये म्वख हव सुत्य दयाये लोलो ।
राज कर आनन्दु अजोध्याये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
ग्यान ताज दिथ द्यानु दास्नाये सुत्य स्वतंत्रताये लोलो ।
च्यत् तखतस बेह ह्यथ समताये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।
हुशार रोज मंज यूगु निन्द्राये ह्यथ समु द्रेशटि ईकृताये लोलो ।
तुर्या⁶ रूपु मंज राजु सबाये वथुरॉय मनु मथुराये लोलो । ।

अज तान्य कृत्याह गँयि कृत्य आये वतु गत यथ यात्राये लोलो ।
ईकु कुस वीत चानि अनीकताये वथुरँय मनु मथुराये लोलो ।।
वीर कैर्य यीरु चानि वेष्णु मायाये बडि दयि बेपस्वाये लोलो ।
यिम तँर्य तु तिम तौर्य चानि क्रपाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो ।।
मेति तार बवसरु आवलनि जाये सुत्य व्यवेक्⁷ व्वपाये लोलो ।
युथ देह डूंग सूहम ह्मु वाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो ।।
केशव नाव ज़पुनाव बावनाये अज़पा ज़पु मालाये लोलो ।
मन नाव आत्म तीर्थुचि जमनाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो ।।
रामु चँद्व शिवु लगहोय ईकताये हँविथ चँद्व कलाये लोलो ।
मूह गटु कास म्यानि बोज़ मीनाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो ।।
सावदान मन कर यँजमन बाये ख्वसु द्रायि मंज प्रजाये लोलो ।
वस्तस व्वन्य वॉनियि कन्याये वथुरँय मनु मथुराये लोलो ।।
वेषु रूपु व्यूग ल्यूख कर्मलीखाये सुत्य नाना वरनाये लोलो ।
शक्तिपातु द्रेष्ट थव प्यठ नेशटये वथुरँय मनु मथुराये लोलो ।।
कस्नीशौरियन हुन्जु गूर्य बाये रास खेलनि ननि द्राये लोलो ।
थफ कर कृष्णनि रागु राधाये वथुरँय मनु मथुराये लोलो ।।

1. अख नाव; 2. त्रोवमुत, छेड हुवा; 3. मचकुंद राजु; 4. मार्कण्डेय; 5. वुमुर, वॉसु; 6. चूस्मि अवस्था; 7. विवेक ।

142 बरआमदगी बरत

रातस द्यन गव बँसतियि वन गव ।

मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।

मनुकुय हीथ करुवुन कर्मन गव मनकुय प्रेतीत गव दयु लाब ।
मनुकुय च्यत जेनुन त्रुबवन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
मन गव मीलित्थ सुय हनहन गव मनकुय मानुन गव समसार ।
मेथ्या नेश्चय सोन पूरन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
ब्रह्म व्यच्चास्स मंज अख ख्यन गव पकनु रोस्तुय प्रॉव तीर्थ यात्रा ।
नेश्कल बीठ्य सोफल प्रेदिख्यन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
नचुवुनि व्रँच हर्कँच निशि छ्यन गव पन गव प्रवरँच प्रेचि म्वकलिथ ।
यिछि सुमरँच यँचकाल अख ख्यन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
शब्दस अँछ गँयि अँछुनय कन गव आनन्दुगन गव च्यत् ब्वद ह्यथ ।
सुशपत्त तुरिया ज़ागरत्त¹ ज़न गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
द्यन तु रँच शुर्य तु बॉच मँशरावुन गव रावुरावुन गव मूर्ख व्यवहार ।
राग द्वेशि चूसस सुत्य वरतन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
ईक बास्याव मिलुनॉविथ द्वन गव मनु रुखमण गव क्वछि क्यथ ह्यथ ।
पास्स मीलित्थ शँस्तर स्वन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
प्रकरँच बखशिथ श्वद सत्ग्वन गव ह्यस व्यसरुन गव व्यवहारुक ।
टेबि टेबि मीलित्थ अथसुय पन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
रावुन तु प्रावुन ज़न व्वपरन गव अद कुस र्यन² असि पथकुन रूद ।
सानि म्वखु रायि ओस बूग बूगुन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
युथ हल वेग्यानवान यूगियन गव भगवद्गीता अथ छ सॉखी ।
यथ प्यठ स्यद पशन जगनन गव³ मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
श्वद ज़ागरत्तकुय विशेश रस गव सुय अब्यास गव गूपियन रूड⁴ ।
संकल्पन तु व्यकल्पन छ्यन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
न्यराकरु सुन्द रूप त्रुबवन गव सर्व आकार होवुन वेशु⁵ रूप ।
डीशिथ आश्चरस अरज़न गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
तस निशि स्वर्गुक राजु मन्दछ्न गव यस खोहवरि किसि व्यठ खॉस्थि ।
गासु कचि खोत लोत गोवर्धन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
द्रौपदीयि येलि अंबार फ्यरनन गव दुशासन गव कँड्य कँड्य तन्ना ।
ह्यथ सबा रूज़िथ दुर्योधन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।
शीतल कोमल मन शीशु नाग गव तँथ्य प्यठ कुष्णुन राग गव स्यद ।
वयक्वन्त्स ह्युव बिन्दराबन गव मन गव ह्यथ मनमोहन नाथ ।।

1. सुशप्ति तु तुर्या यिम ज़ अवस्थायि बनेयि ज़ाग्रत अवस्था; 2. ऋण; 3. पश्यन्न तु जघनन - वुछुन, मुशुक ह्योन बेतरी (वुछ्वि गीता जी अ. 5, श्रौ. 8,9); 4. अब्यास कस्नुक आदत; 5. विश्व रूप ।

143 शंकर पार्वती हुन्दिस नेस्नस प्यठ मीनावैती तोता करन

लथ लॉयिथ समसास्स ।

पतु लास्स लँतिये ।।

हमसु नावुकिस जानवास्स नॉल्य जामु छिस छेतिये ।
वुफि तार्यम हमसुदास्स पतु लास्स लँतिये ।।
सूर कोर तँम्य अन्दुकास्स युस वोर सूरु मँतिये ।
बोति दास्नायि द्यान दास्स पतु लास्स लँतिये ।।
अथ तीजु रूपु आकास्स फेरु ब्रूठ्य तय पँतिये ।
पोपुर ज़न गतु मास्स पतु लास्स लँतिये ।।
लोलु फम्बुकिस अम्बास्स रेह मे दिच सूरु मँतिये ।
श्रेह मे छुम व्वन्य कति प्रास्स पतु लास्स लँतिये ।।
आरुवल मंज़ लोलु नास्स दँजमुच प्रेयमु सुतिये ।
शेहजास्स छि मंज़ आस्स पतु लास्स लँतिये ।।
न्यथ लगु सत् व्यचास्स सत् बासुनाव सँतिये ।
स्वर फिरतु च्यत् सेतास्स पतु लास्स लँतिये ।।
वन्दुन छुम पान यास्स अन्दुन छुम येतिये ।
चन्दुन गोम दिवदास्स पतु लास्स लँतिये ।।
ग्रज़ वँछ स्वन्दरि नास्स येत्य ऑसिथ छि तँतिये ।
वनुवनुसुय कन दास्स पतु लास्स लँतिये ।।
छलु मॉर्य मॉर्य ल्वक्चास्स कैर्य मे पोशन फँतिये ।
शेरि लागस जटुधास्स पतु लास्स लँतिये ।।
कृष्णुन दफतु बालुयास्स करिहेस नालुमँतिये ।
मेलि शँस्तर तु संगि फास्स पतु लास्स लँतिये ।।

144 महाराजु, महारेनि तु यँजन सुंद नेरुन

हँरिहर द्राव ह्यथ महाराजु महारेन्य दयिय दय ओस तति गँयि दयिगत नँन्य ।
ह्योतुख स्वखसत खबर प्रथ जायि साँपुन्य शरन शिवजी सुन्जे मायायि साँपुन्य ।
वेशम्बर¹ लोग विशेश्वर² ह्यथ पकाँने हलम बँर्य बँर्य लँगिस त्वलसी छकाँने ।
पकान नेशकल कोछे क्यथ द्राव न्यर्मल छकान आँसिस लर्यव प्यठ ब्यल तय मादल ।
हस्स साँपुन हँरिकेशव बन्यव शिव अद्वेत रुपु नारायण प्रकट गव ।।

1. विश्वम्बर = विष्णु; 2. विश्वेश्वर = शंकर ।

145 पार्वती हुन्द व्यमानस खसुन

व्यमानस क्यथ पकान ह्यथ अँस्य भवॉनी	स्यदत अथ ब्रॉठ ब्रॉठ ऑसुस दवॉनी ।
करान ज़यज़य ज़या ऑसुस दया ह्यथ	व्यतसता नर्मदा गंगा गँया ह्यथ ।
त्रुसंघा रुद्रसंघा पवनसंघा	करान आसु घानु तसुन्दे श्रान संघा ।
पकान अमर्यत छकान अमरावती ऑस	ग्यवान तस गीत पानय सरस्वती ऑस ।
शेयव तरफव वनान तस भैरवी अँस्य	परान तस पांच त्वत् पंचस्तवी अँस्य ।
स्वन्दर वॉनी स्वन्दर लहरी परान अँस्य	महामाया महामाया करान अँस्य ।।

146 शारिका रूपच अस्तुती

सुमरनि चानि सॉरी पाप हॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।
हॉरी हॉरी लगोय पॉर्य पारी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
संकट कट छख ही मुकटदारी	तीजु चानि प्रजलनु आव समसार ।
सिहम आसनुचिय छ्य सवॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
गौरी नावस लगहोय पॉर्य पॉरी	चाव प्रेयमु द्वद चडुवॉरिय ।
जॉनिख अभिनव गुप्त आचॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
नॅट्य लछुल्य आकाशन ग्रटन तॉरी	नोन नीरिथ वोन महिमा चोन ।
परमु शक्त मॉनिख शंकराचॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
शिव-शक्ती रूप जॉनिथ च्वपॉरी	गुल्य गॅड्धि वोननय यॉरी मे कर ।
ह्यथ नखस नियिनख मंज कश्टवॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
निथ सॅमीस्स तान्य लॉर्य लॉरी	कति ऑस वातनुच शख्त ओस सख्त ।
पखतु प्रेदिख्यनु पाप न्यवॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
शारिका नाव छुय बाव छुम चोनुय	नोव नोवराव त्राव प्रोनुय याद ।
हल बाव वाल पापन हुन्द्य बॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
आदि शक्त पानु छख सर्वु आदिकॉरी	पूजा करुवन्य सॉरिय छिय ।
साद संत बैरंग्य जूग्य ब्रह्मचॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
चॅक्रीश्वरसुय छुय जयजयकारुय	साखिय रोट दरबारुय सुय ।
स्यदु पीठु प्यठु गॅयि स्यद ह्यथ सारिय	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
चानि सुत्य सॉर्य दीव जीव व्यवहॉरी	चानि सुत्य व्वलसन आव समसार ।
चानि सुत्य सॉनी छ दुनियादॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
अशतदशु ब्वजुवुय सुत्य पखतु	ह्यतकारु पुछि छख बतु बॉगरान ।
सर्वु व्यापक छख सर्वु व्वपुकॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
कर्मुलीखा छख पानु परमु शक्ती	कर्मु सानि बक्ती लेख ।
कृति ¹ कर्मु फल छख दिवुवन्य सॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
अजपा गायत्री जप ह्योत अँदरी	श्री स्वन्दरी यूगु नेन्दरे मंज ।
मनु प्रानु द्यानु ग्यानु व्यचॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
परम आत्मु रूपु छख जगतुच सॉखी	ज्यत इन्द्रेय इन्द्रॉखी छ ।
प्रानु शखुच सुत्य छख पानु व्यवहॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
पानु छख यूगी तु पानु ग्यानी	वॉनी रूपु भवॉनी छख ।
बोज सुत्य ह्यस रुनुच व्यसतॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
चामर लागुहोय पोश चॉर्य चॉरी	चॅडि चुय छख चैतन्य सोरूप ।
च्यत् शक्त छख च्चेनुवन्य च्वपॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
मूह जालु मंजु नेरुनुक व्वपाया	कर राजु हमसुन साया त्राव ।
हमसु नावु सुत्य तार यमि हमसु वॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।
हीमालु पखतुन्य राजु कोमॉरी	चरसन लगोय पॉर्य पॉरिये ।
कृष्णुन्य बक्त बोज कन दॉर्य दॉरी	हॉरिये पखतुच हॉरिये ।।

1. कृत्य कर्म ।

147 शक्तिपात दिनु खाँतरु हीमलन्य प्रार्थना

शखुच्च रोस्त शक्त प्रावु बखुच्च रोस्त सम्बल ।

बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्य । ।

नायक् फलदायक् जन्म सौफल	लेम्बि मंजु पवल पम्पोशा ह्युव ।
क्वलदीप प्रजलनु मंजु क्वलु म्वकलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्य । ।
कलुनायि रोस्त वन्दुहॉय नेशकल कलु	कलुमालु दाखुनि कलुवालुय ।
चमु प्यालु चानि अमर्यत जलु जलु थलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्य । ।
चॅदु चूडु सिरियि न्यॅत्रु कमलु कोमलु	शीन जनु गलु मेलु जलुसुय सुत्य ।
न्यथ द्यत् वुजुमलु मंजु जलु प्रजलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्य । ।
नेशकलु वॅहरु मंजु मनु चॅच्यलु चलु	फलु रस्ति कर्मु परमुगतु प्रॉविथ ।
त्रॉविथ नर्कसु स्वर्गु मंडलु डलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्य । ।
श्रावन शीन जनु द्यानु जंगलु गलु	पानु कुनि रोजनु ज्ञानु छुसु जलु ।
चेय हिव्यु जामु वैखतु केवलु वलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्य । ।
नेति कर्मु द्यतु किन्यु बस्मु न्यरर्मलु मलु	नावु छुम कृष्णु हवतमु शिवु रूपु ।
शॅतरु ख्ययु रूगु निशि अकि पॅतरु ब्यलु बलु	बक्तुवत्सलु चानि शक्तिपातु सुत्य । ।

148 सतरसत - शिवजी सुंद युन

ह्यथ प्रभाता क्वछि क्यथ आव ।

श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।

रंग अँछन हुंद वुछ वुछ त्राव	छेत तु क्रु हुन नुन्दबोन ।
गाशि सुतिय गाश परजुनाव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
अख अँकिस निशि प्रथ अखा ज़ाव	असि कुनुय प्वरुश मोन ।
कुनिसुय छिय लछि बँद्य नाव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
चेतन येलि च्चैननु आव	अदु क्याह गव नौव तु प्रोन ।
जानवुन ज़ान देह द्रेश्ट त्राव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
प्रथ चीजुक सुय छु स्वबाव	प्रथ कुन्युक दयवलोन ।
रूपकुय रूप वावुकुय वाव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
प्राण ह्युव तस टैठ गँज़राव	त्वलि मंज़बाग ललवुन ।
च्यत् आँस म्वख पनुन हव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।
अख च्चेतन्य ब्रह्म नोन द्राव	वेषुण कृष्णन शिव ज़ोन ।
आत्मस प्यठ छुस कुनुय बाव	श्यामु रूप चाव गरु सोन । ।

149 शिव मायायि हुंज महिमा

न्यर्वानु पस्मुपद दर्मु सबाये ।
कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।

नामु सुमरनि स्वस्ति रामु कथाये	वन्दे वाल्मीकि कोकिलम बूल ।
जय शुकदीवनि शोगु बाशाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
तत्पद कथ पथ जंगलुचि जाये	शिवु सुन्जि राये सत्संगु पाठ ।
सत् श्रवनुय येलि वोन उमाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
बूज्जिथ शक्त गँयि मंजु निन्द्राये	व्यर्त्तुर बोज्ज अदु रूद समसार ।
रोव कोर समतायि सुत्य ममताये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
ब्द कयाह वाति ईश्वर यछये	होल तु स्योद सम-वशम रूद समसार ।
तूल ¹ गव शुकदीव तथ अवस्थाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
प्रेदिख्यन आँतु रँस्तिस दिनि द्राये	फीस्थि आयि मन्दुच्छि बीट्य ।
अर्दु प्रकस्म दुरुस छु यिछि पूजाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
आदि मद्य अन्तु रस्ति कर्मलीखाये	यूग व्यूग नाना रूपु किन्य ल्यूख ।
शिव-शक्ति रूपु तति मारान ग्राये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
तेलना ² कोर वुछ मेलनुचि जाये	फरजानगी ³ सुत्य मसतानगी ।
अँस्य कुनुय होश ह्यथ द्वयि ⁴ मंजु द्राये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
जयजय छु होशि मचुरचि बावनाये	क्राल क्रॉज कठ कँटिन्य ⁵ साँखी छि अथ ।
छ्रवुल्य बूल्य शूबि यिछि पूजाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
आशितोशि ज़ॉम ब्रांदचि आशाये	चार्युर पूर्यव ⁶ सोरुय तोग ।
चोतस्सि ⁷ छु कतरुय ⁸ राजु हमसुन साये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।
थाव ब्रह्मवत प्वश्न हन्जि त्राये	कर अखन्डु अकार राये स्वस्त ।
वर कृष्णस दिथ न्यस्वासनाये	कर्मकांडचि कोकिलाये बूल । ।

1. बे हस्कत; 2. व्यचार, मनन; 3. ग्यानुच नजर ; 4. दुविदा; 5. कौशिरि शीती हिसाबु शिव पूजा; 6. बेक लॉजी किन्य, पागलपनु किन्य; 7. आँकलस; 8. कतरि खँड ।

150 शिव सतरात (शिव रँच हृद बजर)

श्याम छुय क्वछि सूमु सिरियि रूपु प्रभात ।

शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।

तीशस प्वनर्वसुसुय ¹ छु अबिजत सात	सिरियि वोत तथ मंज लँज वँहसत ।
अमर्यतु वर्शनु फल दियि बुतरात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
छेच प्रकरँच हँगिन्य सँन्य लोच ज्ञान	बवु सरु सँदस्स मंज छि यीरान ।
म्वक्तु प्रावनाव त्राव शक्तिपात बरसात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
वटक भैखनाथ छुख चु शोम्भूनाथ	सँथी छुख चु ह्यथ सँथी सात ।
पालवुनि सालु यितु पालवुन्य छि शिवरात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
बानु रोस्त बानु प्रावि स्वय गँयि सतरात	अशक्त शक्त प्रावि गव शक्तिपात ।
फ्रस्तस तु वीरि बनि कल्प त्रेख्य तु पारिजात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
बाग्यवान सावदान असि थवतु दिन तु रात	दर्मस कर्महीनिस मे कास गात ।
बानु रँस्तिस लद दयु दनु पँहरात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
यूगु ग्यानु शखुच हृन्द दिम मे प्वरशात	शुबुराव जाँचन मंज म्यँन्य जात ।
ब्रमु शतरंज बाजि मंज मे म कर मात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
चे रोस्त पारुद ज्ञन छुस दिन तु रात	पानस कुन निम मे दीनानाथ ।
शिव शक्तिपद मानु शक्त दिम साख्यात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।
कृष्णस नालुमति रू ही शक्तीनाथ	यकजा मिलुनाव पास्स तु दात ।
सुय गव अनुग्रेह सुय गव शक्तिपात	शिव रँच हृन्दि दोह छ्य सतरात । ।

1. द्वन नख्यत्रन हृद नाव ।

151 सतरँच हूंद बयान

शिव रँच हून्दि दोह बीठ्य नेशकाम
असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
सिरियि चँद्रमु गव अन्तर्धान तथ वेशि¹ तारा मंडलस सान ।
प्रोव शिव-शक्ति कर्म दर्मु पस्मु दाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
जयु स्वस्त दयुगँच हून्ज शिवरात स्यदथुय आयि ह्यथ अबिज्यत सात ।
मेचि गव स्वन कतरि बानन त्राम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
सुय आव यस छुनु क्वल गुथुर क्राम सृत्य ह्यथ यस छु बोय हलदर राम ।
दीवकी माँज कम्पास्वर माम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
शाक्तिकि मतुचारुच² चँज पाम कैज लँज बोलनि गोविन्द नाम ।
हँज गँयि स्यँज यिछि बोज प्रनाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
दखिनाचारु वामाचारुवत येम्य हँव तँम्य प्रॉव ईश्वरुगत ।
स्यद गव रजु यूग प्रानायाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
फल दायक छि कल्प त्रेख्य तु पारिजात थ्यकनिय छ सारिनिय यिछ शिवरात ।
प्वख्तु द्राव शक्ति मार्गुक फल खाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
कँम्य कोड युथ रुत आश्चर्य मत ख्यथ चथ शांत गँयि सारियि ह्यथ ।
यूग दर्मसालि द्युत बूगुक बाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
ही रँति नाव शिवरात्री प्यव तमि दोह बेयि जिन्दु कामदीव गव ।
छुय रँति कामदीवनि त्रियि नाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
सर्वु शक्तिमानुन्य वुछ दयिगथ क्राल क्रॉज कठ कैटिन्य सॉखी छि अथ ।
ख्वश गोस स्यजरुय मानन छु आम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
प्रथ चीजस शक्तियि अथु लोग सारिनिय वातन हेरुच बोग ।
दर्मार्थ काम मूख्य हूंद पाँगाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
सारिनिय तूशतन सर्व शक्तिमान पांच दोह पूशतन अमि यमि सान ।
जॉम ब्रांद रँटिन जयि स्वस्त ज़ाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
रामचँद्रन रामेश्वर पूज फोज ह्यथ सागरस तौर तु कथ रुज ।
अदु आव लंकायि जीनिथ राम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।
सुबहस शाम गव तु रातस द्यन मन गव तस कुन ति वुछ कृष्णन ।
गामस शाहुर्य शाहुरस गाम असि वुछ क्वछि क्यथ सुबह ह्यथ शाम । ।

1. वक्तस, समयस; 2. शक्ति मत ।

152 सतरत म्वकलेयि

कँस्थि सतरत सॉरिय हर्शगन ऑस्य । शिवु प्रेयमुक चवन ऑस्य प्रयमु मस खॉस्य ।।

153 मीनावॅती हुन्दि तरफ़ तोता

बाल छुय लाल त्रटि कनि वासुक हटि ।

हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।

च्यत् वुजमलि सानि परमु आकाश खटि अद कुस छटि रागु द्वेशुक वाव ।
गाश अनि मंज गटि आश थवि मंज त्रेटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
त्रेशि हचि त्रेशनायि पान म्योन कोनु नटि यूत सोम्बरुम त्यूत व्वपद्योम लूब ।
सँदरस पोन्थ खारुन मे गोम नटि नटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
निम पानस कुन थिम दिम मे मटि मटि पालना सॉनिय मटि च्चे छ्य ।
असुवुन्थ गंगा वसुवुन्थ च्चे मंज जेटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
मनुकिस वनुसुय मंज युस पान खटि हरु हरुम्बखु च्चेय परजुनॉविथ ।
पर तु पान कुनुय विन्दि¹ कति मूह सेंन्दि फटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
वीरु बँदु चोन ज़ोर नय आसि कति म्वटि मदुकुय मद होस्त च्यत् वगि तल ।
नखु क्याह वसि थपि द्विसि हुन्दि नल वटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
शँसतुर ब्योन जन नेरि मंज कुर कटि² यस छटि चानि लोलु नारुच रेह ।
दैरकि ड्वकरि दबु सुत्य कालस च्चटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
बेहोश कोरमुत छुस मूहने लटि सूरमति थपि ब्रेशबुनि लटि सुत्य ।
यमि बवुसरु तरु अकि न तु अकि लटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
अप्रोख³ रूपस क्याह वदि⁴ क्याह गटि क्याह छ्वटि क्याह ज़ेठि येम्य तूल पान ।
रवुरावि क्याह प्रावि क्याह त्रावि क्याह रटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
देहके यावनु ख्वटि रंगमुति पटि म्वलु रस्ति छुय तावनुन बाज़ार ।
बेरंगु लयि चानि लयि म्वख्तुचि रटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
पंचि म्वखु च्वपोर सुय वाति अकि व्वटि युस ज़पि बीदु रोस्त शड्डअख्यर नाव ।
त्रन पोशन⁵ फेरि बिहथुय व्वटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।
कृष्णस छ मनि कामन दामन वटि ज़गतुक क़ुडुज़ाल नतु च्चटि तस ।
वैस्तु पाद चॉन्थ नय रटि किथु वटि हटि मेघवर्ण चानि स्वरनु आपदा । ।

1. मानि, ज्ञानि; 2. छ्वठ, कूड कस्कट ; 3. न बोज़नु यिनवोल, अव्यक्त; 4. बडि ; 5. त्रे अवस्थायि - ज़ाग्रत, स्वप्न तु सुशसि (भूः, भवः, स्वः, त्रपुटि) - वर्तमान, भविष्य, भूत) ।

154 तारकासुर मारनस मुतलक

यिम दिम बवुसरु तार	शिवु कस्नावुतारो वे ।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।
नाव छुय गंगाधार	चाव अर्यतु दारो वे ।
रूप चोन लिन्गाकार	अंग सिरियि प्रकारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
तस छु सोरुय आदिकार	सादि युस ओमकारो वे ।
सूहमसू ज्ञानि सार	ब्रम मानि समसारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
अनुग्रेहकिय अम्बार	निमु चानि दरुबारो वे ।
पाप प्वन्य ब्योन ब्योन चार	सुत्यु दर्मु व्यचारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
सामवीदस व्यसतार	दिम प्रेयमु सेतारो वे ।
वाँनियि म्यानि कन दार	ह भस्माधारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
दीव आमत्य छि लाचार	करतख व्वन्य चारो वे ।
सुत्यु सुत्यु ह्यथ कुमार	तारक दुत मारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।
कृष्णस तप जप यार	व्वडुनस छु तयारो वे ।
सोर रोज्यसनु ल्वकु चार	करतस व्वन्य चारो वे ।।
साँरिय पाप साँन्य हार	बालु कालु सम्हारो वे ।।।

155 राजदान साँबनि तरफु

होश दिम तु लगयो पम्पोशि पादन ।

सादन हुन्दि ह सादो हो । ।

यूगियन हुन्दि यूग प्राँनियन हुन्दि प्रानु	ग्याँनियन हुन्दि ग्यानो ।
चानि प्रसादु सुत्य स्यद छ तप सादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
अच्चतु चानि सुत्य च्यतकुय च्चेनुन	नतु गछि मेनुन क्रेँ जिल्यन पोन्त्य ।
प्रेयमु जल छुय वुजान बावु नागरादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
ब्रह्म जनमस यिथ छुसनु ब्रह्म सुमरँच	वुछ म म्यानि राख्यस प्रकरँच कुन ।
चानि सुत्य बक्त चाँन्य केँर प्रह्लादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
पूरन प्वर्शु छम चाँनी लादन	प्रणवु पान वन्दुहय च्वन पादन ।
नादु ब्यन्दु कन थाव सान्यन नादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
व्यचारु न्यँत्रन जाँन्य गाश अन छि अँन्य	हर हस्वखु च्चेय दिमुहोय वँन्य ।
नेशकलु मनु नेशकामु रामु रादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
अनुग्रेह चोन गछि आसुन सादन	क्याह छु पापन कमन ज़्यादन प्यठ ।
दय छुख ख्यय कर सान्यन अपरादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
कृष्णय चानि कपटनि तलु नेरिहे	अदु कति पाँरिहे जामु नँव्य नँव्य ।
पुशु कति पेयिहेस होन्जन तु रादन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।
छ्वपि मंजय तस छ्वचरा बनिहे	अदु कति वनिहे जेछर यूत ।
याद हय रोजिहेस वुनि छुस आदन	सादन हुन्दि ह सादो हो । ।

156 सतसत पतु तशरीफ तुलुन

न्यरंजन वॉतिथुय प्यव ला-मकानस । निशाना कुस वनिय तस बे निशानस ।।

157 राजदान साँबनि तरफु

रूपु रस्ति कुस ज्ञानि कमि सनु नयि गोख	दयु गोख शिनि शयि ह्यथ वेग्यान ।
सादु सत्संगुचे न्यसनयि नयि गोख	ज्यत् इन्द्रेय गोख लयस्थान ।
सादु नादु ब्यन्दु वॉनियि हुन्दि वनु गोख	नेश्कलु चय गोख न्यरअबिमान ।
आनन्द बूगनि आनन्दुगनु गोख	न्यरंजनु गोख ला-मकान ।
अद्वेतु अच्चतु अंतरद्यान गोख	दिथ वेग्यान गोख ज्ञॉन्य हुन्ज ज्ञान ।
केवल पनुन्यन निशि बेगानु गोख	शिवनाथ पानु गोख शक्तियि सान । ।

158 तशरीफबँरी प्यठ मीनावँती वनान

च्यत आनन्दुगन गोम ह्यथ मायाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
राम रामुरादन गोम ह्यथ सीताये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
नरनारायण गोम तपु चिय जाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
अँशिसुय कति छ्यन गोम तसुंजि माये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
सुत्य ह्यथ अरज्जन गोम सुभद्राये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
शब्दस पतु कन गोम तसुंजि राये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
वनु क्याह वरतन गोम अथ शिनि शाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
अंदकार अर्पन गोम अहनताये ¹	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
मिलुनॉविथ द्धन गोम दिथ निशवये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
द्रेशट तलु सतज्जन गोम मंज दारनाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
सोफल प्रेदिख्यन गोम गरि याम द्राये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
वेशु रूप हनहन गोम कुनिय त्राये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
द्रेशट तलु त्रबवन गोम मंज तुर्याये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये ।
कृष्णस पतु मन गोम बोज राधाये	हर हरम्बख वन गोम ह्यथ उमाये । ।

1. अहंकार ।

159 हीमाल तु मीनावती शिव सुन्दिस फिरकस मंज अस्तुती करन

चेय विन¹ किथु ह्यक् दोह गुजरॉविथ ।
कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
अग्यानय छुम वथ रावरॉविथ कोचन मंज फिरुनॉविथ ।
चोफेस्स² छुनतम वथ हॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
ओन छुस पकनस हतु बजु वतु छम पतु छम लारन मनु कामना ।
शूब्या गछुन चे मे पथर पाॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
दया चॉन्य आयि अज तान्य थ्यकन यथ मँजिलस लूख पकन गँयि ।
छम्बस प्यठ छुख मे चलान सॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
जयि स्वस्तु चे अथि ओस दयु लोनुय बूजिथ ज़ोनुयनु चोन महिमा ।
सति दीव कति ज़ोनुख परजुनॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
क्रेरि मंजु खार म्योन बोड्मुत पानुय भगवानु दयावानुय छुख ।
युथनु यथ नावस गछ्य मंदुछॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
कायायि कॉक्सि प्यठ छुस बो खँसिथ रोजुन तु वँसिथ प्योन छुम कूठ ।
दर्मस ब्रह्मनस नितम म्वकुलॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
छुस वोतमुत प्यठ शमशेरि दँदरि शोन्गमुत छुस मूह न्यँद्रि मंज ।
चानि जेरि रोस्त कुस हेक्यम वुजुनॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
रूशिथ चोलहँम मे डीशिथ बावुय न्यथुनँन्यसुय ब्रॉठ वावुय छुम ।
स्यँज³ हुंद जामा थोवुम पाँरॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
नफसुन्य बाम्बुर छम तम्बुलॉविथ दयु नाव चोन मँशरॉविथ मे ।
कस ह्यक् पनुन युथ हाल बाँविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
रोन⁴ छुस प्योमुत मंज माँदानस आशावानस म यूत प्रारुनाव ।
श्रदा दिहँमना अनय मन नाँविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।
कृष्णस यूत आँदीन गँजरॉविथ म छुनुन त्रॉविथ लूकन ताम ।
वेशनार्पन निन स्वख प्रावुनॉविथ कस गोख त्रॉविथ ही शोम्भू । ।

1. वरॉय; 2. चुवोत; 3. सेदी; 4. मोजूर ।

160 राजदान साँबनि तरफ़

क्रपा करतम हँसैहरय ।

बो क्याह करय ज़ोर ।।

लूसिथ प्योमुत छुस बुजस्य खोतमुत छुम बोड बोर ।
यथ पंचालस किथु पाँठ्य तरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
आरु छु वसान व्वगनि दरय वारु छु करान शोर ।
छ्वपु छु करान समन्दरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
वँन्य वँन्य यँच गोस छैच अँद्रय ननन जन छुस चूर ।
छ्वपि हुंद स्वख दिम यूगीश्वरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
पखु छम जरिमचु छुम ज़रु ज़रय बन्योमुत छुस मोर ।
ह्यून छुस खोरन हुन्दि ऑस्चरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
सनम्बख रोज़तम श्यामु स्वन्दरय प्रभात ह्युव चोपोर ।
युथनु पम्पोशस दोह लागि दरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
आबासु चानि सुत्य गौमुत्य छि खरय अन्तहकरन चोर ।
मे बास प्रकाश रूप ईश्वरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
त्रे ग्वन व्वलँगिथ छुख शंकरय शक्तियि चानि छुस लोर ।
ओगनिस द्वगनाव कुनिय वरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
च्वरुन्ग¹ जन मे म फिर गरु गरय यि बाँज़गर छ सोर ।
दुबारु म डल प्यठ खालु दरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
अन्दर चॉनिथ ग्यानु गरय हवुम चूर्युम पोर्² ।
तथ मंज़ रुज़िथ आनन्द बरय बो क्याह करय ज़ोर ।।
कृष्णस मुच़राव बावुकि बरय कुनिय वरय तोर ।
यथ लरि³ चै ह्यथ बसु अमरय बो क्याह करय ज़ोर ।।

1. dice; 2. चूरिम अवस्था - तुर्या; 3. शेररि ।

161 राजदान साँबनि तरफ

सनम्वख यितु द्यानु सुत्य नितु म्योन मन ।
गुह्य र्यून्ज बनि काचि बोव¹ ज़न ।।
ज़यि स्वस्तु बयु चोन मँशरावि हनहन प्रावनावि रूप चोन सनातन ।
च्यत् ब्वद मन प्रान करुनावि अर्पन गुह्य र्यून्ज बनि काचि बोव ज़न ।।
ऑवीशु पननि सुत्य म्यानि रायि मंज़ गन म्यानि म्वखु पननि रुचि कर वरतन ।
व्वनमत ब्वद म्यॉन्य होशस कुन अन गुह्य र्यून्ज बनि काचि बोव ज़न ।।
होख तु ओदरुय रोज़्या येलि दज़ि वन रेह मंज़ु छ चीज़ा बासन ।
सिरियस निशि छ अीनगट ठँहसन गुह्य र्यून्ज बनि काचि बोव ज़न ।।
नँनिसुय वल वर दिनुकुय वरदन नन्गरन² ताले प्यठ संगरन ।
सौतु रोज़्या नन्गु कुल होस्मुत पन गुह्य र्यून्ज बनि काचि बोव ज़न ।।
अदु क्याज़ि छुख दयुगत नँन्य हववन येलि नारुद छुय बोजुनावन ।
तिथि ग्वनु स्वनरिस³ छुख म्वकलावन गुह्य र्यून्ज बनि काचि बोव ज़न ।।
दया चॉन्य छ पाप प्वन्य गँज़रन पथ कालि प्यठ आयि थ्यकुनावन ।
कृष्णस यथ प्रेशनस व्वतर⁴ वन गुह्य र्यून्ज बनि काचि बोव ज़न ।।

1. जानावर (पक्षी); 2. न्यथु नन्यन; 3. बक्त स्वनुर; 4. जवाब ।

समाप्त हीमाल परबतुन तु शिव पार्वी हुन्दि खांदरुक क्सु
नमामि सतगुरुशांतम प्रत्यक्षं शिव रूपनम शिरसा योग पठ्यतम धर्म कामार्थ सिद्धर्थ
ॐ शांति शांति शांति

V V V V V V V V V

खंड 3: प्रार्थना, कर्म, ग्यान, वैराग, बक्ति व दीगर उपदेशन हुन्द आगाज़

(यमि खंडुक आरम्ब छु तमि सवालुकि जवाबु सुत्य गछन युस रजदान साँबन पँतिमि (2) खंडुकि स आँखरस मंज
(बजन नंबर 161) प्रुछमुत छु)

162 कर्म यूग

सतुचिय वति पख सत् बूमिकायि ज्ञान	ब्रह्म रँदर गगनस खस सावदान ।
मिलविथ ज्ञान च्यत् चँद्रमु सिरियि प्रान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
दशमोद्धर ¹ किन्य वारु कड अस्मान	सुशमना मार्गु सुफारु सान ।
बासु ननि वासना व्वपासना मान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
लँलीशोरियि स्वद यूगा जान	द्वद्वशांत मंडल ² वातुनॉविन प्रान ।
अनाहदु शब्द ³ वुछ परनुय सनिदान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
शब्दु प्रकाशु दिफ्त ⁴ आँसिस प्रजलान	स्वठ्कय ⁵ खोतु न्यर्मल बासान ।
नेश्कल शेशकलु अमर्यत च्यवान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
पंचदश ⁶ कलायि कल्पना गालान	शोडशकला ⁷ यॉच म्वचान ।
पूर्ण मावसि ह्वदुशीश ज्ञन रोज्ञान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
यिहोय गव पस्म शखुच दीवीयि हुन्द दान	परमदाम अपरोपस्म अस्थान ।
अपरा परापर प्रपद प्रदान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।
ग्यव गव ग्यान तय मुश्क गव वेग्यान	शब्दु प्रकाशस छु चमकावान ।
नोन बासुनाव कृष्णस युथ न्यर्वान	प्रावनाव यूग पस्म आनन्दु थान ।।

1. देह इन्द्रियि; 2. प्रानायाम कस्नुच व्यद - मूलाधारु प्यठ ब्रह्मँद्रस ताम निनुक तु वापस अनुनुक तँरीकु ; 3. ओमकार उपासना - पंचस्तवी श्र. 9, कुण्डलिनी; 4. दीप; 5. स्वठ्क; 6 पंदाह ; 7. शुरह ।

163 वैराग (वॉराग)

सुलि व्वथ बोज़ राज़ हमसुन्य बूल्य	रोज़ समसारु निशि न्यरमाया ।
सत् श्रवनुक म्वख्तु रठ तूल्य तूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
बॅङ्ग्य यशुवॉल्य मंज़ सर्वु सामानु साज़	कम कम राज़ गॅयि अथु हावन ।
पॉर अँदरिमि त्यागु वैरागु चूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
थ्वक् छुन समसास्स पॅत्युम दम स्वर	शाँती, शम, दम, उपरम कर ।
युथ नु ब्रम दिथ चलिय समयिच लूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
थ्यस्ता वन छ कथ क्याह छु सत क्याह असत	व्वदासीनुवत कर चु व्यवहार ।
पथ रोज़ि पदार्थ डूल्य डूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
प्रवरॅच्च ममतायि दुतुबायि दिथ मार	राग द्वेश राखिसन हुन्द रथ हर ।
बेरंग ज्ञान छुख रंगु रंगु हूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।
कृष्ण थव कन सत्क्यन समवादन	संतन सादन हुन्जुय प्रय बर ।
डंड कर पखांडस गंड खूल्य खूली	यी बूल होशि पोशनूलिये ।।

164 वैराग (वाँराग)

पांच दोह यावनुन्य श्रावनुन्य सूरी ।

यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।

मत वुष्टु समसारचि शूबायि कुन	मत वुष्टु देह स्वनु लंकायि कुन ।
वँद्य वँद्य लँद्य लँद्य गँयि लूर्य लूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
समसार वन छु कस लारि क्याह यस छु तस	जेठुन छु ब्रेठुन बस कर बस ।
येति प्यव सास्निय पुशु पूर्य पूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
व्यवहारु बोज़ स्वस्त अन्न दनु घारु स्वस्त	गाटुजारु स्वस्त ब्रह्म व्यचारु रोस्त ।
मून्य हिव्य गँयि हून्य ज़न वूर्य वूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
त्याग वाँरागुक बन आदिकारि	संकल्प व्यकल्प साँरिय त्राव ।
ममता पथ थाव वथ युथनु दूरिय	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
मूह ज़ालु मंजु नेस्नुक व्वपाया	कर रजु ह्मसुन साया त्राव ।
अमरनाथुचिय जानवार जूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।
क्रपायि खोत छुय श्वद वासनायि फल	पूजायि खोत प्रेयमस तु मायि फल ।
कृष्णस रायि चानि आयि मंजूरी	यी बूल त्याग कोस्तूरिये ।।

165 रस लीला

कृष्णस छरान अँस्य गँयि मचय ।

न्यसुफ शबन न्यँद्रि हचय । ।

नचन नचन वनन छि वचन	अन्दस तु मंजस पानय छु नचन ।
श्यामस छंजन अँछि गँयि छचय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हचय । ।
तारा मंडुल ज़न आसि शूबन	मुनीश्वरन मन ओस लूबन ।
जु ज़नि ह्यथ चोल तु अँस्य आसु कचय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हचय । ।
तिमु ज़नि ज़न आसु सिरिथि चँद्रम	पानस सुत्य कोसनख समागम ।
पाताल वछ किनु आकाश खचय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हचय । ।
तिन्हद्यन कर्मन छु जयजयकारुय	युथ प्योख नाज़न खँरीदारुय ।
नखस ह्यचन तु ज़ान्यन ल्वचय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हचय । ।
पँकि तँवी हनहन वँन्य दिथ त्रावव	कदम तँम्यसुन्द कोनु परजुनावव ।
प्रेयमय हचय छ मचु गॉमचय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हचय । ।
यी दॉयरँविथ ¹ छन्डनि द्राये	राधा-कृष्णस ह्यथ तिमु आये ।
पूसन सॉपनि आसिथ छ्वचय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हचय । ।
यिथय पॉठ्यन मे कृष्णस म्वख हाव	वेशनारपन म्यानि व्यनँच ² कन थाव ।
राधा बँनिथ मंजबाग नचय	न्यसुफ शबन न्यँद्रि हचय । ।

1. सूचिथ; 2. व्यनथ, विनती ।

166 प्रार्थना रुक्मणी हृन्दि तरफ्

कृष्ण छुख मंज हनि हनि लोलो
वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।

सोजय ब्रह्म ज्ञनमुक मँज्युमयोर पासा पयु यिख नतु छ मे ज़ोर ।
व्यचार पुछि च़े सुत्य अनु लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
यूगकिस बामस प्यठ खारुनाव दोह तारु मंजु रूद्य मे म प्रारुनाव ।
म्वख हव तन लाग तनि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
रँछ छिम च़े निशि वातनस कृत्य ज़ोरु निम लँडिथ ह्यथ पानस सुत्य ।
च़े रोस्त नतु क्याह मे बनि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
काम, क्रू द, लूब, मूहन शिशुपाल ज़ेननि आव मे कस वनु हल ।
ज़ोरु निम यिम ओरुकनि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
शरुनागत वत्सल छुय नाव दर्मस यथ नावस म मंदुछव ।
वीरु दर्मुय चोन ननि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
बक्तु वत्सलु छुख बोड बलुवीर म्वकलॉविथ निम कोरुहम गीर ।
ऑरुद्वर म्योन च़े कुस वनि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
अँछ्य लोसम च़े वुछ्य वुछ्य यिम दर्शुन दिम सुत्य पानस निम ।
युथनु ज़ांह अथवास छेनि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
द्यानु ज़ोमूवन्तस मे कास हान वासनाधि ज़ोमूवंतिधि सान ।
मनु मन नितु वाजि कनि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
म्यानि समसारु यशुकुय मॉज मोल त्रफ्त कर ज़ोवराव म्वक्तुक ब्योल ।
बक्तु कुलिनुय म्वख्तु छनि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।
तनु स्वख मनु स्वखुबाव प्रावनाव स्वखु म्वखु कृष्णस कृष्ण म्वख हव ।
अख सँखिया अख सु बनि लोलो वनि यितु मनि रुक्मणि लोलो । ।

167 शोम्भू जीयस कुन

बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू ।
दित हस्नुनि छल लोल डल शोम्भू । ।
न्यस्नयि नयि नुनरुचि दिमुहोय वॅन्य बावु बठि बठि बेरि बेरि सॅन्य तु व्वगुन्य ।
सूह्मु हस्वखु पंचाल शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
याखुबल छिय सुत्य बक्तिबावु शोम्भू शक्तिपातुक्य डून्गु तय नावु शोम्भू ।
वायुनस छिय बाँख व्यताल शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
शाहुर गामु छ्य साँर करनस क्वसु तौर खसि वसि छ्य प्रानु अपानु छ्टुवॉर ।
फेर व्वन्दुके सेन्दि हुन्दि नालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
बाल प्रारान प्यठ गंगु आरन छस ला तरफस चे पतु लारन छस ।
गंगुबलु फवजम संगरमालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
तीजु रूपु चान्युक छुस पनुपोंपूर ज्योति रूपु लोल नारु चानि सूर मलु पूर ।
देह अंडुकारु त्वत्¹ चे पथ जालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
लोल नारु चानि दॅजमुचु छस आरुवल भस्माधारु वारु वारु वसतु याखुबल ।
हारु आरु हीय फोज्यु कॅङ्यु जालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
रोशु रोशु बेयि होशु पोशनूलु गोशन वॉनी वन वनहॉर छस बो तोशन ।
लोल पोशन कस्य पोशिमालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
रागु रस्ते छुय नागु न्यॅद्रे मॉल छवनस छ्य त्यागु बागु बबरे हॉल ।
जागु स्वन्दरस्य लालु यितु सालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
ह्यसु हमसु पखि खार हस्वखु बालस यॉर ह्युव कर वन्दस तु र्यतुकालस ।
पॉस्थि बुरुजु जामु दुशालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
दशु व्वजु मशि मे कति चोनुय श्रेह लशि मिलुनाव अँगनस सुत्यन रेह ।
म्वक्तु प्रावु त्रावु अशिने चालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
त्रेतिथि² लंजि न्यस्वासनु फम्बुसीर बेहनोंविथ युस जानि सुय गव वीर ।
त्रन कालन वुफि अकि हलु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
स्वरु रोजु बन मनु कनुकुय कनुदूर राजु यूगु राजु बोजु प्रेयमु साजु सौन्तूर ।
अजुपा जीरु बमुचे तालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
पोशव कनि दॅह इन्द्रेय लागय दूपु दीपु कनि प्रान आलविथ जागय ।
शिव पूजायि च्यत् शिवालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
आशि वालुवाशि मंजु बाशि पान वुफुनाव अविनाशु नीलुक्राशि⁴ हमसु बाशि करुनाव ।
डालु दिथ कड मूहने जालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
कस छु सामस्थ करि सुय चॉन्य हिव्य कार नेशकाम रुजिथ करि यूत व्यवहार ।
यूगु लरि लदि बूगु बंगालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
त्रन बागु दिथ छुखु त्रुकु बागुक ईक⁵ च्वन हालन⁶ मंजु वेग्यान विवेक ।
मंजुबागु अन्द मूह जंजालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।
अमरीश्वरु छुय अथि अबय वर वेशनार्पन कृष्णुन्य पालना कर ।
त्रुजगतपालु दीनुदयालु शोम्भू बाल छंङ्थ हस्वखु बाल शोम्भू । ।

1. तत्त्व; 2. वृत्ति; 3. आशा रूपी फॉस्य; 4. पक्षी; 5. त्रुक शास्त्र - (त्रे) ईश्वर, माया तु जीव (ब्रह्मा, विषणु, रुद्र); मायायि (अग्यानुक) नाश गॅडिथ ईश्वस्स तु जीवात्मस छुनु कांह ब्यन रोज्ञान, सिर्फ ईश्वरुय ईश्वर रोज्ञान; 6. चोर अवस्थायि ।

168 शिवस कुन प्रार्थना

यस छु हरम्बखु प्यठ वसुवन पोन्थ शिव-शक्ति रूपु नादु ब्यन्दु सेंदि वोन्य ।
 सुय गोसोन्य सर्वु शक्तिमान वरि मे सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 येम्य सामवीदुकि स्वरु पॅर्य श्रूख शीन ज़न व्यँगलिथ गव दीवलूक ।
 दीवन शेरीसन साँपुन पोन्थ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 दीवन हुन्ध देह येलि गॅयि ज़ल अख दॅरियावा पोक न्यर्मल ।
 सुय पोन्थ आकाशु वोथ गंगु वोन्य सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 पननि मायायि सुत्य बेयि व्वतपत नॅव्य कॅर्य कारन दिवताह ह्यथ ।
 सुय चावि अच्चतु अमर्यत वोन्य सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 येम्य अभिनव गुप्तन्य माँन्य बक्त सासु बॅद्य चाट ह्यथ सु कोरुन म्वक्त ।
 येम्य गुपकारुक वोर सोद्य वोन्य सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 येम्य बूमजुविकुय¹ वोर बूम साद येम्य लॅलीश्वरि कोर प्रसाद ।
 येम्य नुन्दु र्योश चोव न्यर्द्वन्दु वोन्य सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 येम्य रेशिपीरुन मोन अब्यास ज़िन्दु कॅरिन् सासन हुन्ध सास ।
 यारुबलु माजि क्युत द्रास गंगु वोन्य सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 मीषा सुन्द बक्तिबाव ख्वश आस कृष्ण कारस ह्युव कोरुनस दास ।
 नॅट्सिय मंज वोट ड्लुकुय पोन्थ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 येम्य स्यदु पीठ ज़ाला रूप होव मखदूम पादन तल वातुनोव ।
 सर्वु स्यद चावुनोव शक्तिपातु वोन्य सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 सादुमालिनि बुजरुक आस आर दोपनस पॅक्य पॅक्य व्वन्य थोकुख प्रार ।
 ब्रॉठ कनि प्रकट गोस गंगुवोन्य सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 येम्य रुचि जायि वातनोव हमदान येम्य ज़नक राजुसुय बॅडरोव मान ।
 लोरि मंज गॉब गव ल्यॅदरि² हुंद पोन्थ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 येम्य र्वपु भवानि हॅव रुच वथ दर्मय कर्मय परमय गथ ।
 चावनाँवुन पूर्न-आनन्दु वोन्य सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 यस पतु रेश्यमोल साँपुन मोत न्यन्दव रोस्त तस बोठ गासु खोत ।
 डूर्यन मंज रुद दानि तु पोन्थ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 यिम कॅ ह बेयि द्रायि सतज़न तु साद तिमुनुय तोरय कोरुनख नाद ।
 समसार मानुनाँविन वुगु वोन्य³ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 यिम कॅ ह बेयि द्रायि ग्यानुवान होवनख पनुनुय शिव न्यर्वान ।
 पेट्य त्रोवनख पूर्न-आनन्दु छेन्य⁴ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 येम्य म्वख खोट कॅर नूर मंजु कथ मूसाहस कोहि तूस्स प्यठ ।
 पॅहॅल्य चार्यर⁵ मोन गलि रोस्त⁶ पोन्थ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 सुय करि कृष्णस शीतल मन चन्दुन चॅद्रमु कोफूर ज़न ।
 शोमरावि प्यठ त्रावि शाँती शोन्य⁷ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।
 बकवास मान्यस प्रेयम पूर हापथ होशस थव्यस मंजूर ।
 आपुराव्यस यूगु ग्यानु गोन्थ⁸ सुय गोसोन्य पनुनिय दया करि मे ।।

Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

1. अकि जायि हुन्द नाव; 2. अख देंरियाव, 3. अस्थाई ; 4. रूद; 5. नादान; 6. आवाज़ि रोस्तुय; 7. रूद; 8. नँवीद ।

169 प्रदूश पूजा

सरे शामय गरे द्रायस च्चे कुन आयस हरे शोम्भू ।
यिथिस सायस तलय च्चायस पेयस पायस हरे शोम्भू ।।
छु सायंकाल गालन काल पालन असि हिव्य कंगाल ।
यिथिस कालस स्वरे युस तस कले कालस वरे शोम्भू ।।
प्रदूशी¹ दूश छुय कासन सदा शिव दीव ह्यथ आसन ।
छु आनन्दुक बचा बासन नचान प्यठ डबरे शोम्भू ।।
नचान छुय केश मुचरॉविथ विशेशी जामु पॉरॉविथ ।
छु कमितान्य हश्किन्य त्रॉविथ डुपट प्यठ नरे शोम्भू ।।
छ सुमरन च्यत् सॉच सादन स्वरुस दाना जरुस पादन ।
थविय कन लोलुक्यन नादन तु अपरादन हरे शोम्भू ।।
छ ब्रह्मांडुच थॅरुय फोजमुच रंगा रंग छस फुलय लॅजमुच ।
बो लागस छस करुन्य तॅजमुच³ वरे मे यथ थरे शोम्भू ।।
महामाया छ मन मूहन प्रपंचस कारनन दीवन ।
करान छुय थामि च्यत् ब्वद मन यिछि हिशि संदरे शोम्भू ।।
वजान थालुज तु गंठ छ्य वसूला ह्यथ करान जयजय ।
लॅबिथ पय सुत्य शब्दस लय करय अँकिसुय गरे शोम्भू ।।
छु मूखी दात युथ ज्ञानन तॅमिस छिय दिवताह मानन ।
सु ह्यथ छुय हश्क्यन थानन मे निशि वॉसा बरे शोम्भू ।।
ग्यवान छुय ताल श्यामु स्वन्दर तु स्वर सॉपुन मनुक मन्दर ।
यिथिस नगमस अन्दर कृष्णस कटख्या अख करे शोम्भू ।।

1. सिरियि लोसनु ब्रॉह 1½ गरि तु पत 1½ गर्यन हुंद समय; 2. खास; 3. कर्मव तंग अँनिमुच ।

170 श्याम सुन्ज पूजा (शिव तु केशव कुनुय आसुनुक मतलब)

शामु शामय श्यामु रूप गोरुम ।

श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।

शामु शाम वुछ मे मंज शिवु मंदरुस	श्यामु स्वन्दरुस सुत्यु शोम्भू ।
शाम अथि आम दोह रथि खोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
शामस सुत्यु सुबह मिलनोवुम	रामस सुत्यु रामेश्वर ।
शिव तु केशव कुनुय व्यचोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
सुबह शामस कल्पु त्रेख्य मोनुम	म्यवु ज़ोनुम शिव अनुग्रेह ।
द्यन तु रँच हुंद ज़ग तु प्रोन चोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
शामु वेरि थेरि शिवरग फ्योरुम	बावु छवु आव अनुग्रेह अन्न ।
पान त्रप्त गोम प्रान संदोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
ब्यलु अंबार पँतरु पँतरु चोरुम	सुत्यु थँवमस हीय तु त्वलसी ।
शामु वेलु शिवु मंदरुस सोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
मूर्ख व्यवहार ग्यव ज़न कोरुम	शामस ज़ोलमस रँतन दीप ।
आलविथ गम गटुकार होरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
शामुकिस साज़स कन दोरुम	हरशुकु बचि लोग नचुने ।
तँम्य नचनन द्वख न्यवोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
सुबहस तु शामस व्यसतोरुम	बांडु जेशना तु बचु नगमा ।
तँम्य नगमन पॉथुर मे खोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
समसार यशु पशु बाव होरुम	ख्वश गोम दशस्थ नन्दन ।
व्वशुकुय दशु रावुन मे मोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
मनु मथुरायि श्यामु द्यान दोरुम	पज़ि रज़ि सुत्यु युथ पज़िहे ।
गमु कमसुय ¹ थमसुय चोरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।
श्री कृष्णन श्यामु शूबायि सुत्यु	सायि सुत्यु आँब गॉब कँर्यनम ।
तँम्य पापन परमु प्वन्य योरुम	श्यामु लालुन दोरुम द्यान । ।

1. कमसास्वर रूपी गम ।

171 शिव अस्तुती

यस छु हटि वासुक तस छु जेटि पोन्व ।
ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व । ।
युस दीव सर्वु दीवन हुंद छु आदि सुय वरि पाप हरि करि प्रसाद ।
तस दीवस छि पम्पोश हिव्य पाद हस्वखु बरु तल लायोस नाद । ।
पादव तँल्य छुस पकान सेंदि वोन्य ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व । । ।
युस थ्यकनुय छु दीवियन तु दीवन तस दीवस छि सर्वु दीव सीवन ।
आत्म रूपु आसुवुन छु मंजु जीवन प्रानुदोरियन क्युत छु सँजीवन । ।
सुय नंगु नोन दिपि चोन गंगु वोन्य ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व । । ।
पूर्नायि स्वस्ता छु नूरु बँस्थिय ब्रह्मांडन पालना कँस्थिय ।
स्वखु म्वखु सुत्य छुय द्वख हँस्थिय वरु अबयु सुत्य छु वँस्थिय । ।
येम्य पानस सुत्य निव सोद्य वोन्य ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व । । ।
जनमन हुंजु व्यौज जालुवुन छुय ज्यनु मरनुक ग्वन गालुवुन छुय ।
माजि मॉल्य सुंदि खोत पालुवुन छुय सानि कर्म बुतरौंछ वालुवुन छुय । ।
आत्म बूदुक रूद शाँती शोन्य ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व । । ।
प्रेयमु मस चावि मँशरावि हनहन सतुबावु न्यथ थावि नेशकल मन ।
मूख्य दावि करुनावि आनन्दुगन सनम्वख नँन्य हावि ज़ोतन तन । ।
कृष्णस प्यठ त्रावि शाँती छेन्व ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व हय, ग्वसोन्व । । ।

172 अस्तुती

जय कर जय कर ही म्रेत्यंजय ।
जय बोयनय जयजय बोयनय । ।
छ्यत् त्वरगस¹ त्रौवय येम्य ह्य² अदु लबि चानि न्यस्नयुचिय नय ।
शाय³ चॉन्य लामकानय छ्य जय बोयनय जयजय बोयनय । ।
कॅम्य स्व वथ तय कॅर कॅम्य लोब पय तॅम्य लोब पय येम्य रॅट इन्द्रेय ।
जय बोयनय जयजय बोयनय । ।

1. गुर ; 2. चकर लगावुन; 3. जाय ।

173 प्रभात तु मंघान कालुच पूजा (शिव केशव कुनुय आसुन)

ह्यथ प्रभातस¹ मंघानु कालय ।
हव श्यामु लालय² श्री रामु रूप । ।

कामुदीनु बिह्थि छ प्यठ गूर्यवानस अखा छ व्वदनि द्यानस मंज ।
चे सुत्य मीलिथ कमि तान्य हललय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
ईक जॉनिथ अंनीकस तीलिथ रासा खीलिथ मीलिथ चे ।
वुछ प्रकरम कोर ह्यथ पोशिमालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
अख आसि व्वदनि या आसि बिह्थि तति कलु गुह्थि छु परन प्योन ।
सुय ख्योल³ स्योद करि हेल कपालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
श्री कृष्णन रामु मूरत कॅरुन वॅरुन ज़ोमूवंतुन्य कूर ।
गथ हॉवनस मंज ह्यपथ खयालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
रामुय छु कृष्ण कृष्ण छु रामुय असि बक्ती नेशकामय कॅर ।
अद्वेतु बावन कॅड्य मूह ज़ालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
शिवुय छु केशव केशव छु शिवुय थॅन्य ऑस अदु प्योस ग्यवुय नाव ।
आत्मु द्वदुसुय छि ब्योन ब्योन च़ामय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
गूर्यन सुत्यन यारान लोगुम गूर्य वानन प्यठ ज़ोगुम चे ।
कामुदीनु लॅट्य नालु हॅट्य रॅट्य मे नालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
जसुदा माता गुरुस छ मंदन द्वदु शुर्य सुन्द्य पॉट्य गिन्दन छुख ।
खेन्य थॅन्य प्रेन्य छ्वक द्वदु प्यालु प्यालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
पछि हुंद वोछ क्वछि क्यथ ह्यथ छुस बो दोरान मिलुनाव तस वुछ म ज़ोरन कुन ।
दयायि कामदीनि सुत्य दयाये हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
रधा छ चे पथ दीवानु गॉमुच पथर पेमुच गूपियन सुत्य ।
शाम वोत कामदीनु ह्यथ यिस दयालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
कोचन मंज छ वॅन्य दिनि नेरान वनु प्यठ गरु कोनु फेरान छुख ।
यिस दर्शुन दिस निस दिथ डलय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
यॅम्बुरज़ल छ्य मंज पोशि बागन ज़ागन बोम्बूर डेशन ना ।
शामस सुत्य प्रभात वुछ कालु कालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
ख्यनस⁴ सातस द्यनस तु रातस छुस चे दातस मंगान प्रय ।
शामस तु प्रभातस कलि कालय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।
कृष्णस मेलनि नारुद छु आमुत खेलनि च़ामुत छु मंज गूपियन ।
स्वदु ज़ोव वोछ ज़न मारन छु छललय हव श्यामु लालय श्री रामु रूप । ।

1. शिवस सुत्य ह्यथ; 2. श्री कृष्ण; 3. रेवड; 4. क्षण ।

174 प्रबातस आदि शक्ती हुन्ज अस्तुती

आदि प्रबातस बूल कोस्तूरी ।
गट चँज तु गाश आव पुर्य किन्य । ।
चानि प्रकाश सुत्य गटि मंज गाश आव पखत तल जन चँद्रम द्राव ।
गौरी पखत राजुन्य कूरी गट चँज तु गाश आव पुर्य किन्य । ।
तीज वुछ तु गत मारि च्यत पौंपूरी गम गटि दम दम प्रजलन आय ।
शम किय दमकिय शमा कोफूरी गट चँज तु गाश आव पुर्य किन्य । ।
कोर चरागानु चानि ज्योति रूपु द्यानु सुत्य यूग अब्यासु प्रानु अपानु सुत्य ।
ग्यानु दीप प्रजलन छि न्यखानु जुवरी गट चँज तु गाश आव पुर्य किन्य । ।
लंगु लंजुवय सान फोलमुत कुल ड्यूठ तथ प्यठ हमसु रंगु बुलबुल ब्यूठ ।
गोशि गोशि फोजखय होशि पोशिमूरी गट चँज तु गाश आव पुर्य किन्य । ।
बागु नयि कर्मनि आयि मंजूरी नागु लयि जलु कनि अमस्यत द्राव ।
लागनय सपजन छ डूरि खोत डूरी गट चँज तु गाश आव पुर्य किन्य । ।
मूर्ख दमौली ज्ञान सौन्य डौली राजु हमसु सायि त्राव नोन हाव पान ।
अमस्नाथुचिय जानुवार जूरी गट चँज तु गाश आव पुर्य किन्य । ।
शक्तिपातु दातु च़ेय निशि बेछुवुन आव दर्मस बेखिकस म यूत प्रारुनाव ।
कृष्ण आलव दितु कर्मस च़े पूरी गट चँज तु गाश आव पुर्य किन्य । ।

1. भाग्य ।

175 मानसिक पूजायि हुंद व्वपदीश

आदि प्रबातस अँछ्य मुचरजे ।

मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।

न्यर्मल बोझ बवु सागर तँरिजे नेशकलु याखलु कँरिजे श्रान ।
त्रेशिवय मल अबिमानुक्य हँरिजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।
समसार ब्रम मॉनिथ दम बँरिजे सूहम सोरिजे ठहस्थि प्रान ।
इन्द्रेय शोमस्थि सुमरन फिरिजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।
त्यागु सुत्य रागु द्वेशि निशि व्यसिरजे सूहम सोरिजे दँरिजे घान ।
मन थयर कँरिजे मंत्र पँरिजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।
श्री कृष्ण चरनु कमलन अँछ्य जँरिजे येछि पछि श्रदायि बावनायि सान ।
मानसी पूजि सुत्य देह मँशिर्यजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।
नाना स्वरनु बानन बँरिजे बावनायि सुत्य खिरु खन्डु पकवान ।
श्री कृष्ण महाराजस आपुर्यजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।
अष्ट दल हृदयस मंज वथुर्यजे न्यर्वानु आसनु किय थान ।
कृष्णु घानु पानु थानु आवुर्यजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।
दर्मु कर्मु जोरु मूह रजस फँरिजे सुत्य ह्यथ शमु दमु किय पँहलवान ।
आनन्दु नगस्स राजा कँरिजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।
देह डम्बुकिस क्वटम्बस खँरिजे आश्चरजे ग्यानु संतान ।
ईकांतचि शांत शक्ती वँरिजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।
बाला मुकुंदुन घाना दँरिजे कृष्णु जनमन हुन्ज हँरिजे हान ।
न जि जांह जेविजे न जि जांह मँरिजे मनु किन्य सोरिजे श्री भगवान ।।

176 कर्म यूग व्वपदीश (प्रबात वखतस)

नूरु बॅर्यथुय सूरु मॅती असुनाह कोर गाश आव ।
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हॅती पोश छव । ।
सिरियि खौत चोन चरुनु कमल द्यानु मंजय फवलनु आव
मनु बोम्बूर सोन मुशुक हेनि तथ मंजबाग चाव ।
चॅद्व चूडनि द्रेशटि सुत्यन शामु वक्तय वटु आव
मनु बोम्बूर तथ मंज फोट युन गछुन ओस ब्रमु बाव । ।
मौत सौरूपस सुत्य लय गव पोत फीस्थि कोत सु द्राव
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हॅती पोश छव । । ।
सिरियि चॅद्रमु ईक साँपुन पूर्ण मावस प्योस नाव
सिरियस निशि ब्योन हना गव छिस दपान चॅद्रमु ज़ाव ।
यूत तस निशि दूर साँपुन म्वटनस सुय त्यूत आव
आत्मस निशि मन बहेस्वख¹ गव तु प्योस प्रपंच² नाव । ।
ईक नाना रूपु किन्य अग्यानु सुत्य बोजनु आव
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हॅती पोश छव । । ।
खसु वसि प्रानु छट्टवारि प्रारान रातस मे गाश आव
अँक्य³ झ़ारा कोर मे सुबहस स्यदु यास्स प्यठ छ नाव ।
यूगु नावे व्यँज पूर्वक साँर करुनुक बोर मे चाव
ओरु दोपहोम आँव्वय स्यँज⁴ लेम्बि हुंघ पॉठ्य तल दबाव । ।
परमु शमु नमु, शमु दमु दमु, सूह्मु ह्मु वाय नाव
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हॅती पोश छव । । ।
शिनिकुय शिन्या स्वरुन ह्योत बावु सुत्य वावुक मे वाव
पाँन्य पानय पाँनिस मंज पकनाँव पानुच मे नाव ।
हॉस्तुक म्यूलुम निशाना चुय मे दाना मौत बनाव
मशिहे मे पँश्यबाव अख नशु दामा मेति चाव । ।
श्रेह रेह सुत्य दजिहे ब्रम अँदर्युम तोन्दरय ताव
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हॅती पोश छव । । ।
जीवतुक ब्रम चलनु बापथ ग्वडु कोरुहोम कृष्ण नाव
मंजु रोटनस देह ब्रमन व्वन्य छ कमन म्याँन्य ग्राव ।
अंगु न्यासुक्य वुछ कवाँयिद⁵ सोरुय ओस हव बाव
ग़ज़ वॅछ इन्द्रेय फोजस विवेक् राजु चाव । ।
छुनु मानन दिन्य सलॉमी कहता है भ्रम को हटओ
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हॅती पोश छव । । ।
क्याह छु लबुन क्याह छु रावुन यी छु प्रावुन ती चु प्राव
देह अबिमान गछि त्रावुन गछि प्रावुन ब्रह्म बाव ।
गाटजार गछि मँशरावुन याद पावुन सादु नाव
बूगु अबिलाश गछि सावुन वुजुनावुन सत् स्वबाव । ।

वैराग बाग गच्छि छवुन फुलयि हवुन हर्दु वाव
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव ।।।
यावनुन सौता छु फोलमुत होशिक्यन पोशन छ क्राव
तावनुन हरुदा पतय छुस यी छु प्रथ वक्तस स्वबाव ।
लंजि प्यठ ब्यूठ पोशनूला छुस पतय लारान काव
कति बुलबुल बूल्य बोजुन्य कति कावुन टव टव ।।
सुबह दम फोल^६ क्वसु कृष्णस फुलयि हुन्ज वन्दस छ गाव
सुबह फोल व्वथ श्यामु रूपस लवु हँती पोश छव ।।।

1. बहिर्मुख, मन ईकाग्र न गछुन; 2. समसार, जगत; 3. गुरुदेव; 4. आँठ सेदियि; 5. यूग सादनु ब्रोंह अथु त
बाकी इन्द्रियन हुन्ज शोदी; 6. त्युथ सुबह युस प्रथ मूसिमस मंज यकसान रोज़ि ।

177 प्रबात अस्तुती

अनिगट चॅज फोज संगरमालो ।

व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।

गाशु तारकु क गाह प्यव बालु बालो प्रकाशु चानि सुत्य प्रजलनु आव ।
दूरि खोत पूरि कनि प्यठ पंचालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
आशि चानि बुलबुल छि दिवान नालो प्रकाशि चानि दँदरि छ्य बोलान ।
पोशनूलु बोल-बाशि बोजू गाशु लालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
गूपियि आयि ह्यथ प्रेयमु पोशिमालो राधा कृष्णु चै पूज करुने ।
जमनायि श्रानस द्रायि कमि हालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
दीवी तु दिवताह आय सानि सालो रातस रुद्य प्रबातस तान्य ।
पतु ब्रोंठ सुत्य छिय नॉली नालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
यारुबलु बँठ्य बँठ्य शिव शिवालो छिय वज्रान शंख तय छिय दज्रान दीप ।
लूख आय पूजायि ह्यथ पोशिमालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
चानि दयायि सुत्य दीनु दयालो स्यद गँयि सॉन्य दुनियादॉरी ।
सुबहुक प्रथ चीज वीत कालकालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
आकाशु वोथ प्रकाशु दुशालो वलनस क्युत गटु चलनस क्युत ।
जगि¹ वोल कोड कालु फ्यरना नालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
चै ह्युव शाह ड्यूठ बडि जलालो गाह प्यव जगि गँजगाह क्याह छु जान ।
वाह वाह करुवन्य छि भैख व्यतालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
बाग छवनि वस प्यठ बंगालो मथुरायि नगरस वथरिथ छुय ।
श्यामु वस ब्रज गामु प्यठ दिथ डालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
दीव गंदर्व आयि बडि खयालो वायन तु गायन छि गोविन्द गीत ।
रोज रमु बोज सामवीदचि तालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।
आशि चाने चुय बालु गोपालो कृष्णस गटि मंज गाशा हव ।
पालना सॉन्य कर व्रजगतपालो व्वथू नन्दलालो यूग न्यँद्रे । ।

1. जगत ।

178 प्रबात व्वपदीश

प्रबात हो आव अँछ्य मुचराव ।
न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।

छु चमकान आत्म सिरियुक गाश न्यँबर्य अँदुर्य यि च्यत् आकाश ।
मुचर अँछ्य दारि मो त्रोपराव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
छुन्य हेतिनय च्चे कृहनिय केश च्चेनन कोनु छुख व्वपदीश ।
समय गव रंग बदलिथ आव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
समय ज़न बांडु जेशना ज़ान गछ्यस गंडुन युथ त्युथ सामान ।
नोवुय नोव पॉथरा ह्यथ चाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
ग्यानुक दीप प्रज़लिथ ज़ान व्यचारकि न्यँत्रु वुछ शिव दान ।
वुज़िय युथनु खयालुक वाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
म कर च्चेर फेर होशस कुन व्वदूगुक जामु नॉली छुन ।
च्यतस वुज़ुनाव आलुछ त्राव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
संगरमालन छ्वर सॉपुन ज़गत सौरुय ह्योतुन नॉपुन ।
चु म्वख अद्वेत ऑनस हव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
व्वदूगा कर चु स्वॉमी स्वर स्यदथ पानय दियिय ईश्वर ।
सु करिय युथ चु करहॉस बाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
ख्यनुय सातुय द्यनुय रातुय यिहुंद स्वॉमी छु प्रबातुय ।
अँमिस निशि अबिज़्यत हो ज़ाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
गछुन हुशार बँड गथ छ्य च्चे लागुन्य क्वसु लागथ छ्य ।
न्यराशन पानु गाशो¹ आव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
कर्मु खाव दर्मु पादन पाव गछ आत्म तीर्थु तन मन नाव ।
बखुच सरु प्रेयमु पोन्या छव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
खगन च्वन मंज़ छु चूर्युम जान छु ख्यथ चथ ख्वश गछन भगवान ।
पॉतिम पँहस्स छु युथ स्वबाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
खगन त्रन गछि करुन व्वपवास ग्रेहस्त त्रावुन बनुन वनवास ।
छु वुनिक्यन बस कुनुय दयुनाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
खगु रज़स छु जयजयकार यिहोय छुय स्यद दिनुक म्वखतार ।
चु बूगन बूग मूखी प्राव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
गँनीमत ज़ान येमिसुंद राज कलस प्यठ थव व्यचारुक ताज ।
कमाना तुल निशाना पाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
दयस निशि येलि च्वशवय चाय दिचुन प्यठकनि येमिसुय जाय ।
यसुंद पानय बजर गँज़राव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
खगन हुन्दि अनुग्रेहकुय अन्न तपु अँगु पाकुवन्य गँथि ज़न ।
यिवान छुस यथ खगस मंज़ छव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
श्वंगुन छुय ख्वश यिवान वुन्यक्यन स्यदथ छुय दय दिवान वुन्यक्यन ।
यिथिस वेलस सुमो मँशराव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।

यिवान छिय वुछनि कमकम दीव ह्यसस कुस आसि वुन्यक्यन जीव ।
स्यदँच ह्रन्दि यारुबलु छस नाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
फुलय लँज बावुक्यन पोशन मुबारक साहिबि होशन ।
यिथिस वेलस करुन्य ह्यन क्राव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।
करुन्य ह्यन बूल्य जानावार कृष्ण कर पोशनूलुन्य कार ।
प्रेयमु सुत्य कृष्ण गीता गाव न्यँदुर मो त्राव न्यँदुर मो त्राव । ।

1. प्रकाश दिनुवोल ।

179 प्रबात

मूह गट् चॅज सत् संगु के गाशे ।

रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।

रातस ज़ोलमय बागस जूलो	व्वथू पोशनूलो गाशो ¹ आव ।
कु किलायि कुन बूल्य कॅर निलुक्राशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
ग्रज वॅछ जानवारन हंजि वनुनुय	स्वय गॅयि दॅदर्यन कनुनुय मंज ।
विगिनि वछ कोतरि बॅनिथ आकाशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
छ्वरुय नोन द्राव संगस्मालन	कोसतूर्य नालन छि ककवन सुत्य ।
राजु हम्स बोलन छि ही अविनाशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
मेछि कथु बोजन छि शोग प्यठ दार्यन	हार्यन छि मंज पोशि वार्यन शूब ।
फम्बुसीर लारान आयि चानि आशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
संकट कट नठ वॅछ्मुच्च छ अथु रठ	राजु यूगु राजु हम्सु ग्यानु म्वख म खठ ।
छठ हठ कर्मुचि आशा पाशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।
कृष्णस वुफुनाव लोत गोब बोर कर	मोर मुकट दारुवनि ज़ोर कर ।
गरुडु सुंदि पंजु चठ मूह वालवाशे	रंगु बुलबुलु बोल बाशे कर । ।

1. प्रकाश दिनुवोल ।

180 प्रबातस श्वब फल मंगुन

व्वथू न्यँद्रे बालु गोपालो ।

श्यामुलालो गाश हो आव । ।

अँस्य हुशार रुद्य रँत्य रतस	शामु फु प्रबातस तान्य ।
ही मुख्य दातु प्रबातकालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
लोलु चानि सानि अशिचिय दार	वॉच्च तारा मंडलस तान्य ।
ह्यथ छु चँद्रमु अमर्यतु प्यालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
सुलि वँथ्य पोश चँट्य पोशि थरिन्य	गुरु वातुनॉव्य छरिन्य क्यथ ।
करि च्येय किचु पोशन मालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
गूपियि द्रायि जमनायि श्रानस	व्वजिमचु कृष्ण द्यानस मंज ।
योरु द्रायि ओरु आयि कमि हल्लो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
लूख वुजुनॉव्य सिरियन सॉरी	आव स्थु सवॉरी ह्यथ ।
सॉरस नेर व्रुजगतपालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
क्याह करव अँस्य नेचिव्य कोरिवॉली	बँड्य नावदार खॉली दस्त ।
द्यन छु गुजरान कमि कशालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
क्याह करव अँस्य छि कर्महीन सॉरी	यिछि दुनियादॉरी मंज ।
अडि खर्चु तु बडि अयालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
क्याह करव अँस्य छि चॉरी तु फ्यॉरी	क्याह पकान नादॉरी मंज ।
ह्वछि कथु छरि अथु मूर्ख चालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
हान चलिहे असि मान बडिहे	श्रम कर्म दर्म दान शूबिहे ।
लद तु अन्न दनु दीनु दयालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
यिनु मंदछु यियि प्रोन नावुय	वावुलदनुय वावुय कास ।
करतु अनुग्रेह वस्तु क्रपालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
क्याह करव अँस्य बंदन तु बायन	मंदछु छि हमसायन मंज ।
सानि म्वखु थावतख स्वकालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।
ही मुख्य दातु प्रबात कालो	मूह न्यँद्रे मंजु वुजुनाव ।
कृष्णस मंजु च्यत् शिवालो	श्यामुलालो गाश हो आव । ।

1. अथु ।

181 अस्तुती

बयु रोस्त थावतम जयुसानो ।
दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।
तापु मंजु गछु कोत अनजानुय ब्रौठ छुम ज्यूठ सेकि माँदानुय ।
न्यथु ननि सुंदि सायेबानो दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।
मंजु कंङिनिय प्योस कमजोरुय पतुकनि ह्यम¹ छुस ननुवोरुय ।
अरजन दीवने स्थुबानो दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।
साद संत गँयि पथकुन मे त्रौविथ हम्सु पखुवुय पान वुफुनौविथ ।
ओन तु रोन² छुस करान मानमानो दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।
नाशि रस्ते छम चॉन्य आशिय अँन्यसुय गटि मंजु अनतु गाशिय ।
रँनिसुय³ क्युत लदतु व्यमानो दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।
मतु वुछ्तु म्यौनिस कर्मस कुन दर्मस ब्रह्मनस छुय द्युन यि पुन ।
म्वकलौविथ न्युन च्चे भगवानो दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।
दर्मु दानु रोस्त छुस कर्मु ह्यून्युय ब्रह्म जॉन्य रोस्त दूशलद तु ख्यून्युय ।
यिथि ग्वनु छुसय वर च्चे मंगानो दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।
समसास्स मंजु छुस लाचार ब्रौठ छिम वॉत्यमुत्य कमकम कार ।
वारु थावतम अमि यमि सानो दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।
ऑदीनन अवतार दौस्थि तारु गॉमुत्य बवुसरु तौस्थि ।
कृष्णस ति तार ह्य दयावानो दयि रोत्मय मे चोन दामानो ।।

1. पनुनिस स्थस प्यठ पतुकनि बेहनावुम; 2. ओन तु मोजूर ; 3. मोजूसस ।

182 ॐ (ओमुक तौरीफ)

ओमुय छुय आत्मदीवय	ओमुय छुय कृष्ण जुवुय
ओमुय स्वर छुख त्वमेवय	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (1)
ओमुय छुय वैष्ण ब्रह्मा	ओमुय छुय शिव त उमा
ओमुय कासिय चे ब्रमा ¹	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (2)
ओमुय छुय वीद पुरान	ओमुय छुय दीव बासान
कुनुय अछुर पँरिथ ज्ञान	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (3)
कुनुय अछुर स्यवह ज्ञान	कुनुय अछुर स्यवह मान
कुनुय अछुर छु प्रदान	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (4)
ओमुय छुय सत् समागम	ओमुय बासिय चे सूहम
ओमुय कासिय देहुक ब्रम	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (5)
ब्रह्म निश्व ओमुय छुय	स्वरुन ह्योन त कुस ब्रमुय छुय
थँकिथ छेनिथ तमुय छुय	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (6)
नरायण छुय नर्यन मंज	अकार छुय अछरन मंज
सतुक स्वर छुय स्वरन मंज	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (7)
ओमुय छुय यूग तय ज्ञान	ओमुय छुय दास्ना द्यान
ओमुय ग्यान वैग्यान	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (8)
वनान ब्रह्मस छि अशब्द	अशब्दुय छुय ओमुक शब्द
यछ्र व्वद्युग प्रारब्द	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (9)
ओमुय छुय सत् च्यत् आनन्द	ओमुय छुय आदि मद्य अन्द
ओमस जीवुत पनुन वंद	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (10)
छि यूगी द्यान दास्न	अछर पांच पांच कास्न
छि स्वछ्यन्दुय व्यचास्न	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (11)
ओमुय श्री गायत्री ज्ञान	म्बखन पांचन वंदुस पान
तमिक्य ग्वन पांचवय पान	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (12)
ओमस छि चोर पादुय	ओमुय स्वर दिथ समादुय
शिवुय ब्यन्द शक्त नादुय	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (13)
ओमुय काकाजियन ² सौर	सु पानय आत्मन वौर
सँहजु पान तँम्य सरय कोर	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (14)
महाप्वशव ओमुय मोन	ललेश्वरिये ओमुय जोन
कृष्ण छुय आत्मा चोन	ओमुय स्वर छुखनु जीवुय (15)

1. भ्रम; 2. स्वामी काका जी ।

183 ख्वद नेसती

फवक्डूना गव जल मंजु खस्य ।
वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।
फवक्डून्य जल म्यूल चोल ज़रज़स्य ब्योन ब्योन रोज्या शमा तु नूर ।
मीलिथ गव सिरियस सुत्य ज़स्य वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।
पथ ब्रॉठ छख¹ लाब दातु छु हर्य अस्य² ह्युव आस म बन तूर³ ।
व्यचारु दारु लद यूगुक गस्य वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।
चमत्कार तुलनाव ही अमस्य चु बन शमा तु बो पॉपूर ।
देह दौर थवतम तु रूपा स्वस्य वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।
मूहनि सॉलाबु यमि बवुसस्य प्वखतय कारुन्य वॅस्य पेयि सूर⁴ ।
सॅगीन कर म्योन कागज़ गस्य वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।
न्यंबुर्य वज़ान छेच अँदस्य बन्योमुत ज़न छुस सोंतूर ।
वायिवुनि वायतम पननि स्वस्य वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।
कृष्णस वायिनाव गंगाधस्य सूहम हम ह्यथ व्यचारु खूर ।
देह डूंगस किथु तरि बवुसस्य वुछ सागस्य निशि छ दूर । ।

1. त्राव या बाँगरव ; 2. अरहट ; 3. छनु संज तूर (तीसा); 4. द्स ।

184 श्री दर्शनुच अस्तुती

राम जुव श्याम रूप हवे ।
परमय गत प्रावुनावे । ।
यूग शोग ह्यथ च्यत् हारे अचि मंज्र शौच हुंजि वारे¹ ।
ब्रह्मानन्द पोश छवे परमय गत प्रावुनावे । ।
करि सत्संग बोलबाशे च्छटि मूहने वालवाशे ।
हम्सु पखुवुय वुफुनावे परमय गत प्रावुनावे । ।
बखुच² ओला यीरनावे शखुच सुत्य बसुनावे ।
अमर्तकिय³ फल ख्यावे परमय गत प्रावुनावे । ।
पोशनूल ज़न गँज़रावे कृष्ण गीता ग्यवुनावे ।
नामु सुमरनि स्वस्त थावे परमय गत प्रावुनावे । ।
नेशकाम ज़ल दामु चावे आत्म तीर्थय मन नावे ।
परमानन्दु मस चावे परमय गत प्रावुनावे । ।
दयि नाव कति मंदुछवे दैवागत⁴ नॅन्य हवे ।
कृष्णस वयक्वन्ठ दावे परमय गत प्रावुनावे । ।

1. शौंती हुंद बाग; 2. बक्ती हुंद; 3. अमर गछ्नुक्य; 4. दयुगत ।

185 अस्तुती

अज्ञ तान्य दीप मे लालु यिख हल ।

गोम यँच काल शोम्भू ।।

छरान गँयि कोह तय बाल हावतम तु याद पावतम ।
हटि गँड्थिय छम म्वख्तु माल गोम यँच काल शोम्भू ।।
ब्रौठ कनि कति छ्यपु दियि हे अथि यियिहे म्वख्तु हार ।
मूह गटि ग्यानु दीप जाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
छम वुजान तावनुच वावुमाल पँत्य¹ गँयम यावनुच दिस² ।
कर क्रपा व्वन्य छेत्य गँयम वाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
ल्वकचारु प्यठ कोरुथ म्योन चारु बुजस्स मंज प्रारु कूत ।
वारु नारु जाल समसारु जाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
युथनु सॉन्य सादन नेरि जआल³ कथु कँर्य कँर्य गँयि वॉस ।
वारु पॉठ्य अग्यान म्योन गाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
परमुगत चॉन्य अख कथ म्यॉन्य तथ दपान मूखी सॉन्य ।
न छ आकाश न छ पाताल गोम यँच काल शोम्भू ।।
कर्म हीनिस फिरतु कपाल दर्मु दानु रँस्तिस मे वर ।
कर्म लीखायि म्यानि अथु डल गोम यँच काल शोम्भू ।।
क्याह कर्यम यूत ज्यूठ अयाल क्याह कस्नम बाँय बंद ।
क्याह कर्यम देहचिय याल चाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
क्याह कर्यम बोड क्वल तु यकबाल क्याह कर्यम खानुवादगी ।
क्याह कर्यम बोड नाव बोड माल गोम यँच काल शोम्भू ।।
परमु म्यँत्रा मेलि कांह खाल युस दियम चॉन्य सुमरत ।
सुय चट्यम ज्यूठ मूह जंजाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
म्यानि संकल्पु सुत्य आलम म्यानि वुछु सिरियि चँद्रम ।
राजस गव यी वँनिथ शाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
सुय मूर्खुत गाटजार गव यथ गाट्स गाट प्यव ।
ज्यादु परनस दपान चाट्हाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
तीजु स्वस्त अकार बीज हव मद्य बागस⁴ वँहसव ।
प्रानु अपानुचिय खारु वाल⁵ गोम यँच काल शोम्भू ।।
आत्मु न्यस्नयिचिय संगस्माल वारु फवलनाव नोन हव ।
वुछ सूहम हस्वख बाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
छ बजर प्रावनुक मे मजाल छ्य यछ सॉरुय चॉन्य ।
छ प्रिछ्थि⁶ करान बानन क्राल गोम यँच काल शोम्भू ।।
सीनु मुचस्थि मे वोनमय हल यीनु तीनु⁷ दर्शुन मे हव ।
कीनु त्राव ही दयाल गोम यँच काल शोम्भू ।।
चे तु मे मंज ओस पूर्यर पूरनस छ दूर्यर ।
ठु म्योन बोज मे चलो नाल गोम यँच काल शोम्भू ।।

संखियव दिच मंज जलस छल तति छुख कॉलीनाग ।
वुछ्त कृष्णस वलि मा नाल गोम यँच काल शोम्भू । ।

1. छ्यत गोम; 2. चोंग (दीप); 3. अपुज; 4. प्रानन द्द्वन बुम्बन मंजबाग बंद करुन - कुम्बक; 5. प्रानायाम कस्तु विजि प्रान ह्योर खारुन - पूस्क, बुम्बन मंजबाग बंद करुन - कुम्बक, वापस वालुन याने प्रान वायू त्रावुन - रीचक;
6. पृछुन; 7. यिथु तिथु ।

186 आत्म ग्यान वपदीश

अमर पानो ब्रम समसार छुय आदि दीव बननुक चे आदिकार छुय ।
हरख रोस्तुय बव सरु तार छुय सत् व्यचार सत् व्यचार । ।
आदि अंत शब्दन मंज ओमकार छुय जपनुय मंज अजपा जप सार छुय ।
द्यानु मंजु आत्मुक द्यान शूबिदार छुय दास्नायि दार दास्नायि दार । ।
ब्रोंठ यिथ प्रारब्दुक व्यवहार छुय पथ ब्रोंठ नेस्नस तु फेस्नस वार छुय ।
बॉय बंद बब मॉज कुस चे दरकार छुय च्यत् कर यार च्यत् कर यार । ।
परादीन मूर्ख बोज ल्वकचार छुय यावनस मंज कामुक अंदकार छुय ।
बुजस्स न ह्यकुन संकल्पु बार छुय कर प्वरुशु कार कर प्वरुशु कार । ।
ग्वडु श्रवनुय बोजुन दरकार छुय तमि पतु अदु मनुनुक¹ आदिकार छुय ।
निद्दयासन जेन तोर तयार छुय साख्यातकार साख्यातकार । ।
मूह सेंदि सुमु कनि इंद्रेय द्वार छिय यिम पार गॅयि तिम देह अवतार छिय ।
देह शोमराव देह खंदमतगार छिय कर दशुहार कर दशुहार । ।
पानस नॉल्य छुनुक यख्तियार छुय अथि आमुत बखुच हुंद म्वखतुहार छुय ।
कुस मनाह छुय करान कसुंद आंकार छुय छुख चु म्वखतार छुख चु म्वखतार । ।
हार बर लारियनु सुतिय चे खार छ्य आंस वाहरॉविथ नफसुन्य खार छ्य ।
प्रारब्दु फल बूगिथ पतु लार छ्य ग्ट अनवार ग्ट अनवार । ।
केंमिस कारोबार छुय कुस बेकार छुय नाहकय देह द्रेशटी हुंद अंदकार छुय ।
मन जेन वीदचि जेवि इकरार छुय साहबेकार साहबेकार । ।
तीवर वैरागुक खासु सब्जार छुय शिव शिव बोलान पाँ आबशार छुय ।
बेहखय रागु रोस्तु वुछनस वार छुय शांत शालमार शांत शालमार । ।
शक्ति पातकि शाहरुक सूबुदार छुय दरुमार्थ काम मुख्य द्युन यख्तियार छुय ।
यिथुय सरकार छुय यिथुय सरकार छुय कर चु दरुबार कर चु दरुबार । ।
कृष्ण नाव प्योमुत दुनियादार छुय लूकन ह्युव चेति व्यवहार छुय ।
दिवुवुन पानय त्रुबवनसार छुय सर्व आदिकार सर्व आदिकार । ।

1. मंगुनुक ।

187 होशि लीला

कृष्ण चॉनिस होशस लगय ।
यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।

चानि ह्यसु सुत्य वुछ च़े मंज़ ज़गे¹ बव सरु सूखिम स्थूलुच थल ।
समु द्रेशटि सगय सुत्यन सगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
सुह छुस दमन मंज़ कँड्य ज़ालस कविनिस बालस खसन छुस ।
च्यत् त्वर्ग² स्तनावतन यूगु वगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
यिछि अबलक³ सुत्य न्यवरँच नवारु गँड्धि च़ु तस वारु कसनाव सॉर ।
समु द्रेश्ट सडके ब्रह्म निश्ट बगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
च्यत् आनंदकि रसु सुत्य प्रानन पनुन्यन थानन मस चावनाव ।
राजु यूगु सबायि मंज़ तगि तगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
सँहजु व्यचारु रोस्त कें ह नु स्वरुन अंतह कसुन ह्यथ तनमयता ।
प्रकाश पिछे व्यमर्श अगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
प्रवरँच मंज़ यँच छिवेमचु⁴ वँच न्यवरँच कुन यिन तु मुजर⁵ दिन ।
कुकिलि फोज ज़न चानि अकि छो यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
सारेय वतु चानि अमर्यत छि छकान थफ करतु अँन्य पॉठ्य पकान छुय ।
कमितान्य मारु मावसि मगे⁶ यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
ग्यानु सँजीवनी अनतस अग्यानु रूगस बनतस वैद्य ।
शेहजार फिरतस दौदिस तु दगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
सेरय करुहँन⁷ पनुने डेरय सॉरय बापथ कोत फेरे ।
अदु क्याज़ि व्वपर गसन लगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
मूहनिस मौँडिस मख⁸ ह्यथ यितस दितस पान परमानुनुक⁹ पर ।
देह अबिमानस दूपु ज़न दगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।
न्यरामयुक मय चावनावतन पय दिथ न्यावतन¹⁰ लयस्थान ।
पय ज़न फिरुनावतन रगि रगे यि च़े तोगुय ति तगे कस ।।

1. जगतस; 2,3. गुर ; 4. आँदी गोमुत; 5. नमुन (झुकना); 6. मावस तिथि तु मघा नख्यँत्र - दृशवय छि निशीद माननु यिवान; 7. अगर त्रस करुहँन; 8. मक़ज़; 9. आजमावुन; 10. निवनावतन ।

188 ब्रह्म आकार व्रैती (वृत्ति) हुंद झ्रतर

लगयो पस्म गँचुय ।

ब्रह्माकार व्रँचुय ।।

सत् ग्वन प्रक्रँचुय बीद रस्ति वीद श्रोचुय ।
यूग ग्यानु सँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
तुर्या जागरस्तुय त्रन मोचराव न्यथुय ।
हुशियार न्यँद्रिहँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
अँशस्थि शिनि मकान वेगु मेगु खोत पकान ।
कँड्वि आलुचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
शब्द प्रकाश लूबुय गगरायि खोत गोबुय ।
वुजमलि खोत लोचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
अँगु गगनु पवनु बुतरँच सलिलुय¹ ज़न स्व लल वॉच ।
खसुहँन छ मॉजुमुचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
नेशकल पवनु फुरकल² ज़ल ज़न बनि शीतल ।
बवु संतापु तँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
आँसिथुय चानि मँसती वँसिथुय छु नशु खँसिथुय ।
मस मच्चि नँच बो नचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
रुद्र तुल्य³ आँस कथुय दम दिथ म्वखतु ह्यथुय ।
शिवु अरुनवु⁴ खँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
बोज़ तिरि⁵ तारु कँचुय वरु चानि सूखिम खँचुय ।
जान छस वालु कँचुय⁶ ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
सँहज पानुच थव चु पछ मूर्खन किचु यि छ्य प्रछ⁷ ।
तस परुन्य यस यि वैचिय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।
कृष्णस हव तुयुथ रास यथ अख गँजरि हथ सास ।
नँच्य नँच्य प्रावि प्रँचुय ब्रह्माकार व्रँचुय ।।

1. पोन्य; 2. दमन बसतु (शेरीर); 3. ह्युव, बराबर; 4. समंदर; 5. बोज़ रूपी स्त्री; 6. वरँय (बिना); 7. पहेली ।

189 बालकृष्ण महाराजिन्य अस्तुती

बालकृष्णस छस बो प्रारान ।

छल मारान यियिना ।।

बंसरी छस बो कन दारान शब्द बूज़िथ मतना ।
जसुदा छस पतु लारान छल मारान यियिना ।।
द्रौपदी छस पान मारान हान दुर्योधन लद्यम ।
मान छम छस दान दारान छल मारान यियिना ।।
छस बो राधा दम गुज़ारान नंदलाल कुनि मेलिना ।
अशि कनि छस म्वखतु हारान छल मारान यियिना ।।
गरि छिम शुर्य बाँच मारान क्याह सना रास खेलुना ।
मेलुना तस छुम सु प्रारान छल मारान यियिना ।।
क्वबज़ा छस तालु मारान नालमति स्टहॉन मोहन ।
मालु करु छस पोश चारान छल मारान यियिना ।।
छस बो लैक्ष्मी ग्वन व्यचारान छुनु तस ह्युव ब्याख कांह ।
सुय छु स्वख दिथ द्वख न्यवारान छल मारान यियिना ।।
सरस्वती छस पान शेरान क्याह सना मे वरिना ।
तस खोह्वर्य बो आसन दारान छल मारान यियिना ।।
रुक्मण छस कृष्ण गारान वरुने शिशुपाल आम ।
सुत्य नियि मे यियि लारान छल मारान यियिना ।।
दीवकी छस कृष्ण छारान काँदु मंजु म्वकलावि मे ।
कासि गम छस दम गुज़ारान छल मारान यियिना ।।
शिवरा छस पोन्थ सारान गरु नावय करुना ।
बावु बूग ख्यावन बो नारान¹ छल मारान यियिना ।।
नागेन्थ छस खून हारान रून काँलीनाग छुम ।
गोस बल ओस ज़ाहर हारान छल मारान यियिना ।।
चवंजु दायि ह्यथ ग्रायि मारान वुछ सुशीला बाग्यवान ।
अन्न कनि आँस पोन्थ कारान छल मारान यियिना ।।
सुय छु बक्ती रथि खारान तँमिसुंजे पूजायि किच ।
छस बो त्वलसी अर्ग चारान छल मारान यियिना ।।
किसि प्यठ कोहस छु खारान मोज वुछ लूकव वोनुख ।
आसिहे प्रलयुक यि बारान छल मारान यियिना ।।
पाँन्थ पानस छु अथु दारान मंगुवुन कुस दात कुस ।
ओर योर पानय छु नारान¹ छल मारान यियिना ।।
बावनायि द्वद छस बो कारान श्यामु लाल यियि चैयिना ।
प्रेयमु साफु² सुत्य छस बो फ्यारान छल मारान यियिना ।।
दयि नाव योत पथ छु सारान क्याह बकार यूत व्यवहार ।
समसारु मंजु क्याह छु लारान छल मारान यियिना ।।

कृष्ण कृष्णस बक्त यारान बवुसुर दियि तार तस ।
तारि गौमुत्य सुय छु तारान छल मारान यियिना ।।

1. नारायण; 2. मलमल कपुर ।

190 रस लीला

सँमिवी कँखि अथुवास ।

पँकिवी रस गिंदने ।।

शे र्यथ साँपुन्य कुनिय रात गोपीनाथ नचनि लोग ।
वँहर दोह गव पँहर मास पँकिवी रस गिंदने ।।
यथ बालु पानस दिमव छुह युथुय दोह छु गँनीमत ।
सासस खगस करव सास पँकिवी रस गिंदने ।।
शुर्यन बाँचन लबि कनि साँविथ वछ तलु त्रँविथ नेख ना ।
सुत्य सुत्य ह्यथ बेनि बब माँज मास पँकिवी रस गिंदने ।।
वँनिवी कस छु कृष्णुन लोल जुवुक जुव तय कँम्य क्याह चोल ।
निवुवुन मन दिवुवुन व्यकास पँकिवी रस गिंदने ।।
त्वहि कति सोन ह्युव बन्योव हल अदु कति जँन्यून तोह्य नंदलाल ।
नेखना पुस्थि व्वलास पँकिवी रस गिंदने ।।
कथ सानि महामंत्र ज्ञान वुछुन सोन मान व्वतम द्यान ।
ख्योन चोन सोन गव बोड व्वपवास पँकिवी रस गिंदने ।।
बर दारि वछ त्रँविथ नेख वथ लँब तु मसतानुवत फेख ।
दय लोल रोस्त क्याह लयि अँतलास पँकिवी रस गिंदने ।।
कथ गँयि न्यंगलिथ अथु रूजिथ कन छिनु ह्यकान कँह बूजिथ ।
संकल्पन हुंद कोर सँन्यास पँकिवी रस गिंदने ।।
यिथ्य हर्शनन ख्यय कोर शूकन किथु बनि मंज लूका लूकन ।
यिछि वति अछु रछु वयक्वठ वास पँकिवी रस गिंदने ।।
ह्यस ह्यथ गव मुस्ली वायन दीवचन तु गंदर्व कन्यायन ।
यिमु गरि रोजु तिमु गँयि व्वदास पँकिवी रस गिंदने ।।
अँस्य कमि बापथ करव त्याग असि गछि आसुन कृष्णु राग ।
सुय गव तप ज़प यूग अब्यास पँकिवी रस गिंदने ।।
ऊर्वशी वश कँर नचँनन गश गोस पुशु प्योस वचँनन ।
वुछ्य वुछ्य विगिनि गँयि वनवास पँकिवी रस गिंदने ।।
रागन स्वस्न सांगन जीन्य नाग आयि बेहेश बोजनि बीन ।
गम बम छु कासान बम जीरु तास पँकिवी रस गिंदने ।।
तँपीश्वर आयि सुत्य ह्यथ बाल मंज अकुहस्स मारन ताल ।
हीमाल समीर ह्यथ कैलास पँकिवी रस गिंदने ।।
सनकादिक सतु रेश्य लूकपाल बेयि यिम छि व्वलँगिथ माया ज़ाल ।
गुल्य गँड्य गँड्य छिस पृछन इतिहस पँकिवी रस गिंदने ।।
काया दँस्थि मायातीत यूगुक साँमी बूगक्य हीथ ।
बूगिथ छु न्यस्मल न्यस्-आबास पँकिवी रस गिंदने ।।
तन स्वख मन स्वख ह्यथ मंजबाग सँखियन सुत्य छुय ग्यवान राग ।
रँसी सुत्य ह्यथ दँसी दास पँकिवी रस गिंदने ।।

अपौर्य नादा यपौर्य वादा	च्चपौर्य राधा-कृष्ण छुय ।
प्रथ कौंसि सुत्यन कँस्थि अथुवास	पँकिवी रस गिंदने ।।
जसुदा माता गुरुस छ मंदन	नंदगूप नंदन गिंदन छुस ।
द्वदस तु थनि छुस करान ग्रास	पँकिवी रस गिंदने ।।
अथु छस कृयि मंजु न्यबर कडन	चखि मंजु प्रेयम बडन छुस ।
ख्वश यिवुवुन छुस करान त्रास	पँकिवी रस गिंदने ।।
कन्यन थँन्य गँयि पलन पोन्थ	नचन मंजु नारुद गोसोन्य ।
शीन ज़न मूह गोल च़ोल तलवास	पँकिवी रस गिंदने ।।
मँशिथ गव गुपनन गासु ख्योन	वछ्यन तु शुरुयन मोठ दाम द्युन ।
सीमाबस सपुन अलमास	पँकिवी रस गिंदने ।।
रातस द्यन गव दोहस रात	श्यामस वुछने आव प्रभात ।
पानय साँपुन कालस ग्रास	पँकिवी रस गिंदने ।।
युस असि कोचन मंजु प्रारान	तस पतु कारन छि लारान ।
ब्रह्मा इन्द्र रुद्र व्यास	पँकिवी रस गिंदने ।।
असि मँज़िम्यन ¹ हुंद छुस बोड पास	करुनाव व्वन्य अँस्य शुराहसास ² ।
कृष्णस श्री कृष्णस अथुवास	पँकिवी रस गिंदने ।।

1. मंजुबागन, न ओर न योर ; 2 16000 गुपितयन यिथुपौत्य श्री कृष्ण अथुवास कँस्थि ओस तिथय पौत्य रँटि
असि ति याने असि दियिन मुक्ती ।

191 कर्म यूग

यूग बल सहस्र दलु डलु द्युत मे दम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।
नेशकल शेशकलि वुज मे जमजम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
बालु पानु आम चोन प्रेयम हरे	पॉन्य पानु श्रेह रेह वोथ मे जमजम हरे ।
तिछ गॅयम प्रय चॉन्य पथ हेयम यम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
तेलि सुय सौरुपस यस चलि ब्रम हरे	नतु छ त्रेलि कर्मु तीज शीलि ¹ शम हरे ।
मेलि मस चोन कस गेलि आलम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
दोरुम द्यान ह्यसु खोरुम दम हरे	तोरुम पान व्वश्चोरुम ² ॐ हरे ।
चोरुम तु तोरुम म्खतस त्रम ³ हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
आश्चर्य थानस छि आश्चर थम हरे	आश्चर यि बसुवुन छुस न्यरालम हरे ।
आश्चर यि ज्ञानान छुस व्वतम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
पवक् रोस्त शंख छुय करन ॐ ॐ हरे	ठनि रस्ति गंतयि स्वर छि कम कम हरे ।
जीर रोस्त ⁴ बूज अजपा ⁵ जीर बम ⁶ हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
सांख्य यूग सौंथ आम ह्यथ समागम हरे	हर्शु रस्ति बामुन द्राम चोल मे गम हरे ।
होशि पोशि थरि प्योम शांत शबनम हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
सकामु कर्मु बारुक तुल मे कुम ⁷ हरे	नेशकामु कोचु त्रावनावतम कदम हरे ।
न्यर्वासनु आसनु त्रावतम ⁸ हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
सु स्वयम वासुदेव छु सर्व स्थितम ⁹ हरे	श्वदु च्यतु बूदमय शब्द ब्रह्म हरे ।
आत्म त्वतु राग ¹⁰ त्याग अनातम ¹¹ हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।
सूर्या छि तत् ¹² पद त्रावान त्वम ¹³ हरे	विज्रिया स्वय प्रेया चॉनी छम हरे ।
कर दया वुछ म कृष्णस क्रै या कर्म हरे	च्यत् नावि रोट मे नम सूहम ह्मु हरे ।।

1. कॅन्य; 2. उश्चासु करुन; 3. जोद करुन; 4. हरकॅ च वरॅय; 5. मानसिक जप - जैवि तु हटिचि हरकॅ च वरॅय जप करुन; 6. जीर तु बम = ताल तु स्वर ; 7. बोर, वजुन; 8. थकावट ; 9. सर्वस्थितम; 10. आत्म तत्व सान राग; 11. अनात्म बावुक त्याग; 12, 13. तत्त्वम - असि ।

192 शिव पूजा

नेशकामु न्यर्मल नेशकल शोम्भू ।
 वर मे शरनागत वत्सल शोम्भू ।।

गोड बो दिमयो अशिके जल शोम्भू अशिके जल न्यत्रु कमल शोम्भू ।
 न्यत्रु कमल पंकजु डलु शोम्भू पंकजु डलु मंजु जलु थलु शोम्भू ।।
 मंजु जलु थलु द्यानु याखबलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 पान वंदयो श्वद कायायि शोम्भू श्वद कायायि न्यर्मायायि शोम्भू ।
 न्यर्मायायि शांत प्रेतिमायि शोम्भू शांत प्रेतिमायि अथ तीजु छयि शोम्भू ।।
 तीजु छयि खसु छ यूगु वुजमलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 न्यत्रुन मंजु करयो जाय शोम्भू करयो जाय छम चॉन्य माय शोम्भू ।
 छम चॉन्य माय सतुचिय राय शोम्भू सतुचिय राय कर मे व्वापाय शोम्भू ।।
 कर मे व्वापाय युथनु जांह डलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 अंदरय पोश फोल्स मनु बागु शोम्भू फोल्स मनु बागु पूजि च़ेय लागु शोम्भू ।
 पूजि च़ेय लागु सर्वु त्यागु शोम्भू सुत्यु सर्वु त्यागु तिबरु वैरागु शोम्भू ।।
 तीबरु वैरागु वंदयो कलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 चानि आशायि च़ेय कुन आस शोम्भू च़ेयकुन आस पेयिनय पास शोम्भू ।
 पेयिनय पास छुस बु चोन दास शोम्भू छुस बु चोन दास संकट मे कास शोम्भू ।।
 संकट मे कास सर्वु मंगलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 तोर मुच़राव श्रदायि बरु शोम्भू श्रदायि बरु वेग्यानु गरु शोम्भू ।
 वेग्यानु गरु यूगु मंदरु शोम्भू यूगु मंदरु शखुच़ हंदि वरु शोम्भू ।।
 शखुच़ हंदि वरु खखुच़¹ हंदि छलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 हॉविथ पाद गाल व्वापाद शोम्भू गाल व्वापाद ज़ाल अपराद शोम्भू ।
 ज़ाल अपराद कर मे प्रसाद शोम्भू कर मे प्रसाद लायय नाद शोम्भू ।।
 लायय नाद व्वलु केवलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 ब्रह्म ज़नमुक छुम नवसाल² शोम्भू साल छुम तु शक्तिपातु बर मे थाल शोम्भू ।
 बर मे थाल वुछ श्वब फलु फाल शोम्भू फाल वुछ हाल दिम म्वक्तु हाल शोम्भू ।।
 दिम म्वक्तु हाल³ अनुग्रेह खलु⁴ शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 त्युथ करुनाव यथनु आसि करुनुय केंह त्युथ परुनाव यथनु आसि परुनुय केंह ।
 त्युथ दरुनाव यथनु आसि दरुनुय केंह त्युथ स्वरुनाव यथनु आसि स्वरुनुय केंह ।।
 मंजु रागु नगरु त्यागु जंगलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।
 कृष्णस तार यमि बवु सरु शोम्भू यमि बवु सरु कास अरुसरु शोम्भू ।
 कास अरुसरु फिरतन सु स्वरु शोम्भू फिरतन सु स्वरु पान करि सरु शोम्भू ।।
 सरु करि चानि रायि त्रायि तलु शोम्भू वर मे शरनागत वत्सलु शोम्भू ।।।

1. युक्ति; 2. नोव वेंरियि; 3. मुक्ति; 4. बंडर ।

193 ओम (प्रणव) उश्चारुनक व्वपदीश

सॉरी समव तु पायस प्यमव
 अँबीद अनाथ अँतीत बनव
 यथ मूह गॅलिस ब्वद छु तस्न
 नठ वँछ्मुच छि राजु हमसन पस्न
 श्वद छि बनन अंतहकस्न
 युथ गोछ त्युथ छु निशानु मस्न
 तम कोड² तु अँ रोट व्वन्य क्याजि छ्यनव
 संतोशु व्रँच गछि प्रान संदारुन
 देहुक अबिमानुय गछि मारुन
 वैराग दारुन यमि समसारुन
 सँहजु पान गछि पानय तारुन
 यी वोन वीदव तु यी सतज्जनव
 समसारु समुद्रा छु सोनुय
 राग द्वेशि क्रम⁴ मछ⁵ छिस ब्योन ब्योनुय
 आशायि बोठ छुस ब्रॉत्य सोपुनुय
 वाँतु कति लग छंति क्युत छुस रोनुय
 युथ नाव मंज अनुभवस अनव
 बोड लूटा यिथ देहुक ब्रम प्यव
 यिछि दबुदबि मंज शम प्यव तु दम प्यव
 ब्रह्मन जनमुक महातम प्यव
 विवेक ह्यथ ड्यूठ ब्रमन तु काँप्यव
 दयि दनु अथि आव खजानु खनव
 शार्यर⁷ पनुन छुय कुनिसुय जु हवन
 छुख रातु म्वगुल मंजबाग कावन
 पँत्युम शँतरुत नु च्यतस पावन
 बस्मँदिन्यन पानस छ्यपु दावन
 अँ शब्द प्रकाश वुछ पूर्नव
 अरूपस कुस सोरूप वने
 यी आसि ती बासि तति कांह नु कुने
 म्वच्चि नादु ब्यंदा मंज हनिहने
 प्रथ कुनि मंज आँसिथ अंदुकने
 सुय जानि यस बनि अँस्य क्याह वनव
 वनुन छु स्वलब दर्लब छु पालुन
 चालुन गव श्रेह रेह पान जालुन
 गालुन गव मदु निशि पान वालुन
 पावुन च्यतस रामु चँद्रुन तु शालुन

शमव तु शाँती कुनुय लमव
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (1)
 च्यत जानवास्स पखु छ हस्न
 मन छुन वैकन तु द्यान छुन दस्न
 अव्यक्त वरुन गोछ छुन वस्न¹
 शस्न सॉपुन्य व्वन्य सत् ग्वस्न
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (2)^x
 शाह गछि बूजिथ वालुन तु खारुन
 संकल्पन पतु गछिनु लारुन
 गँम्बीर पानस छ्वचर हारुन
 तारुन गव यी ओम व्वश्चारुन
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (3)^{xx}
 त्रेशनायि जला छुस फेरुनुय
 फाट्नावुनुन छुस मूह आवलुनुय
 हांगनि रूप⁶ सेकि जल बासुनुय
 केशव रूपु छुम अँ तारुनुय
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (4)
 लूटनि लोग वनु क्याह क्युथ गम प्यव
 स्यजर तु पजर क्रेया तु कर्म प्यव
 अथ मंज यिथ दर्मराजा अँ प्यव
 तल गव तु तस प्यठ न्यरालम प्यव
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (5)
 दुगोश दुच्योत छुय द्वगनावन
 अनिरु पननि दोह रावुरवन
 ब्रॉत्कुन ति नोवुय नोवरवन
 सिरियस तामथ हान वातुनावन
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (6)
 स्वरुन त्रॉविथ अच्यत बने
 तुर्या रूपा न्यरलीप नने
 ब्रह्मानंद सनि व्वगने
 तथ कलि यथ नेशकल अँ गने
 व्यचार कख तु स्वख प्रणव (7)
 पालुन गव सोरुय केंह चालुन
 जालुन गव देह अबिमान गालुन
 वालुन गव बयु कासुन कालुन
 व्वपाय छंडुन यमि कलिकालुन

नतु क्याह वोथ नखु बूज्य बूज्य कथव व्यचार कख तु स्वख प्रणव (8)
न्यथ सर्वु संकल्पु सँन्यौसी आस न्यवरँच हुंजि व्रँच अब्यौसी आस
व्यवहारस मंज व्वदौसी आस बँस्ती मंजबाग वनवौसी आस
अबिलाशव रोस्त व्वलौसी आस आँसिथ न आँसिथ व्यकौसी आस
च्यवुवुन न्यरामय खौसी आस आत्म निश्चय वेश्वौसी आस
वथ हौव गथ प्रौव अनंदुगनव व्यचार कख तु स्वख प्रणव (9)
कृत्य पोश फोल्य ब्रह्मांडचि थरे अँ ज़ोन यिमव तु तिम गँय वरे
अँ शिव हरे अँ शिव हरे तँम्य पोर सोरुय युस अँ परे
तँम्य सोर सोरुय युस अँ स्वरे तँम्य कोर सोरुय युस अँ करे
अदु कस मासुन तु अदु कुस मरे वेग्यान रूपय अँ तस वरे
कृष्णस अँकार मनु वाजि खनव व्यचार कख तु स्वख प्रणव (10)

1. अव्यक्त ईश्वर गोछ स्यद करुन मगर छुनु सपदान; 2. थकावट ; 3. थकव; 4. कूर्म; 5. मगस्मछ ; 6. सीप (सहेलल); 7. दोल दुकोन, शोर ; x. यि छु सवालु; xx. अम्युक जवाब ।

194 सर्व रूप भगवान संज्ञ अस्तुती

सोरुय अमि यमि सानय ।
छुख चु पानय शोम्भू । ।
देहु च्यतु बोज्ञ मनु प्रानय अमि यमि सानय छुख ।
सोरुय चुय अँस्य बहानय छुख चु पानय शोम्भू । ।
ह्लिह्लि हल छु सपदानय कतर कतर दँरियाव ।
गलु अम्बार दानुदानय छुख चु पानय शोम्भू । ।
प्रथ सोदा छु वानुवानय गछि आसुन चोन बाव ।
अदु मेलि पूरु पस्मानय छुख चु पानय शोम्भू । ।
पुस्थि जलु सामानय देह फ्वकडूना द्राव ।
मेलि तथ मंज्ञ अकि आनय छुख चु पानय शोम्भू । ।
सीमिनि¹ द्वद स्वनु बानय मंज्ञ वैकनुक हव रूप ।
बक्त्यन छु ग्यान ठँहसानय छुख चु पानय शोम्भू । ।
वँछ बलाया आसमानय छस कलाया दर्मुचिय ।
गॉब गॉयि शिनि मॉदानय छुख चु पानय शोम्भू । ।
नेर मंज्ञ देह अबिमानय कर मु सामानु स्वरसु साज्ञ ।
नाज्ञ कम कर रज्ञदानय छुख चु पानय शोम्भू । ।

1. शेस्नी ।

195 यिनु गछनु निशि म्वकलनु बापथ व्वपदीश

सरु कोर समसार नदरुय द्राव ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 बंद कर लूबु संकल्पुक वाव पानय पकि प्राख्दुच नाव ।
 कर पुरुकर्मक्यन पम्बुछन क्राव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 समसास्स मंज रोज न्यर्मल वुछ्तु ख्यलुवँथस्स मा लारि जल ।
 पॉनिस मंज ऑसिथ त्राव त्राव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 मायायि हिलि खोच पतु छस खेज¹ समु द्रेशट्ट छ्टुवॉर पकृनाव तेज ।
 दर्मु व्वद्युग कर्मु खोरि वाय नाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 मायायि मंज न्यर्माया रोज स्वरसान रोज वैरागु स्वर बोज ।
 सतसंगुक्यन बंगुनय कन थाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 सूह्मु ह्मु वाय मूहने शॉठ्य जॉन्य नाव पकृनाव सेजि वति पॉठ्य ।
 सँहस्रदल डल पदमु आसन प्राव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 अंदर वरु² छेर³ रोज नरुकिय⁴ पॉठ्य स्नेह बोस्तुय पख सतजनु गॉठ्य⁵ ।
 लाब प्राव पेचि⁶ ह्युव छ्वचरुय म हव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 परदु तँल्य क्रय कर वुछ केव्य⁷ जूज⁸ अंदर प्राव गोर जन ग्यानुच गूज ।
 न्यँबुर्य देह अंदकार कौंड फुट्शव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 अतु गतु कुकिलि पोट⁹ येन्य¹⁰ जन म यीर¹¹ जुवरुक्य¹² पॉठ्य क्वसंगु मंजु नेर ।
 म्वखतु छ्य सतजनु बाजरुक बाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 मनु क्यनुबोब¹³ दयि लोलु लाब बर मेलिय सतग्वर सोदागर ।
 बावु वावु होशु बुमिपोश¹⁴ फवलुनाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 समसार बोर लोचराव त्राव फ्रख गिलि¹⁵ हुंघ पॉठ्य डलु जलु पेठ्य पख ।
 राजु हमसु पानस अँज म गँजराव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 श्वद वासनयि शम स्तनय कम शमु दमु वुफ त्राव दि म किसि दम ।
 थदि होशिकि गोशि पान वुफुनाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 ज़बुकुकि¹⁶ सुंघ पॉठ्य थोद म तुल फोद¹⁷ बूद¹⁸ रोज सूद छ्य आत्मु बूद ।
 पोशनूल¹⁹ सुंघ पॉठ्य कृष्ण गीत गाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 जगतुचि तापु तचि वुडरि निशि चल सायि कर सतजनु कुलिसुय तल ।
 जल चथ फल ख्यथ लाग डल काव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 ग्वरु शब्द कुकिल जन बोल शोम्भू कर्मु क्वकरु सुंघ पॉठ्य क्वकरुकू ।
 अंग दूशु संगु दूशु देह म रावराव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 वासनयि गाडि लूबु व्वट मो दाव मनुचिय त्रेशना कनु किन्य त्राव ।
 बोज ब्रग²⁰ संतोशि ताज दिथ थाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 जीवु दयायि हुंद कर व्यवहार अवेद्यायि हरुवचि²¹ बीदु न्याय हर ।
 अविनाँशि नीलक्राशि²² बाशि करुनाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 व्वदरुकि²³ लूबुक्य क्रम तय मछ²⁴ शोमरिथ संतोशिचि ग्वफि अछ ।
 कामनायि सीमिन्य²⁵ बाख म दाव डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।

रजि छुय सरफु ब्रम नजि²⁶ छुय नाश
 दँजिथ रज ह्युव बन तिजिथ²⁷ नँट्य बाव²⁸
 वीर कुवीर छुख छिनु दनु द्वार
 वीर चानि दैर बोनि निशि वीरि माव
 स्वप्रकाशु बोज स्वनु लॉकि वथराव
 रंगु रंगु बेरंगु वुछुतु क्युथ द्राव
 शांत शालमॉर छुय शिवु अनुग्रेह
 सँन्यासु व्रँच अँतलास पॉराव
 राजु रेशि नगरु मंजु रोज वनवास
 जनक राजु रजसी मंजु याद पाव
 शक्तिपातु निशात शिवु मंडल
 आत्मस परमु आनंद मस चाव
 नेशकलुकुय प्वलावा खे
 मूह वति थकनुक रोजिय नु ताव
 च्यत् तँकिया दिथ सत् फरशस
 यूग बालादरि प्यठ लरि साव
 विवेकु वयसरु³⁰ मंजु कर श्रान
 तुर्या बागु यूगु न्यँद्राह त्राव
 हमसु नावु सरु कर शाह तूल्य तूल्य
 पवनस गगनस सुत्य मिलनाव
 अन्न जल बूगनि गृट जनु फेर
 ग्रख दिथि लछ त्रख चॉन्य अख पाव
 स्यजरुकि सौथ्य पख सतसुय सुत्य
 त्यागु खोरन लाग वॉरागु खाव
 बवुसरु सॉरुक कड अरमान
 कर्मु स्यँजु बोजु नाव स्यँजु पकुनाव
 यकजा मिलिविथ पांचवय त्वत्
 राजु नेर सॉरुस छुय कुस वाव
 परजुनॉविथ अमरु पान आस
 सुत्य बाज्यन हुंजु थँविज्यनु ग्राव
 राजु यूगु अब्यासु मनु डूंगु रठ
 फटनुकि खोफु गाल वासनाथि वाव
 दोरु फिरु³⁴ म्वकलख वुछ वावुमाल
 पूर पख दूर छुय नखु पुर्य त्राव
 मन जेन स्वख प्राव स्यद गछिथ यूग
 न्यर्मल आस कास देह ब्रम बाव
 सादु प्रकरँच शाहजादा गरि नेर
 सुत्य आख ह्यथ³⁶ तु ख्यथ आनंद प्राव
 पजि पजि वुछुतु छुख च्यत् आकाश ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 समयिकि स्वखु द्वखु व्यरुथ म हार ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 व्यचारु न्यँत्रव नजरह त्राव ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 अँदरिमि त्यागु न्यँबरिमि रागु बेह ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 नेशकाम रोजु त्रियि अँसिथ दास ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 प्राव छव बखुच प्वखुच शखुच हुंद डल ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 न्यरमायायि हुंजु चाया चे ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 बोजु बाँर्या²⁹ आत्मा रूपी प्वर्शस ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 अद्वेतु पानि नाव मन तय प्राण ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 मंडक शब्दु³¹ मिनि मंडक बूल्य ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 कर्मु फलु छलु तलु ओट ह्युव नेर ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 अजु तान्य वतुगथ आय गँयि कृत्य ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 मूह गुति कँदलस नीरिथ ज्ञान ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 देह अगनबोट³³ सुत्य आख ह्यथ ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 ख्यथ च्यथ ह्यथ दिथ बाग्यवान आस ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 हठ कर मु इन्द्रेय वगुव्यन म चठ ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 बालु पान आलविथ बाल रठ बाल ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 इन्द्रेय खुलु त्राव बूगुन्य बूग ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
 रादु रादु³⁵ सॉरु कँरिथ पोत फेर ।
 डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।

पछि वछि ³⁷ सुत्य प्राव ग्यान गूर्य बाव	च्यत् चडि मंजु आत्म द्वद परजुनाव ।
न्यस्नयि खोर ³⁸ ख्याव चाव वीदु गाव	डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
कर्म कृयि द्यानि दानि दर्मु द्वद मंद	अवशद नेरि तथ जसुदानंद ।
तस छु बूग बूगिथ ब्रह्मचर्य नाव	डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
यिछि प्रकरं ³⁹ मुख्य दायक नाम ⁴⁰	व्यवहारस मंजु रूद नेशकाम ।
लेम्बि मंजु युथ पम्पोशा द्राव	डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।
मूह सेंदि तारिय कस्नावतार	कृष्ण बोठ खारिय गंगदार ।
बवु सर आवलुनि केशव नाव	डल मु होशि च्यतुकिय पम्पोश छव ।।

1. तेंछिन्य, कशुन; 2. पेचदार ; 3. बगौर ; 4. नस्कॉन्य गासु; 5. गाढ 6. पेचि गासु; 7. क्योव - अख फल; 8. परदु; 9. अख गासु; 10. ताना बाना; 11. बनाव; 12. जुवर - अख फल; 13. अख म्यवु; 14. अख पोश; 15,16,19-22. जानावास्न हुंघ नाव; 17. वुफ; 18. खबरदार ; 23. यंड हुंजि; 24. मगरमछ ; 25. मादु सुह ; 26. नही; 27. त्यांगिथ; 28. शेशेर ; 29. ब्दि रूपी बौर्या; 30. पान्युक चेश्मु; 31. माडुक्य उपनिषद; 32. मिनि म्वंडुच्यन हुंजु क्रख; 33. अगन बोट (मोटर बोट); 34. यिनु गछ्नु; 35. अकि पतु अकि खाहुक सॉर केंस्थि वापस यि; 36. प्रारब्द फल; 37. पछि रूपी वोछ ; 38. डलस मंजु पॉदु गछ्नुन अख गासु; 39. यिछ प्रकरत (यथ मंजु य्वसु वॅन्यमुच छ) थावन वोल; 40. रजदान सॉबुन्य गुरु देव (श्री मुकुंद जुव तिकू) - रजदान सॉब ऑस्य तिमन तमी नावु याद करन; —————. यिछ प्रकरथ थवन वॉल्य - श्री मुकुंद जुव, मुख्य दायक - यिम समसास्स मंजु रूजिथ ति ऑस्य नेशकाम बाव थवान, व्यवहारक ओस नु तिमन प्यठ कांह ति असर यिथु पम्पोश रबि तु पानि मंजु नीस्थि ति छु द्दशवुय निशि ब्योन तु बे असर रोजान ।

196 सोद्य वॉनिस ह्युव दर्शुन दिनु बापथ

बूलु बालु बालुकन सुत्य खेलनावतम बालक अवस्था प्रावनावतम ।
ज्ञान करुनॉविथ पान परजुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
कठिनय बवु सरु छंठ वायनावतम मूह पोन्थ वोतुम हँटिसुय ताम ।
लँटिसुय ब्रेशबस थफ करुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
थजस्य प्यठ अख नजराह त्रावतम शिशरुम नाग¹ मे थावतम नेब ।
वनि यितु अनिरुकि सनिरय म रावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
ब्रह्मन जनुम दिथ मतु मंदछवतम नबु प्यठ ब्वन मतु दावतम दब ।
अमरनाथ अमर बनुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
दासन हुंद दासा गँजरावतम मतु मँशरावतम पनुनिय ज्ञान ।
येति छुख पानय तोत वातुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
अजपा जपु येग्यनि ज्यूत्य प्रजुलावतम ट्वदु शीश ज़न मौचरावतम मे ।
ह्री महेशि दीश दीश मतु दशरावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
सत् च्यत् आनंद अमर्यत चावनावतम न्यथ बासनावतम सूहम सू ।
ॐ शिव शोम्भू शब्द शोमरावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
मनु नागस प्रेयमु पोन्थ वुजुनावतम सुलि वुजुनावतम हावतम रूप ।
मंज प्रबातस सातस मतु सावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
मूह मायायि सुत्य मतु तम्बुलावतम सतुचिय कथ पावनावतम याद ।
च्यतुकुय च्चेनुन न्यथ च्चेनुनावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।
सतुचिय न्यरनयि पय पकुनावतम दयि पनुने नयि हावतम वथ ।
नाव छुम कृष्ण शिव बाव बँडरावतम सोद्य वानिन्य पॉठ्य हावतम रूप ।।

1. शीश नाग - अमरनाथ तीर्थस गछुवन अख पडव ।

197 महात्मा अभिनव गुप्त आचार्य संज्ञ हिश म्वक्ती मंगान

साँरी ह्यथ निम सर्वु व्वपकाँरी ।

अभिनव गुप्त आचॉरी¹ ज़न ।।

बाह शथ चाठ ह्यथ सु बालु ब्रह्मचॉरी	साँरी ह्यथ गव शिव लूकस ।
येति देह ह्यथ गव कुस देहदाँरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
बक्त चॉन्य कति महाकालन माँरी	लगयो पाँरी शिव रूपस ।
पालना कखुनि कालु समहॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
हस्वख ² द्रेशटि असि सर्वु पाप हॉरी	यान्य आयि नुनरुकि ³ नाँरी किन्य ।
सेँदि श्रानु शिव द्यानु पापु न्यवाँरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
रामु रादनु ⁴ बर्थु बालु ⁵ खँत्य साँरी	महालिशि ⁶ प्यठ बीठ्य साँरी ह्यथ ।
बरनिबलु ⁷ मुच्रस्थि प्रेयमु बरनि ताँरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
नादु ब्यंदु हमसु नावु छुख च्ववापाँरी	नाँडी चँक्रु सुत्य गँयि ब्रह्म जान ।
ब्रह्मरँद्रु ⁸ सरु गोख तौर्य हमसुदाँरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
स्वखु म्वखु प्रेयमुक ओश गव जाँरी	न्यथुननि सनि व्वगनि असि वनि आख ।
शिवु लोलु क्वलुसरु ⁹ सर्वु पाप हॉरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
कोफूरु रंगु छुख गंगाधाँरी	असि प्यठ गंगुजटु जाँरी त्राव ।
बक्त ननि अदु बनि सर्वु व्वपकाँरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
भैखनाथु च़ेय पतु लौर्य लाँरी	बीरुव ¹⁰ प्यठ निम लाँरी ¹¹ किन्य ।
ग्वफि मंजु अमर्यत दिम दौर्य दाँरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
गँज मे दूर्गथ चँज मे खाँरी	लँज मे वथ थँजवाँरी ¹² किन्य ।
ग्वफि मंजु गँजगाह कस्य जटुदाँरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।
जयजय छुय च़े शिव ओमकाँरी	यितु दर्शुन दितु नितु कृष्णस ।
त्रॉविथ सर्वु संकल्पु बाँरी	अभिनव गुप्त आचॉरी ज़न ।।

1. आचार्य; 2-8,10-12 जायन हुंघ नाव (बरनिबल = मुन्निपोर, बीरुव = बडगाम, येतिचि ग्वफि मँज्य अभिनव गुप्त 1200 चाठ ह्यथ शिव लूक गँयि); 19 शिवलूक ।

198 शिवजीयस त्रे वर मंगनुच प्रार्थना

सदा शिव साँमियो कर म्योन चारय
दया दर्मय व्यचारय सुत्य वारय
छ अख कथ यी बनन्य गॅछ मे पनुन्य ज्ञान
सतय बासुन तु कासुन गोछ मे अग्यान
मरुन वखतय स्वरुन गोछुस शिवु द्यान
यिहाँय कथ नॅन्य छि कॅन्य छ्य संगि फारस
स्व हॅट यथ लॅज तु तथ बोरुन पनुन ग्वन
हचे तु कने येलि आसि युथ स्वबाव
छु अस्त्वत मे दोहय शिवय शिवय कोर
छु अस्त्वत मे दोहय ओस शिव सुंद लोल
तोता चाँनिय मे यिछ पॅज या अपुज वॅन्य

यि ब्रह्मन जनुम मा मेल्यम दुबारय ।
सहाय रोजुम बोजम कथ तारय ।
यमी ज़नमय गोछुम नेरुन यि अस्मान ।
मरुन गोछुसनु पोश ह्युव मूर्ख नादान ।
स्वच्यत् पथ कुन मोचिथ त्रावुन गोछुस प्रान ।
चंदुन छुय हॅट तु वुछ्तस शीतु जास्स ।
स्व कॅन्य यथ लॅज तु तथ चीज़स बन्योव स्वन ।
बो क्याह वनु आसि क्युथ अदु शिव सुंद नाव ।
छु अस्त्वत मे न्यथुय शिवय व्रथुय दोर ।
छु अस्त्वत मे शिवय ज़ोन मॉज तय मोल ।
यछ्रये चानि कॅड वॉनी मे निशि नॅन्य ।।

।. शेहजारस ।

199 शिवनाव सुमरनि हुंज महिमा

पथकुन अमर्यत प्योमुत छु यारे बेखबरी मंज सौंपुन्य सबुज ।
अदु युस शिव नाव जेवि प्यठ खारे तस कति मारे यम तय काल ।।
समया वॉतिथ पानु देह त्रावे च्यत् सौरूप तस दान पावे याद ।
ब्रह्मांडस प्यठ तस प्रान खारे तस कति मारे यम तय काल ।।
युस येति लोल ओश त्रावि दारि दारे व्यतस्नी नैदी¹ क्याह करि तस ।
अकि शिव नाव सुत्य जगतस तारे तस कति मारे यम तय काल ।।
युस शिवनाथस अनर्जन्य माने तस कुस चाने यमु दास्स ।
धर्म रजु ब्रौठ तस मीठ्य दिनि लारे तस कति मारे यम तय काल ।।
अकि शिव नाव लछ्बेद्य पाप गाले चित्रगुप्त कुस कलम डले तस ।
कुस पापु डंड तस बेही प्यठ चारे तस कति मारे यम तय काल ।।
युस शिव पूजायि कित्य पोश चारे तस करि दीवलूक पोशि वर्शुन ।
सुय खसि व्यमानचि सवारे तस कति मारे यम तय काल ।।
समसास्स युन छु ग्ट अनवारे प्रारब्द फल छुय खारे² मंज ।
फल सोरि³ छल बेहि⁴ कुस कस प्रारे तस कति मारे यम तय काल ।।
कृष्णस सुय शिव शिव करुनावे चावुनावे तस प्रेयमु अमर्यत ।
सुय नाव वेग्यान यूग तस यारे तस कति मारे यम तय काल ।।

1. वैतस्नी नदी; 2. ख्रवार (वजुन); 3. खतुम गछि ; 4. (जनमुक) चक्र बंद गछुन ।

200 अवस्था गुज़रनुक इज़हार

कथु कैर्य कैर्य गोम ल्वक्चार ।

आर यियनय शोम्भू ।।

ज्यूठ सँदरा छु कूठ समसार छुसनु बोठ तु छुसनु तार ।
यिथि मंजय क्वछि क्यथ मे खार आर यियनय शोम्भू ।।
ब्रौठ कनि छुम दजुवन नार पतुकनि शोर अंबार ।
यिथिसुय मंज छु म्योन व्यवहार आर यियनय शोम्भू ।।
ज्यूठ मँज़िला कोड मे यकबार पोत फेरसस छुमनु वार ।
वति प्यठ छुम कालु शाहमार आर यियनय शोम्भू ।।
अति क्याह पकि म्योन गाटुजार अति कुस यिथि दरकार ।
वुफि निम ज़न मे जानावार आर यियनय शोम्भू ।।
खसुवन कोह वसुवन नार पतुकनि छुम बोड बार ।
थँकि मुतिसुय कर परम्पार आर यियनय शोम्भू ।।
अख जंगला वुछ मे शूबिदार वेह सान छुस शेहजार ।
अथ जंगलस छु चंदनुक दार आर यियनय शोम्भू ।।
अथ चंदनस छु गुनसु गटुकार अथ लागनस छुमनु वार ।
अति दार श्री कृष्ण अवतार आर यियनय शोम्भू ।।
ज़नमन हुंद कर्मफल हार करुनाव नेशकामु कार ।
देह अबिमान मद म्योन मार आर यियनय शोम्भू ।।
अँन्य आशा नँन्य तु नादार करिहे कमकम कार ।
नचुवन्य छस नँन्य तलवार आर यियनय शोम्भू ।।
कोस्मुत छुमनु कांह त्युथ कार नज़ि काँसि प्यठ व्वपकार ।
दयुगँच्च सुत्य कें छ्र मे यार आर यियनय शोम्भू ।।
जीवतिस मंज छुस लाचार क्याह करु दुनियादार ।
दयु दैरुय छु दनु तय द्वार आर यियनय शोम्भू ।।
कृष्णस दितु साख्यातकार बारम बार शोम्भू ।
च्यत् सुफार ब्रह्म व्यचार आर यियनय शोम्भू ।।

1. विकास ।

201 अनुग्रह अस्तुती

बालु पान आलवय बालव बालव	बालो आलव दितमो ।
बालव बालव प्यठ संगरमालव	बालो आलव दितमो । ।
सुह कैर्य प्छल्लोव्य चान्यव हसु छलव	पेठ्य पंचालो यितमो ।
वुंगु दिचु शालव बोज विशालव ¹	बालो आलव दितमो । ।
लोलु मसुकिय प्यालु बरय कलुवालो	प्यालव प्यालव चतमो ।
मेति दितु मँसती पनुन्य मतवालो	बालो आलव दितमो । ।
खिरु खंडु कंदु बावु बूग संबालो	थालव थालव ख्यतमो ।
अनुग्रह छु व्वपदान यिथिवुय सालव	बालो आलव दितमो । ।
बवुसरु सॉर करु नालव नालव	लालो सुत्य सुत्य नितॉमो ।
आलव चु यूग नावि बॅर्य मे बूग गालव	बालो आलव दितमो । ।
कृष्णन ओश त्रोव चालव चालव	व्वन्य कूत चालो यितमो ।
अजपा जप कोर मालव मालव	बालो आलव दितमो । ।

1. थजि बोज वॉल्य ।

202 शिवजियस कुन बक्ती बँरुच आवाज़

वारु वनतम मारुमते	छुख चु कते हे ।
वँन्य बो दिमयो वति वते	छुख चु कते हे ।।
द्यान दारान म्वखतु हारान	सत् व्यचारान छुस ।
लारुवुन छुस लारु वते	छुख चु कते हे ।।
ज्ञोनमखय छुख चु पूसन	क्याज़ि दूरन छुख ।
नूरु बँरते सूरु मते	छुख चु कते हे ।।
यूगक्यव ग्यानु न्यँत्रव	पदमु पँत्रव सुत्य ।
वुछ्तु मेकुन न्यँद्रिहते	छुख चु कते हे ।।
दिवुवुन छुस नेशकामय	शाहरु गामय वँन्य ।
कामुदग्द ¹ जामु छते	छुख चु कते हे ।।
दर्शुन अमर्यतु वर्शुन	दिम मे लोगमुत छुस ।
फल कुल ज़न प्यठ वते	छुख चु कते हे ।।
पालवुनि यितु कृष्णस निशि	आलुविहिय पान ।
बालु रटिहिय नालुमति	छुख चु कते हे ।।

1. काम दीवस ज़ालनवोल ।

203 श्याम स्वंदरस कुन प्रार्थना

श्याम वस्त्रणु कमल चरण पदमु नयनधारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे ।
दीनानाथ वीणा शब्द से व्याद हारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।
सर्व व्याद हारी सर्व आधिकारी	सर्व आधिकारी दूशु निवारी ।
दूशु निवारी कृष्ण मुरारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।
प्यारेलाल समझो बिनती हमारी	दिखलाव अपना गरुड सवारी ।
और क्या है मतलब मोर मुकुटधारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।
नेडे नेडे आओ लालु बालु ब्रह्मचारी	तेरे तेरे गालियां हैं अमर्यत दारी ।
पियो पियो गोरी गोरी द्वद हमारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।
साधू संत बैराग सब व्यवहारी	बारी बारी जमा होके जमना किनारी ।
आयें आयें गायें गायें कृष्ण गीत सारी	कृष्ण मुरारी प्यारी रे । ।

204 बिक्रमी 1956 सनचि ग्रेह पीडयि निशि ख्यायि बापथ तोता (चित्रुन र्यथ सनु बिक्रमी 1955)

ही दीनु दयालु ही त्रुजगतपाल ।
ही बालु ही कालु समहँरी । ।
न्यरुदुदु स्वछ्यंदु अखंडु अकालु क्वकालु निशि रछु मे ह्यथ सॉरी ।
ही पालुवुनि कासतम कालुने जालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
तिथि स्वरु स्वरुहोथ न्यथ शिव शिवालु यथ स्वर छि बासान सेतॉरी ।
सेतालु मारान छि भैस्व व्यतालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
आपदायि निशि रछु शिवंजह सालु ही शापु ख्ययु पापु निवॉरी ।
असि लेख कल्यान कपालु क्रपालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
कावसु¹ आमुत्य छि द्रखु वावु पंचालु असि वल² छि चंच्यल समसॉरी ।
कोशल³ कसुक दुशालु विशालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
बजर चोन मोन श्वब जोन यिथि हालु व्वपाय सोन कर छि देहदॉरी ।
दयुलोन नोव फिरु त्राव प्रोन मलालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
तत् पदु सत्⁴ बासुनाव यिथि कलिकालु गथ हव पथ थाव महामॉरी ।
हथ वॉसु⁵ बरुनाव म्वकलाव मूह जालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
ही दयु म्नेत्यंजयु कालकि कालु बयु रँस्त्य जयि स्वस्त थव सॉरी ।
दीश सोन शीतु दीप जन कर चु दयालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
आत्मा रामु थव मंजु कूडु जंजालु आरामु सान गामु शँहरी ।
नेशकाम संकूचुक जामु कड नालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
मॅर्य⁶ सॉन्य अॅर्य थव स्वख तु द्रखु चालु रुगु निशि रछु कास ब्यमॉरी ।
बूगु लरि प्यठ लदुनाव यूगु बंगालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
पशु कूत समयस त्रावु अशिने चालु नशि युथनु समसार कर यॉरी ।
पशि बावु धन छि कडन कमि कशालु⁷ ही बालु ही कालु समहँरी । ।
चावुम न्यरामयुक मय प्यालु यथ मँसती मंजु छि हुशयॉरी ।
कोत फेरु पोत योत तोत वातु मतवालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
स्वफल फल गॅयि स्यद वुछ्य वुछ्य फालु ह्यथ च्यत् सुफारु सुफॉरी ।
सत् सबायि अयिदॅर्य आय अँस्य सालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
खुर कास कर्मन्य टोठ अकि सवालु मुर दॉस्थि छिय मंगान यॉरी ।
नतु शुर्य बोजु कमि संजु⁸ खंड्यथ गालु⁹ ही बालु ही कालु समहँरी । ।
सूमु सिरियि काबुतॉनि रात धन दिवान छलु दैरु दनु समयिचि पछि हँरी ।
दुबारु बाजु आव शिव-शक्ति दुखालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
रछुनि अछि पोशन करु चैय किचु मालु लछ्छिनावु चँदुदकलादॉरी ।
गटु पछु गाश अन शोकलु म्वखु शामु कालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
अवतार दार हार ज्यनु मरुनुचि जालु द्रखु राख्यस मार मुरॉरी ।
बवु सरु तार गगनस खार पातालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।
काश्मीरु नगरुसु काँशी नयपालु व्वतम छि वनान च्वपॉरी ।
तति ह्योत ब्रह्मन जनुम रछु गोपालु ही बालु ही कालु समहँरी । ।

देह दौंसियन खोफु निशि च्यत् बो सम्बाल	सर्वु व्वपकाँरी चु कर याँरी ।
हुकमुक ¹⁰ सर गँज़रन वाल्यन वाल	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
गाट्ल्यव ह्यवि देह अबिमानचि चालु	दयिगँच निशि साँरिय चाँरी ।
मायायि चानि आयि शरन अँस्य बुडबालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
डुलु त्राव गृह्यबल प्यठ भौँस्व बालु ¹¹	अमरनाथ लोचराव बाँरी ।
लँट्य तारकुन ताज दिथ गंड चु त्रेटि माल ¹²	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
क्याह करु मँशरौँव्य बडि गरु अयालु	दयालु कास असि नादाँरी ।
आय अन्न दनु चौर लद कर्म व्वडलु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
कैलासु सँमीरु हरस्वखु हीमालु	गोवर्धनु व्यंदु ¹³ मंदौँरी ¹⁴ ।
रछ यिथु रँछिथ दीव बक्त गाँव गवालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
ख्यय गछि वासनायि कामु काव्स जालु	पय लबि वेग्यानु व्यचौँरी ।
मनोजय बनि सँहजु क्रय ¹⁵ पालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
सावदान ग्यानुवान नितु अकि खयालु	मंज न्यरनयि नुनरुचि नाँरी ।
कड मूह कँड्य जालु दिवनाँविथ डलु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
श्वबु कर्मफल बूगनुक सँदि हुंद नालु	अनु पान वति सुत्य थव जाँरी ।
त्रपती साँन्य कर सुत्य अनुग्रेह थालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।
गंगरहामि ¹⁶ फवलुनाव संगरमालु	हरस्वखु नोन गोख च्वपाँरी ।
वुछ कृष्णन्य पालना चानि हवालु	ही बालु ही कालु समहाँरी ।।

1. तुरि सुत्य शिठ्मत्य; 2. वलनुक पलव; 3. क्वशल; 4. ॐ तत् सत् ; 5. 100 वँरियि वुमुर ; 6. शेरीर ; 7. मुशकिल; 8. किथु; 9. कर्म खंड्यथ; 10. अहंकारुक; 11. भैस्व बाल - अमरनाथ तीर्थ किन्य अख जाय; 12. म्वखतु हार ; 13. विद्याचल; 14. मंदार पखत; 15. वेद विहित कर्म; 16. तुलमुल गछुवुन अख गाम ।

205 बिक्रमी 2057 बैसाख, गेह पीछ दूर कस्तुच प्रार्थना

सनम्वख यिम तु मो दिम डल ।

मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।

शोम्भूनाथ त्रुजगतपाल दीनु दयाल कर चु अनुग्रेह ।
कस्यो लोल पोशन माल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
शालमार बैर्यमय प्रेयमु मस प्याल बाल गोपाल दामा चे ।
नालमति स्टुहँथ यित म्यानि साल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
म्रेत्यंजयि कालुकि काल नीलकंठु चोथ कालुकुट नोम वैह¹ ।
दस्ती पॉजिथ त्रुजगतपाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
शीतल शिवागनु स्व स्वयं बाल ज्योति रूपु नोन हव नेह गटि रेह ।
तमि रेह ग्रेह चँकरुचि व्यॉज जाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
काल गाल पाल सतवंजाह साल पालना कर ह्यथ साँरी मे ।
दास ह्यथ आस कास कालनि जाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
साफ कर नब पाप गाल दयाल ताफ कर नोन ओबरस अन नेह ।
वाफ² वोत नँजदीक व्वन्य कूत चाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
आत्म बूदु बामु लद यूगु बंगाल ज्यत प्रानु³ ज्यनु सुत्य दौविथ जेह⁴ ।
तति बूग बूगनाव अनुग्रेह साल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
हतु गोज⁵ वुन सोन वॉसि दुशाल सोर्यसन⁶ नविरुय⁷ मोर्यसन⁸ तेह⁹ ।
वरु अबयु द्वयि अथु दयाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
पुशु म पाव खरचस बडि अयाल युथ गँजसन वाल्यन गछि हेह ।
प्रथ चीज पॉदु गछि सुबहुकि काल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
तुलमुलि बैर्यमय खिर खंडु थाल परमु शक्ति स्वस्तु बावुक बूग खे ।
आय अन्न दनु चोर लदतु क्रपाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।
हनि हनि तेलनुकि¹⁰ तेलबँल्य नाल मेलनुचि नावि कृष्णस सुत्य बेह ।
साँर करि अटलु डलु स्वखाल मे छुयो बाल पानुक श्रेह ।।

1. कालकूट नावुक जहर ; 2. तकलीफ; 3. जीवन; 4. छत; 5. हथ गज ज्यूठ ; 6. खतम गछ्यसन; 7. (नव्यर) खुबसूस्ती; 8. खरब गछ्यसन; 9. चमक; 10. प्रथ जायि वातनुक ।

206 साखिय द्दख निशि म्बक्ती तु परमु गत प्रावनु खॉतरु प्रार्थना

ही न्यारमयु बडि दयि म्रेत्यंजयि
 सिरियस चेंद्रमस ग्रेहनचि जायि निशि
 कामु कू दु लूब मूह मदु अंदकारु निशि
 द्यान मॅशरॉविथ दर्म दान त्रॉविथ
 क्यंकर वरनु¹ व्यतॅरनी² तरनु निशि
 स्वर्गु निशि नरकु निशि वुलटु पुलटु कर्मु निशि
 आकाशु पातालु अनि गटि पकनु निशि
 पोत्रु म्यंत्रु बांदवन हुंदि व्वपकारु निशि
 ज्यनु निशि मरनु निशि सोरमुत स्वरनु निशि
 त्रेशि मंजु त्रेशि निशि ब्वछि मंजु ब्वछि निशि
 लूबु पुछि ख्यनु च्यनुचे अपेख्यायि निशि
 ज्वरु⁵ निशि तमु निशि गमु निशि बमु निशि
 यशु स्वकामु⁶ निशि शैशि⁷ प्रनामु निशि
 श्रेष्ट बननुच अबिमानुचि त्रायि निशि
 वाचक ग्याँनियन⁸ हुंजि लडायि निशि
 डंबु किन्यु⁹ खलवत बेहनुचि जायि निशि
 युथ त्युथ कपट छु अँदरी तु न्यँबरी
 यि कँछ कखुन्य छि अंतहकरनु किन्य
 देह अबिमानु स्वस्तु दीव पूजायि निशि
 आलुच कर्मुचि गवरु सीवायि निशि
 ग्रेह चॅक्रुचि ब्रामरी¹¹ संकटयि¹² निशि
 व्रत दरनुचि किबरुचि टसरायि निशि
 छ्योटु तु श्रुच अन्न दिनुचे सुसरायि निशि
 ब्रह्मन जनमुचि लूबु त्रेशनायि निशि
 व्यम्बख¹² रुजिथ जीवु दयायि निशि
 स्योद तु होल स्वख द्दख कपाल जायि निशि
 यथ मंजु ब्रॉठु आसि नशुनुय तु पशुनुय
 यथ मंजु ब्रॉठु आसि हलनुय तु डलनुय
 येति चुय आँसिथ बुय आसु बासन
 पनुन्यन परधन हुंजि नेंद्यायि निशि
 अबिमानु पुछि आसि श्रवनुय तु ग्यवनुय
 हमसायि पुछि आसि कामना करनुय
 कामु निशि कू दु निशि लूबु निशि मूह निशि
 कुमारु गणेशु सुँदि दीवी हुंदि पासु
 ही न्यारमयु बडि दयि म्रेत्यंजयि
 बयि निशि र्छ आपदायि निशि र्छ ।
 न्यमल वस्त्रस हायि निशि र्छ ।
 देह प्रेयिचे वासनायि निशि र्छ ।
 अनजान श्रान संद्यायि निशि र्छ ।
 पॅतिमि समयिचि पीडायि निशि र्छ ।
 धर्मराजनि आँग्यन्यायि निशि र्छ ।
 कर्मु कांडकि व्वपायि निशि र्छ ।
 मंगनुचि आदीनतायि निशि र्छ ।
 कोरमुत करनुचि रायि निशि र्छ ।
 र्खवदायि³ निशि त्रेशनायि⁴ निशि र्छ ।
 वेशय बूगु यछायि निशि र्छ ।
 अग्यानु निशि अवेद्यायि निशि र्छ ।
 मूर्खन हुंजि श्रदायि निशि र्छ ।
 गवरु गरु प्रेतेशवयि निशि र्छ ।
 शाँती रस्ति वेद्यायि निशि र्छ ।
 त्रुयि रायि¹⁰ मनु कामनायि निशि र्छ ।
 यिछि तिछि बजि बलायि निशि र्छ ।
 यिछि जान यिछि क्रेयायि निशि र्छ ।
 यश कडनुचि शूबायि निशि र्छ ।
 ग्रेहधन हुंजि दशायि निशि र्छ ।
 बड्झारु¹³ व्वलकायि¹⁴ निशि र्छ ।
 फल मंगनुचि बावनायि निशि र्छ ।
 दजिमचि¹⁵ द्यानु दारनायि निशि र्छ ।
 मानुहीन स्वस्तु बेख्यायि निशि र्छ ।
 ब्रष्ट करुनुचि सम्पदायि निशि र्छ ।
 लेछिमुचि कर्मलीखायि निशि र्छ ।
 यिछि तिछि वॉसि निशि आयि निशि र्छ ।
 तमि तमि रंगु जीवुकायि निशि र्छ ।
 तिछि बखँच व्वपासनायि निशि र्छ ।
 मूर्खन हुंजि वासनायि निशि र्छ ।
 तिथि श्रवनुचि कथायि निशि र्छ ।
 तिथि परनु रामु गीतायि निशि र्छ ।
 अंदकारु निशि हंसायि निशि र्छ ।
 कृष्णस मूह मायायि निशि र्छ ।
 बयि निशि र्छ आपदायि निशि र्छ ।

1. यम किंकर ; 2. वैतस्नी नदी; 3. ब्वछि ; 4. त्रेश; 5. तफ; 6. सकाम; 7. मूर्ख शेश्यन हुंद; 8. सिर्फ वनन

Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

वॉल्य अमल न कस वॉल्य; 9. पाखंड किन्य; 10. जनानि कुन दान; 11-14. ग्रेह दशायन हुंघ नाव; 15. फ़
ोजूल; 16. विमुख, बखलाफ ।

207 मोहिनी रूपच दास्ना तु अस्तुती

गच्छि कुठि बेहनोव रछ्वुन लछ्मोव ।

मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।

असुनस तु गिंदनस मंज्र मॅशिथ पान गव द्यान गव स्यद मन प्रान गव लीन ।
न्यथ लसुवुन बसुवुन असि असुनोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
चरुन कमलन लॅक्ष्मी फश दिवुवुन्य यश कडुवुन्य त्रन बवनन मंज्र ।
स्वय ह्यथ मनु मंज्रलिस स्वनु सोव सोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
वयक्वंठकि बागु मंजु आगु परजुनोव प्रेयमु रागु तस कोर आवाहन ।
दीशु कालु रोस्त शीशुनागु प्यठ वुजुनोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
अकि छलु ह्यथ गव गॅम्बीरुन युथ अलु अलु बलुवीरुन चाव ।
बलुवान कॉलीनागु जलु मंजु चलुनोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
श्वकदीव साँमियस नारदस तु व्यासस रासु मंजु होव न्यर्वासनु बाव ।
सासु अथुवासु अख वासुदीव बासुनोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
कामस बस्म करुवुन रूप मानुनोव जानुनोव कथ दपन माया मूह ।
नारुद व्यसुरोव ह्यसु फ्युर प्रसुनोव¹ मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
भूमास्वर येम्य दबुदबि मंज्र पोव बाँद्यवानु² म्वकलोव त्रियि अट्हर³ ।
तिमु त्रियि ह्यथ गव मॅहलखानु शुबुरोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
च्यत् मन ब्वद प्रान गुपियन तम्बुलोव होश न्युव तु प्योस मनमोहन नाव ।
पानस भस्मास्वर सूर करुनोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
श्री श्यामु स्वंदर म्वख मथुरायि होव चावुनाव्यन त्रियि प्रेयमु मसु रस ।
द्वदरेमच्चि क्वबजायि यावुन प्रोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
जालंधरुने⁴ बाँर्यायि फोटरोव पननि मायायि सुत्य अँम्य सँती बाव ।
तमि त्वलसी अँम्य सालिग्राम नाव प्रोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
वेदवंतीयि रायि किन्य सु बस्था दोर रावुण मोर तसुंदी कूपन ।
सीता रूपु बूमि दुतुबार लोचरोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
वछि तीज हँविथ कमसास्वर मोर प्यठ अटल पदवी खोर धुवजी ।
पाताललुकस बलु दातु वातुनोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
मूहित करुवुन्य वामन रूप दोर वातुनोव ख्वर ब्रह्मलुकस तान्य ।
ब्रह्माजियुनुय सु गंगुवानि सुत्य नोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
नर नारायण मूह छ्यपु दावुनोव पाँदु कैर ऊर्वशी मंदुछेव काम ।
दीवलुकस सान इन्द्राजु ब्रमुरोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
खीरु सागर⁵ मँदिथुय लॅक्ष्मी द्रायि श्रीधरुने शूबायि न्यूस मन ।
सारिखुय खोतु तमि ग्वनुवान गँजरोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
ब्रह्मन सूजिथ कृष्णजुव अनुनोव रुक्मणि मन मोहन ह्यथ गव ।
कनिखुय⁶ आँसिथ ज़ोरु पान निवुनोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।
फीर्य फीर्य शारदायि जायि जायि दित्य वँन्य तसुंजि पूर्नायि हुँद्य ग्वन तस सँन्य ।
खोह्वुरि त्रायि तमि तस आसन त्रोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप । ।

रुक्मणि राधा तोत द्वद चावुनॉव
 अदु कृष्णन तस प्रेयमुक हल बोव
 ज़ोमूवंतीयि कृष्ण लोल गँज़रोव
 मनु मनुसान तमि तस पान पुशरोव
 श्रुपनखि पानस नस तु कन च़्टनोव
 च़ालुन प्योस तमि कोताह गुज़रोव
 सुभद्रायि येलि अरज़न ह्यथ गव
 कृष्णन फीरिथ अनुनोव मनुनोव
 गूपीश्वर बँनिथ शिव रास वुछिनोव
 राधायि ललितायि ल्वलि प्यठ ललुनोव
 भीमसेनन येलि व्रत दोर काह पॉज्य
 क्याह कोर तँम्य अदु गूर्यबायि द्वद चोव
 द्रौपदीयि सुत्य च्वशवय बाँय ह्यथ ओस
 कृष्णन येलि मोन सारिवुय थ्यकनोव
 मंत्र पॅर्य पॅर्य दिवताह मंगुनॉव्य
 कनिक्यन⁷ मंज़ तस कृष्णन नाव थोव
 तारा मंदोदरी अँम्य नवि नोवरावि
 शिवरायि कमकम छ्येट मीठ्य म्यवु ख्योव
 कोखन हंज़ि दपि⁸ दुखासा आव
 तेलि आव येलि तति द्रौपदीयि दीचु नोव
 मनु किन्य शाप द्युन ओस दॉयरावुन
 द्रौपदीयि कृष्णस येलि अन्नलीश आपरोव
 दोह अकि चँद्रमन इंद्राजु बोज़नोव
 बूज़िथ इंद्राजु अमि कथि ब्रमुरोव
 कँन्य गँयि अहल्या गौत्मुनि शापु सुत्य
 येलि रामचँद्रन तस प्यठ पाद थोव
 मन निव तंहज़ि शूबायि मायि रायि त्रायि
 द्वारिकायि शोडशि कलायि सायि त्रोव
 होशि अँलिशि पोशिकिस गोशस प्यठ ब्यूठ
 च्यत् गव ह्यथ तँम्य प्रथ पोशा छेव
 गूर्य बालकव शेछ्य वँन्य र्येश बायन
 जगु¹⁰ ब्रॉठ र्येश बायव बूज़न ख्योव
 योरु द्रायि व्वडि प्यठ बूग ह्यथ लासन
 जगुवालयव वुछ तु श्री कृष्ण गीत ग्योव
 ब्रह्मा तँम्य पननि रायि पतु लारुनोव
 न्यरलीफ रुज़िथ ग्यानु दीप प्रज़लोव
 येम्य येम्य दीवन तस सुत्य मान कँर
 तँम्य कोर जान येम्य तस पान पुशरोव
 बस्तु खचुमचु वुछि कृष्ण च़रनन ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 पनुनुय बब कऱुनोव दबुदब ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 राम लँक्षमण येलि मन ह्यथ गोस ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 च़ालुन प्यव हलधर रामस ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 सँखियन तु गूपियन दोव परमु स्वख ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 गोरि हुंद गुरु गव तु नम्बलुय ज़ॉज्य ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 नाव प्योस धर्मुराजुन अवतार ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 कुं तियि सॉव्य अँदरिमि रायि सुत्य ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 नँव बँस्ती कऱुनावि सेद्य पॉठ्य ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 खेनि च़ाव पांडवन लंगरस मंज़ ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 अकर त्रावन च़ाठ ह्यथ च़ोल ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 अहल्यायि हुंदि रूपुक महिमा ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 पापु ख्यय गँछिथ बेयि तिछ्य सॉपुन्य ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 अष्ट नायिकायि⁹ आयि बागुन्य तस ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 कृष्ण रंग सत्संगु बोम्बर ड्यूठ ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 मुरली वायनवॉल्य मोंगव अन्न ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 तोरु आयि म्वखु पेट्य तीज़ हारन ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 प्रथ कँह व्वपद्यव यछयि पुछि ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।
 तस तस हान कँर कामदीवन ।
 मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।।

युस तँम्य कामु निशि क्रूदु निशि बँचरोव तँम्य होव फँकिरानि माजि¹ हुंद फीस¹² ।
मानु बोड वीर्यवान पान तँम्य थ्यकुनोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥ ।
श्रूच छुस यूगु ग्यानु दर्मु दानु स्वस¹³ संघायि श्रानु स्वस्त छुस कामु ज्यत¹⁴ ।
देह अबिमानु जामु तँम्य पानु पॉरोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥ ।
आत्म बूद कुलिसुय छु दयि अनुग्रेह मूल पूरु त्रायि तूल येम्य ब्रह्म बावु ब्योल ।
होशि डंजि येम्य सु ज़ोरु रूदुनोव मूह मोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ।
थजि खानुदॉरी त्रैयिलूक ब्रमुरोव यूगु मायायि सुत्य बूगु रोस्त रूद ।
न्यरलीप रूजिथ सोरुय व्वपदोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥ ।
सास्निुय ऑबदास्न सुय छु तारुन तसुंघन कारुन छु जयजयकार ।
दयायि पुछि तँम्य प्रथ कांह म्वकलोव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥ ।
ऑबदार कृष्णन ब्रमु सुत्य पापु कॅर्य गॉब कॅर्य माफ कॅर्य तस दयालन ।
धर्मु रजनि सभि तँम्य सु कति मंदुछेव मन निवुवुन्य होव मोहिनी रूप ॥ ।

1. प्रसुन, शुरु ज्योन; 2. काँदखानु; 3. जमात, फोज; 4. जलंधर; 5. क्षीर सागर; 6. कुमारी कन्या; 7. कन्यायन;
8. वननु; 9. अष्ट सेदियि; 10. जगतु; 11. बिखारुन; 12. अहंकार; 13. स्वस्त, सहित; 14. काम जीनिथ ।

208 व्यसत रूपस मंज सव्ज तु बसंत रूप भगवानु संज अस्तुती

श्यामु स्वंदर बसंत जामु पुरिथ आव ।

सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।

सव्ज रंग गरुडस खँसिथ आंगन चाव गरु सोन सव्जा सव्जुय गव ।
सव्ज बामुन सारिनुय कुलिनुय द्राव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।
सव्ज गँयि माँदान बँठ्य परबत बाल वनहँर यियि माल ह्यथ छु हीमाल ।
सव्ज रंग तोतस अडकजि कथु बाव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।
सव्ज आकाशु प्यव अमर्यतु वर्शुन सुय वर्शुन गव श्वबु दर्शुन ।
शूब आयि बूमिकायि जायि जायि सव्ज ज़ाव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।
सव्ज कुल्य म्यव सुत्यु बँर्य बँर्य छि त्राव त्राव सव्ज रंग किनुय प्योख कल्पु त्रेख्य नाव ।
सव्ज जामु स्वर्गुक्य पानस पौराव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।
सव्ज रंग प्रेथवी हुंदुय छु स्वबाव सव्ज बन लागु नयि नयि पय थाव ।
सव्ज नीलक्राशि राजु हमसु बाशि करनाव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।
सव्ज रंग ज़लु डलुसुय मंज नाव त्राव सौर कर स्वखु बठिनुय म्वख हाव ।
सव्ज बठिनुय सव्ज मखमल वथराव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।
सव्ज बन नीलनागुक सव्ज ज़ल छव शिवनाथस प्यव नीलकंठ नाव ।
सव्जस मंज सव्जा सव्जुय प्राव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।
दोह खोतु दोह न्यूरुक न्यूरुय प्राव प्रथ कुनि सुत्यु मेल च्यत् फवलुनाव ।
संत साद सौंखी युथ छु भुशंड काव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।
थरिनुय ह्यथ छरिनुय क्यथ वातुनाव शक्तिपातु दातस ब्रौठकनि थाव ।
कृष्ण कर सव्ज बागचि सव्जियि क्राव सव्ज गव समसार सौंथ हय आव । ।

209 अबिमाँनियन हुंदि खॉतरु वुपदीश

कोकुनूसुन¹ सोज़ चानि मायि वोन ।
वीरुनायि² वोन बुति तीती । ।
डोरकानि³ पोशनूलुनि जायि वोन चानि खोतु छ्य बूल्य म्यॉनिय ।
ती वोन यी फक् ज़िर्य चायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।
पाँट्य मंडलिस मकायि लायि वोन चानि खोतु छ्य मेय नरमी ।
ती वोन यी फँलिलस हायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।
फँकिरानि कुन दायि हुंज़ि दायि वोन बँड रँन्य मँलिकॉन्य छस बुय ।
ती वोन यी सिरियस छयि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।
कथु गाटुल्यव मूर्ख सबायि वोन कुस वनि म्यॉन्य हिश वॉनी ।
मजु रस्ति दजु दजुचे त्रायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।
छेर छर छर तीलु रस्ति क्रायि वोन बोजुवुन्य कति मानन ती ।
कँम्य मजु खुनि हुंद मलायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।
सादु माल्यव पननि पननि जायि वोन चानि खोतु छुय म्योन सॉमी ।
बक्ति बावनायि ग्वरु श्रदायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।
खेचरी शाम्भवी मुद्रायि वोन शालुयास्स प्यठ छुय शिवजी ।
यूगु ग्यानु पूर्नु कलायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।
सतुचिय अमर्यतु बाशायि वोन वोनमुत बकवासा छुय ।
सरु कस्नय दरु सुसरायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।
हेशु वाल्यन कृष्ण लीलायि वोन छुस बु प्रेयमु मसु रसु बँस्थिय ।
राय राधाकृष्णनि रायि वोन वीरुनायि वोन बुति तीती । ।

1. अख जानावार ; 2. अख ल्वकुट जानावार ; 3. मादु रतु म्वगुल ।

210 शिव अस्तुती तु प्रार्थना

ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले ।
पूजि च्चे लागु प्रेयम चोन मे संकट गाले । ।

सादु माले चु मे कुन वुछुतु लगय अथ चाले
कर्म लीखायि यि ल्यूख कलम तथ डाले
बवु सागरु फकथ चोन प्रेयम असि तारे
न्यथ थव सतुचिय सुमरत असि च्यत् संबाले
कास कर्मन्य खुय असि बोजु चु व्वन्य शुय बाशे
सुय दर्शुन नबु प्यठु अमर्यतु वर्शुन वाले
कस छु ताकत युस कुनियबावु यि स्वख-द्वख चाले
युथनु असि सुमरन डलि दफ चु च्यत् जपुमाले
हेशु पोशनूलु दोहय पोश मे पोशे वारे
कुकिलव बस्मु मोल अग्यानु वनस सुय जाले
युस कृष्ण शिव शिवय कृष्ण अद्वेतय माने
मूख्य तस बनि न तस ब्रम तु माया डाले
सुबह¹ तय शाम² कुनुय गव तु मनस लोग आराम
मंजु ग्यवनुचि ताले बंसरी बजाने वाले

राजिरेनि माजि व्यनथ बूजु स्व पानय पाले ।
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।
यूग ग्यान बोडुय तप तु बोडुय जपु यारे ।
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।
कर्म बूमि सानि नजरह त्राव परम आकाशे ।
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।
तप तमी कोर जपु तमी कोर युस प्रेयम चोन पाले
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।
रंगु बुलबुलु चु ति पनुनिय ग्वन वन वनहारे ।
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।
ग्यान सुय प्रावि पनुन रूप प्रपंचस जाले ।
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।
साखिय बूल हरे कृष्ण अरे राधे-श्याम ।
ही सदा शिवु च्चे किचु अनि मे पोशे डाले । ।

1. शिव; 2. श्री कृष्ण ।

211 दीवी अस्तुती

शामु वेलय जामु छेतिये ।
सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।
सुत्य छख तस सरस्वतिये सर्वु स्यँज दिथ वॉसि पोश ।
पोश लागय लवुहँतिये सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।
ज्योति रूपु छख भगवँतिये श्रेह रेह मंजु दिम मे होश ।
बावु बँत्य सॉन्य कर्मु पँतिये सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।
अश्टु स्यँज छ्य ब्रॉठ पँतिये मनुनॉविथ मे म रोश ।
अनुग्रेह कर धनुवँतिये सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।
आय च़ेयकुन तापु तँतिये सायि चानि च़ोल ज़र तु जोश ।
ग्रायि मारान द्रायि लोतिये सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।
मनुवारि फोल्य कारि पँतिये ब्रॉठकनि वुछुनाव गोश ।
सनम्वख च़ु रोज़ छख च़ु येतिये सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।
बक्तु बँडशव असि छि गँतिये स्यँज जामु वल यियि बोश ।
थँक्य ज़ॉव्युल कँत्य कँतिये सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।
अनुनाव होशु पोशु फँतिये फवलुनाव प्रेयमु पम्पोश ।
पूज क़ुहोय प्रेयमु हँतिये सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।
शाहरु गामु कृत्य वँथ्य तु खँतिये पांच़ दोह छु सारिनिय बोश ।
रोज़ कृष्णस सुत्य सुतिये सूरु मँतिये द्युत मे होश । ।

212 अनुगेह खॉतरु शिव अस्तुती

ही दयावानु मे ह्युव चोर च्चे कोताह प्रारे ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।

फाकृ दीदी गॅयि वॉसाह येति क्याह हॉसिल आम च्यत् शॉती व्रत दारे न्यथ द्वर्गथ हारे
छिनु ठैकन पॅक्य पॅक्य कुनि अँनीकन बवनन कर्मफल सुत्य ह्यथ बारे यथ गृट अनवारे
रंगु रंगु डलुनक्य सामानु समय ह्यथ यिथ प्यव ही दयावानु दया चॉन्य मे कॅछ यारे
कृत्य बदकार द्वराचार परमपार कॅस्थि कम गछियि क्याह च्चे मेते चॉन्य दया बोठ खारे
मंदछ छ्यना कोर वॉसि मे चाने चाने सुय वनुनुय बवुसरु तारे अदु कस करि तारे
कालु दिचु डलु फिख मालु कख उत्यरुत्य कार गॅयि वॉसा गॅज्रन व्वन्य असि वारे वारे
चानि रायि कोर मे यि कॅछ थव मंजूरी काम कूदस लूब मूहस मदसुय कुस मारे
प्रेति विजि द्यान थवख प्रान सुय संदारे पदमु पॅत्रक्य पॉठ्य सरुमंजु जल तस कति लारे

चारिस्स म्यॉनिस टेठ व्वन्य यियि अराम ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।
चंच्यल कॅरिमुत्य अँस्य कृत्य येम्य आवागवुनन ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।
च्चे शरन आय पननि करतूतुक तसलाह गव ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।
कृत्य बदबख्त ग्वनाहगार बयकबार वुस्थि ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।
जैवि किन्य कोर वनुना नतु महिमा कुस ज्ञाने ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।
सुबह येलि फोल तु पगाह आलुचिकुय रोट दखार ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।
नतु कुस ज्ञानि करुन्य बक्त क्रेया गछि पूर्य ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।
वारु कृष्णस न्यर्मल करि बवुसागरु तारे ।
असुवुनि म्वखु वसुवुन ओश छु मे दारे दारे । ।

213 अंतुकलु खौतरु शिवजियस कुन प्रार्थना

अंतुकलुचि जालु छम तमि हलु निशि रखतम दये ।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।
बवुसागरु दिवयि रंगस आय कुत्य कौत्याह गॅये ।
पार तारुम बोठ मे खारुम दुख न्यवारुम मंज बये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
आसतम ख्वश कासतम दुख बासतम सनम्वख दये ।
मन मे छुम आँयीनु सूरत साफ कर रोटमुत खये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
किथु पौठ्य जिंदय मख व्वन्य क्याह कख वौसा गॅये ।
मायि रँट्य पनुन्यव गख बसुनाव मंज शौती शये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
वश छि गौमुत्य समसास्स यश कडनस ख्वश छिये ।
ओरु योरु नितु जोरु म्योन्य मन चु मंज न्यसनय नये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
द्युन शैरीस्स वौसि हुंद आराम वुन्यक्यन क्याह लये ।
यथ दपन भूमा¹ छि तथ थानस मे निम सतग्वरथ ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
निख चु म्यान्यर म्योन लागुन्य क्वसु अथ लागत छ्य ।
पथ म्वचख सौरुय चु पानय अथि कालस क्याह यिये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
शिनि किस शिन्यस वनय क्याह तथ स्वरुन कांह क्याह हेये ।
करतु न्यर्वासन चु दासन मुख्य मस प्रथ कांह चैये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
चलुनावख जीवतुक्य छुथ युथनु यथ मूस्र यिये ।
फवलुनावख यस चु च्यत् सुय बखुच बागस फल खेये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
शीतु दीपुक्य² हिव्य मनश कर पालुवुनि कालु ख्य ।
मुख्य अमर्यत प्यालु चाव अग्यानु रोस्त न्यरामये ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।
गछ शरन कृष्णस करिय अंतहकस लय मंज प्रये ।
लूख डेशन दय स्वसन आलव करन ज्यत् इंद्रेय ।।
दिम अबय वर छम यमुन्य थर कर दया भ्रैत्यंजये ।।।

1. पस्म धाम; 2. श्वेत द्वीप ।

214 फिरक-ए-यार

चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ।
स्यवह छम वतु यिथि अतु गति व्वन्य कस पतु लारस्य बो ॥
चे रोस्तुय क्याह लवि यमि तावनुनि बाजारु यावुन म्योन ।
मे होशस कुस खँरीदारुय छु कस क्युत म्वखतु हारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
मे लोलु चाने कम कम जामु पुस्मि श्यामु स्वंदरो ।
दिवान छिम पामु शाहुर गामय यिखनु तु पान मारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
स्यवह छुम कूठ यथ बवुसागस्स मे व्वन्य तरुन बासन ।
चु करतम थफ अथस अदु कृत्य पानस सुत्य तारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
नितम स्वखुसान यमि समसारु व्वन्य दौह तारु छम फुस्सत ।
चु करतम अंतकालुक चारु तोत गछ वारुकारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
दया चे छ्य वनय काँचाह पृछुतनु जाँह करन छुख क्याह ।
बु वुन्यक्यन व्वन्य लदय कस रह डलन आस ल्वकचारस्य बो ॥ ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
स्यवह सुत्य ह्यथ यि कुमुनावुन बड्यव कसबव सु रनुनावुन ।
ल्वले मंजु ललुविथ त्रावुन लगयो मुश्कदारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
छु कोरुमुत ब्रमु बूतन प्राह यि सोम्बस्थि पतु लारुयम क्याह ।
पगाह वननम गदा या शाह शिनिस कुस रूप दारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
वज्रन ओसुय ब्रमुक बाजा ननन ओसुख मूहुक राजा ।
कलस प्यठ दिथ मदुक ताजा लगयो ताहदारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
यि ओसुय मानु मंजु प्रावुन दँजिथ देह सूर सोम्बरवुन ।
सु अँसत्रुक वारि मंजु थावुन लगयो पेशकारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
चु राजय हम्मसु प्यठ हीयि लंजि कालनि चंजि सुत्य चोलहम ।
गछन छम खंजि छुसनु डंजि लगयो बालुयारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
चु पृछनय गोख बैयि म्वख हव स्यदँच हँद्य जामु पुस्थि थाव ।
करिय क्याह अदु पँतिम्यन वाव लगयो नावदारस्य बो ॥
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो ॥ ॥
ब छसना आरुवल प्यठ आरुनय बे आरु चे प्रारान ।

वज्रन छम प्रेयमुचे तारय दज्रन छस लोलु नारय बो । ।
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो । । ।
दुहुच्य शेछ्य वॅन्य मे नेशकामन ति कोर मे मोलूम शामन ।
कुनिय थफ दिथ रत्य दामन पगाह डेशथ दुबारय बो । ।
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो । । ।
स्वसन छुस बो वसन छुख चुय चे रोस्त छुस हसन ज्ञन हीय ।
शसन आमुच्र बो छस त्वलसी करन छस ज़ारुपारय बो । ।
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो । । ।
दितम ब्वदि यूग परजुनावथ महाप्वरशन प्रकट हवथ ।
बखुच्र सीनन प्यठ्य सावथ ग्यानुकि म्वखतुहारय बो । ।
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो । । ।
द्वखन मंज्र सर्वु स्वख अँनिज्यम चु पानय रायि मंज्र गँनिज्यम ।
सतुक मंत्र मनस वँनिज्यम सोरिथ समसारुसारय बो । ।
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो । । ।
ननन छुम आवरन¹ वैखीप² लय³ यथ शिनि मॉदानस ।
सहाय रोजुम चु मुख्य दातु चे निशि वातु वारय बो । ।
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो । । ।
चु छुखना आत्म रूपी कृष्ण आकृष्ण शक्ती छ्य ।
रँत्थि निम मन स्व छ्य पूजा व्यचारुक्य पोश चारय बो । ।
चे संतय सादु थोवथम वादु वनतम कूत प्रास्य बो । । ।

1-3. Three kinds of disturbances.

215 श्री कृष्णस कुन

आश्चर्यवत् छ्य याला चाला । अरे मतवाला असि निशि बेह ।।
न्यथ छुख ह्यथ अच्यत जपु माला । असि सुत्य प्रेयमु मस प्याला चे ।।
राधा कृष्णा बालु गोपाला । बंसंरीवाला छु चोनुय श्रेह ।।
अनाश्रतकु य¹ छु अनुग्रेह थाला । आत्मु त्रपती हुंद साला खे ।।
डेशन चानि छेनि माया जाला । फरजाना मसताना चाला छि चे ।।
ब्रज गामु झलु दिथ वसतु श्यामुलाला । नेशकामु प्रेयमु द्वद दामुदामु चे ।।
डेशिथ चोन बसंतु दुशाला । बावु बाग फवलिहे चलिहे हेह ।।
ठगु प्रेयि लगुहोय छुयनु खयाला । चूरि न्यूथ सोन च्यत् लाला² चे ।।
मस्त छुख मूह जंगलुच छुख चु जाला³ । नशु चोन सानि पशि बावु लशि रेह ।।
व्रद छुस खसुनस छुम बोड बाला । पार तार दिथ अख छला मे ।।
पालना करुवनि दीनु दयाला । द्वख हर कृष्णस कर अनुग्रेह ।।

1. अनाश्रतुक - मंगनु वरुंय पॉन्य पानय स्यद गछुन; 2 लाल, रत्न; 3 ज्वाला ।

216 वनु प्यठ वापस यिनस प्यठ श्री कृष्ण अस्तुती

शामु कालु गूरुय बालकन सुत्यु कमि हलु ।

वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।

ब्रौठु द्रायि राधा दिनि लँज्यु लोलु डलु रौशि रौशि प्रैयमुचि पोशिमालु ह्यथु ।
गूरुयबायि द्रायि ह्यथु ऑम्यु ज़ॉम्यु द्दु प्यालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।
कामदीनु टंगु लजि दिनि आंगनन मंजु सँखियव पाँरोव सामानु संजु ।
वँछ्यु ह्यथु क्वछि क्यथु ब्रौठु द्रायि बुडु बालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।
द्दु बतु ह्वदुशीशु ऑसु मंजु दिम दयालु कारन तु दीव प्रारन छि मेलिना ।
गूरुय शुयु ह्यथु ख्योथु कुस वनिय च्चै कंगालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।
श्याम वौत ब्रौठु तस गोकुलुकु ग्राम द्रावु ग़ज़ु वँछु राधे-श्याम ह्य आवु ।
दोह गव प्रारन दूरिरुकु च़ोल मलालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।
पेशकशु द्रायि ह्यथु द्दु चँड्यु तु र्वपु बानु ख्यनु च्यनु सानु सर्वु सामानु ह्यथु ।
अन्नु दनु मालु स्वनु रुदु म्वखतु मालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।
प्रैयमु पद लेखु सानि कपालु क्रपालु पालना सँन्यु बालु गोपालु करु ।
पालवुनि डलु दिथु कडु मूहने ज़ालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।
शब्दुकु राग व्यवहारुकु त्यागु गवु दनदनबागु गव कनुनुय मंजु ।
थामि गँयु रुज़िथु भैरवु व्यतालु तालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।
अंबरु छेक आंगनन शेरि दर्मु सालु गूलुकसु ह्युव बूलुकु गवु ।
पौर्यु लजि कृष्णसु च़जि कालनि ज़ालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।
बुयु च्यु बनतु रायि मंजु गनतु संतु खालु मूख्यु पद वनतु मनु वाजि खनतु नावु
मन तु प्रानु कृष्णुन तौत अनतु अंतु कालु वुछु यिवानु श्यामुलालु कामदीनु ह्यथु । ।

1. ख्वशबू, अँतरु ।

217 ग्यान, यूग तु बूग मेलनु खॉतरु पार्थना

ही प्रबू अग्यान कौंसिथ यूग दिम ग्यान दिम ।
अंगुहीनिस दिम मे काया म्वरदु जिसमस प्राण दिम ।।
शखुच रँस्तिस दिम मे शख्ती बक्त रँस्तिस दिम मे बक्त ।
ईक् बक्तिस द्दशवय दिम यी मे दर्मस दान दिम ।।
पकनस क्युत ओन तु रोन छुस बखुच क्युत छुस न्यथुनोन ।
ग्यान वाल्यन यूगियन क्युत गंडनुक सामानु दिम ।।
हीन छुस वेद्यायि अंदर दीन छुस श्रदायि अंदर ।
हान छम प्रथ कुनि कर्मच सत्जनन मंज मान दिम ।।
ब्रौठ्कुन पानस अँनिथ श्रवुन करुम व्याख्यान दिम ।
लूख युथ मूहित गछन त्युथ मे म्वखस न्यर्वान दिम ।।
क्रम गछन अदु यीरु खस¹ हिव्य होशुकुय तूफान दिम ।
ग्वफि शाल खोचन मे पानय सुह सुंद ह्युव त्रान दिम ।।
जयजय श्री रामचँद्रस तँम्यसुंदुय वरदान दिम ।
ख्य गछ्यम इंद्रेय शँत्रन वैरु दर्मुक कान दिम ।।
यमि बक्ती बनि म्वक्ती तमिकुय वेग्यान दिम ।
दिथ मनोजय वासना ख्य सत् सौरुपुच ज्ञान दिम ।।
सर्वु मंगल परमु स्वख दिम हर्ष दिम कल्याण दिम ।
अंतकालस मंज खयालस सत् सौरुपुक द्यान दिम ।।
बाग दिम बंगालु दिम हमाम दिम जलान दिम ।
रायि रोस्तुय यिमु बनन तिमु जायि ऑलीशान दिम ।।
जीवतुक ब्रम चलनु बापथ पानसुय ह्युव पान दिम ।
द्यान कृष्णुन यूग ह्यथ दिम बूग अमि यमि सान दिम ।।
ही प्रबू अग्यान कौंसिथ यूग दिम ग्यान दिम ।।।

1. गासु तुजि ।

218 रामजीनिस फिरकस मंज कौसल्या वनान

हा न्यर्मलु नेशकलु नेशकामो ।

रामो रामो सीतारामो । ।

न्यथ च्यत् वंदुहोय अथ सर्वु त्यागस तन नॉविथ तथ वॉरागु नागस ।
यथ नागस दर्मु दैरुक्य छि सामो रामो रामो सीतारामो । ।
सॉतु म्वख हव यिथ अज्योद्याये मन फवलुनाव बोज़ कौसल्याये ।
वलुनाव प्रॉन्य कुल्य नॅव्य नॅव्य जामो रामो रामो सीतारामो । ।
दर्मुक कर्मुक सौथ चानि सुतिय अथ प्यठ वैकिथ म्वकलेयि कृतिय ।
मूखी लरि हंडि शॉती बामो रामो रामो सीतारामो । ।
प्रेयन शिवनाथस चोन नावुय लूकालूकन छु चोन बक्ति बावुय ।
चुय छुख बखशन असि परमुदामो रामो रामो सीतारामो । ।
आत्माराम छुय चोनुय रूपुय रुमव किन्य छुख चमकान दीफुय ।
अस्त्वत च़ेयकुन चुय वनि आहमो रामो रामो सीतारामो । ।
दम छस गुज़रवान चानि सॅचुय¹ प्रेयमु हॅचुय मॅच गॉमुचुय ।
चॉलिथनो ह्यक् लूक् हंजु पामो रामो रामो सीतारामो । ।
वॅन्य दिनि द्रायस च़े मंज वनुनुय कुनि गोयना केंह चान्यन कनुनुय ।
च़लिहे होल मे लोल हो आमो रामो रामो सीतारामो । ।
चोनुय नाव करि परम पाउय पतव लाकून्य यिहोय छु साउय ।
ऑनी² बरकत ह्यथ गुरु च़ामो रामो रामो सीतारामो । ।
च्यतकि च़ेननु सतुकि संगो रंगन हंडे रंगु बेरंगो ।
चंच्यल प्वरशन हंडि आरामो रामो रामो सीतारामो । ।
फुलय लॅज होशि पोशि बागन अमर्यतु ज़ल नोन द्राव नागन ।
ह्वछन लंजन बामुन द्रामो रामो रामो सीतारामो । ।
रामुय छु कृष्ण कृष्ण रामुय अबीदु बक्त छ्य परमुदामुय ।
बोज़ बागस लोल ब्योल ज़ामो रामो रामो सीतारामो । ।
कृष्णस सुत्य कर अथुवासुय यकजा मीलिथ खेलव रासुय ।
सुबह सुत्य ह्यथ यिख शामु श्यामो रामो रामो सीतारामो । ।

1. आशि, आशायि; 2. अनइष्टि, अव्यक्त रूपु ।

219 अद्वैत प्रकास मंजु वपासना व्यद

सिरियि वुजुनोवुम चेंद्रमु सोवुम गाशु सुत्य गाशुक गाश परजुनोवुम घन तु रात पौदु गॅयि सिरियि प्रकस्मु सुत्य तमि प्यालु गाशु लालु दामा चोवुम मन गुलि आफताब ज़न फवलनोवुम तथ कुन म्वख हौविथ स्वख प्रोवुम आत्मु तीर्थ मारुंडु मंजु मन नोवुम तमि कर्मु त्रन ² हुंद र्यन म्वकलोवुम न्यर्वासनुकुय आसन त्रोवुम न्यर्मल पम्पोशु डल फवलनोवुम श्री कृष्णस सुत्य दोह गुजरोवुम सुबहस ³ सुत्यन शाम ⁴ मिलनोवुम	तारकन दोवुम शिनि मंजु थान । सुबह रूप ¹ होवुम श्यामु लालन । । चेंद्रमन प्यालु बोर शबनमु सुत्य । सुबह रूप होवुम श्यामु लालन । । सिरियि गॅजरोवुम परम आत्मा । सुबह रूप होवुम श्यामु लालन । । प्यत्र लूकस दौवुम त्रपती । सुबह रूप होवुम श्यामु लालन । । तथ बेहनोवुम प्रेत्यख्य दीव । सुबह रूप होवुम श्यामु लालन । । शामन होवुम तैम्य श्यामु रूप । सुबह रूप होवुम श्यामु लालन । ।
--	---

1. शिव रूप; 2. देव ऋण, ऋषि ऋण तु पित्र ऋण; 3. शिवस; 4. श्याम; ---- = धारना तु ध्यान ।

220 श्री कृष्णन्य तोता

लाल यित साल प्याल हो बरयो ।

माल करय माल हो करयो । ।

लोल सुत्य त्वलि मंज ललनावथ लछि नावि गछि कुठि¹ सावथ ।
पम्पोशि पादन अँछि जरयो माल करय माल हो करयो । ।
राधा ज़न च़ेय सुत्य गिंदयो जसुदायि हुंघ पॉठ्य कल वंदुयो ।
ललितायि हुंघ पॉठ्य लोल बरयो माल करय माल हो करयो । ।
मीठ्य मीठ्य श्रूच बूज़न स्नुयो बावनायि सुत्य ब्रॉठ्कुन अनुयो ।
सत्य दीवु न्यथ चोन व्रत दरयो माल करय माल हो करयो । ।
बसंतु रंग जोरा वलयो मुश्क कोफूर चंदुन मलयो ।
च़ेय सुत्य ह्यथ रात दान बरयो माल करय माल हो करयो । ।
लाल छुनहॉय म्वख्त माल नाँली कनुनय म्वख्त टंग कनुवाँली ।
मछु बंद स्वनु कनुदूर गरयो माल करय माल हो करयो । ।
त्वलसी हीयि सुत्य पूज़ करयो राधा कृष्ण कृष्ण कृष्ण परयो ।
शिवरायि हुंद ह्युव म्यव आपरयो माल करय माल हो करयो । ।
त्रियि वॅर्य वॅर्य छुख न्यरलीफ़य बाल ब्रह्मचॉर्य आश्चर्य रूपय ।
यिथि नावु यिछि जमनायि तरयो माल करय माल हो करयो । ।
राधा कृष्ण कर अथुवासुय ह्यथ शुकदीव नारुद तु व्यासुय ।
खेल रासुय सुय दान दरयो माल करय माल हो करयो । ।

1. हृदयस मंज ।

221 व्यनथ

व्यनथ बोजुम च राधाकृष्ण
बरय लोला परय लीला
चु छुख यूगुक ग्यानुक कुल
चे लोब रोजुन जस्य मा बो
चे छ्य पम्पोशु पादुच द्वय
चु नय डेशथ हरय मा बो
चु छुखना प्रान बो छस तन
चु नय आसख मरय मा बो
जलस मंज गाड जन छस बोय
चे रोस्तुय व्वन्य दरय मा बो
बो छस चे मेगवसनस मोर
नचय लूकन खरय मा बो
चे सरवस¹ छस बो कमरी² जन
छनय त्रॉविथ गरय मा बो
चु छुख चंद्रमु ह्युव जोतन
वुछ्थ नय अँछि जरय मा बो
चे श्री कृष्णस बो छस प्रारान
चे रोस्तुय व्वन्य बरय मा बो

लायय लोल नादा बो ।
करय होहो करय होहो ।।
बो छसना बावुकुय बुलबुल ।
करय होहो करय होहो ।।
वरुम छस बखुच बागुच्य हीय ।
करय होहो करय होहो ।।
सथा चॉनिय छ द्वन मिलुवन ।
करय होहो करय होहो ।।
बो छस चे सुत्य जल छुख चुय ।
करय होहो करय होहो ।।
वँट्थि छस खोर रासस मंज ।
करय होहो करय होहो ।।
करन छस बूल्य मँशिथ हनहन ।
करय होहो करय होहो ।।
ककुव³ जन छस चे कुन बोलन ।
करय होहो करय होहो ।।
दितम दर्शुन यितम लारान ।
करय होहो करय होहो ।।

1. सर्व कुल; 2. कुकिल; 3. मादु ककुव ।

222 श्री भगवान् संज तोता

वाँसा मे गँयम ललुनावान यथ कायाये ।
और दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।
अपुज्ज पोज्ज कूत वननोवुस गरिचि माये रंगा लँगिथ द्रास न्यर्मल वस्त्र मंजु हाये ।
व्वन्य साफ करतम बडि दयालु बेपखाये और दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।
मे छुमनु ननन आस कति व्वन्य गछ्छ कथ शाये आवागमन छुम पतु ह्यवन पय वासनाये ।
वेष्णार्पन यितु नितु पानस कुन म्यानि राये और दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।
सिरियुक प्रकाश नोन छु रोटनस पननि छ्रये छ्रया छ काया सुत्य मिलुनाव न्यर्मायाये ।
समसार ब्रॉती कास शाँती हुंदे व्वपाये और दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।
त्रॉविथ मे गँयम प्यठ थॉविथ यिम आँस्य साये छुस वँस्य प्योमुत तारि गोमुत मंजु लजाये ।
छम चॉन्य सथ मंजु गटि अनतम गाश आशाये और दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।
बुजर यिथ प्योम परक ज़नमुचि वँड¹ वुगराये² शाह पूर थवतम वुछ्छ बजर ज़पु मालाये ।
छुम यावनुक माल मंजु न्यर्वानचि बावनाये और दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।
पँतिमि समये वारु नितम सुत्य शूबाये युथ यमुकें कर दूर चलन मंजु शिनि शाये ।
बो आसु कृष्णस सुत्य मारान लोलनि ग्राये और दोर थावुम मूख्य दावुम सुत्य दयाये । ।

1. पेशगी, एड्वांस; 2. वापस मंगुन (प्रान्यन ज़नमन हुंद पेशगी द्युतमुत दयाफल वापस मंगुन बापथ) ।

223 जीवन म्वक्त प्वरशन हुंघ लख्यन (व्वपदीश)

ठठि म्याने मूह न्यँद्रे मंज अँछ मुचुरजे
रँच वनुसुय मंज कँरिजे तप देह मँशिरजे
पँछ्यलाजि पॉठ्य खानुदॉरी मंज घन घन बँरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (1)
वतु लरि हिशि पनुने लरि तय जायि ऑशिर्यजे
पनुनिय बॉच लूक् हुंघ शुर्य तय बॉच गँजुर्यजे
पनुन्यन काम्यन लूक् काम्यन हुंज प्रय बँरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (2)
कथ गॉमुच पथकुन न जि मनु किन्य दॉयिर्यजे
लूबु ब्रमु किन्य अथु वँट्य-वँट्य नजि कँह सॉबुर्यजे
तीवर वैरगु त्यागु सुत्य रगु द्वेशि निशि व्यसरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (3)
सँन्यासु व्रँच हुंद सामानु वुरिजे वथुर्यजे
वुलट हलुच अंतकालुच तुलत्राव ऑशिर्यजे
प्रारब्दस प्यठ त्रॉविथ देह जिंदय मँरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (4)
प्रथ कॉसि हुंद स्वख तय द्वख च्यतु पानस बँरिजे
मंगुवन्यन दातु बँनिथ अन्न दनु बॉगुर्यजे
नजि चै कांछ खँरिजे नजि चुय कॉसि खँरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (5)
समसारु ब्रम बॉज्यगारस बाजि फुटज्यन फँरिजे
बॉज्य तस बेहि पॉन्य पानय शुर्य गिंदुनाह कँरिजे
फीरिथ तस मन थयर करनुक मंत्र पँरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (6)
सत्संगुचे छटवारि क्यथ बवुसागरु तँरिजे
सत् प्वरशन सीवायि किन्य चरनन अँछ जेरिजे
च्यतु व्रतु न्यरुदुकिय¹ सतुकिय व्रतु दँरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (7)
कांह शब्दा युथनु बोजख ह्यसुसान व्यसुर्यजे
लूक् सबि मंज ईकांतुच शांत शक्ती वँरिजे
त्रन कालन होशि प्यालन तुर्या मस फिरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (8)
अहिंसा दर्मस प्यठ ठहरिजे दँरिजे
साख्यवत रुजिथ दयायि सुत्य ह्योन ह्युन कँरिजे
मानु रोस्त सामानु पुस्थि संतोशु बानु गँरिजे
च्यत् फु र्ना बेहे पानय सत् स्वरना सोरिजे (9)

प्रथ कौंसि प्यठ व्वपकारा शेहजारा कैरिजे
पॅछ्य पूजायि च्यत रंजनायि सुत्य बुमिगेन्य' हॅरिजे
प्रथ म्वखु किन्य श्री कृष्णस बावु बूग अपुरिजे
च्यत् फुरना बेहे पानय सत् स्वस्ना सोरिजे (10)

1. च्यत प्यठ व्वथवन्य वैतियन हुंद बंद करुन; 2. बुमु न चारनि, बुरा न मानना ।

224 आश्चर्यवत भगवान् अस्तुती

मंजु नीलि माजुय ताजु थोवथस यिछि रजु चाले ।

काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।

यि छुख तु ति छुख कुस छु दौयुम युस परजुनावे
अँछन वुछुन चानि सुत्यन छु वुछन वाले
प्रेयमु मस चोन यस तस प्रथ शुकस गाले
ज्योति सौरुपस प्यठ पौपूर जन पान गाले
दिख ब्वदि यूगस ग्यान तम्युक पँज वथ हवे
अद्रेशटी अदु प्रान अपान खाले तु वाले
इंद्रेय शँथुर छिम मे च्वपर्य लायान चंजे
होशिकि होशे होश दिम छुस गिंदान हाले
कतक् पोश जन देह आत्म युस व्यचारे
तथ सुत्य मीलित् देह द्रेशटी पानस गाले
प्रेयम चोनय सोन चेनुन ह्योरकुन खारे
प्यठ शिनि थानस चॉन्य दया पानय पाले
दवा कर देह रूग ब्रमस कुस कस मारे
कृष्णस तप जप जिम थव अच्यत जपु माले

आश्चर्य जॉनिथ आश्चर्यस वुछि हवे ।
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।
फरजानु¹ मसतानु बनि ह्युवुय स्वख द्वख चाले ।
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।
च्यतुच फु रना शोमरावे शॉती दावे ।
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।
निशानस प्यठ वातुनावनस च्यथ थव मे डंजे ।
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।
द्वदस तु पॉनिस सुत्य रूजिथ ब्योन ब्योन चारे ।
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।
स्वरुन त्रॉविथ नियि प्यठ शब्द दारे ।
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।
हवा ह्युव कर पकनाव प्यठ शमशेरि दारे ।
काया छ ब्रमुय युथनु मे मूह माया डले । ।

1. ग्यान यूगी; 2 कर्म यूगी ।

225 संकट हस्तु बापथ प्रार्थना

द्वर्गथ छ चलन व्वन्य छि गलन असि रूग सॉरी ।
काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी । ।
द्वख छुख चु हस्तु तु आय शसन च़े समसॉरी प्रथ ख्वगु ख्वगय चानि दयायि अवतार दॉरी ।
ज़न पॉलिथ राख्यस गॉलिथ मुसॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी । ।
च़ेय पान वंदय गोविंदय आनंदु कंदर न्यखद्वंदु निस्पंदु नादु ब्यंदय ब्रह्म आनंदय ।
मायायि फंदय मंजु म्वकलाव अंस्य देहदॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी । ।
यितु पयि मंजय लयि क्याह सॉन्य दुनियादॉरी छ्य दयिगत चॉन्य ज़यि स्वस्त अथ लगुहोय पॉरी ।
म्रेत्यंजय छुख असि बखशिन महामॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी । ।
मन निथ चुय बास सानि कनि कर समसारदॉरी व्वदास थव दास रास खेलुन हाव च्वपॉरी ।
मंजु गरि वनवास करुनाव असि स्वय गॉयि यॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी । ।
छरि अतुगतय कति पचन असि बापॉरी छिय वातुनस मंजु होशिवात्यन निशि अंस्य चॉरी ।
दयाल बॅनिथ पाल सॉनी अयाल बाॅरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी । ।
यिथि नाव मंजय शूब्या असि कर्जदॉरी फर्ज हूस्थि बनाव असि परव्वपकॉरी ।
कर अनुग्रेह अन्न दनु दिथ कास असि लाचॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी । ।
च़सन चॉन्य सट कट संकट मुकटदॉरी दिम बावुक पट शाह ज़ेनन यमि बाज़ॉरी ।
कास मूहन्य गट कृष्ण चंद्र चुय च्वपॉरी काया छ बलन ज़ीवु दयायि लगुहोय पॉरी । ।

226 अंतुकालक्यन हलातन मदि नजर म्वकजारु बापथ प्रार्थना

शंकरु लगुहोय पंकजु पादन
 ही अमरीश्वरु परमेश्वरु हरु
 थफ करुनाव परमु शक्ति दामानस
 पौरुनोविथ अच्यत सामानस
 म्रेति विजि सानि वासनायि वथरुन वठ
 च्यत् रठ मूरुख खट चठ व्वचट
 मन म्योन दर्पन ज़न छुय ज़ोतन
 नूरु सूरु फशु सुत्य पानस ह्युव कर
 आँखुर छु पकनुय शिनि माँदानस
 तकलीफ तति वाति कुनिसुय पानस
 दिथ अबय वर मूह हर ज़य कर
 प्रथ कुनि चीजुच वॉसि हुंज प्रय कास
 लूब पुछि यथ वॉसि रंगुरंग वीश कॅर्य
 मानु पुछि ताबे कमकम दीश कॅर्य
 गीत ग्यवुनुय शूबि च़े भगवानस
 कनुनुय गछिना कॅह ग्वनुवानस
 वॉसि हुंघ सॉरी आँब गॉब करिहम
 म्रेति विजि च्यतसुय ह्यतुकार करिहम
 कुस प्याव कुस ज़ाव कॅम्य कोड बोड नाव
 कुस बोज़नु आव ओस वावुक वाव
 नेशकाम कर्मु बूमि अनुग्रेह ब्योल ज़ेवि
 कर्माँय करनुच मेहनत शूबुराव
 ओरु योरु ज़ोरु मन म्योन दैरु म्वछि ह्यथ
 त्रेश्नायि हुंजि व्वछि त्रफती बखशिथ
 पानस ह्युव कर मेति दिगम्बर
 प्रकाश बनि आकाश वुरुनुय ह्यमु
 लाकमि रोस्त च्यतुकुय गुर छुम
 स्यँज वथ हॉविथ सुत्य पकनोविथ
 दिवथा अनुहॉम पालवुन बनहॉम
 दपुनम लूख अदु दय हो देठ्योस
 आत्मु बोज़ नागु लयि प्रेयमु ज़ल वुज़नाव
 शीतल शिव अँगु पाकनाव बाँगराव
 ओरु आयि वाव रिगाह योरुकुन गॅयि
 कति प्यठ कुस आव येत्य ओस कोत गव
 व्वद म्यॉन्य वातिय यूर्य यूर्य
 म्वक्तु लरि⁴ हुंद हव चूर्युम पोरुय⁵

सान्यन अपरादन कर ख्यय ।
 ज़य बौनय ज़यजय बोयनय । ।
 निम पानस कुन छम चॉन्य प्रय ।
 शिव न्यर्वानस मंज़ कर लय । ।
 संकट कट चठ जीवतुक छूठ ।
 यमु नठ कास बास म्रेत्यंजय । ।
 लँजमुच अथ चॉन्य सूरुत छ्य ।
 कति रोज़्यस व्यवहारुच खय । ।
 यथ कारुखानस क्वसु शूब छ्य ।
 पय दिथ हव न्यर्नयिचिय नय । ।
 गाल कालुन्य थर छम चॉन्य प्रय ।
 पथकुन चुय योत बास बोड दय । ।
 हॉसिल छेत्य केश² कॅर्य ह्यह्य ।
 व्वन्य दितु शॉती ही न्यरामय । ।
 मंज़ अग्यानस वॉयिम नय ।
 अस्तस म्यॉनिस करि व्वदय । ।
 यिछि जीवु दयायि बोयनय ज़य ।
 कति बेह्यस गछु कति व्यसरय । ।
 शिनि मंजु द्राव शिनिसुय मंज़ च़ाव ।
 शॉती प्रावनाव गव मनोज़य । ।
 पोपराव त्यागु वैरागु लागुनय ।
 पथ थाव ग्रेहदशायि हुंद स्य । ।
 क्वछि क्यथ ललुनाविहिय म्यॉन्य प्रय ।
 बवुसरु बोठ खार म्यॉन्य रुच क्रय । ।
 नंगु कर संगु दूशु निशि लगुह्य ।
 वथरुनि कनि प्रेथ्वी वथरय । ।
 नेशव्वद शुरु छुम तस खँसिथुय ।
 ठँहसॉविथ त्रावनावुन ह्य । ।
 रायि मंज़ गनुहॉम बनु अबय ।
 नतु किथु पॉव्य गोस ज़्यत् इंद्रेय³ । ।
 श्वबु फल बागु नयि फिरुनाव पय ।
 समु द्रेष्टु बावनायि अनुग्रेह वय । ।
 यमि दयिगँच हुंद कुस आव पय ।
 युथ ज़्यूठ मँज़िला कॅम्य कोर तय । ।
 तोरय तोरय सोरुय चुय ।
 तँत्य बसुनाव न्यथ च्यत् वंदुह्य । ।

चुय येलि बुय गोस योर कुस ब्याख ओस कृष्णन ब्रम कोस टेठ्योस दय ।
चे पूसनस कुस प्रेदिख्यन दिथ हेकि क्वसु पूज कर कम पोश लागय ।।
जय बोनय जयजय बोयनय ।।।

1. परेशॉनी; 2. सफेद वाल; 3. इंद्रिय ज़ीनिथ; 4. मुक्ती द्वार ; 5. तुर्या अवस्था ।

227 अस्तुती

हमसु पखु छ्य ब्रह्म आकारो ।
सत्संगुके जानावारो ।।
श्रवनुकि मनुनुकि आदिकारो सतुके च्यतुके ह्यतुकारो ।
न्यर्वासनु साख्यातकारो सत्संगुके जानावारो ।।
वीदु वनुके चंदन दारो प्रथ कुनि सुत्य छुय शेहजारो ।
शीतल थव मंजु व्यवहारो सत्संगुके जानावारो ।।
यूग रजि गदि हुंदि ताजदारो साखिय रोट चोन दरबारो ।
सर्वु स्वख दिवुनुनि सरकारो सत्संगुके जानावारो ।।
युथ पजि त्युथ छुख शूबिदारो यूग ग्यानु डबि खार वारो ।
बावु लरि हुंदि शांती दारो सत्संगुके जानावारो ।।
परजुनॉविथ सर्वु आकारो सर्वु आत्मु बावु व्यचारो ।
प्रथ मतु किन्य च़ेय पतु लारो सत्संगुके जानावारो ।।
लोच़राव देह ब्रमुके बारो कृष्णस कर गगनु आकारो ।
वुफि सुय पेठ्य हमसुदारो सत्संगुके जानावारो ।।

228 वैरागस मुतलक

दँमी ड्यूठुम नब न्यथु नोनुये दँमी पुस्थि अबरक् थान ।
दँमी ड्यूठुम अनिगटि रतस दँमी चँद्रमु गाह त्रावान । ।
दँमी ड्यूठुम ल्वकटुय नेचुवाह नेशब्द बालुका मूड अनजान ।
दँमी ड्यूठुम पँडितन मंजबाग मन निवुवुन दिवुवुन व्याख्यान । ।
दँमी ड्यूठुम पोक तॉमीरा हमाम बंगालु ह्यथ डलान ।
दँमी ड्यूठुम पथर प्योमुत वॉरान ज़न गोमुत मॉदान । ।
दँमी ड्यूठुम काया शूबान गँड्धि गँहना अमि यमि सान ।
दँमी ड्यूठुम पथर पेमुच बेह्यस गॉमुच त्रॉविथ प्रान । ।
दँमी ड्यूठुम कुल वुन्य फोलमुत फुलुया लँजमुच तथ क्याह जान ।
दँमी ड्यूठुम पोश बरु गॉमुत्य बुलबुल चँलिमुत्य ब्रग बोलान । ।
दँमी ड्यूठुम स्वंदरमाला दँमी ड्यूठुमस होखमुत पान ।
दोपमस कति छुय गँहनु तय यावुन कति शुर्य बाँय बंद कति सामान । ।
दोपमस नाव क्याह छुय ही त्रियी दोपनम नावा ओसुम बाग्यवान ।
वाव प्योम फँकिरँन्य ज़न छस बासान प्रथ कुनि चीजू किन्य छस हॉरान । ।
दोपनम कृत्यन योनि छिम छनिमुत्य कृत्याह छिम कैर्यमुत्य कनिदान ।
द्रामुत्य कृत्य ऑसिम रोजगारस कूत ऑसिम तिम कमुनावान । ।
दोपमस थ्वक् छुन यथ समसास प्रावुन गव त्रावुन अबिमान ।
दोपनम मनु किन्य स्वरुनुय त्रोवुम कृष्णस होवुम करुनुय मान । ।

229 वैराग व्यचार शमस मुतलक

वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरसुय मंज ।
सूह्म ह्म वाँयिथ बोठ खॉस्थि वातनाव शॉती गरुसुय मंज । ।
कति आस कुस छुस कोत छुम गछुनुय गोमुत छुस आश्चरसुय मंज ।
सत्ग्वन बखशिथ दीव प्रकरत दिम यिनु बनु राख्यस वरुसुय मंज । ।
वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरसुय मंज । । ।
शिनि मंजु नीस्थि शिन्य गव सनुन अच्यत् चेनुन स्वरुसुय मंज ।
मूह मस चनु खोत ह्यसु व्यसरनु खोत जान गछि रोजुन जरुसुय मंज । ।
वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरसुय मंज । । ।
वाँरस¹ नियतन दैरस² दियतन दरिा खॉरस³ तु शरुसुय⁴ मंज ।
व्यस्त बाव वैच्यतन⁵ मत कृच्यतन⁶ दामन ख्वशकस तु तरुसुय मंज । ।
वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरसुय मंज । । ।
मूर्खस वँन्य वँन्य कँन्य पँत्य गँछ्यतन अँन्य पाँठ्य फटि व्वदरसुय⁷ मंज ।
मानि सुत्य अविमान मद छुस प्रावुन व्यद⁸ छस स्यद आदरसुय मंज । ।
वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरसुय मंज । । ।
शिव-शक्ति रूपुक विवेक बँनितन हरकत छ प्रकरत परुसुय मंज ।
अँनीक ईक ज्ञानुन वैक बँनितन च्यतु ब्रम छु मादस तु नरुसुय मंज । ।
वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरसुय मंज । । ।
ऑलिम जॉलिम सुह पीड दिवि तस खोत आर बाँर्य खरुसुय मंज ।
श्रवनुय बूजिथ ह्योन गछि ग्यवनुय नतु क्याह वाति मरु मरुसुय मंज । ।
वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरसुय मंज । । ।
वासना नीस्थि फीस्थि अँचितन लय गँछितन ईश्वरुसुय मंज ।
कृष्णस वँर्यतन अविमान हँरितन मँर्यतन च्यत् मंदरुसुय मंज ।
वावस मंज छम पक्वुन्य नावा लोगमुत छुस बवुसरसुय मंज । । ।

1. वैर बाव, हसद; 2. दैर्य बाव ; 3. स्वखस; 4. ह्रखस; 5. विस्त बाव बँडिन, वेशय बूग यछयि निशि दूर ; 6. मत गँछिन ओदुर, बदनाम, तर दामन; 7. समसास्स; 8. विधि ।

230 दर्शन बापथ प्रार्थना

संतु अज बसंतु जोर गोख हँविथ यी पज्या ।
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।
सब्ज मखमल वथुरावन तन छि हवन यासमन
ग्वंचि फँल्य फँल्य असुनावन पान पॉरवन चमन ।
जलवु हँविथ मँचुरॉविथ गोख त्रॉविथ यी पज्या
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।
अँछ वछ्य थॉविथ यँबुरजल च्चे वुछ्छि छ्य मंदुछ्छ
कीश छुय सोम्बुल गरुड छुय ब्रमु क्यन सरफन बुछ्छ ।
पोशनूलन बुलबुलन गोख तम्बुलॉविथ यी पज्या
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।
कु किलव मोल बस्मु कोस्तूर्यन दोपुख हर्शा बँरिव
कृष्णजुव यियि बेयि फीरिथ हीय थर्यन ग्वड बँरिव ।
अनुनॉविथ बेयि रोशुन मनुनॉविथ यी पज्या
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।
मोरमुकट दारुवन यियि गरुड्स खँसिथ तोह्य नँचिव
सान हेनि¹ यियि जानवारन युथनु तोह्य आत्यन अँचिव ।
शोगु बोलन तोह्य थँविव व्वन्य पान सॉविथ यी पज्या
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।
छपि छरस गूपियन सुत्य गिंदनस मंज नोन गछुन
ग्वडु खटुन अदु डीशिथ बेयि मँशिथ वुन्य गछुन ।
चँड दिथ अथस चलुन वथ रातुरॉविथ यी पज्या
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।
मंज जलस वालुन तु खालुन पान डेशुन न्यथुनोन
तुरि अंदर ह्यथ चलुन वस्त्र गँरीबन मोज ह्योन ।
नंगु डीशिथ पान खटुन मंदुछँविथ यी पज्या
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।
कस छु ताकत कुस वँनिथ हेकि ओय ख्वश यी ती कोरुथ
मंज ग्रेहसतस सोन रोजुन गोय च्चे ख्वश प्रथ कांह वोरुथ ।
गोख सॉविथ न्यँद्रिहत्यन वुजुनॉविथ यी पज्या
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।
कृष्णस निशि सिर खँट्थि कथ वातुनॉविथ यी पज्या
कोनु मसताना कोरुथ मस प्यालु चॉविथ यी पज्या ।
मँस्तिया दिचथस कमुय दाना बनॉविथ यी पज्या
लोलु बागस शोलुनॉविथ गोख छँविथ यी पज्या । ।

1. मुआयनु करुन ।

231 आपदायव निशि बचनु बापथ प्रार्थना

रुठ आपदायव निशि गरि गरे	हरे दीनानाथ ।
चे रोस्त कुस असि रख्या करे	हरे दीनानाथ । ।
छुस तारि गोमुत पथर प्योमुत	सुत्य पननि कर्मु फलय
दया करतम वरतम	मंज लेंबि पम्पोशा ज़न फवलय ।
गृह्यबल कति मे निशि दरे	हरे दीनानाथ । ।
वाव छु वुज़न नावा छ यीस्न	यमि बवुसरय छु वीस्न खोफ ।
यस चुय तास्ख सुय यथ तरे	हरे दीनानाथ । ।
शस्न आसय द्ख छुख चु हस्न	आवागमन ज्यूठ फिरन छुम ।
म्वकलाव व्वन्य आसय ब्रह्मन मरे	हरे दीनानाथ । ।
हॉकलु वछु छम दार्यन तु बस्न	इंद्रेय चूसन डस्न छुस ।
न्यस्बय थवतम पननि गरे	हरे दीनानाथ । ।
अंदेरा वॅछ छस गट सुतिय	अॅछ वॅट्य वॅट्य येति कुतिय बीठ्य ।
बर दारि वछु छम देहचि लरे	हरे दीनानाथ । ।
यारानु लॉगिथ छुस ठान	लगन कति छुस यिमव रोस्त ।
तिम छिम मे पलज़न अदु कुस मे खरे	हरे दीनानाथ । ।
हॉसिल क्याह छुम थॅविथ पले ¹	लॅदिथ ल्वले ² क्वसु शूब छम ।
त्युथ लदतु युथ कौंसि कॅछ तरे	हरे दीनानाथ । ।
आँसिथ पकि म्याँन्य दुनियादाँरी	पनुने गरजूक्य साँरी छिम ।
नतु कुस कॅमिसुंदि बापथ मरे	हरे दीनानाथ । ।
पथकुन चुय योत नेस्ख सारुय	ह्यसुसान पकि व्यवहारुय तस ।
सादन पादन युस अँछि जरे	हरे दीनानाथ । ।
परमु शमस सुत्य सूहमस	थॅविथ समागमस मंज ।
दमस मंज देह ब्रमस हरे	हरे दीनानाथ । ।
च्यत् सिरियस आनंदस सतस	सनम्वख शस्नागतस थाव ।
ग्यानु न्यँत्रन थव मु कॅह ठे	हरे दीनानाथ । ।
गरुड गँजस्थि प्यठ साया त्राव	यथ हमसुदास्स प्यठ वुफुनाव ।
हमसु पखु दिथ च्यतचि चरे	हरे दीनानाथ । ।
पथ ब्रॉठ कुस छुम छुस तारि गोमुत	पथर प्योमुत छुस दर्मु वीर ।
स्वखु आसन दिम मंज बांबरे	हरे दीनानाथ । ।
शस्न आसय संतन तु सादन	तिंहद्यन पादन छु जयजयकार ।
तिंहदे सुत्य सोन आँस्चर चे तरे	हरे दीनानाथ । ।
क्याह करु दूपस तु क्याह करु दीपस	चे ज्योति रूपस छुस आलवन ।
अहंकारुचि छरे नरे	हरे दीनानाथ । ।
छुस दानु छंडन मंज वालु वाशे	रुज़िथ म्वखतुचि ³ आशे मंज ।
कड राजु हमसस मंज वालु बरे	हरे दीनानाथ । ।
इंद्राजु येलि गव यॅच मंज कूदस	रुदस लॅज कल्पांतुच दार ।

बॅचराव असि मंज्र कालनि थरे हरे दीनानाथ । ।
मुश्क ह्यथ प्रेयमुचि पोशि थरे कृष्ण बुलबुल बॅनिथ द्राव ।
बसंतु दुशालु न्यथ चोन स्वरे हरे दीनानाथ । ।

1. बचौविथ; 2. यँड मंज्र; 3. मुक्ति ।

232 दर्शन बापथ प्रार्थना

श्याम स्वंदर सुबह ह्यथ यियि ।

दियि दर्शुन शामसुय ।।

राधिकायि हुंद बूज खेयि	शेछ्य गॅयि ब्रज गामसुय ।
मालु करि असि त्वलसी तु ह्येयि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
द्वद मॅदिथुय थोव मंज कृयि	ख्वश छि अॅमिसुंदिस दामसुय ।
प्रेयमु थॅन्य खेयि छ्वक् द्वद चेयि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
पाँट्य वस्त्र वथरुन पेयि	ख्वश छि अथ आरामसुय ।
कलसुय प्यठ दुशालु हेयि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
गमु कमसस मारनि यियि	ह्यथ हलधर रामसुय ।
माजि मॉलिस काँदु मंजु नियि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
गाह अॅम्यसुंद आंगनन पेयि	गच्छि च्यत् ह्यथ आमसुय ।
पूरना करि रूपस दियि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
प्रांन सान्यन शॅत्रन हेयि	शूब्यस युथ तामसुय ।
अथ ग्वनस सत्ग्वन वंदुन पेयि	दियि दर्शुन शामसुय ।।
लूकन मंजु द्रॅठ कति यियि	प्यव खसुन प्यठ बामसुय ।
रास खेलनि कृष्णस नियि	दियि दर्शुन शामसुय ।।

233 यितु गच्छि निशि म्वकलनु बापथ प्रार्थना

म्वकलाव मंजु काँदखानय ।
ह दयावानय व्वलो । ।
वूनमुत छुम मे ज़ाला म्वकलावि चोन अनुग्रैह ।
छुम ज़लुर्यसुंद ह्युव निशानय ह दयावानय व्वलो । ।
न्यथुननि सुंदि सायिबानय छुस बु तापु तच्चि वुडरि मंज ।
त्राव रूदा आसमानय ह दयावानय व्वलो । ।
संगदिल छुस छुमनु बानय बडि दयि करतम दया ।
बानु लदतम मानु सानय ह दयावानय व्वलो । ।
प्रथ सोदा छु वानु वानय गच्छि आसुन चोन बाव ।
अदु मेलि पूरु परमानय ह दयावानय व्वलो । ।
छुम स्यवह बोड कास्खानय अंद वाति चानि प्रेयमु सुत्य ।
सत्य दीवु सत्य नारायणय ह दयावानय व्वलो । ।
हीय बो लागय दानु दानय द्वय चै छ्य राधायि हुंज ।
यी मंगय ती दिम चु पानय ह दयावानय व्वलो । ।
सोम्बस्थि छुम सामानय वति लागुन चैय तगिय ।
अदु प्राव आश्चर्यथानय ह दयावानय व्वलो । ।
द्वारिका ज़न प्रथ मकानय वुछ बनोवुथ कृष्णु चै ।
यि छि चाँन्य सोन छुस बहानय ह दयावानय व्वलो । ।
छुख कुनिय रूपु भगवानय द्वयथुय छुम बासान ।
त्रुबवन सुत्य अग्यानय ह दयावानय व्वलो । ।

234 मंद वृद्धगुक इजहार

कस वेंनिथ ह्यक् आलच्युक हाल शोम्भू ।

न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।

न मे तिछ बक्त करुहँ ब्रह्म व्यचार न मे तिछ शक्त करुहँ परव्वपकार ।
बूजिथय छुम अन्न दनु माल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।
प्रथ रंग किन्थ बोड कर्म ह्यनुय छुस सुत्य संग दूश अंग दूश चोनुय छुस ।
न मे देह दौर न मे याल चाल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।
न मे तिछ ब्वद करुहँ जान व्यवहार बजि गदि प्रावुहँ नेरुहँ सरवार ।
आसि मे ह्युव कुनि कांह खाल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।
संतोशि वाल्यन मंज बोड ख्वदरा छुस ह्यकनस क्युत बोड कमजोरा छुस ।
किथु पॉठ्य पकि म्योन अयाल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।
मे मूर्खस पालक स्वय गॅयि कथ मे अँन्यसुय हवख न्यवरँच वथ ।
नाव छुयना दीनु दयाल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।
न मे तिछ बक्त यथ प्यठ च्यत् स्टहँ पान खटहँ वासनायन चटहँ ।
म्योन करतूत सोरुय छु जहल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।
प्रारब्दस प्यठ युस दरि गव साद युसनु दरि च्य टेठहँस गव प्रसाद ।
डलहँस लोन गालहँस काल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।
बक्ति न्यँत्रन प्रजलाव लाल शोम्भू दातु बन बर शक्तिपातु थाल शोम्भू ।
बूगुनाव अनुग्रेहकुय साल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।
बडि मानु आनंदु सतु च्यतु सुतिय मे कृष्णस अनुग्रेह द्रेशटि सुतिय ।
छेर गरु कर मालामाल शोम्भू न मे कोर तप न मे जॅप माल शोम्भू । ।

235 भगवानस कुन बक्ती बँरुच शकायत तु प्रार्थना

दीवु द्रेश्ट असि प्यठ कोनु छुख त्रावन ।
दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
पस्मुदामु गदि कोनु छुख बेहनावन शाँती कोनु प्रावनावन छुख ।
च्यत् फुस्ना कोनु छुख शोमरावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
जीवतुच बाम्बुर छुख पतु थावन कोचि कोचि क्याजि फिरुनावन छुख ।
कैह छुयना छुख असि बेछनावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
मूर्खन हुंजु पामु छुख बोजुनावन शाहर गामु व्वट तुलुनावन छुख ।
न्यर्वासन आसन छुखनु दावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
वादु थँव्य थँव्य क्याजि छुख प्रारुनावन छ्वचरय कोनु पूस्नावन छुख ।
सादु नावस क्याजि छुख मंदुछवन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
ब्रमु न्यँद्रे मंजु क्याजि छुख सावन मूह मस क्याजि चावुनावन छुख ।
च्यत् जेरि सुत्य कोनु छुख वुजुनावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
आवागवन क्याजि छुख मँशरावन पशि बावु क्याजि पशुनावन छुख ।
समसाउ यशुकुय नशु छुख चावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
नेशकाम जामु कोनु छुख पौरावन रामु रामु कोनु करुनावन छुख ।
श्यामु रूपु धान कोनु छुख स्वरुनावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
बसंतु जोरु कोनु छुख न्यथ हवन च्यत् बाग कोनु फोलरावन छुख ।
दरदु थरि¹ बरु करिमचु हरदु वावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
ब्रह्मन जनमस ग्वडु अनुनावन पतु क्याजि वथ रावरावन छुख ।
सत् सुमसन कोनु छुख फिरुनावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
ग्वडु छुख वेशय बूग व्वपदावन सानि म्वखु तिम बूगुनावन छुख ।
पतु छुख अथु हँविथ निवुनावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
पानस सुत्य कोनु छुख मिलुनावन द्वैतु बाव कोनु छलुनावन छुख ।
व्यवहारु ह्यस कोनु छुख व्यसरावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
असि कोनु चौर्य फ्यौर्य छुख गँजरावन क्वबजा कोनु याद पावन छुख ।
हँज बक्तु सॉन्य छुखनु स्यँजु बनावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
कर्म बूमि सानि छुख ब्योल जीवरावन अनुग्रैह सुत्य पोपरावन छुख ।
बूगु यूगु त्रपती कोनु छुख दावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
पोशुनूलस कुन यी वोन कावन म्यॉन्य हिशु तन कोनु प्रावन छुख ।
साफ सपनुस देह न्यथ छुस नावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
यी हाल सोन छुय छिय गँजरावन मतु वुछ्तु सान्यन ग्रावन कुन ।
त्रेशवय मल² छुख चुय छलुनावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।
वेशु रूपु दर्शुन कोनु छुख हवन बोजु जसुदा मँचरावन छुख ।
श्री कृष्ण ऑस कोनु छुख मुचरावन दयुगथ नँन्य कोनु हवन छुख । ।

1. बक्ती रूपु पोशव लँदिथ थरि (लंजि); 2. त्रैमल - दैविक, देहिक तु मानसिक (अधिभौविक, अधिदैविक, अध्यत्मिक) ।

236 बीखू बँनिथ पननि कमजूरी हुंद इज़हार तु भगवानस कुन व्यनथ

बेख्यायि अँस्य द्राय आय च़ेय निशि दयावानय ।
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
अलख बोलन छुस न्यँबर्य किन्य कँर्य कँर्य बहानय
अँदुर्य छुस छेच़ निमु क्याह येति दर्मुदानय ।
छ्य हरकत चॉन्य बरकत सॉन्य ह्री शक्तिमानय
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
यथ तावुननिस बाज़रस मंज़ छुस दस्त तंगुय
खँरीदारा मेल्यमना खसिहेम रंगुय ।
छिम जोर शालस¹ बावु फरुवन्य² वानु वानय
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
वुछ सॉलाबाह कतर कतरस्य मीलथ पकानय
वुछ अंबार गलुकुय सोम्बस्थि दानुदानय ।
वुछ समसार ब्रमुय योत अमि यमि सानय
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
पथ ब्रॉठ कुस छुय पानु म्याने ह्य नादानय
पथर प्योमुत प्रेथ्वी प्यठ छुख आसमानय ।
पानय तुलिय थोद बवु संतापुक सायिबानय
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
चूरस यिथु प्यव चंदुचूर मंज़ शिनि थानय
नफसस लूटनि लूब लोग लॉगिथ यारानय ।
बोलिय तस सज़ा रज़ु यूगुय बूग काँदखानय
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
सतुच शॉती छ्य सतुच थ्यत सुत्य ग्यानय
ती सार छुय मंज़ तपु ज़पु तु यूगु तु द्यानय ।
नोन पॉरि पानय शिव न्यर्वानुक सामानय
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
समसार यशन मूह मस चथ कँर्य देवानय
यिम पेयि पायस तिमन नाव प्यव फरज़ानय³ ।
पानय तिमन गछि मूह मदुक जिन तानु तानय
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
शब्दस अँछ कर अदु वुछ्ख तीजूक चु थानय⁴
तीजूक तीज़ा तीजू मंज़य ह्य तीजूवानय ।
तीजूक खार तीजू मंजु ह्यथ चु तीजू जॉपानय
कम बक्तिस दिम आत्म त्रफती हुंद बोड बानय । ।
ह्य गरु ह्य गरु कर मु लगख ह्यरुचि छये⁵
ह्य गरु यी बोल ओल चोनुय छु मंज़ शिनि थानय ।

पान वुफुनाव हगरुच हस्कत छुख पॉन्यपानय
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय ।।
स्टहॉन मूहुन चूर पूर गछ्तम दूर अग्यानय
दयु दनु लबुहॉन पूर गछ्तम दूर अग्यानय ।
फेरिय नु बावुय नेरिय क्याह मंज अबिमानय
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय ।।
लूकन हुंज ज्यव दयुगॅच हुंद नकाखानय
तिम छिस ग्यवान गीत कृष्ण अँस्य अँस्य छु वदानय ।
नेशब्द शुस्सि थाव जगत अम्बा प्यठ दामानय
कम बक्तिस दिम आत्मु त्रफती हुंद बोड बानय ।।

1. पवित्र संत शेशेरकिस वोजूदस; 2. न्यंदक, बक्तिहीन; 3। ग्याँनी; 4. ग्यान द्रेश्टै सुत्य वुछ शब्द दारयि पानस अंदर पतु गछिय ज्योति सोरूपुक दर्शुन, हरनिगर्बुक ग्यान गछिय हॉसिल ; 5. गरु -गरु कस्तु सुत्य लगख हगरुक्य पॉठ्य चॅक्रस - समसारु बंदनन मंज रुजिथ लगख यितु गछि, यि समसार छुयनु चोन गरु , चोन गरु (ओल) छुय शिनाहस मंज ।

237 शोम्भूजियस कुन आवागवनुक इज़हार

छुय बांडु जेशना चानि मायायि हुंद कास्खानय ।
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
यि सोरुय छुय चानि यछ्रयि हुंद शॉदियानय
यि सोरुय छुय म्यानि मूहुक ब्रमुक निशानय ।
यि सोरुय छुय सांग लागुन नफसुन बहानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
तमाशु वुछन छुख चु आसन सुत्य ह्यथ आमय
पाँथुर चानन छुस बो मेल्यमना यनामय ।
यनाम द्युन गव चोन बखशुन आश्चर्य थानुय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
गोखय ख्वश दिम बख्शॉयिश दयावानय
गोखनय ख्वश कड जेशनु मंजु पाँथुर बेह पानय ।
द्वशवय कथु छ्य म्यानि मूखी हुंद सामानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
अख मसखरा चाव पाँथरस मंजु कमि तान्य म्वखय
चाल्यन चपाँच मुशत मुकालि ल्यक् तु थ्वकय ।
कोडरु कमचि कुरु चुमचि चॅप्य तॉजियानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
ताजा लॉगिथ राजा आव दीनु दर्मु दानय
बड्यन राजन सुत्य करनि लोग मानमानय ।
तिथय बेछनि लोग तुलिथ थोद दामानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
शिकारगाह पाँथरस मंजु चाव हावन जोरुय
शेसन मारन शाल वुछ्थि त्रावन छेरुय ।
मंजु मिनि मर्यन हांगुलाह आव नयसतानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
छ्रवुल्य दाँस लॉगिथ आव कलु गिलुवानय
थ्यक्नावन कोम क्वल कॅबीलु छुस खानुदानय ।
पाँजार ख्यथ लोगुन मूर्खन सुत्य यारानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
जँटह गॅड्थि ह्मुतुलिस छुम सायबानय
रख्तु पोद मोनुन तख्त सुलेमानय ।
टैटह माँनिथ लोरि खँसिथ थकान रानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
दमालि फँकीर आयि सूर मँलिथ पानस
यथ समसारस थ्वक् छुनन ज़न आसमानस ।

पखांडु पाँथुर लॉगिथ चाय सुत्य अबिमानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
मकार^२ आव अँछ वटन तु मुच्चरावन
गाँबी^३ खबरु बोजुनावन शुर्य मँच्चरावन ।
मँस्ती हावन हल बावन छुस मसतानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
गरा बँनिथ मोल माँजी रखन शुर्य
गरा बँनिथ चोल चॉजी दासन मुर्य ।
गरा बँनिथ क्राल क्रॉजी थुरान बानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
मेथ्या जॉनिथ ठु मॉनिथ तोति छि डलन
मोजा ह्यवन पीर-अँमीर^४ अलन अलन ।
मसखरु चाटन क्युत हाटन हुँद दस्स खानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
लॉगिथ वांदर पँज्य पाँथुर राख्यस माँरी
चाने असनु बापत असि कम वेश दाँरी ।
लचे लॉगिथ रूसकचे ज़न माँदानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
छुम पहा पलवा ओनमुत छुस वलन तु खोलन
छेट ज्यूठ गछन छुमनु शूबन छुस कूत वोलन ।
दिम बखशाँयिश यिम वलन छुख तिम सामानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
पँरी फोजा आय जिन ह्यथ पँस्सितानय
अख मसखरा वोथ मसखरस कुन व्वथ पँहलवानय ।
पँरी फोजस म्वकलाव कड जिन तानु तानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
इस बाग-ए दुनिया में नहीं है अब शर्म की बू
अरे राजा रंग बदला है फूलों फलों को ।
युथ दरजू पाँथुर छुय बनावान मर्दन ज़नानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
टरबाज़ आवे अपने बब को राजा कहावे
परचा वथस्थि न्यँदुर त्रावे फर्श हावे ।
कख का प्रतीत नहीं मान को है लख लख खज़ानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
ताँयफु दासन सुत्य आरम ह्यथ हाक पजे
ज़चि माज़चन सुत्य करान कथु अडुकजे ।
सब्ज़ी क़नन ज़चि फिरुनावन वानुवानय
कमकम पाँथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।

गर्म मसालु व्वडि प्यठ ह्यथ कोचन फेरु
सुत्य काचु गॅरिन्य काचु बुंगरि कुननि नेरु ।
हारुन सोम्बस्थि पॉसु बनन पॉसन आनय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
हापुथ सुत्य ह्योन पॅज्यवात्यन ज़्यादु छुय लूबुय
मेथ्या ब्रमस मंज़ सुत्य थवुन होस्त क्वसु शूबुय ।
हॉसिल क्याह छुय छवुल सुत्य ह्योन नादानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
छुस खार बॅनिथ गिलुनावन दमबस्तु यीरुन
स्वनुर बॅनिथ बाँज्य तारुन पीरुन अँमीरुन ।
होट ऑस ह्वखन फ्वख दीदी ग्वख न्यंगलानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
दँसिल कारुस मंज़ व्वसता छुख छुय नु जोरुय
कमकम मंदोरि छुक लदन प्रथ पोरु पोरुय ।
कमकम तॉमीर छुख बनावन गाटलि छनय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
पतव लाकॅन्य च़कजि किन्य नेरिय व्वसताँदी
जँमीनदाँरी मंज़ करुन्य छ्य नव-आबाँदी ।
बंजर पुटुन्य कॅड्य च़टुन्य छिय पँहलवानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
छुय दीवु अँगुन होशि किन्य वाँतिथ च्वपूरिय
बोड बलुवीरु हाजतव कोरुमुत कमजोरुय ।
व्वतम प्वरशा मूर्खु दारुयन प्यठ प्रारुनय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
छुय ड़कटर बॅन्य बॅन्य बॅचरावन ब्यमारुय
हसुन देहुक द्रख तु कसुन पर-व्वपकारुय ।
दवा कसुन दाँघलदन शफ़ाखानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
छुस रंगु रंगय रज़न कित्य पोश वातुनावन
यनामु दिथ छिम ख्वश गॅछ्थि यी बोजुनावन ।
यिथय पॉठ्यन ऑसिज़ि यिवन न्यथ बागवानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
छुस वाज़ु बॅनिथ रज़ुदारुन रनन तु प्यवन
तिम छिम गछ्ण ख्वश मीठ्य बूज़न ख्यवन तु चवन ।
तनख्वाह दिवन जॅट-पॅट सुवुन्य पॉन्य पानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ च़ास सुत्य अग्यानय । ।
पॉथुर ज़ानन तीत्य छुस यथ छ्यन छुनु आसन
मूह सेंदि फटुन छुम तिमन हुंद पानस मे बासन ।

ह्यथ म्वखतु खसन ओश मे वसन छुम दानुदानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
तिथ्य स्वर^१ वज़न छ तिष्ठ स्वरनर्य^२ तु नकास्य
यथ स्वर^३ नु रुज़िथ सुर तु असुर छिय व्यसरानय ।
कमकम बोज़नवॉल्य गॉमृत्य छि अति देवानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।
ही राजु यूगकि राजु सर्वु शक्तिमानय
मे कृष्णस क्युत मुचरिथि दातु कलमदानय ।
यनामु कनि दिम मूख्य प्रदानय
छुय बांडु जेशना चानि मायायि हुंद कास्खानय
कमकम पॉथुर लॉगिथ चास सुत्य अग्यानय । ।

1. वेट, गुर ; 2. सॉद मकार ; 3. यमिच्य नु खबर आसि; 4. बुजुर्ग लूख; 5. आवाज़; 6. मुस्ली; 7. ह्यस, हेश ।

238 कस्तूतन हुंद इज़हार तु म्वक्ती मंगनुच प्रार्थना

तारि छुस गोमुत तार दिम बवुसर ।

शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।

यावुन ह्यथ गोख यिथ प्योख बुजर सोपुवत ओस ल्वकचार म्योनुय ।
न्यथ हव शिव रूप मंज च्यत् मंदरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
माया ज़ाल वठ रठ च़ठ अकि दरु लबि कनि थव परिवार म्योनुय ।
अंतरस्वख रोज़ स्वख बरु द्वख हरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
वाँरगु मछु ज़ोरु सुत्य त्यागु खंजरु देह अबिमान मद मार म्योनुय ।
जिंदु थव वाँसि सुत्य स्यजरु पजरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
वासनायि म्यानि मंज बस प्रकस्तुपरु पछि स्वस्त थव आचार म्योनुय ।
लछि प्यठ प्योमुत छुस करतम खरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
क्याह करु सारिय वाँसि कोर मे गरु गरु कस अँकिस वोत व्वपकार म्योनुय ।
नशुनकि वेलु पशुनुय बेयि अरुसरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
वासनायि अस्खोलस करुनाव अरु चंदुन कर दिवदार म्योनुय ।
यॉर ह्युव सब्ज कर अदु वंदस दरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
अनुदातु ज़ानु मंज ख्यनु चनु व्वदरु सुय आहार पूर्ण व्यचार म्योनुय ।
अस्त्वत च़े कुन करु शाँती श्रूख परु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
सासुबजु वुलट रायि कोह ज़न गँयि खरु गासु कचि ह्युव व्यसतार म्योनुय ।
दय छुख लय कर न्यसनय नयि स्वरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
पराक ज़नमुच खंडिथुय आयि गँयि खरु अति क्याह पकि गाटजार म्योनुय ।
थौद तुलतु पथर प्योमुत प्यठ थरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
प्रास्वद फल बूगनुय छुम तु क्याह करु पोत फेसनस छुनु वार म्योनुय ।
प्रानि वाँरु मंजु कड नवि दैरु सुत्य दरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
दौह आयि छेह दिथ अँदरु न्यँबरु अज़ ननि कुस आसि यार म्योनुय ।
परुदु थव क्वंगु पोश हरुदु कति गछि बरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
छ्योट तु श्रूच मत वूछुत अछुत म्योनुय गरु शिवलूक ह्युव बनि दार म्योनुय ।
यमुदूत खोचन सुत्य अबयु वरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
छ्यँट वासना म्यॉन्य छल न्यरमल सरु कामु कूद चमार मार म्योनुय ।
ब्यलुपँतरु सुत्य वातुज ज़न वरु हरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
व्यचँत्र पूज च्यतु न्यँत्रु कमलु करु इंद्रेय शँत्रु रूग हार म्योनुय ।
ब्यलुपँतरु सुत्य प्रदानु कस्नीश्वरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
पाद थँक्य पँक्य पँक्य नाद करुतु अँदरु खलवत बनि दस्बार म्योनुय ।
जगतुचि रख्यायि हुंज व्यनथा करु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
व्वपकारु सुत्य पनुनुय छुख च़ व्वपरु रुचि वति लगि रोज़गार म्योनुय ।
दातु नाव कडुनावतम ज़गत ईश्वरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
गटि मंजु कमि ज़ोरु लोत तरु संगरु गगरायि खोतु गोब बार म्योनुय ।
मेघवर्णु तीज दिम वुजुमलु ज़न तरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।

अमर्यतु वर्शनु चानि गंगाधरु	दितु छ्यतु गछि नरकु नार म्योनय ।
धर्मु राजु शेहजार फिरि बडि आदरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
ऊरुदु गथ ¹ तिछ दिम युथ अदोगथ ² हरु	ज्योति रुपु थव प्राकार म्योनय ।
रेह ज़न गगनस खसनुक श्रेह बरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
वदुनस मंज़ असनुकि म्वखु दान दरु	यूगु ह्यसु थव व्यवहार म्योनय ।
दजुनस मंज़ शेहजारु करु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
प्रेयमु बागस मंज़ पान बरु अंबरु	फवलुनाव च्यत् सुफार म्योनय ।
अंतकालु हरुदु वावु सुत्य कति गछु बरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
प्रेत्यखु बास चँदुकला शेखुरु	कास अग्यान अंदुकार म्योनय ।
दीवु देह प्रावनाव जीवु बाव थव मु ज़रु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
थानु थानु पेठ्य पेठ्य ही वेशम्बरु	च्यत् ब्वद मन प्रान खार म्योनय ।
च्यनमात्रु मोचरुव ख्यनु मातरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
नवदारु त्रुपसु पतु येलि व्यसरु	ब्रौठ शोमरुव ती छु सार म्योनय ।
च्यत् जेनुनाव आश्चर्युकि आश्चरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
अनुग्रैह अनुकूटु ही दयासागरु	त्रुफत कर बरु गरुबार म्योनय ।
कर्मु ह्यून वर दयु गरुसुय छु लूटु हरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
बक्ति बावु बाज़रुस मंज़ चानि आसरु	प्वखतु बाव प्रावि म्वखुतुहार म्योनय ।
दीवलूक फलि फलि रटि हटि गंडि लरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
देह ब्रमु रूग छुम पननि सुत्यन खरु	आवागवन आज़ार म्योनय ।
च्येय मकुं दु ³ वासना चरुनु कमलन जरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
बूत पृत पेशाचु डीशिथ क्याज़ि डुरु	वेह कास्यखु शेहजारु म्योनय ।
आवेश करुतम वरुतम महेश्वरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
कर्पूरगौसुम करुणावतारु तरु	बवुसरु द्युन च्ये मटि तार म्योनय ।
च्यत् फुरुना बेहनाव न्यथ सतुगवरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
ज्योन मरुन युन गछुन ब्रम ओस प्योस पुरु	मूह गटि खोट आदिकार म्योनय ।
गाशु दिम च्यत् आकाश वुछु ज़रु ज़रु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
कम कार करुन्य आस्य गम कास दम बरु	यार छु यि ब्रम समसार म्योनय ।
ही अगम्य अपारु ही दिगम्बरु हरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
लूकु हुंज़ि ज़ेवि पुरुनाव परातपुरु	पुरुनय महिमनापार म्योनय ।
पुष्पदंतु आच़ार बन नंदकीश्वरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
सतुसंगु रंगु दिम रयि मूख्य बंग पुरु	द्यानु सुत्य प्रान संदार म्योनय ।
येति तति शूब अन यिनु वति प्यठ मरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
अग्यानु काठ ज़ौलिथ भस्माधरु	तीजु रुपु थव आकार म्योनय ।
देह खेतसुस दुह कास बास भास्करु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
च्यतु पीडु कास नतु येति क्याह करु	भ्रैति विज़ि छंड ह्यतुकार म्योनय ।
ही इश्टु दीवु ब्रश्टु प्रकरुत थव म ज़रु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।
पाप ज़ाल अँगुन तीजु सुत्य जवधरु	च्युय छुखु व्यँगुन हस्तार म्योनय ।
न्यवरुत दिम अँछ्यु क्याज़ि लगनम दरु	शंकुरु यियनय आर म्योनय ।।

शुर्य त बाँच वुछ वुछ ओश त्रावन जर कुस वदुन स्यद करि कार म्योनुय ।
यिनु त्युथ मरु दानु निशि गछु व्यसमरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
वाँसि हुँद करतूत ब्रौठ कनि गछि खरु म्रेति विजि ती न्यवार म्योनुय ।
मन निम परमु स्वख दिम परमेश्वरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
ही महेशु जगत ईशु विशेशु ईश्वरु छेतिकेशु⁴ बोझ जारुपार म्योनुय ।
दीशु दीशु फिर मु वातनाव पनुनुय गरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।
मूह मस चथ छुस दूशुलद फिर मे स्वरु आशितोशु केंछ चु यार म्योनुय ।
कृष्णस मूख्य प्रावनाव अमरीश्वरु शंकरु यियनय आर म्योनुय ।।

1. ऊर्द गति, मुक्ति; 2. अधोगति, समसार बंदन; 3. रजदान साँबुन श्री गुरु महाराज सुंद नाव; 4. सफेद मस, बुजर, बुजस्स मंज; 5. इष्टदेव ।

239 दर्शन प्राप्ती खॉतर प्रार्थना

ॐ सत् च्यत् आनंदु गनु पूसु
नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।

समसारु शुरुय बाज्जि मंजु क्यज्जि यिमु ह्यनु मेथ्या ब्रमु सुत्य देह मानु सार ।
लोरि गुरु ह्युव मानु खसु पक् थक् छ्यनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
प्यत्रलूक् सान चानि अनुग्रेह अन्न कनु त्रफ्त बनु प्रावु आत्मु व्यचार ।
अन्न ज़न ब्योन नेरु मंजु तोहु कनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
बूग बासुनाव गासु ज़न मंजु ख्यनु चनु द्वद ज़न व्वपदाव ब्रह्मु व्यचार ।
सर्वु व्वपनिशदु वीदु कामदीनि हुंदि थनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
अंतकालचि ज़ालु छ्म ह्यसु व्यससु गोपालु डलु दिथ मतु चलतम ।
कामुदीनि हुंदि पासु मनु बिंदराबनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
देह मद कास म्यानि मानि दुर्योधनु पांचवय प्राण म्यॉन्य पांच पांडव ।
तिम छि प्रथ काँसि मंजु दर्मु निशि गछ मु छ्यनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
शाँती बाव प्रावुनाव प्रथ ख्यनु ख्यनु त्रावुनाव गुरुबारुच ममता ।
अर्पन गछ्होय तनु मनु अन्न दनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
पूर्नु अंत चोन ज़ानु कमि प्रेदिख्यनु च्यत् बेहनाव दिथ ब्रह्मु व्यचार ।
इंद्रय पोशि पूज्जि हुंदि व्यनती व्यनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
मेछर बाँगरावु चानि बावु बागु अनु कउनावु होशि पोशन व्यवहार ।
व्रँच माछ तुलरे जीवतुकि माछ गनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
चानि प्रेयमु बागुच यँम्बुरुजल बनु अँछ टँटि रोस्त वुछु चोन श्यामु रूप ।
बोम्बस्स कुन बोम्बूरु गीता वनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
जयजय बोयनय दीवकी नंदनु लय कर मन म्योन पानस सुत्य ।
बक्तुवत्सलु बक्तु दिम बक्ताह ननु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
प्रथ कांह बूल्य ज़ानु सुत्य चानि ज़ाननु सुय ज़ानुन गव पनुनुय पान ।
ज़ान गँयि ग्यान प्रावुनावुन हनु वनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
श्यामु रूपु मंजु परमु दामु बिंदराबनु मनु मथरायि यितु मनुनॉविथ ।
पान वंदुहोय नंदुगूर्यनि नंदनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
आत्मा रामु यितु नेशकामु तपुवनु ब्रह्मु नेशवयि हुंज्जि अज्योद्यायि मंजु ।
म्वख हव परमु स्वख प्रावु चानि दर्शनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
ज़ीवु पनपोंपूर यनु फ्यूर पनुपनु तनु प्यठु तँम्य कति लोलु ओलु यूर ।
थ्यथ प्रावु चानि बखुच हुंदि पोशि वर्शनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
कुल्य दँदश ज़न सुत्य आपु छंङनि बालु बचु कसुनय छिम् व्वदास ।
त्युथ लदतम युथनु फीर्य फीर्य ज़्यादु छ्यनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
कामनायि गनुकाचि¹ कूदु निशि दितु प्यनु लूबु पुछि क्यज्जि दियि पँखियन खीद² ।
जानवार ज़ाननुक हम्सु बूल्य बोजु कनु नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।
मदु गुह्यु रींजिसु खोफु ख्वर त्रावनु ब्याखु ख्वर त्रावु व्वडि मा दरती ।
यिथि देहु मदु निशि रछ्तु मधुसूदनय नारायणु नारायणु नारायणु ॐ । ।

सततुता ज़न बन लूब तौति कूत खनु
यिथि ज़ेननुच प्रय सादु संतु कर छेनि
पोत्रु म्यंत्रु चरि बचि आलि मंजु दिम म प्यनु
वाँसि वुफुनाव असि सुत्य ह्यथ सत् ग्वनु
रजु ह्मसस सुत्य क्वसु मान करु वनु
सत् ग्वन दिथ मे कर संतु सादु लख्यनु
शक्ति नाथु लँर सॉन्य लद हनु वनु
शक्तिपातु चानि खाम ऑसिथ प्वखतु बन
बखुच्च कुकिला वाल्मीकु रामायनु
मोर मुकट दारुवुनि गरुडसनु
सत् संगु रंगु बुलबुलु च्यत् च़ेननु
रगु फंभुसीर ब्रौठ नेरि त्यागु बागु⁴ बन
प्रवरँच्च पींचुकानि अलडलु ख्यनुख्यनु
शांत लंजि बेहनाव नेशकलु न्यरग्वनु
बखुच्च हुंद कोस्तूर सामवीद गायनु
दँदरि ह्यथ जानावार जल यिन व्वलसनु
मनना करुनाव युथ तँथ्य मंजु सनु
वावु मंजु कमु डून्य ग्रावु⁶ बोजु कावु कनु
वुल्टु संकल्पु रतुम्वगलस मंजु मनु
आत्मु सिरियि चमकाव प्रथ रँच्च दनु दनु
लूबु गौठ सॉन्य कम डोरुकानि⁷ खोतु छु
जीवु दया बखशुस मंजु ख्यनु चनु
शिनि वाँदी रतुकूल अनिरुकि ग्वनु
ईकांत सीवनाव च्यत् सिरियि प्रजलनु
वाकु कमरी सुत्य तत् पद् बोलनु
सुत्य श्रवनु मननु ह्यथ निददयासनु
रगु च़ुनिहंगस्स नखु पखु वायनु
हटि सेतारु बूल्य ह्योर खारुनाव ब्वनु
यनु प्यठु गोस सादु संतु पंथु निशि छ्यनु
कृष्णु निम तोत सुत्य पननि आकश्नु

अनु दनु अनु करु खानुदौरी ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
सानि व्यवहारु ह्यरि दिथ समबाव ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
वीरुनायि हुंद्य पौठ्य बौति तीती ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
तथ कामि बक्ति बावु कँतिजन लाग ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
तोतु बूल्य श्वकदीव ज़न बोलुनाव ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
होशि पोशिनूलस सुत्य वुफुनाव ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
फुस्नायि⁵ हुंजि लचि सुत्य सॉपनन ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
प्रेयमु स्वरु ग्यवुनाव गोविंद गीत ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
पोजु अपुजु बोजुनु वनुनु त्रावुनाव ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
स्वप्रकाशु ह्यव वुफुनुय मँशरव ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
ह्मसायि पुछि रतु दनु छ फेरन ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
गाशदार जानवरु छु अँन्य मानन ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
निवुनाव सर्वु पँखियन मंजु जीत ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
हारु वातुज ज़न ग्यवुनाव गीत ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥
तनु प्यठु छुस मनु किन्य व्वदास ।
नारयणु नारयणु नारयणु ॐ ॥

1. मादु गौठ ; 2. कष्ट ; 3. अख जानावार; 4. भाग-त्याग लक्षणा, लक्षणा छ त्रेयि कृस्मु : भाग लक्षणा (जहति), त्याग लक्षणा (अजहति) बेयि भाग-त्याग लक्षणा (जहताजहति); 5. चंच्यल, चंच्यलता; 6. फोजूल शकायत; 7. मादु रतु म्वगुल ।

240 वैराग वपदीश

छुय क्याह प्रावुन यमि समसारय ।
कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
वज्रख कोताह छ्वच्चि सेतारय छैनिय मा कांह तार ।
स्व मा मेलिय ख्वटि बाजारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
यमि बुजर यावनु त्वकचारय दयु नावुय योत सार ।
प्रावख सुय सुत्य सत् व्यचारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
यश थ्यकनोवुथ सुत्य अंदुकारय बो छुस दुनियादार ।
यिथि छ्वटि होसलु ख्वटि व्यवहारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
वीर दजि चाने मदु फु कारय छ्य नॅन्य यमु तलवार ।
कमकम बलवीर अॅम्य कैर्य मारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
बोजवान बैनियन हुंदि बाजारय कति पकनय खोट्य द्यार ।
दयु दनु जेन सुत्य च्यत् सुफारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
व्वतपत सपनुक मंज राजु दारय नखु पखु छ्य शूबिदार ।
थ्यत् प्राव पान वुफुनाव जानावारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
अॅदुर्य वखनुथ गर्ब आजारय करुहॅ परव्वपकार ।
न्यबर नीस्थि क्याह गोय यारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
युन गछुन ज्ञान ब्रम बाँज्यगारय यी स्वर बारम्बार ।
पॅछ्य लाजि पाँठ्य कड यिम दोह तारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
करजस हूस्थि कर्जदारय पतु कति रोजिय लार ।
न्यराश रोज मंज ह्यनु दिनु वारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।
कृष्णस कस्नाव साख्यातकारय संतन सुत्य दरबार ।
न्यथ थवतस व्रत ब्रह्म आकारय कैर्य कर्य बैङ्य बैङ्य कार । ।

241 दर्शन बापथ लीला

यित मे निशि दर्शुन दित शोम्भु पानस सुत्य नित छुस प्रारान ।
ख्यय कर पापन म्रैत्यनजय छुख जयजय चान्यन श्वबु कारन । ।
गोर नरकाह नरकव निशि म्वकलाव चुय छुख बवु सागरु तारन ।
पोत्रु म्यँत्रु त्रियि हुंज कलना छ्म स्वय छुख विवेक दिथ हारन । ।
थजुरय प्यठ प्योस सनिस्स मंज गोस छुख पथर पेमुत्य बोठ खारन ।
स्वखु म्वखु बासुम सर्वु द्वख कासुम ब्रमु म्वख होवुम समसारन । ।
हुशियार ऑसिथ समुयन सोवुस कूत मंदुछेवुस व्यवहारन ।
कम छ्यपु दोवुस कूत वदुनोवुस अदु कोनु छुख अवतार दारन । ।
रागु द्वेशि राख्यस छ्म पतु लारन रामु रूपु तिम कोनु मारन छुख ।
कोम¹ छ्म गॉमुच्च सुत्य बाँज्यगारन लोगमुत मंज दुनियादारन । ।
येति चोन द्यान डलि पँक्य पँक्य पान थकि थ्वक् छुन यिथिनुय दरबारन ।
यमि जेनुनु सुमरँच गाश गछि दर्मस नाश गछि मंज दारन । ।
पतु आसव पशतावन क्याह गव यस वरक सुय छु सत् व्यचारन ।
दयाल चुय छुख असि सारिनुय पाल लौचराव संकल्पक्यन बारन । ।
गमु बूत पृत कास अयालबारन लाचौरी म थव लाचारन ।
अंतु कालचि जालु कृष्णस शोमराव दयु नावु सुत्य केंह छुख यारन । ।

1. कॉम ।

242 सन् 1979 - कालु निशि बचनु बापथ प्रार्थना

काशी से कश्मीर मंडल में आइए ।
गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
मनमोहन के साथ भोजन खाइए भक्तों को दीजिए ऐसी विशेष ।
सब को दुर्भक्ष की नींद से जगाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
सब बाल गवाल गोपाल पाइए शेश गणेश ईश है ब्रह्मा महेश ।
ब्रज बासियों का भक्ति योग गाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
मालिक होके सांग बनाइए मोहन माया से है निरलीश ।
अहोत देके धूनी तपाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
जसुदा माई को विनती सुनाइए धारन करके जोगी वेश ।
बेख्या कृष्ण दर्शन का मंगवाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
गोप गोपियों का हल बताइए उनको है भोग योग का उपदेश ।
सारी सूरत का ध्यान लगाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
अपने भक्तों को चटपट हटाइए काम क्रोद्ध लूब मोह मद राग द्वेष ।
कलमाला से द्वख राख्यस डराइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
बिंद्राबन से उत्तम पाइए गिरिजा¹ का घर है कश्मीर देश ।
उत्तर वाहिनी गंगा में नहाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
क्वकाल से हमको मत घबराइए चिटे चिटे बन गए काले काले केश ।
बहुखातक का शंख बजाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
कुमारजी के राजधानी में लाइए गिरिधारी के साथ गौरी गणेश ।
भिखकों को भूखों को त्रफ्त फरमाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
स्वर्ग से विश्वकर्मा बुलवाइए भूम पुत्र को दीजिए बुर्ज मीश ।
कश्यप की झोंपड़ी को मरमत कराइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।
कश्मीरियों को कहत से बचाइए कृष्ण को मिटाइए संकट क्लेश ।
अन्नपूर्णा का मुख दिखलाइए गोकुल से लाइए शुद्ध ह्वदुशीश । ।

1. दीवी हुंद नाव ।

243 भगवानस पनुन्य नदामत बाँविथ प्रार्थना

दयायि हुंघ ग्वन चॉन्य बडि खोतय बाँडिये ।
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।
तिज्रत शट्कोशकिस¹ शैरीस्स जानुनाव
ओरय दँस्थि ब्रह्म वेद्या ब्रह्म बाव ।
योरय बन्या जोरय ह्योन लँड्य लँडिये
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।
अँदुर्य न्यँबुर्य सोनुय रोशन छुय करतूत
दार्यव बस्व किन्य छिम अचान इंद्रेय बूथ ।
छुनन ओसहक पनुन्य किन्य कँड्य कँडिये
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।
त्रफती दितम ओनमुत छुस नफसु शुमन ज़ेर
वस्तम करतम वेशय बूगव निशि दिल सेर ।
ख्यतम मोदरि वाँनी हुंघ खंडु लँडिये
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।
वेशम्बरो छुख क्वछि क्यथ ह्यथ विशेश्वर
गूपीनाथो चतम सुत्य ह्यथ गूपीश्वर ।
आँम्य ज़ाँम्य श्रदायि हुंघ द्वदु चँडिये
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।
दिल सीर समसाउ निशि कर बनाव दुनियादार
व्वदास थव दास सँन्यासु व्रँच करुनाव व्यवहार ।
कुस त्याग वैराग गव अथि हेन्य अलुगँडिये
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।
कृष्ण च्य छुख वलनावुम जीवुबावुच राय
पननि सौरुपु सिवा थावुम म कु निच्य माय ।
शाँती ज़लक्य प्यव्य त्रावुम गँडिये
श्रदायि लख्यन साँन्य अडि खोतय अँडिये । ।

1. वेदांत उपदेशुक (ब्रह्मी विद्या) अख जुमलु : शट्कौशिकंशरीरं त्यज - अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, ज्ञानमय, विज्ञानमय तु आनंदमय । शे म्यानवोल शैरीर छु नाँशी ज़ाँनिथ गछि सिर्फ अविनाँशी आत्मा (जीवात्मा तु परमत्मा) ऐक्य तु व्यय जानुनुच कूशिश करुन्य (अयम आत्मा ब्रह्म, तत्त्वम् असि) ।

244 शिव आरती

ब्यल पूजा करु नैश्कल कल मालादरुसुय
हर कल मालादरुसुय, शोम्भू कल मालादरुसुय ।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरुसुय, हरुसुय शंकरुसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू । ।
सुय छु अजर, सुय छु अमर, द्यानु पर परातपर
शिवजी द्यानु पर परातपर, शोम्भू द्यानु पर परातपर ।
तस छि ज्ञानन यूगीश्वर आश्चर्युक आश्चर
शिवजी आश्चर्युक आश्चर, शोम्भू आश्चर्युक आश्चर । ।
ग्यानु गाश अनि यूग न्यत्रन वुछिनावि आश्चरुसुय
शिवजी वुछिनावि आश्चरुसुय, शोम्भू वुछिनावि आश्चरुसुय । । ।
ख्यय करि सान्यन पापन ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरुसुय, हरुसुय शंकरुसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू । । । ।
त्याग वैराग च्यत स्वस्त थवि, करुनावि ब्रह्म व्यचार
शिवजी करुनावि ब्रह्म व्यचार, शोम्भू करुनावि ब्रह्म व्यचार ।
सतुचे वति पक्नॉविथ, जानुनावि ब्रह्मय सार
शिवजी जानुनावि ब्रह्मय सार, शोम्भू जानुनावि ब्रह्मय सार । ।
आत्म बूदुक जल वुजुनावि ब्रह्मबावुकिस सरुसुय
शिवजी ब्रह्मबावुकिस सरुसुय, शोम्भू ब्रह्मबावुकिस सरुसुय । । ।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरुसुय, हरुसुय शंकरुसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू । । । ।
ह्यथ गच्छि देह अबिमानस अग्यानस गंडि लार
शिवजी अग्यानस गंडि लार, शोम्भू अग्यानस गंडि लार ।
अच्यतुचे थ्यस्तायि सुत्य व्रत थवि ब्रह्म आकार
शिवजी व्रत थवि ब्रह्म आकार, शोम्भू व्रत थवि ब्रह्म आकार । ।
तमि ग्वनु ब्रह्मवित सादन पादन अँछ जरुसुय
शिवजी पादन अँछ जरुसुय, शोम्भू पादन अँछ जरुसुय । । ।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरुसुय, हरुसुय शंकरुसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू । । । ।
समसारु यश ब्रम मॉनिथ मनु किन्य थवि व्वदास
शिवजी मनुकिन्य थवि व्वदास, शोम्भू मनुकिन्य थवि व्वदास ।
यूग ग्यानु द्यानु स्वस्त थवि, बँसतियि मंज वनुवास
शिवजी बँस्तियि मंज वनुवास, शोम्भू बँस्तियि मंज वनुवास । ।

चनुमात्रय योत मोक्षरावि मंज ख्यनु मातरसुय
शिवजी मंज ख्यनु मातरसुय, शोम्भू मंज ख्यनु मातरसुय ।।।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।
अंतकालचि जालु काँसिथ, च्यत् थवुनावि नेशकल
शिवजी च्यत् थवुनावि नेशकल, शोम्भू च्यत् थवुनावि नेशकल ।
चंदुन चँदरुम कोफूर ह्युव, म्वख सुय हावि शीतल
शिवजी म्वख सुय हावि शीतल, शोम्भू म्वख सुय हावि शीतल ।।
सानि पालनुच आँग्यन्या दियि अबयस तु वरसुय
शिवजी अबयस तु वरसुय, शोम्भू अबयस तु वरसुय ।।।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।
दर्मु जोर दियि, तोर मुक्षरावुनावि श्रदायि बरसुय
शिवजी तोर मुक्षरावुनावि श्रदायि बरसुय
शोम्भू तोर मुक्षरावुनावि श्रदायि बरसुय ।
ह्योर खारि चुर्यमिस पोरस, बसुनावि शाँती गरसुय
शिवजी बसुनावि शाँती गरसुय, शोम्भू बसुनावि शाँती गरसुय ।।
कर्मु फलकुय बोर लोक्षरावि देह ब्रमुकिस खरसुय
शिवजी देह ब्रमुकिस खरसुय, शोम्भू देह ब्रमुकिस खरसुय ।।।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।
सिरियि ह्युव प्रेत्यख बाँसिथ, न्यथ सनम्वख आँसिथ
शिवजी न्यथ सनम्वख आँसिथ, शोम्भू न्यथ सनम्वख आँसिथ ।
सतुचे वति पकनाँविथ अग्यानु गट काँसिथ
शिवजी अग्यानु गट काँसिथ, शोम्भू अग्यानु गट काँसिथ ।।
आत्मु बूदुक दीप जालिथ थवुनावि मंज मरसुय
शिवजी थवुनावि मंज मरसुय, शोम्भू थवुनावि मंज मरसुय ।।।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।
वनु कृचाह छ त्रियि पोत्रु प्रय, अथ दपन मायाजाल
शिवजी अथ दपन मायाजाल, शोम्भू अथ दपन मायाजाल ।
यिथि जालु मंजु डलु दिथ कडि, चटुनावि मूह जंजाल
शिवजी चटुनावि मूह जंजाल, शोम्भू चटुनावि मूह जंजाल ।।
अँतलास वलुनावि सादु व्रँच, थवुनावि मंजु गरसुय

शिवजी थवुनावि मंजु गुरुसुय, शोम्भू थवुनावि मंजु गुरुसुय ।।।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।
कर्मु हीनिस द्वर्गत हरि दारेद्रस करि नाश
शिवजी दारेद्रस करि नाश, शोम्भू दारेद्रस करि नाश ।
पालना साँनी छस मटि, गटि मंजुय अनि गाश
शिवजी गटि मंजुय अनि गाश, शोम्भू गटि मंजुय अनि गाश ।।
आर यियनस तारि कृष्णस यथ बवु सागरसुय
शिवजी यथ बवु सागरसुय, शोम्भू यथ बवु सागरसुय ।।।
ख्यय करि सान्यन पापन, ख्यय करि सान्यन शापन
जय गंगाधरसुय, हरसुय शंकरसुय
ॐ शिव शिव शिव शोम्भू ।।।।

245 मूह मदु निशि बचनु बापथ प्रार्थना तु वरदान मंगुन

नमामि शंकर त्वम परमेश्वर ।

आवागवनस करुनाव छ्यन । ।

त्वलि मंज ललुनावोथ मधुसूदन मूह मदु निशि रक्षु म्योनुय मन ।
वदुनस म्यॉनिस तिछ स्यदथा दित युथ बनु च्चैय ह्युव आनंदगन । ।
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन । । ।
ख्यनुसुय चनुसुय ह्यनुसुय दिनुसुय मंज छुस गोमुत व्वनमत ज़न ।
युन गछुन ज़्योन मरुनुय छुम मशुनुय पशिनुय हुंज छम रात घन । ।
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन । । ।
वासनायि ममतायि ह्यमसायि¹ सानि फ़ठ दिनुसुय क्युत ज़न अश्वमेध बन ।
रामु च्चंद्रन्य पॉठ्य मूखी दावुनाव परमुगत प्रावुनाव सर्वु जीवन । ।
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन । । ।
वैरागु काचि² सुत्य रागु द्वेशि मस कास शहस्स मंज बासुनाव त्यागु वन ।
शाँतियि सीतायि सुत्य सुत्य पकुनाव ऑंग्यन्था मानुनाव मनु लक्ष्मण । ।
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन । । ।
जीवु दयायि हुंज मूख्य नज़राह त्राव देह अबिमान हर ज़न पोह पन ।
समसारु तापु मंजु कल्पु त्रैख्य सायि त्राव कृष्णसुय तथ तल बेहनावतन । ।
नमामि शंकर त्वम परमेश्वर आवागवनस करुनाव छ्यन । । ।

1. हिंसा; 2. कैची ।

246 व्वपदीश

असि क्याजि गच्छि छलु छंगरि मन ।

नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।

असि कोनु याद पेयि तसुंदुय नाव यस निशि शिनि मंजु प्रथ केंह द्राव ।
सुय सौरुय पानय छु हनहन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
असि कोनु याद पेयि सुय न्यराकार यस निशि नॅन्य द्रायि यीत्य अवतार ।
सुय छु नेशकल न्यर्मल न्यर्गवन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
छिस दपान आश्चर्युक आश्चर छिस वुछन घानु किन्य यूगीश्वर ।
सत् च्यत् आनंदुगन पूस्न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
पान वंदुहोस पम्पोशु न्यत्रन सुय करि ख्यय सान्यन शॅत्रन ।
सुय मूखी प्रावनावि प्यत्रन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
गस्चि मायि रॅट्य अँस्य साँरी लरि जायि लजु कॅर खानुदाँरी ।
असि क्युत बाँगरावि अनुग्रेह अन्न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
कमि कमि छलु किन्य कोर व्यवहार गरु अँन्य जीनिथ अन्न दनु द्यार ।
यिथि करतूत किन्य व्वन्य छि मंदछ्न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
व्वश छ्न्य छ्न्य गँयि द्यन तय रात कुनि वुछि जंगु तय कुनि वुछ सात ।
यी बूगुन ओस ती छि बूगन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
जैवि किन्य असि वौन ब्रम समसार यिम नु पजुहँन तिम तिम कॅर्य कार ।
यिथि मदु निशि रछि मधुसूदन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
असि वोल मूह कालु सर्फन नाल सुय च्चटि व्वन्य सोन माया ज़ाल ।
सम वुछिनावि पनुन्यन व्वपस्न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
अपजुय ओस बोज़नु आव सत् पननि गरजुच कॅर प्रथ कांह कथ ।
मूह मस चथ गँयि व्वनमत ज़न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
नादाँरी मंज़ दय दियि दैर लूक् हुंज़ि रुशि निशि थवि न्यस्वैर ।
पनुनुय पान ह्युव बासि त्रुबवन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
कृष्णस च्यत् फुरनायि करि छ्यन अंतु कालस तस क्याजि ह्यस व्यसस्न ।
नेश्कल थावि तस वैष्णार्पन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
हारि फोज हमसस छु पतु लास्न पौज़ तस नैद्यायि किन्य गास्न ।
गाँठ काव ब्रग छिख कन दास्न नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।
काँटर ग्वनियन कुस छु तखसीर अति डॅल्यमुत्य छि वुफुवन्य बलुवीर ।
वालुवाशि हुंदि छलु निशि रछ्तन नरक् मंजु म्वक्लावि नारायण ।।

247 शिवजियस क्रपा रुपी बेख्या मंगुन्य

गदा¹ द्रास बेख्याये सदा² बोजुम सदा शिव
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या दया सोजुम सदा शिव ॥
मे छम चॉनी आशा व्यनत बोजुम सदा शिव
हँरिथ समयिच पीड सहा रोजुम सदा शिव
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या दया सोजुम सदा शिव ॥
म वुछ म्यॉनी श्रदा सदा बोजुम सदा शिव
सदा संत्वश्ट रोजुम सदा बोजुम सदा शिव
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या दया सोजुम सदा शिव ॥
ललात्स यिम मे लीखिथ द्वरअख्यर छिम सदा शिव
प्रनामा च़ेय द्युतमय तिम नँहविथ निम सदा शिव
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या दया सोजुम सदा शिव ॥
ग्रहस्त पूरुन छ क्याह कथ परमुगथ दिम सदाशिव
मे कम बखितस अशक्तिस शक्त ह्यथ यिम सदा शिव
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या दया सोजुम सदा शिव ॥
बक्तुहीनिस मूर्खस मे संकट हर सदा शिव
ख्यमा दया ज़या ह्यथ मे रख्या कर सदा शिव
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या दया सोजुम सदा शिव ॥
ज्यनुक मरनुक ज़रुय कास ह्यथ कालुन्य थर सदा शिव
अथन क्यथ छुय अबय वर अमर, अज़र सदा शिव
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या दया सोजुम सदा शिव ॥
यथ समयस छि स्यवह म्वख वुछ्थि वँछ थर सदा शिव
वँरिथ कृत्याह पॉपी मे कृष्णस वर सदा शिव
ह्यथ अनुग्रेहचिय बेख्या दया सोजुम सदा शिव ॥

1. बेछ्वुन; 2. आवाज़ ।

248 चर्न कमल स्तु बापथ प्रार्थना

कमल रूपी चरन चोनी स्तेय शरन चै आय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
तोता परन परन करुन यतन शरन चै आय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
चु छुख पनुन्यन बख्खन वरुन अँस्य व्वन्य शरन चै आय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
चु छुख रूगन दूखन हरुन अँस्य व्वन्य शरन चै आय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
चै मूख्य दातस मूखी मंगव तु करु नमः शिवाय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
बड्यव यूगव तु सुत्य सत संगव करु नमः शिवाय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
व्वतम पदव तु स्वरु बंगव करु नमः शिवाय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
अदर्मियन सुत्य जंगव तु करु नमः शिवाय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
समसारु समंदरुसु तरु तु करु नमः शिवाय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
म्वकलाव रँट्य मायि पनुन्यव गरु तु करु नमः शिवाय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
अज तान्य यी वोन महाजनव तु करु नमः शिवाय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।
तम्युक न्यरुनय अँस्य क्याह वनव तु करु नमः शिवाय ।
प्रेयम बख तु घाना स्वरु करु नमः शिवाय । ।

249 यूगी तु ग्याँनियन हुंघ लख्यन किथ्य गछन आसुन्य

कुल जगत युस ज्ञानि फॉनी सुय ग्याँनी छुय । ।
युस क्वट्म्बस ज्ञानि नॉशी यथ शेरीस्स सान
मूख्य हुंद आसि अबिलॉशी करि आत्म ज्ञान
ज्ञान तंम्यसुंद देह छु काँशी चलि यस अग्यान
छवि सुय वैरागु हॉशी त्यागु जामन जान
चटि मूहन्य वालवॉशी हावि हमसु पान
हेयि वुफुन आकाँशी लय गछ्यस मन प्रान
प्रावनाव्यस अविनाँशी परम् पद न्यखान
छ्य तसुंज वॉनी बवॉनी सुय ग्याँनी छुय । ।
बूगु त्रफती प्रावि युस सुय हावि सतुच वथ
प्रथ पदारथ डेलि तस निशि बोलि सतुय सत्
ब्रॉठु यियस यशुचिय कथ रोजि पथुय पथ
सत् सदा शिव पानु बख्खास दिवताह प्रकरत
नेशकामुच बक्त बख्खास परम् दामुच थ्यत
बयु रोस्तुय जयि स्वस्तुय दयु सुंज सुमरत
बलि तस अग्यानु रूगुय चलि तस द्वर्गत
गलि तस आवागवन चेनुन कर्यस अच्यत्¹
ब्रह्म लूकस असुवुनि म्वखु गछि सीवक ह्यथ
प्रय बरन तस नॅव्य तु प्राँनी सुय ग्याँनी छुय । ।
केँ हनु आसिथ पाँदु कोस्मुतत येम्य जहानुय छुय
देह, आत्म रूप, च्यत्, ब्वद, मन तु प्रानुय छुय
येम्य थमव रोस्त खरु कोस्मुत आसमानुय छुय
सिरियि चेंद्रमु तारकव सान तीजुवानुय छुय
क्याह वनव यीय कथ बनोवुन क्याह ननानुय छुय
वन च्चु कुस छुख रूप क्याह छुय क्युथ च्चे पानुय छुय
अँम्यसुंदिस अथ आसनस आसुन परमानुय छुय
बागवत छुय शास्त्र वीदुय प्वरानुय छुय
सुय दयस सुत्य लय गछ्यि युस तस स्वरानुय छुय
अंतुकालस सुत्य पकन दर्म दानुय छुय
भगवानुन येम्य प्रैयम बोर बाग्यवानुय छुय
युसनु ईकस ज्ञानि साँनी² सुय ग्याँनी छुय । ।
येम्य जलस सूरत दिच्युय सुय याद छुयना हाय
ब्रमु क्रूस्सि³ फट्नुक फॅर्ययाद छुयना हाय
संत काँह छुयना म्यँतर काँह साद छुयना हाय
मॉलिकस रोस्त केँह स्वरुन अपराद छुयना हाय
बक्तिबावस मंज च्यतस प्रह्लाद छुयना हाय

दीवु सुंद सतग्वरु सुंद प्रसाद छुयना हय
सत् जनन हुंद बूजमुत सम्वाद छुयना हय
जांह बन्योमुत बखुच सुत्य आह्लाद छुयना हय
दिल फुट्थि द्युतमुत दयस कांह नाद छुयना हय
प्रेयमु कोरमुत चै प्यतरन श्राद छुयना हय
याद छुयना अंतु रोस्तुय आदि छुयना हय
युस नु आसि अबिमाँनी सुय ग्याँनी छुय । ।
द्यान स्वरुन वार करुन गच्छि दर्म दान
हान कासिय जनमन हुंज बँडुरविय मान
मंज अपेख्यायन थवुन वॉरग छुय यँच जान
पॉरुनाविय त्याग ह्यथ शाँती हुंद सामान
स्यद गच्छिय अदु रजु यूगुच दास्ना तय द्यान
नेश्चलव्रत वावु रोस्तुय चॉंग्य रेह जन ज्ञान
शब्दु दारा ह्योर खारिय ह्यथ चेतन प्रान
ग्वरु प्रेयम प्रावुनाविय आश्चर्युक थान
आश्चरुकिस थानस छुय नाव शिव न्यर्वान
यस सु बखशिय रजुदाँनी सुय ग्याँनी छुय । ।
ग्रट जन बूगनि अन्न जल लूबु रोस्तुय फेर
लूकु अपेख्यायि प्यनय ब्रौठ कुन यिथ डेर
प्राब्दस व्वडि प्यठ ह्यथ कर्मफल कर जेर
मजु म वुछ कुनि चीजस बाँगरिथ बन सेर
ग्रायि माख्ख रायि रोस्तुय सीवक पनुन्य निन सेर
लूख गछ्छन कर्मफल ह्यथ क्याजि करन गेर
पननि अनवारि प्यठ यिन सुल गछ्छ्यख या चेर
लूबु यँड संतोशि मेखा दिथ म न्यबर नेर
नेस्खय जांह पान पनुन काँमिलन निशि शेर
नेश्कल बन शब्दु सुत्य कास तॉलिबन अंदेर
युस अच्यत् कोर दयि लॉनी सुय ग्याँनी छुय । ।
पतु त्रावख जायि अंदर रायि थव रेश्य पॉर
स्वर तु कथ प्यठ छुख ब्रम्योमुत करतु दर्मुक दैर
प्रथ अँकिस सुत्य प्रेयमु द्वद च्यथ थवतु च्यत् न्यस्वैर
द्रायि कस मायायि हुंजुय हॉर गावुय सॉर
फल कुल जन शोमरिथ रोज नोमरिथ थव काँर
दर्मु डंडुकि ग्रट सुत्य पिह अबिमानुच गॉर
बावु किन्य वल बुरजु जामय सतवनन कर सॉर
मंज वंदस तय र्यतुकाँलिस सब्ज बन जन यॉर
पजि प्रेयमय बोजनोवमख व्वन्य मसॉ कर तॉर
थ्यतु प्रेग्यन बन मे वोनमय मूर्ख ब्वद छ्य चॉर

आसि यस युथ यारि जाँनी सुय ग्याँनी छुय । ।
यस दयस कुन आसि मन तस बासि शाहस्स वन
च्च्यनु मात्रस पँहस्स गच्छि वँहस्स अख ख्यन
सुय गछुन गव संकल्पन व्यकल्पन छ्यन
तेलुन गव मेलुन योदवय गछ्यस लय मन
दनु-दवलत, गँहनु गोस्मुत ज्ञानि होस्मुत पन
पास्स मेलनु बापथ छकि सोरुय स्वन
संतन प्यठ करि अर्पन अन्न, दन, तन, मन
खानुदोँरी आसि करान सँन्यासाह ज्ञन
आसि ज्ञानन मौलिकस अंदर न्यबर हनहन
चटि युस संकल्पु साँनी सुय ग्यानी छुय । ।
हॉव कँम्य कालस दिलेरी हावि कुस अज या पगाह
कृष्ण बेहतर छ्य फँकीरी अज अँमीरी सूद क्याह
ग्वलु रोस्तुय डून यीरिय देह द्रेश्टी थव म जांह
छववुन बन त्यागु नीरी रेश्य करन युथ वाहवाह
वति वुछ खँन्य खँन्य क्रीरिय स्योद पकख छुय खोफ क्याह
सँन्य व्वगुन्य छिय कर्म कृरिय पानु खँनिमुत्य कस छु राह
हौल म पख दोल कुस चै चीरिय बवु सँदस्स छन म थाह
दूरि योदवय द्राख चीरिय गछ शस्न बखशिय ग्वनाह
छुख थकन व्वन्य फीर्य फीरिय परमु स्वख व्यवहार छ
ख्यनु चनु रोस्तुय प्राव सीरी फोजु रोस्त बन पादशाह
युस चटिय समसारु हॉनी सुय ग्यानी छुय । ।

1. समसोँरी व्यवहारन हुंद खयाल पूरु पॉठ्यन खतुम गछुन; 2. दोयुम; 3. गर्बस अंदर ।

250 रँङ्गा भगवती हुंज अस्तुती

दीवी चरन चॉनी बक्त स्वरन छिय ।

यिमोय शरन करोय नमो नमस्ती । ।

संकट हरन कवच ¹ चॉनी पसन छिय	कमल चरन चॉनी बख्त्वन वसन छिय ।
प्रेयम बसन यथ बवु सरस तसन छिय	यिमोय शरन करोय नमो नमस्ती । ।
येति पुर्य त्रावख तथ जायि न्यँतर जसन छिय	मंगल रूपी दानस चॉनिस स्वरन छिय ।
कृष्णस सुत्य ह्यथ तोता चॉनी करन छिय	यिमोय शरन करोय नमो नमस्ती । ।

1. देवी कवच (दीवी हुंद पाठ) ।

251 परशक्ति कुन मंगलुच प्रार्थना

मंगल रूपी दीवी महामंगल दितम चु मे ।
अनाथस आँदीनस परमु दामस नितम चु मे ॥
द्वदा फ्यॉरिथि कॉरिथि दॅरिथि व्रत ओनमय चतम चु मे
खिरा खंड थालस बैरिथि ओनमय ती ख्यतम चु मे ।
अनाथस आँदीनस परमु दामस नितम चु मे ॥
खँसिथि प्वशपक व्यमानस व्वन्य पानस सुत्य ह्यतम चु मे
च्यतुच पीड मे कृष्णस हॅरिथि ज़न पन नितम चु मे ।
अनाथस आँदीनस परमु दामस नितम चु मे ॥
बहेर म्वख छुस गोमुत अँदर ज़ाननु यितम चु मे ।
अनाथस आँदीनस परमु दामस नितम चु मे ॥

252 व्यनत

दया कर ही दीवी बक्त आमृत्य शरन चै छिय
इयकस नहावुख द्वर-अख्यर प्यवन पादन परन चै छिय
थँविथ चै कुन सतुक च्यत् व्वतम व्रत न्यत दरन चै छिय
वनन पदमावँती चैय कमल कोमल चरन चै छिय
बक्त पंचस्तवी ह्यथ स्वंदर लहरी परन चै छिय
करन चॉनी पूजा सदा प्रेयम बरन चै छिय
अकांडन ब्रह्मांडन महामाया स्वरन चै छिय
तिमन दनदन बागुय यिम पादन अँछ जरन चै छिय
शक्ति तत्त्वुच नेंद्या करन वॉल्य खरन चै छिय
तोता नेंद्या हिशिय छ्य असन कोसम हरन चै छिय
कृष्ण तोता करन छुय तस हिव्य कृत्याह करन चै छिय
इयकस नहावुख द्वर-अख्यर प्यवन पादन परन चै छिय ।।

253 रँज्ञा भगवती विश्व रूप जँनिथ अस्तुती

छख महवैद्या जगत माता	छख महालक्ष्मी शिव प्रिया ।
वैष्ण माया छख सर्व स्यदा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
चानि माया सागरु व्वतपत	छिद्य गछ्न ब्रह्मांड बुद बुदवत ।
बवुसर छु अमिकुय अख बूँदा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
चानि सुत्य तप जप यूग ग्यान	कासन छि दासन चोनुय द्यान ।
त्रुबवन मानन छु चँन्य ऑग्यन्या	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
तुलमुलि नागस लछुबँद्य लूख	बक्ति बावु सुत्य छिद्य पुरुवन्य श्रूख ।
करुवन्य तप जप पाठ पूजा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
यस थवख तस थवन रजु प्रेतीत	यस ग्यवख तस ग्यवन दिवताह गीत ।
नत कुस करि तोता नेंद्या	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
योदवय दयुलँन्य लीछ द्वर्गत	शक्तिपातु चानि चलि स्व छ क्याह कथ ।
अख प्रनाम चोन फिरि कर्मलीखा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
ह्यतकारुच कर अख कटख्या	छ्यतु कर नरक नार च्यतु पीड ।
द्वर्गत हर नाव छुय दुर्गा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
दिवथा अनतु छख जगत अम्बा	करतु नेशब्द बालकस पालना ।
त्रुजगत मॉलिस चँन्य शूभा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
मोल छु भूतेश्वर परम आत्मा	तस मंगन छि मुख्य सॉरी दिवताह ।
प्रथ कुनि मंज छ तसंजुय सता	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
सर्व मंगल दितु छख मंगला	अपराद सॉन्य जाल छख जाला ।
कालु बयु निशि रख्तु छख कालिका	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
जानव नु कें ह स्वरुन करुन्य तोता	अडु कजि कथु सानि बोजु शारिका ।
तोतु जन सब्ज कर हर आपदा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
सर्व शक्ति रूपु छख शिवा	समसारु रूगस करतु दवा ।
दितु विबुती बूट्य ¹ चलि पीड	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
चानि सुत्य कति दरि सोन ग्रेहचार	स्वखुसान जान पकि सोन व्यवहार ।
हटि ब्रामरी, व्वलका, संकट ²	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
ममता नितु दितु दीवु सम्पदा	प्रावु सर्व आत्मु बावु सता ।
प्रथ अँकिस करुहँ च्यतु रंजना	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
पंचितरनी ह्यथ गंगा जल	आयि चान्यन पदमु पादन तल ।
मीठ्य दिथ द्रायि स्यंद ³ ह्यथ यकजा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
चुय छख चँद्रभागा, वितस्ता,	सरस्वती, गोमती, सिंध, जमुना ।
पाप छल न्यर्मल कर अवस्था	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
अमरनाथु जलसुय छ्य महानता	प्यतरुलुकस छ मटनुच ⁴ चाका ।
प्रयाग ह्यथ गंगा, गया	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।
चे द्युतुथ वटकु भैरवस बोड बल	छख जलु रूपी नेशकल न्यर्मल ।
शिवरँच चॉनी छ वटकु पूजा	सर्व शक्तीमान छख महा रँज्ञा ।।

सनिवारि मंज वाति प्रथ कौंसि बल जल गव अन्न तय अन्न गव जल ।
मंज जलस अहोत ख्यवन दिवताह सर्व शक्तीमान छख महा रँजा ॥
जलसुय छि मानन अँगुक म्वख मंज जलस अहोत दिन्य छ दियि स्वख ।
जलस तु अँगस छ्य एकता सर्व शक्तीमान छख महा रँजा ॥
सेँदिन्नारि सुत्य ह्यथ रुद्र संघा कपाल मूचनु पवनु संघा ।
गोदावरी जलुचिय श्रदा सर्व शक्तीमान छख महा रँजा ॥
श्रादु प्यंड त्रावन छि जलसुय मंज त्रपती थलसुय जलसुय मंज ।
प्यतरलूकस छ जल मंजु आप्या सर्व शक्तीमान छख महा रँजा ॥
खीरसागरसुय मंज छु भगवान अवतार दारन हारन हान ।
मंज जलस दीव छिस करान तोता सर्व शक्तीमान छख महा रँजा ॥
रामजी, कृष्णजी छि बँड्य अवतार जलुकिय कार छिख यँच शूबिदार ।
जलसुय मंज छ लंका, द्वारिका सर्व शक्तीमान छख महा रँजा ॥
असि बेखिकन हुंद बोज शब्दा स्यद सोज ह्यथ अनुग्रेह बेख्या ।
बानु बर कृष्णस कर क्रपा सर्व शक्तीमान छख महा रँजा ॥

1. बूटी; 2. यिम छ त्रे ग्रेह दशायि; 3. सिंधु नदी; 4. मटन तीर्थ - येति प्यतरन छि श्राद हवान ।

254 जगत अम्बा रँजा भगवती हुंज अस्तुती

श्री रजु रज्जीशोरी आमृत्य शसन छिय ।
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
जगत अम्बा चुय छख मंज वदनस असनाव
नेशब्द शुर्यन दयायि हुंद दामन प्यठु त्राव ।
कल्यानुस्वस्त थाव सुत्य अशि फेर्यन बसन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
बाहन सिरियन चान्यन जुचन हुंद प्रकाश
चरन चॉनी करन संकटु गटे छि नाश ।
तिंहजि गरदि सुत्य दीव मुकटु जरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
लूका-लूकन हुंद सत्जन, कारन, दीवगन
सिहम आसनस चॉनिस दिवन छिय प्रेदिख्यन ।
परमु दामुक्य प्वरश प्यवन परन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
ओमकारु रूपी चॅक्र नागस छि नॅन्य नेरन
तीज्जचि रेखायि च्वपोर त्रुकूनस फेरन ।
यूगी, ग्यॉनी, प्रॉनी सुय दान दरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
ब्द छनु वातन कम रंग चान्यन रंगन छिय
कॉमीशोरी च्चे मनु कामनायन मंगन छिय ।
यिछि जायि श्रदायि सुत्य आय तोता परन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
पनुन्यन बक्त्यन दासन हुंदुय पेयिनय पास
तिंहजे पाये क्वकर्मन हुंज गट्य मे कास ।
ज्योति सौरूप हव छ्य भूतीश्वरुन्य द्य
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
भगवत मायायि हुंद रंग चॉनी छि रंगारंग
चाने सुती छि बूग, छि यूग, छुय सत्संग ।
तप, जप, समाद, क्रेया, कर्म करन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
महामाया चुय छख चठ असि मायाजाल
असि वोलमुत छुय ग्रेहस्तुक्य कालु सर्फन नाल ।
लॅग्यमुत्य सॉरिय पनुन्यन पनुन्यन गरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
कम बक्ती किन्य बक्तावारन खरन छिय
कथ कामि लगव क्याह तगि जिंदय मरन छिय ।

चुय टेठ सँच¹ चानि सुतिय घन घन बरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
प्रसाद कर गाल ज़नमा-ज़नमन हुंघ अपराद
सब्जु रंगय ज़लय मंजु हव पम्पोशि पाद ।
यिम तिम स्वरन यथ बवुसरस तरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
चाने सुती स्रेष्ट गँयि नँनी जय बोयनय
मंजु शिनि व्वतपत सॉपनी जय बोयनय ।
कलर ज्वगुच² महाराजि रँनी शरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
कुनुय येलि ओस वुछन वोला तस कुस ओस
ज़गत यस ज़ाव मोजा मोला तस कुस ओस ।
च्यत् शक्ति चानि सुत्य ईक-अँनीक स्वरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
चैय अज़पा गायत्री पांच कासन ग्यवन छि गीत
निस्त्रेयी³ ग्वन छख ग्वनन चान्यन सुत्य प्रेतीत ।
चाने सुत्य कार अंतहकसन कसन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
अँनीक नागन प्यठ छुय न्यर्वासनु आसन
प्यठ शीशनागस वेष्णु रूपी छख बासन ।
सॉरिय ग्वन चॉन्य महा प्वर्शन वरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
चैय कित्य नानारंगय बूज़न रनन छिय
चैय निशि स्वरनु बानन लँदिथ अनन छिय ।
नानारंगव मिठयि थाल बरन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।
चाने दयायि सुत्य कँड्य बड्यव बँड्य बँड्य नाव
नेशब्द कृष्णस निशि वॉनी हुंद अमर्यत द्राव ।
परन वाल्यन ज़नमन हुंघ द्ख हसन छिय
पूजायि लागोय पम्पोश, ग्वलाब, मादल तु हीय । ।

1. सथ, आशा; 2. कलि खगुच; 3. निस्त्रय ।

255 बुरु कर्मन जान कर्मन मंज तबदील कस्तु बापथ प्रार्थना

रँजीशोरी राजन हुंज छख बँड सरकार ।
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
सथा छ चॉनी च़ेय निशि अँस्य आय व्वमेदवार
अथाह त्युथ दितु युथ अँस्य करुहँव परव्वपकार ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि लदख अन्न दनु द्यार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि कस्ख परम पार
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि दिख पंचालस तार ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि कस्ख साहिबि कार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि वालख पापुन्य बार
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि थवख केंछ्र चु सार ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि दिख आत्मुक व्यचार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि हवख तीज आकार
पापन सान्यन दँजिथ बनि सूरुक अंबार ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि वस्ख असि हिव्य ग्वनाहगार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि हवख मूखी दार
तथ दास्स मंज चॉनिथ बनावख खानुदार ।
यि क्वसु कथाह छ च़े निशि ज़ानुनावख स्वपनुवत समसार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
यि क्वसु कथाह छ नास्स सॉनिस कस्ख गुलज़ार
यि क्वसु कथाह छ लोचरावख ग्रेह चँकुक बार ।
यि क्वसु कथाह छ दया अँसिथ यियियनु आर
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
वावस मंज छ्य नावा सॉनी द्युन गछि तार
पँत्युम नावाह छु बोडुय ब्रॉक्कुन वॉत्यमुत्य छि कार ।
न्यँबुर्य छि फीसा¹ कँस्थि अँदुर्यकिन्य लाचार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
नाना रंगय नाना रूपय छु प्रकार
छख ज़लु रूपी थलु रूपी सरवाकार² ।
मास्न रख्यस, हास्न द्दख, दास्न अवतार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दरबार । ।
असि गछि सोरुय आसुन अँस्य छि दुनियादार
कांह चीज डलुन गछि नु, चलुन गछि व्यवहार ।

छ्यनुन्य गछि नु ग्रेहस्तु सेतास्स कांह तार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दस्बार । ।
चाने यछ्रयि सुत्य कैर्य लूकव र्त्त्य र्त्त्य कार
वुनिक्यनुकिस ख्वगु रजस सोनुय छु जयजयकार ।
स्यदत दिनुक यिहोय छुय थोवमुत म्खतार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दस्बार । ।
स्यद गछि गछुन अँस्य छि सादक सीवाकार
श्रवन, मनन, निद्दयासन, साख्यातकार ।
कृष्णुन बोयनय चान्यन बक्त्यन नमस्कार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दस्बार । ।
दिथ आपु रोछ्तस सूखिम बोज हुंद जानावार
ऑलिस मंज ओस पखव रोस्त प्योमुत नाबकार ।
व्वन्य रजु हमसन सुत्य वुफनुक द्युतथस आदिकार
फिर दयिलोनुय सोनुय चोनुय रोट दस्बार । ।

1. दिखावु; 2. सर्व आकार ।

256 मूह मदु निशि बचनु खॉतरु प्रार्थना

शोड्श कला छ्ख चु चँदु कलावँती ।
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।
पनुन्यन बक्त्यन नवनिदान चुय छ्ख दीवन
आश्चर्यवत छ्ख बोज़ अंदर ज्ञाननु यीवन ।
छ्ख ऑठ स्यदँच गुल्य गँड्य गँड्य चे ब्रॉठ पँती
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।
प्यठ नागस बीठ्य प्रेयमु बागस आव बहारुय
नाना प्रकारक्यन पोशन कोर अंबारुय ।
पूजायि कित्य नील्य, श्याम, व्वजुल्य, जर्द, छेतिय
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।
छ्ख पानु रूपी परम आत्मु न्यर्मल नेशकल
च्यत् शक्ती छ्ख पानु छवन हृदयुक कंवल ।
पम्पोशि बँगन छ्ख चु फेसुन पद्मावँती
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।
शरुन आमृत्य चान्यन पादन तल छि ऑदीन
पान मँशरुव असि कर पनुनिस द्यानस अंदर लीन ।
प्रेयमुक मस चाव असि सेद्य पॉठ्य बनाव मँती
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।
यथ वुल्ट हलस मंज़ छि चाने सुत्य अँस्य दँस्थि
अँर्य दँर्य रुज़िथ समसारुक व्यवहार कँस्थि ।
ज़न श्वास उश्वास तुलमुल कुन वँथी तु खँती
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।
अँस्य चानि सुती वैकिथ छि दर्मस मंजुय
प्रज़लवुन्य छि पनुनिसुय कर्मस मंजुय ।
दर्मुच कर्मच सॉन्य बँती म कर चु पँती
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।
दर्मु रजस सॉनिस थव बोड आदिकार
पानय चुय छ्ख सरकारुन हुंद सरकार ।
बक्ती छ म्वक्ती स्व छ आसन हॉज़िर येती
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।
सेहम-आसनस चॉनिस बोयनय जयजयकारुय
प्यठ शालुयारुय कृष्णन रोट युथ दरुबारुय ।
वांदर रजस मंज़ रोजतस न्यथ सुत्य सुती
कास गट मूहुच मदुचिय असि ही मधुमँती । ।

257 द्वखव निशि म्वकजारु बापथ परशक्ती कुन प्रार्थना

जगत माता दीवी चु छख वॉतिथ हनि हने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
पशन जीवन खबर छ प्यता¹ कुस छुख कर्यख सु क्याह
स्व-पोत्रस मे चॉनिस क्व-पोत्र कुस अखा वने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
तने मॅकर्यर मॅलिथ छुस मलिन वस्त्र वॅलिथ छुस
पथर प्योमुत नंगय छुस तुलुम वुछ केंह मे मा सने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
छ्योटुय श्रूचुय ख्यवन छुस थ्वकन सुत्य द्वद चवन छुस
छुसथ नय परजुनावान यिहॉम किथु पॉत्य वने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
मे छ्य बॅड्यरॉय सॉरुय ग्रेहस्तुच आदिकारुय
मे चॉरिस प्यठ दया छ्य बजा किथु पॉत्य बने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
स्यदथ आकाशु सोजुम सहाय मंज आशि रोजुम
तिछ्य शुरुय बाशि बोजुम मे युथ यॅच लोल गने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
क्वछे क्यथ ललनावुम तलय पादन मे थावुम
शॉंगिथ छुस वुजुनावुम म थावुम अंदुकने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
ल्वकुट छुस बॅडशवुम करनि कथु हेछ्छिनावुम
वैद्या दिथ शुबुरवुम मे सरतलि स्वन सपने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
तने वेश्व मे लॉरिथ स्व लोबकुन दिम चु दॉरिथ
करुम ऑबुय गॉबुय वुरुन छुन प्यठ कोटिल¹ बने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
बिहिथ प्यठ सरहदन छुय वनुच वॉनी लदन छुय
कृष्ण शुर ज़न वदान छुय चु ह्यन मंजबाग खवने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।
ब्रह्म ज़नमुच खक्त दिस बक्त दिस ब्रॉक्कुन यिस
म्वक्त दिस बॅड शक्त दिस अशक्ती क्याज़ि छुने
अश्वद, नेशब्द नैचिविस चु नय टेक्क मे क्याह बने ।।

1. पिता, मोल; 2. परदुपूशी कर ।

258 रंझा भवानी कुन अस्तुती

पम्पोशि पादन श्री रनि ब्रॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।
पॉरी पॉरी लगोय पॉर्य पॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
सेहम आसनुचिय छ्य सवॉरी	लारान प्वछ्लॉव्य ज़न मंज़ लॉरी ।
अँस्य आय शाल ज़न पाप चँल्य सॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
स्यदत मंगनि आय दीव सॉरी	ग्याँनी यूगी बेयि ब्रह्मचॉरी ।
येति यपॉर्य छ्ख च्चवापॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
शरन आमृत्य छि अँस्य दीव सॉरी	चाने दयायि संकट हॉरी ।
हॉरी हॉरी हॉरी हॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
अनुग्रेह दिथ कर पर-व्वपकारुय	लंगर सोन थव ज़ल ज़न जॉरी ।
अन्नपूर्नायि हुंद कर बंङ्गरुय	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
पानय पाल सॉन्य अयाल बॉरी	दयाल बँनिथ कास लाचॉरी ।
अथु डल रथि खसि दुनियादाँरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
वातन वाल्यन मंज़ छि अँस्य चॉरी	सेद्य पॉठ्य बनाव बँड्य व्यवहॉरी ।
लोचराव संकल्पन हुंद्य बॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
बनाव ग्यानुक्य आदिकाँरी	यूगचि बरने मुचराव तॉरी ।
म्वक्ती लरि करुनाव खानुदाँरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
देह थाव ओर दोर कास बेमाँरी	युथ बनि प्रथ बूगुक आहॉरी ।
च्यत् थव ह्यस स्टुकि व्यसताँरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
चाने सुत्य असि द्दख न्यवाँरी	चाने सुत्य पापु राख्यस माँरी ।
दिवताह वातन गरुकुन सॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
चॉनिय दाँसी छ महामाँरी	कसन चॉनी छि ताबेदाँरी ।
मेति निशि बँचरावनाव देहदाँरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
लंका पँतियन दीव जीन्य सॉरी	कँरुन चॉनी खँदमतगाँरी ।
चँडै शूबिहिय युथ पूजाँरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
कश्मीरु र्येश डीशिथ व्रतदाँरी	बनेयख खिरु ज़लु आहॉरी ।
सनिवारि रूपु छ्ख ज़लु आकाँरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।
क्रपायि चानि कँर कृष्णस याँरी	कँर्यनय तस तप ज़प याँरी ।
मूर्खस बनोवुथ परम आचॉरी	पादन लगोय पॉर्य पॉरिये ।।

259 शिव-शक्ती (माता-पिता) संज्ञ अस्तुती

वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये ।
तति आंपु दिवन छुम राजु हम्स मोलये । ।
स्वय राजिरेन्य मॉज यमि युथ प्रपंच पोलये
सुय राजु हम्स मोल येम्य यमु राजु गोलये ।
सुय भस्माधर येम्य भस्मास्वर ज़ोलये
वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये । ।
राजिरेने माजे साने छु जयजयकार
छम हेछिनावन ऑलिस मंज बोलुन शूबिदार ।
फाह छम मे दिवन कोताह मे बरन लोलये
वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये । ।
मॉलिस तु माजे सानि छु अस्त्वत बारम्बार
नेशबोज़ बचन छि रछन असि छुख कुस गाटुजार ।
बोज्यमनय वॉनी द्वद नेर्यम कोलये
वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये । ।
तसंजे दयायि सुत्य असि वुफुन हेछुन ज़ोन
मंज जानवासन स्योद गव होल ऑसिथ कर्मलोन ।
अँदरु न्यबर फीर्य अदु स्वख द्वख चोलये
वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये । ।
तिथुय होशा द्युतुन ज़गत ब्रमुय मोन
द्यन रात गुजरोव शिन्यस मंज सूहमुय ज़ोन ।
तसंजि दयायि अँस्य पॉल्य प्रथ कांह पोलये
वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये । ।
अँस्य सॉर करन छि मंज पोशिबागस सुत्य ह्यथ कुत्य
बेहन छि नागन प्यठ च्यत् लागन रागन सुत्य ।
त्युथ बूल, त्युथ ग्योव युथ सारिन्य द्वख गोलये
वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये । ।
वॉनियि कुकिलि वोन होशिकिस पोशनूलस कुन
थज़रय प्यठ नज़राह कर पोशि डूसि कुन ।
वुछ बागवानन युथ बाग क्युथ संबोलये
वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये । ।
प्रेयमु बागस वुछ फुलया लँजमुच शूबिदार
लंगन लंजन प्यठ छिस बोलन जानावार ।
वुछुस गोलमुत अग्यानुक अस्खोलये
वन हारि यूरुम प्यठ कल्पु व्रेख्यस ओलये । ।
गाश लोग फवलनि ग्वफन मंज रातक्रुलुय बीठ्य
व्वथ सुलि कृष्ण बोलन येम्य पोशनूलुय डीठ्य ।

तमि बोलि आकाशि अमर्यतु वर्शुन वोलये
वन हरि यूरुम प्यठ कल्पु त्रेख्यस ओलये ।।

260 श्री अमृतीश्वर भैरव सुंदि सौरूपक वर्नन तु वरदान मंगुन

आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ।
चोनय दानय छु यूगु ग्यानय सुय करि सोन मन प्रानुय लय ॥
आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ॥ ॥
चेंद्र चूड शोक्ल रंगु रूपु छुख बासन त्रेयलोचन पदम आसन छुय ।
च्वन ब्वजनय छिय ब्योन ब्योन दार्यमुत्य पदम अमर्यतुपात वर अबय ॥
आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ॥ ॥
न च्चे हटि वासुक न च्चे जेटि गंगा कर्पूरगौरम रंगाह छुय ।
न च्चे गजु चर्मा न च्चे सुह मुसलाह न च्चे कांह दीविया पतु कनि छ्य ॥
आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ॥ ॥
ह्यतुकारु पुछि दोरुथ युथ दानुय परमु आत्मु सर्वु शक्तीमानुय छुख ।
न च्चे ब्रेशबासन छुख असि दासन म्रेति विजि बासन म्रेत्यंजय ॥
आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ॥ ॥
नखु छुख प्रेयमुचि वति कति दूर छुख अति स्वंदर छुख बोड आदि दीव ।
पय दिथ लबुनाव आत्मु न्यसनय नय तँथ्य मंजु लय कर गव मनोजय ॥
आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ॥ ॥
रूपु चोन छुय सत् च्यत् आकाशिय पापन सान्यन नाशिय कर ।
अम्बजु रूपु अमर्यतु लक्ष्मी सुत्य छ्य दार्यद्रस सॉनिस कर ख्यय ॥
आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ॥ ॥
हृदयस मंजु बसुवुनि न्यथ लसुवुनि असुवुनि गिंदुवुनि कर न्यरामय ।
असि ऑदीनन क्रेया वुछनय दया कर नाव छुय बोड दय ॥
आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ॥ ॥
अँगु, गगनु, पवनु, प्रेथ्वी, जलु, थलु, रूपु न्यर्मलु नैशकलु कलु वंदुहय ।
क्रपा द्रेश्टी हुंजु अख कटख्या कर कृष्णस वर हर मूह बर प्रय ॥
आदि दिगम्बर श्री अमृतीश्वर अजरु अमरु जय बोयनय ॥ ॥

261 अंतकालस दयायि बापथ भगवान म्रेत्यंजयस कुन प्रार्थना

ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय च्चे शस्न ।
शिव शंकरु शिव शंकरु अंतकालु पालवुन बन । ।
ग्यानु यूगु न्येत्रन मंजु बास सत् च्यत् आनंदुगन
ज्यनु मस्नुक ज़रु ज़रु कास युथ गच्छि जनमन छ्यन ।
अरु सरु कृत्य करुनोवुस येम्य गरु गरु कस्नन
शिव शंकरु रामेश्वरु अंतकालु पालवुन बन । ।
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय च्चे शस्न । । ।
च्यत् त्वर्गस विगि स्टुनाव स्योद पकृनाव बगवन
श्वद वासनायि आत्मतीर्थ यात्रायि हुंजन पंथन ।
सिरियि तीर्थ तीजस सुत्य करुनाव प्यतरु लूक ह्यथ मिलवन
शिव शंकरु गंगाधरु अंतकालु पालवुन बन । ।
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय च्चे शस्न । । ।
त्रियि पौत्रन हुंजु प्रय छम कामनायन फिस्वन
वुलट रायन ख्यय कर रोज़ मंजु अंतहकस्नन ।
जीवु बावस दीवु ग्वन दिम नाव छुय निस्त्रयग्वन
शिव शंकरु ही जटधरु अंतकालु पालवुन बन । ।
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय च्चे शस्न । । ।
रामेश्वरु कामेश्वरु कामना छुख चु पूरुन
कामना छम मूखी हुंजु शक्तिपातुक दातु बन ।
भस्माधरु सूरु फशु सुत्य मन म्योन कर दर्पन
शिव शंकरु भस्माधरु अंतकालु पालवुन बन । ।
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय च्चे शस्न । । ।
ओरु योरु अन ज़ोरु म्योन मन तैथ्य प्यठ कर आसन
करतु दासन परमु ज्योति रूप हौविथ न्यस्वासन ।
खार श्वासन उश्वासन गगनस कुन रेह ज़न
शिव शंकरु ही दिगम्बरु अंतकालु पालवुन बन । ।
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय च्चे शस्न । । ।
स्येज वथ हौविथ ज़ानुनाव नतु च्चे तु मे कुस छु ब्यन
जीवु ब्रम छुम मंजु गोमुत ईक गोस मंजु द्वन त्रन ।
च्वन हालन मंजु तुर्या रूपु बासुनाव त्रुबवन
शिव शंकरु ही महेश्वरु अंतकालु पालवुन बन । ।
ही म्रेत्यंजयि यमु बयु निशि रछ मे आसय च्चे शस्न । । ।
संकट कट मूर्छ खट ब्रह्म बासुनाव हनहन
वासनायि हुंद वथरुन वठ जीवु छूट कति रोज़न ।
मायाज़ाल च्चठ कृष्णस अथु रठ योरु ओरु अन
शिव शंकरु ज़गत ईश्वरु अंतकालु पालवुन बन । ।

ही म्नेत्यंजयि यम_बयु निशि रछ मे आसय चे शरुन ।।।

262 समसारु मूह मायायि निशि बचनु बापथ प्रार्थना

ही दिगम्बरु चु मे गम हर कर दया आसय शरन ।
छुख म्नेत्यंजय कर मे पापन ख्यय चु छुख बक्त्यन वरन । ।
बवु सपुकिस मूह गॅलिस वातनस छु ब्वद तरन
नठ छ वॅछमुच वीरु शेरन राजु हमसन शाह परन ।
करुखय ओरय क्रपा अदु असि हिव्य अँन्य रँन्य तरन
छुख म्नेत्यंजय कर मे पापन ख्यय चु छुख बक्त्यन वरन । ।
कमि खक्ती बनि म्वक्ती छिनु अँस्य जिंदय मरन
छ्य कठ्यन शाँती बनून्य लँग्यमुत्य छि अँस्य पनुन्यन गरन ।
चट्टनाव मायायि जालुय रूनाव पनुनिय चरन
छुख म्नेत्यंजय कर मे पापन ख्यय चु छुख बक्त्यन वरन । ।
ब्रमु बूतन प्राह कौरुख होल छुख यिवान ख्वश स्योद खरन
मूह मस चथ छुय जगत व्वनमतु बूतायश स्वरन ।
छुस तिमन मंजु बुति अख कीट मँलीनता आश्रन
छुख म्नेत्यंजय कर मे पापन ख्यय चु छुख बक्त्यन वरन । ।
अबिज्यथ छुय चोन प्रेयम करि क्याह क्रछ तय बरन
सात¹ वुछ वुछ प्रोव क्याह असि नॉल्य छून्य नँव्य नँव्य फ्यरन ।
जामु वल असि सुय युस चुय छुख वलन न्यथ छुय दरन
छुख म्नेत्यंजय कर मे पापन ख्यय चु छुख बक्त्यन वरन । ।
नितु पानस कुन रँट्थि यिम म्याँन्य अंतहकरन
ग्यानु न्यँत्र दिम वुछ्थ चुय छुख चु अग्यानस हरन ।
ब्रह्मवत प्वरान कृष्ण डँडवत जयजय करन
छुख म्नेत्यंजय कर मे पापन ख्यय चु छुख बक्त्यन वरन । ।

1. महुर्त ।

263 शिव केशव अद्वैत नावुच पूजा

ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय
शेशि पीताम्बर मायातीतु हँरिहरसुय ।
अद्वैत गीत परम् दर्मु परात परसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
ओम वेष्णु कृष्ण रामु रामेश्वरु हरु शंकरु शोम्भू
सुबहस सुत्य शाम मिलविथ शामस सुत्य प्रबात ।
सिरियि चँद्रमु कनि मन तु प्रान द्वयि रूपु किन्च घन तु रात
शिव तु केशव आत्मु रूपु हावि मंजु च्यत मंदरसुय । ।
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । । ।
पोशव कनि देह इंद्रेय अर्गुकनि लागि मन तु प्रान
वुस्नुय वथरुन पॉरोस जीवतुक सर्वु सामान ।
सीवायि पुछि समद्रेष्ट बाव रोजि मंजु आदरसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
स्वप्रकाशु रूपु दर्पनु मंजु नँनुरावि न्यरुमल पान
ओरु योरु पनुनुय म्वख हावि ईक बासि कासि अग्यान ।
शाह रोजि गँजगाह ह्यथ च्यत् लागि चामरसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
स्ववर्नुक¹ छँतरा लागुन दियि स्ववर्नु² दर्मु ग्वन
समसारु संतापस मंजु सायि करि कल्पुव्रेख्य ज़न ।
पूर्नायि हुंजि पूजायि हुंद गोड वाति ज़रु ज़रुसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
शाँती लागि चंदनु कनि टैकि कनि लागि शम दम
तत् पदकुय सत् श्रवुनुय ग्यवुनुय हेयि सूहम ।
मूखी दियि चरुनु अमर्यत बाँगरुन अमरुसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
व्रैतियन हुंद सर्वु द्रैवियन प्रेप्युन हावि नेशकल
तथ नेशकामु कर्मु फलसुय नेरुन च्वशवय फल ।
अनुग्रेहकुय नँवीद मेलि आत्मु त्रफती गरुसुय³
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
महदीवस बनि पूजा वासुदीवस वाति स्वय
च्यत् फुर्ना साँपनि लय शिनि मंजु नोन गच्छि दय ।
बाजा वजि कनुनुय गच्छि हरुसुय मनोहरुसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
मुशकाह ह्यमु पोशन यिम लँग्य प्रकस्तपरुसुय
लागि दिवथाह मुशकस, कोफूरुस, अंबरुसुय ।
मूख्य हुंजि लरि वथ हावि श्रदा बेहि प्यठ बरुसुय

ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
यिछि मायायि कमि होशि वातु कमि बोजु ज्ञानु शिनि रूप
कूटी सिरियि रूपु स्वसतिस फीरिथि हवु कुस दीफ ।
अंतु रँस्तिस कुस प्रेदिख्यन दिमु क्वसु पूजा करसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
सत् च्यत् आनंदु द्यानस मंजु सौंपनि मन लीन
बक्ती रोज़ि अंबीद अनाहद अंतीत अँदीन ।
अद्वेतु ग्यान मारजन दियि यथ चराचरसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
क्वसु द्वयथा छि वेषुणाथस⁴ तु वेशेश्वरसुय⁵
न्यरग्वनु ग्वनुवानु सर्व शक्तीमानु महेश्वरसुय ।
सुय अगम्य अपार तारि यथ बवु सागरसुय
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । ।
पँतिम्यन द्वन अछरुन ब्रोंठुकुन अन ग्वन गँजराव
शंकर छुय कृष्णय कृष्णस छुय शंकर नाव ।
कुस बीदा छुय गूपीनाथस तु गूपीश्वरसुय
अद्वेतु गीतु परमु दर्मुपद पर परातपरसुय । ।
ब्यल तु त्वलसी लागु आधरसुय श्रीधरसुय । । ।

1. स्वनसुंद; 2. पननि वर्नुकि; 3. यमि स्टेंजाहुक बाव छु : त्रेती रूपु सर्वु द्रेव्य, औशेदी रूपु अँगनुवँतरि सुत्य सपदि नेशकाम हवन । तमि नेशकाम कर्मु (हवनु) सुत्य मेलन च्वशवय फल - दर्म, अर्थ, काम तु मुख्य । बेयि मेलि अनुग्रेह रूपी हवदुशीश (नेवीद) - पूर्न त्रपती याने म्वक्ती; 4. विष्णु; 5. विश्वेश्वर ।

264 अंतु समयस प्यठ मदद तु चरनामर्यत मेलनु बापथ प्रार्थना

त्रुजगतपालु सानि कपालु लेख पननि प्रेयमुक्य ग्वन ।
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालवुन बन । ।
बल¹ तु शुकदेव, भीष्म, प्रह्लाद, नारद, विभीषण
चरनु अमर्यत चवन ह्यवन छि चान्यन चरनन ।
तिहदे पासु मेति चावनाव करुनाव ज़नमन छ्यन
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालवुन बन । ।
परामत्मा छुख चु पूरन न्यरग्वन न्यरंज़न
ही न्यरमलु नेशकलु बक्तवत्सलु बगवन ।
देह अबिमान मद म्योन गाल नाव छुय मधुसूदन
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालवुन बन । ।
वाँसा गँयि बूग बूगन चंच्यल छु मन
येति योर रूठ पँतिमि समयिचि पीडयि निशि बक्त्यन ।
अकिनावु सुत्य कें छ मे यार ज़ान अज़ॉमिल ज़न
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालवुन बन । ।
कठिनिस बवुसरसुय मंज़ गासु कचि ज़न छि यीरन
आर यीयनय असि बोठ खार दकु लँग्य लँग्य छि गीरन ।
बोठ खॉस्थि बेहनाव मंज़ नेशचल बलवीरन
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालवुन बन । ।
काँत्याह म्वख छि समसारु ब्रमरिस बाज़्यन छुसनु छ्यन
अँमिसुंदे छलु सुत्य वौथमुत छु अलुअलु गँबीरन ।
नरि थचिमचु छ बलवीरन दँत्य चीरन चीरन
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालवुन बन । ।
वसुदेवु जीवु बावु निशि रूठ चुय संतन तु सादन
कृत्य पाँपी म्वकलॉविथ मेति गाल अपरादन ।
कृष्णस कन थाव नादन लागि हिय पदमुपादन
रामु श्यामुलालु बालु गूपालु अंतु कालु पालवुन बन । ।

1. राजा बली ।

265 अग्यानस नाश तु व्यचारु बापथ दरखास्त

तोतायि चानि गेव्यम छम दया चॉन्य चु कस्तम अंतुकालस पालना म्यॉन्य ।
थवुम व्यचारु स्वस्त अग्यानु रोस्तुय वुमुर गुजश्रवु देह अबिमानु रोस्तुय ।।

266 अपरादन हुंज बावथ तु शाँती मंगुन्य

मे संतन ह्मि न छ्य शाँती न शम दम ।
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
दया सागर वनन छिय लूख साँरी
दयाये हुंद समंदर छुख चु जाँरी ।
दया अय मे कख अथ क्याह गछिय कम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
मे ज़नमन हुंघ महा अपराद हस्तम
दया करतम मे मूर्खस लोल बस्तम ।
प्रेयम दिम पूर त्युथ युथ दूर गछ्य यम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
फस्योमुत छुस बो मंज समसार ज़ालस
फकत छम चाँन्य आशा अंतुकालस ।
कँड्धि निम ज़ाल मंजु बखशुम परम शम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
बो कोताह रोज़ येति आँखुर मरुन छुम
कठ्युन समसारकिस सँदरस तरुन छुम ।
नितम मंज नावि प्रेयमुचि स्योद रँड्धि नम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
व्वपाया कर मे युथ मन रोज़ि नेश्चल
मलिन ब्वद छम बनेमुच बनि न्यरमल ।
करुम अंतहकरन श्वद प्रावु व्वपरम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
बो छुस अँदुर्य न्यँबुर्य छ्योट, खोट क्रे या छम
फकत बोठ खारुवन्य चाँनी दया छम ।
गंगाजल ह्युव बनावुम श्रूच व्वतम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
शेरीस्स प्यठ नज़र छम छुस बो अनज़ान
यछ्न छुस मान माँनिथ मामसुक पान ।
ग्यानुक सिरियि मंज मूह रँच बनतम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
यशस ह्यथ छम वेशय बूगन हुंजुय प्रय
दया करतम दया करतम चु छुख दय ।
पखांडस कामु कू दस नाश करतम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
शरचि¹ शोरुबने² छम पापु प्यँच³ सुत्य
कोहह ह्मि बँड छि काँपन अथ वुछ्मि कृत्य ।

चु हवुस ज्योति रूप अथ व्वथि जमजम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
चे छ्य द्वय पननि कुनिरुच मे दुय कास
चे छ्य द्वय पननि बजरुच जु म ज़ांह बास ।
च्यतस गनतम तु ज़नमस ज़ांह म अनतम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
कुनुय ऑसिथ चु नाना रूपु किन्य द्राख
चे ह्युव ग्वनान निस्त्रयग्वन छु कुस ब्याख ।
कुनिय तत्पदु सुत्य शौज़रावतम त्वम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
पँतिमि समुये यमस निशि म्वकलावतम
चु पानस ह्युव बनावुम मूख्य दावुम ।
असॉवुनि म्वखु फवलनावुम मे कोसम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
छु सागर चानि कुनिरुक सोन स्यवह ज्युठ
अँनिथ दिम म्वखतु नतु खारुन गछ्यम कूठ ।
बो कथ सुत्य लागु हम किथु पॉठ्य दिमु दम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
हवा ज़न बन बसंतुक अन चु मे बोश
फवलन व्वदि यूगु बागस होशिकिय पोश ।
तिमन पोशन प्यठ्य छख शांत शबनम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
बो बुय करुनुक म थावुम कांह खयाला
न बास्यम देह, देह्व चाला न डला ।
गल्यम आवा-गवन रोज्यमनु कांह गम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
जगत कति दरिहे कुस कार करिहे
समय ऑदीन कुस जेविहे तु मरिहे ।
छु ठँहँविथ अँमिस चाने सतुक थम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
अगम्य अपार छुख न्यरग्वन न्याराकार
मे कँछ यार कर बवुसागरस पार ।
कँस्थि सोरुय मे थव लोबकुन ही न्यरालम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।
अवेद्या कासतम न्यथ बासतम सत्
ग्यानच थ्यथ दितम स्वय छ्म पस्मगत् ।
अच्यत थॉविथ मे पथ मोचरावतम ओम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम ।।

चु सनम्वख रोज़तम अदु च़ालु स्वख-द्वख
खस्यम बोठ म्वखतु सत्सागर दियम ग्रख ।
रँटिख निथ होश देह मंजु चेनि क्याह च़म
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
स्वतंत्र थव मे चेनुन शेलि⁴ ह्युव शम
सौरूपस तेलुनिस⁵ नशि छ क म ।
प्रेयमु मस मेलि यस कस गेलि आलम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।
पनुन करतूत वुछ्य वुछ्य छुस बो आँदीन
कृष्ण पनुनिस सौरूपस मंजु करुन लीन ।
करुस मन लय तु अदु नोन नेरि सूहम
चु छुख पानय बो कुस छुस कासतम ब्रम । ।

1. खॉहिशि हुंज़ि (शर = खॉहीश); 2. बारूद अंबार ; 3. गासु (यम्युक वगुव छु बनान); 4. कँन्य (कनि); 5. सौरूपस सुत्य द्यान मगन गछ्नवोल (मेलन वोल, लय गछ्न वोल) ।

267 वेशय बूगव निशि बचनु बापथ प्रार्थना

वेशय बूगन हंजुय छ्य सारिन्य प्रय
वेशय बूगुय निवन छ्यि लूबु किन्य मन
वेशय स्वख बूगनुय मेथ्या ब्रमुय छुय
सु स्वख दिम शिवु शंकरु छुख दयावान
चु छुख आत्म पानय मे दुय कास
कुनुय ऑसिथ चु नाना रूप किन्य द्राख
छु परम आकाशसुय प्यठ चोन दरबार
अदोगँच¹ रोस्त ऊरदुगँच² हुंद दितम वर
कँड्धि बोड नाव क्याह छुम पतु प्रावुन
कँड्धि यश पतु क्याह हँसिल करुन छुम

गँयि त्रपती येमिस सुय गव ज्यत् इन्द्रेय ।
स्वरुन त्रॉविथ सदा संतोशि स्वस्त बन ।
असुल स्वख परमु शॉती शम दमुय छुय ।
जिंदय पानय मे करुनाव आत्मच ज्ञान ।
चरचर छुख चु पानय जु म ज़ांह बास ।
चु ओस्य वर मे योस्य छुय चै कुस ब्याख ।
मे मायाजाल चठ रठ अथु ह्योर खार ।
अज़रु अमरु हर हर छम यमुन्य थर ।
बौ गछु न्यरगवन तु न्यरमाया बनावुन ।
वेशय बूगिथ पतव लाकँन्य मरुन छुम ।।

1. निकृष्ट गति, भवबंधन; 2. उक्कृष्ट गति, परमधाम ।

268 वॉरग तु त्रन अवस्थायन हुंद वरनन

नालु कड छुम मूह ज़ाल नॉल्य ।
कॉल्य¹ मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कमकम रजु दुनियादार कॅर्य कॅर्य बॅइय बॅइय कार ।
कृत्य यशुवॉल्य समयन गॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
पोशि लंजिनय प्यठ शूबिदार डंजि कति रुद्य जानावार ।
वावु चंजि प्यठ यीरिख्य ऑल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
हतुबजनुय सबुनुय द्युन खॉर बोद बतु बाँगरुन ।
ब्रह्म येगिनिक्य वातन वॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कति खांदर कति रजु दार हॅस्य, गुर्य, स्थु सवार ।
कति पालकि कति हॅस्यवाल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कति मुखल्लु कति गॅजगाह कति महारेन्य कति शाह ।
दायि थचिमचु वुदु जॉल्य जॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कति रजि कति बाजि सुत्य ऑस्य कति गोस्वी शाह गॉस्य ।
अरदॅल्य बंगॉल्य नयपॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कति महारेन्य कति महाराजु कति साजुगॅर्य शूबिदार ।
कति जॉल्य वॉक् जुमक् तु बाँल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कति यावुन कति ल्वकचार यि छु तावनुन बाज़ार ।
कति म्वखतु मालु स्वनु कनुवॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
थ्वक् स्टनस कित्य तयार च्वंजु दायि खॅदमतगार ।
नोकर थॅव्यमुत्य माजि मॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
वुदु ज़ालन अँछ मा लागि दूपु ज़न दगि बूतन ।
पास्चन प्यठ त्रावन जॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कति जेशनु नगमु आतशबाँज्य बांडु जेशनु सेतारु साज़ ।
फूल मशालि ज़ालनवॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कति मलनुय तनि कोफूर कति सपनुन पतु सूर ।
अबिमानुवॉल्य नारन जॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
यिथि याद प्यनु गछु व्वदास छ्यनु मा बनु वनवास ।
गरि मा नेरु फेरु बाँल्य बाँल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
ग्रेहनु मंजु छस दरु लॅजमुच तीजु स्वस्त गॉमुच जून ।
रॅच हंजु गमु गटु चॉल्य चॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
मूह रॅच मंजु शॉग्य कृत्य चॉर्य पॉर्य लगु सत्प्वश्शन ।
यिमनु ब्रम बाँज्यगारन डॅल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
चानि दयायि सॉरी पॉल्य छुनु चे ह्युव ब्याख कांह ।
वॅन्य दिथ आकाशि पातॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
छटि रूदु मंजु छुस लाचार अंद मंजु रोजनस नु वार ।
छम मे दिचमुच कागजुच पॉल्य कॉल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।

मेघवर्णु चानि बूदु रूदु सुत्य कुत्य च्यथ फॅल्य म्यवु द्राख ।
मीठ्य गॅयि जीवु बावु टैठ्य खॉल्य काँल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
कृत्य सुह सॉपुन्य प्वछलॉव्य राज न्यूख वांदस्व प्रोव ।
अज तान्य कृत्य रूद्य वुछु शॉल्य काँल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।
सौथ आव चानि प्रेयमुक राग फोल ब्वदि यूगु बावु बाग ।
छॅव कृष्णन होशि पोशि डॅल्य काँल्य मरु शिव शंकरु टेठ । ।

1. वक्त वातनस प्यठ ।

269 मूह मद निशि बचावनु बापथ प्रार्थना

बक्तु वत्सलु सर्वु शक्तीमानु ।

बडि भगवानु लगुयो । ।

पतु क्याह नेरि मंजु अबिमानु वुनिक्यन करुनाव ज्ञान ।
पननि पानुच असि जिंदु पानु बडि भगवानु लगुयो । ।
चानि यछ्रयि असि व्वपुदोव शिनि मंजय खरु थोव ।
प्यतरवनोव कूत काखानु बडि भगवानु लगुयो । ।
ब्रमुरॉव्य येम्य समसारु आँबदारुन दितु होश ।
मूह मस च्यथ गॅयि देवानु बडि भगवानु लगुयो । ।
सानि क्वटम्बुक चुय वुछ हल नॉल्य गव मायाजाल ।
प्रेयमु मस च्यथ करतु मसतानु बडि भगवानु लगुयो । ।
मच्चि नेंद्रे मंजु वुजुनॉव्य प्रेयमु चानि अँश्य फेर्य त्रॉव्य ।
तिम अँश्य फेर्य करतु म्वखत दानु बडि भगवानु लगुयो । ।
चोन प्रेयम च्यत् सोन नियि सुय फल दियि बक्त्यन ।
युस नेरि मंजु शिव न्यखानु बडि भगवानु लगुयो । ।
बोज मंज यितु नितु सोन मन च्यत् फु र्नायि करतु छ्यन ।
प्रावुनाव परमु शाँती थानु बडि भगवानु लगुयो । ।
मत वुछ्तु सानि प्रकरँच कुन वुछ्तु पननि दयुगँच कुन ।
कम बक्तिस लदतु बौड बानु बडि भगवानु लगुयो । ।
क्याह करनि आस समसारुस थ्वक् यथ व्यवहारुस ।
क्वलु दीप करतु मंजु खानुदानु बडि भगवानु लगुयो । ।
द्वखु तापस सेकि माँदानु स्वखु सायिबानु प्यठु त्राव ।
त्रेशनायि रोस्तु थव दयावानु बडि भगवानु लगुयो । ।
कृष्णस कड मंजु अग्यानु करुनाव आत्मु ज्ञान ।
ब्रह्म बासुनाव अमि यमि सानु बडि भगवानु लगुयो । ।

270 क्वकालु निशि बचनु बापथ शोम्भूजियस कुन प्रार्थना

चोन अनुग्रेह छु अन्न दनु माल शोम्भू ।
गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
क्वकाल गव श्वबु कर्म फल पोत ह्योन स्वकाल गव चानि नावु द्युन ब्रौठ युन ।
ख्योन च्योन ह्यथ लूक् अयाल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
यूगियव चोन द्यान वुछ आश्चर्यवथ मे टेख कस्नु रोस्त स्व छ दयुगथ ।
क्याह कर्यम अदु तप जप माल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
मे म करुनाव कांह कर्मा स्व छ कथ मे म स्वरुनाव कांह स्वरुना स्व छ वथ ।
पानय छेनि मायाजाल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
कर दया चै वनन पतित पावन छिय आशितोश नाव चोन थ्यक्नावन छिय ।
चै वनन छिय दीनु दयाल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
बोठ खार मूह सागरु यितु केशव शाल येलि क्वलि गव आलम क्वलि गव ।
रजस छुय यी वनन शाल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
अँदरिमि अमरुनाथु ग्वफि दम मॉल्य वुफुनावि द्धन हमसन मँशस्थि आँल्य ।
वातुनाव प्यठ सूहम बाल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
न छ वुजुमल न छु सूम सिरियि रूपु गाश तति प्रजलन छु पानय च्यत् आकाश ।
यूगु न्यत्रव परजुनावि लाल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
सुय गव चोन चानि प्रेयमुक रसु मस फलु कनि यिन अथु कतरुनू बे ह्यस ।
सुय ज्ञानि यस बनि युथ हल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।
कृष्ण नाव चोन करुवुन छु आकर्शन मन म्योन नितु अदु छुख मधुसूदन ।
कृष्ण रूपु किन्य कृष्णस पाल शोम्भू गाल क्वकाल अँस्य छि कंगाल शोम्भू । ।

271 समसार हलातन पेशि नजर अद्वैत बक्ती मंगनुच प्रार्थना

परमत्मा पानय छु कायायि मंज ।
 बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 मूह गट चलि ज्योति रूप नोन हवि पान स्यद गछि दान यूग ग्यान वेग्यान ।
 छय कति दरि येलि सिरियि रोजि छयि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 सुय पूरन छु हनि हनि मंज मीलित्थ तील ह्युव तेलस मंज तीलित्थ ।
 ? दय छु आसिथ बयह सानि श्रदायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 प्रेयमु मस चावि मंशरवि हन हन मन मेलि शब्दस सुत्य बोजि क्याह कन ।
 त्युथ नशि खसि युथ नु आसि विजियायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 मेघवर्णु चानि स्वरनु सानि दारनायि मंज च्यत् आकाशि वर्शुन वसि रायि मंज ।
 स्वप्रकाशि शब्द वुजमलि गगरायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 सिरियि आसिथ छु पनुने शूबायि मंज तीजु बिम्ब प्यव न्यर्मल जलु ग्रायि मंज ।
 यि छ नियती ईश्वर यछायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 जलुकुय अलु डलु कास बन म व्दास वुछ अंतहकर्नन प्यठ छु आबास ।
 रोज साख्यवत नेशकाम क्रे यायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 लूबु त्रेशनायि रोस्त थवतु श्रदायि मंज न्यस्-अप्यख्य थव जीवतुचि कामनायि मंज ।
 न्यस्-आश रोजु अदु सर्वु आशायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 अंतस्वख रोजुन असि दरकार न्यवरंछ प्यठ वैकरव सुय छु व्यचार ।
 क्याह हॉसिल छु जगतुचि शूबायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 दीव मानुन तु थावुन नु कामना तु लूब आत्म त्रपती मेलि चलि जीवतुक ख्यूब ।
 मजु कुस मेलि क्रे छि फीर्य फीर्य क्रायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 मूर्ख बावना छु आलुछ सकाम बूग ग्रेह दशायि श्वबु फल दर्मु व्वद्युग ।
 क्याह छुय ब्रामरी संकटयि व्वलकायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 पानस तान्य न छु कांह अरिष्ट न छु कांह रूग पानय यिन ब्रौठकुन प्राख्दु बूग ।
 क्याह प्रावुन छु गरिचे ममतायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 पथकुन च्यन मात्र योत बासुनाव मन तु प्रान मिलविथ कलनायि रोस्त थाव ।
 पूर्नु मावसि सूमु सिरियि एकतायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 द्यय चै छ्य पननि कुनिरुच जु म जांह बास असि करुनाव सर्वु संकल्पु सॅन्यास ।
 च्यय योत रोज च्यत् फुरनायि त्रायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 ही अगम्य अपार चठ मूह जालस क्याह करुनम अष्ट स्यंज अंतकालस ।
 बसुनावुम सॅतिमि बूमिकायि जायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 कछि मंजु फवलुनाव मे ह्युव अछि पोश लछि बदिनुय निमु होश मेलि मे बोश ।
 रछुनुनि ताजु थव हरदु आपदायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।
 संतन सुत्य करुनाव न्यथ समागम अदु छुनु आवागवनुक कांह गम ।
 कृष्णस कृष्णजुव बस वासनायि मंज बो नु कांह न्यस्माया छु मायायि मंज । ।

272 अनज्ञान्य मंज ति भगवानु सुंद नाव ह्यनु सुत्य छ सेदी मेलान

गेविम अनज्ञान्य पाँठ्य यिम चॉन्य नावुय
तिमन नावन छि कृत्याह आसुवन्य ग्वन
करन छि ख्यय महपापन क्वकर्मन
तिमन हुंद फल ह्यनुय चैय प्यठ मे थोवुम
चै छ्य द्वय पननि कुनिरुच ख्वश मे प्यठ रोज़
पँतिमि समये पनुन्य दयिगथ मे ह्यवुम
यिहॉय मनिकामना मंजूर करतम
मे सनम्वख रोज़तम दयायि सुतिय
चै शंकरु कृष्ण रूपस वंदुहॉय पान
कृष्ण नावस छ आकर्शनु शक्ती
चै छ्य प्रय रामु नावुच जय चै बोयनय
चै छ्य प्रय रामु नावुच छुख ज्यत् इंद्रैय
चै छ्य प्रय रामु नावुच छुख च्चु अबय
चै छ्य प्रय रामु नावुच छुख न्यरामय
चै छ्य द्वय रामु नावुच मे दुय कास
कृष्ण छुय राम रामस सोन प्रनाम
वनय हिंदी जबाँन्य कृष्ण सुंद गीत

तिमन नावन छु मूखी ह्युन स्वबावुय
निवन छि मन दिवन छि मूख्य बक्त्यन
हरन आवागमन हर्शस करन मन
यिमन निशि म्वकलावुम मूख्य दावुम
यिहॉय म्याँन्य प्रार्थना व्यनती बोज
परमु शम दिथ मे पानस ह्युव बनावुम
दया क्रपा ख्यमा बरपूर करतम
पतव लाकँन्य नितम शूबायि सुतिय
स्यवह स्वंदर मनोहर छुय यिहोय ह्यान
निवन च्यत् ब्वद दिवन बक्ती तु म्वक्ती
मे छ्य प्रय कृष्ण नावुच मन करुम लय
मे छ्य प्रय कृष्ण नावुच दिम मनोज़य
मे छ्य प्रय कृष्ण नावुच कर मूहस ख्यय
मे छ्य प्रय कृष्ण नावुच छुख च्चु बोड दय
चै छ्य द्वय कृष्ण नावुच ज़ु म ज़ांह बास
अँबीदु बक्त करुनाव्यम मे नेशकाम
छु मायातीत बूगन हुंद कँस्थि हीथ । ।

273 अकूर र जीयुन गोकुल प्यठ श्री कृष्ण मथुरायि निनस प्यठ गूपियन हुंद व्यलाप

क्या कहें अकूरजी ने कैसा किया यह काम ।

श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।

ब्रजबासी हैं उदासी चश्म तर हैं आम रोते रोते राधा कहती सुबह हुआ शाम ।
ना इधर है ना उधर है फिर किधर है श्याम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।
पारा¹ करके वस्त्रों को तन से छेड़ें प्रान स्त्री जोगन बनूंगी फेंकदू सामान ।
नंद नंदन के लिए छेड़ें मैं नंदन ग्राम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।
फिरते हैं हम रात दिन कर्मू का यह फेर कृष्णचंद्र जब मिले तब कब है अंधेर ।
अब वह सूरज मुख दिखावे आता है पैगाम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।
प्रेमपानक पीने दिया होश लिया सब सब कुटुम्बा सब कबीला भूल गया अब ।
बन गए हैं हम उदासी घर में है क्या काम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।
गोपियों ने यह कहा हय हय गया मन थाम हम गरीबों का वह लेवे अब न मुंह पर नाम ।
वह है अब राजों का राजा हम हैं सब सुदाम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।
जसुदा कहती थी मोहन हमसे गया हय मुझ बूढ़ी माई को उसने छेड़ दिया हय ।
नूरि दीदा जाने से आंखें हुए बादाम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।
हम यहां हैं वह वहां है फिर कहां है वह बात सच है साथ उसके हैं जहां है वह ।
ऐसी ही दीवानगी का नाम है परमधाम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।
है अज्योध्या में खराबी कुछ नहीं आराम सर्व मंगल लेगया जंगल गया श्री राम ।
सत् महल का कृष्ण है छत रामजी है बाम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।
प्राण प्यारे जब न मिलें क्या करेंगे हम खाने पीने के सिवा जीते मरेंगे हम ।
कृष्ण का है ऐसे प्रेयमवालोंको प्रणाम श्री कृष्ण मथुरा लेगया हमसे लिया आराम । ।

1.चाक चुन, चटुन ।

274 अबेद भक्ति — गूपियन हुंद व्यलाप

हमसे मोहननाथ ने कैसा किया है काम
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।
दर्दमंद-ए-इश्क को है क्या दवा से काम तशनये शोकश करे क्या रोगन-ए-बादाम
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।
दिल लिया दिलबर ने हमको कुछ न दिया दाम हमने आपही तख्त छेड भक्त है बदनाम
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।
कृष्णजी है आत्मा मन है बलजी राम मोह रूपी कंस मारे है सच्चा पैगाम
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।
मुक्त की चाहत नहीं है भक्त है निष्काम हमने आप ही छेड दिया नामोस नंग व नाम
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।
मन है लक्ष्मण बुद्ध विभीषण आत्मा है राम मोह रावण जल्द हटदे धर्म को प्रणाम
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।
भावना का दूध था क्या पुख्ता था क्या खाम कृष्ण को हरजा मिला क्या शहर था क्या गाम
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।
जब लडकपन से निकाला आशकों में नाम तब गदाई पादशाही है गवाह है आम
होश लिया पीने दिया बेखुदी का जाम ।।

275 प्रेम बँच कृष्ण अस्तुती

कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन
तुम हो मन और प्राण ले मेरा अंतहकरण ।।
क्यों न कहूँ तुम आत्मा हो क्यों न रहूँ मैं मनमग्न ?
क्यों न वृत्ति गोपियों से रास खेलोगे अभिन्न ?
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
क्यों न कहूँ मैं सब तुम ही हो क्यों न होजाऊँ शरण ?
कृष्ण भक्ति जमुनाजी में डुबादो मेरा मन
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
वृत्तियाँ हैं गोपियाँ तुम आत्म रूपी हो मोहन
आओ खाओ भाव का दूध दही शजर मखन
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
एक अनेक ठीक तुम हो तुम ही हो तीनों भवन
तुम ही हो पृथ्वी और जल पवन अग्नि और गगन
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
तुम ही साक्षात्कार हो सत् चित् आनंदघन
तुम करो सिद्ध अब मेरा श्रवण मनन निदयासन
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
क्यों न नारदजी बनूँ गाऊँ तेरा श्री कृष्ण गुण ?
शुकदेव और व्यास बनके ध्यान दारों रात दिन ?
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
क्यों न त्यागों राज बनूँ भरत सीता लक्ष्मण ?
अंजनी नंदन बनूँ गाता रहूँ श्री राम गुण ?
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
क्यों न बनूँ शिवरा सुनलूँ तेरे मुख से श्रवण ?
जंगली मेवा खिलाऊँ तुमको हो जाऊँ शरण ?
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
क्यों न बनूँ कुब्जा चंदन से मलूँ तेरा तन ?
क्यों न यह जो मैंने बोला यह है भक्ति का लक्षण ?
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
क्यों न यह जो मैंने बोला उसपर दयाकर भगवन ?
मुझको अर्जुन जानकर मेरे लिए विश्वरूप बन
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
पीते हैं अमृत धारा धोते हैं तेरे चरण
तुम हो मोह माया से न्यारा हम तुझे आएँ शरण
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।
हम नहीं कुछ तुम हो सारा हम तुम्हारा भक्त जन

अब सुनो समसाऱुसारा कृष्ण का प्यारा भजन
कृष्ण तेरे ध्यान में बन गया बस्ती को बन ।।

276 शांती दिथ बवसागरु तारु खॉतरु व्यनथ

कृष्ण तुमको में यह बिनती करता हूं बारम्बार ।
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।
धन की प्रय है मन है चंचल बन गए दुनियादार
पीछे साथी कोई नहीं आवे केवल तुम हो यार ।
काया माया सब है नाशी भ्रम है यह समसार
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।
सब प्राणों से तुम प्यारा हो सब प्यारों का प्यार
जो कुछ है तुम ही सारा तुमको जयजयकार ।
अंतहकरणों से न्यारा हो निर्मल निर्विकार
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।
तेरे मिलने की चाहत है और न कुछ दरकार
सब कामों में रहत देवो पाया तेरा दरबार ।
कथा श्रवण में सुख बख्खो मिथ्या है पखवार
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।
नित है शुद्ध चित् सत् पुरुषों का व्रत है ब्रह्माकार
उनके संगत के बरकत से हम हो गए उद्धार ।
साडे मुख से सब जीवों को पहुंचा दो अपकार
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।
ऐसी आत्म स्मरत देवो जिस से हूं उद्धार
संतों साधों का बनादो प्रेमी सीवाकार ।
कृष्णको शुद्ध प्रकृत बख्खो ओम तत् सत् व्यचार
मुझको शांती देवो लेवो भवसागर से पार । ।

277 मूह ज़ालु मंजु नेरु बापथ प्रार्थना

फंस गए मोहजाल में हम अब तुझे आएँ शरण
सार इस समसार में कुछ है नहीं चंचल है मन ।
सुख नहीं अयाल में हैं हम उदासी रात दिन
हम हैं ऐसे हाल में शिव नाम तेरा दुख हरन ।
क्या करे अब हमको काया मोहमाया और धन
हमको अब निश्कल बनादो जल्दी आवो मनमोहन ।
क्या बने देह चाल में अब दीजियो अनुग्रह अन्न
गम नहीं कुकाल में हम करते हैं तेरा भजन ।
सबको अंतकाल में अचित करो आनंदघन
कृष्णजी के हाल पर दयाल बन कृपाल बन ।
फंस गए मोहजाल में हम अब तुझे आएँ शरण
सार इस समसार में कुछ है नहीं चंचल है मन । ।

278 मूह मदु निशि बचनु बापथ प्रार्थना

राधे श्याम हरे कृष्ण अरे प्रभु गोपाल ।
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।
मेरा मन है जमुनाजी वृतियां गोप गवाल
वह है प्रेयम अमृत रूपी जल से मालामाल ।
उसमें नहाओ खेल बनाओ बालकपन की चाल
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।
देह भ्रम रूपी शेर को है मद से आंखें लाल
उसको पकडो खींचो बांधो मारो उतारो खाल ।
उस सिंह आसन के ऊपर अपना आसन डाल
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।
हम तुमपर अर्पण करते हैं तन मन अन्न धन माल
सब प्राणों से तुम प्यारा हो न्यारा हो अकाल ।
हमको मोह से मद से भ्रम से दुख से गम से ढाल
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल ।
क्या करे हमको मथुरा काशी गोकुल ब्रज नैपाल
साडे चित् नगरी में बसियो तुम हो दीनदयाल ।
भक्तों का तुम पालनवाला तीनों जग का पाल
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।
हम गृहस्त में फंस गए हैं काटे मायाजाल
केवल तुम्हारा आसरा है देख हमारा हाल ।
कृष्ण को शुभ दर्शन देवो लेवो अपने नाल
गोपीनाथ मखन चोर मदनमोहन लाल । ।

279 मथुरायि प्यठ गोकुल यिथ श्री कृष्णुन रास रचुन

मथुरा से बिंद्राबन में आया ।

राधा ने पाया मनमोहन । ।

गोपियों के भक्तिभाव ने सिर उठया	ग्यान योग निद्रा में था नंदलाल ।
राजगद्दी के आसन पर से जगाया	राधा ने पाया मनमोहन । ।
मीव मीव मखन जसुदा ने लाया	मोहन ने खाया भावना से ।
सब गोपियों ने भी उसको खिलाया	राधा ने पाया मनमोहन । ।
गोप-गवालों ने धूम मचाया	आगया गोकुल मे गोपीनाथ ।
अपने बाल-बच्चों को तब बुलवाया	राधा ने पाया मनमोहन । ।
कृष्ण चंद्र का सूरज मुख चूमा	चंद्रा ने रात दिन घूमा था ।
ललिता ने छती से उसको लगाया	राधा ने पाया मनमोहन ।
कैसे कैसे आपदा उसने हटया	दैतों के दुख से बचाया देश ।
ब्रजबासियों ने कृष्ण गीत गाया	राधा ने पाया मनमोहन । ।
अर्पण करते हैं अपना प्राण काया	अन्न धन मन मोह माया के साथ ।
तुम हो सूरज हम हैं छया	राधा ने पाया मनमोहन । ।
तीनों लोकों में था चर्चा घर घर	शंकर बन गया है गोपीश्वर ।
रास में कैसे उल्लास बनाया	राधा ने पाया मनमोहन । ।
कृष्ण ने राम भक्तों को समझाया	राम है कृष्ण कृष्ण शंकर ।
राग रंग में त्याग गुल खिलाया	राधा ने पाया मनमोहन । ।
कृष्ण कहता है हाय फंस गए हम	आ गया भ्रम अब कहां शम दम ।
आप ही करे हमको निर्माया	राधा ने पाया मनमोहन । ।

280 श्री कृष्ण सुंदर गवनेन हुंद वर्नेन

सभों को ले गया तन मन	जो हो मोहन तो ऐसा हो
हुआ वैकुण्ठ बिंद्राबन	जो नंदन हो तो ऐसा हो ।
वोही निर्मल वोही निर्गुण	निरंजन हो तो ऐसा हो
ब्रह्मानंदघन पूरन	सुदर्शन हो तो ऐसा हो ।
किया लक्ष्मी को आकर्षण	मनोहर हो तो ऐसा हो
बशक्ले द्वारिका सुंदर	उत्तम घर हो तो ऐसा हो ।
हुआ गोकुल से जब जाना	बहना हो तो ऐसा हो
कंस ने काल तब माना	जो होना हो तो ऐसा हो ।
हिलाना कोह खुश आना	उखना हो तो ऐसा हो
इंद्र ने तब ब्रह्म जाना	दिखाना हो तो ऐसा हो ।
शक्त मालूम हो जाना	निशाना हो तो ऐसा हो
ब्रह्ममाजी गोप गुण गाना	सयाना हो तो ऐसा हो ।
सुदामा यारे नव पाना	जो पुराना हो तो ऐसा हो
विभूती गर में ले आना	कमाना हो तो ऐसा हो ।
कई दिन कुल विद्या पाना	जो दाना हो तो ऐसा हो
यह माया है वही सारा	जो न्यारा हो तो ऐसा हो ।
जसुदानंद का प्यारा	कुमार हो तो ऐसा हो
लडकपन में फिरा बन बन	नजार हो तो ऐसा हो ।
कराना शत्रु ख्यय अरजन	सहारा हो तो ऐसा हो
कृष्ण चंद्र उज्वल रोशन	सितारा हो तो ऐसा हो । ।

281 यह लूक त परलूक सुदारु बापथ श्री कृष्णस कुन प्रार्थना

हम हैं सुदामा कृष्ण मुररी ।

आएं तेरे दरबार मे ।।

तुम हो दाता हम बिखारी	कैसी लचारी नादारी ।
सोचो हमारी दुनियादारी	आएं तेरे दरबार में ।।
दरिया सा तेरा लंगर है जारी	उसका करो हमको भंडारी ।
देखो हमारी अयालबारी	आएं तेरे दरबार में ।।
भ्रम में फंस गए हम समसारी	तुम हो दयाल सर्व उपकारी ।
इस नींद से अब बखशो बेदारी	आएं तेरे दरबार में ।।
ना हम जोगी ना ब्रह्मचारी	ज्ञान के भी ना अधिकारी ।
भक्ति देवो वह है सरदारी	आएं तेरे दरबार में ।।
सबको किया तुमने सर्व अधिकारी	अब आगई कृष्ण की बारी ।
खो दया की उमीदवारी	आएं तेरे दरबार में ।।

282 पनुन्य शरमंदुगी नज़रितल थँविथ प्रार्थना

भ्रम मस पीके मस्त गए हम	फंस गए मोहजाल में ।
कहां चलिया तुम हमको छेडकर	श्री कृष्ण ऐसे हाल में ।।
घरके कामों में हम फिरते हैं	चित् को नहीं कुछ चैन है ।
दुनियादारी में है ख्वारी	कुछ सुख नहीं अयाल में ।।
हमको शांती शम दम देवो	पड गए जंजाल में ।
कब है प्रसन्नताई मन को	अन्न में धन में माल में ।।
जिसको जितना है जंजाला	उसको उतना काला मुंह ।
सबसे रखो हमको निराला	अचित अंतकाल में ।।
चित् मन बुद्ध प्राण शांत बनावो	ईकांत के खयाल में ।
ऊर्द्धगत देवो उदोगत लेवो	मत मत रखो पाताल में ।।
मेरे मन को शांति बखशो	फिरफिर के फिर फिरने में ।
अज्योध्या ब्रज द्वारिकाजी मथुरा	काशी में नैपाल में ।।
टिकटिकी बांधकर आंखें रखो	श्री कृष्ण चंद्र ध्यान में ।
देह दृष्टि की चित् मत रखो	मुझको चकोरा चाल में ।।
कहां चलिया तुम हमको छेडकर	श्री कृष्ण ऐसे हाल में ।।।

283 राधायि हुंद श्री कृष्णस याद करुन

जागो जागो श्याम सुंदर योग निद्रा से भोग लक्ष्मी ने बुलाया है ।
आप मोहन को मनाया है उसने आइए बंसरी बजाइए आप ।।
सोलह सिंगारुं से राधा प्यारी ने सुंदर बनाया काया को ।
उठे उठे श्रीधर मुल्ली मनोहर भक्तों ने तुम को जगाया है ।।
महामाया में तुम निर्माया हो तुम सूरज वह छया है ।
तेरे आने से सब गोपियों ने धूम धाम धनधन मचाया है ।।
इंद्रावती ने चंद्रावती ने गम की घटा सब हटाई है ।
कैसे कैसे रंग से अच्छ बिछैना रेशम और शाल से सजाया है ।।
ब्रह्मा ने देवलोक ब्रह्मलोक वैष्णलोक साथ सब अपने लाया है ।
गोपीश्वर बनके शिव शंकर भी भेस बदलाया आया है ।।
ललिता सखी ने रास मंडल में कैसे कैसे रचना रचाया है ।
जो कुछ था दुख मोह माया भ्रम वह सब हम ने उखाया है ।।
चित् से बुद्ध से मन से प्राण से आप का ध्यान लगाया है ।
सब सखियों को हमने समझाया कृष्ण ने यह गीत गाया है ।।

284 लंका ज़ीनिथ रामजियुन अयोध्यायि वापस युन

अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है ।
जिन व इनसान रीछें बंदरों का खूब चर्चा है । ।
शह खरसाँ¹ शह मैमून² अंगद है फौज खुद लेकर
हनुमान व विभीषण लक्षमण व श्री राम सीता है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
अभी आए हैं लंका जीतकर और देखकर दशरथ
प्यारे रामजी के सबको दर्शन की तमन्ना है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
बरसते हैं फलक से फूल सीताराम के ऊपर
गुलों का देवतों के हाथ में एकएक माला है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
ब्रह्म ने रामजी के तन में अपना जलवा दिखाया
बिला शक रामजी में कुदस्ते कामिल हुवेदा³ है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
बिला शक मालिके कुल शकले इनसान बनके आया है
नहीं इनसान नहीं है नूर यह नूरे तजला⁴ है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
करे जो राम राम, राम उसको मूखीधाम देता है
सभों ने रामजी के नाम से आराम पाया है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
बगलगीरी⁵ को आए भाई तीनों मादर⁶ अपने
शत्रुघ्न और भरत कैकई सुमित्रा और कौसल्या है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
गुल अफशानी⁷ के लिए बैठे हैं सब लोग अपने बामों पर
वह धनधनबाद⁸ मंगल का सदा कानों में आता है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
जर अफशानी⁹ से करते हैं गदायां¹⁰ जेब व दामन पुर
स्वां दर्याये रहमत है बडे दातों का दाता है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
विश्वामित्र व वशिष्ठ व व्यास व शुकदेव और मुनीश्वर सब
श्रवण में उनके कथा भागवत और राम गीता है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।
अभी श्री रामजी आवे पकडकर हाथ लेजावे ।
कृष्ण वनपोह¹¹ के बनमें इन्तज़ारे वक्त रहता है ।
अज्योध्या में चलो देखो अजब कैसा तमाशा है । ।

Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

1. रीछ (ह्यपुथ); 2. बंदर (वांदुर); 3. ज़ाहिर (ज़ॉहिर); 4. बिजली; 5. गले मिलना (नालुमोत करुन); 6. माताएं (माजि); 7. फूल बस्साने (पोशु वर्शुन); 8. धन्यवाद (धनबाद) (धनभाग्य); 9. अशरफियों का बस्साना (मोहर वर्शुन); 10. भिखारी (बेछुन्य); 11. गांव का नाम जहां राजदान साहब रहते थे (राजदान साँबनि गामुक नाव) ।

285 काल निशि बचन बापथ प्रार्थना

काल के डंड से हमको बचाओ ।
रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।
ना झूठ कहने का ताकत रखो नित रखो हमको उत्तम विशेष ।
सत् चित् आनंदघण बनाओ रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।
अंधकार रूपी शत्रां ह्यओ चित् बुद्ध बनाओ गौरी गणेश ।
शांती काशी में बसाओ रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।
घर का राग द्वेष सब ह्यओ कुछ मत रखो वासना की लीश ।
शांत करके ईकांत में पहुंचाओ रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।
चित् फुर्ना परम शम में डुबा दो अचित बनादो वह है उपदेश ।
निर्वासन आसन पर बिठ दो रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।
मया की वार्ता सब समझा दो जब कुछ नहीं क्यों है राग द्वेष ।
शिव निर्वासन सागर में डुबा दो रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।
काल के मुख से मत घबरा दो कृष्ण को ह्य दो संकट क्लेश ।
शक्तिपात से अपने साथ ले जाओ रूप दिखलाओ तुम हो महेश । ।

286 बक्ती व्पासना - बीलनी शिवरा तु श्री राम सुंज वार्ता

भीलनी का झूठ मेवा रामजी ने खाया ।

उत्तम पाया प्रेम से ।।

भक्तों का प्रेम सब को दिखलाया	रामजी को किस चीज़ की है चाह ।
व्रत धारियों का संदेह मिटाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
राजधानी छेडकर बन में आया	सच मान कर बाप की आज्ञा ।
ऐसा सतोगुण देवताओं ने गाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
दशरथ ने सब भेज कर बुलवाया	रामजी ने शहर आना न माना ।
बन गए माया में निर्माया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
सब देवतों ने चित् में समाया	कैसी थी सीता पतिव्रता ।
सूरज के साथ फिरती थी छया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
श्राद्ध किया पित्रों को गंगा में नहाया	आप ही होके ब्रह्म अवतार ।
हम को भी ऐसा करना फरमाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
बढे प्यार से जटायन की काया	जला दी सच्चे मार्ग से ।
धर्म कर्म करना सब को सिखलाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
लक्ष्मण भरतजी का प्रेम बढया	ऐसे ही भाई होने चाहियें ।
सुग्रीव को मित्रभाव दिखलाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
एकदम में दुम से लंका जलाया	कैसा था पवनसुत सीवाकार ।
रामजी को सीता का हल सुनाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
इंद्रजीत और रावण को उखाया	दे गए विभीषण को लंका का राज ।
मंदोदरी का पत बनाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
लंका जीत कर अज्योध्या में आया	सब को दिखालाया श्री राम रूप ।
लोगों को परम धाम में पहुंचाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
कृष्ण ने द्वैतभाव मन से हटाया	राम को जाना परम आत्मा ।
राम का नाम ज्ञान योग में लाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।
राम राम करके आसन बिछया	चित् में लगाया राम का नाम ।
राम नाम शिव शंकर को भाया	उत्तम पाया प्रेम से ।।

287 दर्शन बापथ प्रार्थना

छेड़ों परहेज़ संजीवन का दवा कर मुझको
हिज़ का दर्द है मिलने का शफा कर मुझको ।
नब्ज़ पर मेरे तुम अब दस्ते शफा अपना रख
जो है तलवासे जिगर इससे छुड़ाकर मुझको ।
डक्टर बनके मेरे दर्द-ए-दरुनी पूछे
फाका देदे के अब मत जोरोजफा कर मुझको ।
बाग-ए-रहमत से मुझे ले दे तू लताफत की बू
जिस्म व दिल रुह दिया गम चू सबा कर मुझको ।
मुझको दरकार नहीं राज न यह तख्त न यह ताज
मैं हूँ मोहताज-ए-शफा आज दवा कर मुझे ।
मुझे शत्रों ने बहुत तंग किया घर लिया
तुम हो मित्रो-ए-मित्र उन से रिह कर मुझको ।
मैं हूँ कम बख्त मुझे आती है बहुत सख्ती पेश
ले खबर मेरे अब सब कष्ट दफा कर मुझको ।
खाने पीने का वह दे हुकुम जो चाहूँ खाऊँ
क्यों रहूँ सुस्त रखो चुस्त बनाकर मुझे ।
मेरे खातिर का चमनज़ार शगुफता होवे
एतदाले असर से आब-ओ-हवा कर मुझे ।
मैं हूँ रूहानी व जिस्मानी कसाफत से अलील
बिस्तरे गम से उख करके सफा कर मुझको ।
या मैं बेदार रहूँ नींद करूँ या कि पढ़ूँ
मेरे चित में रहो सब करना स्वा कर मुझको ।
ज़िंदादिल रखो वही ज़िंदगी-ए-जावेद अस्त
ध्यान में मग्न रखो अमृत को पिलाकर मुझको ।
गुलशने खदमते आज़ाद तबां में चूँ सर्व
रखो इस्तादा बयक-पाये बसाकर मुझको ।
दस्त व पाये हमअ याराने इस्म चूमूँ मैं
रखो सस्सब्ज़ सुर्ख रूए हना कर मुझको ।
सफरी जामा में है हुबि वतन दामनगीर
शहरे आराम से कभी मत जुदा कर मुझको ।
खाने पीने में और नियामते गोनांगू में
रखो हस्दम तोता याद करकर मुझको ।
शखते वस्ल पिला ताकि सदा मस्त रहूँ
ज्ञान योग रस में मिला पास बुलाकर मुझको ।
जेहवा व हवस व देरे व आलम सेर करो
तारिक अज़ अफसरये अर्ज़ व समा कर मुझको

में बलगता¹ हूं नज़र रख के तेरे आने पर
आओ श्री कृष्ण अभी वादा वफा कर मुझको ।
छेड़ों परहेज़ संजीवन का दवा कर मुझको । ।

1. इंतज़ार कसना ।

288 दीवियि छ काँशुर ज़बान स्यवह वँठ - इज़हार

वनय दीवीयि छ्य काँशुर ज़्यवुय वँठ
पसन वाल्यन तु बोज़न वालिनय प्यठ
हसन छ्ख द्व्ख करन बरकत गरन छ्ख
ग्यानुच बक्तिबावुच वँन्य मे लीला
कनन छ्म गछ्म संतन तु सादन
मे संतन सुत्य थोव न्यथ सत् समागम
तथ ईकांतस अंदर ओसुय च़े कुस ब्याख
च़ु संतय रूपु छ्ख ऑसिथ न्यराकार
दिवान छ्ख मूह रूपी राखिसन मार
मनशन येलि सत् तु पशि बाव म्वख छु ह्यवन
मलिन ब्वद येलि गछ्म छ्ख छि डलन लूख
लगय सादन तु संतन पॉर्य पॉरी
लगय संतन तु सादन पदमु पादन
लगय संतन तु सादन ग्यानु न्यँत्रन
तमाशा छिस वुछ्म लोबकुन थँविथ मन
अदर्मुच लूब लंका ज़ालुवुन्य छि
करुन्य च़े शिव शंकरु आस्ती छ्म

पस्ख बोज़ख च़ु तेलि काँक्सि गछ्खि काठ
प्रसन गछ्म छ कासन सर्वु संकट ।
यि माता पोत्र ज़ॉनिथ प्रय बसन छ्ख
बनॉवुम छ़ेट बँड्य ऑसिथ दँलीला ।
ह्यनम तिम दाद सुत्यन व्यच़ार नादन
तिमय युथ बोज़नम मंज़ूर करनम ।
च़ु संतय रूपु किन्य नोन ज़गतस अंदर द्राख
सतुक अवतार छ्ख बोयनय नमसकार ।
श्रवनु सुत्य छ्ख करन बवु सागरस पार
च़ु संतय रूपु छ्ख अदु मूख्य दावन ।
सत्कि ज़लु छ्ख छलन अदु छिख चलन शूक
च़ु छ्ख तिम बोज़तम कन दॉर्य दॉरी ।
च़ु छ्ख तिम बोज़तम व्वन्य लोलु नादन
अट्लु डलु यूगुक्यन पम्पोशि पँतसन ।
छ बाज़्यन मोज ह्यवन बाँज़्यगारस
छि च़ालन स्वख तु द्व्ख त्रॉविथ तम्युक ग्वन ।
विभीषण सत् स्वबावुक पालुवुन्य छि
करुन ह्योत सत् समागम कासतम ब्रम ।।

289 समसारु म्वक्ती बापथ प्रार्थना

ओम सत् च्यत् आनंदु कंदु गोविंदु न्यरद्वंदु निस्पंदु वंदुहय पान ।
नादु ब्यंदु परस्मानंदु स्वछ्यंदु च्येय चरनारु ब्यंदुनुय वंदु मन प्रान ।।
कास अग्यान बास सनिदान छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
दय छुख तु म्प्रेत्यंजय छुख तु लय कर च्यत् फुर्नी सॉन्य अमि यमि सान ।
वासनायि ख्यय कर ज्यत इंद्रेय कर दिथ मनोजय कर न्यरअबिमान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
ममतायि कर ग्रास गरु कर वनवास व्रत सॅन्यास अंतलास पॉसन ।
दिथ व्यकास ब्रम कास व्वदास छुस बो दास आस पास बास आस रास खेलान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
समसारु ब्रॉती, शांती दिथ कास आत्मु वैश्वास थव स्वय छ ब्रह्म ज्ञान ।
प्रथ श्वास उश्वास खसु वसि होशि हेरि अचि नेरि अंदेरु मंजु तीजुवान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
देह सेतास्स इंद्रेय कनुनुय तारख कनि गंडुनॉविथ प्रान ।
अंतहकरनन हंजि जेवि उदुगीत सामु स्वरु ग्यवुनाव शिव न्यर्वान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
कें ह नु ऑसिथ शिनि मंजु व्वपदोवुस रायि चानि बनोवुस इनसान ।
रागु जामन चटु त्यागु दामन रटु पॉरुनावु तिवरु वैरागु सामान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
ओरु आय कें ह दोह योरकुन गछ्छनम वति प्यठ कोडमुत छुम प्रस्थान ।
चुय सहाय रोजुम पोत्रय तु म्यत्रय त्रॉविथ गछ्छनम शिनि मॉदान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
शाह पाह ऑसिथ देह दोर मानुन सुय गछि ज्ञानुन बोड नादान ।
परिवारु मंजु सुत्यु दर्मुय योत पकि नेश्कामु कर्मुय दिथि परमुथान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
माजि हंजि ल्वलि मंज पलि क्याह ओसुय कॅम्य द्युतुय देह च्यत् ब्वद मन तु प्रान ।
यी पज्या सुय वुनिक्क्यन मॅशरावुन कें ह नु आसिथ हावुन अबिमान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
कोम्बी पाकु क कें ह नु याद पावुन थ्यक्नावुन छुस बोड बागिवान ।
व्वतम क्वलुकुय नाव मंदुछवुन त्रावुन दर्म कर्म यूग ग्यान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
परोपकारु निशि अथु पथ थावुन दनु कमुनावुन बडि छलुसान ।
ख्यथ च्यथ त्रावुन पान व्यॅठरावुन कलु गिलुनावुन छुस बलुवान ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।
पॅट्य पशमीनु फरशा वथरावुन मूह न्यॅदरे मंजु सावुन पान ।
अॅदरी मल न्यॅबरी देह नावुन गॅजरावन छुस बोड खानुदार ।।
छुख दयावान सर्वु शक्तीमान ।।।

जलसुय येम्य यिछ शकला दिचुनय पांछ त्वत् चाने बापथ व्वतपत छुख दयावान सर्व	अकला दिथ कोरुनख रूपवान । तैम्य कैर्य युथ रोजख स्वखसान ।। शक्तीमान ।।।
मूह मस च्यथ छुख यश थ्यकुनावन सोकृय वैशव छ्य प्रैतिशव छुख दयावान सर्व	प्रोवमुत छुम लूकन मंज मान । मान तिमुनय शूबि यिम छि प्रदान ।। शक्तीमान ।।।
कायायि स्वख द्युन पथकुन द्वख छुय सतुचिय थ्यथ थव सुय महामत छुय छुख दयावान सर्व	संतोशि व्रँच प्रावख कल्यान । व्रत छुय श्वद च्यत् व्वपदावान ।। शक्तीमान ।।।
अस्त्वत कैस्थिय तस मॉलिकस कुन दयिगत मॉनिथ ज़यि स्वस्त बन छुख दयावान सर्व	येम्य नु शिनि मंजु हेल कोरुय कांह तान । कर न्यर्मल बोज नाग लयि मंजु श्रान ।। शक्तीमान ।।।
व्यवहारु बागस यशि फुलया लँज व्वदासीनुवत सँन्यासु व्रँच हंजि छुख दयावान सर्व	गरु ख्यूबु वावय छि बरु सपदान । ईकांत थरि शांत फल छि नेरान ।। शक्तीमान ।।।
गर्बस अंदर कलु ओसुय व्वनकुन कर नेरु न्यबर परोपकार करु छुख दयावान सर्व	जंगु ह्योरकुन ओसुख गँजरान । दयु नावा स्वरु दरु हरु दान ।। शक्तीमान ।।।
वनतु परदीसिया कति प्यठ आख यथ ज्ञान कर येतिक्यन सत्प्वरुशन सुत्य छुख दयावान सर्व	ब्रमुदीशस मंजु छुख अनज्ञान । प्रावनावनय तिम आश्चर्य थान ।। शक्तीमान ।।।
यथ अनिर्वचनीय अनादि मायायि तेलन वाल्यन च्युय छुख मेलन छुख दयावान सर्व	तेलन तेलन गँयि हँरान । न छि आबॉदी न छु वीरान ।। शक्तीमान ।।।
सकामु कर्मु खरि अनतम मु कशनुय ब्रमु सुत्य युन गछुन ज्योन मरुन छु मशनुय छुख दयावान सर्व	कँश्य कँश्य पतु छ पशनुय जान । पशिनय हुंद ह्युव थाव मु गुजरान ।। शक्तीमान ।।।
कँह नु येलि छुस अदु कथ प्यठ मद छुम जीवतुक सर्व आहार अश्वद छुम छुख दयावान सर्व	चारिरुक हद छुम छुस ह्यवान । जामना द्रामुना छुस करान जान ।। शक्तीमान ।।।
सूखिमस प्यठ छुस साता वैकन मूर्ख बोज हुंद वस्त्र नालु कडतम छुख दयावान सर्व	छुम पतय देह ब्रम म्वख हवान । कँड्य ज़ालु मंजु कडतम दामान ।। शक्तीमान ।।।
ख्यतु-खे कैर्य कैर्य क्याह छुम प्रावुन सर्व आत्मु बावु अनुग्रेह बूग बूगनाव छुख दयावान सर्व	ख्यमुनु तु छुम होखरावुन पान । ख्यमु चमु ह्यमु दिमु समु द्रेशत्सिान ।। शक्तीमान ।।।
व्वद म्यॉन्य रँटमुचु छ व्यवहारु ख्यूबन यिमनु वैशय बूगन प्यठ छि लूबन	थ्यत प्रैग्यन्यन सुत्य करु क्वसु मान । तिमुनय छु शूबन द्युन व्याख्यान ।।

छुख दयावान सर्व शक्तीमान । । ।
आत्मारामु चानि रायि व्वपायि सुत्य लायि मूह मदक्यन राखिसन कान ।
शाँती सीतायि मनु लक्षमणसुय दर्मु वनुसुय मंज्र दिम वरदान । ।
छुख दयावान सर्व शक्तीमान । । ।
सतुकिस कुलिसुय सतुकुय ब्योल जेवि सत् ब्यॉलिस छु सत् कुल व्वपदान ।
कुल जगत फोलमुत सतुकुय कुल छुय रंगु रंगु फुलया छस शूबान । ।
छुख दयावान सर्व शक्तीमान । । ।
तनि मंज्र प्रान थव चेनुन ब्योन कड ग्रेहनु मंजु नोन कड सिरियि भगवान ।
गाश दिथ वोन दिनि जगतस ओन कड नोन कड पुस्थि समु द्रेशट थान । ।
छुख दयावान सर्व शक्तीमान । । ।
सादु सत्संगुचिय प्रय बरुनाव हर हर जनमा-जनमन हुंज हान ।
सर्व आत्म बावु ग्यानु यूग स्वस्त थाव मूख्य दिम नाव छुम कृष्ण राजदान । ।
छुख दयावान सर्व शक्तीमान । । ।

290 अद्वैत बक्ती (ग्यान-बक्ती) मेलनु बापथ प्रार्थना

छुख मुख्य दाता पानु चय
यी गछि आसुन ती मे दिम
सनम्वख यितम सोरुय नितम
बक्ती दितम बक्ती दितम
मँस्ती होशस ह्यथ मंगय
बक्ती क्वंगय जाय रंगय
मूहकिस जिनिस दजुन स्वबाव
बक्तियि हुंज रेह प्रजलाव
ममतायि लंका जालतम
श्रीरामु मूह मद गालतम
शक्ती तु म्वक्ती शूबि च़ेय
बक्ती दितम बक्ती दितम
छुख बीदु रोस्त शिव कृष्ण राम
प्रारान छुस च़े निशि यिनस
मेथ्या पदार्थ क्याह मंगय
शांत गछु अदु सुत्य सत् संगय
वाँसा गँयम मेथ्या वनन
छुस लूबु फल पेहनस अनन
करुनावतास्स च़ेय सोस्थि
पास्स बनावुम शँसतुस्स
छुय मे क्याह च़ारुन छेत कुहुन
छुम अरुसख रोस्तुय लूहुन
काया छ म्याँनी द्वारिका
मंगन सुदामा छुस बेख्या
यी गछि आसुन ती मे दिम

केवल सतुक व्यचार दिम
यूगुक ग्यानुक सार दिम ।
द्युतमुत यि छुय फीस्थि ह्यतम
बक्तियि हुंद दरबार दितम ।
मतु नचुनावतम दिथ बंगय
सुय रंगनुक व्यसतार दिम ।
चुय ग्यानु रूपी अँगुन हाव
अग्यानु शोस्स नार दिम ।
बावुक विभीषण पालतम
यथ बवुसस्स तारतम ।
मन क्याजि तथ प्यठ लूबि मे
बक्ती मे बारमबार दिम ।
आसन कँस्थि प्यठ परमु दाम
जल्दुय मे व्वन्य आंकार दिम ।
तिम बूग्य व्वन्य आय टंगय
यिछि बखुच हुंद आचार दिम ।
क्रय कस्तु रोस्त छ कँह बनन
व्वन्य ग्रट्टचिय अनवार दिम ।
तारुम मे तारस्स थफ कँस्थि
नास्स कँस्थि गुलजार दिम ।
छुम मजु प्रथ बूगस चुहुन
शोमस्थि मे इंद्रेय द्वार दिम ।
चुय छुख कृष्ण परम आत्मा
सर्व ऐश्वरी यकबार दिम ।
यूगुक ग्यानुक सार दिम ।।

291 शाहस्स मंज श्रदायि हुंज कॅमी वुछि रजदान साँब वनपोह यिथ फस्मावान

ब्रौठ प्योम तुलमुल मंजु मंजगोम ।
कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।
न्यथ सत् संगु स्वस्तु मन म्योन न्यूथ कतक् पोशि रंगु स्वस्तु मन म्योन न्यूथ ।
कोमलु अँगु स्वस्तु छुख गेश्योम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।
गँज मे द्वर्गत चँज मे हन तनु प्यठ द्रास बो बोड बागिवान ।
राजु हमसु सायि चोन यनु प्यठ प्योम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।
चानि पूर्णायि सुत्य छ्वचरुय मे चोल त्रपती मीलित्थ बूग लूब गोल ।
नेशकामु कामदीनि दामु द्वद मे चोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।
मथुरायि मंजु कोत वसुनुय छुम लूक् हुंजि जेवि प्यठ खसुनुय छुम ।
ब्रज गामस मंजु बसुनुय प्योम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।
सुत्य सुत्य गूर्य बालकन नेरु ना कामुदीनु वॅछ्य र्छ्ने फेरु ना ।
वुल्टु शाहस्स मंजु छम क्वसु कोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।
बक्ति बावनायि हुंजु थॅन्य र्ख्यमुना बावु थनु तलुकुय द्वद चमुना ।
शाहरु मंजु प्रेयमु द्वद छुम ओम ज़ोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।
म्यानि श्रदायि क्वबजायि हव म्वख राजस प्रौर्य प्रौर्य लोगमुत छु द्व्ख ।
कामु कूदु कमसु रूपु मन कर मे मोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।
त्रन कूर ग्रेहदन लॅजमुच्च छ ठ्वल पुंघिमिस तु नॅविमिस कस्तु न्यखल ।
कृष्णस बोजु प्यठ थोद तुलतु बोम कनुनुय जय मुकुंद जय मुकुंद गोम । ।

292 प्रार्थना (111 बंदन मंज)

- म्वक्तु हारस थोद करुम म्वल प्वख्तु खँरीदार मे (1)
बावु म्वखतस खोट मु करुम स्यजरुकि बाजार मे (2)
चोन सन्यर छुनु गँजरुन बावु म्वक्तस लयि क्याह (3)
आसि युथ त्युथ रुत छु मानुन मॉल बरतम वारु मे (4)
छेच प्रकरुच हंगुन्य म्याँन्य लोच छ मंज बवुसागरस (5)
आत्म बूदकि रूदु थव सुय म्वक्तु सुत्य ग्वबि बारु मे (6)
बवुसागरु खारतम बोठ हारतम द्वख ही प्रोबू (7)
दारतम अवतार केशवु तारतम यमि तारु मे (8)
युस मकामा ख्वश यियिय कल्यानु पुछि सुय वायतम (9)
ज्यव पनुन्य दिथ ग्यवुनावतम जॉन्य छेच सेतारु मे (10)
युथ छ्वचर करि बूद हरशस प्वख्तु आसुन सूद क्याह (11)
डलिमय स्वर कनुदँर ह्यम गंड चु हरशिचि तारु मे (12)
तपु रेश्यव तपु कैर्य कैर्य पनुनिय पान म्वकलॉव्य (13)
लूख ह्यथ दिम परमु स्वख छेच शब्द बोजुम वारु मे (14)
जंगलस मंजु क्याजि चलु थवु वयखँरी मंगल खँत्थि (15)
मुश्क चोनुय नोन छु बक्ती हुँदि चंदन दारु मे (16)
गोख सीतारामु जंगल दीशिक्यन कुस हर्षी वोट (17)
छिय ग्यवन ग्वन चॉन्य सॉरी हव म्वख दुबारु मे (18)
पननि कम कोमुक मे छुम गम कासतम तु ख्वश आसतम (19)
राजस सान दीशि स्वख दिम सुत्य ह्यथ परिवारु मे (20)
बडनस कुन मँत्य छि सॉरी रुशि रोस्त छुख मिलचार (21)
पननि कोमुच शूब वुछि छ्य वसन अँश्यदारु मे (22)
म्रेति विजि छिय वान वननु सुत्य यमुकँ कर पथ चलन (23)
छुस वनन लूख ह्यथ सॉरी मुख्य हुँद कर चारु मे (24)
कर क्रपाद्रेष्ट ज्योतिरूप हव दजनुक असि क्याह छु गम (25)
जन कुं दन स्वन चमकाव कड ग्वतुख्यथ मंजु नारु मे (26)
सुबह दम फोल जगतस फितनुच फसादुच गटु चँज (27)
श्यामु स्वंदरु दीशि स्वख मॉंग चानि बडि दरबारु मे (28)
द्वय च्छे पम्पोशि पादुच प्रेयमु हीय थव मुश्कुदार (29)
श्रेह बैस्थिय आरुवल जन पवलुनाव मंजु आरु मे (30)
समसारुचि बाजि मंजु जेनुन तु हारुन छुय वेखीफ (31)
हारुनावतम मतु दर्मुक दनु समयिकि जारु मे (32)
करुवुन्य पनुन्यन मतन तोता बेयन नेंद्या करुन (33)
सास्त्रिय हुँद कर्म तल थाव पननि थदि आचारु मे (34)
व्वश चलनम रोजु कस मोहताज बेखिकिस दातु बन (35)
वॉस सॉरुय वारु नेर्यम कुस दप्यम लाचारु मे (36)

- दार कांह आकार पूजत बनू सीवाकार चोन (37)
 हव दर्शुन चाव अमर्यतदार गंगाधारु मे (38)
 अर्थ एकोअहं बहुस्यामुक¹ छु कुन बनहौं स्यवह (39)
 बँडरावुम कोम क्वल थाव दीशिबॉय ह्यथ वारु मे (40)
 छुस बो ज्ञानान आसि ईश्वरु नीती बँडरुन जगुत (41)
 मे ग्रेहस्तिस दूशु स्वस्तिस रछतु मंजु व्यवहारु मे (42)
 नारदन हौव प्रजापतुन्यन शुर्यन वॉरागु वथ (43)
 ग्यानुवानस शाप पूर्या छु पछु यिथि कारु मे (44)
 ग्वगरिस मंजु हगुरा ह्युव बोलि रोस्त मतु थावतम (45)
 पोशनूल ज़न बोलुनावुम कृष्णु बडि अवतारु मे (46)
 त्युथ मे शॉही ज़ोर दिम युथ माथ करु कोमन बेयन (47)
 बाँतिनी पाँठ्य वयखँरी हुंजि ननि किजि तरवारि² मे (48)
 दीशु स्वख यिम मंगन तिम छि दर्मुक्य आफताब (49)
 चलि नगरस गटु व्वन्य केंह कृष्णु चँदु यारु मे (50)
 दनि³ मंजु येलि दीवु ग्वर⁴ यिथि सारिनुय बनि मिलुचार (51)
 वयखँरी विगिन्यव यि वोन बोजु हुंदि स्वंदरि नारु मे (52)
 छ्वपि सुत्य क्याह वाति लूकन दीवु वॉनी स्वख दियख (53)
 तोति दपन दीशिबक्त दीशु सीवाकारु मे (54)
 श्रुच व्वतम बूग बूगव स्व छ ईश्वरु नीती (55)
 हुकुम सतुक मानु ख्यथ चथ कुस दप्यम नाकारु मे (56)
 मजु त्युथ बूगन दितम युथ छुनुनुय तालस थिवित⁵ (57)
 दयि सुमरँचसान बूगिथ कुस दप्यम बदकारु मे (58)
 ज़्योन मरुन क्याजि मँशख येति रोज़व कूत काल (59)
 युन गछुन कोनु याद पावख यिथि ब्रम बाँज्यगारु मे (60)
 दर्बि तुजन प्रय मे बँरुम वीरि दर्मुक ज़ोर दिम (61)
 ह्यथ अहिंसादर्म थावुम सुत्य पर व्वपकारु मे (62)
 छ्यतु करतम देहचिय रेह च्यतुकिन्य थवतम उदार (63)
 थ्यत प्रेग्य ज़्यत् इंद्रेय थवतु सुत्य ह्यतकारु मे (64)
 त्युथ बहेस्वख मेति थाव युथ पानु द्रामुत छुख न्यबर (65)
 युथ न्यँबरु अँदरु च्छुख त्युथ थवतु न्यारकारु मे (66)
 छायि मुंडचि रायि कनि अँजदर तु जिन पेशाच बूत (67)
 छुख थ्यकन शाहमारु लँट्य समसारु भूतीमारु मे (68)
 अँगु न्यँत्रु ज्योति रूपु ज़ालुम सर्वु पाप (69)
 देह ब्रमस बसमु करतम वारु भस्माधारु मे (70)
 यिनु चाने जिंदगी लबु वारु वनतम प्रारु कूत (71)
 आरु बँर्यते मारु मते मतु करतम मारु मे (72)
 यस दिचुथ वॉरागु प्रकरत तँम्य ज़गुत मोन ब्रह्म रूप (73)
 लबिकनि ब्यूठ वननि लोगु क्याह नेरि मंजु पखिवारु मे (74)

- येम्य ग्रेहस्तुच ममता त्रॉव न्यखासन⁶ थ्यत प्रॉव तॅम्य (75)
येम्य ग्रेहस्तन संतु प्रय बॅर दर्म वुछ तमि दारु मे (76)
मे प्रकाशुक जामु वल न्यस्मल मे थव आकाश ह्युव (77)
छुख दिगम्बर च्युय मे गम हर ही अगम्य अपारु मे (78)
मेघवर्ण नाव छुय प्रकाशि शब्दस प्रजलाव (79)
अमर्यत आकाशि प्यठ त्राव चाव म्वख वारु हाव मे (80)
शिन्याहस प्यठ जाय छम प्रकट बननुच मे राय छम (81)
सिरियस सुत्य छय छम न्यथ थवत तीजाकारु मे (82)
कथ छमनु वारु फोस्न अथुकिन्य आँदीन छुस (83)
यूगु ग्यानु अरि जुवसान लदतु अन्न दनु द्यारु मे (84)
यावनुक बल म्योन सोरुय चंच्यल गव फिकरि सुत्य (85)
त्वक्चारु गोम चारिस्स मंज बुजस्स कर चारु मे (86)
यूगु ग्यानु द्यानु स्वस्त थाव नेशकल अग्यानु रोस्त (87)
शिनिकिस शिन्यस दप्यम कुस अदु दुनियादारु मे (88)
ग्यवनस मंज वुमुर गुजस्थि कूत चोलुम स्वख तु द्वख (89)
स्वखुसान निम ग्रेतिविजि सेदि म्वखु यमि समसारु मे (90)
कारु कैर्यकैर्य करनु रोस्त थाव स्वरुनस मंज स्वरुन रोस्त (91)
दीवु ग्वन दिथ जीवुबावस हार मंज व्यवहारु मे (92)
रंगुरंगय दीवु माँनिम ईक छुख परम आत्मा (93)
दीवु साँरी हवतम नॅन्य शब्दु मंज ओमकारु मे (94)
दिवताह प्रकरुत मे थाव थ्यत थव मे न्यथ संतन हिशिय (95)
सत्तु मौचित पथकुन अच्यत् थव व्रत ब्रह्म आकारु मे (96)
जिंदु दिल वुछ म्वर्दु बसतन मंज तु कोर संतन प्रनाम (97)
मंज ग्रेहसतन कारु कैर्यकैर्य लूब वॅस्यतन पारु मे (98)
शाँती हुंद हवतम म्वखु श्वद च्यत् न्यथ थावतम (99)
सुत्य श्रवनु मननु निददयासनु साख्यातकारु मे (100)
करुनावुम प्रथ अँकिस प्यठ दर्मुकिय ग्वन दिथ दया (101)
रोजतम अँदुर्य न्यँबुर्यकिन्य सुत्य परोपकारु मे (102)
त्वक्चारुस बुजस्स मंज यावनस कॅड्य पांच दौह (103)
ग्यवुनस मंज गिंदुनस गुजरॉविम दौह तारु मे (104)
दौह अकि खँत्य शंकराचारुस तु ह्योत रतस ग्यवुन (105)
विगिन्यव ह्योत रोव करुन ती बूज मंज गुपुकारु मे (106)
छुय समय आँदीन सोरुय कृहनिस छेत रंग लोग (107)
वालवुन कोफूर ओबराह वोथ तु खोत कोहसारु मे (108)
ग्योव मे रतस सुबह फोल खोत सिरियि दौह ह्यथ वोय साज (109)
शामस यितु कृष्णु चँदु ह्यथ नबुचे तारु मे (110)
म्वखतु हास्स थोद करुम म्वल प्वखतु खँरीदारु मे (111)

Bhajan Mala: Devotional Songs by Swami Krishna Joo Razdan

1. ँकोअहं बहुस्याम; 2. निहयत कमजोर (जनति लँकरि किज ह्रिष तलवार); 3. धनु रश ; 4. बृहस्पति देव; 5. मुँह में; 6. सतुचिय ।

293 ग्यान मंगनु बापथ सत्गोरु महाराजस कुन प्रार्थना

अज सॉन्य व्यनती सत्ग्वरु सादय ।

कुनिय नादय बोज़ ॥

रातस गँज्रयम नबुचे तारय	कृष्ण चँद्रे येति प्रारय कूत ।
श्यामु रूपु सुबह फोल यिनु डलि वादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
वेग्यानु खु ¹ चूरिमि पदमु पादय	च्यत् बोम्बूर सोन व्यूर ह्यथ द्राव ।
गीत गेवि चानि सत्संगु समवादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
मायातीतु अंतु रस्ति अनादय	कुस अखा चॉनिस अंतस वोत ।
ही अगम्य अपारु आदिकि आदय	कुनिय नादय बोज़ ॥
मंजु चानि मायासागरु व्वतपत	छि गछन ब्रह्मांड बुद बुदवत ।
अवतार कारुन दीव अगादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
द्व्यत् अबलक चोल कोत पकि प्यादय	सेजि वति क्वछि क्यथ रोन पकृनाव ।
छुस पथर प्योमुत करुम इसतादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
व्वनमत बूताह छुय जगत गोमुत	तथ मंजु प्योमुत छुस बो अनजान ।
स्वव्यचास्स वातु चानि प्रसादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
पानय सोरुय छुख व्वपदावन	कलु गिलुनावन छुस बोति कांह ।
पथ ह्यतु यिथि ब्रमु के अपरादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
मेघुवर्णु रछ्तु व्यवहारचि त्रेटि मंजु	ग्रेहस्तु गटि मंजु नोन हाव गाश ।
अमर्यत चाव प्रेयमु शब्दु आह्लादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
म्यानि बक्तिबावनायि हुंदि प्रह्लादय	सर्वु आत्मु बावु समुद्रेष्ट प्राव ।
स्वख द्वख सम जानु मंजु कम ज्यादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
व्वदि यूगु होशि गछि जीवुबाव मशुनुय	पशुनुय अदु चलि द्वन आलमन ।
यिथि मशनु तु यिथि यादकि यादय	कुनिय नादय बोज़ ॥
अनुग्रेह चानि सुत्य बूग ब्रोंठ यियतन	कृष्णस पेयतन बूगुन्य तिम ।
ईकु स्सु ह्यस दिस तालकि सादय	कुनिय नादय बोज़ ॥

। सिरियि ।

294 मायाजालचि प्रवरँती बदलु न्यवरँती मंगुन्य

संकट कट अथु रठ दयालय ।

चठ सोन मायाजाल । ।

वोलमुत छुम अमरु कालय ब्रमु कालु सरफन नाल ।
म्वकलाव चलनम कालनि जालय चठ सोन मायाजाल । ।
तापु रोस्त तरु पवजि संगरमालय खसुनस छुम बोड बाल ।
नेशब्द व्रद छुस दिमु कमु छलय चठ सोन मायाजाल । ।
शक्तिपातु सुत्य बेखिकस मे कर क्रपालय दातु बन छुस कंगाल ।
जीठिस मँजिलस वातु कमि हलय चठ सोन मायाजाल । ।
अख अँछ नादह करतु श्यामलालय अशि सुत्य बैस्थिय छिम लाल ।
नॉल्य छुनुहँ बक्ति म्वख्तु मालय चठ सोन मायाजाल । ।
नेरुहँ मंजु गरिके जंजालय टैठ छुम अन्न दनु माल ।
तँथ्य मंजु थावतम त्यागु खयालय चठ सोन मायाजाल । ।
हवु कुचाह देह ब्रमचे चालय कॉल्य मा म्वख हावि काल ।
सिखिम¹ थूल² म्योन रठ क्याह बो संबालय चठ सोन मायाजाल । ।
अन्न जल असि सान बूग येति सालय बरुनाव अनुग्रेह थाल ।
आत्मु त्रपती दिम ब्वछि कुच चालय चठ सोन मायाजाल । ।
असि कर्महीनन दीनु दयालय काम क्रू द लूब मद गाल ।
द्वख हर गगनस खार पातालय चठ सोन मायाजाल । ।
कुत्याह बलुवीर समयिकि हलय सुह आसिथ गँयि शाल ।
रज्जन नाव प्यव खरु जदालय चठ सोन मायाजाल । ।
प्वनिवान थव शाँती व्रत पालय स्योद कर होल कपाल ।
नतु कर्म लीखा किथुपाँठ्य डलय चठ सोन मायाजाल । ।
यॉर ह्युव सब्ज कर म्नेति हर्दुकालय पशिबावचि लशि जाल ।
म्वक्तु बनाव त्राव अशिने चालय चठ सोन मायाजाल । ।
प्रेयमुच जमना वँछ नालु नालय जल छुस मालामाल ।
तन नाव गूपी ह्यथ गोपालय चठ सोन मायाजाल । ।
ग्यानु म्वख हव त्राव मलालय मे म बनाव ग्वफि शाल ।
फुर्नायि सीमनि मँशराव छलय चठ सोन मायाजाल । ।
फीर्य फीर्य क्याह वाति ब्रज बंगालय ह्यथ काँशी नयपाल ।
म्वख हव पननि दीशु प्यठु बंगालय चठ सोन मायाजाल । ।
प्रवरँच मंजु नेशकलु कलुवालय निवरँच नशि दिथ डल ।
कृष्णस मूख्य मस चाव प्यालु प्यालय चठ सोन मायाजाल । ।

1. सूक्ष्म; 2. स्थूल ।

295 अबिमानु निशि खलॉसी बापथ प्रार्थना

पानस अंदर ब्रह्म ओसुम	न्यबर छेंडुम तु डेलुम च्यत ।
डेंडूरा मे शाहस्स द्युतुम	बालुक ओसुम क्वछे क्यथ ।।
स्यँज ऑसिथ ब्वद हँज हँज चँजिम	शिवपूर फेस्स लँजुम वथ ।
शिव शँकर नाव सनम्वख रोटुम	बँक्सि लोगुस देह नाव ह्यथ ।।
क्याह करि द्यन तय क्याह करि राथुय	क्याह करि नख्यँतर तु सातुय त्यथ ।
ईकु म्वखु वनि आम श्याम प्रभातुय	सरतलि स्वन गोम ओस अबिज्यथ ।।
मदुक मोराह स्वंदर ड्यूठुम	पतु ओस सोराह हावन जथ ।
देह अबिमानुक ब्रोराह ड्यूठुम	लोट गिलुनावन गव ख्यथ च्यथ ।।
अरुखोल जिन्युक बोराह ड्यूठुम	सरफु गुनसु पुहुय ह्यथ ।
नोट ह्यथ नखस गूराह ड्यूठुम	दोराह त्रावन खँचमुच प्यथ ¹ ।।
हापथ शकलि चूराह ड्यूठुम	जोरा हावन पथर प्यथ ।
फोलमुत पुलुहँर्य ख्वरा ड्यूठुम	दोपनम अबिमान वनन छि अथ ।।
मंजु त्रन पोसन सॉराह कोरुम	चूर्युम डीशिथ प्रॉवुम थ्यथ ।
सॉखी रुज्जिथ तत् सत् मोनुम	जोनुम क्याह गव अन्यथ न्यथ ।।
दॉरा थँवुम कृपुम तु कौसुम	त्रन चीजन मंजु गोस लज्यथ ।
वेषु रूपु ² ऑनस मंजु वुछिनोवुम	पनुन म्वख नतु गये तीर्य न्यँथ्य ।।
बोज तिथि थचम कतन कतन	श्वासन उश्वासन सासन ह्यथ ।
लालस क्युत छुम दुशाल करुन	यिनु प्रेयमु फम्बस गछ्यम छथ ।।
क्याह करि बोड नाव व्वतम जाथुय	रुचु जंगु नख्यँतर सातुय त्यथ ।
सरतलि स्वन करि चोन शक्तिपातुय	बुय छुस दाथुय चुय अबज्यथ ।।
शास्त्र पँर्य पँर्य नकल कँस्त्रि	मे चानि प्रेयमुच खँच ख्वशक्यथ ।
जहर प्रकरँच वाल्यन छु बनन	यिथी प्रेयमय सुत्य अमर्यत ।।
सिरियि ड्यूठुम पननि गरे	सेहमि मंजु र्यथ बॉदुर्यप्यत ।
आत्मु कृष्णनि बावुक ब्योल आम	ब्रह्मन जनमुचि बुतरँच ज्यथ ।।
डेंडूरा मे शाहस्स द्युतुम	बालुक ओसुम क्वछे क्यथ ।।।

1. ऑसस पोछ खसुन; 2. विश्वरुप; --- (underlined) दॉर (दाढी) ओसुस गरा थवान तु गरा कासान तु गरा छेट करान । प्रथ विजि (त्रेश्वयुय फिरि) ओसुस शरमंदु गछन । मगर गोरु माहाराजनि अनुग्रह सुत्य येलि सोरुय सम द्रेष्ट बावु वुछुम तु पनुन पान परजुनोवुम । अमि ब्रॉह (पनुन पान परजुनावनु ब्रॉह) ओसुस जन ति न्योतमुत तीर (कठ) ।

296 न्यरग्वन न्यराकार ब्रह्म सुंद आकार याने स्वगन रूप

कर्ता चु छुख आश्चर्यवत	कँस्मित्य च्चे सॉरिय कार छिय ।
कँस्थि अकर्ता छुख ननन	वनन च्चे न्यराकार छिय । ।
क्वदरँच कुल्युक चय मूल छुख	लंग लंजि ह्यथ दल गूल छुख ।
नाना रंगव फल फूल छुख	वनन च्चे सर्वाकार छिय । ।
मंज चानि मायासागरय	फवकडून ज़न व्वतपत गछन ।
ब्रह्मांड कृत्याह स्वर - अस्वर ¹	कारन मुनी अवतार छिय । ।
चेय हिव्य छि चॉनी ज्ञानुवन्य	देह मंजु ब्योन पान मानुवन्य ।
सोरुय कँस्थि करुवन्य नु कँह	ख्यथ च्यथ ति न्यराहार छिय । ।
समसार सरस फोलिमुत्य	पम्पोश छि वेग्यानगन ।
दासन ज़लस लासन नु ज़ल	न्यरमल तु न्यरव्यकार छिय । ।
चोनुय हुकुम फिरुवन छु दौर	ज़ोरवसन तमिकुय छु ज़ोर ।
आकाश ह्युव वॉतिथ च्वपोर	यिम चीज़ साख्यातकार छिय । ।
चोनुय हुकुम छु कुल जहां	काया तु च्यत् ब्वद मन तु प्रान ।
द्रेष्ट-द्रेष्ट अमि यमि सान	हुकमस स्यवह व्यसतार छिय । ।
चाने हुकमु रेह ह्योर खसन	पवन दवन ज़ल ब्वन वसन ।
नाबूद मंजु लसन बसन	यिम चीज़ नोमूदार छिय । ।
चॉनिय यछ छ्य त्रय तु मर्द	सिरियि चँद्रमु गर्म सर्द ।
चोनुय हुकुम तचरस तचर	शिहलिस शिहिल्य शेहजार छिय । ।
चाने हुकमु स्वख-द्वख छकन	सूम सिरियि ह्यथ तारक पकन ।
लोसन खसन ज़ाह छ थकन	ग्रेह फल दिनुक्य म्वख्तार छिय । ।
हुकमस यिथिस कँर्य कँर्य मनन	यछ शक्त छि अथ वनन ।
लगुहोय अँस्य यिथिनय ग्वनन	न्यरग्वनु साख्यातकार छिय । ।
ऑसिथ नु कँह चॉनी यछ	आसुन बनावुन वनु क्याह ।
अवतार कारन दिवताह	हुकमस च्चे ताबेदार छिय । ।
चोनुय हुकुम गर्बस अंदर	पॉनिस करन सूरँच स्वंदर ।
कृचाह स्वंदर कृत्याह ग्वंदर	मरनस ज़्यनस तयार छिय । ।
चोनुय हुकुम रज़न छु बल	दीशा सतुक हुकमा अटल ।
च्यत् कोचि छिस अचुनुक्य अचल	अथ बावुकिय बाज़ार छिय । ।
नेशकामु जामय यिम वलन	तिम अष्ट स्यँज डीशिथ चलन ।
मंजु लेम्बि ज़न पंकज फवलन	बवुसर परमपार छिय । ।
मूह मदु मॉदाना छु ज़्यूठ	अथ मंजु कदम त्रावुन छु कूठ ।
कुस थोक तु कुस स्वखसान ब्यूठ	त्यॉगीज़न अथ दरकार छिय । ।
ख्वखती सान युस बूगि बूग	स्यद गछि तस श्वबु कर्म यूग ।
जलदय च्ल्यस अग्यानु रूग	तस अनुग्रेह अंबार छिय । ।
छंख दयस छुय संतु रूप	मूह गटि हुंद ग्यानु दीप ।
संतन करन गंदर्व दीव	अवतार जयजयकार छिय । ।

यिम प्रेयमु सुत्य संतन स्वस्न
तिम वारु सॉरी ह्यथ तस्न
छ्य शब्दु दारा सर्वसार
छ्यि करुवुन्य बक्त्यन व्वदार
चुय सामीदुक्य गीत छुख
ज्ञानन चै शब्दुक सार छ्यि
व्वपकार कृत्याह चै कॅस्थि
कृत्याह वस्ख कृत्याह वॅस्थि
सोरुय कॅस्थि थव करुन रोस्त
बक्ती अंदर नेशकाम थव
कॅस्थि अकर्ता छुख ननन

गॅछ्यि शस्न तोता करुन ।
बवुसरु परमपार छ्यि ।।
सत्ग्वर बॅनिथ ह्योरुकुन मे खार ।
संतन हुंदिय दरबार छ्यि ।।
अॅबीद वैद्यातीत छुख ।
यिम स्वस्वुन्य ॐकार छ्यि ।।
असि ज्यनु मस्नुक्य द्वख हॅस्थि ।
यिम मूर्ख द्वराचार छ्यि ।।
सोरुय सोस्थि थव स्वस्नु रोस्त ।
प्रनाम बास्मबार छ्यि ।।
वनन चै न्याराकार चिय ।।

1. सुस्-असुर ।

297 नाकारु कर्मन रुत्यन कर्मन मंज तबदील करनु बापथ प्रार्थना

कर्ता चु छुख अन्यथा कर्ता
कैर्यमुत्य चै कमकम कार छिय ।
यिथि नाव असि रखुन चु बन
वनन चै करुनावतार छिय । ।

कर्ता अकर्ता अनिथा कर्ता चय छुख आसुवुन ईक अँनीक ।
चय छुख न्यरग्वन निस्त्रयग्वन यिम बक्त्यन करान व्वदार छिय । ।
ही रजु यूगकि रजु चय मंज मूह न्यँद्रे वुजनाव ।
च्यत् दनु यिनु निन चूरि मे कँस्मित्य मे कँह ठा यार छिय । ।
मंज ग्वफि अचुन असि जान तप करनु सुत्य प्रावुन छु मान ।
न्यँबुर्य थवुम बक्तियि सान तारुन्य मे सीवाकार छिय । ।
छ्य तारुन्य चाँन्य दयिगत समसार बालस असुल वथ ।
बालस यिथिस कर्मन हुंदिय खसुन्य वसुन्य बँड्य नार छिय । ।
नतु किथु पाँठ्य अँन्य रँन्य तरव बालस यिथिस थँकिथ मरव ।
संकल्पु व्यकल्पन हुंदिय खँत्यमुत्य मे बँड्य बँड्य बार छिय । ।
मंज खानुदौरी छुनु स्वख तथ मंज फसुन प्रावुन छु द्वख ।
तस पूरि क्रय युस मूरि नख प्रथ रंगु यथ आजार छिय । ।
वाँरागु यितम छुख चु ह्योत कोरमुत ग्रेहस्तन छुस बो मोत ।
पतु पशु ब्रौठ्य ह्यमु पोत येति कम मे तावन दार छिय । ।
छुख मजु पुछि मरुन मशन चालन ततुर कशन कशन ।
रँत्तिमुत्य यशन ब्वद छख नशन यिम मूर्ख दुनियादार छिय । ।
सादअय करन कँह मिलुचार कँह छिख दिवान दौस्थि फूकार ।
वेह करनु बापथ प्रेयमु जल साख्यात काँलीमार छिय । ।
इंद्रेय ताबेदार छिय बदकार करनुक्य यार छिय ।
फल दिनु बापथ पतु तिम बँड्य शँथुर ज़ोरवार छिय । ।
त्रय या मर्द छुख त्राव फर्क आत्मु विवेक् वति पख ।
मामस व्यकारुक त्राव शक मंज द्रेशट इंद्रेय द्वार छिय । ।
त्राँविथि क्रेया युस येछि मान त्युथ मान बोड अग्यान जान ।
मूर्छायि मंजु वुजनाव पान कृत्य शौगिमुत्य बेदार छिय । ।
सँन्यासु व्रँच हुंजि वति पख गोब बोर त्राँविथि कड तु थख ।
संतन तु सादन प्यठ छख युस सामग्रेय यिम दार छिय । ।
छ बाँज्य तारुन्य संतु क्रय अँतीत बन टोठ्यि चै दय ।
छ्य पजरुच न्यरनय नय तथ स्यजरुक्य दीवदार छिय । ।
छुस कति चै संतन स्वरन देह ब्रमु किन्य छुस दम बरन ।
डम्बस पखाँडस ख्यय करुम मे हिव्य ति कँह मकार छिय । ।
न्यँबुर्य मे थाविथि सादु नाव अँदुर्य थोवुम मूर्ख बाव ।
अँदुर्य न्यँबुर्य ह्युवुय थवुम तिम ग्वन मे दिम यिम सार छिय । ।

काँफिलु द्राव आनंदु पोर तिमन पतय छुन्य मेति दोर ।
कर चारु छुमनु ज़र तु जोर कुत्याह मे हिव्य लाचार छिय । ।
द्व्यत् गुर चोलुम लाकम चँट्थि कमज़ोर छुस दितम रँट्थि ।
खस मेति पानस सुत्य खार मे हिव्य च़े कम सवार छिय । ।
यिम कें ह म्यँतर छिम वति सुत्य न्यर्दन न्यर्वस्त्र छि कुत्य ।
दिथ हमसु पखु पेट्य वुफुनाव ज़न नंगु जानावार छिय । ।
छुस खानुदारा जान क्याह परहेज़ करुन छुम नु कांह ।
बँनिथ हँकीमा दिख दवा इंद्रेय यिम मे बेमार छिय । ।
ब्बद छम सोशीला कर क्रपा दिस कृष्ण दैवी संपदा ।
नतु स्वख दिनस शुर्य बाँच़ क्याह सोदाम हिव्य नादार छिय । ।

298 बक्ती दिनु बापथ प्रार्थना

आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।
बागनुय मंजु नागनुय प्यठ छुम प्रेयम चोन गनुनुय ।।
तिबरु वैरागु रागु सुत्य छुस कृष्ण पद चॉन्य वनुनुय
वनुनुय मंजु त्यागु सुत्य छुस पोह पन ज़न छनुनुय ।
गामु काम्यन गंडु गंड छिम ज़न मे आम्यन पनुनुय
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।।
मनु वाजे राधा-कृष्ण कृष्ण नाव छुस खनुनुय
प्रेयमुक ग्वन वनपूहस द्युत बिंद्राबनुनुय ।
कृष्णन येलि म्वख मुचरोव तेलि मोन अरज़नुनुय
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।।
बेरु बँठ्य छुम सब्ज बासन छुमनु खोसुन सनुनुय
कामुदीनु छुस र्खनि नेसुन गूर्य शुर छुस ननुनुय ।
छुस वनुच बूल्या कसुन कुस असनु रौस्त करि कनुनुय
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।।
गूर्य बालक छिम म्यँतर कुस मानि म्यान्धन ग्वनुनुय
वेद्यायि रौस्त द्वद गुरा ह्युव कोरुस द्वद चनुनुय ।
कमि खक्ती वीदु कामदीनि ग्यानु द्वद ह्यमु थनुनुय
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।।
पानु चमुहँ दिमुहँ चोन संतन तु सतज़नुनुय
अदु दपुहँन कामदीनु र्खस छ स्यदथ बननुय ।
च्यत् चँडिस मंजु छुमनु रोज़न छुम न्यँबुर्यकिन्य छनुनुय
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।।
नंदु नंदनु हेछिनावतम द्वद ह्योन छुस छनुनुय
दासु बावु किन्य रास खेलुहँ ह्यथ च्चे सुत्य च्यत् गनुनुय ।
शाहरु मंजुय छुस न्यबर थोवमुत बु गामुक्य ज़नुनुय
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।।
गोख त्रॉविथ साल कोरुमुत ओस दुर्योधनुनुय
स्योन ख्योन हाक व्यदरुन ख्योथ कांह त्युथ छ सनुनुय ।
युथ सतोग्वन चोन स्वरुन अँस्य छि रँचन तु द्यनुनुय
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।।
बोज़ जसुदा रागु राधा प्रेयमु थँन्य छ्य अनुनुय
चतु गोपीनाथ द्वद थँन्य हर्श द्युत चॉन्य ख्यनुनुय ।
शेहजार फिरतु कृष्णस मोंग सॉनिय मनुनुय
आगु म्याने रागु चाने छुस बु फेसुन वनुनुय ।।

299 नाशवान देहक वर्नन तु अबिमान गालनुच व्पासना

देह पोशु थॅर म्याँन्य हस्टु वावु सुत्य हरि ।

कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।

नरि लोसम बाँडशन लूक् हुंजु लरि वांगुज वारिच्य छम ममता ।
कृत्तिस कालस बसु लूक् हुंदि गरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
समसारु बाज्रस छ्वच्चि व्वंदु चंदु छरि मे ह्युव कर्म ह्यून साँस्स द्राव ।
दयि दैरु दनु रोस्तुय अति क्याह करि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
मूह पाँजु जागन छु संगु दूशि रंगु चरि ओल यूरुन केंड्य ज़ालस मंजु ।
रजु यूगु हमसु कडतन मंजु वालु बरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
शिनि मंजु नीरिथि अपजिस क्वमु करि पान थ्यकनावि युस सुय छु नादान ।
सूर गछि तस पतु बेखिका ह्युव मरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
कृत्याह पोश फॅल्य ब्रह्मांडचि थरि शिशरुन तु सौतन छ कुनि छ्यन ।
यिम फॅल्य वाँरगु सुत्य तिम गॅयि वरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
त्यागु वैरगु सुत्य यस व्यवहार खरि तसुंदिस होशस छु जयजयकार ।
सॅन्यासु व्रॅच दयि सुमरॅच द्यन बरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
यसनु केंह आसि रागु चूर तस कथ फरि चुय योत आसख तस संच्यत ।
प्रथ कांह दातु तस चरनन अँछ जरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
सिरियुक प्रकाश नोन छु छय छम ठरि राय छम गछन यि छु देह अबिमान ।
माय म्याँन्य आत्मु प्रकाशिच प्रय बरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
यस ब्रह्माकारु व्रत अच्यत दीर न्यरवन तस करि पानस ह्युव ।
सुय स्वस्नुकि स्वस्नुक स्वस्ना स्वरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
सलिलस लवन ज़न मेलि तिछ क्रय करि तोति छु दुर्लब सँहजु व्यचार ।
मजु मंजु रोज्यस नीरिथि मंजु मरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
वैषि¹ रूपु आँनस कुन युस म्वख करि तथ मंजु वुछि सुय पनुनुय पान ।
जगतुक स्वख दुख तस पानस तरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
लाला² अख वुछ प्यठ बालादरि सिरियि चँद्रमु ह्युव गाह त्रावान ।
ह्योरकुन रुद तस तारकव अँछ जरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।
यिथि वुल्ट आवलुनि बवुसागरु तरि कृष्णन सुह्मु ह्मु वाँय नाव ।
कृष्ण नाव केशव नाव स्वरि गरि गरि कोताह काल दरि यावुन म्योन । ।

1. विश्व रूप; 2. गुरुमाहाराज ।

300 बीदु द्रेशटी गालनु बापथ प्रार्थना

बीदु द्रेशटी सॉन्य हार ।
पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
संतु म्वखु अवतार दार मूह ब्रमुक दुत मार ।
बवु सस्स कर मे पार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
चारिस्स मंज्र पांच दोह यिनु गछ्छनम दिथ मे छेह ।
युथनु असथ्यर¹ ज्ञानि सार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
नशिसुय मंज्र ब्वद नॅशिथ युन गछ्छुन छुम मॅशिथ ।
करुनावुम सत् व्यच्चार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
द्यान शम दर्म दान तप जप ह्यथ यूग ग्यान ।
कर दया कें छ्र मे यार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
मूर्खु बोज सुत्य रत दोह छिम समेमुत्य पापु कोह ।
शोरसुय जन गंडतु नार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
यियतनय व्वन्य म्योन आर वुछ्तु म्योनुय व्यु कार ।
अनुग्रेहकिय लदतु द्यार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
आसि योदवय गाटु खार कृनोन यियसनु हार ।
दिम ग्यानुक गाटुजार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
छुस बो मदुक खानुदार सॉर्य छिम गरजुक्य मे यार ।
करुनाव नेशकामु कार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
छुस रिनियन² हुंद कर्जदार मतु थवतम पतु लार ।
लोचरावतम कर्मु बार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
नाव छुय समसारसार बवुसस्स दिम मे तार ।
पतु नितम शूबिदार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
त्रॉविथ गोम ल्वकृचार यावुन ओस अंदुकार ।
रछ बुडस छुस नाबकार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
प्यव मे कर्मुक कुल छेनिथ च्चोल मे च्यतु बुलबुल वुछ्छिथ ।
हव नोन यूगुक बहार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
खोट छु म्योनुय व्यवहार त्रावनस अथ छुमनु वार ।
थव मे न्यर्मल न्यरव्यकार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।
कृष्ण करनाव सत् व्यच्चार थोद छु चोन म्वक्ती द्यार ।
जन नबस कुन रेह मे खार पननि कुनिरुच द्वय च्चे छ्य ।।

1. अस्थिर ; 2. ऋनियों का ।

301 अबिमान नाशिव प्रार्थना

मूह निशि झलतम सर्वु शक्तिमानय	गालतम देह अबिमान ।
मदु प्यठु वालतम सत्य नारायणय	पालतम छुख दयावान ।।
बडि दयि रोत्मय चोन दामानय	पॉरतम सर्वु सामान ।
ज्ञान कऱुनावतम पनुन्य जिंदु पानय	पालतम छुख दयावान ।।
सुत्य यूगु ग्यानु दारनायि दानय	कासतम युस छु अग्यान ।
काम क्रूद लूब मूह मद ख्यूबु सानय	पालतम छुख दयावान ।।
पोज मोनुम अपजुय काखानय	म्यानि खोतु कुस छु नादान ।
चुय दया करतम ही दयावानय	पालतम छुख दयावान ।।
क्याह प्रावुन छु मंजु यशु तय मानय	येति गछि सॉरिसुय फान ।
पायस ब्रौठ पाव बडि भगवानय	पालतम छुख दयावान ।।
आश्चर्य क्वालु चे थुरुथ म्योन बानय	अंगुहीनिस कास हान ।
अनुग्रेह फलु बर सुत्य दर्म दानय	पालतम छुख दयावान ।।
ताजदार तारुख प्यठु आसमानय	कृष्णु चेंद्रन होव प्रोव कल्यान ।
जगतस वोत शीतल सायबानय	पालतम छुख दयावान ।।

302 सर्व स्वखुच प्रार्थना

फुख रोस्तुय मे वॅनिमय चॉन्य लीला करुम अग्यानु रोस्त सत् छुम वॅसीला ।
थवुम आवागमनु अबिमानु रोस्तुय थवुम नोन नंगू मूह सामानु रोस्तुय ।
करुम श्वद बूमि ह्युव न्यर्मल नबस ह्युव मे नैचिविस कर चु ह्युव पानस बबस ह्युव ।
मे पापव रोस्त थवुम न्यथ ही दयावान मे ज़नमाज़नमनुय हुंज़ कासतम हान ।
दयासागरु नावस वंदुहॉय पान म कॅचरावुम¹ मे मायाज़लु दामान ।
चै छ्य द्वय पननि कुनिरुच मे दुय कास चै छ्य द्वय पननि बजरुच जु म ज़ांह बास ।
छे छ्य द्वय पननि क्वदरॅच हुंज़ मे दिम शक्त ग्यांनी यूगु सॅहजु पानुचिय बक्त ।।

1. अँदरावुम ।

303 सर्व आदिकार बापथ प्रार्थना (फेर्यव रेस्तुय)

स्यदु सादु समसारु सारु मुख्य द्वार दिम
अमरु कालु समहारु स्वर्गु द्वार दिम
सर्वु आकारु ॐकारु म्वखु म्वकलाव
दर्मु मूलादारु सर्वु आदिकार दिम
असि कॅर्य देह गोकुल राधा सेह
गरुडु सवारु वारु सर्वु आदिकार दिम
दासव रासा सोर मासा दौर
अमि लोलु आहारु सर्वु आदिकार दिम
उमा रुद्रु सिरियि रूपु आकारु आस
हस्म्वखु हर्दवारु सर्वु आदिकार दिम
गरि गरि दमु दमु असि सूह्म सोर
व्यवहारु मूह हरु सर्वु आदिकार दिम
दामोधरु असि स्वखु म्वखु द्वखु कास
दर्मुकि व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम
समसारु दीर्गु रूगु दौदिस कर सास
कर दवा देह दारु सर्वु आदिकार दिम
समसारु सागरु सरु कोर स्वखु द्वखु
सेहदारु आरु आरु सर्वु आदिकार दिम
गुरगँड्य दारु लारु सर्वु आदिकार दिम
हस्म्वखु हमसुदारु सर्वु आदिकार दिम
कामिकमि दर्दु लोलु सेह आसरु आस
कामु कूडु कम्स मारु सर्वु आदिकार दिम

स्यद दिम वारुकारु सर्वु आदिकार दिम ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
मूह गाल मद वाल द्वख हर स्वख दाव ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
गूर्य गरिकिस द्वदस वारु दादाह हे ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
आमि द्वदु मोदरेरु असि हॅलवा कोर ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
देह मद दौद कू दस कोर सूर सास ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
ॐ ॐ रामु रामु दौर हरु हरु कोर ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
वारु कर गरिकिस दारेद्रस ग्रास ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
स्वदर्मु अरिरुक असि वल अँतलास ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
आरु हरु व्यवहारु आरुवलि हाव म्वख ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
होर द्वदरुहोम लारु सर्वु आदिकार दिम ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।
गामु हाव द्वारिकावासु दासस रास ।
दर्मु कर्मु व्यवहारु सर्वु आदिकार दिम । ।

304 यूग सीवन, यमि दॅस्य कामयाँबी मेलि (श्रीमति मथुरा दीवी कुन नॅसीहत्त --
बजॅरियि श्री श्रीधरजुव शराबी, मथुरा दीवी हुंघ गुरु महाराज तु राजदान साँबुन्य शेश्य)

मे कुकिलि¹ ड्यूठुम बस्म मॅलिथ वासुक हटे ।

ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।

मंजबाग बागन मोसुन सुत्य व्वन्य कति नचे	लोलुक ओला यीरनि मंज ग्वफि अचे ।
जानावरन निशि लोब रुजिथ पान खटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
देह अबिमाना त्रॉविथ छुनि जिंदय मरे	द्याना स्वरे कति वाचक ग्याना परे ।
बचन हुंदिस आवलुनिस मंज कति फटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
पॅञ्छिा अंदर वुछ बिह्थि पननि गरे	तोतन हुंघ पाँठ्य कति प्वस्तक कति पोथि परे ।
ब्रह्म स्वरे इंद्रेय शोमस्थि अँछि वटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
तस मेघवर्ण पानय प्रेयमु अमर्यत चावे	यूगच वुजमलु जगत्तुचि गटि मंज गाश ह्यवे ।
पनुन्यन परद्यन रछि मंज ब्रमु मूहनि त्रेटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
हेछन सारेय हारि चरे तस निशि शर्म	क्याह गव करुन मानुरेनि बाव दर्म कर्म ।
संतोश वुछ्थि तॅमिसुंद लूबुक पाँज नटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
मेथ्या ब्रमस सूर कोरुन मौलुन सासुय	भस्माधारनि द्यानु सुत्य वारु आराम आसुय ।
अदु कमि बापथ हॅर आँलिस मंज पान खटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
छुम बूजमुत आँस लूक बवनस मंज अख कॅजिय	स्यजरु पजरु सुत्य वुफि जानावारन चॅजिय ।
त्युथ वर दिम गरुडसनु दुर्गात मे हटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
तस मोर मुकटु दारुवुन पानु क्रपा करे	असि वुफुनाँविथ बवुसस्स ह्ययथ पार तरे ।
रछिथ पूत्यन पखुनुय तल दिथ मटि मटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
फल-फूल वॉतिस ब्रॉत्कुन कमि बापथ तछे	कॅतिज तस निशि ओल लदनुक व्वपदीश हेछे ।
गरु कस्नस क्युत तीबरु वॉरागु सामानु स्टे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
रूदा प्यवन मोजा ह्यवन ईकांत सीवन	च्यत् चीनिथ स्वख द्वख जीनिथ आवागवन ।
न्यवरॅच्च हुंज लॅड जांह अल्यसनु सुत्य वावु छटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
हमसु रूपी श्रीधर ² तस अवतार दारे	ककवु न्यत्रन प्रेयमु द्रेशटी त्रियिबाव ह्यरे ।
जूना ³ सोज्यस कृष्ण चॅद्र मंज मूह गटे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।
पखन शेरे वुफि खसि यूग ग्यानु हेरे	पथ कोत फेरे कति तीर्थन साँस्स नेरे ।
सूजिथ श्रदायि चीज कृष्णुन दामन स्टे	ॐ शिव शोम्भू शब्द बोलुन ह्योतमुत मटे । ।

1. मथुरा दीवी; 2 गुरुमहाराज श्रीधर शराबी; 3 गुरु माता ।

305 येह्लुक तु परलुक सुदरुन खॉतरु प्रार्थना

हुकमु चाने सुत्यु प्यठ शिन्यस ताश मंडुल सूमु सिरियि सान ।
पनुन्यन दारन प्यठ कामि करान इंद्रेय देह च्यत ब्वद मन प्रान ॥
कति प्यठ योत आस कोत छुम मे गछुन प्रावुनावतम आश्चर्य थान ।
दयाल चुय छुख अयाल म्योन पाल पॉरवुम सॅन्यासु व्रॅच हुंद थान ॥
येति सॉत कुत्याह गुल फॉल्य गॅयि बरु छुम गरु ज़न बारु कॅड्य बासान ।
छुख पानय गुल पानय चु बुलबुल पानय फुलय म्यवु कुल्य बागबान ॥
बुलबुल गुलन प्यठ ग्वन चॉन्य ग्यवन बॅरुग-अय छनन कस अमिच खसि हान ।
प्यठ मेचि मूर्ती ग्वन चॉन्य ग्यवन मूर्चु-अय डलन तोति छि प्वनिवान ॥
सूरत छ ग्रंथ शास्त्र श्रुख वीदुय ग्वरु मूर्ती वनन परमु दान ।
प्रेयमुच क्रय म्यॉन्य सूरत छ मानन ह्योरुकुन गछ्यस कुस दप्यम नादान ॥
पानय सग छुख दिवान प्रेयमु बागस छुख बावु नागस गंडन साम जान ।
हॉव न्यरग्वनन ग्वनुवान मूरत अदु छिस दपान न्यरग्वन ग्वनुवान ॥
वुनिक्यन ब्रह्म कोनु कॅछ छु वनन ग्यवन मूर्तियन मंज हॉविथ पान ।
यस यिछ छ प्रकरत तस तिछ छ सूरत पानय सत्ता दिथ छु सतिनारान¹ ॥
पांचन त्वतन मंज छ ग्वनु रूपी शक्ती नाव छिस वनन सर्व शक्तीमान ।
त्रेशवय ग्वन छिस तु न्यरग्वन छु बासन आश्चर्यवत छिस वनन ग्यानवान ॥
देह रूपु शब्दु सुत्यु परजुनावन पॅखी तु पॅश्य जिन पॅरी इनसान ।
अंकारु शब्दस मंज छुय सौरुप अरुप मिलविथ कास अग्यान ॥
परम आत्मु पानय छुख चुय सौरुय न्यरंजनु कास देह अबिमान ।
प्रान नय रोजि येलि देह पेयि वॅसिथ देह येलि डलि चलन छि प्रान ॥
हॅकीम दवा तु ह्यकमत छि हॉवी शफा ईश्वरु यछ ज़ान ।
सूखिमस तु थूलस मंज सुय छु पानय पुस्थि मायायि हुंद सामान ॥
भगवद्गीता तेलि वॅन्य कृष्णन येलि अर्जन तस कुन रुद सनिदान ।
ती ज़ोन कृष्णन यान्य कृष्ण मूरत शंकरु सूरत वुछिन यकसान ॥
अंतर्बहे तॅम्य कुनुय ब्रह्म मोनुन थावरु जंगम अमि यमि सान ।
पनुन्यन दारन प्यठ कामि करान इंद्रेय देह च्यत ब्वद मन प्रान ॥

1. सत्यनारायण ।

306 मलिन प्रकस्त श्वद कस्तु बापथ गंगाधरस कुन प्रार्थना

ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ।
सतुच वथ हॉविथ न्यथ द्वर्गत चलुन्य गछिय मे ॥
आत्मु सिरियस निशि दूर छया डलुन्य गछिय मे
माया रूगस मंज छम काया बलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
पापन हुंज छम बँड शीनु मॉन्याह समेमुच ज़न कोह
च्यत् सिरियि व्यचारकि तापु सुती गलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
अँबीदु बक्ती हुंजि रेहि सुती ज़ालुन गछ्यम अग्यान
दुय हुंज द्रेशटी दूपक्य पॉठ्यन दलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
मूह लंजि प्यठ बोल्यम वॉनी हॉर कलुन्य गछिय मे
शिवु पवनु सुती ज़्यव ज़न ब्यलुपँतर अलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
चे सूरु मँतिस कोफूर अंगस शीतल छुय स्वबाव
स्व सौरुपुक सूरु शॉती न्यँत्रन मलुन गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
वेशय बूगन गछि ज़ानुनावुन वेशिवथ म्योन मन
संतोशि त्रपती दिथ लूबु यड कति खलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
लूबुच अपेख्या छम वास्य ख्युबस व्वपदावन
वॉरगु तीलस अंदर ज़ॉलिथ तलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
देह ब्रमस मंज दुशालु वलनु सुत्य छुम प्रावुन क्याह
अंतु त्यागुच वॉरगुच खँन्य वलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
सुत्य त्यागु तीबरु न्यवरँच हुंदि ज़ोरु प्रवरँच मोंड फालुनाव
संकलपु कला ज़न ज़िन्य फला फलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
च्यत् बाग शेरुन तु नेरुन गछ्यम ब्रह्मानंदुक फल
परमु शॉती हुंज कुल्यवुन्या फवलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
अक्रय आत्मुच प्रेया थवतम क्रेया कर्मस मंज
दया थवुन्य लया दीवी बलुन्य गछिय मे ।
ही गंगाधरु मलिन प्रकस्त छलुन्य गछिय मे ॥
चे कल्पुवैख्यस मे कृष्णस छुय शॉती हुंद फल द्युन

देह अडडडडडड अगुडडडड वीर थलुनुड गछुड डे ।
ही गंगुधरु डलुन डुरकसुत छलुनुड गछुड डे ।।

307 कृष्ण सुंदि दर्शन खॉतरु रधायि हुंद इन्तिज़ार

कृष्ण जुव यियि गरुड्स क्यथ द्यान दारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
लालु यियि मंज़बाग बागस पोश चारन छस
ज़न यँम्बुरज़ल सुम्बलस क्युत मुश्क हारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
श्यामु रंगय बोम्बरस अख रूप ग्वन छिस कृत्य
छस बो हीय त्वलसी तसुंघ उत्य ग्वन व्यचारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
श्यामुलालस कुन वुछन छस योर यियम ना
न्यँत्रुक्यव लालव बो तस प्यठ म्वख्तु हारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
आरु रोस्त गोम वारु त्रॉविथ बारु कंड्यन मंज़
श्रेह बैस्मुच आरुवल लँजमुच बो आस्रन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
छस बो मसवल दोह गुज़ारन ब्रॉठ पेयम श्याम
राथ कडन बुर्कु दिथ सुत्य परदुदारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
कृष्ण छरन द्यान दारन सत् व्यचारन छस
येलि डल्यम द्यान तँम्यसुंद पान मारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
कृष्णजुवन्य द्य मे छम यी मंगि दिमस ती
छम मे थँन्य मँदिथ गुरुसु क्य द्द बो कारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
छुम वनन म्योन्य प्रेयम बर छुस बो गोपीनाथ
वनु क्याह रँटमुच ग्रेहस्तुक्य व्यवहारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
कृष्णन्य प्रय गनुन्य छम कुस मे बोज़्यम हाल
श्यामु रूपी युस वुछन तस पतु लारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
कृष्ण कृष्णय करनु सुती द्वख न्यवारन छस
छलु मारन बवुसरस पान तारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
मेघवर्ण छुम मे चलन पतु लारन छस
गाह त्रावन वुजुमलाह कोहसारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रास्रन छस । ।
मादला माधव बनस मंज़ कृष्ण चरनन तल

प्यठ बठ्यन बेरन वनन कोहन तु नारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रारन छस । ।
कृष्ण छरन रूसकैट ज़न छल मारन छस
कमलु नयन ऑसिथ बो फेरन प्यठ व्वजारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रारन छस । ।
छस बो राधा नंदलालस सुत्य खेलन रास
गूपियन सान पान पनुन रथि खारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रारन छस । ।
कामदीनन गूपियन गोर्यन वछ्यन दांदन प्रनाम
परमुगत गासस वनस यार्यन बो यारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रारन छस । ।
कृष्ण चरनन पान पुशस्थि त्रौवमुत छुम मान
मखमला ज़न वथस्थि प्यठ सब्जुजारन छस ।
सब्ज तोतस खसि ज़न वन हॉर प्रारन छस । ।

308 अस्तुती (नवरेहस प्यठ)

पोशि लंजि छ्य बॅर्य बॅरिये ह्यैय थॅरिये च्चे	पोशि पूज़ा कैर्य कैरिये रुति वॅरिये मे ।
करु ना व्रत दॅर्य दॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
कृष्णजुव यियि अज़ गुरु सोन	म्वख ह्यवि त्रावि ग्वसु प्रोन ।
मालु थवि असि कैर्य कैरिये	रुति वॅरिये मे ।।
कृष्णन्य प्रय बॅर्य बॅरिये	रुत्य चीज़ गुरु वातुनॉव्य ।
बक्ति म्वख्तु मालु स्वनु कैरिये	रुति वॅरिये मे ।।
कृष्ण द्याना सौर्य सौरिये	पॉट्य पशमीनु वथरोव ।
गॅहनु थवु नॅव्य गॅर्य गॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
वतनुय अछ्य जेर्य जेरिये	अॅस्य छि कृष्णस प्रारान ।
थरिन्य ग्वड बॅर्य बॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
पोशनूल ज़न मंज़ बागस	कृष्ण रागस मंज़ बीठ्य ।
कृष्ण गूपियि कैर्य कैरिये	रुति वॅरिये मे ।।
आय संत चाय दारि बॅरिये	प्वख्तु बक्ति बावनायि सुत्य ।
शक्तिपातचि म्वक्तु लॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
संतन दित्य चरनन मीठ्य	राज़न प्यठकनि बीठ्य ।
सीवायि पुछि फिर्य नॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
यिम बक्त कृष्णन वॅरिये	तिम संतु सीवक रूद्य ।
यथ बवुसागस्स तॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
व्यवहारुच हॅर गॅजुमुच	मूह ज़ालस लॅजुमुच ।
अज़ चॅट्थि द्रायि वालु बॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
डल सॉस्स फेरनि द्राय	बाॅय बंद चाय गुरु सोन ।
वारु आय द्राय आयि दॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
बागस सॉर कैर्य कैरिये	बेयि पनुनुय गुरु वॉत्य ।
याद पेयि कोतर मॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
बागु अॅदुर्य न्यॅबुर्यये	त्यागु कोस्तूर्य बूल्य बूज़ ।
लायि लंजि आयि बॅर्य बॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
नखु पखु छ्य जेर्य जेरिये	च्यत् आकाशि आयख ।
दीवु वॉनी हंज़ि पॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
बेयि ज़िंदु गॅयि मॅर्य मॅरिये	प्रानु नाथ सोन गुरु चाव ।
म्वर्दु अॅस्य सॉपुन्य अॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
वॉनियि हंज़ि स्वदॅरिये	चानि स्वंदर बोलि सुत्य ।
गमु गटु काव व्यसॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।
फुलया लॅज बावु बागस	प्रेयमु नागस पोन्त्य आव ।
स्वनु सुंद्य फॅल्य जाफुर्यये	रुति वॅरिये मे ।।
दॅसिलव ज़न कार कैर्य कैरिये	कर्म कैतिजव अॅल्य यीर्य ।
परमु दर्मु बालादॅरिये	रुति वॅरिये मे ।।

शंकराचारु दुर्गा दारु वारु काँसिथ द्वर्गथ ।
शिवु म्वखु भुवनेश्वरिये रुति वैरिये मे ।।
चानि दर्शनु ईश्वरिये अर्य दैर्य गँयि बाग्यवान ।
अँन्य काँन्य लँग्य कँल्य जँरिये रुति वैरिये मे ।।
स्वनु र्वपु बानु बँर्य बैरिये रंगु रंगु अँन्य बावु बूग ।
श्री कृष्णस आपुर्यये रुति वैरिये मे ।।
गंगु वानिचि गागँरिये गोड दिमु शिवनाथस ।
सुय मे तार्यम बवुसँरिय रुति वैरिये मे ।।
जागरतु टेठ वैखँरिये प्राँन्य पाँठ्य सौपना हव ।
मंजु मंजुगामु दिवसँरिये रुति वैरिये मे ।।
कृष्णु द्यानु थानु आवँरिये बखुचु हुँदि सामानु सुत्य ।
परमु शखुचु दिचु ऐश्वरिये रुति वैरिये मे ।।
कृष्णन संतु म्वखु पाँरोव राजु यूगु जामु नोन होव ।
बसंतु गीर्य नील्य जँरिये रुति वैरिये मे ।।
यँदुलुकय प्यठ द्रायख ह्यथ दिवथुय आयख ।
राजु हमसु म्वखु कोतँरिये रुति वैरिये मे ।।
रामु नावु सुत्य श्रुचुरँविथ तन कन्यकि नावु प्राँविथ ।
बखुचु हुँजि मंदोदँरिये रुति वैरिये मे ।।
रामु रामु रामु कैर्य कँरिये बसतु गँय यँद्रेय चूर ।
माल अथि आव कथ फँरिये रुति वैरिये मे ।।
नव रात्रय व्वतसव दोर मनि कामना गँयि स्यद ।
जनमन हुँद्य पाप हँरिये रुति वैरिये मे ।।
सत्संगुचिय रंगु चँरिये हमसु बूल्य कृष्णुन्य बोज ।
पँखियन ति गँयि तँर्य तँरिये रुति वैरिये मे ।।

1. वैखरी दीवी, सरस्वती, शारदा ।

309 राधा जी श्री कृष्णस प्रार्थना करन

छस बो राधा कृष्ण नावस कलु वंदुनय यिधि ना
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।
जसुदानंद आनंद कंदु गोव्यंदुनय मन न्यूम
न्यख्दंदुनय निस्पंदुनय नादु ब्यंदुनय मन न्यूम
प्रेयमु जालस मंज लॉगिन वाति तस कुस फंदुनय
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।
द्वदुचूर सोन यिधिना अज दर्शुन सुय दिधिना
बावनायि हुंज थंन्य खेयिना प्रेयमु छ्वक् द्वद चेयिना
व्वन्य पायस पेयिना तस कुन वॉसा गॅयिना
क्य तु दोन शेरुन ह्यवन थंन्य छ्व दिवन द्वद मंदुनय
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।
मनमोहन नाव छुस गव ह्यथ च्यत् ब्वद तन मन
कामदीनु र्छनुक हीथाह कॅस्थि गव नीस्थि वन
युथ मायातीता गव फॅसरॅविथ वृबवन
मंज पोत्रन मंज म्यंत्रन मंज बांदवन तु बंदुनय
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।
सुय ज्ञानि सानि फसनुक हल
क्युथ छु कूठ मायाजाल
सुय च्चटि सोन मूह जंजाल क्याह करि अन्न दनु माल
शुर्य तु बॉच्च बांदव यछन वारु ख्वश गछन द्वारु चंदुनय
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।
गोपालस नंदुलालस बूग ह्यनुसुय लगुना
सोन ओम जोम छ्वक् द्वद थंन्य ख्यनु चनुसुय लगुना
गूर्य बालकन गूपियन बिंद्राबनुसुय लगुना
कामदीनु वॅछ्य गोवर्धन ह्यथ वनुसुय लगुना
पदमु न्यंत्रन लाल वंदुहॉस अथ म्वखस म्वख्तु दंदुनय
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।
छस वुछन दार्यव बख किन्य वनु प्यठ योत फेरिना
म्वख वुछहॉव स्वख प्रावहव सोन तमना नेरिना
मनु बुलबुल तस गुलस प्यठ ओलाह यीरिना
पोशनूल जंन पोशिबागन मंज अँच्चिथ पान शेरिना
पॉट्य पशमीनु लयि क्याह तसुंदि सुत्य शूबा छ जंदुनय
च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यिधि ना ।।
पतु क्याजि मंदुछवि वुनिक्थन रुत्य कार करुनाविना
सतुचिय वथ हवुनाविना परमुगत प्रावुनाविना
दर्मार्थ सबि मंज दर्मु गॅद्य असि व्वन्य दावुनाविना

पानु बासि देह ब्रम कासि सँहजु पान परजुनाविना
परमत्मा छु पानय प्रेरक सान्यन व्वंदुनय
च्च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।
छि वनन परमत्मा तस आश्चर्युक आश्चर
तस श्रवन मनन कैर्य कैर्य सारिनय वँछमुच्च छ थर
वीदांतीत प्रणवातीत छिस वनन यूगीश्वर
कृष्णन्य शकलाह कैस्थिय नोन द्रामुत छु ईश्वर
कृष्ण गीत वँन्य वँन्य वाँसा गँयि कैह छु अंदुनय
च्च्यत् मे न्यूनम नंदगूरिन्य अकनंदुनय यियि ना ।।

310 प्रतीक्ष (इंतिजारे वसाल)

लालु यियम छलु मारुन दानुन बोलु दारुन छसु ।
बागुनुय मंजु मुशुक हारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
पदमु पादुन कृष्णुनुयनुन द्रायसु सुवगंदा ह्यथु ।
मुशुकु बँसुमुचु दनुन गुज्जारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
पोशुनूलवु बुलबुलनुन कुनुन कृष्णु गूपियु बूलु ।
कुकु किलु छसु बोलु कनुन दारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
वुछु यँम्बुजुलि अँछिवुयु श्यामुनुयु यि सुम्बलु केशु ।
बागु फवलनुनुवु अँस्यु इशारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
बुवदु युगुचु शालुमोरु अंदरु नुशातसु सानु ।
जनुन नँसीमायु लारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
प्रानु अपानु फम्वारुन खुसु वसु फुरुनुवु नुयथु ।
प्रेयमु जलु च्युतु आबशारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
प्रेयमु रसुकु मसु चैयमनु लालु यियमनु ।
प्यालु ह्यथु मंजु लालुज्जारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
कृष्णु बोजुयु सामु सुवरु कल्यानुकु तुलु रागु ।
होशु सोजुनुन सेतारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
पोशु बागनु मंजु अचुवु कृष्णुनुयु वुछुवु शूबु ।
शेछुयु करुवु म्यँत्रनु तु यारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
सोसनसु ह्यिशु ज्युवु गँयमु कमु वनु कृष्णुनुयु गीतु ।
थामु गौमुचु शाहनु खुारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
तसुंदु कुनुनुचु जानवारुवु कँरु गुलनु प्यठु बूल्यु ।
तथु कुनुनी सुवरु छसु वुयुचारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
डुलुकुसु सौरुसु बोलु द्रायसु अथु वुजुनुन मूहुनु वारुवु ।
ततु छु केशुवु पानु तारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
मेघवर्णनु सुरुयु म्वखु होवु आयु सुरुयुसु शूबु ।
ओबुरु चूलु मंजुबागु नारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
वूलु बसंतु रंगु श्री कृष्णनु क्युाहु दुशालु जानु ।
फवलनुनुवु अँस्यु यिथ्यु बहारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
बागु छवुनुन सारुनुयु फवलनुनुवुनु वुनुयुक्यनु सु च्युतु ।
पतु कुसु फलु नेरु दारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।
बागुवानु कृष्णु द्युनुनु सुवरु करुनुनु वुवकारु ।
जयु तसुंदुनुनु श्वबु कारुन हीयु बोलु प्रारुन छसु । ।

311 कृष्ण दर्शनच अबिलाश

मंज बागन सब्ज जारन ।
बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
नागुरादन प्यठ आबशारन नागुनाथ दान दारन छस ।
वुछ पाँचादरन फम्वारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
दोह गोम पोश चारन चारन पोशन पन तारन छस ।
मालु छुननस छुम कलु दारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
व्वदनि रुज्जिथ प्यठ कोहमारन चंदनस व्वशचारन छस ।
यॉर ज़न मंज जंगलन तु नारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
रुसकैट ज़न छस छलु मारन नाफस पतु लारन छस ।
छुम सु पानस मंज छस छरन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
पतु गछि सूर छस व्यसतारन देह मद दुत मारन छस ।
तसुंदि सुत्य शूब छ्य शूबिदारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
ब्रमुराँवमुच छस समसारन रँटमुच व्यवहारन छस ।
तसुंदि रोस्त क्वसु दिवथाह छ दारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
पतु क्याह बनि दुनियादारन अशि कनि म्वखतु हारन छस ।
वुनिक्यन अनि शूब श्वबु कारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
आरवल छस बो फेरन आरन जॉजमुच लोलु नारन छस ।
फवलुनाँवुस तसुंद्य शैहजारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
बाशि करिनस जानावारन कृष्ण गीत व्यचारन छस ।
पोशनूलु बोलि छस कन दारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।
कृष्ण नाव छुम प्रान संदारन बवुसरु पान तारन छस ।
तप ज़प दान यूग छुम यारन बालु कृष्णस प्रारन छस । ।

312 ब्रमुक इजहार

ब्रम गोम डीशित्थ स्वरमस तु साजस
व्यनथा कँस्मय राज् यूग रजस
सर्वु आत्मु बावु व्यचार द्युतनम
दोपनम चोन ह्यतु व्वन्य प्यतु पायस
जोनुम पँयलस² तु पाकस³ मंज कुस
दोपनम च्यत् शुर क्वछि क्यथ ललनाव
प्वरुश तु त्रय येम्य जोन इक् रूपी
इंद्रेय शँथरुय छि तँम्यसुंद्य म्यँत्रय
मामस व्यकार त्रँविथ जोनुम
येम्य युथ वेशीश व्वपदीश कोरनम
ब्रम गोम डीशित्थ स्वरमस तु साजस

नीलिस माजस प्यठ ओस पोस¹ ।
शरन गँछिथ्य मे तँम्य मूह कोस ।
सत् च्यत् आनंदु अमर्यत खोस ।
दामा चथ शांत नेशकाम गोस ।
बूजित्थ मदु निशि प्योस कौप्योस ।
दिस यूग द्वद बन बोजवान लोस⁴ ।
तथ व्यचारु द्रेशटी लगुहोस ।
न्यँत्रय चरनु कमलन वथुरोस ।
पानय देह ब्रमु निशि व्यसुर्योस ।
सुय पौन्य-पानय श्री कृष्ण ओस ।
नीलिस माजस प्यठ ओस पोस । ।

1. पोस्त (मुसल); 2. खून, स्थ; 3. पाक (स्तस तु पाकस); 4. लोसु ज़नानु ।

313 ब्रम् निशि म्वकजारु बापथ नारायणस कुन अस्तुती

च्यत् गोम शांत चोन प्रेयमु अमर्यत चोम

ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।

यमि समसार मंजु पतु लार्यम क्याह दयि नाव स्वरुनु रोस्त थवतम म ज्रांह
चानि बक्ति बावु खोतु कांह परमु स्वख छ पतु बनि बेखिकाह ह्युव पादशाह
ब्रौण्य मे ह्यसु फिर गरिकुय ब्रम गोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।
मनु वाजि नारायण नाव खनतम संकट गटि मंजु अनतम गाश
रायि मंजु गनतम मूख्य पद वनतम प्रकट बनतम परम आत्मा
कॅन्य ह्लिष छम ब्वद थॅन्य ज़न करतु मोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।
न जि ज्रांह ज्यवुहॅ न जि ज्रांह मरुहॅ नारायण नारायण करुहॅ न्यथ
चानि नावु सुत्य बवुसागस्स तरुहॅ द्यान चोन स्वरुहॅ थव मे सुमरथ
होश दिम व्यवहारु रागु द्वेश यिथ प्योम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।
हकरे बनि मंजु अनुगगुराह चाव योरु ह्यथ क्याह चाव ओरु ख्यथ क्याह द्राव
कायायि म्यानि मंजु छु आश्चर्यवत वाव रूपु छुस क्युथ क्याह छुस स्वबाव
न्यरलीफ द्रास पतु क्याह ख्योम क्याह चोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।
योरु अथु वॉहस्थि तोरु आख वॅत्थिय क्वलि मंजु फॅत्थिय छुय होख पान
क्याह लारि दनु सोम्बस्थि पान चॅत्थिय दर्मु व्यवहार कर खॅत्थिय पाँत्य
ज़नमस यिथ करुनाव दर्मुच कोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।
बॅड्यबॅड्य कार कॅर्यकॅर्य क्याह प्रोवुम थ्यकनोवुम छुस बोड खानुदार
यशु पुछि मानु पुछि दोह रावरोवुम लूकन होवुम देह अबिमान
ह्यसु फिर मे मूह मस चथ पान व्यसुर्योम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ ।
म्रेति विज्जि अज़ॉमिल गॅज़रावतम मॅशरावतम ज़नमुक करतुत
यमु किंकर बुथ मतु वुछ्नावतम नारायण नाव पावतम याद
युथ छु त्युथ चतु कृष्ण प्रेयमु द्वद ओम ज़ोम ॐ श्रीमद् नारायण नारायण ॐ । ।

314 श्री राम नाव सुमरनि हुंज महिमा

ठठि म्याने राम राम राम कर
राम नाव सुत्य बव सागरस तर
नेशकामु बक्ति सुत्य अद्वेत गीत सामु स्वर
रात दोह दमु दमु सुबह शामु शाह्नु गामु
तत्पदुकि सत् श्रवनस कन थव
राजु यूगु राजु राम मूख्य गदि प्यठ छुय
नारदस स्वग्रीवस वैभीषणसुय
रामु कथायि मंजु श्वकदीव वशिष्ठ व्यास
युस रामु कथायि हुन्द व्याख्यान दियि
युस रामु कथा बोझि अर्पन करि
भरतस तु सीतायि लक्ष्मण जियिसुय
दशरथ राजस कौसल्यायि सान
वाल्मीकियस तुलसी दासस सान
चावुनाविय राम प्रेयमु रस दामु दामु
दर्मु कर्मु सोथ छुय रामु नावु सुत्य खरु
मूखी सानि हुंजि व्वपायि पुछि छुय
चँट्य रावनन जटयनुसुय पर
डुंगु हँजुन हँजु कवल बोठ खोरुन
रामु नावुच त्वलसी माल नॉल्य छुन
जगतुच पालना छ्य रामस मदि
दर्मु अर्थ काम मूखि सान श्यामु स्वंदर
ठठि म्यानि रामु बक्त्यन कर आदर
खगु खगु जगतस अवतार दॉरिनि
बोडिमत्य बवुसागरस बोठ खॉरिनि
मंजु दर्मु शालायि रघुनाथ मंदर
रामु नावु बोझु रामु नावुच प्रय बर
रामु नावन हुंजु सुत्य ह्यथ लशकर
ब्रह्मानंदु नगरस राजाह कर
रामु नेरि शेरगडि जीर करि शॉत्रन
रामु नावुक सदा आनंदीश्वर
अंतः कर्नव किन्य रामु रामु स्वर
आत्मारामु छुय अंदर तु न्यबर
रामु नावुय योत पथकुन छु सारुय
दर्मुक दैर कर संत ह्यथ सॉर कर
सतुचिय थ्यथ थव नवरत्रीदार
च्यत् थव प्रसन रामु नवमी व्रत दर
रामु रामु रामु रामु रामु कर।
रामु नावु सुत्य बव सागरस तर।।
प्रय बर आवागवनस हर।
यिछि ग्यानु लरि छुय श्रदायि बर।।
पवनु पौत्रस सान मंग रामु वर।
आस पास गटु कास बास भासकर।।
तसुंघन चरुनु कमलन अँछ्य जर।
तन मन अन्न दन बनि अमर।।
ह्यथ शत्रुघुनुसुय कर चामर।
रामु बक्त्यन लाग पोशि अम्बर।।
बेयि रामु कँ वियन डंडवत कर।
तमि रसु बनख अमर अजर।।
सॉखी छुय सीतुबंद रामेश्वर।
जगतुचि क्रेयायि हुंद सत् ग्वर।।
रामु नावु सुत्य गव परमु दामु पर।
नावि क्यथ तोरुन दयासागर।।
दशरथ रँट्थिय तप जप कर।
हटि गंड बक्ति बावुच म्वखु लर।।
दियि व्वदि यूगु बासि सुय चरुचर।
रामु नावु सुत्य बव सागरस तर
तॉरिनि राख्यस दुत अस्वर।
हॉरिनि द्वख तॉरिनि तँपीश्वर।।
छि कथा करुवुन्य रेश्य मुनीश्वर।
रामु नावु सुत्य बव सागरस तर।।
वीरु दर्मु बलु मूह राजस फर।
रामु नावु सुत्य बव सागरस तर।।
नेर दशहार वुछ सॉरह कर।
बोझिय सुत्य ह्यथ श्री गदाधर।।
मूह मायायि निशि गछ व्यसमर।
रामु नावु सुत्य बव सागरस तर।।
जान समसारुय अस्थ्यर।
जांह म बन गरिक्यन हुंद बॉर खर।।
रठ जगत अम्बायि हुंद दरबार।
रामु नावु सुत्य बव सागरस तर।।

यिम यथ वॉसि कैर्यमुत्य छिय बदकार
म्रेति विजि कालस सु वुच्छि वेंछ थर
पवनसुत आया लंका जलाया
रामजी को सीता का हाल सुनाया
अंजनी नंदन पाताल जाकर
रामजी लक्ष्मण अपने कंधों पर
हमको है अपने शत्रुओं से जंग आज
उन्से बचावे फिर किसका है डर
रामजी का दर्शन दशरथ ने पाया
फिर गया रामजी से रुखसत पाकर
लंका जीत कर अज्योध्या में आया
परम स्वख मूखी देदिया घरघर
अरे मेरे प्यारे बोलो नेशकाम
राम कृष्ण नाम बिन और क्या है काम
श्री राम कृष्ण का नाम है आश्चर
कृष्ण नाम है दूध मखन और घी
समसारु संतापु तृष्णा को हर

अकि रामु नावु सुत्य गछ्यख समहार ।
रामु नावु सुत्य बवु सागरस तर । ।
रवण को दिखलाया अपना बल ।
राख्यस हटया मिटया शर । ।
अहिसवन मारकर लाया ।
रामु नावु सुत्य बवु सागरस तर । ।
आवे आवे महाबीर बजरंग आज ।
रामु नावु सुत्य बवु सागरस तर । ।
लंका में आया स्वर्गलोक से ।
रामु नावु सुत्य बवु सागरस तर । ।
सबको दिखाया श्री राम रूप ।
रामु नावु सुत्य बवु सागरस तर । ।
सीता राम राधे श्याम ।
लेवे देह भ्रम देवे परम धाम
रामु नावु सुत्य बवु सागरस तर । ।
राम नाम मिस्री पिलाकर पी ।
रामु नावु सुत्य बवु सागरस तर । ।

315 शिव अस्तुती

पूज़ि लागय ग्वलाब ब्यल त मादल त ह्यैय
तँथ्य सुत्य पम्पोश व्यनु जाफ़र्य छिय ।
पार्थी पूज़ ह्यथ न्यथ कर आरती
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी ।।
चेय कित्य रंगुरंग पोशन कॅर्य मे डेर
लागय यूग डबि खसुनस छ कर्म हेर
साकार रूप दौस्थि असिकुन फेर
ही न्यराकार अँस्य पूज़ोथ नोन नेर
काम कू द लूब मूहन छु कोस्मुत गेर
त्रेयमि अँगु न्यँत्रु सुत्य जाल तिम कर मु चेर
न्यँबरिमि व्यवहार निशि गौमुत्य छि सेर
अँदरिमि प्रेयमु प्रावनाव परमु पदवी
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी ।।
छुख चु कस्नावतार यिथि नावु कर व्वदार
बोड्मुत बोठ खार बवु सरु दिम मे तार
चौर्य बक्ती यार दिम मे म्वक्ती द्वार
करुनाव सत् व्यचार असि बारम्बार
अँस्य छि दुनियादार रोट चोन दरबार
लद म्वक्ती द्वार सोन यियनय आर
द्वेतबाव हार छ्य पननि कुनिरुच द्रय
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी ।।
संच्यत आगामि कर्मन कर मे छ्यन
प्राख्दस प्यठ थव मे नेशकल मन
पानु छुख सोरुय वेषि¹ रूप हनहन
ईक बासन छु अग्यानु सुत्य ब्यन ब्यन
अमि यमि सान छुख पानय त्रुबवन
पूसन चै ज्ञानन छिय सत्ज्ञन
सर्वु शक्तिमानस कुनिस कुस वनि जुय
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी ।।
छ्यँट वासना म्यौन्य श्रुचराव पाप हर
वातुज ह्यिष छ स्व दीवु कन्या कर
अकि ब्यल पँतरु सुत्य कर अमर अज़र
छम च्वदाह माघु गट पछनिय दिम मे वर
प्रेत्यख बास कास यमु रजुन्य थर
अपर परापर छुख प्रकरत पर
शिव नावुक पास करतु ही शिवजी

ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।
यिम यिम व्रत दैर्य मे तिम व्वतम मान
फाक् दीदी व्वन्य म होखरावुम पान
कति अनु तिथ्य होश करु चे सुत्य ज्ञान
कति करि स्यद म्यौन्य मूर्ख ब्वद मूर्ख पान
तप जप यूग ग्यान दास्ना द्यान
कति बनु बागिवान ह्यमु द्युन दर्मुदान
कति बनु ग्यानवान कति बनु व्यदवान
राख्यस प्रकरत फिर मे थव दर्मुसान
शिवु नावु सुत्य कास परक ज्ञनमुच हान
यार के ह बनु परमु दर्मी तु कर्मी

ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।
अंतु त्यागुच स्थैज वथ हवतम
राग द्वेशि रोस्त खानुदार बनावतम
त्रियि पोत्रु म्यैत्रु बाव शोमस्थि थावतम
थ्यतु प्रेग्यन्यन मंजु मतु मंडुछवतम
येथ्य ज्ञनमस मंजु परमुगथ दावतम
अथि आमुत देह मतु रावुरावतम
पशिबावुक नशि मतु चावुनावतम
यशु मंजु थावतम महवोरंगी

ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।
यस आसि चे ह्युव बोड दीनुदयाल
तस कोनु म्नेति विजि पालना करि काल
क्याजि तस धर्मु राजु तति करि वुल्ट हल
क्याजि तस बंद करि समसारु मूह जाल
कोनु प्रावि ग्यान यूग क्याजि रटि कोह तु बाल
क्याजि हावि लूकन अबिमानुच चाल
क्याजि डलि डम्बु सुत्य जेनि अन्न दनु माल
क्याजि करि पाप वस्तावि अपुज तु जहल
टैल्य फिरि लूकन मोल्य हेयि जंजाल
क्याजि लूबि मन म्योन यी शूबि दिम चु ती

ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।
चुय छुख अंतुक अंत आद्युक आदि
मंजुबाग जगतस कर चु मे प्रसाद
पथ ब्रौठ छम स्टन ज्ञनमन हुंजु व्याद
पानस मंजु छुख चु कोत लायय नाद
स्वखु म्वखु कासतम जीवतुक्य अपराद
मशुनुय मे मँशराव पाव यादुक याद

रुनावतम ग्यानु यूगियन हुंघ पाद
बनावतम सत्जन परमु संत साद
बक्ती ब्रह्म ग्यानी तु यूगी
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।
अंत काल पाल नाव छुय म्रैत्यंजय
क्याजि करु छूट-छूठ क्याजि करु हय-हय
कोनु कासुहॉम च्यतुकि स आंस खय
कोनु बासख ब्रौठकनि रूखुन दय
कोनु नोन हावख तति वर तु अबय
कोनु करुनावख तति वासना ख्यय
कोनु दिवुनावख मुख्य नगरुक पय
कोनु वातुनावख तोत दिथ मनोजय
कोनु करुनावख पानस मंज लय
अच्यत् न्यरामय यी ओसुस ती
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।
च्यत् थव मे शूबिदार व्रत ब्रह्माकार
अपरादन हर पापन मे प्वन्य यार
दर्मु स्वस्थ थवतु म्याँन्य शुर्य बाँच गुरु बार
अस्थयर तु मेथ्या ज्ञानुनाव परिवार
ब्रह्मवत प्वरशन हिव्य करुनाव कार
पनुनुय पान बासुनाव समसार सार
मूह राख्यस मार दार कृष्ण अवतार
बुय बुय त्रावुनाविथ रोज च्य च्य
ॐ नमः शिवाय शाश्वताय शंकराय शाम्बवी । ।

1. विश्व रूप; 2. स्थित प्रज्ञावान ।

316 ग्रेहस्तियन बापथ संतन हुंद व्वपदीध

सुय ओस मोठ्मुत येम्य पौदु कोस्मुत छु यूत समसार ।
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
छनिमुच्च ओस असि अग्यानन ब्रमु मूहच फौस्य
रँटिमुत्य कामन कू दन लूबन मदन ओस्य ।
तमि मंजु संतव म्वकलौव्य बोयनख नमसकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
यैलि समसास्स व्वनमत छु करन मूह अंदुकार
दय मँशरवन फौलावन नासतिक आचार ।
अदु संतन हुंदि म्वखु दारन ईश्वर अवतार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन जगत छु मेथ्या ब्रह्म छु सत्
नतु अमि यमिसान जगत छु ब्रह्म आश्चर्यवत् ।
न्यथ गछि करुन सर्व आत्मु बावुक व्यचार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन स्यजर पजर कैरि बा
सतचि शिकारि प्यठ बवु सरस तौरि बा ।
सत् ग्वरु शब्द अब्यास कैरि ती छु सार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन परजुनावुन गछि सँहजु पान
श्रवन मनन निद्दयासन करुन छु जान ।
सतय सोरि तु प्रौविव साख्यातकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
असि ओस खबर युस यिथु तिथु पौत्य करि गुजरान
ख्यथ चथ युस श्वंगि आरमाह करि गव बागिवान ।
मरुन मँशिथ यशाह कडि गव सु दुनियादार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
यि बनि ति बनि पाँछ दोह पटुन गछि समसार
मद फुकरौविथ करुन्य गछन बँड्य बँड्य कार ।
ठँगिलि पौत्य जान पौत्य चलुन गछि व्यवहार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
गौँछ वुठ्थि गोछ वस्तावुन देह अबिमान
थ्यकूनावुन गछि पनुन कैबीलु क्वल खानुदान ।
लूकन पीछ दिथ गछि हवुन नोन गाटजार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
नेचिव्यन कोर्यन खांदर करुन बडि यशिसान
ओर योर अँनिथ वँडरावुन दनु सुत्य ह्यथ प्रान ।

संतन वॅद्य वॅद्य करुन्य जॅद्य अँस्य छि कर्जदार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
सुय गव ग्वर सोन व्वशन युस पकि असि सुत्य सुत्य
नतु साद तय संत असि निशि यिवन गछ्न छि कृत्य ।
शरन गॅछिथ यी छिस मंगन बारम बार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
छुख-अय सत्ग्वर सोन गछि कासन्य असि द्वर्गथ
ग्वडु गछि रछुन येति पतु हवन्य सतुच वथ ।
अदु छुख साँमी¹ सोन अँस्य छि चाँनी सीवाकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
स्वपयाह पाँसा छ अथि आमुत छि अँस्य लाचार
कुछ्यन मंज अन्न बंकस छ असि सोम्बरिथ द्यार ।
ही स्वामीजी दयाल बन अँस्य छि अयालबार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
जनमस चायाह चमुहँव छेनिहे मायाजाल
ख्यमुहँव चमुहँव संतन ति करुहँव कुनि दोह साल ।
लिविथ डुविथ थवुहोख गरु दनु रोस्त शूबिदार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
वेशनार्पन क्याजि दिमव असि छ तीच सूस्थ
ति छ मूजूद यि असि आसन छु जोरुस्थ ।
तनखाह दिथ बेयि पतय छि साँयिस तु खँदमतगार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
तिथ्य सोन्य छि पेमुत्य स्वर्नु कांगरि मंगन छि तिम
लदन छिख अँस्य लँदिथ तोति जंगन छि तिम ।
संतय लदुहँन अमि खोतु करुहँव बँड्य बँड्य कार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतन छु संतोश यिथु तिथु तिम गुजरवान छि दोह
असि नेरि तेलि दोह येलि ब्रौठ आसन दनुक्य कोह ।
तमि मंजु लदुहोख केंह लँद्यतन अनुग्रेह अम्बार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतन लगुहँव अँस्य कति पायस प्यवन अँस्य
चख आँस यिवन अज तान्य लँड्य लँड्य ह्यवन अँस्य ।
दमालि फँकीर स्वदु गूर्य मकार छुरीमार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन क्याह गोवु पथ ब्रौठ वुछि बा
ग्रेहस्तुक्य कालु सर्फन त्वहि ह्य बुछि बा ।
केंचन दोहन लूट्थि चलिवु ब्रम बाँज्यगार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।

संतन तु सादन शसन गच्छेव श्वबु चरनन
अर्पन करुहोख श्रदायि सुत्य तन मन अन्न दन ।
संतय म्वख हौविथ करि शोम्भू परम्पार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
शिवनाथ संतन तु सादन हुंदिय ग्यवन छु गीत
अँतीत आँसिथ ग्वन छुख ग्यवन मायातीत ।
ब्रह्मा वेष्ण छु करन संतन जयजयकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन त्वहि दर्मुय योत पकिवु सुत्य
देह छु नाँशी अज तान्य वतुगत आय गँय कृत्य ।
दर्मुक प्रेयम बैखि तु कैखि परोपकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन पोक ताँमीरा कैखि बा
तथ मंज रुज्जिथ सँन्यासु व्रँच दन बैखि बा ।
लागुन गछ्यस शीतल च्यतुक चंदनदार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
गरुच ममता त्रावन्य असि निशि हेछि बा
यिनु तोह्य ति लँगिव अथ कथ साँखी वुछि बा ।
खँचु तु गगर, हारि तु चरि बेयि जानावार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
कोँजूस बैन्य बैन्य स्वनहँन तु र्वपुहँन दँगिव मु ज़ाह
दँगिव-अय तोति गरुचि बलायि लँगिव मु ज़ाह ।
असि ते दियिव ज़ाह बतु म्यँटह यियिवु आर
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संकूच कैर्य कैर्य स्वंदर गँहना गँखि मु ज़ाह
गँखि-अय ज़ाह फिकिरु कैर्य कैर्य मँखि मु ज़ाह ।
कुस क्याह दीवु आँसिथ गौमत्य छिवु लाचार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
थवन्य गछिनु शुर्यन बाँचन हुँजुय प्रय
शिन्यस मंज येलि ज़ालिथ चलनवु तति छुवु दय ।
ब्रौट्य ज़ालिव दीफा नतु पतु छुवु गटकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन हतुबा अँस्य छिवु दयावान
सोनुय बूजिव तु आवागवुनुच चलिवु हन ।
पानय वुछि कति छु यावुन बुजर ल्वकचार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
व्यचार कैर्य कैर्य प्रथ कुनि निशि अँस्य गौमत्य छि सेर
प्रय कति बरव ब्रौव्य यिन अन्न दनुक्य डेर ।

कें चन दोहन सॉन्य ज़िठ्य ति ऑस्यमुत्य छि साहिबिकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन जॉनिवबा सोपनुवत समसार
सोपनु जगत मेथ्या वुछ्वि गॅछिथ बेदार ।
जागस्त सोपुन ह्युवुय जॉनिथ बॅनिव खानुदार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव फरमोव सोनुय करतूत छुवु नेशकाम
आसुवुन छु शॉती दर्मुशालायि मूखी बाम ।
व्वन्य द्युत असि युथ पजिहे त्युथ सर्वु आदिकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन सत्संग कॅर्य कॅर्य गॅयि वॉसाह
व्वदार च्यत् ऑस्य पलि कति थोव र्वपया पॉसाह ।
मूर्ख छि दपन दनु रॅस्त्य बेछ्न छिवु नाबकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
असि गोछ रलुन ठान सुत्य दपुहॉन जान
सतु निशि ड्लुन अदु ग्वन ग्यवुहॉन छिवु ग्वनुवान ।
वॅगिलि सुत्य गोछ चंदस छनुन ठगु बाज़ार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन ज़िरात जॅमीन लॉगिव बा
जीवनपाया छॅञ्चि त्रेशना त्याँगिव बा ।
लोब कुन रूजिथ लॉगिव या लॉग्यतन काशकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
गर्मी तु सर्दी मंज़ श्रावुन ऑस्यतन या पोह
व्वदासीनुवत कडुन्य गछ्न यिम पांछ दोह ।
जेननि पेयतन ब्वनकुन वसुन ह्योर खसुन दरबार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन तोह्य लूक् लज़ा त्राँविव बा
लॅलीशोरी हुंद ह्युव च़ालुन हॉविव बा ।
प्रसन रूजिव योदवय मेलिवु कम आहार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतन हुंद ह्युव कुस च़ालि ऑसिथ बॅड शक्ती
संतन हुंज़ त्वहि करुन्य बक्ती छुवु म्वक्ती ।
संतन वॅदिव पनुन पान शुर्य बाँच़ गुरुबार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
कति प्यठ कोत तान्य ओस राजि भरथॅरियस दौरि दौर
च़ोल राज त्राँविथ कस द्राव कस नेरि समसार सोर ।
च़रिज़ीव बॅनिथ प्रथ जायि फेरन ख्वद म्वखतार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।

यि दुनिया छु कहर खानय न्यराकार
कहर वुछिथ कहर जॉनिव म्यंत्र तु यार ।
पज्या मूहुन मस चथ गछुन ओर बेमार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
काया छ दजन रेह छस व्वथन नास्स मंज
क्वसु फर्क छ बासन जदालस पेशकास्स मंज ।
अफसूस ख्यवन गरिक्य छि चलन ह्यथ परिवार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
दया कँरितव संतव अँस्य छिवु ग्वनाहगार
पननि अनिरि गस्स मंज रावरोव खानुदार ।
अग्यानु न्यंत्रन गाश अँनितव दिथ सत् व्यचार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
संतव यी वोन लोबकुन त्रॉविव संकल्पु बार
जन पवनु रोस्तुय रेह दँरिथ थँविव ब्रह्माकार ।
गगनस प्यठकुन खॉरिव च्यत् ह्यथ शब्दु दार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
संतव यी वोन कँरिव बा शाँती शम दम
देह ह्यथ छ सॉरुय ईश्वर सत्ता तोह्य छिवु कम ।
मेथ्या चीज छु ह्यवन मँल्य चूर खँरीदार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
थँकिथ वॉतिवु मंज ठ्यु गामस लँजिवु रथ
यान्य अँछ वँटिव तान्य ठा हवनवु पनुन्य ज़ाथ ।
श्रवन गेविव रुजिव सॉरी ह्यथ हुशियार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
सत्जन येम्य वुछ तँम्य वुछ सदा शिवुन रूप
मंज मूह गटि समसारुचि छि तिम ग्यानु दीप ।
शरन गछन वाल्यन कसन छि व्वदार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
अँतीत आँदीन लूकन छि बासान कायायि किन्य
प्रपंच छि पालन पननि दयायि क्रपायि किन्य ।
बक्त्यन बखशन छि विबूत पलि नु आँसिथ ह्यर
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
ह्य ठठि म्याने अनुग्रेह अन्नस जग प्रोन म चार
बेख्यायि नीरिथ मंज जोलि लँदिथ न्यथ गुर सार ।
अलख बूलिथ संतन दस्वाजस प्यठ प्रार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्याराकार । ।
संतन तु सादन हंजि ब्रह्म नेशवयि हुंद वनु क्याह
छख अष्ट स्यँज पतु लारन स्योद छिखनु वुछन जांह ।

छुख राज बासन त्रन बवनन हुंद अँड खँड हार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
वोन भगवानन युस यियि मे निशि बक्ती सान
छुस तसुंजि चरनु गरदि सुत्य श्रुचरावन पान ।
मँलिथ पानस अदु छुस व्वतम करन समसार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन समसास्स कर तीर्थन सॉर
कति ओस र्वपया पॉसाह सुत्य ओस दयि दनु दॉर^२ ।
तति थौवुन अन्न दनु ख्यनु चनु सान शूबिदार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
संतव यी वोन अँस्य ह्वा व्रँच किन्य छिवु सँन्यास
गरि येलि द्राय अँस्य ग्वडु संकल्पन कोर ग्रास ।
स्ववर्न दर्म सत्संग व्यचार सुत्य ह्योत यार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
अन्न जल बूगिव प्राख्दस वैकुन छु जान
नेश्चल रुजिव चस्ख^४ दीदी चँटिव म पान ।
ह्योन द्युन म त्यॉगिव लूकन म लॉगिव गृट अनवार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।
दय कति जानुहोन कृष्णन संतन हुंज प्रय बँर
परम ब्रह्म मॉनिथ संतन हुंज तोता कँर ।
संतय थवनस सतुच थ्यथ व्रत ब्रह्माकार
जयजय छु संतन प्रेत्यख्य होवुख न्यारकार । ।

1. स्वामी; 2. अँमीर ; 3. दैर्य; 4. चक्कर ।

317 ममूख्य बक्तिस कमि कमि व्यचारु पतु पजि पस्सतिश करुन्य

व्रत दोर यँड चोल बूगु बार
फाक् दिथ वँथ्य बेमार ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।

मनु रूगस छुय गुज़ाह पय व्रत दार रठ इंद्रेय ।
युथ अवशद अथ छुय दरकार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
व्वतम व्रत श्वद करि मन नतु फाक् होखरावि तन ।
छि दिवन फाक् कृत्य मर्जदार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
हुशियार रूद्य रँत्य रतस प्रबातस तान्य बीठ्य ।
चूर रोजन छि शब बेदार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
ज्यादु दनु जेननस छु ज्यादु लूब पलि थवनस छ व्वसु शूब ।
जन खजानस रँछ शाहमार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
दोप गंडुन त्रावव सामान द्यवु चलि देह अबिमान ।
कृत्य वुछ्य नंगु नँन्य तु नादार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
अन्न त्रावुहँव चमुहँव द्वद अदु प्रावुहँव श्वद व्वद ।
वुछ चवन शुर्य तु वँछ्य मजुदार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
हठ कर्म सुत्य ज़ोर गोल काम काम करिहे बदनाम ।
नामर्दन हुंद छु त्युथ कार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
काम आँसिथ गोछ करुन त्याग मंज विबूती वॉराग ।
अथ त्यागस छु सर्वु आदिकार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
दयु संद्य गेव्य कृत्याह गीत सु छु पानु मायातीत ।
अजतान्य वँथ्य कृत्य बाशकार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
असि ज़ोन छेनि मायाजाल सुह आस्य गँयि ग्वफि शाल ।
रँत्य नूलव तु गगरख गार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
लूख वुछ्य वुछ्य अँस्य छि खोचन छु रोचन मनशि रुच ।
जन छि व्वदुर्य तु बूतीमार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
मंजु सबायि गोछ द्युन व्याख्यान श्रवनु मननु अमि यमि सान ।
छंडुन गोछ लूक् ह्यतुकार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
मामस ख्यव तु बोड दोह पोल युथ दपन लूख ख्यनुवोल ।
मजु चाव मोन वामाचार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
श्रान कैर्य कैर्य श्रूचरँव तन कम छि तथ मंजु रोजन ।
जलसुय मंजु छि दुनियादार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
गाडन छुन पान्युक पास छिख करन रँत्थिय ग्रास ।
मिनि म्वंडजन छु त्युथ शेहजार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
शुर्य तु बाँच दोप नोवरावव यश हावव लूकन ।
गाडु हँजन छु ज्यादु परिवार खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
लजु रंगु रंगु बजि लरि जायि तिमुनय मंजु मायि लॉग्य ।

रतु क्रूल, खेंचु, जानावार
लूकन मंज छु असि खानुदान
वुनिक्यन छि तिथ्य पलि छु हार
शकलि किन्य अँस्य क्याह शूबिदार
कोत गव यावुन तु ल्वक्चार
प्योमुत ओस गाटुल नाव
पकिहे ह्यसुसान व्यवहार
त्याग वॉरग दय सुंद लोल
ज्ञानि सत् करि परव्वपकार
लूकन हुंद छंडि कल्यान
बनि दीशुक सीवाकार
अँस्य छि पनुने गरजुक्य लूख
अँस्य छि लूबु गरुकिय खानुदार
आत्म प्रकाशु ग्यानुवानु यितु
ममतायि शोरु बनि दितु नार
थवतु शमु दमु शाँती सान
क्वम्बि¹ मंज छुनतु मूह तरवार²
वनतु कृष्णस त्युथ गाटुजार
प्रावि शाँती सत् व्यचार

खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
क्वलु म्वलु अमि यमि सान ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
बुजरन कैर्य नाबुकार ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
गाटु खॉर मंज छु पाव ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
यस आसि सु छु होशिवोल ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
तनु मनु अमि यमि सान ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
लूक् हुंद कति तरि शूक ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
नितु सोन देह अबिमान ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
पुस्थि मुख्य सामान ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।
युथ ब्रम मानि समसार ।
खसि कथ प्यठ अंदुकार । ।

1. मियान; 2. तलवार ।

318 श्री रामजीयस कुन प्रार्थना

सतुचिय थ्यथ थवतु म्याँनिस नेशकामु बक्ती बावुसुय ।
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।
श्री रामु चेंद्रु दीवन हुंदि दीवु जीवु दया करतम
लोल बरतम तु ज्यनु मरुनुक दुख हरतम तु वरतम ।
तारु तारतम नाव छम मंजु बवु सरुकिस वावुसुय
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।
पराक ज़नमुच खंछिय छम रामु नावु सुत्य कासतम
ही न्यर्मलु नेशकलु मंजु ज़लु थलु बासतम ।
दर्शनु वरुनुन त्रावुम फल कुलिस मंजु तावुसुय
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।
ह्यून ऑसिथ येम्य रामु रामु नावु सौरु तैम्य मन ज्यून
यूगु ग्यानु दानु दर्मु दानु रोस्तुय छुस कर्मु ह्यून ।
यूगु हेछिनावुम ऑग्यन्या दितु बुशंडु कावुसुय
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।
व्यवहारुकिस ज़ारु गिंदनस ज़्यादु कमवुन छु ज़्यादु लूब
समसारुचि बाजु मंजु ज़ेननस तु हारुनस छ क्वसु शूब ।
मनि कामना स्योद करतम लोगमुत छुस दावुसुय
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।
आत्मारामु व्वन्य वैशय बूगु त्रफती दावतम
श्रेह रेह दितु अनिमु ज़न अबिमानु मोटु ब्वदु फ्यारुतम ।
अनुग्रेहकुय अन्न थावतम ब्रह्म द्रेशटी प्यठ छवुसुय
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।
रामु रामु करु रामु रामु स्वरु रामु नावुकु छुम लोल
रामु नावन विभीषन पोल मूह मडु रवुन गोल ।
रामु रामु करु रामु नावुकु छुम प्रेयम येंचु हवसुय
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।
पदमु पादन तसुंदन कमलु न्यंत्रुय वथुरावसुय
कोस्तूरु नाफु कोफूरु चंदनु सुत्य तन नावुसुय ।
श्री रामु रूपु श्री कृष्णसु हीय तु त्वलसी छवुसुय
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।
ही राधाकृष्णु सीतारामु द्वेतु बावु हारुतम
ईक ज़ानुनुक विवेक व्वपाय करतम तु वरतम ।
यिथि अनुग्रेह पानय शौगमुत पान वुजुनावसुय
रामु चेंद्रु श्यामु स्वंदरु लगुह्य रामु नावुसुय । ।

319 श्री कृष्ण, श्री राम, श्री नारायण, कुनुय रूप जॉनिथ अस्तुती

कामुदीनु र्खनि द्राख ब्रज गामु
नेश्कामु श्यामु स्वंदरो ।
ओम जोम द्वद चत दामु दामु
कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।

रधाकृष्ण सीतारामु ईकतायि चानि वंदु पान ।
म्बख हाव वैष्णु लूक् पस्मु दामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
मंजु अज्योद्यायि बिंद्रबनु वनु वनु छरथ बो ।
दीशु दीशु शाहरु शाहरु गामु गामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
रागु सुत्य वयक्वठ बागु मंजु शीशुनागु प्यठ म्बख हाव ।
मूख्य लरि हुंदि पस्मु शमु बामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
शिवरा क्वबजा जॉनिथ म्यॉन्य चॉर्य बक्ती मॉनिथ ।
द्वेत बाव कास अकि प्रनामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
मूह रावनु मदु कमसु मामु ममतायि मातायि ज़ाख ।
शांत गछ अकि रामु कृष्ण नामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
द्रेष्टी चॉन्य चमकावि सोन मन नेरि ज़न कुं दन स्वन ।
मंजु शंसतु सरतलि त्रामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
ज़न कौसल्या जसुदा छस वनु मंजु फेर वनु कस ।
मतु थवतम लूक् हुंजु पामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
वैष्णु कृष्ण रामु ईक म्बख हाव ब्रौठ स्वख पतु मूखी दाव ।
वाँस गुज़रावु सुत्य आरामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
सर्वु आत्मु बावु ब्रह्म दानि कानि कडु ग्यानु पानि सुत्य ।
कडुनाव बीदु द्रेष्टी हुंजु हामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।
कृष्ण नाव रामु नाव ज़पुनाव न्यथ स्वरुनाव करुनाव ।
कृष्ण कृष्ण वैष्णु वैष्णु रामु रामु कृष्ण रूपु रामु चँद्रो ।।

320 परव्वपकारु बापथ बक्तीपूर्वक व्वपदीश

पिंचुकानि अलु-अलु चोन पानस तय ।

यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।

जलसुय प्यठ छु म्योन आसन आसन मंज पँखियन छस बो व्वतम बासन ।
म्यॉन्य बूल्य बोजनुक छु ताकत कस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
छस कुनिय जँन्य क्वलु बठिनिय फेरुन प्यठ शिनि थानन ऑल्य छस यीसन ।
लोब कुन रुजिथ छस बेकस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
जानावासन हुंज बूल्य छम खरुनुय दाँ बँठ्य त्रॉविथ छस प्यठ सरुनुय ।
व्यस्त रुजिथ जन ईकांतस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
अँज, पँछन हरुवचि बाशि बोजनस तय खफु छस कु रकचि बोलि छम प्रय ।
जबिकुक छुम म्यँत्र प्यंद छम व्यस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
प्यंद छम वँठ व्यस स्व छम दम दिवनुय स्व छ मेति पॉनिस मंज सुत्य निवुनुय ।
छम दपन ब्वन वस तय ह्योर खस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
गिलि वोन तस छस मंज दाँ डलसुय अन्न बनि ज्यादु स्वख वाति जलु थलसुय ।
चॉन्य मँस्ती क्याह करि जगतस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
म्यानि बोलि सुत्य दाँथल ग्वनि ज्यादय तथ मंज पालना म्यॉन्य बनि ज्यादय ।
बचि ह्यथ गॉटु बयु रोस्त फेरु मस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
पतु यिमु न्यंदु कालस बेयि फीस्थि दानि पपनस तान्य रोजु ओल यीस्थि ।
पानस सुत्य अनु स्वकालस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
चॉन्य व्यस्त बूल्य क्याह दियि लूकन ख्यनु चनु रोस्त किथु पॉठ्य गालि शूकन ।
जानवासन थ्यकतु व्वतम छस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
सुय छु बोड दातु सारिवुय खोतु प्रदान यसुंदि व्वपकारु सुत्य ठैकि देह ब्वद तु प्रान ।
जीवु दयायि हुंज प्रय आस्यस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
अन्न सुत्य बल वाति प्रानन बनि ग्यान कस्तु यियि तप जप यूग दास्ना ध्यान ।
दारु पूज वारु वाति परमात्मस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
द्राग कासि ईश्वर चलि सॉरुय हान युस अन्न ज्यादु दियि तस ठेठि भगवान ।
ख्यथ चथ वारु वाति वैष्णु बवनस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
सॉर करि तीर्थन बेहि प्यठ नागन पाँछ जँन्य ह्यथ फेरि मंजबाग बागन ।
जानवार बूल्य बोजि छवि पोशि दस्तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
दर्मु बायन सुत्य करि सत् संगुय सामु वीदु स्वरु परि स्वंदर बंगुय ।
सँहजु पानुक निश्चय आसि तस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
आत्मुक स्वख प्रावि त्रावि देह अबिमान त्रफती दियि सास्निय अमि यमि सान ।
दीव ह्यथ रेश्य ह्यथ प्यतर लूकस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
सर्वु दानव खोतु बोड अन्न दान मान स्वरु फिरुनावि पान खरु करि प्रान ।
प्रथ आहारुक म्वख छु अन्न रजस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
फाक् दिनु खोतु ख्यावुन चावुन छु जान फाक् दिथ बेयि पतु खरु थावुन पान ।
अदु वाति सीवा ब्रह्म मंडलस तय यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।

आहोत त्रफ्त करि दिवताह कास्र ब्रह्मन ब्रह्मार्पन कस्रस तय गिल छ कांछन दानि स्वय बूल्य बोऽयस राजु यूगी बेहन प्यठ यंग्यन्यस तय अन्न बनि लूकन स्यद गछि कल्यान दीशि सीवायि स्वख वाति कृष्णस तय	आचमन ह्यथ लगन ख्यनुक्यन कास्र । यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । । अन्नपूर्ना ह्यथ राजु हम्स सोऽयस । यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । । दय करुनाव्यख श्वब कर्म दर्म दान । यिछ मँस्ती छ कस मसतानस तय । ।
---	--

321 यिनु गछ्नु निशि म्वकजारु बापथ प्रार्थना

सर्वु आकारु रूपु येम्य म्वख होवुय
यूगु ग्यानु न्यँद्रे मंजु वुज्जुनोवुय
पानु सोरुय सु तँम्य क्याह व्वपदोवुय
सु छु वेषु रूपु कुस वुज्जुनोव सोवुय
आदि मद्य अंतु रोस्त येम्य बासुनोवुय
ग्यानुवानव यिहोय नेश्चय थोवुय
खखराह दिथ पानस असि असुनोवुय
मूख्य दनु दियि र्छ्वुन लछ्नुवुय
वेषु मायायि हुंद जेशु चानुनोवुय
मसखरु लॉगिथ चास दारि लोवुय
वालु वालु कूदन मे मस खंजुनोवुय
लूब आँस दाँस्थि मे आम मँचुरोवुय
ब्रमु मूहुक हाल तस प्यठ त्रोवुय
ल्यक् थ्वक् चाजि दनु दियि स्वनु सोवुय
नफसुन्य सांगन मे रूप बदलोवुय
लूब पुछि मनुनॉविथ अनुनोवुय
लूकव गीत म्योन ठु गँजुरोवुय
असुनन तु वदुनन मे यनामु दोवुय
थरि प्यठ पान मे पथर पोवुय
तसंजि थपि दकुज्जद स्योद पकुनोवुय
बस्तु ककरा वँलिथ मे पान वुफुनोवुय
राजु हम्सु पानस मे काव बनोवुय
लूब पुछि मानु बोड पान मंदुछेवुय
वुट्ट रंग अबिमानन मे करुनोवुय
खानुदान पान मे ल्यक् ख्यावुनोवुय
अथि आमुत दीव देह रावुरोवुय
चोबु जोरु डंबु सुत्य मे दनु कमनोवुय
रोजुगार कसुनुक मे तमना द्रोवुय
गाटुल्यव बांडव यश थ्यकुनोवुय
ज्यादु नोच मे मूर्खन कम हिसु प्रोवुय
राजि पॉथरस मंजु मख नचुनोवुय
दर्जु ब्रमुनय मसखरु खोचुनोवुय
म्यँचु आँडसन मे पान काल बनोवुय
म्वल दिनु विजि ग्राकव पीठुरोवुय
छरिरुक हाल मूख्यदातस बोवुय
असुवुनि म्वख कृष्णन बाँगुरोवुय

शिनि मंजु व्वपदोवुय त्रुबवन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
ब्रमु किन्य ईक बासन छु ब्योन ब्योन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
स्व छ ब्राँती अग्यानुक ग्वन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
सान्यन मूर्ख क्रकुनुय थवि कन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
पॉथर लॉग्य लॉग्य छुस बो मंदुछ ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
दाँर कडनस छुस बो कलु दासन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
बांडन मंजु छुस मसखरु जान ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
पखांड म्योन वुछि मनमोहन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
वह वह कँर्य कँर्य छि ओश त्रावन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
थोद तुलि पानय सु आनंदुघन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
हावि मोर मुकटु दासुवन गरुडसन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
मूख्य दनु दियि करि पॉथरन छ्यन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
त्राहिमाम पाहिमाम यि छु लूबु ग्वन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
छ्वकुलद मे हाँवुय जोतन तन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
म्वंडि माजि जामुत्य छि राजि जादु जन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
तस ह्युव शाह क्याह छु गाह त्रावन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
कोदु खँच मे मुस चोन कालु पॉथरन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।
सांग लोग निव अनुग्रेह अन्न दन ।
असिना सु लँक्ष्मी नारायण । ।

322 अबिमानु निशि बचनु बापथ प्रार्थना

इसतादु अख जंगि प्यठ गुह्य र्युंजा
क्याह करु दोयुम ख्वर अय पथर त्रावु
प्रपंच सौरुय प्यनुक छुम मे बासान
वुध्त्तव यथ बजस्स कुस मे वात्यम
नय वावु सुतिय छुम फूद अलन
अकि लंजि व्वथन बैयि लंजि बेहन
सखस प्यठ आंस कमरी तस कुन
नखु ह्यथ पखु ह्यथ अदवल पल छुख
ना तुमको सूस्त ना तुमको सीस्त
ना तुमको शोहस्त ना तुमको जोदत
अख नेशफल फ्रसताह जेटि ज्युठुय
खसनुक खयाल छुम स्वर्गस प्यठ
यिथय पॉठ्य मद हौस मद म्योन
शतरंज बाजि अबिमानचि मंज
यिथय पॉठ्यन समसारकिस पोशिबागस
श्री कृष्ण यियम पयवंदु कर्यम
पानस सुतिय सुय मिलनाव्यम
पास्स मीलिथ शंसतरु स्वन गछि

ओस दॉयसन गछिमा वॉर्यदात ।
बोड्धि तल मा गछि बुतरात । ।
अखन तु सासन ह्यथ पॉखियन ।
कुस परजुनॉविथ हेकि म्यॉन्य ज्ञात । ।
छपन छुस रूदु पलन तल ।
नय कूनि दोह छुम नय कुनि रात । ।
बोलन गुह्य रींजि छुख नादान ।
मंज पॉखियन आँदीन अनाथ । ।
ना तुमको गैस्त ना तुमको होश ।
छेटे मुँह से बडी कैसी बात । ।
मंजबाग बागस ओस गँजसन ।
छ म्यानि खोतु कल्पुव्रेख्य पारिज्ञात । ।
मद फुकुरवन छुस बलुवीर ।
शाह अय त्रावु शाहस गछि मात । ।
मंज बोति वीरा छस ।
फल नेर्यम अनुग्रेह शक्तिपात । ।
क्याह करि नख्यतरु तु क्याह करि सात ।
सुय अबज्यथ छुम बोय छुस दात । ।

323 सर्व आत्म बावस प्यठ ठैकनु बापथ

हमसायि सत्तुता बुमुसिनन खेनि	बचि ह्यथ मंज मॉदानस द्राव ।
लूब तौति सुत्य खंन्य खंन्य मुस चास	कांह क्योम द्रास नु फीस्थि आव ।।
बचव दौपहस ब्वछि सुत्य अँस्य मूद्य	बैयन हुंद्य पॉठ्य बैयि कें ह ख्याव ।
असि मामस ख्योन त्रावुन हेछिनाव	ताज छुय रजु हमसु नाव याद पाव ।।
होश छुय चैति कँतिजि जानावासन मंज	कावु सुंद्य पॉठ्य बनमु चुति छ्योट ख्याव ।
संतोशि बागुक पोशनूला बन	पानस बसंतु जामु पॉराव ।।
यिम नु मामस ख्यन तिम छिना जीवन	दीवन हुंद ह्युव शांत म्वख ह्राव ।
केम्य कूल खेन्य छिय फख व्वपदावन	मामस त्राव जीवुगात मँशराव ।।
लूख ज्ञानन सिव्य गोमुत पॉज आव	चु म व्वथ लूक् जैवि देह म वुफुनाव ।
लूब रोस्त तिंहजि पुछि प्रेयमु बूगन बूग	कृष्ण रायि किन्य थाव सर्व आत्म बाव ।।

324 भगवान बक्ती किछ गछि आसुन्य (बक्त सुंघ लख्यन)

म्यँचा मलन नूला चलन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
हिंसा सुत्य ह्यथ संकल्प फेरन
नादान रुनिस ज़न रामु हूनिस
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
कें ह गरि रुज़िथ कें ह गँयि वनवास
जंगल गछन तु मंगल मेलन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
अख आँदीना शिव नाव ग्यवन
पान श्रुचरावन बक्त्यन ह्यवन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
अख चंडजा मह पॉपी
शिव नावा ह्यथ शिवलूक प्रावन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
अख सत्प्वर्शा नोन बासुनावन
जग प्रोन फल दिथ त्रपती बखशन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
गरुड यिवन वासुक चलन
बक्त्या व्वथन तस मालु गंडन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
अख ग्यानुवाना जागरत सौपुन
बेदारी मंज तस सुत्य आसन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
मूह दशरवुन दँह कलु लागन
च्यत् ख्वश गछन मन वश बनन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
देह अबिमानुक सूर मेचि मिलविथ
अंतु कालुक सँहलाबा तथ
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
स्वगंद दिथ च्यत ब्वद फवलुनावन
बोम्बरन बुं बुं करुनावन
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह
कृष्णजुव चलुनावन द्रौपदियि
यथ ब्रह्मांडस त्रपती बख्यान
वेशालु बोज स्वस्तुय सूर मोताह

शाहमार मासन छलय सुत्य ।
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥
पीडयि वतन वतन मंज ।
नेसन क्वकर्म क्वलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
कें चन आसन व्रत सँन्यास ।
रुति बावुकि मंगलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
मेति विजि ह्यवन यमु दूत पोत ।
म्वक्ती गंगा जलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
द्वर्गन्द तस तिछ चलन लूख ।
कुनिय पँतरु ब्यलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
शम दम तप ज़प यूग ग्यान ।
बडि अनुग्रेहकि खलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
शिवनाथस हेट गछन नोन ।
बडि प्रेयमु तु न्यर्मलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
सुशफत बासन तस ब्रह्म रूप ।
यूगचि न्यँद्री ज्वलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
छस तोति रोजन अपेख्या ।
लॉगिथ कॉहिमि कलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
हौल द्वसु हेट मा दसन जाँह ।
त्रावन कुनिय यलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
फुलय वुछुनावन लूकन ।
वॉनियि पम्पोशि डलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥
हंजि बक्ती सुत्य दुर्वासा ।
अनुलीशि अकि हाक् नलय सुत्य ॥
सुह गालन यूग बलय सुत्य ॥ ॥

325 नेशकपट बक्ती

छ्य रात कृलस मंज जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार ।
दोहस श्वंगुन रातस वुफुन बचन दिवन द्वद मजुदार । ।
दोपमस पखय चै छ्य छुख कोनु वुफन जानावास्न मंज
बबय चै छ्य छुख कोनु लगन वँहशी हंघन कास्न मंज ।
द्वशवय चीज ऑसिथ छ्य नु पठन छुख न्यूच ओयून नाबकार
छ्य रात कृलस मंज जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।
दोपनम फीस्थि नियत खोट छम छुम गटि मंजय रोटमुत गार
मंज वुफुवुन्यन मंज पकवुन्यन लोब रुजिथ छुस गवनाहगार ।
सिरिये लोसिहे गाशा यियिहेम अँछन द्वन चलिहेम गटकार
छ्य रात कृलस मंज जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।
पखन तु नखन वाशाह कडहँ अनिगटि वुफुनस यियिहेम वार
ह पानु म्याने नियत रुच थव प्रथ कौंसि हुंद बन व्वफादार ।
यकतरफी कर यससुत्य रोजख तस सुत्य सैद्य पौठ्य कर व्यवहार
छ्य रात कृलस मंज जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।
नफसस दोपुम चै छ्य वनन शुतुर मुर्ग जानावार
जानावारय छुख तुलत वुफा छुखय वूट तुलत पँत्यकिन्य बार ।
दोपनम मे फीस्थि यी छुस तु ती छुस चुय छुख म्योनुय खँदमतगार
छ्य रात कृलस मंज जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।
बो कथ दरकार यिमय थफ छ्य दितम ख्योन चोन लयय नु हार
मजु म्यानि बापथ समसास्स मंज लुटँविथ अन अन्न दनु द्वार ।
बाजार ठाव मे सोरुय ख्याव लूकन हुंद बन कर्जदार
छ्य रात कृलस मंज जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।
वेशय बूगव तु यशु मंजु क्याह लारि कृष्ण चु कर परव्वपकार
संतोशु व्रत थव गुजराना कर लूबस तु मदस तु मूहस मार ।
म बन कौँजूस म बन बखैल म बन मुमसिक म बन करार
पनुन नफुस पथ कुन थौँविथ लूकन हुंद बन सीवाकार । ।
छ्य रात कृलस मंज जानुवास्न बबय रातस छ्य बेदार । ।

326 भगवान् सुंघन ग्वनन हुंज वखनय बेयि पनुन्यन अवग्वनन हुंद बयान तु तिमव निशि म्वकजार मंगुन

परम आत्म परमानंद परमेश्वर ।
छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
अच्यत् च्यत् चैननु च्यनु मातरु च्यत् मस होस्त म्योन योत गच्छि तोत ।
तति तति चय छुख दिम रँत्थि फिर मे स्वरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
बूग गासु खेनि चाम लूब नयि ब्रमु बरु रँत्थिनि चै वुच्छि चोल द्वखु शाल ।
काल सुह वाति ब्रम चलि कुस छुस बो मरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
ही अगम्य अपारु ही दिगम्बरु हरु बवु सरुकुय छुख करुनावतार ।
चय यपारि मेलुहँम अदु अपोर कोत तरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
कै ह नु ऑसिथ छुस अग्यानु सुत्य खरु ग्रेहस्तु हीनस मे लबि कनि थव ।
खानुदार बँन्य बँन्य पानु पाल म्योन गरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
कामु मँशुकोट म्योन यलु गव तु क्याह करु परमु दर्मु बलुवीरु छुम चॉन्य आश ।
पोत फिरुहँन पज्जि रज्जि हुंदि अकि दरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
वासना फीर्य फीर्य पतु पतु लारानु कैर्यमुत्यन चान्यन कारन मंज ।
तिम चय बासतस थवतस मु मूह ज़रु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
जॉव्युलु छुस कतन गंडु म्वक्तुचि लरु ओम पन छुम कुनुय बीदु द्रेश्टी सान ।
ओगनिस दोगनाव दौर कर अकि वरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
आलव चै दिनि क्याजु फेरु गरु गरु थफ कैरिथ चानतम छुस बो अनजान ।
ग्यानु यूगु लरि श्रदायि हुंदि बरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
प्रानु अपानु फम्वार पक्वुन्य छि जरु च्यत् क्वंडुसुय चानि सत् जलु सुत्य ।
थवतख प्रेयमु द्रेश्टी दयासागरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
बंद कर बाँज्य अग्यानुकि बाँज्य गरु जॉन्य असि चॉन्य मेथ्या ब्रमु बाँज्य ।
ब्बदि यूगु दिम आश्चरुकि आश्चरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
हगरु हगरु कर मु कर मु हगरु मंजु शिनि ग्वगस्स लोलु ओल यीर ।
ह ग्वरु लोलु अमर्यत चख च आगरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
समसारुकि ब्रम बाँज्यगारु अस्थ्यरु क्याह प्रावु कस छुम हवुन फीस ।
हरु कासतम ज्यनु मरुनुक ज़रु ज़रु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
कायायि मंजु अमरु पान करु सरु अन्न नेरि ब्योन तोह कनुकिय पॉठ्य ।
अनुग्रेह करतम हरु प्रकरु परु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
हम्स बनोवथस शाह दिथ शाह परु फाक् फरि वातु कोत म्वख्तु दिम पूर ।
मानसी पूज्जि हुंदि मानु सरवरु सरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
ग्यानु ताजदार तारकन यूगु संगरु गाश ओन वुछ मनोरजु समसार ।
अँनीक ईक बासुनाव वेशम्बरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
कुस प्रेदिख्यन दिथ ह्यक् चरुचरु रायि म्यानि मंजु बस जायि जायि छुख ।
पूर्बु पछ्मु दखिनु व्वतरु छुख मनोहर चय सर्व शक्तीमान । ।
कै क्लॅट ग्वफि चायि शाहमारु सुंदि डुरु ममता चँज आत्म व्यचारु सुत्य ।

देह अबिमान ज़ालु छफ कालु अजदर
जँचदार खरसुय कॅर्य कॅर्य खरु खरु
देह शीर्य शीर्य देह अबिमान थव म ज़रु
थरि प्यठ पथर प्योस छम थरु थरु
ऊर्दुगथ प्रावनावतम अदोगथ हरु
राजि पॉथुर छु अपजूय मूर्ख मसखरु
खखराह ख्यथ लूब हिसु ह्यथ गछ म गरु
दम द्युन त्राव लूब डंबुके व्वदरु
संतोशि स्वख प्राव अँदरु न्यँबरु
यूग दिथ च्युय योत बासतम सत्ग्वरु
पननि म्वखु च्युय जॉनिथ च्ने आपरु
बक्ति बावु म्वखु ओस पनुने बाज़रु
तम कडु शिव न्यर्वानु वानु दम बरु
मानु यि केंछ म्योन म्योन यि छु चोन
कासतम यिम छि तिम जीवतुक्य अरुसरु
श्यामु रूपु रामु चँदु श्यामु स्वँदरु
कुमदु पोश ज़न फवलु कति गछु बरु
राधेश्यामु सीतारामु गौरीशंकरु
बक्तु खक्तु म्वक्तु दिम शक्तु दिथ थव मे खरु
सिरियि नोन ऑसिथ रतुकुल ओन गव
ककवु न्यँत्रव कृष्णु चँदुन ध्यान दरु
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
जथ द्रायि शूबिदार खरु द्राव नोन ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
ह्योर खारतम छुख मायातीत ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
वैष्णु मायायि हुंद जेशुनु छुय कूठ ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
व्वदरु पुछि दि म पँखियन खेद ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
बूग दिथ कासतम देह अबिमान ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
ब्रम गोम छँड्य छँड्य यँच मुस चाम ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
अदु कुस छुस बो दपु कथ यि छु म्योन ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
कृष्णु चँदु चँदुचूडु कास ब्रमु बाव ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
अँनीक ईक छुख सर्वुशक्तीमान ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।
श्यामु रूपु नोन द्राव तस आव गाश ।
छुख मनोहरु च्युय सर्वु शक्तीमान । ।

1. कठ ।

327 श्री कृष्णस कुन मुख्य बापथ प्रार्थना

त्वलसी तु ग्वलाब आरुवल हीय फ्वजि थरि थरे ।
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
छुय बवसरा तरनस क्युत ज्युठुय तु कूठुय
सुय तोर अपोर येम्य चोपोर श्री कृष्ण ड्युठुय ।
पोन्य ज़न बनि त्रन बवनन अपोर तरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
शंकर ह्यथ कृष्ण छु नचन मंजु पोशि बागन
लतु म्वंजि कंस्थि रागस त्यागस वॉरागस ।
यिथि राग मंजु तिथि त्याग वरे ॐ शिवु हरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
बोड बागिवाना सुय छु युस कृष्ण द्यान स्वरे
ख्यथ चथ ह्यथ दिथ सत् प्वर्शन सीवा करे ।
आत्मु ग्यान प्रावि सु कति जैवे तु मरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
ग्रेहस्तन रॅट्य यथ छु प्रथ कुनि चीजुक रागुय
सोरुय आसुन गोछ कख कथ प्यठ त्यागुय ।
ग्रेहस्तु मंजुय गूपीश्वर रछि गरि गरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
मायाज़ालस मंजु छि थॅव्यमुत्य मन निवुवुन्य फल
मेथ्या ब्रमुक्य तिम छि तथ मंजु बंद गछुनुक्य छल ।
कड राजु हमसस म्वख्तु हॉविथ मंजु वालु बरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
अबिमान असि चोल द्यानुक यूगुक ग्यानुक
असि तसलाह गव सॅहजु व्यचारकि पननि पानुक ।
नतु कति खरे समसार अदु विवेक दरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
सॉनिस हमसस म्वक्तु बननुच प्रय गछि आसुन्य
दिथ जीवु दया बीदु द्रेष्टी न्यथ गछि कासुन्य ।
ज़पचि दॅदरि तपुवनचि हरे तु चरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
असि गछि बखशिन्य बक्ती नेशकल नेशकामय
बसनु बापथ गछि बखशुन परमुदामय ।
नतु केंचव लजु लरि बंगालु बालादरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
पतु क्याह छु प्रावुन कमि बापथ पान नचुनावुन
अबिमान हवुन पतु सोरुय सोम्बरिथ त्रावुन ।

युस च्चे स्वरे कठिनिस बवुसस्स तरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
दया करे पानस ह्युव होशा दिये
रागस त्यागस वॉरागस मंज अथि यिये ।
थफा करोस अदु क्याह प्रेयि अदु क्याह खरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
यि छुनु काँसे फिकिरि अचन बोज मंज नु व्यचन
रागस मंज आसि त्यागु स्वस्ता किथु पाँठ्य नचन ।
अथन सुत्यन अथु मिलुविथ नर्यन नरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
आश्चर छु क्याह मूह ब्रमस प्यठ त्याग करुन
आश्चर छु क्याह वैशियन प्यठ वॉराग करुन ।
कर्ता अकर्ता अन्यथा कर्ता कृष्ण वरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
शंकर ख्वश गव कृष्णुन राग वॉराग वुच्छि
गरुडस खँसिथ कामु क्यन सर्फन बुच्छि ।
अति गँयि कारन होश ह्यरन क्याह फिकिरि तरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
रसा खेलन गूपियन सुत्य थँव्य थँव्य नेबुय
केवल प्रेयमु सुत्य कँरिनख आँबुय गाँबुय ।
सोरुय त्राँविथ चरनु कमलन तस अँछि जरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
युस न्यस्यवनस यिथिनय कृष्णु ग्वनन तेले
अथुवास कँस्थि कृष्णजुव तस सुत्य रास खेले ।
बालामुकुं दनि सँच प्यठ परमु दामस दरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
थव वारु यछ पछ कृष्ण पानय छु न्यराकाँरी
शोडशिकला साखिय खोतु बोड अवताँरी ।
यूगी आँसिथ क्याजि गछ्व छलु छंगरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
छ तपु रेशा फाक् दिनु सुत्य असि ख्वश यिये
जंगल चले बुर्जु वले कंदु मूल खेये ।
जपु मालि फिरे तप करे पाव परे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
व्वतम क्रे यायि सुत्य न्यर्मल विशेष श्रोचे
ज्यनु मरनुकि बयु कालस दर्मु राजस खोचे ।
नतु पननि कर्मुचि बाजि गिंदे असि क्याजि चरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।

आश्चर्यवतस अच्युतस सतस छि शरुन
सोरुय केरिथ करुवुना केह छुनु करुन ।
मायातीतस सुत्य स्तनस छु अग्यान ठरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
प्रजा पालनु पुछि श्री रामु अवतार दारे
राख्यस मारे सत् प्वर्शन द्वर्गत हारे ।
दर्मुच थ्यथ थवि खरु आवागवन हरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।
ह्य रागु रस्ते त्यागु स्वस्ते चे शरुन आसय
जसुदायि राधायि गूपियन गाँवन हुंदि पासय ।
कृष्णस पानस ह्युव कर यमि ब्रह्मन मुरे
प्रेयमु पोशन बालु कृष्णस किचु मालु करे । ।

328 महारासुक वर्नन

सिरियि खोत शाहुर गाम वोत दोह गुजरोव ।

शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।

कृष्ण चंद्रय राम चंद्रय छु चोपोर
सीता राम वोत राधे श्याम वोत
गरि क्याजि नेख फेरव वननुय
कामुदीन ह्यथ श्याम ब्रज गाम वोत
ब्रज बूमी नमुने साँरुय प्रजा
काबुल फ्रांस रोम रूस ह्यथ श्याम वोत
दखिनुक्य व्वतरुक्य पूरु पछ्मुक्य दीश
काँशी नैपाल चीन आसाम वोत
चंद्रचूड आव रागु मंजु त्याग वुछ्ने
त्रैयिलुक ह्यथ रास खेलनि आम वोत
आश्चर्य थानस सास्त्रिनय निनि वोत
लंकायि मंजु सीतायि श्री राम वोत
द्वारिका त्राँविथ रास खेलनि आव
बखुच हंजि सुफारि यूग बादाम वोत
दार्यव तु बख किन्च कोनु नेख
मारनि कूदु कमसास्वर माम वोत
श्यामु लालन नॉल्य छुनि तारक मालु
सुबह फोल सुशीलायि सुदाम वोत
कृष्ण नावु मूमचि कायायि प्रान वोत
गगनस च्यत् ह्यथ प्रानायाम वोत
प्रवरेंद्र वाल्यन न्यवरत दिनि आव
बूगु दर्मशालायि यूगुक बाम वोत
रामु कृष्ण गीत ग्योव ब्रह्मवत प्वरशव
तिह्यन पादन तल परमु दाम वोत
थ्यथ प्रगन्यव कोर जयजयकारुय
तिमुनुय प्रथ काँसि हुंद प्रनाम वोत
राँगी आसुन शूबिदार ग्वन छ
रागस मंजु नेशकल नेशकाम वोत
मन ह्यथ गव विवेक दिथ मोहन
समु द्रेश्टी तलु अकि म्वलु र्वफ त्राम वोत
द्वारिकायि प्यठ कृष्णजुव जसुदायि वोत
पूजायि प्यठ त्वलसीयि सालिग्राम वोत
कृष्ण बखुच हुंद म्वरुतहार थदि म्वलु लयि
कृष्ण गीत ग्यवुनस म्वक्तु यनाम वोत

द्यान दोर मूह गटि मंजु गाश आव ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
मुल्ली शब्द गव कनुनुय मंजु ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
जर्मन कशमीर अमरीका ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
आय द्राय यिथि जगि ह्यथ ह्वदुशीश ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
कृष्ण चंद्रन रासु राग वुछ्ने ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
मंजु कुंदनपोर रुखमणि वोत ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
राधायि कृष्ण श्वबु फल दिनि आव ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
पोशि मालु ह्यथ मथुरायि फेरव ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
कालु चोल कालु गट ह्यथ ग्रेहचार ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
यूगियन यूग ग्यॉनियन ग्यान वोत ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
व्वदि यूगस श्वद च्यत् दिनि आव ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
तिमुनुय ख्वश मायातीत गव ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
सर्व आदिकारुय छु कृष्ण बक्त्यन ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
त्यॉगी आसुन आश्चर छु क्याह ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
मेचि ह्युव बासन छु सरतल तु स्वन ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
लंकायि प्यठ राम कौसल्यायि वोत ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।
ख्वश गॅयि बक्ति बावु बाजुरुक्य शाह ।
शाम वोत कृष्ण चंद्रन म्वख होव ।।

सर करनि आयस दिवताह कारन
प्वख्तकास्स निशि प्रथ कांह खाम वोत
द्यन तु रत रामु रामु कृष्ण कृष्ण कृष्ण कोर
गमु गटकार चलनुक पाँगाम वोत
कृष्ण सायि सुत्य शाम शूबायि सुत्य
जायि जायि प्रजायि स्वख तु आराम वोत

हासन गॅयि सर्व त्यागु अबिमान ।
शाम वोत कृष्ण चॅद्रन म्वख होव ।।
कृष्ण चॅद्रस ह्युव प्रोव तीजु मोर ।
शाम वोत कृष्ण चॅद्रन म्वख होव ।।
मायि सुत्य रायि सुत्य बावनायि सुत्य ।
शाम वोत कृष्ण चॅद्रन म्वख होव ।।

1. ह्वन, येग्य ।

329 सिंहतयाँबी बापथ प्रार्थना

चु छुहँम जमनायि बँठ्य बँठ्य फेरन ।

चानि बापथ छुस शेसन पान ।।

शामस तान्य छुस प्रारान यिखना	श्यामुलाल दिखना श्वबु दर्शुन ।
छुम दोह गुजरिथि तमना मे नेसन	चानि बापथ छुस शेसन पान ।।
गरिकुय लोल छुम ओल छुस यीसन	गिल ज़न फेरन छुस बचि ह्यथ ।
दान्यन कानि कजि गासु आव बेसन	चानि बापथ छुस शेसन पान ।।
के ह दोह ह्यमुहँ मोज व्यवहासस	ग्रेहस्तिस खानुदासस मे रछ ।
श्वबु लरि बसुहँ खसुहँ हेसन	चानि बापथ छुस शेसन पान ।।
ह्यदुव्यंदन वुछ दादा दिमुहँ	सादा ¹ ह्यमुहँ सर्वु बूगन ।
दौनन चूँठ्यन टंगन तु चेसन	चानि बापथ छुस शेसन पान ।।
दासस निशि यितु अथुवास करुने	रासस खेलि प्रवरँच हंज प्रच दिस ।
पथ ब्रौठ नेरि फेरि येन्य ज़न यीसन	चानि बापथ छुस शेसन पान ।।
करुनावतारु चोनुय नाव स्वरुहँ	पार तरुहँ पथ थौवमुत छुस ।
रुगु सुत्य फोटमुत देहक्यन खेरन	चानि बापथ छुस शेसन पान ।।
कृष्णस मे ख्यय कर रुगस डंबस	ओर थवतम क्वटंबस मंज ।
रुखतम म्यँत्रन हुंद छुम मे फेरन	चानि बापथ छुस शेसन पान ।।

1. मजू ।

330 अबीद दर्शुन तु शेरीर आरामु बापथ प्रार्थना

बुँ बुँ कसन बोम्बूर वुछ प्यठ हीये मे ।
शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ।।

कृहनिस तु सफेद रंगस छि वनन हारमहोर ग्यानु न्यत्र दिथ रूपस हवुम चोपोर ।
युथुय द्याना मंज ब्वदि यूगस यिये मे शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ।।
वुफन आव पनपोपरा ब्यूठ पोशन प्यठ मुशका ह्यवन प्यव रायि ज़न मदहेशन मंज ।
दर्शुन करनि मंज पोशि बागन निये मे शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ।।
सब्जा सब्जुक बागा कृष्णन प्रेयमुक छेव नचन नचन तौमी असि मोर मुकट होव ।
बसंत रूपी दुशालस तल हेये मे शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ।।
ब्रेशब तु गरुड बागस मंज चायि शूबायि सान तिमन खँसिथ साँस्स छि नेरन वेग्यन्यानुवान ।
कुनुय म्वख करि बोज कामदीनि द्वद चेये मे शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ।।
दिलुक्य रूगन कोस्मुत छुस व्वन्य स्यवह आँदीन लाकमि रँस्तिस च्यत् त्वर्गस छुम कोस्मुत ज़ीन ।
गृह्य बल ह्यथ ग्रेह चँकरुफल दूर पेये मे शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ।।
कृष्ण तु शंकर छु गाशुक गाशा तीजुक तीज सिरिया ह्युव बनि मे ह्युव ज़ितिनि क्योम नाचीज ।
यूगच जुचा ज़न अचि मंज अकि लये मे शंकर तु कृष्ण अबीदु दर्शुन दिये मे ।।

331 कृष्ण आरादना

जमनायि चंद्रभागायि वैन्य दिमयो
चान्यन पदमु पादन मीठ्य दिमु बो
सुय अमर्यत जल पानस चमु बो
याखल द्राहॉम तु पतु पतु लारय
गोड दिमु श्रान करु दास्नायि दास्य
मे म्बखस प्यठ त्राव अमर्यत दास्य
शक्तिपातकि दातु बडि सरकारय
अमर कोस्थस पान क्याजि मारय
म्यत्रन सुत्य खेलु येति दुबारय
वाँसि हुंघ व्रद छुख नैव्य बनावन
द्वदरेमुच क्वबजा याद पावन
साँघपनुसुय नैव्य शुर्य दावन
मंज पोशि बागन प्यठ नागु रदन
कन थवतम प्रैयमु बैस्मित्यन नादन
पूर्यर करतम थैव्यमित्यन वादन

पोन्य अनुनुकि हीत यिमयो बो ।
चस्नु अमर्यत ह्यथ यिमयो बो ॥
पोन्य अनुनुकि हीत यिमयो बो ॥ ॥
ह्यथ नखस नोट छुम तु प्रारय कूत ।
गंगाधरय अमर्यत चाव ॥
ह्यथ नखस नोट छुम तु प्रारय कूत ॥ ॥
चानि दरबारय बन्योम अनुग्रेह ।
प्रान संदारय थवतम श्रेह ॥
चानि दरबारय बन्योम अनुग्रेह ॥ ॥
कृष्ण सामरथ नैव्य हावन छुख ।
मूद्यमित्य जिंदु करुनावन छुख ॥
कृष्ण सामरथ नैव्य हावन छुख ॥ ॥
फेरनि द्राहॉम सादन सुत्य ।
आदन बाजि छम लादन चाँन्य ॥
फेरनि द्राहॉम सादन सुत्य ॥ ॥

332 शेरर रूग तु अज दुनिया निशि म्वकजारु बापथ प्रार्थना

सिरियि छुख न्यथ चेंद्रमु ह्यथ खसुनय ।

वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।

सत्य दीवु च्चे निशि सोरुय सत् द्राव छुस थवन अथ प्यठ मेथ्या बाव ।
यिछि अग्यानु बोज़ छुस वदन तु असुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
रंगु रंगु खँच चानि सत्संगु म्वंगु दाल स्वाद छुनु सादकस च्चेनि क्याह ताल ।
मजु रोस्त कोरुमुत मूह महा ससुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
अवशद दिम छुम अग्यानुक रूग ग्वडु मीठ्य पतु टैठ्य छि वैशय बूग ।
ऑस ट्यठसेव यिथ्य ट्यठव्यनु रसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
मोर बनि ओर दोर करुखय चु प्रसाद क्याह करि लूकहुंद ऑशीर्वाद ।
लँस्य लँस्य तिम मरन मँर्य मँर्य छि लसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
ब्रश्ट करि क्रेया आलुच तु देह रूग देह अबिमानु स्वस्त क्याह सादि यूग ।
चँच्यल येलि कोर दरवाजु ठसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
शक्ती पनुन्य दिम कडु मँज़िला ज्युठ थौद व्वथनुय छुम यँच गछन कूठ ।
थफ कर पस कोरुस कमरुक्क चसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
त्राहिमाम म्यानि बुजरुक यियनय आर रुग कासुवुनि रछ छुस बो बेमार ।
पाहिमाम युथ हाल वुछ्छि छुस त्रसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
पथ ब्रौठ कुस छुम कुनिस्स मंज़ छुस सनिस्स मंज़ छुस बोठ खारतम ।
चैयकुन फेर्याद कोर बेकसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
वुफि चँज दँदरा प्यठ आकाशस नय गछि नाशस येलि पेयि ब्वन ।
हम्सु रछ्तन ग्रेह ज़ालस छि फसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
वीरुबँद्रा आव ओस तस वीरुबल थफ कँस्थि तँम्य तुलुस ज़न आरुपल ।
मान कँर मे कोहस सत्य गासु खुहनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
बोज़ त्रियि पौत्रय ज़ायि लोल बोरुहम कोरुहम प्रथ चीजु किन्य व्वपकार ।
नतु कुस चानि तीजु बीजु रोस्त छु प्रसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।
मसतानु ऑसिथ मोत फरज़ानु गव कृष्णस ब्रौठ यिथ ग्यानुवान प्यव ।
मस्त कोर तँम्यसुंघ यूग रसु मसुनय वनतो चु कत्यु बसुनय छुख । ।

333 बक्ती होश तु संत समागम

हवाह चैनि द्राय बागस मंज चाय नागस प्यठ कति दमुय ओस ।
सत् प्वरशन हुंद शमुय तु दमुय सत्संगु समागमुय ओस । ।
ब्रह्म छु सत्यम् जगत छु मेथ्योयी ओस पानस सुत्य सर्वु त्याग ।
तत्वम् असि महापदुक व्याख्यान वखनान बूज व्वतमुय ओस । ।
सतुक श्रवन कनन मंज गव शब्दा बूज चोल गरुक गम ।
अगम्य अपार दिगम्बर स्वर समसारु व्यवहार ब्रमुय ओस । ।
बागाह स्वंदर ज़न स्वर्गु द्वाराह वज़ान सेतारु सौतूर साज़ ।
आश्चर्यवत सामवीदुक स्वरह मदम ह्यथ जीरु बमुय ओस । ।
बस्मु मॅल्य मॅल्य कुकिलु बोलन करन सुत्य पोशिनूलन बूल्य ।
बक्ती रसु सुत्यन संतु म्वखन पोशन प्यठ शबनमुय ओस । ।
जमनायि बॅठ्य बॅठ्य कामदीनु फेरन मोजा ह्यवन सब्जुज़ारन प्यठ ।
अपौर्य यपौर्य च्वपौर्य गछ्न गोशव किन्य ओम ओमुय ओस । ।
अॅथ्य बागस मंज राधा-कृष्ण रास खेलनि दासन सुत्य आव ।
शुकदीव ह्यथ व्यास नारुद वशिष्ठ बाशा करान सूहमुय ओस । ।
बागस अंदर श्री श्यामु स्वंदर प्रबाता ह्यथ सिरिया ह्युव ।
कुस हेकि वॅनिथ हॅरिहस्स शूबन क्युथ चम व खमुय ओस । ।
जमनायि मॅज्य मॅज्य सतुरेश्य फेरन चरिजीव ह्यथ करन सत्संग ।
यथ बवुसस्स कृष्णस तस्नु पुछि नावि रोठमुत तॅम्य नमुय ओस । ।
हवाह चैनि द्राय बागस मंज चाय नागस प्यठ कति दमुय ओस । । ।

334 बक्ती प्रावनु बापथ सास्त्रिय व्वपदीश

जाफुर्य पोशस छु लॅक्ष्मी अंग तय ।

स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।

सत्यदीव लॅक्ष्मी-नारायण तय सर्व दीव ह्यथ कासिय द्वर्गत ।
पोशि पूज कर तस अन्न दनु मंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
मादलि हीयि पोशन डेर कॅर्य कॅर्य त्वलसी छॅव्य छॅव्य शेर तस पान ।
स्वंदर ड्यकसुय ट्योक लाग क्वंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
सुय दियि मूखी आय अन्न दनु द्यार दास्ना द्यान ग्यान यूग व्यचार ।
वसुनस किच नाव खसुनस प्रंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
सत् प्वश्न निशि हेछ करुन बक्तिबाव तिंहदन पादन तल पान त्राव ।
पानु थव दासु बाव तिम बर हंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
साद छुय पूरन तसुंदुय मन छु सेर मुशकाह ह्यथ चरनु कमलन नेर ।
ऑल मान राधा कृष्ण ज्ञान र्वंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
युथ ज्ञानख पूजि मंज लीन बन बक्तिबावस मंज आदीन बन ।
सुय छुय रुत साथ स्वय रुच जंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
स्वय दया मंग तस बक्तिबावस सान खसु कासिय रूग देह अबिमान ।
व्यवहारन छुख औनमुत तंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
ग्यान कुलिसुय शमु दमु लंग तय शांती मूल मूख्य त्युहरुय छुस ।
ख्यतु बक्तिबावु रसु बॅस्थिय टंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
ब्रह्मांड पान ज्ञान वारु साँस्स नेर सास्त्रिय तीर्थ यात्रायन फेर ।
जोरु मुचराव च्यत् त्वर्गस डंग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।
अग्यान गटि मंज प्रजलाव दीफ्रय शंकर कृष्ण ईक रुपय छुय ।
यी वनन साद संत कॅस्थि सत्संग तय स्वनुसुंद रंग तय पूजायि लाग । ।

335 श्वबु दर्शन बापथ प्रेम तु बक्ती बँरुच आरादना

वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
नँजदीक वॉतिथ द्रेंठ छुखनु यिवन
पीताम्बरी जर्द रंगय पँतर वुछ्थि
नजर त्रावन छुख पान हवन
तेलि तस छंज्ण सु छुख बेहन
वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
सत्ज्ण छि प्रेत्यख्य ज्ण सिरियि ज्णोतन
मनु कामना छ्ख आसन लूबुच
ग्रेहस्त बासन छुख पस्मुदामुय
वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
दयि नावस प्यठ केँ ह जँन्य छि अरपन
द्वेतुबावुक वुछ्ण छि दर्पन
कम छुख लीलायन स्वाद यिवन
वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
ज्णमा ज्णमन हुंघ द्ख हारुम
थफ करुनॉविथ अथस तारु तारुम
समसाउ सागरु मंजु बोठ खारुम
वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
ख्यवन तु चवन ख्योन चोन छु पतय
न्यराशन मंज छ्य सर्व आशा
वेशय बूगव निशि सेर करतम
वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
कति अथि यियिय न्यराकारुय
यिछि जायि श्रदा छ्य दरकारुय
सीवा दिय दिय ह्यमत न हारुय
वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
म बन तुलर ह्युव कर व्यवहारुय
मोदरि वॉनियि कर व्वपकारुय
ट्वफ दिन्थ जेवि किन्थ त्राव मदमॉरी
वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
आत्मु तीर्थस अंदर अँचिथ
न्यँबुर्य किन्थ सर्व तीर्थन गँछ्थि
शाँती हुंद स्वख बिह्थि प्रावख
वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
म्वक्ती हुंजि लरि सुय अचि अंदर
मगरमछ्स निशि तेलि म्वकल्याव
शुबन छु वनस मंज ।
खँत्थि छु बेहन पनस मंज ।।
लासन छि लूख
पथर पावन गरिक्थ शूक ।
ज्ण चँद्रमा गनस मंज
शूबन छु वनस मंज ।।
वुछ्ण वाल्यन छु कमुय गाश
अबिमान छुख करन बोज नाश ।
फट्ण छि अन्नस तु दनस मंज
शूबन छु वनस मंज ।।
केँ ह दूरि खोचन सरफन ज्ण
त्रावन छि करुन तर्पन तु श्राद ।
ज्ण बतु लदन छि कनस मंज
शूबन छु वनस मंज ।।
अवतार दरुम ही शोम्भू
केँ छ मे यारुम छुस कर्मु ह्यून ।
छुस लोगमुत आवलुनिस मंज
शूबन छु वनस मंज ।।
नय छस त्रफती नय छस सीरी
फँकीरी गँयि अँमीरी ।
वाँसा गँयम ख्यनु चनस मंज
शूबन छु वनस मंज ।।
बोड वूट बारुय परुन त्राव
बक्ती बारुम बारुय कर ।
सु छु पानु प्रथ सत्ज्णनस मंज
शूबन छु वनस मंज ।।
मेछर बाँगराव प्रथ काँसि सुत्य
अज्णतान्य चे हिव्य आय गँयि कृत्य ।
माँछ्यि छु अदु माँछ्णनस मंज
शूबन छु वनस मंज ।।
जलु सुत्य तन मन नाव
न्यथ थाव नेशकामु कर्मुबाव ।
ख्वसु मेलियनु प्रेदिख्यनस मंज
शूबन छु वनस मंज ।।
यस मुचख बावु बरस तोर
येलि हँस्य बचस दितिथ जोर ।

पँज्य वॉल्य¹ अदु थोव रावुन गँड्थि
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
 येलि अंदुकारुक्थ अँगन
 जरासंदस² निशि पानु चोलुख
 अदु कालियवन चैय जालनोवुथ
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
 ऑवीश असि कर अंदर अँचिथ
 ही श्री कृष्ण झारा हँविथ
 जरासंद² अदु दबि दबि मंज प्यव
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
 यस त्रुयि प्वरशस प्रसन रोजख
 राजा युधिष्ठर दर्मी बनोवुथ
 भीमसैनन ज़ोर मशहूर सॉपुन
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
 तिछ्य मे रामु नावुच प्रय थव
 दशरथ राजस सीतायि
 ज़ोमूवंतस³ हनुमानस
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
 त्वलसीदासस वशिष्ठस
 तिछ प्रय पनुन्य थवुम मे श्री रामु
 शामस प्रबातस प्रथ सातस
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
 बिह्थि ओसुस प्रातः कालस
 यिथिस हलस मंज श्यामु लालस
 तिथिस खयालस शोम्भू मे निशि आव
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस
 येम्य येम्य व्वपकार कोरुमुत छु कृष्णस
 व्वबाहु मंजु पानय छु रछ्ण
 रामस रामुय वेष्णस वेष्णुय
 वुछ्ण छि सॉरिय मंज गामु चंदन कुलिस

यँचकाला ऑट्पिनस मंज
 शूबन छु वनस मंज ।।
 राजन म्यंगन खोर ज़ोरुक शोर
 तस चोल अरमान त्रॉविथ दोर ।
 मंज ग्वफि अँकिस ख्यनस मंज
 शूबन छु वनस मंज ।।
 वीर शेरु दर्म न्यथ करुनाव
 इंद्रेय शँत्रन मे पथर पाव ।
 बल चोनुथ भीमसैनस मंज
 शूबन छु वनस मंज ।।
 तस वारु बोजख ऑदीनता
 द्रौपदीयि कुं तियि कँरुथ क्रपा ।
 बल गोल दुर्योधनस मंज
 शूबन छु वनस मंज ।।
 यिछ भरतस लँक्ष्मणस मंज
 कौशल्यायि शत्रुघ्नस मंज ।
 सुग्रीवस विभीषनस मंज
 शूबन छु वनस मंज ।।
 वाल्मीकियस जटयनस मंज
 व्यवहारस ह्यनस दिनस मंज ।
 कृष्णस मे रातस द्यनस मंज
 शूबन छु वनस मंज ।।
 प्यालस क्यथ ज़न चवान चाय
 शिवस कुन ऑस थँवमुच मे राय ।
 शंख वायन चाव आंगनस मंज
 शूबन छु वनस मंज ।।
 तस तस व्वपकार करन छु दय
 तस परमीश्वर म्रैत्यंजय ।
 कृष्णस कृष्णय छु मनस मंज
 शूबन छु वनस मंज ।।

1. वॉल्य वॉदुर, बाली बन्दर ; 2. जरासंध; 3. जामवंत ।

336 शेरु रूगव निशि म्कजार तु आनंद मेलनु बापथ प्रार्थना

श्वबु शब्द बोज़न छि कन तय	वनतय पालवुन हय आम ।
अज़हय बन आनन्दुगन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
रूगन छुस कोरमुत पथ	तसंजुय यॉच छम सथ ।
सुय छु रूखुन आर्यतन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
योर गुल्य गँड्य दुखियन तय	कूत काला चालि रूग ।
छुम छन देह पौह्य पन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
तोर नाद कोर मॉलिकन तय	रूठमुत मनुविथ आस ।
ओर बन ख्वश थव मन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
गँज मे काया हनहन तय	लँज मे श्वबु थरि फुलया ।
अमर्यतु फल छिस नेरन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
गाश थोक मे न्यँत्रन तय	आश रूजुम चॉनी ।
नाश करतम व्वन्य पापन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
हनरिस छुस मंदछन तय	कु निरिस क्याह कर बो ।
निम तुलिथ रूग हनहन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
कालागनु रुद्र अँगनन तय	वैशानरसुय दोप ।
व्वन्य श्रँपिन मोरिस ¹ अन्न तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
यिम छि जंगल कोह तय वन तय	अवशद ह्यथ आय तिम ।
तिम छि ज़न सँजीवन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
ग्रेह दशा छ्य फेरन तय	मॉलिक्य करि अनुग्रेह ।
मनु कामना छ्य नेरन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
डुलुगँन्य दित्य मे रात द्यन तय	व्वन्य मॉलिकस आर आव ।
सरतलि सपनुम स्वन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
यीर गोस मंज़ द्यन त्रन तय	त्रेशि हुंद तूफान चोल ।
छुम कुनुय ज़न बासन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
सॉलिकस कुन दोप मॉलिकन तय	चाल स्वख-द्वख मे दोपुस ।
दर कति छुस ओम पन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
कमि ज़ोर दिमु प्रेदिख्यन तय	कोठ्य बीठिम करु क्याह ।
थोद तुलुम छुख चु पूरन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
आय म्यँत्रय योत लारन तय	प्रेयमु सुत्य हल वुछ्ने ।
मनशु रूपु नारायण तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
वॉसि श्रोप ख्योन चोन तय	थ्यकनोवुम मूर्ख पान ।
शर्म रू म्यॉन्य वुनिक्यन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
वैखँरी म्यानि छुनु छ्यन तय	जमना ज़न छि पकन ।
मीठ्य दिनि कृष्ण चरनन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।
छुख वुज़न नागु ज़ल ज़न तय	नटि नटि गूपियन न्युन ।
गूपीनाथ नावि तन तय	वनतय पालवुन हय आम ।।

वॉनीयि कामदीनि थनु तय चावुनावि अमर्यतु दार ।
कृष्णस ह्यथ ऋबवन तय वनतय पालवुन हय आम ।।

1. पानस, म्यादस ।

337 रूगन हुंजि खलौंसी तु म्वक्ती बापथ प्रार्थना

मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो ।।
शिवु रूपु चुय छुख गंगाधार त्रेशि हँतिसुय मे चाव अमर्यत दार
जेटि छ्य गंगा हटि शाहमार नाव छुय नागुनाथ नागेंद्रहार
बवु सागरु तार छुख करुनावतार संतापु स्वस्तिस मे फिरतु शेहजार
मे कर्महीनिस कें छ च यार अँगु न्यँत्र चोन रूग ज़ालि लगयो
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो ।।
छुख अँनीक रूपु ईक अविनाशा तीजुक तीज़ गाशुक गाशा
न्यराशन हुंद छुख आशा चठ रागु द्वेश आशा पाशा
थव म अबिमानुक अबिलाशा मंजूर करतु म्याँन्य दीशि बाशा
सुय गीत चोन असि पालि लगयो
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो ।।
रूगन तपु ज़पु निशि डोलुस क्रेयायि हुंदि मदु निशि वोलुस
कायायि हुंजि ममतायि गोलुस च्यतु पीडायि अँगनन बो ज़ोलुस
व्वन्य चानि ज़ीवु दयायि पोलुस प्रोन वस्त्र नोव बो सम्बोलुस
नतु कति द्वख मे ह्युव चालि लगयो
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो ।।
यान्य गोस बेह्यस तान्य द्राख नोन नतु कति चोन रूपु वुछ्हँ बो ओन
प्रेयमु बक्ति रस ह्यमुहँ बो चोन पूरुनायि चानि ज़ानुहँ व्वंदु छेन
मंदुछुन म्योन गछिहे वारु छेन देह आत्म कति ज़ानुहँ ब्योन ब्योन
व्वन्य गछि देहसुय मे कुवथा द्युन रूगियस सुत्य गछि खेलनि युन
चे सुत्य गिंदु बखुच हलि लगयो
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो ।।
डक्टर वैद्य आयि करनि ह्यकमत आय द्राय अन्न दनु ह्यथ ख्यथ चथ
कांबलि तबनुय कोरुनस पथ मॉल गोम मँशिथ रूदुम नु ताकत
लोब रूद वॉसि हुंद दोरमुत व्रत छेट्य अवशद मॉन्य खेन्य श्रूच्य अथु
अथ मंज नँन्य द्रायि चॉन्य दयुगथ ज़िदु कोरुनस चॉविथ अमर्यत
नतु च़ायास हॉरिथ ह्यमत रूद छपनि तल वावमालि लगयो
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो ।।
होशि पोशनूलु म्यानि व्वन्य म कर चेर त्वलसी थरि प्यठ लोलु ओल यीर
तमिक्यन सब्ज बँरगन कर डेर श्री कृष्ण पदमु पादन लाग शेर

चरु अमर्यत ह्यथ चथ बन सेर वुल्ट समयन छुख ओनमुत जेर
भास्कर ह्युव बास कास अंदेर गवर छुय कृष्ण शंकर पौत म फेर
दर्मुचि लरि छ्य कर्मुच हेर कामदीनि हंदि पासु कृष्ण नोन नेर
छव होशि प्रेयमु पोशिमालु लगयो
मूख्य दिनु वालि संतु चालि लगयो
तप करुनस तु ज़पु मालि लगयो । ।

338 भगवान् सुंघन साकार तु न्यराकार ग्वनन हुंद बयान बेयि ग्यान तु यूग मंगनु बापथ प्रार्थना

वुछ श्यामु स्वंदर न्यत्रन अंदर कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन नज़रि हुंज़ि बगि खँसिथ नेरन यथ ब्रह्मांडस दास ह्यथ फेरन न्यत्रव सुत्य मोज अंगन ह्यवन कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन अँछर वाल छिस चामर करन स्थावर जंगम सनम्वख ह्यवन रसा खीलिथ आराम करन कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन शब्दन हुंदुय अकार बीजा चेतन्य ब्रह्मा तीजुक तीजा अँछन हुंद पानु वुछनवोला कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन कर्ता अकर्ता अन्यथा कर्ता करनुक करना स्वरनुक स्वरना न्यराकार न्यरंजना कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन मंज शाहरु गामु जंगलु म्वख ह्यवन देह ब्रम काँस्यतन सनम्वख बाँस्यतन यिनु पान मँशरँविथ सुह आँसिथ कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन नशुच लंका आँखुर छ दज़न ही आत्म रामु नेशकलु नेशकामु च्यत् लँक्ष्मण म्योन युथ मारि कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन अग्यानु रूपी काव्स जाँलिथ क्वकर्म अस्खोल तथ मंज त्राँविथ वासनायि ब्योल सोन तँव्य तँव्य त्राँविथ कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन सबजुय बनावुम च्यतुक बागा मोदुर्य मोदुर्य फल ख्यावुनावुम चँत्थि त्रावुम वॉरुक लॉरुय कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन यिनु तोता लगु ग्रेहस्तु ज़ालस आँना हँविथ कथ करुनावतम	न्यबर पम्पोशि डलस मंज । खीरु ¹ सागरकिस ज़लस मंज । । वँच गूपियन सुत्य खेलन रास मंज रायि ख्यनु मात्रस मंज । न्यरलीफ यथ ज़लु थलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । अमर्यत छकन च्यत् आकाश गाश प्रज़लावन गाशुक गाश । मनु मंजलिस अलु-डलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । ओमकारु रूपा वीदस मंज आश्चर्यवत अँबीदस मंज । न्यरलीफा न्यर्मलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । सोरुय कँस्थि ज़न करुवुन नु कँह सोरुय सोस्थि ज़न स्वरुवुन नु कँह । न्यरलीफा नेशकलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । बोड वीर मानुनॉव्यतन पान करुनॉवितन पननि पानुच ज्ञान । ह्यमु गासा ख्योन तीर्य गलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । यशुक रावुन कूत करि शोर त्युथुय दिम वीरु दर्मुक ज़ोर । अग्यानु इन्द्रजीतस बलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । वेग्यानु रूपी रेह प्रज़लाव नेशकलुकिस कल्पु व्रेख्यस ह्यव । तँच स्यख छन कर्म फलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । छवुनावुम यूग ग्यानु पोश फुलय ह्यवुम मे यियि बोश । छुख रुशु ज़ाहर कलस मंज खीरु सागरकिस ज़लस मंज । । यिथि काँदु मंजय म्वकलावतम पनुन सोरुप ज्ञानुनावतम ।
---	---

यिनु बलुवीरा दबि दबि मंज प्यमु	मायायि हुंदिस छलस मंज
कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन	खीरु सागरकिस ज़लस मंज ।।
मुस छुम अचन ज्यवन तु मरन	हसन छुख जनमन हुंघ व्याद
शाँती फल दिथ च्यत् बानु बरुम	अनुग्रेह करुम कमस ज़्याद ।
करोरु खौर हुंज बरकत थवुम	अँकिस पावि तु पलस मंज
कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन	खीरु सागरकिस ज़लस मंज ।।
कर्महीनिस कृष्णस कैर्यतन	दन दान्य कर्मफल दिथ सेर
बेख्यायि कोत नेरि क्याह करि	कस मंगि लद तस आत्म त्रफती डेर ।
बेकास्स कारदारु चु तोलुस	अनुग्रेह फल कर्म खलस मंज
कोमल अंगव श्री कृष्ण ज़ोतन	खीरु सागरकिस ज़लस मंज ।।

1. खीर = दूद (खीर सागर = दूद सागर), केंह छि अथ खिरु सागर याने खिरुक सागर मानान, सु छु गलत इस्तिमाल ।

339 ओमकार व्वापास्ना

छुय जगत चानि द्रेश्टी हुंद हवबाव ।
चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।
अख नॅर तुल तय अख नॅर त्राव पानय ओमकार लेखनु आव ।
तीजुक तीज छुख वावुक वाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।
अथ ओमकारस्स शेर¹ छुय ब्यंद म्वखुकिय शब्द छिस गायत्री छ्यंद ।
सूख्यमु स्थूल रूपु छुस नादु ब्यंद नाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।
सॅहजु पान परजुनाव त्राव ममता जीव आत्मा गव परमत्मा ।
कायायि पूस्नायि रायि पोश छव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।
प्रानु अपानुच छ्य छ्ट्वॉर पान ज्ञान सूह्म सॉस्स नेर ।
डूंगु छुय म्वख तय नस छ्य नाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।
शहर छुय शेरुय छिस सर्वु ह्यस यिथिसुय होशिकिस शहस्स बस ।
वुछ बोज स्वर थव आत्मु बाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।
ब्वनकुन त्रुकूटी तीर्थस फेर सर्वु बूग छिय यॅड मंज बन सेर ।
सुत्य क्याह तोत निख तु तन मन नाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।
देह द्वारिकायि कर नेश्कामु राज सकामु राज त्राव ह्यथ मनोरज ।
शांत गदि च्यत् फुस्ना बेहनाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।
वर मंग वस्मुलि स्वर कृष्ण पाद कृष्ण कर कनि माजि कामदीनि नाद ।
द्वद ह्यतु पानु चतु सादकन ति चाव चे मंज छु सोरुय तु चे निशि द्राव ।।

1. कलु ।

340 होश मेलनु बापथ प्रार्थना

युथ युन गछुन त्युथ ज्योन मरुन गछिय नु मे ।

कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।

टेठुन गछ्यम चे ह्युव सर्व शक्तीमान
कांह दिवताहा हुकुम करुन गछिय नु मे
अपारि यपारि पनुन सोरुप मे बासुनाव
यपारि मेलुम अपोर तरुन गछिय नु मे
समसारुकिस बागस मंज प्रेयमु नागस प्यठ
देह नोम¹ चंदन कुला हरुन गछिय नु मे
मूह न्यँद्री मंज हुशयार थवुन गछ्य बु न्यथ
दयि अन्न दनु छुम स्यवह फरुन गछिय नु मे
सदा न्यर -रुग थवुन गछ्य ग्यानुवान
देहुक स्वख द्वख मनस तरुन गछिय नु मे
सर्वु आत्मु बावुक दितम होशुक होश
कांह शँत्राह कांह म्यँत्राह खरुन गछिय नु मे
पम्पोशाह ह्युव थवुम व्यवहारकिस डलस मंज
शुर्यन बाँचन हुंद श्रेह तरुन गछिय नु मे
मे कृष्णन छु वेद्या पँस्मुच छुस अनजान
मे मंज च्चु पानय छुख पर परुन गछिय नु मे

दर्मु रजस यमस निशि गछि थवुन मे मान ।
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।
अखंड अँबीद पूरन ब्रह्म च्वपोर हाव ।
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।
शीतल स्वबाव स्वस्त छुम सब्ज त्यागस यठ ।
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।
गछ्यसनु दिन्य वथ अग्यानु चूर छुम जागन अथ ।
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।
दया दर्मु शूबायि क्रेयायि कर्मु सान ।
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।
पवलुनावुम ग्रेहस्तु बागस मंज जन् कतक् पोश ।
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।
बँरुग ह्यथ आसु न्यरलीप रुजिथ जलस मंज ।
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।
दयायि चाने मे न्यथुनँनिस गौंड सामान ।
कँस्थि करुन सोस्थि स्वरुन गछिय नु मे ।।

1. देहुक नाव ।

341 बजन

संकट गट चॅज अज बट्वारे	द्वर्गत गॅज लॅज फुलया जान ।
सग फ्यूर डूर्यन अमर्यतु दारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
म्यव कुल्य बॅर्य बॅर्य वुछ्य जायि जाये	त्रफत गॅयि ख्यनु चनु सुत्य ख्यनुवॉल्य ।
दयि अनुग्रेह सुत्य कति गॅयि तारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
प्रेयमुक रस बांगरोव नारि नारे	यूगु ग्रंद कुस हेकि व्यसतॉस्थि ।
त्रफत गॅयि बेयि तुल गरु क्युत बारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
अनु दनु आयिसान सेदि बरु चाये	स्यदु लॅक्ष्मी चायि स्यदथुय ह्यथ ।
दिवथाह गरु चायि वुछ्य प्यठ दारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
बागवानन अँक्य वोन थजि कारे	यीत्य गछुनवु तीत्य म्यवु नियतव ।
रंगु रंगु म्यवु आँतु रँस्य कुस सारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।
बूग ख्यनु बापथ दय कति मारे	कृष्ण बूजन ख्यथ कर बजन जान ।
ख्यनु चनु मंजु दय कॅछ चै यारे	मंज पोशिवारे हारे बूल ।।

342 आह्लादस मंजु दर्शन तु स्वख मेलनुच यछ

प्रबात फोलुम म्खा छेलुम द्खा चोलुम स्वखा आम ।
 बसंत दुशालु वॅलिथ वुछुम बागस अंदर राधे श्याम ।।
 सुय पानु लॅक्ष्मी नारायण गौरी शंकर सीता राम
 पुनिम चॅद्रमु खोत न्यर्मला शोड्श कला राधे श्याम ।
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
 द्वर्गत गॅजुम तु फुलय लॅजुम तु दयु नावुक म्यवु मोदुर द्राम
 हॅरि हस्स पदमु पॅतर डीठिम न्यॅत्र ज़न बादाम ।
 सोम्बुल केशस अंदर गोंडुन म्योन रागु द्वेश मूह मस कूद काम
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
 अमर्यतु ज़लुक अख नागुरादा तथ ऑस्य गॅड्धि स्वर्न साम
 अमर्यतु सग पोशि डूर्यन लोदुम बावुक ब्योला रुतुय ज़ाम ।
 आनंदु कंदन म्यवाह ह्योत ख्योन समरकंदुक आम आराम
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
 तमि मंजु अख छ्यॅट खॅड मेति मीज्य दोह ओस रुत सुबहस¹ सुत्य शाम²
 तिछ छ्यॅट खॅड ख्यनु सुत्य म्यानि बोज़ त्रियि ग्यानु रूपी शुराह ज़ाम ।
 अदु परजुनोवुम अँनीक ईक गव बब मॉज त्रैयि लूकु क घनश्याम
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
 शंकर तु राम कुनुय कृष्ण ड्युठुम प्वखतु म्यवाह गोम ऑसिथ खाम
 ग्यवन छुम गीत ज़न पोशनूला बोलनि अंदर च्यतस च़ाम ।
 वयक्वठ बनोव आनंदु कंदन जसुदा नंदन नंदन ग्राम
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
 बस्मा मॅल्य मॅल्य कुकिलु डेंछम समाद दिथ ज़न सालिग्राम
 गूपी चंदुन ड्यकस मोलुम गूपीश्वरस कोरुम प्रनाम ।
 ग्यवुन ह्योतुम गौरीशंकर राधे श्याम सीता राम
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
 सोपनस अंदर सोपना वुछुम शॉती लरि ओस मूखी बाम
 बक्तीबावुक बर ओस वोथुय अँदरु यिवान ओस पॉगाम ।
 ब्रह्मानंदुक मंदर छु अंदर अँचिव बक्ती कॅरिव नेशकाम ।
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
 आश्चर्युक आश्चर्या सु ओस न ओस जंगल शहर न गाम
 अलौकिक ब्रह्म प्रकाश सु ओस न ओस द्यन रात न सुबह न शाम ।
 मायातीता अद्वैत रुपा न तस कॅबीलु गुथुर न क्राम
 राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
 न्याराकासुन साकार होवुम कृष्ण शंकर बोज़नु आम
 नतु तथ आश्चरसुय क्याह वुछ्हँ सु आसिहे प्यठ परमुदाम ।
 बो कुस ओसुस जॉनिथ बूज़िथ ह्यकूहँ अदु बोजुनावहँन आम ।

राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।
साम वीदकि स्वर वुछ रंग बुलबुल बोलन सत्संगुकि बंगु साम
परम हम्स हम्सन बखुश अविनाँशि बाशि बूज़िथ यनाम ।
कोस्तूर करन वीदुच बाशा चंदन कुलिस तल मे आम आराम ।
राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।।
बागस अँद्य अँद्य जमना फेरन साँरा कँस्थि तथ तमना द्राम
स्वनु र्वपु नँट्य ह्यथ पाँनिस नेरन गूपियि न शँसतुर सरतल न त्राम ।
जाय ज़न मथुरा काँशी अज्योध्या ब्रज द्वारिका गोकुल आसाम ।।
राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।।
पुछ्मख यि कुस कारन छु यथ मंज दोपहम अँमिस छु श्री कृष्ण नाम
मायातीता हीथा कँस्थि छस दीवकी माँज कम्स माम ।
युथ हाल वुच्छिथ बूज़िथ रूजुम नु दीवन हुंज़ वुल्ट कर्मुच पाम ।
राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम राधे श्याम ।।

1. शंकरः 2. श्याम, कृष्ण ।

343 नश्वर शरीरुच हलत क्याह छ आसन तु गछन (यि छ राजदान साँबन न्यस्वान प्रावनु त्रे दोह ब्रौह
यिथुपाँठ्य बयान कँमुच ।

सँमिवू म्यँत्रव लोलचि कायायि नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं पनुनिस समयस प्यठ सर्वु स्वखन कमकम बलवान दैर हीन गौमुत्य ग्रेहस्तस मंज लौगमुत मे ह्युव नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं प्राखुदु फल बूगनु रोस्त व्यवहार जगतुक मेथ्या जौनिथ काया ब्रम मौनिथ म्योन काम कूद नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं तँम्यसुंज माया बोज मंज कति यिथि तँम्यसुंज दया क्रपा ख्यमा पान होखरौविथ प्रानन बल द्युन नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं खाश वनुनुय हाश स्नुनुय ख्यनु चनु रोस्त दयि दैर सुत्य ठँहरुन शमशानु बूमि वाति दजनुच नोबत नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं काया मे रूगु निशि अँर दँर सपनिथ मे मूर्खस कौजूसस प्यठ करुन्य लूक हुंज नेंद्या करुवुन्य असि हिव्य नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं रुगियस मोर ओर दौर जिंदु करुवुन कठिनय बवु सरु असि आँदीनन नादान व्रदसुय नौव याद पावुन नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं यथ वाँसि व्रत दाँस्थि न्यथ वैकुन रूगु मस चनुसुत्य म्यँत्रय छि मशुनुय प्रथ कांह चीज ब्रौठकुन वातनावनस नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं देह बेह्यस गोमुत पथर प्योमुत येति पानु पकृनावुवुन परमेश्वर गछि व्यचारुन येति क्याह छु लारुन नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं जेनुन तु हरुन छु लूबुय तु ख्यूबुय	जोरु शोरु लौगमुत नार वुछतव । करुनावतार अवतार वुछतव । । बूगुन्य द्वखु अनवार वुछतव कमजोर जोरवार वुछतव । कर्म ह्यून दुनियादार वुछतव करुनावतार अवतार वुछतव । । ब्रौठ नेरनस तु फेरनस वार वुछतव डलुनुय बारम्बार वुछतव । लूब मूह मद अंदकार वुछतव करुनावतार अवतार वुछतव । । जीवु दया व्यचार वुछतव म्योन ठगु कार गाटजार वुछतव । तब ¹ कडनुय यकबार वुछतव करुनावतार अवतार वुछतव । । मे ह्युव दातु नाबुकार वुछतव मे ह्युव न्यराहार वुछतव । नारस करुन गुलजार वुछतव करुनावतार अवतार वुछतव । । पेमुच चँर बेमार वुछतव तसुंदिय कार व्वपकार वुछतव । सतजुन साँद मकार वुछतव करुनावतार अवतार वुछतव । । दयायि हुंद दरबार वुछतव करुवुन परम्पार वुछतव । प्रोन यावुन तु ल्वकचार वुछतव करुनावतार अवतार वुछतव । । जोरु मुछुनुय यकबार वुछतव नशुसुय मंज हुशियार वुछतव । शुर्य म्यँत्र बाँय बंद यार वुछतव करुनावतार अवतार वुछतव । । तस जेठि ज्यूठ पखिवार वुछतव परामत्मा न्यराकार वुछतव । यिथि बाजि ब्रम बाँज्यगार वुछतव करुनावतार अवतार वुछतव । । गिंदनस समसारु जार वुछतव
---	---

मे ह्युव आँदीना मिसकीना फाक दीदी ब्रिंज आबा ¹ नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं अँछ्य फिर्य फिर्य नजरह त्रावन ओश त्रावन दर्मु सुत्य स्वख प्रावन दयि नावचि रायि हम्सु सायि त्रावन नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं मंजबाग दज़नस शंहराह फिरुवुन कालकूट नोम वेह ³ चवुवुन नीलकंठ दूशुलदनुय क्युत आशितोशि नाव सुत्य नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं युथ हाल वुछ्थुय करन लूख लूकन बूज़िथ आँशिखादा दिनु पुछि शिव नावकि महिमा सुत्य युथ नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं वुन्यक्यन अरिरुक अबिमान गलनुय यिमनु पजुहॉन तिम वैदु अवशद वुन्यक्यन कें छ्र ख्यमुहॉ ख्यमु क्याह नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं येलि तस आर यियि यियि बूगन ह्यथ योगनी दशा क्याह बूगनस करि दयि नावचि पछि स्वस्ताह प्योमुत नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं च्यतु पीडयि रोस्त दुनियादार लोबकुन रूज़िथ चलन व्यवहार यु बेहवाला प्यनशनख्वारा नार छ्यतु करुवुन कर्पूर गौरं	कैर्य कैर्य बैड्य बैड्य कार वुछ्तव । छंङन वॉसि खेय खेय मजुदार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव । । कांह वुछ्मनु र्शितुदार वुछ्तव दयि नावुक आदिकार वुछ्तव । कलु प्यठ कालु शाहमार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव । । शूबिदार नागेंद्रहार वुछ्तव न्यर्मल कालु समहार वुछ्तव । चावुवुन अमर्यतुदार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव । । हयहय हाहाकार वुछ्तव आमुत्य कुत्य यकबार वुछ्तव । छ्योट मोर म्योन व्वतमदार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव । । बूँठ्युम खोट व्यवहार वुछ्तव खेन्य चेन्य द्युन अन्न दनु द्यार वुछ्तव । पेमुत्य अन्न अम्बार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव । । अदु चोलमुत ग्रेह्यार वुछ्तव श्वब दिवुवन्य प्रथ वार वुछ्तव । लछि प्यठ बोड खानुदार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव । । कृष्णस ह्युव कमबार वुछ्तव कास्स मंजु बेकार वुछ्तव । त्युथ बोड दातु सरकार वुछ्तव करुनावतार अवतार वुछ्तव । ।
--	---

1. तफ, बुखार ; 2. अन्यमु, तोमलुक रस; 3. कालकूट नावुक जहर युस शंकर भगवानन चव तु हँसि मंजु रोदुन यमि सुत्य तसुंद होट न्यूल गव तु नाव प्योस नीलकंठ ।

344 ओमकार आदि सैशटी हंज लीला

ओमकार रूपस शरनय आये ।

ॐ नमः शिवाये कर । ।

युस परामत्मा छु परमानंदय तँमिसुय छु स्वछ्यंदुय नाव ।
स्वछ्यंदस निशि माया द्राये ॐ नमः शिवाये कर । ।
माया ईश्वर यछ ज्ञानुय तमि मंजु वैष्णु भगवानुय द्राव ।
ब्रह्मा व्वपदोव वैष्णु मायाये ॐ नमः शिवाये कर । ।
लच्छिदि खगु सान नगरुय कांडुय सोर समसार ब्रह्मांडुय ह्यथ ।
पाँदु कैर्य ब्रह्मा संजि यछये ॐ नमः शिवाये कर । ।
दखि प्रजापत ग्वडु व्वपदोवुन जगतुक होवुन तस व्यवहार ।
वारियाह ज्ञायि तस कन्याये ॐ नमः शिवाये कर । ।
तिमुनुय मंजु अख कूरह ज्ञायस भगवत माया गुरु चायस ।
तस निशि जनुम ह्योत माजि उमाये ॐ नमः शिवाये कर । ।
तस माजि-मॉलिस छुय जयजयकारुय तस ह्युव नु बखतावारुय कांह ।
यस गरि यिछ कोमॉरी ज्ञाये ॐ नमः शिवाये कर । ।
ब्रह्म रेश्य दीवलुकक्य सरदारुय तपु रेश्य बडि आदिकारुय सान ।
यस यिछ दया कैर दयाये ॐ नमः शिवाये कर । ।
त्रेयलुकनाथस त्रुबवनसास्स परमु शिवस भस्माधास्स ।
स्वय कोमॉरी बागनि आये ॐ नमः शिवाये कर । ।
उमा रुद्रस छु नमस्कारुय सर्वु आकारु छुय शिव-शक्ति रूप ।
व्यवाह कोरहस लोलु तु माये ॐ नमः शिवाये कर । ।
सतोवुह कोरि पथकुन आसस व्यवाह कोरनख चंद्रमस सुत्य ।
सात¹ तु नछ्त्तर² छि तमि ताराये ॐ नमः शिवाये कर । ।
प्रजापत गव मनु साविदानुय येलि शिवजी सनिदानुय आस ।
दोपनस कन थाव म्यानि लीलाये ॐ नमः शिवाये कर । ।
व्वद म्यॉन्य वातिय योरुय योरुय तोरुय तोरुय सोरुय चुय ।
येति योर कृष्णस कर व्वपाये ॐ नमः शिवाये कर । ।
पनुनिय द्वख स्वख पनुन्यन बायन वनुनिय सास्निय लॉजिम छिय ।
तिम ति बोजनावन पनुन्यन हमसायन ॐ नमः शिवाये कर । ।

1. महुस्त; 2. नक्षत्र ।

ॐॐॐॐॐ

ॐ शम
नमामि सत्गुरुं शांतम् प्रत्यक्षम् शिवरूपिनम् शिस्सा
योगा पीठस्थं धर्मकामार्थ सिद्धये ।।
ॐ